मिच एल्बोम
ट्यूजडेज़ विद मोरी के लेखक
स्ट्रिंग्स
का
उपन्यास
जादू
फ्रैंकी
प्रेस्टो

the जादुई तार का फ्रेंकी प्रेस्टो

मिच एल्बम

हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स की एक छाप

समर्पण

मेरे चाचा माइक को, कई में से पहला।
मेरे जीवन के वे संगीतकार जिन्होंने मुझे यह कहने पर मजबूर किया,
मैं उसी तरह खेलना चाहता हूं।

सूक्ति

उन सभी लड़कों को सलाम जो साथ आए।
कार्डबोर्ड के डिब्बों में सॉफ्ट गिटार ले जाना
रात भर
और क्या आपको आश्चर्य होता है कि वे लड़के कहाँ चले गए हैं?

—पॉल साइमन

अंतर्वस्तु

समर्पण
सूक्ति

भाग ---- पहला
अध्याय 1
मार्कस बेलग्रेव
अध्याय दो
अध्याय 3
क्लेम डुंड्रिज
अध्याय 4
अध्याय 5
डार्लीन लव

अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
लियोनार्ड “टैपी” फिशमैन
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
एबी क्रूज़
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
भाग 2
नाइल्स स्टैंगो
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
अध्याय 22
अध्याय 23
अध्याय 24
बर्ट बाचाराच
अध्याय 25
अध्याय 26
अध्याय 27
अध्याय 28
अध्याय 29

अध्याय 30
अध्याय 31
अध्याय 32
भाग 3
सेसिल (यॉर्क) पीटरसन
अध्याय 33
अध्याय 34
अध्याय 35
अध्याय 36
अध्याय 37
अध्याय 38
अध्याय 39
अध्याय 40
रोजर मैकगिन
अध्याय 41
अध्याय 42
अध्याय 43
भाग 4
पौ सैन्ज़
अध्याय 44
अध्याय 45
अध्याय 46
अध्याय 47
टोनी बेनेट
अध्याय 48
अध्याय 49
अध्याय 50
अध्याय 51
भाग 5

पॉल स्टेनली
अध्याय 52
अध्याय 53
भाग 6
अध्याय 54
विंटन मार्सेलिस
अध्याय 55
अध्याय 56
इंग्रिड माइकलसन
अध्याय 57
अध्याय 58
अध्याय 59
अध्याय 60
जॉन पिज़ारेली
अध्याय 61
अध्याय 62
अध्याय 63

स्वीकृतियाँ
लेखक के बारे में
मिच एल्बोम द्वारा भी।
क्रेडिट
कॉपीराइट
प्रकाशक के बारे में

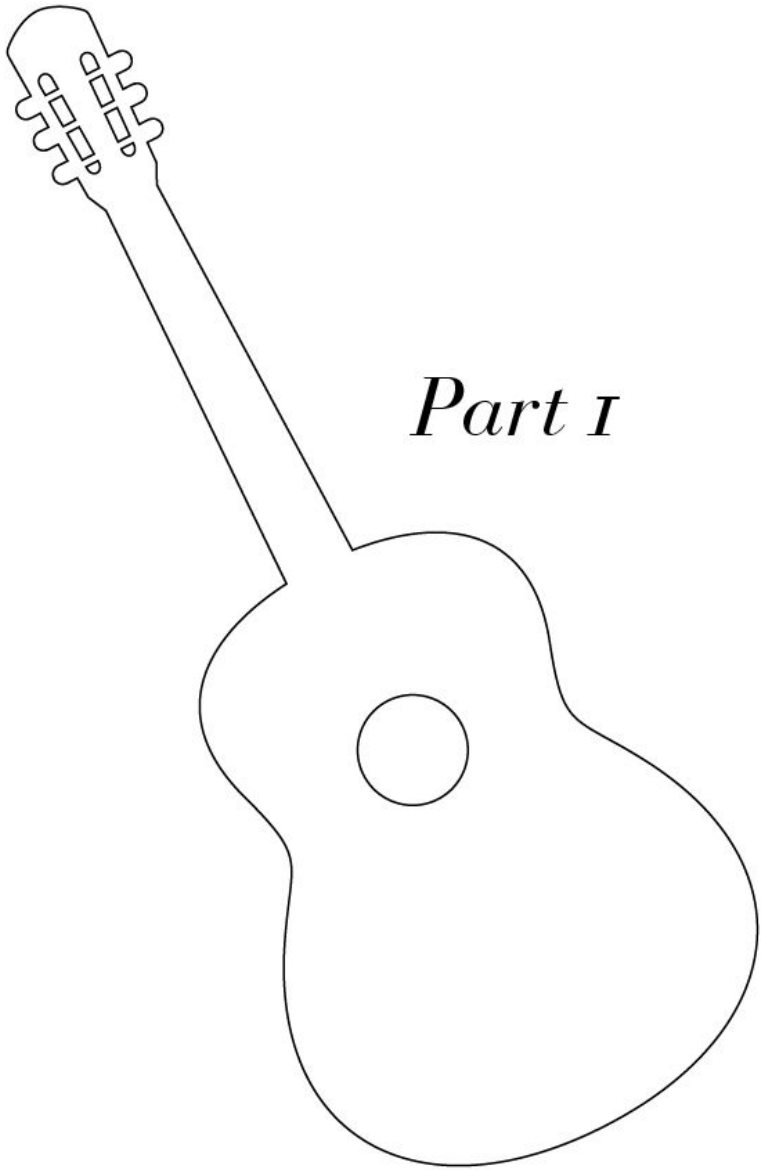

Part 1

1

मैं अपना पुरस्कार लेने आया हूँ।

वह वहीं है, ताबूत के अंदर। सच तो यह है कि वह पहले से ही मेरा है। लेकिन एक अच्छा संगीतकार अंतिम सुर बजने तक सम्मानपूर्वक रुका रहता है। इस व्यक्ति का गीत समाप्त हो चुका है, लेकिन उसके शोक मनाने वाले कुछ छंद जोड़ने के लिए बहुत दूर से आए हैं। एक तरह का समापन।

आइए सुनते हैं।

स्वर्ग इंतजार कर सकता हैं।

क्या मैं आपको डराता हूँ? मुझे नहीं डराना चाहिए। मैं मृत्यु नहीं हूँ। क्या मैं नकाबपोश, सड़न से लथपथ कोई यमराज हूँ? जैसा कि आपके युवा कहते हैं—बिल्कुल नहीं।

और न ही मैं वह महान न्यायाधीश हूँ जिससे तुम सब अंत में डरते हो। किसी के जीवन का न्याय करने वाला मैं कौन होता हूँ? मैंने अच्छे और बुरे दोनों लोगों को देखा है। इस व्यक्ति द्वारा किए गए गलत कामों पर मेरा कोई फैसला नहीं है। न ही मैं उसके गुणों का मूल्यांकन करता हूँ।

मैं उनके बारे में बहुत कुछ जानता हूं: गिटार से बुने गए उनके जादू, उनकी गहरी, मधुर आवाज से मंत्रमुग्ध कर देने वाली भीड़।

उन्होंने अपने छह नीले तारों वाले गिटार से कितनी जिंदगियां बदल दीं।

मैं यह सब साझा कर सकता हूँ।

या फिर मैं आराम कर सकता था।

मैं आराम करने के लिए हमेशा समय निकालता हूँ।

क्या आपको लगता है कि मैं शर्मीली हूँ? मैं कभी-कभी होती हूँ। मैं मधुर, शांत, विरोधाभासी, क्रोधित, जटिल और सरल भी हूँ, जैसे कि रेतीली रेत की तरह सुखदायक, और सुई की चुभन की तरह तीक्ष्ण।

मैं संगीत हूँ। और मैं यहाँ फ्रैंकी प्रेस्टो की आत्मा के लिए हूँ। पूरी आत्मा के लिए नहीं। बस उस बड़े हिस्से के लिए जो उसने इस दुनिया में आने पर मुझसे छीन लिया था। चाहे मैंने कितना भी अच्छा उपयोग किया हो, मैं एक उधार हूँ, कोई संपत्ति नहीं। तुम मुझे अपने जाने पर लौटा दोगे।

मैं फ्रेंकी की प्रतिभा को समेटकर नवजात आत्माओं में फैलाऊंगा। और एक दिन मैं तुम्हारे साथ भी ऐसा ही करूंगा। जब तुम पहली बार कोई धुन सुनते हो तो ऊपर देखते हो या ढोल की थाप पर पैर थपथपाते हो, इसके पीछे एक कारण है।

सभी मनुष्य संगीतप्रिय होते हैं।

भगवान ने आपको धड़कता हुआ दिल और किसलिए दिया होगा?

बेशक, आपमें से कुछ लोगों को मुझसे ज़्यादा जुड़ाव महसूस होता है। बाख, मोजार्ट, जोबिम, लुई आर्मस्ट्रांग, एरिक क्लैप्टन, फिलिप ग्लास, प्रिंस—ये तो बस कुछ ही नाम हैं आपके समय के। इन सभी के मामले में, मैंने जन्म के समय उनके नन्हे हाथों को महसूस किया, जो मेरी ओर बढ़े, मुझे थाम लिया। मैं एक राज़ बताता हूँ: प्रतिभाएँ इसी तरह मिलती हैं। नवजात शिशुओं के आँखें खोलने से पहले, हम उनके चारों ओर घूमते हैं, चमकीले रंगों के रूप में दिखाई देते हैं, और जब वे पहली बार अपने नन्हे हाथों को मुट्ठी में बंद करते हैं, तो वे वास्तव में उन रंगों को पकड़ रहे होते हैं जो उन्हें सबसे ज़्यादा आकर्षक लगते हैं। ये प्रतिभाएँ उनके साथ जीवन भर रहती हैं। भाग्यशाली (खैर, मेरी राय में, भाग्यशाली) मुझे चुनते हैं। संगीत। उस पल से, मैं आपकी हर गुनगुनाहट और सीटी, हर तार की झंकार या पियानो की हर कुंजी की झंकार में बस जाता हूँ।

मैं तुम्हें जीवित नहीं रख सकता। मुझमें इतनी शक्ति नहीं है।

लेकिन मैं तुममें ऊर्जा भरता हूँ।

और हाँ, मैंने ताबूत में पड़े उस व्यक्ति, मेरे रहस्यमय और गलत समझे गए फ्रैंकी प्रेस्टो में जान डाल दी, जिसकी हाल ही में एक फेस्टिवल कॉन्सर्ट के दौरान हुई मौत को खचाखच भरे दर्शकों ने देखा, उसका शरीर छत तक उठा और फिर मंच पर गिर गया, एक बेजान खोल की तरह।

इस घटना ने काफी हलचल मचा दी। आज भी, जब लोग उनके अंतिम संस्कार के लिए इस सदियों पुराने भवन में एकत्रित हुए हैं, तो वे पूछ रहे हैं, "फ्रैंकी प्रेस्टो को किसने मारा?" क्योंकि उनका कहना है कि कोई भी व्यक्ति इस तरह से अपनी मर्जी से नहीं मरता।

यह सच है।

क्या आपको पता था कि उनका असली नाम फ्रांसिस्को था? उनके मैनेजरों ने इसे छिपाने की कोशिश की। उनका मानना था कि "फ्रैंकी" नाम अमेरिकी प्रशंसकों को ज़्यादा पसंद आएगा। जिस तरह से युवा लड़कियाँ उनके कॉन्सर्ट में चिल्लाती थीं —"फ्रैंकी! आई लव यू, फ्रैंकी!"—मुझे लगता है कि वे सही थे। छोटे नाम दीवानगी के लिए ज़्यादा उपयुक्त होते हैं। लेकिन आप अपने अतीत को नहीं बदल सकते, चाहे आप अपना भविष्य कितना भी संवार लें।

उनका असली नाम फ्रांसिस्को था।

असीसी पास्कुअल प्रेस्टो के फ्रांसिस।

मुझे यह काफी पसंद है।

जिस रात यह पुरस्कार प्रदान किया गया, मैं वहीं मौजूद था।

बिल्कुल सही। मुझे फ्रैंकी प्रेस्टो के जन्म से जुड़ी वो अनसुनी बातें पता हैं, जिन्हें इतिहासकारों और संगीत समीक्षकों—यहां तक कि खुद फ्रैंकी ने भी—हमेशा एक रहस्य बताया था।

अगर आप चाहें तो मैं उन्हें साझा कर सकता हूँ।

क्या आपको आश्चर्य हुआ? इतनी चर्चित कहानी से शुरुआत करने की मेरी इच्छा? खैर, देरी क्यों? मैं तर्क या गणित जैसी "धीमी" प्रतिभाओं में से नहीं हूँ। मैं संगीत हूँ। अगर मैं आपको गायन का आशीर्वाद दूँ, तो आप पहले ही प्रयास में गा सकते हैं। संगीत रचना? मेरी सबसे बेहतरीन रचनाएँ अक्सर शुरुआती सुरों में ही छिपी होती हैं।

मोजार्ट की 'आइने क्लेने नाच्टमुसिक'? डम, दा-डम, दा-डम दा-डम दा-डम? जब उन्होंने इसे अपने फोर्टेपियानो पर बजाया तो वे ज़ोर से हँस पड़े। इसमें एक मिनट से भी कम समय लगा।

आप जानना चाहते हैं कि फ्रेंकी प्रेस्टो इस दुनिया में कैसे आया?

मैं आपको बताऊँगा।

इतना ही आसान।

यह घटना स्पेन के विलारियल शहर में घटी, जो समुद्र के किनारे बसा एक ऐसा शहर है जिसकी स्थापना सात शताब्दियों से भी अधिक समय पहले एक राजा ने की थी। मैं हर बात की शुरुआत समय के संकेत से करना पसंद करता हूँ, इसलिए आइए इसे अगस्त 1936 मान लें, एक अनियमित 6/5 लय में, क्योंकि यह देश के इतिहास का एक खूनी दौर था। एक गृहयुद्ध। ऐसी फुसफुसाहट थी कि 'एल टेरर रोजो'—लाल आतंक—इन गलियों में और विशेष रूप से इस चर्च में आने वाला है। अधिकांश पादरी और नन पहले ही ग्रामीण इलाकों में भाग चुके थे।

मुझे वो शाम अच्छी तरह याद है। (हाँ, मेरी याददाश्त अच्छी है। मेरे हाथ-पैर तो नहीं हैं, लेकिन याददाश्त असीम है।) आसमान में बिजली कड़क रही थी और बारिश की बूँदें सड़क पर ज़ोर से पड़ रही थीं। एक गर्भवती युवती अपने गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए प्रार्थना करने जल्दी से अंदर आई। उसका नाम कारमेनसीटा था। वह दुबली-पतली थी, उसकी गाल की हड्डियाँ उभरी हुई थीं और उसके बाल घने, लहरदार और गहरे अंगूर जैसे रंग के थे। उसने दो मोमबत्तियाँ जलाईं, क्रॉस का चिन्ह बनाया, अपने फूले हुए पेट पर हाथ रखे और फिर दर्द से कराह उठी। उसका प्रसव शुरू हो चुका था।

वह चीख पड़ी। भूरी आँखों और दाँतों के बीच कम जगह वाली एक युवा नन उसे उठाने के लिए दौड़ी। "शांत हो जाओ," उसने कारमेनसीटा का चेहरा अपने हाथों में लेते हुए कहा। लेकिन इससे पहले कि वे महिलाएं अस्पताल पहुँच पातीं, सामने के दरवाजे तोड़ दिए गए।

हमलावर आ चुके थे।

वे क्रांतिकारी और उग्रवादी थे, जो नई सरकार से क्रोधित थे। वे चर्च को नष्ट करने

आए थे, जैसा कि वे पूरे स्पेन में करते आ रहे थे। मूर्तियों और वेदियों को अपवित्र किया गया, पवित्र स्थलों को जलाकर राख कर दिया गया, पुजारियों और ननों की उनके अपने पवित्र स्थानों में हत्या कर दी गई।

आप सोचेंगे कि जब ऐसी भयावह घटना घटित होती है, तो नया जीवन सदमे में जम जाता है। लेकिन ऐसा नहीं होता। न तो खुशी और न ही भय जन्म को रोक पाते हैं। भावी फ्रैंकी प्रेस्टो को अपनी माँ के गर्भ के बाहर के युद्ध के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। वह जन्म के लिए तैयार था।

और मैं भी ऐसा ही था।

युवा नन जल्दी से कारमेनसीटा को एक गुप्त कक्ष में ले गई, जो सदियों पहले बनी गुप्त सीढ़ियों से ऊपर था। जैसे ही हमलावरों ने नीचे चर्च को नष्ट किया, उसने फ्रैंकी की माँ को मोमबत्तियों से रोशन एक कोने में एक धूसर कंबल पर लिटा दिया। दोनों महिलाएं तेजी से सांस ले रही थीं, जिससे एक लय बन रही थी, अंदर-बाहर।

"शांत हो जाओ, शांत हो जाओ," नन फुसफुसाती रही।

बारिश की बूँदें हथौड़ों की तरह छत पर पड़ रही थीं। गरज किसी ढोल की तरह गूंज रही थी। नीचे हमलावरों ने भोजन कक्ष में आग लगा दी और लपटें सौ कैस्टनेट की तरह चटक रही थीं। जो कुछ लोग चर्च से भाग नहीं पाए थे, वे चीख रहे थे, ऊँची, विनती भरी आवाज़ में, लेकिन अत्याचार करने वालों के कठोर आदेशों से उनकी आवाज़ दबी जा रही थी। ऊँची-नीची आवाज़ें, चटकती आग, तेज़ हवा, बारिश की गूँज और गरजते बादल एक क्रोधित संगीत की तरह गूंज रहे थे, जो चरम सीमा तक पहुँच रहा था। जैसे ही हमलावरों ने संत पास्कुअल की कब्र खोली, उनकी अस्थियों को अपवित्र करने के लिए, बेसिलिका के ऊपर की घंटियाँ बजने लगीं, जिससे सभी का ध्यान ऊपर की ओर गया।

ठीक उसी क्षण, फ्रैंकी प्रेस्टो का जन्म हुआ।

उसके छोटे-छोटे हाथ मुट्ठी बन गए।

और उसने मेरा एक हिस्सा ले लिया।

आह-आह-आह। क्या मैं इस कहानी को लिखने के लिए प्रतिबद्ध हूँ? मुझे इसकी

रचना पर विचार करना होगा। किसी जन्म की कहानी सुनाना एक बात है, और पूरे जीवन की कहानी सुनाना बिलकुल अलग बात है।

चलिए ताबूत को यहीं छोड़कर थोड़ी देर के लिए बाहर चलते हैं, जहाँ सुबह की धूप के कारण संकरी गलियों में खड़ी कारों से बाहर निकलते समय लोगों की आँखें चौंधिया रही हैं। अभी तक कुछ ही लोग आए हैं। और भी बहुतों को आना चाहिए था। मेरे अनुमान के अनुसार (जो हमेशा सटीक होता है) फ्रैंकी प्रेस्टो ने अपने जीवनकाल में तीन सौ चौहत्तर बैंडों के साथ प्रदर्शन किया था।

आपको लगेगा कि इसका मतलब एक बड़ा अंतिम संस्कार होगा।

लेकिन इस जीवन में हर कोई किसी न किसी समूह से जुड़ता है। उनमें से कुछ ही संगीत में माहिर होते हैं। फ्रैंकी, मेरा प्रिय शिष्य, एक गिटारवादक, एक गायक और अपने जीवन के एक बड़े हिस्से में गुमनाम रहे एक प्रसिद्ध कलाकार से कहीं बढ़कर था। बचपन में उसने बहुत कष्ट झेले, और उन कष्टों के बदले उसे एक वरदान मिला। एक ऐसा वाद्य यंत्र जिसने उसे लोगों के जीवन को बदलने की शक्ति दी।

छह तार।

छह जिंदगियां।

शायद इसीलिए यह विदाई दिलचस्प साबित हो सकती है। और इसीलिए मैं शोक मनाने वालों की बातें सुनने के लिए रुकूँगा—फ्रैंकी की अद्भुत संगीतमय प्रस्तुति, जैसा कि उसे जानने वाले लोग प्रस्तुत करेंगे। उसकी रहस्यमय मृत्यु का मामला भी है, और उस रहस्यमय आकृति का भी जो उससे ठीक पहले उसका पीछा कर रही थी।

मैं चाहता हूं कि इस समस्या का समाधान हो जाए।

संगीत को समाधान की चाह होती है।

लेकिन फिलहाल मुझे आराम करना चाहिए। बहुत सारे संदेश पहले ही साझा किए जा चुके हैं। क्या आप चर्च की सीढ़ियों पर सिगरेट पीते उन आदमियों को देख रहे हैं? ट्वीड की टोपी पहने हुए आदमी को? वह भी एक संगीतकार है। तुरही वादक। कभी उसकी उंगलियां बहुत फुर्तीली थीं, लेकिन अब वह बूढ़ा हो गया है और बीमारी से जूझ रहा है।

एक पल के लिए उसकी बात सुनो।

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड में शामिल हो जाता है।

फ्रेंकी कभी अपने यहाँ था।

मार्कस बेलग्रेव

जैज़ ट्रम्पेट वादक, मार्कस बेलग्रेव और उनका क्विंटेट; रे चार्ल्स बैंड;
मैककॉय टाइनर, डिज़ी गिलेस्पी, एला फिट्ज़गेराल्ड और अन्य के साथ
सहायक कलाकार के रूप में।

मुझे एक सिगरेट दो... हम्म... हम्म... धन्यवाद...

नहीं, बिलकुल नहीं, मुझे भी यकीन नहीं हो रहा। कोई ऐसे नहीं मरता। लेकिन मैं आपको बता रही हूँ, फ्रेंकी के साथ कुछ अजीबोगरीब चीज़ें हो रही थीं, जादू, टोना, कुछ ऐसा ही... मैंने ये कहानी आज तक किसी को नहीं बताई, लेकिन कसम से ये सच है।

हम डेट्रॉइट के एक क्लब में परफॉर्म कर रहे थे, शायद 1951 या 1952 में, उस इलाके में जिसे ब्लैक बॉटम कहते थे। वहाँ पहले कई अच्छे क्लब हुआ करते थे, लेकिन युद्ध के बाद, वहाँ का माहौल काफी खतरनाक हो गया।

खैर, हम शुक्रवार की रात को चार सेट बजा रहे थे—आठ बजे, दस बजे, आधी रात और दो बजे—और फ्रैंकी हमारे साथ था, बस एक दुबला-पतला किशोर जो गिटार बजाता था। यह तब की बात है जब उसने हिट गाने नहीं दिए थे और न ही गाना शुरू किया था। सच कहूँ तो, मुझे उसका सरनेम भी नहीं पता था। बस "फ्रैंकी"। उसकी कम उम्र की वजह से उसे वहाँ नहीं होना चाहिए था, लेकिन उसने कभी पैसे नहीं मांगे, और क्लब के मालिक के लिए, इससे वह इक्कीस साल का हो गया, समझ रहे हो ना? हमने उसे पीछे, लाइमलाइट से दूर, बैठने दिया, उसके घने काले बाल छाया में उछल रहे थे। रात के अंत में, उसे चिकन की एक प्लेट मुफ्त मिली, और हमें एक मुफ्त गिटार वादक मिल गया।

मुझे पता है, मुझे पता है, मैं मुद्दे पर आ रहा हूँ। जैसा कि मैंने कहा, वह जगह अब घटिया हो गई थी, कुछ बुरे लोग भी थे, और एक बार हम "स्मोकहाउस ब्लूज़" बजा रहे थे, और एक बड़ा दाढ़ी वाला आदमी कोने में एक सुंदर गोरी लड़की के साथ बैठा

था जिसने बहुत ज्यादा लिपस्टिक लगा रखी थी, शायद खुद को बड़ा दिखाने की कोशिश कर रही थी।

खैर, कुछ तो हुआ होगा, क्योंकि दाढ़ी वाला आदमी उछलकर लड़की को दीवार से धक्का देता है, उसकी कुर्सी पीछे की ओर उड़ जाती है, और उसके गले पर चाकू है। वह उसका गला घोंट रहा है, चीख रहा है, उसे हर तरह की गालियां दे रहा है। टिली, हमारा पियानो वादक, सीधे दरवाजे से बाहर चला जाता है, क्योंकि वह ऐसा ही था—हम उसे "कोई परेशानी नहीं चाहता टिली" कहकर बुलाते थे—लेकिन हम बाकी लोग उस जमे हुए से भावों के साथ सुरों पर धुन बजा रहे थे, जब आप देखना नहीं चाहते, लेकिन नज़रें भी नहीं हटा सकते। ऐसा लग रहा था मानो अगर हमने बजाना बंद कर दिया, तो दाढ़ी वाला आदमी उस लड़की को मार डालेगा। वह चीख रहा है, चाकू लहरा रहा है, लड़की का दम घुट रहा है, और कोई कुछ नहीं कर रहा था, क्योंकि वह आदमी बहुत ताकतवर था।

फिर अचानक, फ्रैंकी आगे कूद पड़ा और बहुत तेज़ और ज़ोर से बजाने लगा। वो इतना अच्छा बजा रहा था कि लोग समझ ही नहीं पा रहे थे कि इधर देखें। फ्रैंकी चिल्लाया, "हे!" और बियर्ड ने उधर देखा और नशे में कुछ बड़बड़ाया। लेकिन फ्रैंकी और तेज़ बजाने लगा। मैं, टोनी और एलॉय, हम सब उसकी ताल मिलाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वो पूरी तरह से अपने ही धुन में खोया हुआ था, उसकी उंगलियां मानो किसी भूत के वश में थीं।

“हे!” फ्रेंकी फिर से चिल्लाया, और वह बिजली की तरह तेज़ बजा रहा था, हर सुर एकदम साफ और सटीक था। और तभी वह आदमी पलटकर उस पर चाकू तान देता है मानो चुनौती स्वीकार कर रहा हो।

"तेज़ चलो," दाढ़ी वाला बड़बड़ाता है।

तो फ्रेंकी और तेज़ हो गया। कुछ लोग खुशी से चिल्लाने लगे, जैसे कोई खेल खेल रहे हों। और अब फ्रेंकी "स्मोकहाउस" से निकलकर "फ्लाइट ऑफ द बम्बलबी" बजाने लगा, पता है ना, वो रूसी ओपेरा? मैं अपने हॉर्न पर सुर ढूंढने की कोशिश कर रहा था, और एलॉय इतनी ज़ोर से पैडल मार रहा था कि मानो उसका पैर ही टूट जाएगा।

और फिर वही आदमी चिल्लाता है, "और तेज़!"

और हम सोच रहे थे कि भगवान की कसम, कोई भी इससे तेज़ नहीं बजा सकता —लेकिन इससे पहले कि हम यह सोच भी पूरी कर पाते, फ्रेंकी ने फिर से अपनी

गति बढ़ा दी, उसकी उंगलियां नीचे के तारों से ऊपर के तारों तक इतनी तेज़ी से दौड़ रही थीं कि मुझे लगा मानो उस गिटार से मधुमक्खियों का झुंड उड़कर बाहर आ जाएगा। वह अपने हाथों की तरफ देख भी नहीं रहा था। वह बस उस आदमी को घूर रहा था, उसके होंठ थोड़े खुले हुए थे, बाल उसके माथे पर गिरे हुए थे, और अब सब लोग ताली बजा रहे थे, एलॉय की ताल के साथ ताल मिलाने की कोशिश कर रहे थे, और फ्रेंकी ने गर्दन के आखिरी सिरे से लेकर सबसे ऊंचे फ्रेट्स तक अपनी यह तेज़ धुन शुरू की और बियर्ड लगभग सम्मोहित हो गया और वह उसे और करीब से देखने के लिए पास आया। फ्रेंकी लिपस्टिक वाली लड़की को घूर रहा था और वह उसे घूर रही थी, और फिर उसने अपना सिर झटका और वह गोली की तरह तेज़ी से वहां से गायब हो गई।

और अब पूरा हॉल उसी तरह से शोर मचा रहा है जैसे भीड़ मचाती है—आप जानते हैं, "वू! वू! वू! वू!"—और वो लड़का अपने होंठ सिकोड़ता है और सबसे ऊंचे सुरों पर पहुँच जाता है, ऐसा लगता है जैसे वो नन्हे पक्षियों को नोच रहा हो, इतना ऊंचा सुर। और बियर्ड स्टेज के किनारे पर खड़ा है और फ्रैंकी गिटार की गर्दन को ठीक उसकी तरफ ऐसे तान देता है जैसे कोई मशीन गन हो—बैंगडेडीबैंगडेडीबैंग—और फिर वो खत्म। समाप्त। और वो गिटार को अपने सिर के ऊपर घुमाता है और पूरा हॉल पागल हो जाता है, सब ज़ोर-ज़ोर से सांस ले रहे होते हैं, जैसे, यार, ये लड़का कमाल का बजाता है और हमें खुशी है कि कोई मरा नहीं।

और फिर फ्रेंकी उस लड़की का पीछा करते हुए दरवाजे से बाहर भाग जाता है।

लेकिन बात ये है।

मैंने उसके गिटार को देखा, और उसका एक तार नीला पड़ गया था। कसम से। एकदम नीली, जैसे आग की लपटों का केंद्र।

मैंने मन ही मन सोचा, मुझे नहीं पता कि यह बच्चा कहाँ से आया है। शायद मैं जानना ही नहीं चाहता।

2

कुंआ।

इसमें एक संकेत है।

बहुत ज्यादा लिपस्टिक लगाए उस गोरी लड़की की जान बच जाती अगर फ्रेंकी ने वो न किया होता जो उसने किया। लेकिन वो इतना छोटा था कि ऐसी बातें समझ नहीं पाता था, और न ही उसे पता था कि उसके पास इतनी शक्ति है।

मैं क्षमाप्रार्थी हूं।

ऊपर।

खिड़की की चौखट पर।

मैं रसोई के रेडियो पर ब्लोंडी का गाना "हार्ट ऑफ ग्लास" सुन रहा हूँ जो चर्च के पीछे वाली गली में बज रहा है। क्या आपने कभी गौर किया है कि बाहर खुले में संगीत बजाने पर उसकी आवाज़ कितनी अलग होती है? बगीचे में शादी के दौरान सेलो की आवाज़? समुद्र किनारे के मनोरंजन पार्क में कैलिओप की आवाज़?

क्योंकि मेरा जन्म खुली हवा में, समुद्र की लहरों के झटकों और रेत के तूफानों की सीटी, उल्लुओं की आवाज़ और तुई पक्षियों की चहचहाहट के बीच हुआ है। मैं गूँज में सफ़र करता हूँ। मैं हवा के झोंकों पर सवार होता हूँ। प्रकृति ने मुझे गढ़ा है, मैं कठोर और बेबाक हूँ। केवल मनुष्य ही मुझे तराशकर सुंदर बनाता है।

जो आपने किया है। ठीक है। लेकिन इस दौरान आपने कुछ धारणाएँ बना लीं, जैसे कि वातावरण जितना शांत होगा, मैं उतना ही शुद्ध होऊंगा। बकवास। मेरे एक शिष्य, सन्नी रोलिंस नाम के एक दुबले-पतले सैक्सोफोन वादक ने न्यूयॉर्क शहर के एक पुल पर तीन साल तक अपना हॉर्न बजाया, उनकी कोमल जैज़ धुनें यातायात के शोर के बीच गूंजती रहीं। मैं अक्सर वहाँ गर्डरों पर रुककर उन्हें सुनता था।

या फिर मेरे प्यारे फ्रेंकी, जो घंटियों की कर्कश ध्वनि और विनाश के शोरगुल के बीच पैदा हुआ था। क्या आपको वो रात याद है, जलते हुए चर्च के अंदर? फ्रेंकी की माँ, कारमेनसीटा को अपने नवजात शिशु को रोने से रोकना पड़ा, कहीं ऐसा न हो कि उन्हें किसी खूंखार मिलिशिया ने देख लिया हो। इसलिए, धूसर कंबल पर लेटे हुए, उसने उसके कान में एक गीत गुनगुनाया। यह अतीत की एक धुन थी, जो विलारियल

शहर में बहुत प्रसिद्ध थी, और यहीं के मूल निवासी, मेरे प्रतिभाशाली गिटारवादक फ्रांसिस्को टार्रेगा द्वारा रचित थी। कारमेनसीटा ने इसे इतनी पवित्रता से गुनगुनाया जैसे कोई गीत गुनगुनाया जा सकता है, उसकी आँखों से आँसू बहकर नवजात शिशु की त्वचा पर गिर रहे थे।

वह नहीं रोया।

अच्छा ही हुआ, क्योंकि कुछ ही मिनटों में हमलावर मुख्य वेदी तक पहुँच गए थे और नीचे सब कुछ नष्ट करने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। वे करीब आ रहे थे और जल्द ही सीढ़ियाँ चढ़ जाएँगे। भूरी आँखों और दाँतों के बीच गैप वाली नन काँप रही थी। वह जानती थी कि नई माँ को हिलाया नहीं जा सकता; वह बहुत कमज़ोर थी, चारों तरफ खून ही खून था।

वह यह भी जानती थी कि हमलावर जिस भी नन को ढूंढ निकालेंगे, उसे मार डालेंगे।

उसने मन ही मन प्रार्थना की, अपने सिर के ऊपर से अपना कुर्ता उतार दिया और मोमबत्तियों की लौ पर अपनी उंगलियां दबाकर रोशनी बुझा दी।

“चुप रहो,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

कारमेनसीटा ने अपने बेटे के लिए गाए जाने वाले एकमात्र गीत को गाना बंद कर दिया।

उस गाने का नाम “लाग्रिमा” था।

इसका अर्थ है "आंसू की बूंद"।

बेशक, यह सब बेतुका लगता है अगर आप फ्रैंकी प्रेस्टो को केवल उनके सबसे लोकप्रिय वर्षों, यानी 1950 के दशक के उत्तरार्ध और 1960 के दशक के आरंभिक वर्षों से जानते हों, जब उन्हें "अगला एल्विस प्रेस्ली" कहा जाता था और उन्होंने ऐसे रिकॉर्ड बनाए जिनके कारण उन्हें टेलीविजन पर आने और शोरगुल भरे संगीत कार्यक्रमों में भाग लेने का मौका मिला और उनकी एक प्रतिष्ठित तस्वीर है जिसमें वह एक टैन स्पोर्ट्स कोट और गुलाबी कॉलर वाली शर्ट पहने मुस्कुराते हुए, कार की खिड़की से बाहर झुककर एक खूबसूरत भूरे बालों वाली महिला के हाथ पर हस्ताक्षर

कर रहे हैं।

लाइफ पत्रिका द्वारा इस्तेमाल की गई वह तस्वीर उनके सबसे सफल एल्बम, फ्रैंकी प्रेस्टो वांट्स टू लव यू का कवर बनी। इसकी लाखों प्रतियां बिकीं और इससे उन्हें इतनी कमाई हुई जिसकी उन्होंने विलारियल की गरीब गलियों में अपने बचपन के दिनों में कभी कल्पना भी नहीं की थी, जहां लोग घोड़ों से खींची जाने वाली गाड़ियों में संतरे ढोते थे।

लेकिन उस दौर तक, फ्रैंकी एक अमेरिकी कलाकार बन चुके थे, जिनका मैनेजर भी अमेरिकी था, और उनके गायन में स्पेनिश लहजे का कोई नामोनिशान नहीं था। यहाँ तक कि गिटार बजाने की उनकी कला भी हाशिए पर चली गई थी। सच कहूँ तो, जो गाने उन्हें गाने को दिए जाते थे, वे उनकी प्रतिभा के स्तर से कहीं नीचे थे।

लेकिन मैंने अभी तक आपको उनके पहले वाद्य यंत्र, या बिना बालों वाले कुत्ते, या पेड़ पर बैठी लड़की, या एल मेस्ट्रो, या युद्ध, या जैंगो, या एल्विस, या हैंक विलियम्स, या फ्रैंकी के अपनी लोकप्रियता के चरम पर गायब होने के कारणों के बारे में नहीं बताया है।

या फिर उनकी मृत्यु कैसे हुई, जब वे स्तब्ध दर्शकों के बीच से उठ खड़े हुए।

फ्रेंकी की यात्रा। साझा करने लायक कितनी दिलचस्प कहानी है! आपकी रुचि देखकर अच्छा लगा। मुझे तो हमेशा श्रोताओं का होना अच्छा लगता है।

गाड़ियाँ आ गईं। सूरज शहर के ऊपर चढ़ रहा है। पुजारी अभी भी अपने कक्ष में कपड़े पहन रहे हैं।

मुझे लगता है, अभी समय है।

तो चलिए सीधे मुद्दे पर आते हैं, जैसा कि प्रेस्टो नाम के व्यक्ति के लिए उचित है। आज शायद आप इस शब्द का इस्तेमाल किसी जादू के करतब के बाद करते हों। लेकिन एक समय था जब संगीतकार इसका इस्तेमाल मेरी सबसे तेज़, चमकदार, जोशीली और ऊर्जावान लय को दर्शाने के लिए करते थे। प्रेस्टो।

इसका अर्थ "तैयार" भी होता है।

क्या आप तैयार हैं?

यह मेरे बच्चे की कहानी का शेष भाग है।

3

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड में शामिल होता है।

आप अपने पहले परिवार में जन्म लेते हैं। आपकी माँ मुख्य भूमिका निभाती हैं। वह आपके पिता और भाई-बहनों के साथ मंच साझा करती हैं। या शायद आपके पिता अनुपस्थित हों, मानो स्पॉटलाइट के नीचे एक खाली कुर्सी हों। लेकिन फिर भी वह एक संस्थापक सदस्य हैं, और अगर वह कभी सामने आते हैं, तो आपको उनके लिए जगह बनानी होगी।

जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ता है, आप अन्य समूहों से जुड़ेंगे, कुछ दोस्ती के माध्यम से, कुछ पड़ोस के माध्यम से, कुछ स्कूल के माध्यम से, कुछ सेना के माध्यम से। हो सकता है कि आप सभी एक जैसे कपड़े पहनें, या अपनी निजी शब्दावली पर हँसें। हो सकता है कि आप मंच के पीछे सोफे पर आराम करें, या किसी बोर्डरूम की मेज पर बैठें, या किसी जहाज के अंदर रसोईघर में भीड़ लगाएं। लेकिन आप जिस भी समूह में शामिल होंगे, उसमें आपकी एक अलग भूमिका होगी, और यह आपको उतना ही प्रभावित करेगी जितना आप इसे प्रभावित करेंगे।

और, जैसा कि आमतौर पर बैंडों के साथ होता है, उनमें से अधिकांश दूरी, मतभेद, तलाक या मृत्यु के कारण टूट जाएंगे।

फ्रेंकी का पहला बैंड एक जोड़ी का था—मां और बच्ची। ईश्वर की कृपा से, उस रात हमलावरों ने उन्हें नहीं देखा और वे जलते हुए चर्च से बच निकलने में कामयाब रहे। लेकिन उस भयानक घटना से सदमे में आकर, वह महिला कस्बे के सबसे दूर वाले हिस्से में चली गई और उसने कभी भी अपने साथ हुई घटना के बारे में किसी से बात नहीं की। उन वर्षों में स्पेन में बहुत अविश्वास था; लोग अपने राज़ अपने तक ही रखते

थे। जब कस्बे के लोग पास से गुजरते, तो मां अपना सिर नीचे कर लेती, नज़रें मिलाने से बचती।

“कितना सुंदर लड़का है!” वे लोग हैरानी से कहते थे।

“धन्यवाद,” वह बुदबुदाते हुए जल्दी से आगे बढ़ जाती।

बच्चे के सिर पर घने काले बाल उग आए। जैसे-जैसे महीने बीतते गए, महिला ने देखा कि जब भी चर्च की घंटियाँ बजतीं, वह मुड़ जाता था। एक बार वे सड़क पर बांसुरी बजाते एक संगीतकार के पास से गुज़रे, और छोटे फ्रांसिस्को ने अपने हाथ ऐसे बढ़ाए मानो मुझे और पकड़ना चाहता हो (हालाँकि उसके पास पहले से ही काफ़ी कुछ था, धन्यवाद)।

वह लगभग हर तरह से एक सामान्य शिशु था, सिवाय इसके कि लंबे समय तक वह रोता ही नहीं था। वह लगभग कोई आवाज़ नहीं निकालता था। वे एक बेकरी के ऊपर एक कमरे के फ्लैट में रहते थे, और जब उन्हें भूख लगती थी, जो अक्सर होता था, तो माँ नीचे जाकर बूढ़े बेकर का इंतज़ार करती थी ताकि वह उसके शांत बच्चे के बारे में पूछ सके। वह अपनी नज़रें झुका लेती थी, और वह सहानुभूति से आह भरता था। "चिंता मत करो, महोदया, मुझे यकीन है कि वह एक दिन बोलना सीख जाएगा," वह कहता था, और उसे जैतून के तेल में भीगे हुए रोल की एक प्लेट दे देता था। कभी-कभी वह सिलाई या कपड़े धोने से पैसे कमा लेती थी। लेकिन देश अपने विनाशकारी युद्ध से जूझ रहा था, पैसा कम था, और एक बच्चे के साथ अकेली वह मुश्किल से ही काम कर पाती थी। महीने दर महीने, वह जैसे-तैसे घर चला पाती थी।

पड़ोसियों ने कहा, "चर्च जाओ, वे तुम्हारी मदद करेंगे।" लेकिन उसने ऐसा कभी नहीं किया। वह अब चर्च से कोई वास्ता नहीं रखना चाहती थी।

जब फ्रेंकी का पहला जन्मदिन आया, तो एकरसता तोड़ने के लिए, वह उसे शहर की इकलौती पक्की सड़क, कैले मेयर, पर ले गई और वहाँ के सबसे बड़े स्टोर, कासा मेडिना में गई, ताकि उन चीज़ों को देख सके जो वे कभी खरीद नहीं सकते थे। वह नए स्ट्रोलर के पास रुक गई, यह सोचते हुए कि काश वह भी एक खरीद पाती। स्टोर में एक चाबी से चलने वाला ग्रामोफोन भी था, और बाहर निकलते समय वह उसे निहारने के लिए रुक गई। पतली मूंछों वाला एक सलीके से कपड़े पहना हुआ आदमी, मालिक, आगे बढ़ा, शायद यह देखकर कि उसने शादी की अंगूठी नहीं पहनी थी। उसने मुस्कुराते हुए उस पर एक नई पॉलिश की हुई डिस्क लगाई।

“सुनिए, महोदया,” उसने गर्व से कहा। उस डिस्क पर मौजूद कलाकार स्पेनिश गिटार वादक एंड्रेस सेगोविया थे। उन्होंने उस सुबह जो संगीत बजाया, उससे नन्हा फ्रैंकी मंत्रमुग्ध हो गया। उसका सिर एक तरफ झुक गया। उसके छोटे हाथ मुट्ठी में बंद हो गए।

और जब गाना खत्म हुआ, तो आखिरकार वह रो पड़ा।

जोर से।

बच्चे की आवाज़ किसी वयस्क व्यक्ति जितनी तेज़ थी। दुकानदार ने मुँह बनाया। ग्राहकों ने मुँह बनाया। शर्मिंदा माँ ने उसे ज़ोर से हिलाया और फुफकारते हुए कहा, "चुप रहो!" लेकिन उसकी चीख जारी रही, इतनी तेज़ कि दुकान के एक कोने से दूसरे कोने तक सुनाई दे रही थी। एक अन्य विक्रेता ने काउंटर पर रखी प्लेट से एक मिठाई उठाई और फ्रैंकी को चुप कराने के लिए उसके होठों पर रख दी, लेकिन बच्चा अपने हाथ बेतहाशा हिलाने लगा और और भी ज़ोर से रोने लगा।

अंत में, घबराए हुए मालिक ने ग्रामोफोन की भुजा को वापस डिस्क पर रख दिया।

सेगोविया ने फिर से खेला।

और फ्रेंकी चुप हो गया।

आपको मुझे गाना बताने की जरूरत नहीं है।

"आंसू की बूंद।"

उस दिन के बाद से बच्चा कभी शांत नहीं रहा। वह हर समय रोता रहता था। कोई भी पल उसे शांत नहीं कर पाता था। न तो बिस्तर और न ही कंबल उसे आराम दे पाते थे। वह मुर्गे या गली के कुत्तों से भी ज़्यादा ज़ोर से रोता था। ऐसा लगता था मानो वह किसी ऐसी चीज़ के लिए चीख रहा हो जो उसे कभी नहीं मिल सकती।

“बस करो!” पड़ोसी खिड़कियों से चिल्लाते थे। “उसे दूध दो! उसे रोको!”

लेकिन कोई उपाय कारगर नहीं हुआ। रात-दर-रात वह रोता रहता, यहाँ तक कि दीवारों पर मुट्ठियाँ पटकता और छत पर झाड़ू मारता रहता। “कुछ करो!” “हमें सोना है!” किसी को भी इतना ज़ोर से रोने वाला बच्चा याद नहीं था। यहाँ तक कि नीचे

वाले बेकर ने भी माँ को रोटी देना बंद कर दिया, इस उम्मीद में कि उन्हें रहने के लिए कोई और जगह मिल जाएगी।

सहायता न मिलने और भोजन की कमी के कारण बेचारी महिला की हालत बहुत खराब हो गई थी। उसे नींद नहीं आती थी। वह अवसादग्रस्त हो गई। भूख से उसका शरीर क्षत-विक्षत हो गया और उसकी सेहत बिगड़ती चली गई। जैसे-जैसे सर्दी नजदीक आती गई, उसे बुखार चढ़ गया और वह बेहोशी के दौरे पड़ने लगे। वह गले में लाल तौलिया लपेटकर सड़कों पर घूमती रहती, और फ्रांसिस्को को फ्लैट में अकेले रोने के लिए छोड़ देती। कभी-कभी वह कुछ बुदबुदाती, मानो कोई उससे कुछ कह रहा हो।

एक ठंडी सुबह, बच्चे को खिलाने के लिए कुछ नहीं था और उसकी चीखों को रोकने का कोई उपाय नहीं था, इसलिए वह उसे शहर के बाहरी इलाके में ले गई, जहाँ मिजारेस नदी समुद्र में मिलती है। वह एक पहाड़ी से उतरकर नदी किनारे पहुँची। तेज़ हवा चल रही थी, जिससे कीचड़ से भरे पत्तों में हलचल मच रही थी। उसने भूरे रंग के कंबल में लिपटे बच्चे को देखा। एक पल के लिए वह चुप हो गया, और उसका चेहरा नरम पड़ गया। लेकिन तभी दूर चर्च की घंटियाँ बज उठीं और उसका रोना फिर से शुरू हो गया। उसने अपना सिर पीछे झुकाया और खुद भी एक चीख निकाली।

उसने बच्चे को पानी में फेंक दिया।

और वह भाग गई।

एक माँ को कभी ऐसा नहीं करना चाहिए। लेकिन इस महिला ने किया, उसकी भूरी आँखों से आँसू बह रहे थे और उसके दाँतों के बीच से निकल रहे थे। वह तब तक दौड़ती रही जब तक उसकी साँसें लगभग फटने वाली नहीं हो गईं, और उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा, न बच्चे को, न नदी को।

एक माँ को कभी ऐसा नहीं करना चाहिए। लेकिन यह महिला फ्रैंकी की माँ नहीं थी। वह महिला चर्च के कक्ष में नन के वस्त्र पहने मृत पाई गई थी।

क्लेम डुंड्रिज

कैसे हो? . . . किसी टीवी स्टेशन में काम करते हो क्या? . . . ये लोग अंतिम संस्कार कब शुरू करेंगे, कोई अंदाज़ा है?

मैं? नहीं... मैं कभी स्पेन नहीं गया—लेकिन मुझे वहाँ का संगीत पसंद है। हा! तुम्हें वो गाना याद है ना?... वो किसने गाया था? अरे यार... थ्री समथिंग... थ्री डॉग नाइट! यही नाम है... ये कैसा बेवकूफी भरा नाम है?

अरे हाँ, मुझे पता है। जहाँ मैं रहता हूँ, वहाँ अंतिम संस्कार कभी समय पर शुरू नहीं होते, न ही... ग्रीनविले, साउथ कैरोलिना, अमेरिका...

नहीं, मैंने फ्रैंकी को करीब बीस साल से नहीं देखा था। बस संपर्क टूट गया था, आप जानते हैं? ज्यादातर लोगों का उससे संपर्क टूट ही गया था, है ना? वह ऐसा ही था। मुझे तो पता भी नहीं था कि वह अभी भी संगीत बजा रहा है, जब तक कि मुझे उसकी मौत की खबर नहीं मिली।

उनसे मुलाकात हुई? हा! इसके लिए तैयार हैं? मेरी मुलाकात उनसे एल्विस प्रेस्ली के साथ 1957 में लुइसियाना हेराइड सर्किट पर हुई थी। . . . जी हाँ। . . जी हाँ। . . . खैर, ये बिल्कुल सच कहानी है। मुझे अब इसे बताने में कोई आपत्ति नहीं है। मुझे एल्विस और फ्रैंकी की मृत्यु तक चुप रहना था। लेकिन अब वे दोनों इस दुनिया से चले गए हैं, और मैं बयासी साल की हो गई हूँ। अब किस बात का इंतज़ार कर रही हूँ? मैं सोच रही हूँ कि शायद इसे चर्च में बताऊँ। क्या हमें प्रार्थना सभा के दौरान बोलने की अनुमति है? ये कैथोलिक चर्च है, है ना? शायद वे बोलने न दें...

अभी? . . . सुनो। अगर तुम मुझे भी अपनी थोड़ी सी कॉफ़ी पीने दोगे, तो मैं पी लूँगा . . . धन्यवाद . . . आपका बहुत आभारी हूँ . . . हम्म . . .

ठीक है। तो ये सब हुआ। उन दिनों मैं जॉर्डनयर्स के साथ गाता था, जो एल्विस का बैकअप ग्रुप था। कई सालों तक जॉर्डनयर्स में बहुत से लोग आते-जाते रहे, ज्यादातर गॉस्पेल गायक थे, उनमें से कुछ पादरी भी थे जो बाद में चर्च लौट गए। मैं उनके साथ थोड़े समय के लिए ही रहा, लेकिन उस दौरान एल्विस की लोकप्रियता बढ़ती जा रही थी। उनका हर शो पिछले शो से बड़ा होता जा रहा था।

फ्रैंकी दिखने में एल्विस से काफी मिलता-जुलता था, इसमें कोई शक नहीं। दोनों की मुस्कान दांतों से भरी होती थी और बाल भी घने काले होते थे, हालांकि एल्विस

अपने बालों को रंगता था, लेकिन उनका प्राकृतिक रंग लाल-भूरा था। फ्रैंकी थोड़ा लंबा और थोड़ा पतला था। लेकिन उन दिनों, किसी को नहीं पता था कि फ्रैंकी गिटार बजाने के अलावा कुछ और भी कर सकता है। मुझे तो यह भी नहीं पता कि वह लुइसियाना कैसे पहुंचा। किसी ने कहा था कि वह डेट्रॉइट से कार की डिक्की में बैठकर आया था। सच में? लेकिन वह अपने आप में रहता था और सिगरेट या अय्याशी नहीं करता था, और अगर आप किसी बैंड में रहते हुए ऐसा नहीं करते, तो आपको जानने का समय ही नहीं मिलता।

खैर, एक दोपहर हम श्रेवेपोर्ट म्युनिसिपल ऑडिटोरियम में थे—वहीं पर लुइसियाना हेराइड की रिकॉर्डिंग होती थी, जो वहाँ का एक बहुत बड़ा रेडियो कार्यक्रम था—और हम उस रात के शो के लिए साउंड चेक कर रहे थे, और एल्विस कहीं किसी लड़की के साथ पता नहीं क्या कर रहा था। एल्विस के मैनेजर कर्नल पार्कर इतने गुस्से में थे कि किसी की टांग खींच देने को तैयार थे। कर्नल बहुत सख्त मिजाज के थे और उन्हें किसी का भी देर से आना बिल्कुल पसंद नहीं था—यहाँ तक कि एल्विस का भी। हम पाँच-दस मिनट तक इंतज़ार करते रहे, वो बार-बार अपनी घड़ी देखते रहे, और आखिर में चिल्लाए, “कुछ बजाओ! चलो शुरू करते हैं!” खैर, कर्नल से पंगा लेना ठीक नहीं था, जी हाँ, तो बैंड ने शो का पहला गाना, “आई वांट यू, आई नीड यू, आई लव यू,” बजाना शुरू कर दिया और जॉर्डनैयर्स ने बैकग्राउंड में अपनी धुनें बजाईं। लेकिन ज़ाहिर है, एल्विस के बिना यह थोड़ा बेवकूफी भरा लगता है, बस बहुत सारा "वूऊऊऊ, वूऊऊ" और कर्नल का गुस्सा सौ फीट दूर से भी महसूस किया जा सकता है, उनका चेहरा लाल हो रहा है, वह दरवाजों की तरफ देखते रहते हैं, इधर-उधर चक्कर लगाते रहते हैं। और अचानक हमें एक आवाज़ सुनाई देती है जो गाने के बोल गा रही है, जानते हैं? और यह एल्विस जैसी ही आवाज़ है, बस फर्क इतना है कि माइक पर फ्रैंकी है। वह एकदम सही गा रहा है। और मैं बाकी लोगों को देखता हूँ, सोचता हूँ, कर्नल इस लड़के को फांसी पर लटका देंगे! बॉस के सामने एल्विस की नकल? मतलब, ऐसा तो कोई करता ही नहीं। कर्नल घूरते हैं, अपना जबड़ा आगे बढ़ाते हैं और उस सिगार को दांतों से दबाते हैं जो हमेशा उनके मुंह में रहती थी, और मैं सोचता हूँ, तुम्हारे साथ काम करके अच्छा लगा, फ्रैंकी। लेकिन कर्नल उसे नहीं रोकते। हम गाना खत्म करते हैं, और वह साउंड इंजीनियर से बस इतना कहते हैं, "क्या हमारा काम हो गया?"

तो हम सिर हिलाते हुए वहां से चले गए, और मुझे पियानो वादक हूट याद आया, उसने उसके तुरंत बाद फ्रैंकी को एक बियर दी, और जब फ्रैंकी ने उससे पूछा कि किसलिए, तो हूट ने कहा, "क्योंकि तुम अभी भी सही सलामत हो।"

तो चलिए, अब एक महीने बाद की बात करते हैं। हम एल्विस के साथ प्रशांत उत्तर-पश्चिम के दौरे पर हैं और कनाडा के वैंकूवर में एक फुटबॉल स्टेडियम में हमारा कार्यक्रम तय हो चुका है। तभी हमें पता चलता है कि कर्नल पार्कर सेना से एल्विस की भर्ती के बारे में बात कर रहे हैं। सेना चाहती थी कि एल्विस अपनी सेवा शुरू करें, और कर्नल किसी भी कीमत पर उन्हें तब तक टालने के लिए मना रहे हैं जब तक कि वे और रिकॉर्डिंग न कर लें। उनके हाथ में एक करोड़पति की मुट्ठी है, और वे किसी को भी, यहाँ तक कि अमेरिकी सरकार को भी, इसे उनसे छीनने नहीं देंगे।

तो सेना एल्विस और कर्नल से मिलने के लिए राज़ी हो जाती है, लेकिन यह एक गुप्त बैठक होती है और वर्जीनिया में उसी दिन होती है जिस दिन हमें वैंकूवर में प्रदर्शन करना होता है। वे टस से मस नहीं होते, क्योंकि कोई बड़ा जनरल उस बैठक में मौजूद होगा, वह एल्विस से मिलना चाहता है, और मुझे लगता है कि या तो उसी दिन मुलाकात करनी होगी या फिर भर्ती का नोटिस मिल जाएगा।

अब, ज़्यादातर लोग तो शो रद्द ही कर देते, लेकिन कर्नल पार्कर तो कोई और ही थे। वो किसी भी कीमत पर फुटबॉल स्टेडियम की कमाई को छोड़ना नहीं चाहते थे। वहाँ करीब बीस हज़ार लोग आने वाले थे। ये बहुत बड़ी रकम थी।

तो पिछली रात, वैंकूवर में, कर्नल ने मुझे और मेरे साथियों को आधी रात को एक छोटे से थिएटर में बुलाया। वह खाली था, एल्विस का कोई नामोनिशान नहीं था, बस एक स्टेज था जिस पर हमारा सारा सामान रखा था, और कर्नल पहले से ही वहाँ मौजूद थे—अंदाज़ा लगाइए कौन?—फ्रैंकी। वह कुछ फुसफुसा रहे थे, और फ्रैंकी सिर हिला रहा था। हमें समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। आखिर में कर्नल हमारी तरफ मुड़े और बोले, "मैं चाहता हूँ कि तुम सब उस लड़के के साथ शो की रिहर्सल करो।" और हम एक-दूसरे को ऐसे देखने लगे, जैसे, क्या? लेकिन हमने कुछ नहीं कहा। हमने वही किया जो हमें कहा गया था। हमने बजाना शुरू किया। फ्रैंकी ने गाया। और मैं कसम खाकर कह सकता हूँ, उस रिहर्सल के अंत तक, अगर मैं अपनी आँखें बंद कर लूँ, तो मैं यह नहीं बता सकता कि मैं फ्रैंकी को सुन रहा हूँ या एल्विस को। वह लड़का इतना संगीतमय था कि वह किक ड्रम को भी बुलबुल की तरह बजा

सकता था, आप समझ रहे हैं ना?

फिर भी, हम सोच रहे थे, ये सब कैसे चलेगा? ये एल्विस जैसा दिखता है, पर एल्विस नहीं है, समझे? लेकिन जब हमारा परफॉर्मेंस खत्म हुआ, तो कर्नल पार्कर ने कहा, “अब सुनो। ये लड़का तुम्हारे पीछे खड़ा रहेगा। उसे स्टेज के आगे नहीं आना है, समझे? और गानों के बीच में बात नहीं करनी है। बस एक गाने से दूसरे गाने पर जल्दी से जाओ।”

फिर उन्होंने अपनी चेतावनी भी जोड़ दी। “अगर तुममें से किसी ने भी इस बारे में किसी को बताया, तो मैं तुम पर इतनी जल्दी मुकदमा करूँगा कि तुम्हारा सिर धड़ से अलग हो जाएगा।” उन्हें ऐसा कहने की ज़रूरत नहीं थी। हममें से कोई भी एल्विस का शो छोड़ने को तैयार नहीं था। हमारे हाथ में एक बड़ा झंझट था।

तो अगली रात आ गई। असली एल्विस वर्जीनिया में कहीं सरकार के साथ था, और हम कनाडा के वैंकूवर में एक काली सेडान कार में स्टेडियम की ओर जा रहे थे। फ्रैंकी पीछे, हमारे बीच में बैठा था, सुनहरे सैटिन जैकेट और धूप के चश्मे पहने, एकदम शांत। मैं समझ नहीं पा रहा था कि वह कितना सहज था या कितना डरा हुआ था। मैं तो बहुत डरा हुआ था, यह मैं आपको बता सकता हूँ। हमें निर्देश दिया गया था कि जब हम बैकस्टेज एरिया की ओर चलें तो उसे घेर लें, और किसी को भी, यहाँ तक कि पुलिस को भी, उसके पास न आने दें। हमने फ्रैंकी को पर्दे के किनारे तक धकेल दिया, और मुझे बाहर भीड़ का शोर सुनाई दे रहा था। और मैं सोच रहा था, भगवान की कसम, हम इससे बच नहीं पाएँगे।

लेकिन जब हम मंच पर पहुंचे, तो हमने दर्शकों की ओर देखा, और वे बहुत दूर, स्टैंड में बैठे थे, और मैदान पर कर्नल द्वारा लगाए गए लकड़ी के स्टैंड थे, और उन्होंने सबको बताया था कि ये एल्विस की सुरक्षा के लिए हैं। हमारे पास चालीस गज की अच्छी-खासी दूरी थी, कोई भी पास नहीं आ सकता था, और कर्नल यही चाहते थे। और अभी भी हल्की रोशनी थी, क्योंकि यह गर्मियों का आखिरी समय था, इसलिए स्पॉटलाइट नहीं जल रही थीं, जिससे दूर से बारीकियां देखना मुश्किल हो रहा था। मैंने दूसरे गायक बिल से धीरे से पूछा, "तुम्हारा क्या ख्याल है?" और उसने कहा, "क्लेम, अगर कुछ गड़बड़ हो जाए, तो दाईं ओर भाग जाना, गाड़ियां वहीं खड़ी हैं।"

फिर उद्घोषक चिल्लाता है, “देवियों और सज्जनों, एल्विस प्रेस्ली!” और पूरा हॉल चीख-पुकार से गूंज उठता है। और फ्रैंकी बाहर आता है, सुनहरी जैकेट और काली

कमीज़ पहने, गले में गिटार लटकाए, ठीक वैसे ही जैसे एल्विस पहनते थे। मैंने सोचा कि लोग हूटिंग करेंगे या कुछ फेंकेंगे। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। सबने इस बात पर पूरा यकीन किया! फ्रैंकी हमारे साथ ही रुका रहा, जैसा कि कर्नल ने उसे कहा था, वह आगे नहीं गया जहाँ कैमरे उसे अकेले पकड़ सकते थे, और उसने कुछ बोला भी नहीं, बस सीधे "वेल, सिंस माय बेबी लेफ्ट मी"—यानी "हार्टब्रेक होटल"—गाना शुरू कर दिया। और उस पल से, चाहे फ्रैंकी गा रहा हो, मैं या पर्ल बेली, माहौल इतना बेकाबू हो गया कि कुछ सुनाई ही नहीं दे रहा था। और अचानक सारे बच्चे स्टैंड से दौड़ते हुए मैदान में आ गए। और फ्रैंकी ने "आई गॉट अ वुमन", "रिप इट अप" और "रेडी टेडी" गाना शुरू कर दिया। हम एक-दूसरे को देख रहे थे, डाकुओं की तरह मुस्कुरा रहे थे, क्योंकि वो अच्छा गा रहा था और हम बच निकल रहे थे। पुलिस बच्चों का पीछा करते हुए उन्हें वापस स्टैंड्स में ले जा रही थी, लेकिन फिर वे दौड़ते हुए वापस मैदान में आ गए। हर गाने के साथ, फ्रैंकी और भी जोश में आ रहा था, एल्विस की तरह पैर हिला रहा था और कमर मटका रहा था। कुछ बार मैंने फ्रैंकी को सिर हिलाकर कहा, अरे यार, ऐसा मत करो, बस आराम से रहो। चलो यहाँ से सुरक्षित निकल चलते हैं। लेकिन फिर "हाउंड डॉग" गाना आया, और मुझे लगता है कि वो खुद को रोक नहीं पाया, वो बेकाबू हो गया। वो सामने आ गया और अपने हाथ हिलाते हुए हवा में घुमा रहा था और उसके होंठों पर एल्विस जैसी ही व्यंग्य भरी मुस्कान थी—और बस, बात बन गई। भीड़ मैदान में टूट पड़ी, सारे के सारे लोग—पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी, सीटियाँ बज रही थीं और लोग गिर रहे थे। और जैसे ही "हाउंड डॉग" खत्म हुआ, सुरक्षाकर्मियों ने हमें स्टेज से नीचे उतार दिया, फ्रेंकी मुस्कुराते हुए और भीड़ को हाथ हिलाते हुए कह रहा था, अलविदा, फिर मिलेंगे!

बाईस मिनट। बस इतना ही पूरा शो था। बाईस मिनट। हमने कर दिखाया। आज भी लोग उस कॉन्सर्ट को एल्विस के करियर के सबसे जोशीले और बेमिसाल कॉन्सर्ट में से एक और कनाडा में उनका आखिरी कॉन्सर्ट मानते हैं। और सिर्फ बैंड, जॉर्डनयर्स, कर्नल और खुद एल्विस (ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे) को ही पता था कि क्या हुआ था।

और हां, फ्रेंकी भी।

अगले ही दिन उसने बैंड छोड़ दिया। मुझे नहीं लगता कि वह एल्विस का सामना करना चाहता था। शायद एल्विस भी उसका सामना नहीं करना चाहता था। खैर, वह

चला गया, और मैंने उसे तब तक दोबारा नहीं देखा जब तक कि उसने मुझे कुछ साल बाद अपने साथ टूर पर चलने के लिए नहीं कहा। तब तक वह बदल चुका था। ज़्यादा आत्मविश्वासी। एक स्टार की तरह, आप जानते हैं? मुझे लगता है कि उस कॉन्सर्ट ने उसे बदल दिया। उसने इसका स्वाद चखा था, और वह इसे खुद पाना चाहता था।

उस रात के बारे में लगभग साठ सालों तक किसी ने कुछ नहीं कहा। लेकिन अब मैं बयासी साल का हूँ, और फ्रैंकी मर चुका है, तो छोड़ो ये सब, श्रेय तो उसे ही मिलना चाहिए। ज़रा उन सभी लोगों के बारे में सोचो जो एल्विस की नकल करने लगे, और उन्होंने इसी से अपना पूरा करियर बना लिया। लेकिन फ्रैंकी पहला था—और यकीन मानिए, सबसे बेहतरीन।

मेरा मतलब है, अगर मकसद लोगों को यह महसूस कराना है कि वे राजा को देख रहे हैं, तो वह एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जिसने वास्तव में इसे अंजाम दिया है।

4

मिस्टर डंड्रिज जैसी और भी कहानियां सामने आएंगी। यही वजह है कि स्पेनिश समाचार दल चर्च की सीढ़ियों पर डेरा डाले बैठा है, एक लंबा दाढ़ी वाला आदमी टेलीविजन कैमरे के साथ, और उसके बगल में एक सलीके से संवारे बालों वाली युवती माइक्रोफोन लिए खड़ी है। फ्रैंकी जैसी सनसनीखेज मौत लोगों का ध्यान ज़रूर खींचेगी। लेकिन चाहे जो भी कहानियां सुनाई जाएं, कोई भी पूरी सच्चाई नहीं बताएगी। क्योंकि पूरी सच्चाई सिर्फ मुझे ही पता है। खैर। एक और व्यक्ति है। लेकिन मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि वह व्यक्ति यहां नहीं होगा।

हम कहाँ थे? आह। हाँ। मिजारेस नदी। एक सर्दी की सुबह। एक भागती हुई महिला। और एक बच्चा जिसे इस दुनिया में एक धूसर कंबल और अपनी ही पीड़ा की आवाज़ के अलावा कोई सहारा नहीं था।

ध्यान रहे, इनमें से कुछ भी उस लड़के को याद नहीं रहेगा। फ्रैंकी प्रेस्टो के लिए, यादें उसके जीवन के अगले चरण में ही स्पष्ट होंगी, जिसे वह अपना "शुरुआत" कहेगा।

लेकिन हर शुरुआत की भी शुरुआत होती है। उदाहरण के लिए, संगीत रचना की एक स्थापित शैली, प्रस्तावना को ही लीजिए। आज यह सुंदर और विस्तृत हो सकती है, अपने आप में एक गीत की तरह, लेकिन मूल रूप से—अपनी शुरुआत में—सोलहवीं शताब्दी में एक इतालवी वीणा वादक ने प्रस्तावना को 'तास्तार दे कोर्डे' यानी "तारों को परखना" कहा था। यह बहुत काव्यात्मक नहीं है, लेकिन सटीक है। इस जीवन में तारों को परखना आवश्यक है, धनुष को उछालना, मुखपत्र को गीला करना, और आगे आने वाले गहन संगीत के लिए तैयारी करना।

फ्रेंकी प्रेस्टो की कहानी की शुरुआत उसके दुर्भाग्यपूर्ण जन्म से हुई और मिजारेस नदी में गिरने के साथ समाप्त हुई। एक साल के भीतर उसने मृत्यु, घेराबंदी, भूख और परित्याग देखा था, और अब नदी का ठंडा पानी उसकी आँखों में टपक रहा था और धारा उसे बहाकर नीचे ले जा रही थी, जिससे उसकी पलकें बार-बार झपक रही थीं। उसे तुरंत डूब जाना चाहिए था, और अगर ऐसा होता तो मैं उसकी अधूरी प्रतिभा को समेटने के लिए वहाँ मौजूद था। लेकिन तुम्हारी दुनिया में कुछ पल ऐसे होते हैं जिन्हें समझाया नहीं जा सकता, और मैं बस वही बता सकता हूँ जो मैंने देखा: वह धूसर कंबल—वही कंबल जो कभी फ्रेंकी की असली माँ, कारमेनसीटा के नीचे था—डूबा नहीं। यह कम से कम तीन मिनट तक एक पात्र की तरह काम करता रहा, बच्चे को वापस शहर की ओर ले जाता रहा, जबकि फ्रेंकी अपनी आँखें मलता रहा और ज़ोर-ज़ोर से रोता रहा—इतना रोया कि ऊपर वाला भी उसकी आवाज़ को अनसुना नहीं कर सका।

इस बिंदु पर, मैं आपसे कुछ ऐसा साझा करने जा रहा हूँ जिसे आपने अभी तक पूरी तरह से नहीं जाना है। केवल मनुष्य ही संगीतमय नहीं होते, जानवर भी होते हैं। यह बात मेरे द्वारा संकलित हजारों पक्षियों के गीतों, डॉल्फ़िन की क्लिकिंग ध्वनि या हंपबैक व्हेल की कराह से स्पष्ट हो जानी चाहिए। जानवर न केवल संगीत बनाते हैं,

बल्कि वे इसे अपने अनूठे तरीके से सुनते भी हैं।

उस दिन नदी पर, फ्रैंकी का रोना इतना तेज़ हो गया कि कोई भी उसे सुन नहीं सकता था। अचानक, पतले, मज़बूत पैरों और मानो रंगी हुई काली त्वचा वाला एक बिना बालों वाला कुत्ता नदी किनारे दौड़ता हुआ आया। उसके गले में बंधी रस्सी बेतहाशा हिल रही थी। जैसे-जैसे फ्रैंकी की चीखें तेज़ और ज़ोरदार होती गईं, कुत्ता दौड़ता और भौंकता रहा, और नदी के मोड़ पर पहुँचकर पानी में कूद गया। बच्चा कुत्ते की भौंकने की आवाज़ सुनने के लिए दौड़ा, उसकी उंगलियाँ रस्सी में उलझ गईं। कुत्ते ने कंबल को दांतों से दबाया और पीछे की ओर सरक गया, जब तक कि दोनों सुरक्षित रूप से किनारे पर नहीं पहुँच गए।

बच्चा करवट बदल कर लेट गया। कंबल पानी में फिसल गया और बहाव के साथ बह गया। कुत्ते ने फ्रैंकी के सिर के दोनों ओर अपने-अपने गीले पंजे रखे और अपना सिर नीचे रखकर ज़ोर-ज़ोर से हांफने लगा।

प्रस्तावना पूर्ण।

कोई प्रतिभा एकत्रित करने के लिए नहीं है।

5

अब, तेज़ी से आगे बढ़ने के लिए (क्योंकि एक पादरी को कपड़े पहनने में ज़्यादा समय नहीं लगता और संकरी गलियों में गाड़ियाँ भरी हुई हैं), सीधे फ्रैंकी के अगले घर पर चलते हैं, जो कैल्वैरियो स्ट्रीट पर टाइल की छत, घोड़े की नाल के आकार का मेहराब और दरवाज़े में दो छेद वाला एक घर था, जिसमें से बैलगाड़ी के पहिए आसानी से निकल सकते थे। यह घर श्री बफा रुबियो का था, जो एक छोटी सार्डिन फैक्ट्री, एक इतालवी कार और उस बिना बालों वाले कुत्ते के मालिक थे।

वह व्यक्ति जिसने फ्रेंकी को नदी किनारे पाया।

बफा, अविवाहित और चालीस वर्ष की आयु के आसपास थे। वे नियमित रूप से चर्च जाते थे और अपने शयनकक्ष की दीवार पर एक क्रॉस रखते थे। इसलिए, एक परित्यक्त बच्चे का मिलना उनके लिए किसी दैवीय घटना से कम नहीं था, मानो उन्हें सरकंडों के बीच मूसा मिल गए हों। उन्होंने बच्चे को अपने घर में ले लिया। उसे नहलाया, खाना खिलाया और रात को सुलाया। बहुत कम पुरुष ऐसा करते हैं। लेकिन मैं उपनामों पर बहुत ध्यान देता हूँ (जैसे 'एलेग्रो' का अर्थ है 'तेज़ बजाना', 'अडाजियो' का अर्थ है 'धीमे बजाना', इत्यादि)। हालाँकि बफा का उपनाम रूबियो था, जिसका अर्थ है "गोरा" या "सुनहरे बालों वाला", लेकिन उनके सिर पर काले, पतले बाल थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि वे अपनी किस्मत बदल सकते थे।

उन्होंने बच्चे का नाम फ्रांसिस्को रुबियो रखा।

बच्चा उन्हें पापा कहकर पुकारता था।

बाफा का पेट निकला हुआ था, छाती लटकी हुई थी, गाल मोटे थे, माथा झुका हुआ था और मूंछें नीचे की ओर झुकी हुई थीं, इसलिए जब वह बैठते थे तो ऐसा लगता था जैसे कुर्सी पर कई सारी भौंहें समेटी रखी हों। लेकिन उस लड़के ने उन्हें खुश कर दिया था। अपने परिवार की सार्डिन फैक्ट्री विरासत में मिलने के कारण, बाफा विलारियल में एक अनोखे व्यक्ति थे, जो संतरा उगाने वालों, संतरा तोड़ने वालों, संतरा पैक करने वालों और संतरा भेजने वालों से भरा कस्बा था। वह अकेले रहने के आदी हो गए थे, एक मोटे आदमी, जिनसे मछली जैसी गंध आती थी, लेकिन अचानक उनके दैनिक जीवन में एक छोटा सा इंसान शामिल हो गया था। सप्ताह के दिनों में उनका काम अपनी इतालवी कार में काम पर जाना होता था और सप्ताहांत में अपने छोटे से बगीचे में बैठकर रेडियो सुनना, जहां अनार के फूलों के पास उनका बिना बालों वाला कुत्ता सोता रहता था। रेडियो सुबह से शाम तक लगातार चलता रहता था और छोटा फ्रैंकी तब तक खुश रहता था जब तक संगीत बजता रहता था। वह स्पीकर के पास बैठ जाता और किसी भी धुन के साथ ऊँची, सुरीली आवाज़ में गाता। जब बफा ने समाचार सुनने के लिए चैनल बदला (यूरोप में एक भयानक युद्ध छिड़ने वाला था), तो फ्रेंकी तब तक रोती रही जब तक कि वह आदमी हार मानकर वापस संगीत सुनने नहीं लगा, चाहे वह किसी ऑर्केस्ट्रा का संगीत कार्यक्रम हो, ओपेरा हो या स्पेनिश जोटा, जिसमें 6/8 की लय और असीम ऊर्जा होती है। फ्रेंकी को शायद यही सबसे ज़्यादा पसंद था।

एक दिन, बच्चे के पाँचवें जन्मदिन से कुछ ही दिन पहले (यह उसका असली जन्मदिन नहीं था, बल्कि सार्डिन बनाने वाले ने यही अनुमान लगाया था), बफा ने उसे एक मेज के किनारे खड़े देखा, उसकी उंगलियाँ एक जटिल फ्लेमेंको गिटार धुन पर थिरक रही थीं। वह एकदम सटीक ताल बनाए हुए था, जबकि 6/8 ताल में ताल पकड़ना किसी कंबल के नीचे अंडा पकाने जितना मुश्किल हो सकता है।

"इधर आओ, नन्हे बच्चे," बफा ने गर्व से कहा। घने काले बालों वाला लड़का मुड़ा, मुस्कुराया और कुर्सी के पैर से टकराकर बुरी तरह गिर पड़ा। वह रोने लगा और बफा ने उसे उठाकर अपने सीने से लगा लिया। "दर्द नहीं हो रहा, दर्द नहीं हो रहा," बफा ने धीरे से कहा, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि लड़के की नज़र अभी भी ठीक नहीं है। नदी के पानी से उसकी नीली आँखों में संक्रमण हो गया था, और हल्की सी धूप भी उसे आँखें सिकोड़ने पर मजबूर कर देती थी, उसकी कॉर्निया लाल हो जाती थी, कभी-कभी तो उसे अपने आस-पास कुछ भी दिखाई नहीं देता था। डॉक्टरों ने चेतावनी दी थी कि एक दिन उसकी नज़र पूरी तरह जा सकती है। जलन के कारण वह लगातार अपनी आँखें रगड़ता रहता था, और पड़ोस के बच्चे उसका मज़ाक उड़ाते थे: "क्या तुम फिर से रो रहे हो, फ्रांसिस्को?" समय बीतने के साथ, वे उसे लोरीका —"रोने वाला बच्चा"—कहने लगे। जब वे गली में ट्रिंकेट नाम का एक गेंद का खेल खेल रहे थे, फ्रांसिस्को अकेला बैठा गुनगुना रहा था।

व्यावहारिक स्वभाव के बफा को अपने बेटे के भविष्य की चिंता सता रही थी। अगर वह बिना दोस्तों के बड़ा हुआ तो क्या होगा? और अगर उसकी दृष्टि कमजोर हो गई तो उसे किस तरह का काम मिलेगा? वह अपना गुजारा कैसे करेगा? उस दिन बगीचे में, जब जोटा संगीत बज रहा था, बफा के मन में एक विचार आया। सही प्रशिक्षण प्राप्त संगीतकार, अंधे होने पर भी, हमेशा काम कर सकते हैं, है ना? उन्हें कुछ साल पहले का एक तबर्ना (संगीत कार्यक्रम) याद आया, जहाँ काले चश्मे पहने एक गिटार वादक ने खूब तालियाँ बटोरीं, और उसके बाद एक खूबसूरत युवती ने उसका हाथ पकड़कर उसे मंच से नीचे उतारा और उसके होठों पर एक छोटा सा चुंबन दिया। तभी बफा को एहसास हुआ कि वह आदमी देख नहीं सकता था।

बफा ने निश्चय किया कि यही उसके ईश्वर प्रदत्त बच्चे का भविष्य हो सकता है। संगीत के माध्यम से वह काम कर सकता था। शायद उसे प्यार भी मिल जाए। समय बर्बाद न करने वाले बफा को हमेशा से ही दक्षता आकर्षित करती थी, यहाँ तक कि

मछली पकड़ने के काम में भी। इसलिए वह लड़के को शहर के बीचोंबीच स्थित कैले मेयर नामक पक्की सड़क पर एक छोटे से संगीत विद्यालय में ले गया। विद्यालय के स्वामी की ठुड्डी लंबी थी और उन्होंने गोल चश्मे पहन रखे थे।

“क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ, महोदय?”

मैं चाहता हूं कि मेरा बेटा गिटार बजाए।

उस आदमी ने नीचे देखा। फ्रेंकी ने अपनी आँखें मल लीं।

“वह अभी बहुत छोटा है, महोदय।”

वह दिन भर गाता रहता है।

वह बहुत छोटा है।

वह मेज पर ताल रखता है।

उस आदमी ने अपना चश्मा नीचे कर लिया।

"उसकी क्या उम्र है?"

“लगभग पाँच।”

"बहुत छोटी उम्र है।"

फ्रेंकी ने अपनी आंखें फिर से मल लीं।

वह ऐसा बार-बार क्यों करता है?

"क्या?"

वह अपनी आंखें मलने लगता है।

वह एक बच्चा है।

क्या वह रो रहा है?

“एक संक्रमण।”

"अगर वह लगातार अपनी आंखें मलता रहेगा तो वह खेल नहीं पाएगा।"

लेकिन वह दिन भर गाता रहता है।

व्यक्ति ने अपना सिर हिलाया।

"बहुत छोटी उम्र है।"

वैसे, यह पहली बार नहीं है कि आपमें से किसी ने मेरे किसी को हतोत्साहित किया हो। अगर हर उस व्यक्ति के लिए मेरे पास एक धातु की कील होती, जो कहता है कि बच्चा बहुत छोटा है, वाद्य यंत्र बहुत बड़ा है, या संगीत को आगे बढ़ाने का विचार ही "समय की बर्बादी" है, तो मैं आपकी दुनिया को जंजीरों में जकड़ सकता था।

असंतुष्ट माता-पिता, उपेक्षा करने वाले रिकॉर्ड अधिकारी, प्रतिशोधी आलोचक।

कभी-कभी मुझे लगता है कि सबसे बड़ी प्रतिभा दृढ़ता ही है।

लेकिन केवल कभी-कभार।

जब बाफा संगीत विद्यालय के मालिक से बहस कर रहे थे, तब युवा फ्रैंकी ने मुझे एक खास पल दिया। वह पीछे वाले कमरे में चला गया, जहाँ वाद्य यंत्र रखे थे। वहाँ उसकी आँखें एक ऐसे खजाने को देखकर चौड़ी हो गईं जो उसने अपने छोटे से जीवन में पहले कभी नहीं देखा था: एक स्पिनेट पियानो, एक पुराना वायोला, एक ट्यूबा, एक क्लैरिनेट, एक स्नेयर ड्रम—और एक गिटार। गिटार ज़मीन पर पड़ा था। वह चलकर उसके पास बैठ गया। उसका लकड़ी का ढाँचा साधारण था और ध्वनि छिद्र के चारों ओर लाल और नीले रंग का रोसेट बना हुआ था। ज़्यादातर बच्चे उसके गले को पकड़ लेते, उसके तारों को बजाते, उसके ट्यूनिंग पेग्स को खिलौनों की तरह घुमाते। लेकिन फ्रैंकी बस उसे देखता रहा। उसने उसकी बनावट को गौर से देखा। उसने अपना सिर ऐसे झुकाया जैसे वह उससे कुछ सुनने का इंतज़ार कर रहा हो। मुझे उसका यह सम्मान देखकर बहुत अच्छा लगा। और, उस लंबे ठुड्डी वाले अड़ियल के साथ जो कुछ उसने अभी-अभी सहा था, उसे देखते हुए मुझे लगा कि अब थोड़ा जादू करने का सही समय है। कभी-कभी, हमारे भीतर छिपी प्रतिभाएं ऐसी चीजें रच सकती हैं जिन्हें समझना असंभव है (मतलब, आपके लिए समझना असंभव है)। आप इसे "प्रतिभा की झलक" कहते हैं। हम इसे प्रतिभा का विस्तार कहते हैं।

फ्रेंकी ने हाथ बढ़ाकर तीसरी तार पर, एक फ्रेट के ठीक पीछे उंगली दबाई। उसने झट से उंगली छोड़ दी। एक मधुर स्वर निकला। वह मुस्कुराया और फिर से वही किया, अगली फ्रेट पर, गिटार वादकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली "हैमर-ऑन" तकनीक का उपयोग करते हुए—तेजी से और ज़ोर से दबाकर छोड़ना। एक और स्वर। फिर एक और। उसने जल्दी ही प्रत्येक फ्रेट के पीछे दबाने से निकलने वाली ध्वनियों को समझ लिया। सीधे शब्दों में कहें तो, वह खुद को एक स्केल सिखा रहा था।

इसलिए मैंने उसे एक और धक्का दिया।

जल्द ही वह एक धुन बजाने लगा। हर नए सुर के साथ उसकी आँखें चौड़ी होती गईं, क्योंकि पहली बार कोई गाना बजाना मेरे लिए सबसे बड़ा अनुभव है, जैसे इंद्रधनुष पर चलने की क्षमता का पता चलना। वह गुनगुनाने लगा। अगर सामने वाले

कमरे में बैठे दोनों बड़े आदमी एक पल के लिए भी अपनी बहस रोक देते, तो शायद वे फ्रांसिस्को डी असिस पास्कुअल प्रेस्टो के उस नन्हे चमत्कार को सुन पाते, जो अभी पाँच साल का भी नहीं था, और शनिवार की सुबह के रेडियो कार्यक्रम में कई बार सुनी हुई एक धुन को उंगलियों से बजा रहा था, एक नर्सरी राइम जो जैज़ स्टैंडर्ड में बदल गई थी।

ए-टिस्केट, ए-टास्केट
एक हरी और पीली टोकरी
मैंने अपने प्यार को पत्र लिखा
और रास्ते में, मैंने इसे गिरा दिया।

यह फ्रेंकी का पहला गिटार प्रदर्शन था।
और इसे मेरे अलावा किसी ने नहीं सुना।

हॉल में आगे बढ़ते हुए, बाफा का मालिक पर से सब्र टूट गया। वह चिल्लाया, "फ्रांसिस्को! हम जा रहे हैं!" बच्चा खड़ा हो गया और गिटार को अंतिम विदाई देते हुए थपथपाया, यह समझते हुए कि उसे वह मिल गया है जिसकी उसे तलाश थी, और अब वह अपनी आँखें नहीं मल रहा था।

फिर भी, शिक्षक को लेकर उसके मन में झिझक बनी रही। ज़ाहिर है, संगीत विद्यालय का विकल्प तो खत्म हो चुका था, और विलारियल में वही एकमात्र विद्यालय था। बफा निराश महसूस कर रहा था। घर लौटते समय, वह रुका और संतरे का एक थैला खरीदा। उसने बच्चे के लिए एक संतरा छीला और एक टुकड़ा अपने गंजे कुत्ते को दिया, जिसने उसे बड़े चाव से चबाया। वे दोनों साथ-साथ चलने लगे, फ्रैंकी का दूसरा बैंड, आठ पैरों वाला एक तिकड़ी समूह।

"वह आदमी बेवकूफ था," बफ्फा ने बुदबुदाते हुए कहा।

बाल रहित कुत्ते ने सहमति में भौंका।

"बेवकूफ," फ्रेंकी ने दोहराया।

बफा हँसा और फ्रैंकी के बालों को सहलाया। इससे फ्रैंकी खुश हो गया, भले ही

उसे "बेवकूफ" का मतलब नहीं पता था। वे घर की ओर चल पड़े, फ्रैंकी "ए-टिस्केट ए-टास्केट" गुनगुना रहा था और बिना बालों वाला कुत्ता चुपचाप उसके साथ गा रहा था।

उस रात, बफा उसी बार में लौटा जहाँ उसने कभी उस अंधे गिटारवादक को बजाते देखा था। बारटेंडर को भी वह याद था, लेकिन उसने बताया कि उस आदमी को कई साल पहले नौकरी से निकाल दिया गया था। बहुत ज़्यादा शराब पीने और अक्सर देर से आने की वजह से। उसे लगता था कि वह क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट पर एक लॉन्ड्री के ऊपर वाले फ्लैट में रह रहा होगा—अगर वह मर नहीं गया हो तो।

“मर गया?” बफा ने कहा।

बारटेंडर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "वह ऐसे पी रहा था जैसे इस जिंदगी से जल्द से जल्द छुटकारा पाना चाहता हो।"

अगला दिन रविवार था। सुबह की प्रार्थना में शामिल होने के बाद, बफा उस लड़के और बिना बालों वाले कुत्ते को लेकर क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट गया, इस उम्मीद में कि शायद गिटार बजाने वाला अच्छे मूड में मिल जाए। बफा का मानना था कि शायद कोई शराबी भी रविवार को भगवान को समर्पित कर दे।

उन्हें कपड़े धोने का कमरा मिल गया। उसके ऊपर, उन्होंने फीके नीले रंग के शटर देखे, जो बंद थे। घंटी का बटन मास्किंग टेप के एक लंबे टुकड़े से ढका हुआ था, इसलिए उन तीनों के पास सीढ़ियों से ऊपर जाने के अलावा कोई चारा नहीं था। वह एक गर्म दिन था, और बफा, जो अभी भी अपने चर्च के सूट में थे, जब वे सीढ़ियों पर पहुँचे तो पसीने से तरबतर थे। उन्होंने रुमाल से अपना चेहरा पोंछा, फिर दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं। उन्होंने फिर खटखटाया। कोई जवाब नहीं।

बफा ने फ्रेंकी की ओर कंधे उचकाए, जो आगे बढ़ा और अपनी छोटी मुट्ठियों से एक बार में दो-दो करके ऐसे बजाने लगा जैसे कोंगा ड्रम बजा रहा हो।

“जी? . . . क्या हो रहा है? . . . क्या बात है?” एक आवाज आई। वह कर्कश और अस्पष्ट थी, मानो अभी-अभी नींद से जागी हो।

“महामहिम, मैं आपसे शिक्षण के बारे में बात करना चाहता हूँ।”

“क्या सिखा रहे हो?”
“गिटार?”
"दूर जाओ।"
"क्या यह महत्वपूर्ण है।"
"दूर जाओ।"
मैं तुम्हें भुगतान कर दूंगा।
“किसे पढ़ा रहे हो?”
“मेरा बच्चा।”
“लड़की या लड़का?”
"लड़का।"
लड़कियां बेहतर छात्रा होती हैं।
वह एक लड़का है।
“कितनी उम्र है?”
बाफा संगीत विद्यालय को याद करते हुए कुछ देर रुक गए।
"सात।"
फ्रेंकी ने ऊपर देखा।
अपनी उम्र के हिसाब से छोटा है।
"कोई भी लड़का नहीं।"
वह बहुत प्रतिभाशाली है।
"कोई भी लड़का नहीं।"
वह बहुत प्रतिभाशाली है।
मैं भी ऐसा ही हूँ।
मैं तुम्हें पैसे दूंगा।
"बेशक आप मुझे भुगतान करेंगे।"
तो आप उसे सिखाएंगे?
"नहीं।"
“सेनोर—”
"दूर जाओ।"
बफा ने फ्रेंकी की ओर मुड़कर फुसफुसाते हुए कहा, "कुछ गाओ।"

फ्रेंकी ने अपना सिर हिलाया।

“कुछ गाओ,” बफा ने दोहराया।

वैसे तो ज्यादातर बच्चे कहने पर गाना नहीं गाते। कम उम्र में प्रतिभा डर के आगे दब जाती है। (कभी-कभी बड़ी उम्र में भी।) लेकिन मुझे पता था कि फ्रैंकी के जीवन के व्यापक परिदृश्य में यह पल बहुत महत्वपूर्ण था। इसलिए मैंने बच्चे को एक और बार प्रोत्साहित किया।

"दा-दा-दाह, डुह...," वह धीरे-धीरे शुरू हुआ।

बफा ने अपनी आँखें ऊपर उठाईं। उसने यह धुन पहले कभी नहीं सुनी थी।

“दा-दा-दाह, दुह...”, लड़के ने बोलना जारी रखा।

यह एक सरल धुन थी, बचकानी लेकिन मनमोहक। यह ऊँची जाती और फिर मुख्य स्वरों पर उतरती, मानो ज़ाइलोफ़ोन पर बजाई जा रही हो। “दुह, दुह, दुह, दा-दा-दा, देह दुह, दाह, दाह्ह्ह्ह...”

फ्रेंकी रुक गया।

“यह कौन सा गाना है?” बफा ने पूछा।

अचानक दरवाजा खुला। काले चश्मे, घनी दाढ़ी, बिखरे हुए काले बाल और पेट पर कॉफी का बड़ा दाग लगी बिना आस्तीन की कमीज पहने एक लंबा आदमी दरवाजे के फ्रेम को एक पहरेदार की तरह पकड़े खड़ा था।

उन्होंने कहा, "इसका नाम 'लाग्रिमा' है। इसे फ्रांसिस्को तारेगा ने बनाया है।"

उसने लड़के की ओर अपनी ठुड्डी झुकाई।

वह सात साल का नहीं लगता।

डार्लीन लव

गायिका, एकल कलाकार, द ब्लॉसम्स और द क्रिस्टल्स बैंड की सदस्य; रॉक एंड रोल हॉल ऑफ फेम में शामिल।

ये तस्वीर देखी? ये मैं और फ्रेंकी हैं हॉलीवुड बाउल में। मैंने इसे इतने सालों तक

संभाल कर रखा। अजीब है ना? लेकिन जब आप उस उम्र में होते हैं और प्यार में पड़ते हैं, तो आप हर छोटी-छोटी चीज़, हर टिकट का टुकड़ा, हर फूल की पंखुड़ी, आर्केड में जीती हर गुड़िया, जो भी आपको उसकी याद दिलाए, संभाल कर रखना चाहते हैं, है ना?

मैं तब महज अठारह साल की थी, हाई स्कूल में पढ़ रही थी और संगीत जगत में बिल्कुल नई थी। मैं अपने चर्च के गायक मंडल की कुछ लड़कियों के साथ गा रही थी और हमने एक प्रतियोगिता जीती थी जिसके तहत हमें हॉलीवुड बाउल में नैट किंग कोल के साथ गाने का मौका मिला था। उस तरह की जगह पर गाना हमारा पहला अनुभव था, और उन खूबसूरत इलाकों से होकर गुजरने का सफर भी हमारे लिए एक अद्भुत अनुभव था। हमें पता ही नहीं था कि लोग इतने बड़े घरों में भी रह सकते हैं!

बैकस्टेज, जब हम इंतज़ार कर रहे थे, वहीं मेरी मुलाकात फ्रैंकी से हुई। मैं और लड़कियाँ हँस रही थीं, हम बहुत घबराई हुई थीं, हम एक-दूसरे को चुप करा रही थीं, फिर हँस रही थीं और चुप करा रही थीं। अचानक, बगल वाले ड्रेसिंग रूम से, मैंने एक आदमी को भी हँसते और चुप कराते सुना—हमारी नकल कर रहा था, समझ रहे हो? और इससे हम और ज़ोर से हँसने लगीं। उसकी आवाज़ जवान थी लेकिन गहरी थी, और हँसते हुए भी, वह सेक्सी लग रहा था। मैंने चिल्लाकर पूछा, "कौन है वहाँ?" और उसने चिल्लाकर कहा, "फ्रैंकी," और हम खिलखिलाकर हँस पड़ीं और मेरी सहेली ने कहा, "फ्रैंकी कौन?" और ठीक समय पर दरवाज़ा खुला, और वह अंदर आया और बोला, "प्रेस्टो।"

और मेरी सांसें थम गईं।

मैंने वैसा लड़का पहले कभी नहीं देखा था। हममें से किसी ने भी नहीं। हमारे मोहल्ले में तो बिल्कुल नहीं। वो गहरी भौहें, वो नीली आँखें, और वो लहराते बाल जो मैंने अब तक देखे सबसे घने काले बालों के थे।

“प्रेस्टो?” मेरी प्रेमिका हंस पड़ी। “जैसे जादू?”

“प्रेस्टो, जैसे जादू हो गया,” उसने कहा और वह हँसना बंद कर दी। मेरा मतलब है, उस लड़के ने तो मानो सब कुछ थम सा दिया था। उसने चमकीले पीले रंग का स्पोर्ट्स कोट और काली कमीज़-पैंट पहनी हुई थी और उसने कहा कि वह शुरुआती कलाकारों में से एक है, उसे एक गाना गाना था, क्योंकि रिकॉर्ड कंपनी ने उसे आखिरी समय में शामिल किया था—मुझे लगता है कि वह कैपिटल थी, वही लेबल

जिसके लिए नैट किंग कोल काम करते थे। मैंने कहा कि वह एल्विस जैसा दिखता है, और उसने नीचे देखकर कहा, “एल्विस तो एक ही है,” और किसी ने कहा कि यह बहुत बुरा हुआ कि एल्विस को सेना में जाना पड़ा।

फिर एक फोटोग्राफर हमारी तस्वीर लेने आया और फ्रेंकी जाने लगा, लेकिन हम सभी लड़कियों ने कहा, नहीं, मत जाओ, हमारे साथ एक तस्वीर खींच लो, और मैंने अकेले एक तस्वीर खिंचवाई और ये रही वो तस्वीर। इतने सालों बाद भी वो मेरे पास है। मुझे नहीं पता था कि वो स्टार बन जाएगा, लेकिन मुझे ये आभास था कि वो खास होगा। कभी-कभी तो बस अंदाजा लग जाता है।

शो खत्म होने के बाद, हम हॉलीवुड बुलेवार्ड पर गाड़ी चलाकर वापस आ रहे थे, तभी मेरी गर्लफ्रेंड ने खिड़की से बाहर इशारा करते हुए कहा, “वो रहा! वो सपनों जैसा गायक!” और वाकई, फ्रैंकी अकेले ही चल रहा था, एक हाथ में गिटार का केस और दूसरे हाथ में अपना पीला स्पोर्ट्स कोट पकड़े हुए। हमने खिड़की नीचे की और चिल्लाकर पूछा, “कहाँ जा रहे हो?”

उन्होंने कहा, "समुद्र की ओर।"

“आप पैदल चल रहे हैं?”

"हाँ।"

और हम फिर हँस पड़े क्योंकि वह समुद्र से बहुत दूर था। मैंने अपने साथ आए व्यक्ति से कहा, "क्या हम उसे गाड़ी से ले जा सकते हैं? हम उसे जानते हैं।" और उस व्यक्ति ने कहा, ठीक है, और फ्रैंकी गाड़ी में बैठ गया।

शनिवार की रात थी, मौसम सुहावना था। हम सांता मोनिका पियर तक गाड़ी से गए और वहां मौजूद गाइड से वादा किया कि आधे घंटे में वापस आ जाएंगे। लेकिन हम नहीं लौटे। बीच पर पार्टियां चल रही थीं, छोटी-छोटी अलावें जल रही थीं और किशोर रेडियो बजाते, नाचते और एक-दूसरे को किस करते नज़र आ रहे थे। हमारी मुलाकात कुछ जान-पहचान के बच्चों से हुई और बाकी लड़कियां उनके साथ जाकर बैठ गईं। फ्रैंकी और मैं अकेले रेत पर चलने लगे। मेरी नज़रें उससे हट ही नहीं रही थीं। हम दोनों नंगे पैर थे और उसने अपनी पैंट ऊपर चढ़ा रखी थी। जब भी लहरें हमारे पैरों तक पहुंचतीं, मैं पीछे हट जाती, लेकिन वह बिल्कुल स्थिर खड़ा रहता।

मैंने कुछ इसी तरह की बेवकूफी भरी बात कही, “महासागर कितना विशाल है!” और उसने कहा, “मैं एक बार इस पर नाव से यात्रा कर चुका हूँ।” मैंने पूछा, “इसी

महासागर पर?" और उसने कहा, "किसी और पर।" मैंने उससे पूछा कि वह कहाँ से आया है, तो उसने कहा, "कई जगहों से।" मैंने उससे पूछा कि उसके माता-पिता कहाँ रहते हैं, तो उसने कहा, "वे अब इस दुनिया में नहीं हैं।"

वैसे, इतने समय तक वो अपना गिटार केस अपने साथ लिए घूम रहा था। उसने उसे छोड़ा ही नहीं। उसने हॉलीवुड बाउल में गिटार बजाया नहीं था, बस एक बैंड के साथ गाना गाया था, इसलिए मैंने उसे चिढ़ाते हुए कहा, "क्या तुम सिर्फ लड़कियों को इंप्रेस करने के लिए गिटार लेकर चलते हो?" और वो मुस्कुराया (वाह, उसके दांत!) और बोला, "नहीं।"

और इस तरह मुझे सांता मोनिका पियर के किनारे रेत पर फ्रैंकी प्रेस्टो का अपना निजी कॉन्सर्ट देखने का मौका मिला।

आज तक मैं वह पल कभी नहीं भूल पाऊंगा। उसने गिटार को अपने घुटने पर रखा और समुद्र की ओर कान लगाकर कहा, "सुनो।" मुझे दूर किसी जहाज की रोशनी दिखाई दे रही थी, लेकिन फ्रैंकी की आंखें बंद थीं। और उसने बहुत धीरे से एक बार, फिर दो बार थपथपाना शुरू किया, और मुझे एहसास हुआ कि वह लहरों की लय पकड़ रहा था।

फिर उन्होंने एक गाना बजाया। मुझे लगा था कि वो कोई रॉक एंड रोल बजाएंगे —उस ज़माने में हर गिटार बजाने वाला रॉक एंड रोल ही बजाता था—लेकिन वो एक क्लासिकल धुन थी। धीमी, कोमल, ऊँची सुरों में बजाई गई। और जब वो खत्म हुई, तो मैं रोने लगी। मैंने इतना खूबसूरत गाना पहले कभी नहीं सुना था। मैंने उनसे गाने का नाम पूछा तो उन्होंने कहा, "'ट्रॉमेरेई'", और मैंने पूछा कि इसे किसने लिखा है तो उन्होंने कहा, "शुमान", और उन्होंने मेरे आँसू देखे और—मुझे पता है ये अजीब लगे— उन्होंने कहा, "रो मत, तुम बहुत अच्छी गायिका हो।" और मैं ज़ोर से हँस पड़ी।

मैंने कहा, "तुम्हें यह कैसे पता चलेगा?"

"मैंने तुम्हारे बारे में सुना है।"

हम एक गायन मंडली में गा रहे थे।

लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें आवाजों के भीतर एक आवाज सुनाई देती है, और मेरी आवाज सुंदर है, और मैं एक दिन मशहूर गायिका बन सकती हूं।

खैर। उस समय मैं सोच रही थी कि मुझे अपने जीवन में क्या करना चाहिए, क्या मुझे संगीत में अपना करियर बनाना चाहिए, या फिर हाई स्कूल खत्म करके नौकरी

ढूंढ लेनी चाहिए? और उन्होंने जो कहा, वही मुझे सुनने की ज़रूरत थी। इससे मुझे गाना जारी रखने का आत्मविश्वास मिला।

हम दोनों ने एक-दूसरे को बड़ी मासूमियत से देखा। और मुझे यकीन है कि आपको लगा होगा कि हमने किस किया, क्योंकि ऐसे छोटे-छोटे पल अक्सर ऐसे ही बीत जाते हैं। लेकिन मैंने फ्रैंकी को कभी किस नहीं किया। मैंने इसके बारे में सोचा तो था। मैं करना चाहती थी। लेकिन उसने अपना हाथ मेरे हाथ में डाल दिया और मैंने अपना सिर उसके कंधे पर टिका दिया और हम उसी तरह एक-दूसरे से लिपटे बैठे रहे, लहरों की आवाज़ आती रही, और सच कहूँ तो, उस रात के लिए सब कुछ एकदम सही था। मुझे बहुत सुकून और सुरक्षा का एहसास हुआ, जैसे मैं उसे पूरी ज़िंदगी से जानती हूँ। मैं पूरी तरह से उसके प्यार में पागल हो गई थी।

और संगीत के साथ।

हमने संपर्क में रहने का वादा किया और मैंने उसे अपना फ़ोन नंबर दिया। जब मैं घर पहुँची—माँ और पिताजी की डांट के बाद—मैंने अपने कमरे का दरवाज़ा बंद कर लिया और अपनी डायरी में लिखा, "आज मैं उस लड़के से मिली जिससे मैं शादी करने वाली हूँ," जो कुछ साल बाद मेरे सबसे बड़े हिट गानों में से एक का नाम बन गया। जब गीतकारों ने पहली बार मुझे गीत के बोल दिखाए, तो मैं मन ही मन मुस्कुराई क्योंकि मुझे पता था कि यह गाना मेरे लिए ही बना है।

बेशक मैंने फ्रैंकी से शादी नहीं की। चालीस साल तक मेरी उससे कोई मुलाक़ात नहीं हुई। लेकिन जब मैंने उसकी मौत की खबर सुनी, तो सब कुछ याद आ गया। शायद इसीलिए मैं यहाँ हूँ। अठारह साल की उम्र में, समुद्र तट पर, रात के समय, बिना जूते पहने, आप किसी से उस तरह प्यार नहीं करते जैसे करते हैं।

मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि वह चला गया है।

6

आह, प्यार और फ्रेंकी प्रेस्टो! शायद बाद में मैं समझाऊँगी कि औरतें हमेशा उस पर क्यों फिदा हो जाती थीं। (या शायद मुझ पर?) लेकिन अभी हमारी कहानी एक अहम मोड़ पर आ गई है।

हर कलाकार के जीवन में एक ऐसा व्यक्ति आता है जो रचनात्मकता से पर्दा उठाता है। यही वह क्षण होता है जब आप मुझे दोबारा देख पाते हैं।

जब तुम पहली बार गर्भ से बाहर आते हो, तो मैं तुम्हारे लिए मानव प्रतिभाओं के इंद्रधनुष का एक चमकीला रंग होती हूँ, जिनमें से तुम चुनते हो। बाद में, जब कोई खास व्यक्ति पर्दा उठाता है, तो तुम अपने भीतर उस चुनी हुई प्रतिभा को जागृत होते हुए महसूस करते हो, गाने, चित्रकारी करने, नृत्य करने, ढोल बजाने का एक प्रचंड जुनून।

और आप फिर कभी पहले जैसे नहीं रहते।

क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट पर स्थित छोटे से फ्लैट की रसोई में एक रविवार दोपहर को एक नेत्रहीन गिटार वादक ने फ्रैंकी के लिए यह सब किया, जबकि बाफा और बिना बालों वाला कुत्ता नीचे कपड़े धोने के कमरे में इंतजार कर रहे थे।

“दो कुर्सियाँ आमने-सामने रखो,” उस दिन अंधे आदमी ने कहा। उसकी बिना आस्तीन की कमीज उसकी गंदी भूरी पतलून पर ढीली लटक रही थी, और उसने जूते नहीं पहने थे।

“अब क्या करें, शिक्षक?” फ्रेंकी ने पूछा।

"क्या आप अपने पहले पाठ के लिए तैयार हैं?"

जी हाँ, शिक्षक जी।

अच्छा। सिगरेट जलाना सीखो।

उस आदमी ने अपनी जेब से सिगरेट का एक मुड़ा हुआ पैकेट निकाला। उसकी उंगलियों को एक सिगरेट मिली और उसने उसे अपने मुंह में डाल लिया। फिर उसने एक चांदी का लाइटर निकाला और उसे जलाया। एक लौ निकल आई।

"देखा मैंने क्या किया, लड़के?"

जी हाँ, शिक्षक जी।

"आप इसे करते हैं।"

फ्रेंकी ने घबराते हुए लाइटर उठाया। बफा ने उसे आग के पास कभी न जाने की चेतावनी दी थी। लेकिन साथ ही यह भी कहा था कि वह इस आदमी की हर बात

माने।

"आगे बढ़ो, लड़के।"

फ्रेंकी ने लाइटर को झटके से खोल दिया।

क्या आग लगी है?

"हाँ।"

“अब सिगरेट लो और इस सिरे को दो सेकंड के लिए जलाओ... एक, दो... फिर इसे बुझा दो।”

फ्रेंकी ने निर्देशानुसार किया और फिर लाइटर को झटके से बंद कर दिया। वह फर्श पर गिर गया।

“मुझे सिगरेट दो,” उस आदमी ने कहा।

फ्रेंकी ने उसे सिगरेट दी।

लाइटर उठाओ।

फ्रेंकी ने लाइटर उठा लिया।

“बधाई हो। आपने अपना पहला पाठ उत्तीर्ण कर लिया है।”

"धन्यवाद शिक्षक।"

अब मैं आपको क्या कहकर पुकारूं?

“फ्रांसिस्को।”

“फ्रांसिस्को।” उसने कुर्सी को पकड़ लिया और बैठते हुए खुद को संभाला। “हमारे महान फ्रांसिस्को तारेगा की तरह, जिनके संगीत को आप गा रहे थे।”

मैं उसे नहीं जानता।

“क्या? बेवकूफ बच्चा!”

उसने रसोई की मेज पर हाथ फेरते हुए तब तक खोज की जब तक उसे एक खुली बोतल नहीं मिल गई। उसने एक घूंट पिया और बोतल को पटक दिया।

"अगर आप उनका नाम नहीं ले सकते तो उनका संगीत क्यों गा रहे हैं?"

"मुझें नहीं पता-"

“फिर से, बेवकूफ लड़के! क्या गाना अपने आप लिखा गया?”

"नहीं-"

क्या यह आसमान से गिरा था?

"नहीं-"

“नहीं। यह सही है। यह आकाश से नहीं गिरा।”

उसने रसोई की मेज पर अपनी सिगरेट बुझाई (जो पहले की सिगरेटों के जलने के निशानों से भरी हुई थी), फिर स्टैंड में रखे अपने गिटार को ढूंढने के लिए हाथ बढ़ाया और उसे लगभग गिरा ही दिया। फ्रैंकी को उस आदमी पर तरस आया, जो हर चीज़ के लिए हाथ-पैर मार रहा था। उसने सोचा कि अगर उसे दिखाई ही नहीं देता तो वह काले चश्मे क्यों पहनता है।

“अब ध्यान से सुनो,” उस व्यक्ति ने वाद्य यंत्र पर झुकते हुए, उसकी गर्दन उठाते हुए और अपनी उंगलियों को फ्रेट्स के पास रखते हुए जोर देकर कहा। “महान फ्रांसिस्को टार्रेगा को सुनो।”

उसने एक गहरी सांस ली।

और उन्होंने खेलना शुरू कर दिया।

वह गाना, ज़ाहिर है, “लाग्रिमा” था, वही गाना जो फ्रेंकी ने दरवाजे के पास गाया था। वह अंधा आदमी उसे पूरे जोश और बड़ी सावधानी से बजा रहा था, बीच-बीच में रुककर ज़ोर दे रहा था, कुछ सुरों पर अपना सिर हिला रहा था मानो उनकी महक को महसूस कर रहा हो। फ्रेंकी गिटार की गर्दन पर उंगलियों की कुशल गति को देखता रहा। उसने तारों की मधुर, गर्म आवाज़ सुनी, जिस तरह ऊंचे सुर नीचे के सुरों पर धीरे से बहते हुए लगते थे, जिस तरह कभी-कभी ऐसा लगता था मानो दो लोग एक साथ बजा रहे हों। उसका मुंह थोड़ा खुला रह गया।

अंधे व्यक्ति ने अपनी बात समाप्त की।

“अब बताओ, बेटा। क्या वह संगीतकार इस लायक है कि उसका नाम याद रखा जाए?”

अचानक, उसे महसूस हुआ कि दो छोटी भुजाएँ उसकी गर्दन को गले लगा रही हैं। फ्रैंकी अपना सिर उस आदमी के कंधे पर टिकाए बैठा था, ठीक वैसे ही जैसे कभी अपनी माँ के कंधे पर टिकाता था। "लाग्रिमा" सुनकर न केवल फ्रैंकी के भविष्य पर, बल्कि उसके अतीत पर भी से पर्दा उठ गया था।

“मुझसे दूर हटो,” अंधे आदमी ने बड़बड़ाया। फ्रेंकी ने उसे और कसकर गले लगा लिया। शिक्षक को उसके बालों में साबुन की खुशबू महसूस हुई।

“देखो, बेटा, मुझे माफ़ करना मैंने चिल्लाया। लेकिन तुम अपना इतिहास जाने बिना आगे नहीं बढ़ सकते। क्या तुम समझते हो?”

“हां,” फ्रेंकी ने फुसफुसाते हुए कहा।

"उन संगीतकारों के नाम सीख लें जिनका आप अध्ययन करना चाहते हैं।"

"हाँ।"

“‘टारेगा’ कहो।”

“टार-रे-गा।”

"वह भी तुम्हारी तरह एक फ्रांसिस्को था।"

“फ्रांसिस्को।”

“आपको ‘लाग्रिमा’ गाना कैसे पता चला?”

"मुझे पता है।"

क्या तुम्हारे पापा ने तुम्हें सिखाया था?

"नहीं।"

“तुम्हारी माँ?”

मेरी कोई मां नहीं है।

अंधे व्यक्ति ने घबराकर निगल लिया। उसकी अपनी कहानी उसके गले में अटक गई थी।

"यह सुनकर खेद हुआ।"

“क्या तुम्हें कुछ दिख रहा है?” फ्रेंकी ने पूछा।

“नहीं,” उस आदमी ने जवाब दिया।

"ऐसा कैसे?"

मैं ऐसा बिल्कुल नहीं कर सकता।

कभी-कभी मेरी आंखों में दर्द होता है।

मेरी आंखों में दर्द नहीं हो रहा है।

मैं उन्हें बहुत रगड़ता हूँ।

मेरी आंखों में दर्द नहीं हो रहा है। मैं अंधा हूं। बस इतना ही।

"क्या आप भी फ्रांसिस्को हैं?"

"नहीं।"

"आपका क्या नाम है?"

"अभी मुझसे दूर हटो।"

बच्चे ने पीछे हटकर उस आदमी के काले चश्मे के नीचे उसके चेहरे को छुआ। वह

आँसुओं से भीगा हुआ था। वह अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गया, तभी उस आदमी ने अपनी हथेली से अपना गाल पोंछा और फिर बोतल ढूंढने लगा।

उन्होंने कहा, "तुम मुझे एल मेस्ट्रो कहोगे।"

7

प्रतिभा ईश्वर की परछाई का एक अंश है। और उस परछाई के नीचे, मानवीय कहानियाँ आपस में मिलती हैं।

युवा फ्रांसिस्को प्रेस्टो ने एक अन्य फ्रांसिस्को—टारेगा—के साथ एक कहानी साझा की, जो महान स्पेनिश गिटारवादक थे और जिनका जन्म 1852 में इसी शहर में हुआ था। इस चर्च के ठीक पीछे उनके नाम पर एक सड़क है, और उनकी दो प्रतिमाएँ हैं, जिनमें से एक में उन्हें कुर्सी पर बैठे हुए, घुटनों पर गिटार रखे हुए, उंगलियाँ बजाने के लिए तैयार दिखाई गई हैं। विलारियल के बच्चे उस प्रतिमा के चारों ओर दौड़ते हैं और टारेगा के कांस्य पैरों को पकड़ते हैं।

फ्रेंकी की तरह, टार्रेगा ने भी तुम्हारे जीवन में आते ही मुझ पर गहरा प्रभाव डाला। फ्रेंकी की तरह, उसके साथ भी बचपन में एक देखभाल करने वाली (नैनी) ने दुर्व्यवहार किया, जिससे भागकर वह एक नाले में जा गिरा और उसकी आँखों में चोट लग गई। और फ्रेंकी की तरह, उसने गिटार बजाना इसलिए शुरू किया क्योंकि उसके पिता को लगता था कि अगर वह अंधा हो जाए तो गिटार से वह जीविका कमा सकता है।

बचपन में टार्रेगा चर्च के पास ही एक मठ में रहता था, जहाँ उसके माता-पिता ननों की सेवा करते थे। शायद उन्होंने अपने बेटे के लिए भी ऐसा ही जीवन सोचा होगा। लेकिन जब वह मुझसे मोहित हो गया, तो (स्वाभाविक रूप से) उसके मन में मेरे अलावा और कोई विचार नहीं रहा। वह भागकर बार्सिलोना चला गया, जहाँ उसने

शराबखानों में काम करने की कोशिश की, जब तक कि कोई उसे उसके पिता के पास वापस नहीं ले आया। वह केवल दस वर्ष का था।

कुछ वर्षों बाद वह फिर भागकर वालेंसिया चला गया, जहाँ उसने जिप्सियों के साथ सड़कों पर संगीत प्रस्तुत किया। एक बार फिर, किसी ने उसे विलारियल वापस लौटा दिया।

कुछ वर्षों बाद, वह एक बार फिर भाग गया।

उनकी घुमक्कड़ी का असर उनके संगीत पर पड़ा। तारेगा—जो बाद में पूरे यूरोप में मशहूर और लोकप्रिय हुए—एक बार लंदन में अकेले और उदास थे। उन्हें अपने देश की धूप की बहुत याद आ रही थी। किसी ने उन्हें अपनी उदासी को संगीत में उतारने के लिए प्रेरित किया, और इस तरह उन्होंने एक ऐसी रचना लिखी जो उनकी तड़प को दर्शाती थी।

वह रचना थी "लाग्रिमा"—"आँसू"—वह सुंदर धुन जो चर्च के कक्ष में फ्रैंकी के कानों में गूंजती रही, जिसने उसे रोने से रोका, और सच कहें तो, जिसने उसकी जान बचाई। यह फ्रैंकी की असली माँ, कारमेनसीटा की पसंदीदा धुन थी, क्योंकि विलारियल में पली-बढ़ी अन्य लोगों की तरह, वह भी अपने शहर के सबसे प्रसिद्ध बेटे के संगीत से परिचित थीं।

इसी तरह, बिना आस्तीन की कमीज पहने, दृष्टिहीन शिक्षक एल मेस्ट्रो ने भी फ्रैंकी को टारेगा की कई रचनाएँ सुनाईं। प्रतिभाएँ पीढ़ी दर पीढ़ी इसी तरह आगे बढ़ती हैं, परछाईं कैसे फैलती है, और लगभग सौ साल पहले जन्मा एक कलाकार अपने ही नाम वाले बच्चे की आत्मा को कैसे भर देता है।

वैसे, काफी लंबे समय तक एल मास्ट्रो उनके पाठों के दौरान बस यही करते थे। बजाते थे। फ्रैंकी रसोई की कुर्सी पर बैठा मंत्रमुग्ध होकर हर सुर को सुनता, उस आदमी की उंगलियों को निहारता और सोचता कि क्या उन काले चश्मों के पीछे उसकी आंखें खुली हैं या बंद। हर गाने के बाद वह आदमी सिगरेट पीता या लाल शराब की बोतल से पीता या सस्ती लेकिन ज़्यादा अल्कोहल वाली अगुआर्डिएंट (तेज़ शराब) पीता। जब आखिरकार वह अपना सिर पीछे झुकाकर बाहें नीचे कर लेता, तो फ्रैंकी कुर्सी से

उठ जाता।

"अलविदा, उस्ताद।"

"हां, हां, अलविदा।"

फ्रेंकी नीचे जाकर बाफा और बिना बालों वाले कुत्ते को ढूंढता और वे साथ में घर चले जाते, न कोई संगीत की शीट होती, न कोई असाइनमेंट।

गिटार नहीं है।

एक दिन बफा ने एल मेस्ट्रो से पूछा, "महामहिम, लड़का वाद्य यंत्र क्यों नहीं बजा रहा है?"

"जाओ कपड़े धोने की जगह पर बैठो," एल मास्ट्रो गुर्राया।

दो सप्ताह बाद, बाफा ने फिर से पूछा।

“महाराज, क्या बच्चे को अब तक खेलना शुरू नहीं कर देना चाहिए था?”

“चले जाओ। तुम्हारे कुत्ते से बदबू आ रही है।”

बाफा को गुस्सा करने की हिम्मत नहीं हुई, क्योंकि वह एक कलाकार की प्रतिभा का बहुत सम्मान करता था, यही बात मुझे उस मोटे सार्डिन बनाने वाले के प्रति हमेशा से प्रिय लगती थी। लेकिन वह दृढ़ था। दो हफ्ते बाद, वह फ्रैंकी को दरवाजे पर लेकर आया और फिर से वही मुद्दा उठाया।

“सर, मुझे आग्रह करना ही होगा—”

नहीं, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।

लेकिन मैं पाठों के लिए भुगतान कर रहा हूँ।

"क्या आपको कलाकार चाहिए या बंदर?"

फ्रेंकी को खुद पर मुस्कान आ गई। एक बंदर।

“बिल्कुल, महोदय, मुझे एक कलाकार चाहिए, लेकिन—”

“तो बोलना बंद करो। मुझे सिरदर्द हो रहा है।” उसने अपनी बगल खुजलाई। “क्या तुम्हारे पास मेरे पैसे हैं?”

बफ्फा ने आह भरी। "हाँ।"

फ्रेंकी ने देखा कि बाफा ने उसे कुछ नोट दिए, जिन्हें एल मेस्ट्रो ने अपनी सिगरेट के साथ अपनी पैंट की जेब में ठूंस लिया।

“अगर तुम पढ़ना नहीं जानते तो लिख नहीं सकते,” अंधे आदमी ने कहा। “अगर तुम चबाना नहीं जानते तो खा नहीं सकते। और अगर तुम”—उसने लड़के का हाथ

पकड़ते हुए—“सुनना नहीं जानते तो खेल नहीं सकते।”

उसने फ्रैंकी को अंदर खींच लिया और दरवाजा जोर से बंद कर दिया।

8

कुल मिलाकर, उस्ताद ने लड़के को तार छूने देने से पहले पूरा एक साल लगा दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "पहले कान, फिर हाथ।" इस बीच, उन्होंने संगीत समझाया। उन्होंने स्पेनिश में समझाया—और अंग्रेज़ी में भी, जिसे उन्होंने खुद बचपन में सीखा था और फ्रैंकी की प्रगति के लिए ज़रूरी समझा, क्योंकि उनका मानना था कि भाषाओं की लय, वाक्य रचना और स्वर संगीत जैसी चीज़ों को समझने में मदद करते हैं। हफ़्ते दर हफ़्ते, अलग-अलग भाषाओं में, उन्होंने मेरे कॉर्ड्स, स्केल्स, वॉइसिंग्स को दिखाया, उन्हें ऐसे समझाया जैसे चांदी के बर्तन रखे हों, जब तक कि फ्रैंकी उन्हें आवाज़ से पहचान न सके। उन्होंने फ्रैंकी को हर संगीतकार और रचना का नाम याद करवाया। कभी-कभी वे रसोई के छोटे से रेडियो पर संगीत सुनते थे, और उस्ताद कुछ हिस्सों पर फ्रैंकी के हाथों को दबाते थे। "सुनाई दे रहा है? ठीक वहीं! यह माइनर की है... यह ट्रिपलेट है..."

फ्रेंकी को जहाँ तक पता था, एल मास्ट्रो के पास कोई और छात्र नहीं थे। फ्रेंकी के आने पर वह अक्सर सोफे पर सो रहे होते थे, दरवाजा खुला होता था, और फ्रेंकी उन्हें कंधे पर तब तक धक्का देते थे जब तक कि वह गुर्राकर करवट नहीं बदल लेते और फ्रेंकी समझ जाते थे कि वह जाग गए हैं।

फिर भी, जैसे-जैसे महीने बीतते गए, अंधे व्यक्ति का अपने युवा छात्र पर गुस्सा कम होता गया और उसने उसे "बेवकूफ लड़का" कहना बंद कर दिया, जिससे फ्रैंकी खुश हो गया। इस बीच, बफा ने गिटार को लेकर बहस करना छोड़ दिया। इसके बजाय, वह अपने कपड़े धोने के लिए क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट ले जाने लगा और समय

का सदुपयोग करते हुए हर हफ्ते साफ मोजे और अंडरवियर, रस्सी में लपेटकर घर लाता था।

जब वो बड़ा पल आया, तो फ्रेंकी इतना उत्साहित था कि वो मुश्किल से स्थिर रह पा रहा था। उस्ताद ने उसे कुर्सी पर बिठाया ताकि वो वाद्य यंत्र को सही जगह पर रख सकें, लेकिन उन्होंने जो गिटार चुना था वो बहुत बड़ा था। वो फ्रेंकी की ठुड्डी तक आ रहा था।

“आठ साल के हिसाब से तुम बहुत छोटे हो,” एल मास्ट्रो ने लड़के के शरीर को पकड़ते हुए कहा। “क्या तुम्हारे पिता तुम्हें खाना नहीं खिलाते?”

"जी हां, उस्ताद, वही मुझे खाना खिलाता है।"

मुझे अपना बायां हाथ दो।

फ्रेंकी ने किया।

“तुम्हारे नाखून बहुत लंबे हैं। तुम्हें इन्हें काटना होगा।”

"उन्हें काटें?"

“बायां हाथ। हर दिन।”

जी हां, उस्ताद।

"अगर आपके नाखून कटे हुए नहीं हैं तो आप गिटार नहीं बजा सकते।"

"ठीक है, उस्ताद।"

"क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों है?"

“नहीं, स्वामी।”

“नहीं, ऐसा नहीं है। ज्यादातर लोग सोचते हैं कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि नाखून तारों को दबाने में बाधा डालते हैं। लेकिन मेरा मानना है कि इसके पीछे कुछ और कारण है।”

“क्या बात है, उस्ताद?”

“नाखून उंगलियों के सिरों की रक्षा करते हैं। उंगलियां संवेदनशील होती हैं। नाखूनों को काटकर ही आप संगीत से सही मायने में जुड़ सकते हैं।”

जी हां, उस्ताद।

"तभी आप हर सुर के दर्द को महसूस कर पाएंगे।"

जी हां, उस्ताद।

कोई सुरक्षा नहीं है।

जी हां, उस्ताद।

“संगीत दर्द देता है। क्या तुम मेरी बात समझ रहे हो, लड़के?”

जी हां, उस्ताद।

अब मुझे अलमारी तक ले चलो।

फ्रेंकी खड़ा हुआ और छोटे-छोटे कदम बढ़ाते हुए अपने शिक्षक को फ्लैट के पार ले गया।

“तेज़ चलो, लड़के। मैं अपाहिज नहीं हूँ।”

फ्रेंकी और तेज़ चलने लगा।

"हम कोठरी में हैं, उस्ताद।"

"दरवाजा खोलें।"

फ्रेंकी ने घुंडी को खींचा, जिससे जूतों के बक्सों के ढेर, एक डंडी से लटके हुए कुछ कपड़े और चार गिटार दिखाई दिए, जिनमें से प्रत्येक दूसरे से छोटा था।

“मुझे सबसे छोटा वाला दो,” एल मास्ट्रो ने कहा।

फ्रेंकी ने दोनों हाथों से वाद्य यंत्र उठाया और उसे अपने शिक्षक की ओर ले गया। उसने नीचे देखा तो उसे जूतों की एक जोड़ी दिखाई दी, लेकिन वे एक महिला के थे, और हैंगर पर कई पोशाकें और एक हैंडबैग टंगे हुए थे।

“क्या आपकी पत्नी है, उस्ताद?”

“वापस कुर्सी पर बैठो,” शिक्षक ने कहा।

फ्रेंकी ने अलमारी का दरवाजा बंद कर दिया।

वह गिटार, जिसने फ्रैंकी प्रेस्टो को उसकी नियति से परिचित कराया, वास्तव में गिटार नहीं था, बल्कि एक ब्रागिन्हा था, जो यूकेलेल जैसा एक वाद्य यंत्र है। उसमें केवल चार तार थे। उसका गर्दन फ्रैंकी के छोटे बाएं हाथ में ठीक से समा जाता था, और उसका घुमावदार आकार उसकी हड्डीदार बाएं घुटने पर फिट बैठता था, जो गर्मी के

मौसम में पहनी हुई उसकी छोटी पैंट से बाहर निकला हुआ था। यह बिल्कुल सही आकार का था, मानो उसके शरीर के लिए ही बना हो।

वह इसे हर जगह अपने साथ ले जाता था।

“अपनी दाहिनी बांह मोड़ें और दाहिने हाथ को ढीला छोड़ें,” एल मास्ट्रो ने निर्देश दिया। “इसे कसकर न दबाएँ; आप किसी चीज़ का गला नहीं घोंट रहे हैं। और नीचे की ओर न धकेलें; आप किसी चीज़ को डुबा नहीं रहे हैं। आपकी दाहिनी उंगलियां तारों से बात कर रही हैं। क्या आप किसी का गला घोंटकर या उसे डुबाकर उससे बात करेंगे?”

“नहीं, स्वामी।”

"नहीं, आप ऐसा नहीं करेंगे।"

मैं अपने बाएं हाथ का क्या करूं?

“बायां हाथ सुंदरता को खोजता है। वही सुर और सुर बनाता है। तुम अपने दाहिने हाथ से जितना चाहो उतना दिखावा कर सकते हो, लेकिन बाएं हाथ के बिना तुम कुछ भी नहीं हो, समझे?”

जी हां, उस्ताद।

“अपने बाएं हाथ का सम्मान करो। हर बार जब तुम बजाना शुरू करो, तो इसे इस तरह फैलाकर रखो।” उन्होंने फ्रैंकी की हथेली सीधी की। “जैसे तुम कुछ मांग रहे हो।”

फ्रेंकी ने चर्च में बैठे लोगों के बारे में सोचा, जो बेंचों पर घुटनों के बल बैठे थे और अपने हाथ आगे फैलाए हुए थे।

"क्या मैं भगवान से कुछ मांग रहा हूँ?"

एल मास्ट्रो ने फ्रेंकी के हाथ पर थप्पड़ मारा।

“बेवकूफ लड़के। भगवान तुम्हें कुछ नहीं देता। भगवान तो सिर्फ लेता है।”

उस समय तक फ्रैंकी को भगवान के बारे में बस इतना ही पता था कि उनका एक बड़ा घर है और वे बहुत सोते हैं। बड़े घर वाली बात उसने बफा के यह बताने के बाद समझी कि उसकी माँ भगवान के साथ रहती है—और उन सभी अच्छे लोगों के साथ

जो मर गए—तो वह जगह बड़ी ही होगी, है ना?

फ्रैंकी को नींद वाली बात का अंदाज़ा तब हुआ जब बाफा ने उसे विलारियल का बेसिलिका दिखाया, जिसे बदमाशों ने जलाकर नष्ट कर दिया था। फ्रैंकी ने सोचा कि भगवान ऐसी घटना कभी नहीं होने देंगे, जब तक कि वे सो न रहे हों, ठीक वैसे ही जैसे फ्रैंकी कभी-कभी दरवाजे पर भौंकते हुए बिना बालों वाले कुत्ते की आवाज़ सुनकर भी सो जाता था और जागने पर फर्श पर पानी का एक छोटा सा गड्ढा देखता था। फ्रैंकी ने तर्क दिया कि सोते समय भी बुरी घटनाएँ हो सकती हैं, और बुरे लोग अगर जान लें कि भगवान अपनी आँखें कब बंद करते हैं, तो वे अपने बुरे कामों से बच निकल सकते हैं।

या शायद भगवान कभी-कभी उनके गिटार शिक्षक की तरह होते थे, जो काले चश्मे पहने रहते थे।

“क्या आपने कभी कुछ देखा?” एक दिन फ्रेंकी ने एल मेस्ट्रो से पूछा।

"क्या मेरे जवाब से आप एक बेहतर गिटारवादक बन जाएंगे?"

“नहीं, स्वामी।”

तो फिर सवाल क्यों पूछा जा रहा है?

मुझे खेद है, उस्ताद।

अगर मैं तुम्हें देखूं तो मुझे क्या दिखाई देगा?

फ्रेंकी को यह विचार अच्छा लगा और वह मुस्कुरा उठी।

"लड़का।"

"एक लड़का जो अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे रहा है।"

फ्रेंकी की मुस्कान गायब हो गई। वह महीनों से अभ्यास कर रहा था, हर दिन बगीचे में, अपने पैरों के पास बैठे उस बिना बालों वाले कुत्ते के साथ। वह एल मास्ट्रो जैसे गाने बजाना चाहता था। लेकिन फिलहाल, उसे सिर्फ अभ्यास करने को ही मिल रहा था।

"मेरी उंगलियों में दर्द हो रहा है, उस्ताद।"

संगीत दर्द है।

लेकिन वे अजीब दिखते हैं।

“ये कठोर त्वचा के निशान हैं।”

“कठोर त्वचा क्या होती है?”

“जब आप बजाना शुरू करते हैं, तो आपकी उंगलियां तारों को दबाने की आदी नहीं होती हैं। उनमें लकीरें पड़ जाती हैं, है ना?”

जी हां, उस्ताद।

“और क्या वे सूजे हुए महसूस होते हैं?”

जी हां, उस्ताद।

"शायद उनमें से खून निकलता हो?"

फ्रेंकी ने घबराकर निगल लिया। वह अपने शिक्षक को यह बात बताना नहीं चाहता था। लेकिन शुरुआत में, वह इतना खेलता था कि कभी-कभी उसे अपने बाएं हाथ से खून पोंछने के लिए अपनी कमीज का इस्तेमाल करना पड़ता था।

"कभी-कभी उनमें से खून निकलता है, हाँ, उस्ताद।"

उनकी आवाज कांप रही थी।

"क्या तुम रो रहे हो, फ्रांसिस्को?"

“नहीं, स्वामी।”

"खून बहने पर मत रोओ। खासकर उस चीज के लिए जिसे तुम प्यार करते हो।"

उसने सिंक के पास वाली अलमारी को टटोला और अंदर हाथ डालकर एक छोटी बोतल और एक कटोरा निकाला।

उन्होंने कहा, "अपनी उंगलियों को उसमें भिगो लो।"

"यह क्या है?"

“तुम्हें क्या फर्क पड़ता है, बेटा? अगर मैं तुमसे कहूँ कि कोई चीज़ तुम्हारी मदद करेगी, तो क्या तुम्हें सवाल पूछने की ज़रूरत है?”

मुझे खेद है, स्वामी जी।

“इसे अंग्रेजी में कहो। ‘मुझे माफ कर दो।’”

"मुझे माफ़ करें।"

एल मास्ट्रो ने मेज पर तब तक थपथपाया जब तक उन्हें अपनी अगुआर्डिएंट की बोतल नहीं मिल गई। “एक बड़ा युद्ध चल रहा है, बेटा। हम सब जल्द ही अंग्रेजी या जर्मन बोलने वाले हैं। व्यक्तिगत रूप से, मुझे अंग्रेजी पसंद है। जर्मन में ऐसा लगता है जैसे कोई डांट रहा हो।”

उसने एक घूंट भरा और मुंह बनाया। “और तो और, वे खूनी अपराधी हैं। और हमारा देश उन्हें रोकने के लिए कुछ नहीं करेगा।”

फ्रेंकी ने पहले भी युद्ध शब्द सुना था। बफा कारखाने में काम करने वाले लोगों से इसके बारे में बात करता था। यह शब्द उसे अच्छा नहीं लगा। और फ्रेंकी ऐसी भाषा नहीं सीखना चाहता था जो डांट-फटकार जैसी लगे। उसके हाथों में पहले से ही बहुत कठोर त्वचा थी। उसने अपने शिक्षक की बात मानने का फैसला किया, बस संगीत के बारे में सोचने का। वह सोच रहा था कि क्या उसे उस्ताद को बताना चाहिए कि वह केवल छह साल का है।

लियोनार्ड "टैपी" फिशमैन

संगीत एजेंट, रिकॉर्ड कार्यकारी

कहां? कैमरे की तरफ या आपकी तरफ? . . . ठीक है . . . हां . . . ज़रूर। मेरा नाम लियोनार्ड फिशमैन है, मैं मूल रूप से ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क का रहने वाला हूं। मेरी उम्र छियासी साल है। यह मेरे लिए एक बहुत ही मुश्किल सफर था। विदेश यात्रा, वो भी इकोनॉमी क्लास में। लेकिन मैं यहां आना चाहता था। खबर सुनकर मेरा दिल टूट गया। सच में। बेचारा फ्रैंकी। मैं पचास और साठ के दशक में उसका पहला एजेंट था। हमारा अंत अच्छा नहीं हुआ, यह सच है। वह थोड़ा पागल हो गया था। कौन जाने क्यों? मुझे उसके बारे में लिखी गई आधी बकवास पर भी यकीन नहीं है। आपको भी नहीं करना चाहिए। खासकर मेरे बारे में लिखी गई बातों पर। उसकी शादी? फिल्म का विवाद? वे कहना चाहते हैं कि यह मेरी गलती थी। उन्हें क्या पता?

क्या आप सच सुनना चाहते हैं? मैंने उसे खोजा था। कोई और शायद आपको कुछ और बताए, लेकिन मैंने उसे तब पाया जब वह बिल्कुल नन्हा-सा बच्चा था। क्या आप जानते हैं इसका क्या मतलब है? नन्हा-सा बच्चा? यह यहूदी भाषा का शब्द है। इसका मतलब है एक बच्चा, जवान और मासूम।

निर्दोष। हा! मुझे हंसी आ रही है, क्योंकि फ्रेंकी प्रेस्टो कभी इतना निर्दोष नहीं था।

हैं? . . . ज़रूर। एक उदाहरण देता हूँ। मुझे यह कहानी बहुत पसंद है। हम कैलिफ़ोर्निया में थे। यह फ़रवरी 1959 की बात है। मैं अभी बताता हूँ कि मुझे यह

कहानी क्यों याद है। मैंने फ्रैंकी को एक साल पहले ही साइन किया था, जब वह मेरे ऑफिस आया और बताया कि वह एल्विस प्रेस्ली के बैंड में था। मैं कई कलाकारों का प्रतिनिधित्व कर रहा था, लेकिन एल्विस का नाम लेते ही मुझे काम मिल जाता था।

फ्रेंकी बहुत अच्छा गाता था—वो मेरी डेस्क के पास खड़ा होकर "यू आर माय स्पेशल एंजेल" गा रहा था, उसके हाथ सामने की ओर जुड़े हुए थे, और मैं तो मंत्रमुग्ध हो गया था—और ज़ाहिर है, वो दिखने में भी बहुत अच्छा था। मुझे पता था कि मैं उसके चेहरे से खूब पैसा कमा सकता हूँ। मेरी एक सेक्रेटरी थी, और जब भी फ्रेंकी आता, मुझे लगता था कि वो बेहोश हो जाएगी। बाद में उसका उससे रिश्ता बन गया और उसने उसका दिल तोड़ दिया, जैसा वो अक्सर करता था।

पिछले कुछ सालों में मैंने उसे कई महिलाओं के साथ देखा, जैसे सेक्रेटरी, वेट्रेस, होटल रिसेप्शनिस्ट। वो बिल्कुल मशीन की तरह था, सच में, काश मुझमें भी उतनी ऊर्जा होती। उसकी लंबे समय की प्रेमिका ने उसका करियर शुरू होने से ठीक पहले उसे छोड़ दिया, और मैं उससे कहा करता था, "बेटा, अगर तुम उससे बदला लेना चाहते हो, तो मुझे लगता है तुम जीत गए हो।"

और वह कहता, "ओह, लियोनार्ड, चलो ना।"

वो फ्रैंकी था। वो मुझे लियोनार्ड बुलाता था। बाकी सब मुझे टैपी कहते थे, क्योंकि मैं हमेशा अपना पैर या उंगलियां थपथपाता रहता था, घबराहट में ऐसा करता था, देखो, अभी भी कर रहा हूँ, समझे? लेकिन फ्रैंकी अलग था। पागल। सनकी। लेकिन मैं उससे प्यार करता था। उसका दिल बहुत अच्छा था। दुनिया उसे भूल गई, और ये बहुत दुख की बात है। उसका इस तरह मरना? ये तो बहुत दुखद है।

क्या बात है? . . . ओह, हाँ। उन दिनों कैलिफ़ोर्निया में काउंटी मेलों का एक सिलसिला चलता था, जहाँ मनोरंजन के झूले और चिड़ियाघर के जानवर होते थे—बकरियाँ, घोड़े, ये सब बकवास—लेकिन रात में, किशोरों को लुभाने के लिए, रॉक एंड रोल शो होते थे। और मैंने फ्रैंकी को एक शो में बुक किया था, जिसमें शायद ड्रिफ्टर्स, एवरली ब्रदर्स, एडी कॉकरन, बडी नॉक्स, फैट्स डोमिनो और कुछ अन्य कलाकार भी थे। वे सब दो-दो गाने गाते थे। बिल्कुल एक असेंबली लाइन की तरह।

खैर, इस सर्किट का प्रमोटर एक रोमानियाई था—लंबा, बालों वाला, मूंछों वाला आदमी। वही सब कुछ संभालता था। जानवर, झूले—और संगीत भी। सारा पैसा उसी के पास जाता था। हर रात मज़दूरों को भुगतान लेने के लिए लाइन में लगना पड़ता

था, उसके तंबू में तब तक इंतज़ार करते थे जब तक सारी रसीदें गिन नहीं ली जाती थीं। वह पैसा एक भूरे रंग के कैश बॉक्स में रखता था, और अपने मुंह में एक बड़ी सिगार लिए, वह एक-एक डॉलर गिनता था। इस बीच वह तंबू को इतना गर्म रखता था—उसने हीटर भी चला रखे थे—ताकि मज़दूर गर्मी से परेशान होकर चले जाएं। लेकिन फ्रैंकी वहीं रुका रहा। वह और एवरली ब्रदर्स, फिल और डोनाल्ड—वे उसे डॉन कहते थे। पहली रात वे वहीं खड़े रहे, पसीने से तरबतर हो गए। लेकिन जब वे आखिरकार आगे पहुंचे, तो रोमानियाई ने कैश बॉक्स से सारा पैसा बांट दिया था।

"मैं तुम्हें कल भुगतान कर दूंगा," उसने कहा।

खैर, उन्होंने लगातार चार दिन तक यही सब सहा। वही रोज़ का हाल। "मैं तुम्हें कल पैसे दे दूंगा।" आखिरकार, उस सर्किट का आखिरी शो था। फ्रैंकी और एवरली भाई अब बहुत परेशान थे। फ्रैंकी को एवरलीज़ बहुत पसंद थे। वह कहता था कि वे जितने दिखते हैं उससे कहीं बेहतर संगीतकार हैं, और यही बात फ्रैंकी के बारे में भी सच थी। मैंने एक बार फ्रैंकी को उनका गाना "ऑल आई हैव टू डू इज़ ड्रीम" गाते सुना था—सच कहूँ तो, उसे सुनकर रोना आ जाता था। उसकी आवाज़? वो गाना? मैंने उससे कहा, "फ्रैंकी, मुझे तुम्हारे साथ इसे रिकॉर्ड करने दो," लेकिन उसने मना कर दिया क्योंकि—ज़रा सोचो—वह उस जोड़े से मिला जिसने ये गाना लिखा था, एक पति-पत्नी की जोड़ी, और उसने बताया कि उस महिला ने उसे बताया था कि जब वह आठ साल की थी तब उसने अपने पति का चेहरा सपने में देखा था, और जब वह उन्नीस साल की हुई तो उसने उसे कमरे के दूसरी तरफ देखा, और तब से वे साथ हैं। सच्ची कहानी। "ऑल आई हैव टू डू इज़ ड्रीम" का यही हिस्सा है।

खैर, फ्रेंकी ने कहा कि ऐसे गाने का सिर्फ एक ही ठिकाना होना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे उस जोड़े के पास एक-दूसरे के अलावा कोई नहीं था। इसलिए उसने इसे रिकॉर्ड नहीं किया क्योंकि एवरली ब्रदर्स इसे पहले ही रिकॉर्ड कर चुके थे। बेशक, उसके बाद से लगभग हज़ार लोगों ने इसे रिकॉर्ड कर लिया है। फ्रेंकी के पास दिल तो बहुत था, लेकिन दिमाग कम, पर आखिर किया क्या जा सकता है?

हूँ? . . . ओह, हाँ। रोमानियाई और पैसा। तो जिस रात उनका शो था—फ्रैंकी ने कमाल कर दिया, वैसे। मैं वहाँ था। वो "आई वांट टू लव यू" गा रहा था—उसने अभी तक रिकॉर्ड भी नहीं किया था, लेकिन जिस तरह से लड़कियाँ उछल-कूद कर रही थीं, उससे पता चल रहा था कि ये गाना बहुत बड़ा हिट होगा। तो जब शो खत्म हुआ, तो

फिर से संगीतकार तंबू के पास लाइन में लग गए, और मैं भी नीचे चला गया, क्योंकि पैसे पाने का यही आखिरी मौका था, समझे? बहुत गर्मी थी। फ्रैंकी कहीं नज़र नहीं आ रहा था। हम सब उस बड़े रोमानियाई का इंतज़ार कर रहे थे। अचानक चीख-पुकार मच गई और सब इधर-उधर भागने लगे क्योंकि—क्या आप इसके लिए तैयार हैं?—हाथी आज़ाद हो गए!

क्या आपने कभी ऐसी अफरा-तफरी सुनी है? हाथी खुले घूम रहे हैं? तो सब लोग भागने लगते हैं। कोई हाथी के नीचे कुचलना तो नहीं चाहेगा, है ना? पुलिस की गाड़ियां आती हैं, सायरन बजते हैं, सब कुछ अफरा-तफरी मच जाता है, और अचानक एक कार आकर रुकती है और फ्रैंकी उसे चला रहा होता है, उसके बगल में एक लड़की बैठी होती है, और वह मुझे और एवरली के लड़कों को चिल्लाकर कहता है, "अंदर बैठो!" और हम निकल पड़ते हैं। सब लोग थोड़े सहमे हुए होते हैं—सिवाय फ्रैंकी के, जो एकदम शांत दिखता है। वह हमें होटल तक ले जाता है।

“ये कार तुम्हें कहाँ से मिली?” मैंने उससे पूछा। और वो बस मुस्कुराया। तुम्हें फ्रैंकी की ये मुस्कान याद है ना? उसके वो एकदम सफ़ेद दाँत? आह, काश मेरे भी उसके जैसे दाँत होते। मेरे तो लगभग गायब हो चुके हैं, सब जगह ब्रिजवर्क है...

खैर, मुझे पता था कि दोबारा नहीं पूछना है, और एवरली लड़के होटल के बाहर उतर गए, और फ्रैंकी उनके पीछे भागा और बोला, "अरे, रुको।" और उसने उन्हें एक लिफाफा दिया, और मैंने देखा कि उसमें पैसे थे। उसने कुछ फुसफुसाया और उन्होंने उसे गर्दन से पकड़कर गले लगा लिया, और जब वे चले गए, तो मैंने उससे कहा, "बस मुझे बता दो कि तुम्हें भी पैसे मिल गए," और वह मुस्कुराया और बोला, "लियोनार्ड, चलो ना।" और फिर उसे उस लड़की की याद आ गई, और उस रात मैंने उसे आखिरी बार देखा था।

लेकिन मैं आपको फरवरी 1959 की तारीख के बारे में यही बता रहा था। अगली सुबह, मैं अपने दफ्तर में था और फोन की घंटी बजी। यह फ्रैंकी का फोन था। और उसने पूछा, "पैकोइमा कहाँ है?"

पैकोइमा सैन फर्नांडो घाटी का एक छोटा सा कस्बा है। वो कहता है कि उसे वहाँ जाना है। तुरंत। मैं कहती हूँ, ठीक है, क्या? तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे साथ चलूँ? और वो कहता है कि उसके पास गाड़ी नहीं है। मैं पूछती हूँ, पिछली रात वाली गाड़ी का क्या? वो कहता है कि अब उसके पास वो गाड़ी नहीं है। पूछो मत।

कुछ घंटों बाद मैं उसे लेने के लिए निकला और रेडियो चालू किया। तभी मुझे खबर मिली। बडी हॉली, रिची वैलेंस और बिग बॉपर की विमान दुर्घटना में मौत हो गई। आपको यह कहानी याद है ना? आयोवा में, जी हाँ। एक बर्फीले तूफान में।

फ्रैंकी मुझे पैकोइमा तक गाड़ी चलाने के लिए कहता है, क्योंकि रिची वैलेंस वहीं के रहने वाले थे। वैलेंस जब मरे तब वे बहुत छोटे थे, शायद सत्रह साल के, लेकिन उनकी मुलाकात फ्रैंकी से एक बार एक रोड शो में हुई थी। चूंकि वैलेंस मैक्सिकन थे और फ्रैंकी स्पेन से थे, इसलिए दोनों की आपस में अच्छी दोस्ती हो गई। फ्रैंकी को यह बात बहुत पसंद थी कि रिची का स्पेनिश में एक हिट गाना था, "ला बाम्बा"। उन्हें यह बहुत अच्छा लगता था।

तो हम पैकोइमा के लिए रवाना हुए, रास्ते में एक पेट्रोल पंप पर रुके और फ्रैंकी अंदर गया और एक पता लेकर बाहर आया। यह रिची वैलेंस की माँ का घर था। हम वहाँ पहुँचे तो देखा कि बाहर कई गाड़ियाँ और कुछ पत्रकार खड़े थे। फ्रैंकी ने मुझे इंतज़ार करवाया। हम लगभग चार घंटे तक सड़क पर खड़ी उस गाड़ी में बैठे रहे, जब तक कि सारे लोग चले नहीं गए। अब अंधेरा हो चुका था, और उसने कहा, "ठीक है, मैं बस एक मिनट में आता हूँ," और पीछे से अपना सूटकेस निकाला। और उसे खोला। और आपको क्या लगता है उसने उसमें से क्या निकाला?

एक भूरे रंग का कैश बॉक्स।

हाँ। रोमानियाई व्यक्ति का कैश बॉक्स। उसके पास है। मैं भगवान की कसम खाता हूँ।

और वह बरामदे तक जाता है और कैश बॉक्स को दरवाजे के ठीक अंदर रख देता है। दस्तक भी नहीं देता। फिर वापस अंदर आता है और कहता है, "हम जा सकते हैं।"

मैंने उससे कहा, “फ्रैंकी, तुमने क्या किया?” लेकिन उसने मुझे कोई जवाब नहीं दिया। उसने बस इतना कहा कि बच्चे को खोना बहुत मुश्किल होता है, और रिची की माँ को अब मदद की ज़रूरत होगी। क्या आप यकीन कर सकते हैं? उसने सारा नाटक रचा था—हाथियों का, सब कुछ—सिर्फ़ इसलिए ताकि हमें पैसे मिल जाएँ। फिर उसने सब कुछ लुटा दिया। पूरी वापसी यात्रा में, मैं पीछे देखने वाली खिड़की में देखता रहा, उम्मीद करता रहा कि वह पागल रोमानियाई हमारे पीछे न आ रहा हो।

9

पैसा। एक रहस्य, मुझे मानना पड़ेगा। हालांकि यह इंसानों के लिए बहुत मायने रखता है, लेकिन मुझे यह एक भारी बोझ लगता है। मैंने इसे कभी हासिल नहीं किया। इसके फायदों का कभी अनुभव नहीं किया। मैं बस इतना जानता हूं कि मेरे कुछ शिष्य तो काफी अमीर हो गए हैं, लेकिन कई और, जिन्हें पैसे की जरूरत थी, उन्होंने मुझे छोड़ दिया। क्यों? धन ने कभी संगीत को परिभाषित नहीं किया। जो दिल से बजाया जाता है, उसे कहीं भी बजाया जा सकता है।

किसी भी बात पर।

फ्रेंकी ने अपना पहला संगीत अपने सस्ते ब्रागुइन्हा गिटार पर बनाया। जब उस्ताद ने मंज़ूरी दी और उसे अलमारी से एक गिटार निकालने को कहा, जो कैरेमल रंग का था और महोगनी की गर्दन वाला था, तो वह छह तारों वाले गिटार पर आ गया। चूंकि फ्रेंकी अब हफ्ते में कई बार, अक्सर बाफा के काम पर होने के दौरान, सबक लेने जाता था, इसलिए बाफा ने उसके लिए हल्के हरे सेब के रंग की एक गाड़ी खरीदी, जिसका इस्तेमाल फ्रेंकी अपने नए गिटार को सड़कों पर खींचने के लिए करता था।

एक वैगन में गिटार लिए एक लड़का उस युद्ध के बिल्कुल विपरीत खड़ा था जो देश और दुनिया को अपनी चपेट में ले रहा था। उन वर्षों में मैं उन प्रतिभाओं को इकट्ठा करने में काफी व्यस्त था जो समय से पहले ही खत्म हो गईं, युद्ध के मैदानों में छूट गईं, डूबे हुए जहाजों में समा गईं, आसमान से गिरा दी गईं। कितना बड़ा नुकसान! इंसान एक-दूसरे को क्यों मारते हैं, यह मेरी समझ से परे है, लेकिन मैं गवाही दे सकता हूँ कि आप अपनी उत्पत्ति से ही ऐसा करते आ रहे हैं। केवल हथियार बदलते हैं।

युद्ध ने सभी को प्रभावित किया। बफा को सार्डिन कारखाने में परेशानी होने लगी, क्योंकि उनके कुछ कर्मचारियों को नीली वर्दी पहनाकर युद्ध में भेज दिया गया था। कुछ अन्य लोग दलीय निष्ठाओं को लेकर आपस में झगड़ रहे थे। सरकार ने बफा को युद्ध प्रयासों में सहायता के लिए एक निश्चित मात्रा में सार्डिन का उत्पादन करने का आदेश दिया—जो कि, जैसा कि मुझे पता चला है, वह करना नहीं चाहते थे। बफा रात को घर आए, अपनी कुर्सी पर बैठ गए और अपने माथे पर एक गीला तौलिया

रख लिया। बिना बालों वाला कुत्ता उनके पैरों के पास दुबक गया।

“बाहर जाकर अभ्यास करो,” बफा फ्रैंकी से कहते थे। लड़का अपने पापा को इस हालत में देखकर दुखी हो जाता था, इसलिए वह गिटार लेकर बगीचे में जाने से पहले उनके लिए पनीर और सरसों के सैंडविच बनाता था। वह हर दिन बजाने से पहले अपने बाएं हाथ के नाखून काटता था, फिर एल मास्ट्रो द्वारा सिखाए गए अर्पेजियो का अभ्यास करता था, हर कॉर्ड को अलग-अलग सुरों में तोड़कर उन्हें अलग-अलग क्रम में बजाता था। वह अपने सभी स्केल का अभ्यास करता था। वह अपनी उंगलियों को फ्रेट पर मकड़ी के पैरों की तरह तेज़ी से और तेज़ी से चलाता था, लेकिन कभी भी उन्हें पार नहीं करता था।

“क्या आपने कभी किसी मकड़ी को लड़खड़ाते हुए देखा है?” एल मास्ट्रो ने पूछा था।

“नहीं, स्वामी।”

“नहीं, तुमने ऐसा नहीं किया है। और तुम्हारी उंगलियां भी नहीं फिसलनी चाहिए।”

"हाँ मास्टर।"

“हां बोलो, लड़के।”

"हाँ।"

"अंग्रेजी बोलो।"

“शिक्षकों का कहना है कि हमें केवल स्पेनिश ही बोलनी चाहिए।”

“उनसे स्पेनिश में बात करना। मुझसे अंग्रेजी में। उन्हें मेरे बारे में या हमारी पढ़ाई के बारे में कुछ मत बताना। समझे?”

"हाँ।"

“हमारा रहस्य।”

"हाँ।"

"हा बोलना।' "

"हाँ।"

अभ्यास करते रहो।

"हाँ।"

एल मास्ट्रो के गुप्त रहने का ठोस कारण था। राजनीति से मेरा कोई वास्ता नहीं

है, लेकिन स्पेन में दमन व्यापक था, और जैसे-जैसे महीने बीतते गए, विलारियल में सरकार विरोधी होने के आरोप में अधिकाधिक लोगों को गिरफ्तार किया जाने लगा। उनमें से कई कलाकार थे। एक पियानो वादक, जिसे मैंने उपहार में दिया था, उसे दिन दहाड़े उसके घर से उठाकर जेल में डाल दिया गया। दो सेलो वादक, एक बांसुरी वादक और कई गायकों के साथ भी ऐसा ही हुआ। जैसा कि मैंने समझा, स्पेन के तत्कालीन शासक—फ्रैंको नाम के एक गंजे व्यक्ति—ने एक अत्याचारी समाज का निर्माण किया था, जिसमें किसी भी तरह के विचलन को आपराधिक राजद्रोह माना जाता था। मैंने पहले भी ऐसी सरकारें देखी हैं। उनके नागरिक हमेशा एक जैसे दिखते हैं। थके हुए। इधर-उधर देखते हुए। और एक निरंतर, दम घोंटने वाले भय से जूझते हुए।

ऐसी परिस्थितियों में कला को नुकसान होता है, और स्पेन में भी ऐसा ही हुआ। लोग अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से डरते थे। किसी खास तरीके से लिखने या नाचने से डरते थे। कवियों को जेल में डाल दिया गया। क्षेत्रीय संगीत पर प्रतिबंध लगा दिया गया। रेडियो पर प्रसारित होने वाले विभिन्न संगीत कार्यक्रमों की जगह पारंपरिक स्पेनिश संगीत प्रसारित होने लगा।

“यह फ्रेंको,” एल मास्ट्रो ने बड़बड़ाते हुए कहा। “अगर उसकी चलती तो हम सिर्फ फ्लेमेंको ही बजाते।”

फिर भी, कभी-कभी बुरे के बीच भी अच्छाई मिल जाती है, ठीक वैसे ही जैसे माइनर कॉर्ड्स पर मेजर नोट्स बजाए जा सकते हैं। एक दिन, जब फ्रैंकी अपनी गाड़ी को क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट की ओर खींच रहा था, और एक नए बोर्ड के पास से गुज़रा जिस पर चेतावनी लिखी थी, "अगर आप स्पैनिश हैं, तो स्पैनिश बोलें!", तो उसने शहर के सबसे बड़े स्टोर के सामने हंगामा देखा। ग्रे वर्दी पहने पुलिसकर्मी लोगों को बाहर निकाल रहे थे, और सामान सड़क पर ढेर किया जा रहा था। फ्रैंकी भीड़ के बीच से गुज़रा और उसे कुछ फुसफुसाहटें सुनाई दीं जो उसे समझ नहीं आईं। उसने दूसरों को "फ्रैंको! फ्रैंको! फ्रैंको!" चिल्लाते हुए सुना। जैसे-जैसे लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे और चिल्लाहट तेज़ होती गई, फ्रैंकी की नज़र सामान के ढेरों के बीच किसी चीज़ पर पड़ी। एक फोनोग्राफ मशीन। उसने एक बार दुकान की खिड़की में ऐसी ही एक मशीन देखी थी, और बफा ने बताया था कि यह गोल डिस्क पर संगीत बजाती है। जब फ्रैंकी ने पूछा कि क्या वे ऐसी मशीन ला सकते हैं, तो बफा ने कहा, "ये बहुत

महंगी हैं।"

लेकिन अब यहाँ सड़क के किनारे रिकॉर्डिंग के ढेर के ऊपर एक फोनोग्राफ पड़ा था—अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन के दूरदराज के इलाकों का संगीत। फ्रैंकी इतना छोटा था कि वह यह नहीं समझ पाता था कि इस सरकार के शासन में ऐसी रिकॉर्डिंग को राजद्रोह माना जाता था। उसे लगा कि अगर ये रिकॉर्डिंग सड़क पर पड़ी हैं, तो कोई इन्हें नहीं चाहता होगा।

जैसे ही ग्रे वर्दी पहने पुलिस ने लोगों को काबू में करने के लिए लाठियां पीटनी शुरू की, फ्रेंकी ने जल्दी से फोनोग्राफ और रिकॉर्ड को अपनी हल्के हरे रंग की गाड़ी में लादा, उन्हें एक कंबल से ढक दिया, और मुझे लड़ाई से दूर खींच लिया।

उसे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि उस पर नजर रखी जा रही है।

10

मुझे फ्रेंकी की अनुपस्थित मां और उसके बचपन के जीवन पर पड़े उसके प्रभाव के बारे में थोड़ी देर बात करनी चाहिए।

फ्रेंकी को कारमेनसीटा के बारे में कुछ भी याद नहीं था, वह प्रार्थना करने वाली महिला जिसके बाल गहरे अंगूर जैसे थे। और बाफा, जो उसे कभी जानता ही नहीं था, फ्रेंकी को सच नहीं बता सका—कि उसे एक नदी में एक बिना बालों वाले कुत्ते ने पाया था—क्योंकि कौन सा बच्चा यह सोचना चाहेगा कि उसे कभी फेंक दिया गया था?

इस तरह एक किंवदंती गढ़ी गई। इंसान इतिहास को इसी तरह से नया रूप देते हैं। बफा ने फ्रैंकी को बताया कि उसकी माँ एक संत महिला थीं, बफा का एकमात्र प्यार, जिनकी फ्रैंकी के जन्म के कुछ समय बाद ही एक यात्रा के दौरान दुखद मृत्यु हो गई थी। बफा ने सोचा कि शायद इसी वजह से वे विलारियल के कब्रिस्तान में उनकी

कब्र पर कभी नहीं गए।

यह झूठ अच्छा नहीं था। और दुर्भाग्य से बाफा के लिए, फ्रेंकी जितना संगीत प्रेमी था, उतना ही जिज्ञासु भी था।

“पापा, वो ट्रिप कहाँ थी?”

“अमेरिका।”

"वह कहां है?"

बहुत दूर।

“माँ की मृत्यु कैसे हुई?”

“कार दुर्घटना।”

क्या वह गाड़ी चला रही थी?

"बिल्कुल नहीं।"

“क्या आप गाड़ी चला रहे थे?”

"हाँ।"

“क्या आपको चोट लगी, पापा?”

नहीं। खैर। मुझे चोट लगी थी, लेकिन ज्यादा नहीं।

"क्या तुमने माँ को बचाने की कोशिश की?"

"बिल्कुल।"

"क्या आपने वाकई बहुत मेहनत की?"

बफा ने आह भरी। बच्चे के सवालों के आधार पर कभी झूठ नहीं गढ़ना चाहिए। यह ठीक वैसा ही है जैसे झांझ की आवाज़ों के आधार पर संगीत बनाना।

“हां। मैंने सब कुछ आजमाया।”

"कहाँ था मैं?"

तुम यहाँ थे।

"अपने आप से?"

“एक दोस्त के साथ।”

"कोन सा दोस्त?"

आप उसे नहीं जानते।

"ऐसा कैसे?"

"उसकी मृत्यु हो गई।"

"कैसे?"

“कार दुर्घटना।”

क्या वह गाड़ी चला रहा था?

बफ्फा ने अपना सिर खुजलाया। वह एक व्यावहारिक व्यक्ति थे, अच्छे दिल वाले। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि जब उन्होंने इस दुनिया में कदम रखा था, तब उनके छोटे हाथों में कहानी सुनाने की प्रतिभा नहीं थी।

“मुझे याद नहीं है, फ्रांसिस्को। बहुत समय पहले की बात है।”

“माँ को क्या हुआ?”

"कब?"

"उसकी मृत्यु के बाद?"

उसे दफना दिया गया था।

"इसका क्या मतलब है?"

जब आपकी मृत्यु हो जाती है, तो आपको जमीन में दफना दिया जाता है।

तो फिर वह भगवान के साथ कैसे रह सकती है?

"दफनाए जाने के बाद, आप ईश्वर के साथ रहते हैं।"

“माँ को कहाँ दफनाया गया है?”

“कब्रिस्तान में।”

"कहाँ?"

"अमेरिका में।"

"कहाँ?"

बफा अमेरिका को मुश्किल से ही जानता था। उसकी बहन, डांज़ा, कई साल पहले मैक्सिको चली गई थी और उसने डेट्रॉइट के एक अमेरिकी व्यक्ति से शादी कर ली थी।

“डेट्रॉइट।”

"वह क्या है?"

“एक शहर।”

"कहाँ?"

"अमेरिका में।"

“और आप वहां गए थे?”

"हाँ।"

"आप वहां क्यों गए थे?"

"कार खरीदने के लिए।"

“हमारी कार?”

“एक अलग कार।”

"वही जो दुर्घटनाग्रस्त हो गई?"

“यही वह है।”

“क्या माँ सुंदर थी?”

"बहुत सुंदर।"

क्या वह मुझसे प्यार करती थी?

"बहुत ज्यादा।"

इस पर बफा ने सच कहा, भले ही उसे इसका एहसास न हो। और फिर, सिरदर्द से परेशान होकर उसने कहानी को बंद कर दिया।

"अब और कोई सवाल नहीं, फ्रांसिस्को।"

वह कैसी दिखती थी?

"कृपया।"

"क्या यह वही है?"

फ्रेंकी ने एक तस्वीर आगे बढ़ाई। उसमें, युवा बाफा ने अपनी बहन डांज़ा के कंधे पर हाथ रखा हुआ था, जो हल्के बालों और गहरे रंग की लिपस्टिक लगाए एक गोल-मटोल महिला थी। यह तस्वीर कई साल पहले की थी, जब उसने उसे आखिरी बार देखा था, मेक्सिको जाने से पहले।

"वह आपको कहां मिला?"

"अलमारी में।"

"तुम अलमारी में क्यों छिपे हुए थे?"

“क्या ये माँ हैं?”

बफ्फा ने आह भरी। “हाँ। वही है। अब और कोई सवाल नहीं, ठीक है?”

फ्रेंकी तस्वीर को ध्यान से देख रहा था। उसके पिता को गले लगाती हुई वह गोल-मटोल महिला उसकी माँ थी, वह संत, जिसकी एक दूर देश में कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और उसे इसलिए दफनाया गया था ताकि वह ईश्वर के साथ रह सके।

उसके पास अपनी कहानी थी। वर्षों बाद, इस कहानी से प्रेरित होकर, उसने अपनी पहली गिटार रचना लिखी, जिसे उसने "लाग्रिमास पोर मी माद्रे" नाम दिया।

“मेरी माँ के लिए आंसू।”

सत्य प्रकाश है। झूठ परछाई है। संगीत दोनों है।

11

मेरी बात करें तो, मेरे वादन के लिए आपके पास कई शब्द हैं। शास्त्रीय संगीत में, उनमें से अधिकतर इतालवी भाषा में हैं। अडाजियो। मॉडरेटो। यह उस दौर से जुड़ा है जिसे आपने पुनर्जागरण कहा, जब इटली रचनात्मकता का केंद्र था और वहाँ गए संगीतकारों ने मेरी लय के लिए सैकड़ों वाक्यांशों का आविष्कार किया। विवासे। एंडेंटिनो। प्रेस्टिसिमो। फ्रैंकी की कहानी में अब तक हम लार्गो, यानी धीरे-धीरे, या कम से कम लार्गिस्सिमो, यानी जितना धीमा उचित लगे, चल रहे हैं। लेकिन अंतिम संस्कार के नज़दीक आने के साथ, हमें एक्सेलेरेंडो का प्रयोग करना होगा, यानी गति बढ़ानी होगी, शायद अडाजिएटो या एलेग्रो तक पहुँचना होगा।

फ्रैंकी के जीवन के अगले तीन साल—जिस दिन उसने फोनोग्राफ चुराया था, उस दिन से लेकर जिस दिन वह जहाज के निचले हिस्से में छिपकर स्पेन से निकला—में निम्नलिखित घटनाएँ घटीं: उसकी लंबाई नौ इंच बढ़ गई, उसके छह दूध के दांत गिर गए, स्कूल में चार बार उसकी लड़ाई हुई, उसने पहली बार पवित्र भोज ग्रहण किया, फुटबॉल किक में महारत हासिल की, अपने बालों में पोमेड लगाया, एक लड़की ने उसके कान पर चुंबन किया (और हंसते हुए भाग गई), साइकिल चलाना सीखा, लैटिन में प्रार्थना करना सीखा और सॉसेज और जैतून के तेल से बोकाडिलो बनाना सीखा। उसने अपना पहला स्विमिंग सूट पहना, अपना पहला टैंक देखा, बाफा से लगातार ग्लोब पर अमेरिका दिखाने के लिए कहता रहा, और हर रात उस सुनहरे

बालों वाली महिला की तस्वीर को अपने तकिए के नीचे रखकर सोता था, जिसे वह अपनी माँ मानता था।

वह बगीचे में प्रतिदिन कम से कम तीन घंटे गिटार का अभ्यास भी करता था, सौ से अधिक गाने सीख चुका था और सुरों और उंगलियों के अभ्यास से उस बिना बालों वाले कुत्ते का मनोरंजन करता था।

एल मास्ट्रो के साथ उनकी शिक्षाओं के बारे में मैं गवाही दे सकता हूँ कि उन्होंने असाधारण प्रगति की, जिसका प्रमाण यह था कि फ्रैंकी के बजाते समय उनके नेत्रहीन शिक्षक कभी-कभी मुस्कुराते भी थे। एल मास्ट्रो ने सिगरेट पीना भी छोड़ दिया, हालाँकि इसका कारण शायद वह घटना थी जब फ्रैंकी ने लाइटर का इस्तेमाल करते हुए गलती से मेज़पोश में आग लगा दी थी, और फिर अपने शिक्षक के चेतावनी देने से पहले ही उस पर शराब डाल दी थी कि शराब से पूरा कमरा जल सकता है। (ऐसा नहीं हुआ। लेकिन इस तरह का डर आदत छुड़वा सकता है।)

फ्रैंकी क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट पर लॉन्ड्री के ऊपर वाले फ्लैट में ज़्यादा से ज़्यादा समय बिताने लगा, जहाँ वह शास्त्रीय वादन की सही तकनीकें सीखता था। वह गिटार की गर्दन को अपने बाएँ कंधे से दूर घुमाता, ऊपर की ओर झुकाता और एक स्टूल पर पैर रखता था। उस्ताद उसे घंटों तक अपने दाहिने हाथ में एक संतरा पकड़ने के लिए कहते थे ताकि वह तारों को बजाने की सही स्थिति का अभ्यास कर सके। वह लगातार लड़के की उंगलियों को पकड़कर उसे अंगूठे का मांसल भाग और नाखूनों का वह कोण दिखाते थे जिससे सबसे शुद्ध ध्वनि निकलती थी। उन्होंने उसे गिटार का हर एक हिस्सा सिखाया, गर्दन के ऊपरी हिस्से पर बजाने से निकलने वाली तीखी ऊँची आवाज़ें, ध्वनि छिद्र के सापेक्ष ध्वनि की तीव्रता और स्वर, प्रत्येक तार का कंपन और उसे कैसे बजाया, थपथपाया, खींचा, उंगलियों से बजाया या झटक दिया जा सकता है।

फ्रेंकी ने सड़क किनारे से चुराया हुआ फोनोग्राफ चलाना भी सीख लिया। एल मास्ट्रो पहले तो बहुत गुस्से में थे। उन्होंने मशीन को फेंक देने पर ज़ोर दिया। ("अगर पुलिस ने दुकान बंद कर दी, तो बेवकूफ लड़के, वे मेरे साथ क्या करेंगे?") लेकिन जब फ्रेंकी ने ड्यूक एलिंगटन के ऑर्केस्ट्रा द्वारा बजाए जा रहे "डोंट गेट अराउंड मच एनीमोर" गाने की रिकॉर्डिंग पर सुई रखी, तो एल मास्ट्रो अपनी कुर्सी पर मुंह खुला रखकर बैठ गए और लड़के से लगातार तेरह बार सुई वापस रखने को कहा।

आखिरकार, उन्होंने और फ्रैंकी ने उस ढेर में मौजूद हर डिस्क को कई बार सुना। एल मेस्ट्रो की पसंदीदा डिस्क जैंगो रेनहार्ड्ट नाम के एक जिप्सी गिटार वादक की शैलैक रिकॉर्डिंग थी, जिसे शिक्षक ने "इस दुनिया का नहीं" बताया था। फ्रैंकी को लुई आर्मस्ट्रांग और उनका गाना "बिल बेली, वोंट यू प्लीज कम होम?" बहुत पसंद था, जिसके बोल उन्हें याद थे। एक दिन, जब एल मेस्ट्रो फ्रैंकी के बनाए सॉसेज बोकाडिलो खा रहे थे, तो लड़के ने अपने शिक्षक के लिए हूबहू नकल करते हुए वह गाना गाया।

“क्या तुम घर नहीं आओगे, बिल बेली?”
क्या तुम घर नहीं आओगे?
वह दिन भर कराहती रहती है।
मैं खाना बना दूँगा, जान; मैं किराया भी दे दूँगा।
मुझे पता है मैंने तुम्हारे साथ गलत किया है...

जब फ्रेंकी रुका, तो अंधे व्यक्ति ने चबाना खत्म किया, फिर अपनी ठुड्डी को दो उंगलियों से रगड़ा।

"फ्रांसिस्को, तुम्हें परेशानी होने वाली है।"

"क्या समस्या है?"

आप अच्छा गाते हैं।

"धन्यवाद, उस्ताद।"

“बिल्कुल सही। आपको यह तय करना होगा कि आप क्या बनना चाहते हैं—एक महान गायक या एक महान गिटार वादक।”

"क्या मैं दोनों हो सकता हूँ?"

एल मास्ट्रो ने आह भरी। "दोनों होने का मतलब है कि आप दोनों में से कोई भी नहीं हैं।"

फ्रेंकी ने अपने शिक्षक की ओर देखा, काले चश्मे और बिना शेव की हुई मूंछों की ओर। वह गाना गाकर उन्हें निराश नहीं करना चाहता था।

मुझे खेद है, उस्ताद।

अंधे व्यक्ति ने अपने दांत किटकिटाए।

और लुई आर्मस्ट्रांग की तरह आवाज निकालने की कोशिश करना बंद करो। इससे तुम्हारा गला खराब हो जाएगा।

12

मैंने स्पेन में बिताए इन बचे हुए वर्षों में तेज़ी से आगे बढ़ने का वादा किया है। इसलिए आइए, मैं केवल दो दिनों पर ध्यान केंद्रित करूं: जिस दिन फ्रैंकी को प्यार हुआ, और जिस दिन वह चला गया।

पहली घटना 1944 की शरद ऋतु के शुरुआती दिनों में घटी, जब आसमान साफ था और बफा फ्रैंकी को ला विलावेला के पास स्थित सार्डिन कारखाने में ले जा रहे थे। वहाँ पहुँचने के कुछ ही समय बाद, बफा मजदूरों के बीच एक और बहस में उलझ गए और उन्होंने फ्रैंकी से कहा कि वह बिना बालों वाले कुत्ते को टहलने ले जाए। फ्रैंकी समझ गया कि उसके पापा नहीं चाहते कि वह ये सब सुने, और यह ठीक था, क्योंकि वह एल मास्ट्रो द्वारा सिखाए गए नवीनतम गीत को सीखना पूरा करना चाहता था।

गिटार को अपनी पीठ पर टांगे हुए, वह बिना बालों वाले कुत्ते को शहर से बाहर जाने वाले लंबे रास्ते पर ले गया। चलते-चलते वह सीटी बजाता रहा, गुनगुनाता रहा और एक छड़ी फेंकता रहा, जिसे बिना बालों वाला कुत्ता उठाकर ले आया।

कुछ ही देर में वह घरों से बहुत दूर, घने जंगल में भटक गया। उसने सोचा कि अभ्यास करने के लिए वह किसी पेड़ के ठूंठ का सहारा ले सकता है, इसलिए वह इधर-उधर भटकता रहा जब तक उसे एक अच्छी जगह नहीं मिल गई। वह बैठ गया, अपने गिटार को ठीक किया, अपना बायां हाथ आगे बढ़ाया (जैसा कि उस्ताद ने सिखाया था), और सुर बजाने लगा।

“शश!”

उसने ऊपर देखा।

“शश!”

फ्रेंकी यह नहीं देख पा रहा था कि उसे कौन चुप करा रहा है। उसकी नज़रें जंगल

में इधर-उधर घूमती रहीं, जब तक कि उसे एक पेड़ पर एक विशाल शाखा पर बैठा हुआ एक व्यक्ति दिखाई नहीं दिया। वह लगभग उसी के कद का एक लड़का था, जिसने भूरे रंग की पैंट, पीली कमीज़ और माथे पर कसकर खींची हुई टोपी पहन रखी थी।

“वहाँ कौन है?” फ्रेंकी ने कहा।

मुझे स्पैनिश नहीं आती। चुप रहो!

“मैं अंग्रेजी बोल सकता हूँ,” फ्रेंकी ने कहा।

बच्चे ने आंखें सिकोड़ीं।

क्या आप लाशें देखना चाहते हैं?

फ्रेंकी ने अपने गिटार की गर्दन को कसकर पकड़ लिया।

मुझे अभ्यास करना होगा।

"डर गया क्या?"

"नहीं।"

कोई बात नहीं। ज्यादातर लोग मेरे जितने बहादुर नहीं होते।

लड़के की अंग्रेजी अजीब लग रही थी। (फ्रैंकी का यह पहला ब्रिटिश उच्चारण था।)

"मैं नहीं डरता।"

"इसे साबित करो।"

मैं इसे कैसे साबित करूं?

"ऊपर चढ़ना।"

फ्रेंकी का एक हिस्सा भाग जाना चाहता था। उसे लाशें देखने की बिल्कुल इच्छा नहीं थी। लेकिन उसने पहले कभी किसी अंग्रेज़ी बोलने वाले बच्चे को नहीं देखा था। और उसके ज़्यादा दोस्त भी नहीं थे, क्योंकि स्कूल के ज़्यादातर बच्चे उसकी आँखें मलने पर उसे चिढ़ाते थे। वह सोच रहा था कि क्या इस लड़के को कोई गाना आता होगा।

“ठीक है,” फ्रेंकी ने कहा। “मैं ऊपर आ जाऊँगा।”

उसने पेड़ के तने को बाहों में भर लिया और चढ़ने की कोशिश की। कुछ कदम चढ़ने के बाद वह बुरी तरह गिर पड़ा।

"यह तो बेवकूफी थी," लड़के ने हंसते हुए कहा।

फ्रेंकी ने अपनी शॉर्ट्स से धूल पोंछी। बिना बालों वाले कुत्ते ने उसकी नंगी टांगों को चाटा।

“लो। पकड़ो।”

लड़के ने शाखा से बंधी रस्सी को छोड़ दिया। रस्सी को पकड़कर और उछलकर, फ्रेंकी ने अपने पैरों को पेड़ पर टिकाया और तने पर चढ़ने लगा। शाखा पर पहुँचते ही वह गिर पड़ा।

“हम्म्फ,” लड़के ने कहा।

तभी, हांफते हुए, फ्रेंकी को एहसास हुआ कि यह कोई लड़का नहीं, बल्कि एक लड़की थी जिसके सुनहरे बाल टोपी के नीचे दबे हुए थे। उसके होंठों के नीचे उसके दांत एक सुंदर घुमावदार आकृति बना रहे थे, और उसकी त्वचा इतनी गोरी और गाल इतने गुलाबी थे जितने फ्रेंकी ने पहले कभी नहीं देखे थे। उसकी आंखें तालाब के पानी के रंग की थीं, जिससे वह थोड़ी स्वप्निल लग रही थी, यहां तक कि जब वह सीधे उसकी ओर देख रही थी तब भी।

“तुमने साबित कर दिया है कि तुम बहादुर हो,” उसने सहज भाव से कहा। “इसलिए तुम मेरे दोस्त बन सकते हो।”

फ्रेंकी के भीतर एक गर्मजोशी सी फैल गई। उसे उतना ही साहस महसूस हुआ जितना उसने बताया था।

“रस्सी को ऊपर खींचने में मेरी मदद करो,” उसने कहा।

तुम इस पेड़ पर क्यों हो?

मैं जासूसी कर रहा हूँ।

"इसका क्या मतलब है?"

“तुम्हें जासूसी का मतलब नहीं पता?”

फ्रेंकी ने कंधे उचका दिए।

"मैं कुछ ऐसी गुप्त चीजें देख रहा हूँ जिन्हें किसी को नहीं देखना चाहिए।"

"क्यों?"

"ताकि मैं अपने पापा को बता सकूं। वो मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, आप जानते हैं।"

फ्रेंकी ने फिर से कंधे उचका दिए।

“केवल बहादुर लोग ही जासूस बन सकते हैं। मेरे पिताजी की तरह।”

"कहाँ है वह?"

मुझे नहीं पता। वह एक गुप्त मिशन पर है। लेकिन जब वह वापस आएगा, तो मैं उसे बताऊँगा कि मैंने क्या देखा।

"आपने क्या देखा?"

“लाशें। देखो।”

फ्रेंकी इस हिस्से के बारे में लगभग भूल ही गया था। उसने उस ओर देखा जहाँ वह इशारा कर रही थी और जंगल में एक बड़ा खुला मैदान देखा, जहाँ की मिट्टी आसपास की मिट्टी से अलग लग रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे उसे खोदा गया हो, मथा गया हो और फिर से भर दिया गया हो, मानो किसी चीज़ को ढकने के लिए इस्तेमाल किया गया हो। पास ही मिट्टी के एक और टीले के बगल में एक गहरा, खाली गड्ढा था।

“उन्होंने इसे आज सुबह ही खोदा है,” लड़की ने फुसफुसाते हुए कहा। “वे उन्हें यहीं रखेंगे।”

“क्या रखना है?”

"नए।"

इससे पहले कि वह कुछ और कह पाती, एक सैन्य ट्रक जंगल में गड़गड़ाता हुआ आया, अपने रास्ते में खरपतवार और टहनियों को कुचलता हुआ। लड़की एकदम से चौंक गई और फ्रैंकी की बांह पकड़ ली। फ्रैंकी उसकी छोटी, सफेद हथेली को देखता रहा, उसकी उंगलियां पतली और नाजुक थीं। फ्रैंकी उंगलियों को देखने में काफी समय बिताता था—गिटारवादक अक्सर ऐसा करते हैं—और वह उसकी पहली झलक कभी नहीं भूल सकता था।

“बात मत करो,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

सैन्य ट्रक रुक गया। इंजन चालू ही था कि कुछ लोग बाहर कूद पड़े। उनके मुंह और नाक पर स्कार्फ बंधे हुए थे। अचानक हलचल हुई, कुछ खोला गया और फिर वे लोग पीछे से शवों को बाहर निकालने लगे—छह शव, नंगे पैर, कपड़े पहने हुए, जो गहरे रंग से सने और गीले थे। फ्रैंकी को लगा कि वे गहरी नींद में सो रहे हैं, इतनी

गहरी नींद में कि उठाने पर झुक रहे थे, जैसे चावल की लंबी बोरियां। वह चाहता था कि वे हिलें-डुलें, कहें, “अरे, मुझे नीचे उतारो। मैं अब जाग गया हूँ।” लेकिन वे जरा भी नहीं हिले।

इंजन की गड़गड़ाहट से सारी आवाज़ दब गई थी, सैनिकों ने चुपचाप शवों को एक के ऊपर एक गड्ढे में फेंक दिया, ठीक वैसे ही जैसे बंदरगाह पर काम करने वाले मजदूर बक्से उतारते हैं। वे ट्रक के पास वापस गए और लंबी धातु की फावड़ियाँ ले आए।

कुछ ही मिनटों में, लाशों पर इतनी मिट्टी डाल दी गई थी कि फ्रैंकी और लड़की उन्हें देख नहीं पा रहे थे। सैनिकों ने कुछ नहीं कहा। वे बस फावड़ों के पिछले हिस्से से मिट्टी को दबाते और पैरों से कुचलते रहे। काम खत्म होने पर, वे जल्दी से ट्रक में वापस चढ़ गए और जैसे ही ट्रक गड़गड़ाते हुए चला गया, उन्होंने दरवाजे बंद कर दिए।

अचानक सन्नाटा छा गया, मानो धरती भी स्तब्ध होकर सांस न ले पा रही हो। मैं इस आवाज़ को जानता हूँ; मौन संगीत का एक हिस्सा है। लेकिन किसी चीज़ के शांत होने का मतलब यह नहीं कि आप उसे सुन नहीं रहे हैं।

फ्रेंकी ने उस लड़की की ओर देखा। उसकी गाल पर एक आंसू बह गया। नई ढकी हुई कब्रों को देखते हुए, उसने अपने हाथ सामने जोड़ लिए और धीमी, सधी हुई आवाज़ में बोली। उसके शब्द कैथोलिक अनुष्ठान सैंक्टा मिसा से थे:

“हे ईश्वर के संतों, शीघ्रता से उनकी सहायता के लिए आओ। हे प्रभु के दूतों, शीघ्रता से उनसे मिलने आओ। इन आत्माओं को अपनी बाहों में भर लो, और अपना बोझ उठाकर परमपिता परमेश्वर के पास ले जाओ।”

उसने फ्रेंकी की ओर रुख किया।

"किसी को तो उनके लिए यह कहना ही होगा, वरना उन्हें स्वर्ग नहीं मिलेगा।"

उसने अपनी उंगली के जोड़ से आंसू पोंछ दिए।

“अब हम नीचे उतर सकते हैं। और तुम मुझे अपना गिटार बजाकर सुना सकते हो।”

प्यार के बारे में मैं यही जानती हूँ। यह आपके मेरे प्रति व्यवहार को बदल देता है। मैं इसे आपके हाथों में, आपकी उंगलियों में, आपकी रचनाओं में महसूस करती हूँ।

जोशीले वाक्यांशों की अचानक बाढ़, मेजर सेवेंथ, मधुर धुनें जो एक लिफाफे में रखे वैलेंटाइन की तरह सहजता और मधुरता से समाप्त होती हैं। नए स्नेह से इंसान मदहोश हो जाते हैं, और युवा फ्रैंकी पहले से ही मदहोश था जब वह और वह रहस्यमयी लड़की उस पेड़ से नीचे उतरे।

वे बिना कुछ बोले साथ-साथ चलते रहे। वह उसे कब्रिस्तान के किनारे तक ले गई।

जब वह उसके पैरों के बिल्कुल करीब आ गया, तो उसने कहा, "इतना करीब मत आओ।"

"क्षमा मांगना।"

वह मुस्कुराई।

तुम अब भी डरे हुए हो।

"नहीं, मैं नहीं हूँ।"

“सैनिक वापस नहीं आएंगे।”

"आपको कैसे मालूम?"

वे ऐसा कभी नहीं करते।

“क्या वे सभी लोग मर गए थे?”

"हाँ।"

उनकी मृत्यु कैसे हुई?

"शायद उन्हें गोली लग गई होगी।"

"क्यों?"

“क्योंकि युद्ध चल रहा है। मेरे पिताजी कहते हैं कि जनरलिसिमो जिसे चाहे उसे मार डालता है।”

फ्रेंकी ने यह नाम पहले भी सुना था। जनरलिसिमो। इसे सुनकर उसे कंपकंपी छूट गई।

उन्होंने कहा, "मुझे युद्ध पसंद नहीं है।"

मुझे युद्ध से नफरत है।

"मैं भी।"

तुम अजीब तरह से बात करते हो।

नहीं, मैं नहीं करता।

"आपने अंग्रेजी कहाँ सीखी है?"

“मेरे शिक्षक से।”

“आपके स्कूल शिक्षक?”

"मेरे गिटार शिक्षक।"

फ्रेंकी ने घबराकर निगल लिया, उसे एहसास हुआ कि उसने अभी-अभी एल मेस्ट्रो के भरोसे को तोड़ा है।

तुम किसी को नहीं बता सकते।

मैं ऐसा नहीं करूंगा।

"यह एक राज है।"

मैं राज़ रख सकता हूँ।

उसने उसके गिटार की ओर देखा। बिना बालों वाला कुत्ता उसे गिटार को देखते हुए देख रहा था।

"क्या तुम सच में खेल सकते हो?"

"हाँ।"

"कुछ खेलो।"

"आपके लिए?"

वह अभी-अभी खोदे गए खेत की ओर मुड़ी।

"उन को।"

मुझे क्या खेलना चाहिए?

मुझे नहीं पता। कुछ ऐसा जिससे यह पता चले कि हम उन्हें नहीं भूलेंगे।

फ्रेंकी उसे खुश करना चाहता था। उसने अपने सीखे हुए सभी संगीत के बारे में सोचा। उसे चोरी हुई डिस्क में से एक याद आई, फिलीपींस का एक गाना जिसके बारे में उसके शिक्षक ने कहा था कि यह "इतना उदास है कि फोनोग्राफ की सुई पिघल जाए।" एल मास्ट्रो ने फ्रेंकी को यह गाना सिखाया था। इसका शीर्षक था "मालाला मो काया", जिसे कॉन्स्टैन्सियो डी गुज़मैन नामक एक फिलिपिनो संगीतकार ने लिखा था। ("कितना सुंदर नाम है," एल मास्ट्रो ने सोचा था।) इसमें अलग-अलग सामाजिक वर्गों के दो लोगों को अपने प्यार को न भूलने का वादा करते हुए दिखाया गया था। रिकॉर्ड लेबल पर इसका अनुवादित शीर्षक था "क्या तुम याद रखोगे?"

फ्रेंकी एक चट्टान पर बैठ गया और गिटार को अपने घुटने पर रख लिया। उसे अपने नए दोस्त की मौजूदगी का पूरा एहसास था, और उसने पूरी लगन से गिटार

बजाने की कोशिश की। मैंने उसके स्पर्श में, हर सुर में उसकी कोमलता में यह महसूस किया।

अगर आपने इस दृश्य को दूर से देखा होता, तो यह अजीब लग सकता था: एक सामूहिक कब्र के पास दो बच्चे, एक गिटार बजा रहा है, दूसरा सुन रहा है, आसमान में सूरज की तेज गर्मी है, और मिट्टी में स्पेनिश सेना के ट्रक के निशान अभी भी ताजा हैं।

लेकिन मैंने कुछ और ही देखा। मैंने एक लड़के को देखा जो लगभग एक लड़की की ओर तार झुका रहा था। यह पहली बार था जब फ्रैंकी प्रेस्टो ने अपना संगीत किसी और को देने का प्रयास किया था।

इसी से मुझे पता चला कि वह प्यार में था।

जब उसने खेलना समाप्त किया तो उसने कहा, "तुम इस तरह कैसे खेलते हो?"

"मुझें नहीं पता।"

"यह काफी अच्छा है।"

"वास्तव में?"

"हाँ।"

"क्या आपको लगता है कि उन्होंने इसे सुना?"

उसने मिट्टी के मैदान की ओर देखा। “मुझे नहीं पता। यह कोई उचित कब्र नहीं है।”

“उचित का क्या अर्थ है?”

"यह तब होता है जब आप कोई काम सही तरीके से करते हैं।"

सही तरीका क्या है?

“कब्र के लिए? आप इसे बहुत अच्छे से सजाते हैं। आप शव को एक बक्से में रखते हैं। परिवार वाले अंतिम विदाई देने आते हैं। और वे ऊपर फूल चढ़ाते हैं।”

“फूल ही क्यों?”

"ताकि स्वर्ग जाते समय मृतकों को देखने के लिए कुछ सुंदर चीज मिल सके।"

"ओह।"

क्या तुमने कभी कब्र नहीं देखी?

मेरी मां के पास एक है।

“तुम्हारी माँ का निधन हो गया?”

"हाँ।"

"क्या वह अच्छी थी?"

मैं उनसे कभी नहीं मिला।

उसकी कब्र कहाँ है?

“अमेरिका।”

"तो आपने इसे कभी नहीं देखा?"

"नहीं।"

फ्रेंकी सोच रहा था कि वह कब्र कैसी दिखती होगी, और क्या किसी ने वहाँ फूल चढ़ाए होंगे। काश वह बफा से पूछ पाता। उसे अचानक अपने पिता की बहुत याद आ रही थी।

“हमें इस कब्र पर फूल चढ़ाने चाहिए,” लड़की ने कहा।

"ठीक है।"

"क्या आपको कोई दिखाई दे रहा है?"

“उनका क्या?”

“ये खरपतवार हैं।”

“क्या आप खरपतवार का उपयोग नहीं कर सकते?”

नहीं। वे बदसूरत हैं।

वे चुपचाप खड़े रहे। फ्रेंकी ने अपने गिटार की ओर देखा।

“वहाँ छह लोग थे, है ना?”

"हाँ।"

मुझे पता है कि हम क्या कर सकते हैं।

उसने अपना गिटार नीचे रखा और ट्यूनिंग पेग को पीछे की ओर घुमाने लगा। उसने तार को पेग और ब्रिज से अलग कर दिया। ढीला तार हाथ में लेकर वह नीचे बैठ गया और लड़की भी उसके साथ बैठ गई। उसने तार को कई बार लूप किया, फिर उसे नब्बे डिग्री के कोण पर मोड़ा और उसे बांध दिया, जिससे एक डंठल बन गया जो गोलों से नीचे की ओर निकला हुआ था। उसने पहले भी एल मास्ट्रो के पुराने तारों के

साथ ऐसा किया था, जब उसके शिक्षक सोफे पर सो रहे होते थे, तब वह खिलौने जैसी आकृतियाँ बनाता था। लेकिन उसने इससे पहले कभी अपने गिटार से तार नहीं निकाला था।

उसने एक सिरे को जमीन में गाड़ दिया और दो छोटे पत्थरों से दबाकर उसे सीधा खड़ा कर दिया।

“एक फूल,” लड़की ने आश्चर्य से कहा।

“ताकि वे स्वर्ग जा सकें,” फ्रेंकी ने कहा।

लेकिन अब तुम नहीं खेल सकते।

फ्रेंकी को पता था कि वह सही कह रही है। फिर भी, उसने एक और धागा ढीला किया, फिर एक और, और फिर एक और।

“क्या मैं चख सकती हूँ?” लड़की ने पूछा।

वे दोनों एक साथ उकड़ू बैठ गए। इस बार उसने उससे यह नहीं कहा, "इतना पास मत आओ।" उन्होंने पाँच और माला के फूल बनाए और उन्हें शवों पर फैली मिट्टी के चारों ओर बिखेर दिया। फिर वे खड़े हुए और मिट्टी को रगड़कर साफ किया। सूरज ढलने लगा। लड़की ने धीरे से प्रार्थना की और फ्रेंकी ने उसके शब्दों को दोहराया, हालाँकि वह उन्हें समझ नहीं पाया था।

जब वे कब्र को निहार रहे थे, उसने अपनी उंगलियाँ फ्रैंकी की उंगलियों में फंसा लीं। फ्रैंकी ने भी बदले में उसकी उंगलियाँ दबा दीं। धरती पर ऐसे क्षण आते हैं जब ईश्वर अपनी सृष्टि की अनपेक्षित मिठास पर मुस्कुराता है। यह उन्हीं क्षणों में से एक था।

"तुम्हारा नाम क्या है?"

“फ्रांसिस्को।”

"आपका अंतिम नाम क्या है?"

“रुबियो।”

“क्या इसका कोई मतलब है? फ्रांसिस्को?”

"यह एक प्रसिद्ध गिटारवादक का नाम है।"

"ओह।"

"तुम्हारा नाम क्या है?"

“ऑरोरा।”

"आपका अंतिम नाम क्या है?"

यॉर्क।

“क्या इसका कोई मतलब है? अरोरा?”

इसका अर्थ है ‘भोर’।

भोर क्या होती है?

“जब सूरज उगता है। यह तो सब जानते हैं।”

फ्रेंकी ने नज़रें फेर लीं। उसे एल मास्ट्रो से और अंग्रेज़ी सीखने के लिए कहना पड़ेगा।

"तुम बहुत अच्छा खेलते हो, फ्रांसिस्को।"

फ्रेंकी शरमा गई।

मुझे लगता है कि आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गिटार वादक हैं।

"वास्तव में?"

मैं तुमसे झूठ नहीं बोलूंगा।

बाल रहित कुत्ता धीमी आवाज में रोने लगा।

क्या तुम्हें कभी किसी लड़की ने चूमा है?

"एक बार।"

"कहाँ?"

"स्कूल में।"

वह हंस पड़ी। “नहीं। कहाँ? तुम्हारे गाल पर?”

मेरे कान पर।

“कौन सा कान?”

उसने संकेत किया।

“मैं दूसरे वाले को चूमूंगी,” उसने कहा।

और उसने ऐसा ही किया। धीरे से। जल्दी से। और फिर, मानो खुद से काफी खुश होकर, वह झुकी और बिना बालों वाले कुत्ते के सिर पर थपथपाया।

फ्रेंकी ने पलकें झपकाईं।

“ऑरोरा,” उसने अभ्यास करते हुए कहा। “ऑ-रो-रा।”

जब उसने उसका नाम लिया तो वह मुस्कुराई, और उसने भी मुस्कुराकर जवाब दिया, और अनजाने में ही वह एक और बैंड में शामिल हो गया। उस पल से, ऑरोरा

यॉर्क फ्रैंकी के संगीत का हिस्सा बन गई। उस दिन से। उस रात से। और हमेशा के लिए।

13

अब समझिए, मेरी दुनिया में, मेजर से माइनर में बदलाव बहुत तेज़ी से होता है। यह एक साधारण कॉर्ड परिवर्तन है, तीसरे स्वर को फ्लैट करना; आप बस एक उंगली हिलाते हैं, और काम हो जाता है। उस दिन फ्रैंकी सपनों की दुनिया में खोया हुआ जंगल से निकला, उसके साथ-साथ बिना बालों वाला कुत्ता चल रहा था। लेकिन जब वह कारखाने लौटा, तो उसे लगा कि कुछ गड़बड़ है। बाहर पुलिस की गाड़ियाँ खड़ी थीं। धूसर वर्दी पहने आदमी सामने की दीवार से टिके हुए थे। बिना बालों वाला कुत्ता गुर्राया।

“तुम्हें क्या चाहिए, लड़के?” एक पुलिसकर्मी ने पूछा।

फ्रेंकी ने निगल लिया।

“मेरे पापा।”

“तुम्हारे पापा कहाँ हैं?”

"अंदर की तरफ।"

“जी? यहीं अंदर? सचमुच?” पुलिसकर्मी सीधा खड़ा हो गया। एक और ट्रक आकर रुका। फ्रैंकी ने उसे पहचान लिया, वही ट्रक था जिसे उसने जंगल में देखा था। जो सैनिक पहले शवों को दफना रहे थे, वे बाहर निकले और सिगरेट जला लीं। फ्रैंकी का दिल ज़ोर से धड़क रहा था।

“तुम्हारा पापा कौन है?” अधिकारी ने पूछा।

बालविहीन कुत्ता भौंकने लगा।

"चुप रहो, दरिंदे!"

उस आदमी ने अपनी बंदूक निकाल ली।

“नहीं!” फ्रेंकी चिल्लाई।

उस आदमी ने गोली चलाई, लेकिन निशाना चूक गया; गोली लगने से ज़मीन से धुआँ उठने लगा। कुत्ता भाग निकला।

“अब,” पुलिसकर्मी ने आगे पूछा, “तुम्हारा पिता कौन है?”

तभी कारखाने का सामने का दरवाजा खुला और बाफा का एक मजदूर कलाई से बंधे हाथों के साथ लड़खड़ाते हुए बाहर आया। उसके पीछे दो पुलिसकर्मी भी बाहर निकले।

“लुइस!” फ्रेंकी चिल्लाया। “लुइस! कहाँ है—”

लुइस ने गुस्से से घूरकर सिर हिलाया। फ्रेंकी चुप हो गया।

“क्या यह आदमी तुम्हारा पिता है?” पुलिसकर्मी ने कहा।

“उसके पिता यहाँ नहीं हैं!” लुइस चिल्लाया। “वह बीमार हैं।”

“चुप रहो!” उसे पकड़े हुए अधिकारी ने चिल्लाकर कहा। उसने उसकी पसलियों में एक डंडा गड़ा दिया, फिर लुइस को ट्रक की ओर खींचा और उसे अंदर धकेल दिया। फ्रैंकी ने देखा कि दो अन्य मजदूर पहले से ही पिछली सीट पर बैठे थे। वे डरे हुए लग रहे थे।

"क्या यह सच है, संगीत प्रेमी?"

फ्रेंकी को महसूस हुआ कि उसकी आंखों से आंसू बह रहे हैं।

“बोलो बेटा! क्या यह सच है? क्या तुम्हारे पिता घर पर बीमार हैं?”

“जी,” फ्रेंकी ने आखिरकार फुसफुसाते हुए कहा।

"तो फिर आपने यह क्यों कहा कि वह अंदर था?"

फ्रेंकी सीधे आगे देख रही थी। "मुझे... पानी चाहिए था।"

"कहीं और से पानी ले आओ। और मुझे वो गिटार दो। मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि एक स्पैनिश कैसे बजाता है।"

बिना इंतजार किए, अधिकारी ने फ्रैंकी की पीठ से उपकरण छीन लिया। उसने उसे पलट दिया।

“यह क्या है? इसमें कोई बंधन नहीं है।”

उसने थूका।

“गिटार बजाने के लिए तारों की ज़रूरत होती है, बेटा। क्या तुम्हारे पापा ने तुम्हें

यह नहीं सिखाया?”

उसने गिटार उछाला और वह मिट्टी में जा गिरा। बाकी लोग हंसने लगे।

“फ्रांसिस्को, घर जाओ!” लुइस ने ट्रक से चिल्लाकर कहा।

अधिकारियों ने फिर से हंस दिया।

“हां, फ्रांसिस्को, घर जाओ। अपने पिता को बता देना कि कल कोई काम नहीं होगा। और न ही परसों।”

फ्रेंकी मुड़ा और भागा, उसके पैरों से बजरी पर चरमराहट की आवाज़ आई। वह नौ-दस कदम दौड़ा, फिर रुका, वापस भागा और अपना गिटार उठा लिया। पुलिसवाले फिर हँस पड़े।

उनमें से एक चिल्लाया, "कुछ रस्सियाँ ढूँढ़ लो!" लेकिन फ्रेंकी पहले ही गायब हो रहा था, उसकी साँसें इतनी गहरी थीं कि उसे ऐसा लग रहा था जैसे उसने अपने देश की सारी हवा निगल ली हो।

वह बहुत दूर तक भागा। जब उसके पैर जवाब दे गए, तो वह चलने लगा। फिर वह दोबारा भागा। तभी जिप्सियों से भरा एक ट्रक उसके पास आकर रुका। उन्होंने फ्रैंकी को उसकी जेब में पड़े सारे सिक्कों और उसके गिटार के बदले विलारियल ले जाने का प्रस्ताव रखा। उसने अनिच्छा से गिटार उन्हें दे दिया। वह रेंगते हुए ट्रक के पीछे बैठ गया, जिप्सियों की निगाहें उस पर टिकी थीं, और वह आलू के बोरे और काले शॉल में लिपटी एक खर्राटे लेती महिला के बीच में फंस गया।

जैसे ही ट्रक पश्चिम की ओर बढ़ा, एक सैन्य वाहन उसके पास से गुजरा और सार्डिन फैक्ट्री पर रुककर एक अधिकारी को उतारा। उस अधिकारी ने यह सुनकर कि एक लड़का वहाँ था और भाग गया था, एक सैनिक के चेहरे पर थप्पड़ मारा और चिल्लाया, "वही कमीना था! रूबियो का लड़का!"

लेकिन उस समय तक फ्रैंकी एक फ्लैटबेड ट्रक के पीछे उछल रहा था और रोने से बचने की कोशिश कर रहा था। यह कहना क्रूर लगता है कि उसने बाफा को फिर कभी नहीं देखा। लेकिन यह सच है। जिस दिन फ्रैंकी प्रेस्टो को प्यार मिला, उसी दिन उसने अपना घर खो दिया।

मेजर से माइनर।

एबी क्रूज़

गीतकार, निर्माता

मैं फ्रैंकी प्रेस्टो से एक छोटे से कमरे में मिला था।

यह सच है। मैं बीस साल का था और न्यूयॉर्क शहर में ब्रॉडवे स्थित एक ऑफिस बिल्डिंग में एल्डन म्यूजिक के लिए काम करना शुरू ही किया था। मेरे जैसे गीतकारों को उन्होंने एक-दूसरे से सटे छोटे-छोटे केबिनों में बिठा दिया था। नील सेडाका, कैरोल किंग, गैरी गोफिन, सिंथिया वेइल, बैरी मान, सभी वहीं थे। हमारा काम हिट गाने लिखना था। आपके पास अपना पियानो, एक छोटी सी मेज और एक ऐशट्रे होती थी —उस समय हर कोई सिगरेट पीता था—और आप पियानो बजाते रहते थे। अब यह अजीब लगता है, क्योंकि हम दीवारों के पार से एक-दूसरे की आवाज़ सुन सकते थे। लेकिन असल में इससे हमें प्रेरणा मिलती थी। यह एक तरह की प्रतियोगिता थी। उन केबिनों से ही बहुत सारे मशहूर गाने निकले। "ऑन ब्रॉडवे", "ब्रेकिंग अप इज़ हार्ड टू डू", "विल यू स्टिल लव मी टुमॉरो"।

मुझे कभी कोई बहुत बड़ी हिट नहीं मिली। मैं संघर्ष कर रहा था, उम्मीद कर रहा था कि वे मुझे नौकरी से नहीं निकालेंगे। वे मुझे पचास डॉलर प्रति सप्ताह देते थे, और बदले में मुझसे भी उनके लिए पैसा कमाने की उम्मीद करते थे।

मैं वहाँ काम करने वाली इकलौती लैटिनो लेखिका थी, इसलिए स्पेनिश बोलने की कभी कोई ज़रूरत नहीं पड़ी। लेकिन एक दिन, 1961 में, मैं अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही थी—इसलिए मैं सचमुच उम्मीद कर रही थी कि वे मुझे नौकरी से नहीं निकालेंगे—और मेरे अलावा बाकी सब लोग दोपहर के भोजन पर गए हुए थे। मैं कुछ बड़ा लिखने के लिए बेताब थी। मैं पियानो बजा रही थी, एक धुन जो मुझे अच्छी लगी, और अचानक मुझे गिटार की आवाज़ सुनाई दी। इसने मेरा ध्यान खींचा क्योंकि, एक तो, वहाँ आसपास ज़्यादा गिटार नहीं थे—और यह गिटार मेरे पियानो की धुन पर एकल धुन बजा रहा था।

मैं रुक गया। और यह भी रुक गया।

तो मैंने फिर से शुरू किया। और सच में, गिटार फिर से बजने लगा, एक तेज़ छोटा

सा सोलो। तो मैंने कुछ नया करने की कोशिश की। मैंने एक गाना बजाया जो मेरी कोलंबियाई दादी ने मुझे सिखाया था। "ला मालागुएना।" और मैंने सुना कि गिटार उस पर पागलों की तरह बजने लगा।

तो मैं रुक गई और स्पैनिश में बोली, "ठीक है, ये कौन कर रहा है?" तभी बगल वाले केबिन से एक बेहद खूबसूरत आदमी निकला—काले बाल, नीली आँखें, गुलाबी कमीज़ और काली पैंट पहने हुए। और उसने कहा, "नमस्ते, मेरा नाम फ्रैंकी है।" मैं उसे देखते ही पहचान गई। वो एड सुलिवन शो में दो बार और अमेरिकन बैंडस्टैंड में आ चुका था। "आई वांट टू लव यू" देश का नंबर वन गाना था। मतलब, इंडस्ट्री में हर कोई फ्रैंकी प्रेस्टो को जानता था। लेकिन मुझे ये बिल्कुल नहीं पता था कि वो स्पैनिश भी बोलता है। हम सब सोचते थे कि वो कैलिफ़ोर्निया से है।

खैर, मैं वहाँ थी, मेरा पेट इतना फूला हुआ था, और मैंने कहा, "हाय, मैं एबी हूँ।" और उसने कहा, "तुम्हें 'ला मालागुएना' के बारे में कैसे पता?" और मैंने कहा, "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?" और उसने कहा, "छिपा हुआ हूँ।" उसने खिड़की की ओर इशारा किया, और मैं अंदर गई और नीचे देखा तो वहाँ जवान लड़कियों की भीड़ उसके रिकॉर्ड लिए हुए, मुख्य द्वार के आसपास जमा थी।

पता चला कि वह अपने मैनेजर टैपी फिशमैन के साथ वहाँ थे, जो फ्रैंकी के अगले एल्बम के गानों के बारे में हमारी कंपनी से मिल रहे थे। मैं उत्साहित हो गया क्योंकि मुझे लगा कि शायद मैं उनके लिए लिख सकता हूँ, लेकिन उन्होंने मुझे बताया कि वह वास्तव में दूसरों के लिखे गाने रिकॉर्ड नहीं करना चाहते। वह बस शिष्टाचारवश साथ चल रहे थे।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि एक कलाकार को अपने गाने खुद गाने चाहिए।"

"'आई वांट टू लव यू' तुमने ही लिखा था, है ना?"

"हाँ।"

"एक लड़की के लिए?"

"अहां।"

"क्या उसे ये पसन्द आया?"

"मुझे नहीं पता," उसने कहा। "वह गायब हो गई।"

मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि मैं उसके साथ अकेली थी। मैंने उससे पूछा कि इतना मशहूर होना कैसा लगता है—वह लाइफ मैगज़ीन में आ चुका था, सिनात्रा और

बॉबी डारिन का दोस्त था, और भी बहुत कुछ—तो वह हँसा और बोला कि आमतौर पर मज़ा आता है, सिवाय तब जब उसे चीखती-चिल्लाती महिलाओं से भागना पड़ता है। दरअसल, एक बार आग से बचने वाली सीढ़ी से कूदते समय उसके टखने में चोट लग गई थी।

जब वो जाने लगे, तभी उन्होंने पूछा, “तुम्हारा बच्चा कब आने वाला है?” मुझे उनकी ये बात अच्छी लगी, क्योंकि ज़्यादातर मर्द सबसे पहले यही पूछते हैं। मैंने उन्हें बताया कि छह हफ़्ते में बच्चा आ जाएगा, और मैं बस यही उम्मीद कर रही थी कि कहीं वो मुझे उससे पहले नौकरी से न निकाल दें। उन्होंने कहा, “वो तुम्हें नहीं निकालेंगे। तुम बढ़िया धुनें लिखती हो।” और फिर उन्होंने कहा, “एक दिन मैं अपने बच्चों को संगीत सिखाना चाहता हूँ।”

मेरी बेटी का जन्म हुआ और मैंने कुछ महीनों की छुट्टी ले ली। जब मैं काम पर लौटी तो मैंने अपने केबिन में खिलौनों से भरी एक टोकरी और एक नोट देखा जिस पर लिखा था, "बधाई हो!" और उस पर "पड़ोस का गिटार वादक" के हस्ताक्षर थे। टोकरी के अंदर "नो, नो, हनी" नामक गीत का एक शीट संगीत था। शीर्षक के नीचे लिखा था, "फ्रैंकी प्रेस्टो और एबी क्रूज़ द्वारा लिखित।"

खैर, मैं उसे घंटों तक देखता रहा। फिर मैंने उसे पियानो पर रखा और बजाना शुरू कर दिया। गाने का हुक वही कोरस था जो मैं उस दिन बजा रहा था जब वह आया था। पता नहीं उसे कैसे याद रहा! लेकिन उसने पूरे गाने के लिए मुझे सह-लेखक का श्रेय दिया। और जैसा कि आप शायद जानते हैं, "नो, नो, हनी" टॉप टेन गानों में शामिल हो गया। मेरा पहला गोल्ड रिकॉर्ड। और मैं आपको यकीन दिलाता हूँ, इसने मुझे नौकरी से निकाले जाने से बचा लिया। कैरोल और गैरी ने शायरेल्स और ड्रिफ्टर्स के लिए बड़े हिट गाने लिखे थे, नील सेडाका ने कॉनी फ्रांसिस के लिए, बैरी और सिंथिया ने क्रिस्टल्स के लिए। लेकिन मुझे फ्रैंकी प्रेस्टो के साथ एक हिट गाना मिला। यह बहुत बड़ी बात थी!

अगले कुछ वर्षों तक वह मुझे दफ्तर में छोटे-छोटे पत्र भेजते रहते, जिनमें वे मुझे इस या उस रचना के लिए बधाई देते। वे हमेशा साथ में लिखते, “अपने खुद के गीत गाओ!” और हमेशा पत्र पर अपने हस्ताक्षर करते, “पड़ोस का गिटार वादक।” फिर पत्र आने बंद हो गए। वर्षों तक उनसे कोई संपर्क नहीं हुआ। मुझे पता है कि उन्होंने बहुत कुछ झेला, और उन्होंने लंबे समय तक संगीत बनाना छोड़ दिया।

फिर भी, जब मुझे उनकी मृत्यु के बारे में पता चला, तो मैं स्तब्ध रह गया। मैं आना चाहता था। उन्हें श्रद्धांजलि देना चाहता था। शुरुआत में वे मेरे प्रति बहुत दयालु थे। उनके बिना, शायद मैं संगीत जगत से पूरी तरह बाहर हो गया होता। "नो, नो, हनी" गाने की बदौलत ही मेरी बेटी कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर पाई। मुझे यह थोड़ा अजीब लगता है कि उन्हें स्पेन में दफनाया जा रहा है, क्योंकि मुझे याद है कि उन्होंने एक बार इस देश के बारे में कुछ बहुत ही कठोर बातें कही थीं।

मैंने उन्हें आखिरी बार 1964 में न्यूयॉर्क के एक बड़े होटल में देखा था, एक इंडस्ट्री इवेंट में। उस समय तक उनके कई हिट गाने आ चुके थे, जैसे "शेक, शेक" और "आवर सीक्रेट", लेकिन वो थोड़े कम खुशमिजाज लग रहे थे। उन्होंने पीला सूट और धूप का चश्मा पहना हुआ था और अपने मैनेजर और अपनी मंगेतर, अभिनेत्री (मुझे उनका नाम याद नहीं) के साथ खड़े थे। मेरी छोटी बेटी मेरे साथ थी, इसलिए मैं उन्हें परेशान नहीं करना चाहती थी। लेकिन जैसे ही उन्होंने हमें देखा, वो दौड़कर हमारे पास आ गए।

“क्या यह बच्चा है?” उसने पूछा।

मैंने कहा, "यही है।"

“कितनी उम्र है?”

"तीन।"

"बहुत खूब।"

"वैसे, आपकी मंगेतर बहुत खूबसूरत हैं।"

"धन्यवाद।"

"क्या वह वही लड़की है जिसके लिए आपने 'आई वांट टू लव यू' गाना लिखा था?"

नहीं।

वह मेरी बेटी से बात करने के लिए नीचे झुका और उसे "डो रे मी" गाना सुनाया। गाना खत्म होने पर, मेरी बेटी ने उसे गले लगा लिया।

मैंने पूछा, "आपकी शादी कहाँ हो रही है?"

हवाई।

"वास्तव में?"

टैपी सब कुछ संभाल रहा है।

क्या हवाई में आपका कोई परिवार है?
"मैं स्पेन से हूँ, याद है ना?"
तो फिर स्पेन में शादी क्यों न कर लें?
उसका चेहरा तनावग्रस्त हो गया।
उन्होंने कहा, "मैं अब कभी वहां वापस नहीं जाऊंगा।"

14

जिस दूसरे दिन के बारे में मैंने बताने का वादा किया था, वह वही दिन था जब युवा फ्रैंकी ने हमेशा के लिए अपना वतन छोड़ दिया। यह घटना बफा को कुछ असंतुष्ट मजदूरों द्वारा गढ़े गए एक ऐसे मामले में कैद किए जाने के ग्यारह महीने और नौ दिन बाद घटी, जो सच कहूँ तो मेरी समझ से परे था। तुम इंसान हमेशा एक-दूसरे को कैद करते रहते हो। कोठरियाँ। काल कोठरी। तुम्हारी कुछ शुरुआती जेलें तो सीवर थीं, जहाँ लोग अपने ही मल-मूत्र में लोटते थे। किसी और प्राणी में इतना अहंकार नहीं होता कि वह अपने ही लोगों को कैद करे। क्या तुम कल्पना कर सकते हो कि एक पक्षी दूसरे पक्षी को कैद करे? एक घोड़ा दूसरे घोड़े को कैद करे? अभिव्यक्ति की एक स्वतंत्र अभिव्यक्ति के रूप में, मैं इसे कभी नहीं समझ पाऊँगा। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि मेरी कुछ सबसे दुख भरी आवाज़ें ऐसी ही जगहों पर सुनाई दी हैं। पिंजरे के अंदर गाया गया गीत कभी गीत नहीं होता। वह एक विनती होती है।

फैक्ट्री पर छापे वाली रात फ्रेंकी इस उम्मीद से घर लौटा था कि कैल्वैरियो स्ट्रीट स्थित घर में उसे बफा मिल जाएगा, लेकिन जब वह अंदर गया तो घर खाली था और जब वह उठा तब भी खाली ही था। उसने देखा कि सामने के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और फर्नीचर इधर-उधर बिखरा पड़ा था। उसके पेट में गुड़गुड़ होने लगी। काश बफा उसे नाश्ता बनाकर दे देते। उसने खिड़कियों से बाहर झाँका और लोगों को

आते-जाते देखा, लेकिन लुइस ने जानबूझकर झूठ बोलकर उसे बचाया था, इसलिए फ्रेंकी समझ गया था कि किसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए। वह अंधेरे में बैठा अपने पापा के लिए प्रार्थना करता रहा। उसने अपना चेहरा और कान धो लिए, शायद अच्छे व्यवहार से बफा जल्दी लौट आएं। गिटार न होने के कारण वह संगीत नहीं बजा सकता था, और उसे रेडियो चलाने में भी डर लग रहा था, कहीं कोई सुन न ले। जल्द ही सन्नाटा इतना गहरा हो गया कि फ्रेंकी ने अपने कान हाथों से ढक लिए।

मैं उसे दिलासा देना चाहता था। उसे मधुर संगीत से स्तब्ध करना चाहता था। लेकिन उस पल मुझे पता था कि उस पर एक बार फिर नज़र रखी जा रही है, और मैं ऐसे भाग्य में दखल देने की हिम्मत नहीं कर सकता था।

इसके बजाय, फ्रेंकी दो दिनों तक घर के अंदर छिपा रहा, जार से खाना खाता रहा और सिंक से पानी पीता रहा। पलक झपकते ही उसे बाफा का चेहरा दिखाई देता था, वह इतालवी कार चलाते हुए गुनगुनाता था, फ्रेंकी के अभ्यास करते समय पैर थपथपाता था, और लड़के को शुभ रात्रि का चुंबन देता था।

तीसरी सुबह, फ्रेंकी ने दरवाजे पर खरोंच की आवाज सुनी। उसे लगा कि कहीं सैनिक तो नहीं आ गए, इसलिए वह भागकर बगीचे में चला गया और उस मेज के पीछे छिप गया जहाँ वह कभी जोटा बजाता था। वह इंतज़ार करता रहा, जैसे कोई दरवाजा तोड़कर अंदर आ जाए। लेकिन उसे एक सिसकने की आवाज सुनाई दी, और वह बाहर निकला तो देखा कि बिना बालों वाला कुत्ता उसकी ओर रेंग रहा है, उसकी साँसें तेज़ चल रही थीं और उसकी गुलाबी जीभ लटकी हुई और गीली थी।

मैं आपको यह नहीं बता सकता कि वह जीव यह सफ़र कैसे तय करके आया, लेकिन फ्रैंकी अपने जीवन में कभी किसी चीज़ को देखकर इतना खुश नहीं हुआ था। उसने कुत्ते की गर्दन पकड़कर उसे गले लगा लिया, अपना चेहरा उसके फर में छिपाकर देर तक रोता रहा। वे दोनों बगीचे में साथ लेटे रहे, तीनों में से दो, अपने तीसरे को याद करते हुए।

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड में शामिल हो जाता है।

किसी न किसी तरह से बैंड टूट ही जाता है।

उस दोपहर फ्रैंकी ने अपनी कमीज़ बदली, जूते के फीते बांधे, ट्वीड की टोपी पहनी और अपने बिना बालों वाले कुत्ते को लेकर बगीचे के पिछले गेट से बाहर निकल गया। एक घंटे बाद एक पुलिस कार आई और दो अधिकारी फिर से घर की तलाशी लेने आए। यह देखने में तो संयोगवश ही लगता है, लेकिन जब किसी उच्च शक्ति ने आपके लिए योजना बनाई हो, तो जीवन में कई बार बाल-बाल बचने जैसी घटनाएं हो सकती हैं।

फ्रेंकी सिर झुकाए और टोपी नीचे खींचे हुए क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट पर स्थित लॉन्ड्री तक चलता रहा। वह सीढ़ियाँ चढ़ गया। उसने एल मास्ट्रो के दरवाजे पर दस्तक दी। कोई जवाब नहीं मिला। उसने फिर दस्तक दी।

"कौन है?" कर्कश आवाज आई।

“मैं ही हूँ, उस्ताद।”

"तुम्हारा पाठ कल था।"

जी हां, उस्ताद।

“क्या आज कल है?”

मुझे खेद है, उस्ताद।

"दूर जाओ।"

"कृपया, उस्ताद।"

"आज आपका दिन नहीं है।"

“क्या मैं अंदर आ सकता हूँ, उस्ताद?”

"अपने पापा के पास वापस जाओ।"

“मैं नहीं कर सकता, उस्ताद।”

"क्यों नहीं?"

फ्रेंकी ने कोई जवाब नहीं दिया।

“क्यों नहीं, बेटा?”

फ्रेंकी सांस नहीं ले पा रहा था।

मैं अब वापस सोने जा रहा हूँ—”

मेरे पापा चले गए!

फ्रेंकी "चला गया" कहते ही रोने लगा। उसके अंदर दबा सारा दुख उमड़ पड़ा। उसके घुटने कांपने लगे। वह ज़मीन पर गिर पड़ा। उसकी सिसकियाँ साँस छोड़ने से

ज़्यादा अंदर लेने जैसी थीं, और बिना बालों वाला कुत्ता अपनी नाक से उसके चेहरे को छूता हुआ, उसके साथ सिसकियाँ भर रहा था, मानो उसके दुख में अपना दर्द बाँट रहा हो।

आखिरकार दरवाजा खुल गया। फ्रेंकी ने अपने शिक्षक के पैरों के निचले हिस्से को पकड़ लिया और उन्हें कसकर दबा दिया। अंधा आदमी नाक पर काले चश्मे लगाए, ठुड्डी ऊपर की ओर उठाए खड़ा था।

“तुम अंदर आकर खाना खाओगे,” उसने धीरे से कहा। “फिर मुझे बताओगे कि क्या हुआ।” उसने सिर हिलाया। “यह देश नरक बन गया है।”

संक्षेप में कहें तो, फ्रैंकी और बिना बालों वाला कुत्ता उस दिन से लेकर फ्रैंकी के जहाज पर सवार होने की रात तक एल मास्ट्रो के साथ रहे। मैं अभी ज़्यादा विवरण नहीं बताऊँगी (हमें अंतिम संस्कार में भी जाना है), लेकिन मैं आपको बताऊँगी कि छात्र और शिक्षक का एक-दूसरे पर गहरा प्रभाव पड़ा, जैसा कि अक्सर सदमे से गुज़रने वाले इंसानों के साथ होता है। फ्रैंकी रसोई की मेज के नीचे एक चादर पर सोता था, और सुबह वह फ्लैट में झाड़ू लगाता और गिटारों से धूल साफ करता। वह बाज़ारों से तब तक खाना खरीदता रहा जब तक एल मास्ट्रो की दराज में रखे पैसे खत्म नहीं हो गए, फिर वह बेकरियों और फलों के स्टॉलों से चोरी करता। वह उनके किनारों तक जाता और सामान अपनी जैकेट की जेब में डाल लेता। जब एल मास्ट्रो को फ्रैंकी की हरकतों का पता चला, तो उन्होंने उसे खूब डांटा।

“तुम पहले ही बहुत कुछ खो चुके हो, लड़के। अपनी आत्मा को भी मत खो देना।”

हम खाना कैसे खाएंगे?

"क्या तुम्हें फिर से भूख लग रही है?"

जी हां, उस्ताद।

अंधे आदमी ने अपनी शराब टटोली। चूंकि उसके कभी बच्चे नहीं हुए थे, इसलिए उसे पता नहीं था कि बच्चों को खिलाने-पिलाने में कितना खर्च आता है। उसने सुना कि फ्रैंकी मेज के नीचे अपनी जगह पर बैठ गया और धीरे से बोला, "शुभ रात्रि,

उस्ताद।" उसने बिना बालों वाले कुत्ते को भी धीमी आवाज़ में रोते हुए सुना, मानो वह भी उसी की आवाज़ दोहरा रहा हो। वह अपनी कुर्सी पर तब तक बैठा रहा जब तक शराब का आखिरी घूंट भी खत्म नहीं हो गया। फिर वह उठा और सोने चला गया।

अगले दिन वह जल्दी उठा, नहाया, दाढ़ी बनाई, चमड़े के जूते पहने और एक साफ सफेद कमीज पहनी। उसने फ्रैंकी से पूछा कि वह कैसा दिख रहा है, और जब लड़के ने कहा, "ऐसा लग रहा है जैसे आप काम पर जा रहे हों," तो उसने फ्रैंकी को बताया कि वे बाहर जा रहे हैं।

“हम कहाँ जा रहे हैं, उस्ताद?”

“बस मुझे वहीं ले चलो जहाँ मैं कहूँ।” वह रुका। “कुत्ते को भी साथ ले आना।”

कुछ ही मिनटों बाद, फ्रेंकी उन्हें विलारियल की गलियों से होते हुए, कैले मेयर के रास्ते और दुकानों और शामियानों वाली एक छोटी गली से ले जा रहा था। वे पुराने भोजनालय में वापस जा रहे थे—वही जगह जहाँ बाफा ने पहली बार उस अंधे आदमी को प्रदर्शन करते देखा था। जब वे अंदर गए, तो एल मास्ट्रो ने अपनी नाक ऊपर उठाई और अपना चेहरा दोनों ओर घुमाया, मानो गंध से उस कमरे को याद कर रहे हों। फिर उन्होंने ज़ोर से कहा, "मैं मालिक से मिलना चाहता हूँ!" जब वह आदमी पास आया, तो एल मास्ट्रो ने उसके बोलने से पहले ही उसे भांप लिया और तुरंत अपना हाथ आगे बढ़ा दिया।

“हम फिर मिलेंगे,” एल मास्ट्रो ने कहा।

“तो हम ऐसा ही करते हैं,” मालिक ने सावधानी से कहा।

मैं आज एक प्रस्ताव लेकर आया हूँ। मैं आपको फिर से मेरे खेल की मेजबानी करने की अनुमति देने की पेशकश कर रहा हूँ।

"मुझे वैसा क्यों करना चाहिए?"

क्योंकि मैं अच्छा हूँ।

"नशे में होने पर नहीं।"

अब यह कोई चिंता की बात नहीं है।

"तो आप यही कहते हैं।"

"तो मैं क्या करूं।"

आप क्या प्रस्ताव दे रहे हैं?

“हर रात दो शो। बदले में, उचित वेतन तो मिलेगा ही।”

"हम पहले जैसा संगीत नहीं बजाते हैं।"
"यह मैं जानता हूँ।"
"केवल वही जो जनरलिसिमो द्वारा अनुमोदित हो।"
मुझे भी यह बात पता है।
"क्या आप अब भी काम करना चाहते हैं?"
क्या मैं तुम्हारे सामने नहीं हूँ?
“शराब पीने के बारे में क्या?”
“मैं अब शराब नहीं पीता। बच्चा इस बात का ध्यान रखता है। ठीक है ना बेटा?”
उसने फ्रेंकी के कंधे पर थपथपाया, और फ्रेंकी ने जबरदस्ती मुस्कुरा दिया।
“मेरा भतीजा,” एल मास्ट्रो ने कहा। “और हमारा प्यारा कुत्ता।”
कुत्ता कराह उठा।
मालिक ने अपने होंठ सिकोड़ लिए।
आपने अपनी जिंदगी में काफी बदलाव किया है।
"जैसा कि आप देख सकते हैं।"
“तुमने दाढ़ी भी बना ली है।”
"वास्तव में।"
"अच्छा... आप यहां खेलने वाले अब तक के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं।"
"मैं सहमत हूं।"
लेकिन मैं ग्राहकों को नाराज नहीं होने दे सकता।
"बिल्कुल।"
आपको समय पर पहुंचना होगा।
"शुरुआत में ही।"
"अगर तुम शराब पीते हो, तो तुम्हें बाहर निकाल दिया जाएगा, समझे?"
"समझा।"
उसने नए तिकड़ी समूह, आदमी, लड़का और कुत्ते को देखा।
"तुम कल से शुरू करो।"
“जैसा आप चाहें,” एल मास्ट्रो ने कहा।

जब वे घर पहुंचे, तो फ्रेंकी ने शराब और अगुआर्डिएंट की बोतलों को इकट्ठा किया और उन्हें कचरे के डिब्बे में डाल दिया।

“तुम क्या कर रहे हो?” एल मास्ट्रो ने पूछा।

“झूठ बोलना सही नहीं है,” फ्रेंकी ने जवाब दिया। “तुमने उससे कहा था कि अब और शराब नहीं पीनी है।”

एल मास्ट्रो कराह उठा, लेकिन उसने लड़के को नहीं रोका। इसके बजाय, वह सोफे पर धंस गया, मानो उसने एक नए भाग्य को स्वीकार कर लिया हो। उसने अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया, फिर आगे की ओर झुककर अपना गिटार ढूंढ लिया। फ्रैंकी मन ही मन शराब से छुटकारा पाकर खुश था। उसे एल मास्ट्रो बिना शराब के ज़्यादा अच्छा लगता था। जैसे ही उसके शिक्षक ने सेगोविया की रचना बजानी शुरू की, फ्रैंकी बोतलें नीचे ले गया और उन्हें कपड़े धोने वाली महिला को दे दिया, बदले में उसे कई महीनों तक मुफ्त कपड़े धोने की सुविधा और उस रात खाना बनाने का वादा मिला।

और इस तरह फ्रैंकी प्रेस्टो ने अपने नवीनतम बैंड के माध्यम से इसके नेत्रहीन नेता को प्रभावित किया, जिसने फिर कभी ऐसा न करने की कसम खाने के बावजूद, अपने सुंदर संगीत को बजाने के लिए मंच पर वापसी की।

15

शायद आप उस बेचारे सीधे-सादे इंसान बाफा के बारे में सोच रहे होंगे। फ्रैंकी भी यही सोचता था। शुरुआत में, वह हर सुबह एल मास्ट्रो से अपने पापा के बारे में पूछता था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिलता था। मैंने बताया है कि कैसे तानाशाहों का डर इंसानों को जकड़ लेता है; उन दिनों किसी "लापता व्यक्ति" के बारे में पूछना भी मतलब होता था कि अगला नंबर आपका हो सकता है। दुनिया युद्ध में उलझी थी, स्पेन में मार्शल लॉ लागू था, और जनरलिसिमो की राजनीतिक या धार्मिक मान्यताओं को ठेस पहुँचाने वाली किसी भी बात पर जेल या मौत की सज़ा दी जाती थी। एल मास्ट्रो ने लड़के से कहा कि घर के बाहर बाफा के बारे में बात करना बहुत खतरनाक है। धीरे-धीरे, फ्रैंकी ने पूछना ही बंद कर दिया। लेकिन चुप रहना भूलना नहीं होता। और वह बच्चा अपने पापा को कभी नहीं भूला। हर रात, रसोई की मेज के नीचे रेंगने से पहले, वह चुराया हुआ फोनोग्राफ चालू करता और एला फिट्ज़गेराल्ड के गीत "ए-टिस्केट ए-टास्केट" को धीरे से सुनता, जो एक भूरी और पीली टोकरी के खो जाने के बारे में था। गीत में, एला अपनी टोकरी के लिए तड़पती है और सोचती है कि वह कहाँ

हो सकती है, और उसके बैंड के पुरुष जवाब देते हैं, "हम भी! हम भी!" फ्रैंकी को भी बफा के लिए ऐसा ही महसूस होता था। मैं भी! मैं भी! वह कहाँ हो सकता है? गीत उसे सुकून देता था। अक्सर इसीलिए तो लोग संगीत की ओर आकर्षित होते हैं, है ना? यह महसूस करने के लिए कि आप अकेले नहीं हैं? इस बीच, दिन के समय, फ्रैंकी अपने नए-नए शराब छोड़ चुके शिक्षक से गहन अध्ययन करता था। यह लड़के के संगीत विकास का सबसे उर्वर दौर साबित हुआ। चूंकि वह अब स्कूल नहीं जाता था (एक ऐसी व्यवस्था जिससे फ्रैंकी को ज़रा भी परेशानी नहीं थी), वे दोनों घंटों गिटार पर अभ्यास करते थे। नौ साल का होने से पहले ही, फ्रेंकी जैज़ से लेकर फ्लेमेंको तक कई शैलियाँ बजाना सीख गया था, और रासगुएओ तकनीक में स्ट्रम् करने के लिए अपनी उंगलियों के नाखूनों को अंदर की ओर मोड़ लेता था। शास्त्रीय संगीत में, वह मुश्किल अर्पेजियो को बड़ी तेज़ी से उंगलियों से बजा सकता था, जिससे ऐसा लगता था मानो एक हाथ बेस लाइन बजा रहा हो और दूसरा हाथ सुरों की एक श्रृंखला बजा रहा हो। एल मास्ट्रो, अपनी दृष्टिहीनता के बावजूद, फ्रेंकी को संगीत पढ़ना सिखाने में बहुत मेहनत करते थे, वर्णन के माध्यम से, सुनकर, फिर वर्णन और फिर सुनकर। शिक्षक एक भी सुर के गलत स्थान को पहचान लेते थे, और फ्रेंकी से आग्रह करते थे कि वह शीट संगीत देखे और उन्हें बताए कि प्रत्येक बिंदु, रेखा, शार्प और फ्लैट कहाँ हैं। हालाँकि उसके गाल अभी भी कोमल थे और उसके घने बालों में जवानी की चमक थी, लड़के के संगीत में उसकी उम्र से कहीं अधिक संवेदनशीलता झलकती थी। कभी-कभी लोग उसे "एक पुरानी आत्मा" कहते हैं। लेकिन मुझ जैसी प्रतिभाएँ तो जन्म से ही आपके भीतर होती हैं। हर कलाकार इसी मायने में पुराना होता है। फ्रेंकी ने हेटोर विला-लोबोस की बहुप्रशंसित बारह संगीत रचनाओं में महारत हासिल कर ली थी, जो उसकी बाईं उंगलियों को बेहद कठिन बनाती थीं। अगर वह उनकी कठिनाई के बारे में शिकायत करता, तो एल मास्ट्रो उससे कहते, “श्री लोबोस ने अपना संगीत सीखने के लिए ब्राज़ील के जंगल में नरभक्षियों के साथ जीवन बिताया था। वह कठिन था। तुम जो कर रहे हो वह इतना कठिन नहीं है।” “क्या सच में, मास्ट्रो?” “क्या?” “वह कहानी?” “बिल्कुल।” “नरभक्षी?” मास्ट्रो ने आह भरी। “फ्रांसिस्को, मनुष्य अपनी कला के लिए कष्ट सहता है। तुम्हें यही याद रखना चाहिए। कभी-कभी वे नरभक्षी होते हैं। कभी-कभी हालात और भी बदतर होते हैं।” हालाँकि फ्रेंकी ने कई बार पूछा, लेकिन उसे एल मास्ट्रो के साथ तबर्ना जाने

की अनुमति नहीं थी। “तुम्हें सोना चाहिए,” एल मास्ट्रो ने कहा। इसके बजाय, अल्बर्टो नाम का एक मूंछों वाला कोंगा वादक हर रात उस अंधे आदमी को काम पर ले जाने आता था। “तुम्हारे चाचा एक महान कलाकार हैं,” अल्बर्टो अक्सर कहता था। “मुझे पता है,” फ्रेंकी ने जवाब दिया। कभी-कभी लड़का सुबह उठता और उसे इत्र की हल्की सी खुशबू आती। वह अलमारी में रखे कपड़ों के बारे में सोचता और सोचता कि क्या उसके सोते समय कोई महिला वहाँ आई थी। इससे उसे ऑरोरा यॉर्क के गुलाबी गाल और पतली सफेद उंगलियाँ याद आतीं, और वह दोपहर याद आती जो उन्होंने सब कुछ बदलने से पहले साथ बिताई थी। “मास्ट्रो?” उसने एक दिन नाश्ता करते हुए पूछा, “शादी करने की सही उम्र क्या होती है?” “क्या तुम मुझसे कुछ छिपा रहे हो, फ्रांसिस्को?” “नहीं।” “क्या तुम किसी लड़की से मिले हो?” “एक बार।” “और तुम उससे शादी करना चाहते हो?” “शायद।” “तुम उससे कहाँ मिले थे?” “जंगल में।” “क्या वह परी थी?” “मुझे नहीं लगता।” “क्या उसकी आँखें अजीब थीं?” “हाँ।” “क्या वह दयालु और मददगार थी?” “हाँ।” “क्या तुमने उसे फिर से देखा है?” “नहीं।” “वह एक परी थी। एक अंजना। परियों से प्यार मत करो, फ्रांसिस्को। वे असली नहीं होतीं।” “वह असली थी।” “उसकी आवाज़ परी जैसी लगती है।” “वह परी नहीं थी!” “ठीक है। वह परी नहीं थी।” उसने चबाया और निगला, फिर मेज पर तब तक थपथपाया जब तक उसे अपना कॉफी का कप नहीं मिल गया। “अगर वह असली थी, तो तुम उसे फिर से देखोगे।” “कब?” “जब समय आएगा।” उसने अपनी कॉफी की चुस्की ली। फ्रेंकी ने तेवर चढ़ाए। “अलमारी में किसके कपड़े हैं?” उसका यह पूछने का इरादा नहीं था। वह गुस्से में था, और यह बात बस मुंह से निकल गई। अंधे आदमी ने अपना कप नीचे रख दिया। “खाना खत्म करो, फ्रांसिस्को।” हर नुकसान दिल में एक खालीपन छोड़ जाता है। एल मास्ट्रो, जैसा कि आपने अनुमान लगाया होगा, ने अपने जीवन में पहले एक बड़ा नुकसान झेला था, जिसने उन्हें शराबी की निराशा में धकेल दिया था। उनकी पत्नी का निधन हो गया। वह खूबसूरत महिला जो उन्हें मंच से ले जाती और उनके होठों पर चुंबन करती। उनके जाने के बाद, उन्हें इस धरती से कुछ भी नहीं चाहिए था। वह खुद को उदासी में डूबने देता था—उदासी में, शराब में, एक डरावनी, बेचैन नींद में। अगर वह अपने दिल को बंद कर सकता और अपनी यादों की बत्तियाँ बुझा सकता, तो वह ऐसा ही करता। लेकिन अपने नए शिष्य के साथ बीते महीनों में, शिक्षक काफी हद तक ठीक हो गया। वह बेहतर चलने

लगा। उसका पेट कम हो गया। उसके सिर का दर्द कम हो गया। उसकी त्वचा में निखार आ गया। शराब के लगातार नशे से मुक्त होकर, वह धीरे-धीरे जीवन के उद्देश्य को फिर से महसूस करने लगा। उसे सुबह उठकर लगभग खुशी होने लगी, जब उसने फ्रांसिस्को द्वारा बनाई जा रही टोस्ट की खुशबू सूंघी। उसे उस बच्चे का सम्मान अच्छा लगता था जो उसके लिए कुर्सी खींचता था, उसे अपना गिटार देता था। उसे फ्रैंकी को फ्लैट में गाते हुए सुनना अच्छा लगता था, वे गाने जो उन दोनों ने अपनी गुप्त रिकॉर्डिंग लाइब्रेरी में एक साथ गाए थे। उसने अनिच्छा से ही सही, कुत्ते को भी अपना लिया। कभी-कभी, वह जानवर अपना सिर एल मास्ट्रो की गोद में रख देता और वह उसके कान खुजलाता। "वह तुम्हें पसंद करता है," फ्रैंकी कहता था। "उसकी गंध नाली के पानी जैसी है," एल मास्ट्रो कहते थे। अंधे व्यक्ति को अंदर ही अंदर पता था कि फ्रेंकी अपने पिता के गम से अभी भी दुखी है। और खुद भी उस लड़के के लिए फिक्र होने लगी थी, इसलिए वह समझ सकता था कि बाफा किस दर्द से गुजर रहा होगा। तो एक रात, बार में, एल मास्ट्रो ने हिम्मत दिखाई। उसने मालिक से पूछा कि क्या दर्शकों में कोई सैनिक हैं। उसे बताया गया, हाँ, कुछ सैनिक आगे बैठे हैं। एल मास्ट्रो ने कहा, "मुझे उनसे मिलवाइए।" पूरी शाम उसने फ्लेमेंको के कई लोकप्रिय गाने बजाए—वही संगीत जो जनरलिसिमो को पसंद था—और उसने उन सभी गानों को "हमारे नेता की सेवा करने वाले बहादुर सैनिकों" को समर्पित किया। लोग तालियाँ बजा रहे थे, मालिक मुस्कुरा रहा था और सैनिक भी आभारी थे। बाद में उन्होंने गिटार वादक को अपने साथ बैठने के लिए आमंत्रित किया। उसने उन्हें पेय पिलाए, कहानियाँ सुनाईं, और भी पेय पिलाए और ऐसे हँसा जैसे वह आमतौर पर कभी नहीं हँसता था। यह एल मास्ट्रो के लिए अंदर ही अंदर बहुत कष्टदायक था। युद्ध से उसका एक बुरा इतिहास रहा था, और उसे सैनिकों या जनरलों से कोई मतलब नहीं था। लेकिन, जैसे सुरों का अभ्यास करते हैं, कुछ चीजें किसी कारण से सहनी पड़ती हैं। जैसे-जैसे सैनिक शराब पीते गए, उसने हिम्मत करके कुछ सवालों के जवाब दिए। रात ढलते-ढलते उसे बफा रुबियो नाम के एक सार्डिन बनाने वाले के भाग्य का पता चल गया। 3 अगस्त, 1945 को, फ्रैंकी के देश छोड़कर हमेशा के लिए जाने से दो दिन पहले, एल मास्ट्रो विलारियल से कई मील दूर एक जेल में गया। इसके लिए उसे झूठ, रिश्वत और मोटरसाइकिल पर सवार एक घुमंतू व्यक्ति की मदद लेनी पड़ी। इस कहानी के लिए और विवरण महत्वपूर्ण नहीं हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि उस दोपहर,

लाल ईंटों से बनी जेल के पीछे एक खाली आंगन में, नदी में एक बच्चे को पाने वाले अविवाहित व्यक्ति और उसे उसका भाग्य सिखाने वाले अंधे गिटारवादक के बीच अंतिम बातचीत हुई। वे चौबीस मिनट तक फुसफुसाते हुए, धीमी गति से, 7/4 ताल में—एक रुक-रुक कर चलने वाली लय में बात करते रहे। बफा रुबियो, जो पीला पड़ गया था, चोटिल था और पहले से कहीं ज्यादा दुबला हो गया था, उसने काले चश्मे वाले आदमी को देखा और कांपने लगा। उसने पहरेदारों के हटने का इंतजार किया। उसके पहले दो फुसफुसाते शब्द थे: "मेरा बेटा?" "मेरे पास है वो—" "भगवान का शुक्र है।" आँसू। साँसें। सन्नाटा। "वो ठीक है?" "वो ठीक है।" "क्या वो मुझे पुकारता है?" "ज़रूर।" आँसू। साँसें। सन्नाटा। "मैं एक बुरा पिता हूँ। मैंने कभी योजना नहीं बनाई थी कि अगर मुझे कुछ हो जाए तो क्या होगा।" "मैं उस पर नज़र रख रहा हूँ, श्रीमान रुबियो।" "आपको किसी को नहीं बताना चाहिए कि वो मेरा बेटा है।" "क्यों नहीं?" "फैक्ट्री। तीन मज़दूर—वे मुझसे नफ़रत करते थे—उन्होंने पुलिस को बताया कि मैं समाजवादी हूँ, और बाकी लोग ट्रेड यूनियन से हैं। जब मैंने इससे इनकार किया, तो उन्होंने कहा कि मैं झूठ बोल रहा हूँ। उन्होंने कहा कि लड़का सबूत है। कि एक अच्छा कैथोलिक कभी नाजायज़ बच्चे को घर में नहीं रखेगा। कि उसकी माँ वामपंथी थी—" "रुको। वो तुम्हारा बच्चा नहीं है?" आँसू। साँसें। सन्नाटा। "मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है।" "बिल्कुल नहीं।" "मैंने एक जान बचाई है।" "ज़रूर।" "ये सूअर—" "धीरे से, श्रीमान रुबियो।" "ये फ्रेंको—" "उसके बारे में बात मत कीजिए, श्रीमान रुबियो।" "मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है।" "मैं समझता हूँ।" आँसू। साँसें। सन्नाटा। "क्या आप उसे गिटार सिखा रहे हैं?" "हर दिन।" "और उसका बजाना?" "असाधारण है।" "काश मैं उसे सुन पाता।" "वे आपको कितने दिन रखेंगे?" "बारह साल और एक दिन।" "बारह साल?" "यही मेरी सज़ा है। ये कैसे हो सकता है? जब मैं बाहर आऊँगा, तो फ्रांसिस्को एक आदमी बन चुका होगा।" "मुझे बहुत अफ़सोस है।" "मुझे आपसे एक मदद चाहिए। क्या आप करेंगे?" "मैं करूँगा।" "लड़के को भेज दीजिए।" एल मास्ट्रो को लगा जैसे उसका पेट कस गया हो। "दूर?" "हाँ।" "कहाँ?" "अमेरिका। मेरी एक बहन है।" "अमेरिका?" "वह वहाँ सुरक्षित रहेगा।" "कितनी लंबी यात्रा।" "यहाँ कोई भविष्य नहीं है।" "पर मैं उस पर नज़र रख सकता हूँ—" "यह बहुत जोखिम भरा है।" "वह मेरे साथ रह सकता है—" "कृपा करके, उस्ताद। कोई न कोई तो बोलेगा ही। मैंने सुना है कि गद्दारों के बच्चों के साथ

क्या होता है। उन्हें पीटा जाता है और भूखा रखा जाता है।" "पर आप गद्दार नहीं हैं।" "फिर भी मैं यहाँ हूँ।" उस्ताद ने अपना चेहरा मल लिया। अब उन्हें पसीना आ रहा था। "मैं यह कैसे करूँगा?" "मेरे पास पैसा है। छिपा हुआ। आपको मिल जाएगा। बंदरगाह पर मौजूद लोगों को पैसे दे दीजिए।" "कौन से लोग? कौन से बंदरगाह?" "काफी पैसे से आपको किसी भी बंदरगाह पर कोई भी आदमी मिल जाएगा।" "पर कैसे—" "सुनो। हमारे पास समय कम है। यह लो।" उन्होंने अंधे आदमी का हाथ पकड़ा और उसे कमीज़ से फाड़ा हुआ कपड़े का एक टुकड़ा थमा दिया। उस पर कुछ लिखा था। "अमेरिका का एक पता है। उसे वहीं जाना होगा।" "ठीक है।" "लड़के को एक नया नाम दे दो। मेरा नाम ज़हर है।" "ठीक है।" "उसे बता देना कि एक दिन मैं उसे ढूंढ लूँगा।" "हाँ।" "मुझे न भूले।" "हाँ।" "मैं उससे प्यार करती हूँ।" "मैं उसे बता दूँगी, श्रीमान रुबियो।" आँसू। गला भर आया। "मैंने कुछ नहीं किया, उस्ताद। आपको मुझ पर विश्वास करना होगा।" "मैं करता हूँ।" "वही मेरा सब कुछ था।" "मुझे माफ़ कर दीजिए।" "जो मैं कहूँ, वह कीजिए।" "मैं करूँगा।" "बचे हुए पैसे रख लीजिए।" "मुझे आपके पैसे नहीं चाहिए, श्रीमान रुबियो।" "मेरा इरादा आपको ठेस पहुँचाने का नहीं था। आप नहीं जान सकते कि बच्चे को त्यागने का दर्द क्या होता है।" काले चश्मे के नीचे, आँखों में आँसू भर आए। "नहीं," अंधे आदमी ने कहा। "बिल्कुल नहीं।"

16

उस रात, बार में काम खत्म करने के बाद, एल मास्ट्रो और कोंगा वादक अल्बर्टो कैलवारियो स्ट्रीट स्थित घर में चुपके से घुस गए (जिसे लूट लिया गया था और सारा सामान खाली कर दिया गया था) और उन्हें फर्श के नीचे एक टिन का डिब्बा छिपा हुआ मिला, ठीक वैसे ही जैसे बफा रुबियो ने बताया था। डिब्बे में एक मखमली थैला

था जिसमें 6 लाख पेसेटा थे—सार्डिन कारखाने का मुनाफा—इतनी रकम जिससे एक छोटी सेना को रिश्वत दी जा सकती थी। दोनों आदमी तेजी से पिछले बगीचे से निकलकर क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट स्थित कपड़े धोने की दुकान पर गए, जहाँ वे मोमबत्ती की रोशनी में बैठे रहे और अल्बर्टो ने पैसों को 10,000 पेसेटा के बंडलों में अलग किया, प्रत्येक बंडल को एक रबर बैंड में लपेटा गया ताकि एल मास्ट्रो को पता रहे कि वह कितना पैसा दे रहा है।

“अपने लिए तीन ले लो,” उसने अल्बर्टो से कहा।

“मास्ट्रो, मैं नहीं कर सकता—

“जी हां, आप कर सकते हैं। कृपया। फिर कुछ कागज़ ढूंढिए। आपको वह सब लिखना होगा जो मैं आपको बताऊं।”

उन्होंने आठ मिनट तक निर्देश दिए। निर्देश समाप्त होने पर अल्बर्टो ने राहत की सांस ली, अपनी सूची देखी और फिर गिटार वादक का हाथ पकड़ लिया।

"मास्ट्रो, इतने कम समय में यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।"

लड़का खतरे में है।

मैं आपकी इच्छानुसार करूंगा।

"धन्यवाद, अल्बर्टो।"

अल्बर्टो पैसों से भरे मखमली थैले को घूर रहा था। ज़ाहिर है, उस्ताद उसका चेहरा नहीं देख सकते थे। लेकिन मैं देख सकता था। मैंने उसके चेहरे पर वही भाव देखा जो मैंने कई बार तब देखा है जब नई दौलत हाथ में आने वाली होती है। आँखें सिकुड़ जाती हैं। होंठ कस जाते हैं।

“चिंता मत करो, उस्ताद,” अल्बर्टो ने कहा। “भगवान हमारे साथ हैं।”

उस रात एल मास्ट्रो को अच्छी नींद नहीं आई। सुबह, जब फ्रेंकी अभी भी ऊंघ रहा था, तो उसने बाथरूम के काउंटर पर रखे कपड़े पहने (लड़का हर शाम उसके लिए ऐसा करता था) और अलमारी की ओर चल पड़ा। उसने टटोलते हुए आखिरकार हैंगर पर टंगा हुआ एक पर्स ढूंढ लिया। उसने कुंडी खोली और अंदर कुछ तलाशा: नए धागों का एक गुच्छा, जो एक गोले में लिपटा हुआ था। वह कुछ मिनटों तक अलमारी में मूर्ति की तरह स्थिर खड़ा रहा। फिर वह बाहर निकला, दरवाजा बंद किया और रसोई की ओर चल पड़ा।

“उठो, फ्रांसिस्को,” उसने कहा।

लड़के ने अपनी आँखें खोलीं। बिना बालों वाले कुत्ते ने अपना सिर उठाया।

"क्या मैं ज्यादा देर तक सो गया, उस्ताद?"

“नहीं,” अंधे व्यक्ति ने डोरियों को कसकर पकड़ते हुए कहा। “लेकिन आज हमें बहुत कुछ करना है।”

5 अगस्त, 1945 के शेष घंटे चहल-पहल से भरे हुए थे, मानो कोई तुरही वादक प्रत्येक धुन को भरने के लिए आठवीं-स्वर की त्रिक बजा रहा हो। एल मास्ट्रो ने फ्रैंकी से कहा कि वह एक थैले में टूथब्रश, कंघी, साबुन और जितने कपड़े उसमें समा सकें, विशेषकर अंडरवियर भर ले।

"हम कहाँ जा रहे हैं?"

"एक रोमांच।"

“आपका बैग कहाँ है, उस्ताद?”

मैं इसे बाद में ले आऊंगा। अब जल्दी करो।

वे फ्लैट से निकले और लड़के का हाथ पकड़कर, अंधे आदमी ने फ्रैंकी को पहले सैन मिगुएल स्ट्रीट पर एक दुकान में ले जाने को कहा, जहाँ दीवारों पर गिटार और वायलिन टंगे हुए थे। फ्रैंकी ने ऐसी जगह पहले कभी नहीं देखी थी। वहाँ लकड़ी और तेल की महक आ रही थी। तभी दाढ़ी वाला एक आदमी पीछे से निकला और एल मास्ट्रो के पास जाकर उसे गले लगा लिया। दोनों धीमी आवाज़ में बातें कर रहे थे, जो फ्रैंकी सुन नहीं पाया।

"मास्ट्रो, क्या आप ही हैं?"

"काफी समय हो गया, पुराने दोस्त।"

"मैं आपकी कैसे मदद करूं?"

“आज मुझे आपका सबसे बेहतरीन गिटार लेकर जाना है। ध्यान रखें कि यह यात्रा के लिए पर्याप्त मजबूत हो।”

मेरे पास एक एस्ट्राच गिटार है। स्प्रूस, रोज़वुड और आबनूस की गर्दन वाला।

"उत्कृष्ट।"

लेकिन यह महंगा होगा।

"इसे अभी मेरे लिए लाएँ। और अपना सबसे ठोस तर्क भी।"

“क्या आप फिर से बजा रहे हैं, उस्ताद?”

"यह लड़के के लिए है।"

"वो लड़का?"

“जी हां। और एक और अनुरोध। निर्माता की मुहर को ढक दें।”

"लेकिन इससे उपकरण का मूल्य कम हो जाएगा।"

उसे इसका मूल्य जानने की आवश्यकता नहीं है।

"और न ही वे लोग जिनसे उसका सामना हो सकता है?"

"एकदम सही।"

और तार?

"कोई शृंखला नहीं।"

“जैसी आपकी इच्छा, मेरे पुराने दोस्त। लेकिन क्या मैं आपसे एक बात पूछ सकता हूँ?”

"निश्चित रूप से।"

"क्या इतनी कम उम्र के लड़के के लिए यह गिटार कुछ ज्यादा ही बढ़िया है?"

नहीं। यह उसके साथ जीवन भर रहना चाहिए।

"क्यों?"

क्योंकि मैं ऐसा नहीं हो सकता।

एल मास्ट्रो ने अपनी जैकेट की जेब में रखे थैले से नोटों का एक बंडल निकालकर उसे दिया और वह कुछ मिनटों के लिए गायब हो गया। फ्रेंकी पास आया और अपने शिक्षक की कोहनी को छुआ।

"ये काले बक्से क्या हैं, उस्ताद?" उसने छोटे एम्पलीफायरों की एक पंक्ति का अध्ययन करते हुए पूछा।

क्या उनमें घुंडी है?

"हाँ।"

और एक डोरी?

"हाँ।"

समय की बर्बादी।

"वे करते क्या हैं?"

"वे आपके गिटार की आवाज़ बहुत तेज़ कर देते हैं, ताकि लोग आपको दूर से भी सुन सकें।"

"क्या यह बुरा है, उस्ताद?"

उस अंधे व्यक्ति को फ्रेंकी का कंधा मिला।

“यह बात याद रखना, फ्रांसिस्को,” उसने कहा। “सफलता का रहस्य अपने संगीत को और तेज़ करना नहीं, बल्कि दुनिया को शांत करना है।”

दुकान मालिक गिटार का डिब्बा लेकर बाहर आया। उसने एल मास्ट्रो को बुलाया। दोनों ने कुछ फुसफुसाया और एक बार फिर गले मिले, फिर एल मास्ट्रो मुड़ा और अपना नया खरीदा हुआ गिटार हाथ में लिए हुए था। उसने अपना बायां हाथ आगे बढ़ाया। फ्रैंकी उसे दरवाजे से बाहर ले गया।

“क्या आपने नया गिटार खरीदा है, उस्ताद?”

"हाँ।"

आप इसे कब बजाएंगे?

"दाईं ओर चलें।"

उन्होंने तीन और जगहें बदलीं। हर जगह फ्रैंकी यह देखकर हैरान रह गया कि एल मास्ट्रो का स्वागत उन लोगों ने किया जो उन्हें जानते थे। लड़के ने अपने शिक्षक को शायद ही कभी किसी से बात करते सुना था। दरअसल, अंधे व्यक्ति ने केवल इसाबेल को ही नाम से पुकारा था, जो नीचे कपड़े धोने की दुकान की मालकिन थीं और कभी-कभी उनके लिए पेलाडिलास (मिठाई में लिपटे बादाम) बनाती थीं।

लेकिन उस दिन लोग उस अंधे आदमी को ऐसे गले लगा रहे थे मानो उसका घर वापसी पर स्वागत कर रहे हों। फ्रैंकी को यह पता नहीं था कि सालों पहले, युद्ध से पहले, एल मास्ट्रो एक जाने-माने गिटारवादक और लोकप्रिय नाइटक्लब कलाकार थे, और कुछ ऐसे लोगों से परिचित थे जो देर रात तक संगीत सुनने, शराब पीने और महिलाओं से मिलने-जुलने का शौक रखते थे। संगीतकार अक्सर उन लोगों से दोस्ती कर लेते हैं जो देर तक जागते हैं। वे एक घंटे में एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं, जब मानो पूरी दुनिया सो रही हो, सिवाय उनके। इनमें से कुछ लोग अपने खुरदुरे चेहरों और बड़े

पेट के कारण फ्रैंकी को डराते थे। लेकिन जब एल मास्ट्रो ने अपनी जेब से उन्हें एक गठरी दी, तो उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी। हर बातचीत फुसफुसाहट और हाथ मिलाने के साथ समाप्त होती थी। फिर एल मास्ट्रो मुड़े, फ्रैंकी की ओर हाथ बढ़ाया, और वे आगे बढ़ गए।

बीच-बीच में रुकते हुए उसने लड़के के लिए खाना खरीदा, और बेकरी में उसने फ्रैंकी से कहा कि वह अपने बैग में रखने के लिए अतिरिक्त ब्रेड और शहद के छोटे जार ले आए। कुल मिलाकर, लड़के के लिए वह एक रोमांचक दिन था। लेकिन वह एल मास्ट्रो के अपने सूटकेस पैक करने का इंतज़ार करता रहा, और उसने देखा कि बिना बालों वाला कुत्ता उसके पास ही चिपका हुआ था, कभी-कभी उसके पैर से टकरा जाता था।

दोपहर ढलने के बाद, एल मास्ट्रो ने पूछा, "सूरज कहाँ है?"

“लगभग खत्म हो गया है,” फ्रेंकी ने जवाब दिया।

अंधे आदमी ने लड़के से कहा कि उसे पास के एक रेस्तरां में ले चलो। फ्रैंकी और कुत्ता बाहर इंतज़ार कर रहे थे। फ्रैंकी ने नए गिटार के डिब्बे पर धीरे से हाथ फेरा। उसे उम्मीद थी कि उस्ताद कुछ खाना लेकर आएंगे। उसे फिर से भूख लग गई थी।

एक घंटा बीत गया। लगभग अंधेरा हो चुका था। जब शिक्षक अंततः बाहर आए, तो उनके पास कुछ भी नहीं था। उनकी आवाज़ गहरी और धीमी थी।

"चलो, फ्रांसिस्को।"

“कहाँ, उस्ताद?”

“तंबू की ओर।”

“क्या मैं आपको खेलते हुए देख सकता हूँ?”

“बस एक बार। हाँ।”

फ्रेंकी पहले तो इतना उत्साहित था कि वह अपनी भूख भूल गया। लेकिन उस्ताद का उत्साह कम हो गया। उनकी सांसें फूल रही थीं। वे कराह रहे थे। नई गिटार पकड़े चलते हुए वे थोड़ा लड़खड़ा रहे थे। फ्रेंकी समझ गया कि उसके गुरु ने उस रेस्टोरेंट में खाना नहीं खाया था, बल्कि शराब पी थी।

“आज तुमने किस रंग की पैंट पहनी है, बेटा?”

फ्रेंकी ने frowning किया।

"मैंने आपसे एक प्रश्न पूछा।"

“ब्राउन, उस्ताद।”

और आपके जूते?

“भूरा भी।”

और आपके बाल?

फ्रेंकी जवाब नहीं देना चाहता था। उसे इस बात का दुख था कि उसके शिक्षक ने अपना वादा तोड़ दिया था, मानो फिर से कुछ बुरा होने वाला हो।

“तुम्हारे बाल, लड़के?”

“यह काला दिखता है।”

और तुम्हारी आंखें? मुझे तो पता भी नहीं।

“मेरी आंखें नीली हैं, उस्ताद।”

आह। नीला।

उसने नाक से गहरी सांस ली। उसने अपनी ठुड्डी को अपनी छाती पर टिका लिया। वह धीमी आवाज़ में कुछ गुनगुनाने लगा।

क्या मैं उदास हूँ? . . . क्या मैं उदास हूँ? . . .”

उसे खांसी आ गई।

“ये एक गाना है, बेटा। एक दिन तुम इसे सीख जाओगे।”

मनुष्य शराब में साहस की तलाश करता है, लेकिन उसे साहस नहीं, बल्कि भय मिलता है। एक शराबी व्यक्ति किसी चट्टान से कूद सकता है। इससे वह बहादुर नहीं बन जाता, बल्कि बस भूल जाता है।

उस रात, तबर्ना के मंच पर, शराब ने एल मास्ट्रो को अपने देश में कलाकारों पर लगे प्रतिबंधों को भुलाने में मदद की। नतीजा यह हुआ कि उन्होंने अपने करियर का सबसे निडर प्रदर्शन किया। गानों के बीच मुश्किल से ही रुकते हुए, उन्होंने "सेंट लुइस ब्लूज़" और "टाइगर रैग" जैसी अमेरिकी रचनाएँ बजाईं। उन्होंने जिप्सी संगीतकार डजैंगो रेनहार्ड्ट की रचना "परफ्यूम" भी बजाई। उन्होंने फ्रांसीसी क्लासिक "पार्लेज़-मोई डी'अमोर" ("मुझसे प्यार की बात करो") का भावपूर्ण गायन किया, साथ ही शुमान, विवाली और फर्डिनेंडो कैरुली की रचनाएँ भी प्रस्तुत कीं। उनके गिटार की

ध्वनि शक्तिशाली और जोशीली थी, और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि उस रात मैं उनके संगीत में एक फव्वारे की तरह उमड़ पड़ा। वे हर सुर की कंपन को महसूस करते हुए आगे-पीछे झूल रहे थे। भीड़ में लोग इतने शांत थे कि कभी-कभी ऐसा लगता था मानो कमरा खाली हो। इस तरह का संगीत सरकार द्वारा प्रतिबंधित था। लेकिन जब इसे इतनी खूबसूरती से प्रस्तुत किया जाता है, तो यह पूरी भीड़ को मंत्रमुग्ध कर सकता है। अगले दो घंटों तक किसी ने विरोध नहीं किया। यहां तक कि पीछे से देख रहे भारी वस्त्र पहने हुए व्यक्ति को भी नहीं देखा जा सका।

अंत में, एल मास्ट्रो ने अपने काले चश्मे के नीचे हाथ डालकर अपनी आँखें मलीं। फिर, पूरी रात में पहली बार, उन्होंने बात की।

"मेरे देशवासियों, यह आखिरी गीत मेरे अब तक के सबसे बेहतरीन छात्र के लिए है।"

उसने अपना सिर उस ओर घुमाया जहाँ उसने फ्रेंकी को रसोई के पास एक कुर्सी पर बिठाया था।

“आओ, बेटा। चलो साथ में खेलते हैं।”

उसने अल जोल्सन के गीत "एवलॉन" की धुन बजानी शुरू की, जिसे फ्रैंकी चोरी के फोनोग्राफ पर सुनना पसंद करता था। ग्राहक इधर-उधर देखने लगे। कुछ ने कोने में बैठे बच्चे की ओर इशारा किया।

फ्रेंकी का पूरा शरीर कांप उठा। वह कुर्सी से नीचे उतरा और घबराते हुए अपने शिक्षक के पास गया और उन्हें यह बताने के लिए उनके कंधे को छुआ कि वह वहाँ मौजूद है।

“चलो अब,” एल मास्ट्रो ने सुरों के बीच फुसफुसाते हुए कहा। “दूसरा गिटार लो और गाना गाओ।”

लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता।

"क्यों नहीं?"

"मुझे डर लग रहा है।"

“हाँ। और तुम फिर से डर जाओगे। पूरी जिंदगी। तुम्हें इस डर पर काबू पाना होगा। उनका सामना करो और ऐसा दिखावा करो कि वे हैं ही नहीं।”

“मास्ट्रो—”

“तुम कर सकते हो। हमेशा याद रखना कि मैंने कहा है कि तुम कर सकते हो।”

फ्रेंकी बेहद डरा हुआ था, लेकिन उसे अपने गुरु पर पूरा भरोसा था। उसने गिटार उठाया, पट्टा कंधे पर डाला और उन सुरों को बजाना शुरू किया जिनका उसने और उस्ताद ने अभ्यास किया था। अंत में, शुरुआती धुन खत्म होने के बाद, उसने दर्शकों के सामने अपना पहला गाना गाया।

मुझे एवलॉन में अपना प्यार मिल गया
खाड़ी के किनारे...

लोग इधर-उधर देखने लगे। वह अंग्रेज़ी में गा रहा था!

मैंने अपने प्यार को एवलॉन में छोड़ दिया
और मैं रवाना हो गया...

मैं मानती हूँ, मुझे उनकी प्रतिक्रियाएँ देखकर बहुत आनंद आया। फ्रैंकी की आवाज़ इतनी मधुर और सच्ची थी कि वे उसकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सके (मतलब, ज़ाहिर है, वे मेरी प्रशंसा कर रहे थे)। और उन्होंने और एल मास्ट्रो ने अपने गिटार को पूर्ण सामंजस्य में बजाया, फ्रैंकी लय को आगे बढ़ा रहे थे और उनके गुरु ने एकल सुरों को इस तरह सजाया जैसे किसी कुकी पर चीनी छिड़की हो। एक पूरे छंद के लिए, भीड़ विस्मित हो गई। एक पूरे छंद के लिए, कला ने राजनीति को और सुंदरता ने भय को पराजित कर दिया।

मैं एवलॉन में उसके सपने देखता हूँ
शाम से सुबह तक
तो मुझे लगता है कि मैं यात्रा करूंगा
एवलॉन के लिए।

फ्रेंकी की आवाज़, किसी तेज़ शराब की तरह, वहाँ मौजूद लोगों को पल भर के लिए अपना डर भुलाने पर मजबूर कर दिया। लेकिन शराब की तरह, यह क्षणिक प्रभाव भी क्षणिक था। सबसे पहले बेज रंग के सूट पहने एक आदमी ने विरोध में अपना गिलास पटका। एक बार। फिर दोबारा। बाकी लोगों ने भी उसका अनुसरण किया। जल्द ही पूरा बार अपने गिलास या चम्मच पटकने लगा। डर ने पर्दा गिरा दिया। फ्रेंकी ने गाना बंद कर दिया। उसकी आँखों में आँसू आ गए। वह अपने शिक्षक

की ओर मुड़ा, जो मानो इसकी उम्मीद कर रहे थे, उन्होंने बजाना बंद कर दिया।

“मुझे उठने में मदद करो,” एल मेस्ट्रो ने कहा।

वह फ्रेंकी का हाथ पकड़कर खड़ा हुआ। ग्राहकों की हूटिंग के बीच, एल मास्ट्रो फ्रेंकी की ओर झुका और बोला, "अब हम इस तरह झुककर अभिवादन करते हैं।"

वह कमर झुकाकर बैठ गया। फ्रेंकी ने भी ऐसा ही किया। ताने और तेज़ होते चले गए। किसी ने चिल्लाकर कहा, "गद्दार!"

“हमेशा अपने श्रोताओं का धन्यवाद करें,” एल मास्ट्रो ने फुसफुसाते हुए कहा। उन्होंने फ्रैंकी का हाथ हल्के से दबाया।

"अब हमें पीछे के रास्ते से बाहर ले चलो।"

फ्रैंकी के लिए बाकी सब धुंधला सा था। उसे याद था कि गली में कार के पहिए के पीछे कोंगा बजाने वाला अल्बर्टो इंतज़ार कर रहा था। उसे अंधेरे में लंबी यात्रा याद थी। उसे याद था कि वह यात्रा के दौरान बहुत रोया, यह सोचकर कि उसने उन लोगों को कैसे नाराज़ किया था। उसे याद था कि एल मेस्ट्रो, जिसके घुटनों के बीच नया गिटार का डिब्बा था, बहुत कम बोल रहा था, जब तक कि उसे कार का झटका महसूस नहीं हुआ और उसने अल्बर्टो से पूछा, "और कितना समय लगेगा?" और अल्बर्टो ने कहा, "बीस मिनट, मेरे दोस्त।"

उसे याद होगा कि उसके शिक्षक ने उसे एक चांदी की बोतल थमाकर पीने को कहा था, कि आगे लंबा सफर है और फ्रेंकी को सोने की जरूरत है। उसे उस तरल का मीठा लेकिन तीखा स्वाद याद होगा। उसे याद होगा कि एल मास्ट्रो ने उसे गिटार का डिब्बा दिया था।

“अब यह तुम्हारा है, बेटा। यह एक बेहतरीन वाद्य यंत्र है, जो रोज़वुड और स्प्रूस की लकड़ी से बना है, और इसमें आबनूस की गर्दन लगी है। इसे बनाने वाला गिटार बनाने वाले एक पुराने परिवार से है। यह महत्वपूर्ण है। तुम जो भी बजाओ, उसमें इतिहास होना चाहिए।”

फ्रेंकी खुश रहना चाहता था। एक नया गिटार। लेकिन उसके अंदर बहुत सारी भावनाएं उमड़ रही थीं।

"मुझे गाना क्यों पड़ा, उस्ताद?"

एक दिन तुम समझ जाओगे।

लेकिन उन्होंने अपने कप जोर से पटके।

“और तुमने साहस दिखाया। जीवन में तुम्हें इसकी जरूरत पड़ेगी।”

"हम कहाँ जा रहे हैं?"

अंधा व्यक्ति मुंह फेरकर चला गया।

क्या आपको अपना पहला पाठ याद है?

जी हां, उस्ताद।

"आपने क्या किया?"

"मैने सुना।"

“बिल्कुल सही। और आप जहां जा रहे हैं, वहां आपको सुनना भी होगा। जब आप सुनते हैं, तो आप सीखते हैं। यह बात याद रखें। संगीत में भी और जीवन में भी।”

लेकिन, उस्ताद—”

"जब आपने पहली बार खेलना शुरू किया था, तो आपको क्या याद है?"

"दर्द हुआ।"

“हां,” अंधे आदमी ने कहा। उसकी आवाज भर्रा गई। “और इससे दर्द भी होगा।” उसने गला साफ किया। “लेकिन धीरे-धीरे त्वचा सख्त हो जाएगी। और यह आसान हो जाएगा।”

गाड़ी को झटका लगा। अंधे आदमी ने अपना चेहरा रगड़ा।

“फ्रांसिस्को।”

"जी हां, उस्ताद?"

“इस गिटार के डिब्बे के अंदर तार हैं। आपको इन्हें इस गिटार पर लगाना है।”

"ठीक है, उस्ताद।"

वे मेरे लिए बहुत खास थे।

“क्यों, उस्ताद?”

“ये मेरी पत्नी की ओर से थे।”

“क्या आपकी पत्नी है, उस्ताद?”

"अब और नहीं।"

"वह कब चली गई?"

“वह स्वर्ग चली गई। ये तार तोहफे में मिले थे। मैंने इनका कभी इस्तेमाल नहीं किया।”

"क्योंकि उसकी मृत्यु हो गई?"

"हां, इससे पहले कि वह मुझे दे पाती, मैंने उन्हें उसके पर्स में पाया।"

फ्रेंकी ने यह कल्पना करने की कोशिश की कि वह महिला कैसी दिखती होगी।

"क्या अलमारी में वे उसी के कपड़े थे?"

“उसके कपड़े। उसके जूते। उसके इत्र की एक बोतल। किसी को याद करने के लिए बहुत कुछ नहीं चाहिए, फ्रांसिस्को। एक चीज भी काफी है।”

उसने झुककर लड़के के घुटने पर थपथपाया।

“तुम्हारे पास मुझसे वो तार हैं। इतना ही काफी है।”

फ्रेंकी को अब और भी ज्यादा डर लगने लगा था।

“क्या हम अपना घर छोड़ रहे हैं, उस्ताद?”

"यह सिर्फ एक फ्लैट है।"

"क्या तुम मेरे साथ आ रहे हो?"

कपड़े धोने की दुकान के ऊपर।

"क्या तुम मेरे साथ आ रहे हो?"

कोई जवाब नहीं।

"हम कहाँ जा रहे हैं?"

अंधे व्यक्ति ने झुककर पूछा, "बाहर क्या दिख रहा है?"

फ्रेंकी ने खिड़की के शीशे से आंखें सिकोड़ीं। चारों ओर घना अंधेरा था। लेकिन जैसे ही वे एक ऊँचाई पर पहुँचे, अल्बर्टो ने कार की गति धीमी कर दी, और दूर क्षितिज पर चाँदनी की छोटी-छोटी किरणें टिमटिमाती हुई दिखाई दीं।

“समुद्र,” फ्रेंकी ने फुसफुसाते हुए कहा।

जैज़ ट्रम्पेट वादक डिज़ी गिलेस्पी ने एक बार कहा था, "मुझे यह सीखने में पूरी ज़िंदगी लग गई कि क्या नहीं बजाना चाहिए।" वह मेरे खास लोगों में से एक थे। और उनकी बात बिल्कुल सही थी। मौन संगीत को और भी समृद्ध बनाता है। जो आप नहीं बजाते,

वह आपके बजाए गए संगीत को और भी मधुर बना सकता है।

लेकिन शब्दों के साथ ऐसा नहीं होता। जो आप नहीं कहते, वो आपको परेशान कर सकता है। उस्ताद एक कलाकार थे (उनकी आत्मा निश्चित रूप से मेरी आत्मा थी), लेकिन उनकी संगीतमय प्रवृत्ति इस जीवन के लिए बहुत ही प्रबल थी। उन्होंने शब्दों को वैसे ही त्याग दिया जैसे उन्होंने सुरों को त्याग दिया।

और उस रात, जब वे वालेंसिया बंदरगाह पर बैठे थे, उन्होंने फ्रैंकी को सब कुछ बताए बिना ही सोने दिया। और एक घंटे बाद, जब उन्हें संकेत मिला, तो उन्होंने लड़के को अपनी बाहों में उठाया और एक लंबे रैंप से होते हुए जहाज तक गए, अल्बर्टो के पीछे-पीछे, जिसने बैग और गिटार पकड़ा हुआ था और फुसफुसाते हुए कहा, "सीधे आगे, उस्ताद... इस तख्ते पर नज़र रखें, उस्ताद..." कई बार उस अंधे व्यक्ति ने बच्चे का सिर अपने चेहरे के पास उठाया, अपने गालों को फ्रैंकी की नाक और ठोड़ी से रगड़ा, मानो उसकी आकृति को याद कर रहे हों।

उसने उसे कितनी ही बातें नहीं बताई थीं। कि वे यह यात्रा साथ नहीं कर रहे थे। कि लड़का इस जहाज के भीतर कहीं जागेगा, उन लोगों के साथ जिन्हें उसकी यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रिश्वत दी गई थी। कि उसे अपने गिटार के डिब्बे में पैसों का एक बंडल, यात्रा दस्तावेज, एक अमेरिकी पते वाला कपड़ा और एक नोट मिलेगा, जिस पर एक अंधे व्यक्ति की टेढ़ी-मेढ़ी लिखावट में लिखा होगा:

> FRANCISCO-
> अब तुम्हारे जाने का समय आ गया है। यहाँ बहुत खतरा है। ये तुम्हारे पापा की इच्छा है। वो तुमसे प्यार करते हैं और एक दिन तुम्हें ज़रूर ढूँढ लेंगे। मुझे अफ़सोस है कि मैं तुम्हें आगे नहीं पढ़ा सकती। लेकिन अब तुम खुद सीख सकती हो। अमेरिका में अपनी मौसी से मिलना। जब तुम्हें पैसों की ज़रूरत हो, तो गिटार बजाना। अगर तुम्हें मेरी याद आए, जैसे मुझे तुम्हारी याद आएगी, तो आँखें बंद करके उन तारों को बजाना जो मैंने तुम्हें दिए थे। मैं हमेशा तुम्हारे संगीत में रहूँगी।
>
> —मास्ट्रो

उसने उसे और कुछ नहीं बताया—न तो जेल मुलाक़ात का ब्योरा, न बाफ़ा की सज़ा की अवधि, न ही फ्रैंकी के कई सवालों के जवाब, जिनमें से एक सवाल यह भी

था कि क्या एल मास्ट्रो कभी देख भी सकते थे। सच तो यह था कि हाँ, उनके गुरु कभी देख सकते थे। उन्होंने अपने देश के गृहयुद्ध की शुरुआत में ही अपनी दृष्टि खो दी थी, अपनी पत्नी के छोटे भाई की रक्षा करते हुए, जो गणतंत्र की ओर से लड़ने के लिए निकल पड़ा था। वह अपने भाई के पीछे-पीछे युद्ध में गए। एक हिंसक हमले के दौरान, उन्होंने उस युवक को एक ग्रेनेड से बचाया, जो एल मास्ट्रो के पास ही फट गया। उस ग्रेनेड में सरसों जैसी गंध वाली ज़हरीली गैस थी। उसके बाद के दिनों में, उनकी त्वचा पर धब्बे पड़ गए और उनकी दृष्टि धीरे-धीरे गायब हो गई, मानो उनके जीवन पर पर्दा गिर रहा हो।

शर्मिंदा होकर भाई देश छोड़कर भाग गया। एल मास्ट्रो एक अंधे व्यक्ति के रूप में घर लौटा।

“हम पहुँच गए हैं, मेरे दोस्त,” अल्बर्टो ने कहा।

“हमारे संपर्क सूत्र कहां हैं?”

"बिल्कुल हमारे सामने," उसने इंजन रूम से दो बिना दाढ़ी वाले नाविकों की ओर इशारा करते हुए जवाब दिया।

“क्या वह अंधा है?” एक नाविक ने पूछा।

“वह एक महान कलाकार हैं,” अल्बर्टो ने कहा।

“तुम्हें पता है इस लड़के के साथ क्या करना है?” एल मास्ट्रो ने कहा।

“जी हां, जी हां। पहले इंग्लैंड, फिर अमेरिका। जल्दी करो।”

“अल्बर्टो? क्या उन पर भरोसा किया जा सकता है?”

“उन पर भरोसा किया जा सकता है, उस्ताद।”

“हमने यह कई बार किया है,” नाविक ने कहा। “पैसा कहाँ है?”

“मेरी जेब में है। बच्चे को ले जाओ। सावधान रहना।”

एल मास्ट्रो ने सोए हुए फ्रेंकी को सहारा दिया और महसूस किया कि उनकी बाहों से बोझ हल्का हो गया है। अचानक, वह हांफने लगे। उन्हें उस खालीपन का सामना करने की बिल्कुल भी तैयारी नहीं थी जो उन पर हावी हो गया था।

“रुको। वह कहाँ है? वह कहाँ है?”

"भगवान के लिए, यहीं पर।"

“फ्रांसिस्को!”

“शांत हो जाओ! हमने उसे पकड़ लिया है। देखा?” नाविक ने एल मास्ट्रो का हाथ

पकड़ा और उसे फ्रैंकी के चेहरे पर हल्के से थपथपाया। “ठीक है? अपनी आवाज़ धीमी रखो।”

“जी हां। मुझे क्षमा करें।”

वह सुरक्षित रहेगा।

"अच्छा।"

“यह उसके लिए मुश्किल है,” अल्बर्टो ने बीच में कहा।

“पैसा। अभी के अभी।” नाविक ने थूकते हुए कहा। “इसमें मेरी कोई गलती नहीं है कि वह आदमी देख नहीं सकता।”

बेशक, अगर एल मास्ट्रो देख पाते, तो हमारी कहानी कुछ और होती। चांदनी रात में लड़के को सौंपने से बहुत पहले ही, वह फ्रैंकी के काले भूरे बालों, गहरी नीली आँखों और होठों की मुस्कान में कुछ पहचान लेते। वह लड़के के चेहरे में अपनी पत्नी कारमेनसीटा की स्पष्ट छवि देख लेते। उन्हें किसी तरह एहसास हो जाता कि वह फ्रैंकी की माँ थी, और चर्च में पड़ा जला हुआ शव उस हत्या का केवल आधा हिस्सा था जो उन्होंने सोचा था।

जब बफ्फा ने यह स्वीकार किया कि वह बच्चे का पिता नहीं है, तब उसे यह एहसास हो गया होगा कि वह, एल मास्ट्रो, ही असली पिता था। कि वह वर्षों से उसी बच्चे को पढ़ा रहा था जिसके लिए वह शोक मना रहा था।

लेकिन नियति ने यही एक पहलू छोड़ दिया, जिससे धुन और भी मार्मिक हो गई। इसके बजाय, अंधे व्यक्ति ने अनजाने में अपने इकलौते बेटे को इंजन रूम के दो नाविकों के हवाले कर दिया। उसने अपनी जैकेट की जेब में रखे मखमली थैले से दस पेसेटा के बंडल उन्हें दे दिए। वे लड़के, उसके बैग और गिटार को ले गए, जिसमें उपहार स्वरूप मिले तार और कार्लोस एंड्रेस प्रेस्टो द्वारा हस्ताक्षरित यात्रा दस्तावेज थे, जिनमें लड़के का नाम रूबियो नहीं बल्कि फ्रांसिस्को प्रेस्टो लिखा था।

अपने पिता को खोने के बाद, फ्रेंकी ने अपना नाम वापस पा लिया।

कुछ मिनट बाद, नाव बंदरगाह से दूर चली गई। एल मास्ट्रो को इंजन की कर्कश आवाज, नाव से टकराती लहरों की आवाज, और जहाज के अलग होने की सारी

आवाजें सुनाई दे रही थीं। वह पानी से काफी ऊपर बने रैंप पर तब तक खड़ा रहा जब तक कि आवाजें बंद नहीं हो गईं और जहाज दूर नहीं चला गया। उसने अपने काले चश्मे उतारे और हाथों के पिछले हिस्से से अपनी आंखें मलीं। अचानक, उसके आंसू रुकने लगे।

"आप क्यों रो रहे हैं, उस्ताद?" अल्बर्टो ने पूछा।

उसके पास जवाब देने के लिए कोई शब्द नहीं थे। बस इतना ही कि वह अंदर से बिल्कुल खोखला महसूस कर रहा था, जैसे उसका गिटार। उसने अपना हाथ तब तक बढ़ाया जब तक उसे कोंगा बजाने वाले का कंधा नहीं मिल गया।

मेरे दोस्त... मेरी मदद करने के लिए धन्यवाद।

वह अल्बर्टो के चेहरे पर भावहीनता नहीं देख सका। वह उसकी आँखों को सिकुड़ते हुए या जबड़े को कसते हुए नहीं देख सका। उसने केवल इतना महसूस किया कि उस आदमी का हाथ तेजी से उसकी जेब में गया और पैसों से भरा मखमली थैला चुरा लिया।

"आपका स्वागत है," अल्बर्टो ने कहा। "अलविदा।"

उसने अंधे आदमी को चट्टान से धक्का दे दिया, जिससे वह बीस फीट नीचे पानी में गिर गया, जहां उसके आंसू और समुद्र एक हो गए।

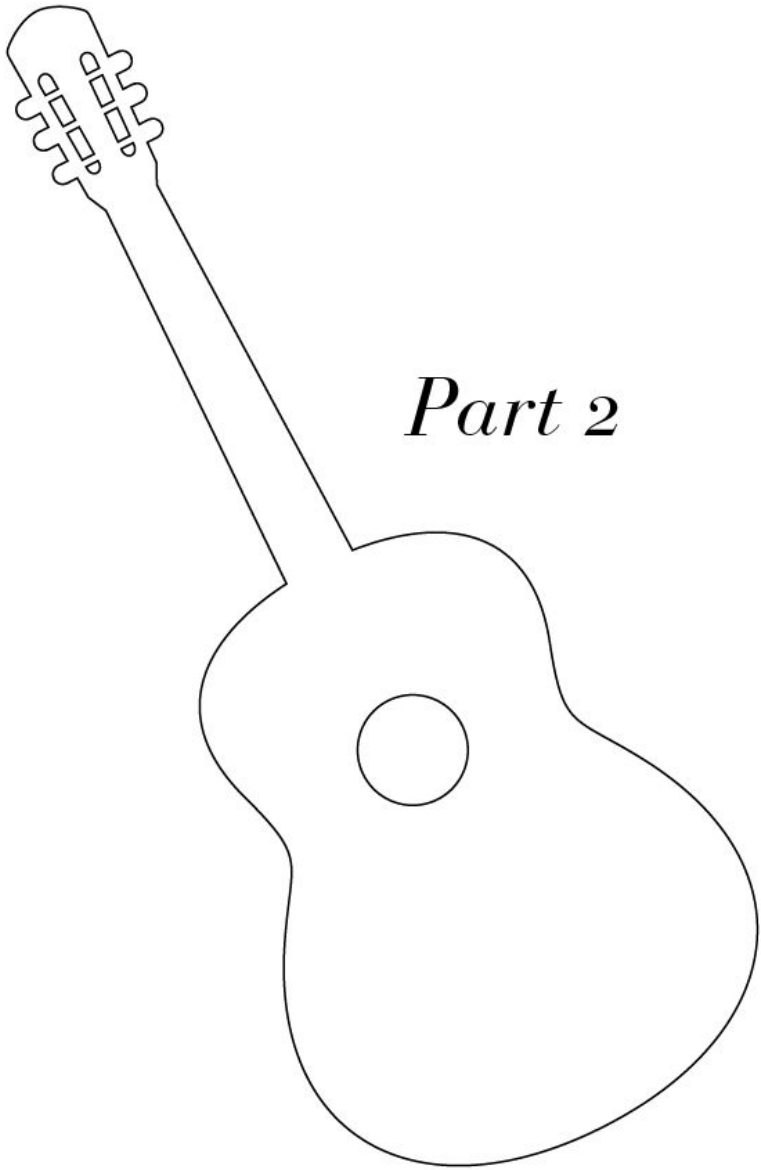

Part 2

नाइल्स स्टैंगो

संगीत इतिहासकार, लेखक

फ्रैंकी प्रेस्टो को स्टेज पर जाने से डर लगता था।

क्या आपको पता था? यह सच है। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत उनके बचपन से हुई, स्पेन में उनके एक परफॉर्मेंस के दौरान दर्शकों ने उनकी हूटिंग की थी। वह उस घटना को कभी भुला नहीं पाए। हर शो से पहले उन्हें घुटने टेककर गहरी सांसें लेनी पड़ती थीं। कई महान कलाकार इस तरह की तकलीफ झेलते हैं। स्ट्रीसैंड, एडेल, डेविड बॉवी, कार्ली साइमन। उन्हें पसीना आता है, उन्हें उल्टी भी आती है।

लेकिन जैसे ही फ्रैंकी प्रेस्टो स्टेज पर आते, उनमें घबराहट का कोई नामोनिशान नहीं दिखता था। वो गा भी सकते थे, बजा भी सकते थे और नाच भी सकते थे। सचमुच कमाल का नाच। मैं उन्हें शुरुआती रॉक एंड रोल के शीर्ष पांच कलाकारों में शामिल करता हूँ। जानना चाहते हैं पांचों? जेम्स ब्राउन, एल्विस, चक बेरी, फ्रैंकी प्रेस्टो, लिटिल रिचर्ड। ये मेरी सूची है। मैं कई सूचियाँ रखता हूँ।

मैंने उन्हें पहली बार कब देखा था? बफ़ेलो म्युनिसिपल ऑडिटोरियम में। कॉलेज से निकलते ही मैंने LIFE पत्रिका के लिए लिखना शुरू किया था और मुझे "द ट्विस्ट"—यानी चबी चेकर के डांस—पर एक कहानी लिखने का काम सौंपा गया था। तो मैं चबी का इंटरव्यू लेने बफ़ेलो गया, जो फ्रैंकी प्रेस्टो समेत कई अन्य कलाकारों के साथ परफॉर्म कर रहे थे। और मैं आपको बता दूं, प्रेस्टो ने तो समां बांध दिया। उन्होंने चार गाने गाए—जिनमें से सिर्फ एक पर गिटार बजाया—फिर भी वे मंच पर सबसे बेहतरीन संगीतकार साबित हुए। उन्होंने "माई गर्ल जोसेफिन" के तेज़ संस्करण पर एक सोलो बजाया जो लाजवाब था। वे स्ट्रिंग्स को मोड़ रहे थे और तेज़ धुन पर ज़ोर दे रहे थे—मुझे लगता है उन्होंने उसमें कुछ जैज़ के सुर भी डाले थे—और ये सब वे नाचते हुए कर रहे थे, दाएं-बाएं फिसलते हुए, गिटार को तलवार की तरह लहराते हुए। मैंने देखा कि बैंड के सदस्य एक-दूसरे को देखकर सिर हिला रहे थे। किसी की प्रतिभा का पता तब चलता है जब बैंड के सदस्य भी इस पर यकीन नहीं कर पाते।

मैंने उस रात मंच के पीछे उनसे इसके बारे में पूछा। “आप हर समय गिटार क्यों

नहीं बजाते? आप तो कमाल के गिटार बजाते हैं।" वे बस हँसे और बोले, "ओह, मुझे उस गिटार का ध्यान रखना पड़ता है। वह बहुत शक्तिशाली है।"

अब मुझे वो शब्द याद आ रहे हैं, "बेहद शक्तिशाली," क्योंकि ऐसा तो आप तभी कहेंगे जब आप मिसिसिपी में पले-बढ़े हों, स्पेन में नहीं, है ना? लेकिन जैसा कि हमें बाद में पता चला—मैंने अपनी दूसरी किताब, प्रोफाइल्स ऑफ रॉक में इसके बारे में लिखा है—फ्रैंकी प्रेस्टो कई जगहों पर पले-बढ़े: इंग्लैंड, डेट्रॉइट, नैशविले, लुइसियाना, कैलिफोर्निया। मुझे इस देश में उनके बिताए समय की असली कहानी कभी पता नहीं चल पाई। वो कहते थे, "मुझे स्पेन के बारे में ज्यादा कुछ याद नहीं है।" मुझे हमेशा लगता था कि वो झूठ बोल रहे हैं। भला किसे कुछ याद नहीं रहता?

लेकिन आप उनके सबसे बेहतरीन गानों के बारे में जानना चाहते थे? मेरे पास उसकी भी एक सूची है। ये रहे मेरे तीन सबसे बेहतरीन गाने:

नंबर एक, बेशक, "आई वांट टू लव यू" है। इसकी 20 लाख प्रतियां बिकीं—जो उन दिनों एक अविश्वसनीय आंकड़ा था। उन दिनों कोई भी सीधे ड्रम बीट से रिकॉर्ड शुरू नहीं करता था। लेकिन प्रेस्टो ने किया। धड़कता हुआ ताल। बा-बम्प-बम्प। फिर वो चीखता हुआ गिटार का सुर। फिर वो गाते हैं, "आह-आह्ह्ह्ह वांट टू लव यू..." भीड़ बेकाबू हो जाती है। ओह, हाँ। मैं इसे 1960 का अपना सर्वश्रेष्ठ रॉक एंड रोल गीत मानता हूँ।

मेरे लिए दूसरे नंबर पर है "नो, नो, हनी", जिसे उन्होंने एबी क्रूज़ के साथ लिखा था। यह एक ऐसा प्यारा सा गाना है जिसमें एक आदमी अपनी औरत से अपने बुरे बर्ताव के बावजूद उसे न छोड़ने की गुहार लगा रहा है। और हां, गाने के अंत में एक छोटी सी महिला की आवाज़ है, जिसका श्रेय किसी को नहीं दिया गया है, जिसमें वह गाती है, "यस, यस, हनी," और उसे वापस अपना लेती है। आज तक लोग अंदाज़ा लगाते रहते हैं कि वह कौन थी। मुझे लगा डार्लीन लव की आवाज़ जैसी लग रही थी, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। खैर, "नो, नो, हनी" मेरा पसंदीदा गाना है। और इसकी लाखों प्रतियां बिकीं।

और अंत में—तीसरे नंबर पर—मैं "Our Secret" को चुनता हूँ। यह सादगी भरा है। यह दिल को छू लेने वाला है। इसे बर्ट बाचराच ने प्रोड्यूस किया था। उन्होंने प्रेस्टो की आवाज़ में वो रिवर्ब डाला था जिससे वो सचमुच भूतिया लगती है। यह गाना बाकी दोनों गानों जितना नहीं बिका, लेकिन फिर भी यह उनका सबसे बेहतरीन बैलेड

है। मैंने एक बार उनसे “Our Secret” की प्रेरणा के बारे में पूछा था तो उन्होंने कहा था, “आप उसे पहचान ही नहीं पाएँगे।”

दोस्त? मैं यह नहीं कह सकता कि हम दोस्त थे। सालों तक वह मेरे साथ काफी अच्छा व्यवहार करते रहे, लेकिन सच तो यह है कि एक पत्रकार का काम ही चीजों की तह तक जाना होता है। और फ्रैंकी प्रेस्टो के पास कई राज़ थे, इसलिए जब मैंने रोलिंग स्टोन के लिए काम करना शुरू किया, तो उन्हें मेरा आना-जाना देखकर कोई हैरानी नहीं हुई। उन्होंने एक बार कहा था, "नाइल्स, जो मैं बजाता हूँ, वह तुम लिख नहीं सकते, और जो तुम लिखते हो, वह मैं बजा नहीं सकता।"

मुझे उनके माता-पिता के बारे में, उनके अमेरिका आने के बारे में, यहाँ तक कि उन्होंने किस स्कूल में पढ़ाई की, या स्कूल गए भी थे या नहीं, इसके बारे में कभी कोई जानकारी नहीं मिली। वे एक भूत की तरह थे जो अचानक रॉक एंड रोल स्टार बन गया। आखिरी बार मैंने उनका इंटरव्यू लगभग चालीस साल पहले, 1960 के दशक के अंत में लिया था, उनके लंबे समय तक गायब रहने से पहले। वे भी हम सब की तरह ड्रग्स लेते थे, और हम न्यूयॉर्क के किसी क्लब में थे, तभी उन्होंने कुछ अजीब कहा। उन्होंने कहा, "नाइल्स, मेरे पास अब तीन तार बचे हैं।" मुझे लगता है कि वे अपनी उम्र की बात कर रहे थे।

मैं? बहत्तर साल का। लगभग सेवानिवृत्त। मैं अब पेरिस में रहता हूँ और एक नई किताब पर काम कर रहा हूँ। जब मैंने सुना कि प्रेस्टो का निधन हो गया है—और जिस तरह से उनका निधन हुआ, भीड़ के ऊपर ऐसे उड़ते हुए जैसे उड़ रहे हों, फिर किसी सर्कस के करतब की तरह गिरते हुए—तो मैं तुरंत बार्सिलोना के लिए विमान में सवार हुआ और गाड़ी चलाकर वहाँ पहुँचा। मुझे लगता है कि मेरे पुराने पत्रकार वाले स्वभाव जाग उठे थे। मैंने सोचा कि मैं किसी पत्रिका के लिए, न्यूज़वीक या टाइम जैसी पत्रिका के लिए, "एक रहस्यमय पॉप स्टार का जीवन और मृत्यु" शीर्षक से एक लेख लिखूँगा—लेकिन मैंने जिन भी पत्रिकाओं से बात की, उनमें से अधिकांश केवल यह जानना चाहते हैं कि क्या प्रेस्टो की हत्या हुई थी, उनके करियर के बारे में नहीं। इसीलिए तो आपकी टीम आई थी, है ना? मौत बिकती है। संगीत उतना नहीं।

लेकिन मैं आपको एक बात बताता हूँ। इसके पीछे एक कहानी है। कुछ अजीब सी बात। मैंने लोगों से पूछा तो कुछ लोगों ने बताया कि उन्होंने प्रेस्टो को उसकी मृत्यु वाले दिन की सुबह फ्रांसिस्को तारेगा की मूर्ति के पास देखा था, उसके पास गिटार था

और कोई उसके साथ था।

काश, मैं उन्हें फिर से बजाते हुए सुन पाता। उन्होंने दशकों से कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया था—जब तक कि आप उस मशहूर "अप्रकाशित" एल्बम पर विश्वास न करें, जिसे लोग "द मैजिक स्ट्रिंग्स ऑफ फ्रैंकी प्रेस्टो" कहते हैं। कौन जानता है कि यह वही हैं या नहीं? इतनी सारी अफवाहें हैं। एक लेखक ने एक बार फ्रैंकी से पूछा कि उनका अब तक का सबसे साहसी प्रदर्शन कौन सा था—और उन्होंने कहा कि वह समय जब उन्होंने अकेले नाव के तल पर बजाया था। मैं सोच रहा था, "हाँ, बिल्कुल।" नाव के तल पर? क्या वह कोई समुद्री डाकू हैं? यह तो "द साउंड ऑफ म्यूजिक" के उस गाने जैसा है। मारिया जैसी समस्या का हल कैसे निकाला जाए? फ्रैंकी प्रेस्टो जैसी कहानी कैसे सुनाई जाए? कौन जाने किस पर विश्वास किया जाए?

17

1969

“क्या मैं आपकी मदद कर सकता हूँ?” काउंटर के पीछे खड़े व्यक्ति ने पूछा।

“अंडे,” फ्रेंकी ने फुसफुसाते हुए कहा।

उस आदमी ने अपनी उंगली कान पर रखी। "तुम्हारी आवाज़ सुनाई नहीं दे रही, यार।"

फ्रेंकी ने दाढ़ी नहीं बनाई थी, एविएटर सनग्लासेस के पीछे उसकी आँखें बेजान सी लग रही थीं। जैसे ही वह आगे झुका, उसके लंबे काले बाल उसकी नुकीली गाल की हड्डियों पर आ गिरे और उसका चेहरा लगभग दिखाई ही नहीं दे रहा था।

मुझे कुछ अंडे खरीदने हैं...

एक मुस्कुराता हुआ किशोर अचानक काउंटर के पास आया और फ्रैंकी के कंधे को धक्का दे दिया। उसने एक ढीली हरी टोपी पहन रखी थी।

"अरे यार, क्या तुम बीयर बेचते हो?"

“अंडे वहाँ हैं,” उस आदमी ने किशोर को नज़रअंदाज़ करते हुए कहा और युवाओं की भीड़ के पीछे एक फ्रिज में रखे शेल्फ की ओर इशारा किया। भीड़ में दाढ़ी-मूंछ और हेडबैंड पहने पुरुष, प्रिंटेड ड्रेस या नीले डेनिम शॉर्ट्स पहने महिलाएं थीं, जिनमें से कई ने जूते नहीं पहने थे। दुकान का फर्श कीचड़ भरे पैरों के निशानों से भरा हुआ था।

“अंडों के साठ सेंट।” उस आदमी ने अपना चश्मा ऊपर किया। “क्या तुम्हारे पास साठ सेंट हैं, दोस्त?”

किसी ने चीख मारी, “मैं बहुत नशे में हूँ!” और बाकी सबने सहमति में ज़ोर से आवाज़ लगाई। ऊपर छत का पंखा घूम रहा था। फ्रैंकी ने अपनी जेब में हाथ डाला और लड़खड़ाते हुए अपनी एड़ियों पर खड़ा हो गया। उसे अपनी पीठ पर मुलायम कवर में रखा गिटार महसूस हो रहा था, लेकिन अब उसे अपने सामने खड़ा आदमी दिखाई नहीं दे रहा था। उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी गुब्बारे के बीच में फंसा हो जिसे बाहर से निचोड़ा जा रहा हो।

“ये लो,” फ्रेंकी ने अपने हाथों में रखे नोटों के बंडल में से बीस डॉलर का नोट निकालते हुए धीरे से कहा।

“क्या मुझे एक मिल सकता है?” किशोर ने पूछा।

फ्रेंकी ने एक और बिल गिरा दिया।

“मुझे बीस बियर चाहिए!” किशोर ने घोषणा की।

फ्रेंकी को अंडों का एक डिब्बा मिला और वह लड़खड़ाते हुए चला गया। उस आदमी ने उसके पीछे से आवाज़ लगाई, "क्या तुम्हें अपना बकाया चाहिए?" लेकिन फ्रेंकी चिपचिपी गर्मी की हवा में जाली वाले दरवाजे से बाहर निकल गया।

यह अमेरिका की बात है, साल 1969, अगस्त का महीना, न्यूयॉर्क राज्य, वुडस्टॉक नाम का तीन दिवसीय संगीत समारोह चल रहा था, जहाँ छह सौ एकड़ के डेयरी फार्म पर लगभग पाँच लाख लोग इकट्ठा हुए थे। फ्रैंकी, जो अब तैंतीस साल का था, लंबा और दुबला-पतला था, उसकी गहरी नीली आँखें, ऊँचे कंधे, बड़े हाथ और ठुड्डी व गालों पर हल्की दाढ़ी थी। संगीत की दृष्टि से, उस समय उसका जीवन 'लोंटानो' था—यानी दूर, या एक दूरी से—और उसकी लय इतनी अनियमित थी कि

मेरे लिए उसे शब्दों में बयां करना असंभव है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उसने समारोह के मंच के पीछे कुछ पिया या निगला था। मैं आपको यह नहीं बता सकता कि वह क्या था। मुझे शक है कि फ्रैंकी को खुद भी पता होगा।

कुछ ही देर में, मैं समझाऊंगा कि हमने अपनी कहानी को अब तक आगे क्यों बढ़ाया है, और वुडस्टॉक में फ्रैंकी की यात्रा उनके जीवन, उनके संगीत और ऑरोरा यॉर्क के साथ उनके प्रेम संबंध में एक महत्वपूर्ण मोड़ क्यों साबित हुई, वह छोटी लड़की जो पेड़ पर बैठी थी और जिसके पीछे उन्होंने अपनी जवानी का अधिकांश समय बिताया।

लेकिन सबसे पहले, मैं फ्रैंकी जैसी परिवर्तित अवस्था में होने के बारे में कुछ कहना चाहता हूँ। इससे आप मेरे करीब नहीं आते।

इससे मुझे चक्कर आने लगते हैं।

सदियों से संगीतकार मुझे सुई की नोक पर या पेय के तल में खोजने की कोशिश करते रहे हैं। यह एक भ्रम है। और इसका अंत अक्सर बुरा होता है।

मेरे प्रिय रूसी शिष्य, मोडेस्ट मुसोर्स्की का उदाहरण लीजिए। 1881 में, वे सेंट पीटर्सबर्ग के एक शराबखाने में औंधे मुंह पड़े थे। इस शख्स ने कभी अद्भुत रचनाएँ रची थीं, जैसे 'पिचर्स एट एन एग्जिबिशन' और 'नाइट ऑन बाल्ड माउंटेन' (जिसे बाद में 'फैंटेसिया' नामक एक एनिमेटेड फिल्म के माध्यम से प्रसिद्धि मिली)। शराब के नशे में उन्होंने कुछ भी नहीं रचा, क्योंकि उनका मानना था कि शराब ने उन्हें कलाकार बना दिया है। उनकी मृत्यु बयालीस वर्ष की आयु में हुई।

मैं वहां उनकी प्रतिभा को इकट्ठा करने के लिए गया था।

मैं अपनी प्रिय बिली हॉलिडे के अस्पताल में मृत्युशय्या पर मौजूद था, जो महज चौवालीस वर्ष की थीं और शराब पीने से उनका जिगर खराब हो गया था; मैं अपने विलक्षण जैज़ सैक्सोफोनिस्ट चार्ली पार्कर के होटल के कमरे में मौजूद था, जिनकी मृत्यु तीस के दशक के मध्य में हुई थी, लेकिन उनका शरीर ड्रग्स से इतना क्षत-विक्षत था कि फोरेंसिक विशेषज्ञों ने उन्हें साठ वर्ष का समझा था।

बैंड लीडर टॉमी डोर्सी की नींद में दम घुट गया जब वे 51 साल के थे, इतनी ज़्यादा गोलियां खा लेने के कारण वे जाग नहीं पाए। जॉनी एलन हेंड्रिक्स (जिन्हें आप जिमी कहते थे) ने मुट्ठी भर बार्बिट्यूरेट्स निगल लिए और उनकी मृत्यु हो गई। वे 27 साल के थे।

यह विचार नया नहीं है कि किसी पदार्थ में आपको एक शुद्ध कला मिलेगी। लेकिन यह भोलापन है। मैं पहले अंगूरों के किण्वन से पहले अस्तित्व में था। पहली व्हिस्की के आसवन से पहले। चाहे अफीम हो या एब्सिन्थे, मारिजुआना हो या हेरोइन, कोकीन हो या एक्स्टसी या जो भी इसके बाद आए, आप अपनी अवस्था बदल सकते हैं, लेकिन इस सत्य को नहीं बदल सकते: मैं संगीत हूँ। मैं आपके भीतर हूँ। मैं किसी पाउडर या वाष्प के पीछे क्यों छिपूँ?

क्या आप मुझे इतना तुच्छ समझते हैं?

लेकिन चलिए फ्रैंकी की उस बेसुध यात्रा पर लौटते हैं, जो एक कीचड़ भरे डेयरी फार्म से होकर गिटार और एक दर्जन अंडे लेकर गुज़र रही थी। सैंटाना नाम का एक बैंड दूर मंच पर प्रदर्शन कर रहा था, और मुख्य गायक की आवाज़ मानो आकाश से आ रही थी:

तुम्हें अपनी बुरी आदतें बदलनी होंगी... बेबी

फ्रेंकी रास्ता भटक गया था। सूर्योदय से ठीक पहले उसने जो रसायन ग्रहण किए थे, उनके कारण वह संगीतकारों के क्षेत्र से बहुत दूर भटक गया था। उसे बस इतना ही याद था:

वह अपनी पत्नी ऑरोरा यॉर्क के साथ थे, जो अब उनकी पत्नी थीं, और वह सूती कंबल पर सो रही थीं, अपने पहले बच्चे की गर्भवती थीं। वह उन्हें जगाना नहीं चाहते थे, लेकिन उन्होंने जगा दिया।

“फ्रांसिस्को?”

“ऑरोरा,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

इसका मतलब है भोर।

"मुझे पता है।"

“मुझे भूख लगी है, फ्रांसिस्को। अगर तुम मुझसे प्यार करते हो, तो मुझे नाश्ता दिला दो।”

उसने आंखें सिकोड़ीं और मुस्कुराई। फ्रेंकी ने उसे वहीं रुकने को कहा, वह कुछ

अंडे लाकर उसके लिए पकाएगा। लेकिन उसके बाद, सब कुछ धुंधला सा हो गया। और अब, किराने की दुकान के बाहर, उसे ठीक से याद नहीं था कि कितना समय बीत चुका है।

क्या वह एक परी थी?
मुझे ऐसा नहीं लगता, उस्ताद।
क्या उसकी आंखें अजीब थीं?
"हाँ।"
"क्या वह दयालु और मददगार थी?"
"हाँ।"
वह एक परी थी।

एल मास्ट्रो की आवाज़, जो अक्सर उसके दिमाग में गूंजती रहती थी, को दूर करने के लिए उसने अपना सिर हिलाया। उसने उस मंच क्षेत्र को खोजने की कोशिश की जहाँ उसने अरोरा को छोड़ा था, लेकिन उसे केवल दर्शकों का एक विशाल समूह दिखाई दिया, जिनमें से कुछ चलते समय धूमकेतु की पूंछ जैसे लग रहे थे। वह स्लीपिंग बैग और कंबलों के ऊपर से लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ा।

लाउडस्पीकरों पर एक आदमी की आवाज गूंज उठी।

“हमें कुछ घोषणाएँ करनी हैं, दोस्तों... ठीक है, ये बहुत बढ़िया है... न्यूयॉर्क स्टेट थ्रूवे बंद है! हमने थ्रूवे बंद कर दिया है, यार!”

तालियों की गड़गड़ाहट गूंजी और फ्रेंकी ने अपना सिर घुमाया। चारों ओर शोर बहुत ज़्यादा था। जश्न में हाथ मिलाते लोगों के बीच, वह अंडे के डिब्बे को तब तक घूरता रहा जब तक उसके कानों में संगीत की आवाज़ नहीं सुनाई दी।

भगवान जानता है कि तुम्हें बदलना ही होगा...

वह लड़खड़ाते हुए उस आवाज़ की ओर बढ़ा, मुझे दिशासूचक यंत्र की तरह इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा था, और यह याद करने की कोशिश कर रहा था कि उसे कब और किस बैंड के साथ प्रदर्शन करना था।

18

1946

[redacted]

कुछ तो बजाओ। खेलो।

फ्रेंकी ने ऊपर देखा। वह दस साल का था, फटे-पुराने कपड़े पहने, इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर स्थित साउथेम्प्टन बंदरगाह के बंदरगाह पर, लंदन से दो घंटे दक्षिण में, अपने खुले गिटार के डिब्बे के पास बैठा था। तभी पतली मूंछों वाला एक फ्रांसीसी भाषी व्यक्ति उसके पास आया।

“जोउ,” उस आदमी ने अपनी कलाई हिलाते हुए फिर कहा। “पोम्पे।”

"क्षमा करें महोदय?"

“पोम्पे। तुम्हारा गिटार। बिल्कुल वैसा ही।”

उस आदमी ने सीने को खुजलाने जैसी हरकत की। अंधेरा हो चुका था, और फ्रैंकी ने अपने थैले में रखे दो सिक्कों पर नज़र डाली। ये एक आलू खरीदने के लिए भी काफी नहीं थे, जो उसने सुबह से खाया था। जहाज़ रात के लिए किनारे पर आ चुके थे। यह अजनबी ही उसकी आखिरी उम्मीद था।

“जी सर। मुझे भूख लगी है। मैं एक शिलिंग के लिए एक गाना गा सकता हूँ।”

उस आदमी ने सिगरेट का कश लिया और अपनी जेब से एक सिक्का निकाला।

“जोउ,” उसने शब्द छोड़ते हुए कहा। “कुछ खुशी की बात है, हाँ?”

कुछ सुखद। यह विचार भी फ्रैंकी के लिए अजीब सा लग रहा था। उस जहाज से स्पेन छोड़े हुए उसे एक साल से ज़्यादा हो गया था। तीन दिन डेक के नीचे बिताने के बाद, उसे रात में जगाया गया और एक गंदे लाल कंबल के नीचे रेंगने के लिए कहा गया।

“आपकी सुरक्षा के लिए,” नाविकों में से एक ने कहा।

“मेरे शिक्षक कहाँ हैं?”

"वो आ रहा है।"

“मेरा गिटार—”

हम आपका सामान ला रहे हैं। यह एक मजेदार खेल है, है ना?

मुझे एल मेस्ट्रो चाहिए!

“अपनी आवाज़ धीमी करो! ऐसे खेलते हैं। तुम छिपते हो और फिर वो तुम्हें ढूंढ लेता है।”

"लेकिन-"

“चुप रहो! अगर तुम बोलोगे तो वह नहीं आएगा!”

फ्रेंकी ने गहरी सांस ली और दुनिया अंधेरी हो गई। उस कंबल में लिपटा हुआ, दो आदमी उसे नाव से नीचे ले गए। उसने पानी की छप-छप, लकड़ी के चरमराने की आवाज़, पाल फड़फड़ाने की आवाज़ और अपनी तेज़ होती सांसों की आवाज़ सुनी। उसे एक सख्त सतह पर लिटाया गया और गिटार का डिब्बा कंबल के नीचे सरका दिया गया। उसने एक हाथ से उसे पकड़ लिया, मानो वही उसे बचाए रखेगा।

“तुम्हारा शिक्षक जल्द ही आ रहा है,” एक नाविक ने फुसफुसाते हुए कहा। “जब तक तुम उसकी आवाज़ न सुन लो, तब तक कंबल में ही रहना।”

ज़ाहिर है, उनके शिक्षक कभी नहीं आए। न ही कोई और आया। नाविकों ने उन्हें इस ब्रिटिश बंदरगाह पर छोड़ दिया, और बीते महीनों में, युवा फ्रांसिस्को प्रेस्टो प्रतिभाशाली पूर्ववर्तियों की लंबी कतार में शामिल हो गए, जो अपने संगीत के ज़रिए अपना पेट भरने के लिए भीख मांगते थे। यह सिलसिला कितना पुराना है? मेरे इतालवी बैरोक गिटार वादक फ्रांसेस्को कॉर्बेटा को सत्रहवीं शताब्दी में फ्लोरेंस की सड़कों पर बजाना पड़ता था; तीन सौ साल बाद, इरविंग बर्लिन मैनहट्टन के लोअर ईस्ट साइड में कौड़ियों के लिए गाते थे। आपको मेरे बच्चों के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर शर्म आनी चाहिए, वे तो जूठे टुकड़ों के लिए भीख मांगने वाले कुत्तों से भी बदतर हैं।

फ्रेंकी, अपने हमेशा साथ रहने वाले गिटार के साथ, इन बंदरगाहों से बाहर शायद ही कभी जाता था। उसे उस नोट से पता चला था कि उसे अमेरिका में अपनी चाची

को ढूंढना है। लेकिन तस्करों ने उसका पैसा ले लिया था, इसलिए अब यह नामुमकिन था। हर रात वह सपना देखता कि एल मास्ट्रो एक जहाज से उतर रहे हैं, जिनके साथ कोंगा वादक अल्बर्टो है; फ्रेंकी दौड़कर अपने गुरु के पास जाता, उनका हाथ पकड़ता और वह अंधा आदमी पूछता, "फ्रांसिस्को, क्या तुम अभ्यास कर रहे हो?" और सब कुछ फिर से ठीक हो जाता। इसलिए वह लड़का इस बदबूदार बंदरगाह में इंतज़ार करता रहा, यात्रियों के लिए गिटार बजाता, और अगर वे चाहते तो नाचता भी। वह संगीतकार से कलाकार बन गया, और कुछ दिन उसे खाना मिलता और कुछ दिन नहीं।

अब उसने गिटार को अपने पतले घुटने पर टिकाया। उसके नाखून छोटे रखने के लिए चबाने के कारण टेढ़े-मेढ़े हो गए थे। कुछ खुशनुमा सा। उसने बेल्जियम में जन्मे डजैंगो रेनहार्ड्ट का एक जोशीला गाना चुना, जिसका नाम था "बिल्लेट्स डौक्स"। डजैंगो रेनहार्ड्ट एक मशहूर जिप्सी थे, जिन्हें यूरोप का सबसे महान जैज़ गिटारिस्ट माना जाता था। (एल मेस्ट्रो ने एक बार उनके बारे में कहा था, "वे इस धरती के नहीं हैं।")

वह गाना तेज और जीवंत था, जैसे कोई बच्चा उछल-कूद कर रहा हो, और उसमें फ्रेंकी का पूरा ध्यान लगा हुआ था—इसलिए जब वह गाना बजा रहा था, तो उसने फ्रांसीसी व्यक्ति के हैरान चेहरे पर ध्यान नहीं दिया, और न ही उसके होठों से सिगरेट गिरते हुए देखा।

“इस गाने का नाम क्या है?” उसने पूछा।

“‘बिललेट्स डूक्स’”

इसे किसने लिखा है?

“जैंगो रेनहार्ड्ट।”

“वह कौन है?”

“एक बेहतरीन गिटार वादक।”

"क्या मतलब? 'बिलेट्स डौक्स'?"

मुझे नहीं पता। मुझे बस नाम पता हैं।

तुम अच्छे से खेलो।

"धन्यवाद महोदय।"

“तुम्हारी माँ कहाँ है?”

“मृत, महोदय।”

“पापा, तुम कहाँ हो?”

मुझे नहीं पता, महोदय।

उस आदमी ने एक और सिगरेट जलाई और पानी की ओर देखा।

मैं यात्रा पर जाता हूँ। बहुत दूर।

आप भाग्यशाली हैं, महोदय।

मैं जाना नहीं चाहता/चाहती।

“क्यों नहीं, महोदय?”

“बच्चा पैदा करो। तुम्हारे जैसा लड़का।”

"यह अच्छी बात है, महोदय।"

“बच्चा मर गया। दो महीने पहले। घूमने जाने का मन नहीं है।” उसने रेलिंग पर हाथ पटका। “कुछ भी करने का मन नहीं है।”

फ्रेंकी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे। पानी लकड़ी के खंभों से टकरा रहा था।

“क्या आप फ्रेंच बोलते हैं?” उस आदमी ने अचानक पूछा।

"नहीं, महोदय। बस अंग्रेजी।"

तुम अंग्रेज नहीं हो।

जी हाँ, मैं हूँ।

"क्या आप स्पेनिश बोलते हैं?"

फ्रेंकी ने कोई जवाब नहीं दिया।

“बुएनो,” उस आदमी ने फिर भी कहा, और उसके बाद से वह टूटी-फूटी स्पैनिश में बोलने लगा। “तो अब आप असल में कहाँ से हैं?”

फ्रेंकी ने कंधे उचका दिए।

“स्पेन, हाँ? कौन सा हिस्सा?”

मैं अब वहां का निवासी नहीं हूं।

उस आदमी ने फ्रैंकी के गिटार केस पर अपना पैर पटका।

“मेरी बात सुनो। मुझे जहाँ जाना है, वहाँ मुझे अंग्रेजी बोलने वाले किसी व्यक्ति की ज़रूरत है। मेरी अंग्रेजी अच्छी नहीं है।”

"इसलिए?"

“आपकी अंग्रेजी अच्छी है। आप आ सकते हैं? मेरे शब्दों का अनुवाद कर सकते हैं? फिर शायद मैं जाऊं।”

"नहीं धन्यवाद।"

मैं तुम्हें भुगतान करता हूँ।

"नहीं धन्यवाद।"

"तुम्हें बिस्तर दे दूंगा।"

"नहीं धन्यवाद।"

“तुम्हें खाना देंगे।”

"तुम क्यों जा रहे हो?"

संगीत बनाना।

“आप संगीतकार हैं?”

"हां। शायद आपके जितना अच्छा नहीं।"

उस आदमी ने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाया और फ्रेंकी के गिटार की ओर इशारा किया।

मुझे कोशिश करने दीजिए।

इसे मत तोड़ो।

उस आदमी ने अपने कंधे पर बंधी पट्टी को ठीक किया। उसने अपना बायां हाथ गर्दन पर रखा। तभी फ्रेंकी ने देखा कि उस आदमी की उंगलियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त थीं; उनमें से दो बुरी तरह कटी हुई थीं, और केवल उसकी पहली और दूसरी उंगलियां ही फ्रेट्स के साथ सीधी रेखा में थीं।

“यह एक अच्छा गिटार है।”

"मुझे पता है।"

“तुम्हें ये तारें कहाँ से मिलती हैं?”

"मेरे शिक्षक।"

वे किससे बने हैं?

"मुझें नहीं पता।"

वह ऐसे गुर्राया जैसे मखमल को सहला रहा हो। "शानदार।"

“क्या तुम सच में खेलते हो?” दो उंगलियां देखकर फ्रेंकी को संदेह हुआ।

“मैं ‘बिल्लेट्स डूक्स’ आज़माता हूँ,” उस आदमी ने कहा।

उसने अपनी ठुड्डी घुमाई, गहरी साँस छोड़ी, फिर वही गाना बजाया—लेकिन इतनी तेज़ी से कि फ्रैंकी की साँसें रुक गईं। उस आदमी की दो उंगलियाँ गिटार के फ्रेट्स पर तेज़ी से दौड़तीं, एक सुर थामतीं और फिर कई दूसरे सुरों पर झपटतीं, मानो तेल फ़नल से बह रहा हो, वैसे ही सप्तक प्रवाह फैलातीं। उन दो उंगलियों ने पाँच उंगलियों से भी ज़्यादा संगीत रचा, और उसने कॉर्ड्स की एक तेज़ लय के साथ समाप्त किया, उसी "पंप" तकनीक का इस्तेमाल करते हुए जिसे वह समझाने की कोशिश कर रहा था, एक तालबद्ध स्ट्रम् जिससे गिटार की आवाज़ ट्रेन के इंजन जैसी लग रही थी।

“ ‘बिललेट्स डूक्स,’ है ना?” फ्रांसीसी ने गिटार वापस देते हुए कहा। “इसका मतलब है ‘प्रेम पत्र’।”

"आप यह कैसे जानते हैं?"

मैं इसे लिखता हूँ।

उस आदमी ने पहली बार मुस्कुराया, उसकी मूंछें ऊपर उठ गईं।

मैं जैंगो हूँ।

"आप?"

“हां। मैंने अभी-अभी तो यही कहा था।”

फ्रेंकी ने गिटार उठाया। उसके रोंगटे खड़े हो गए।

तुम्हारे हाथों को क्या हुआ?

"एक आग।"

"क्या तुम जल गए?"

"जब मैं युवा था।"

“क्या आप दो उंगलियों से खेलते हैं?”

मैं इससे खेलता हूँ।

उसने अपने दिल के पास अपनी छाती को छुआ।

फ्रेंकी को यकीन नहीं हो रहा था। उसने कपड़े धोने वाले कमरे के ऊपर वाले फ्लैट में एल मेस्ट्रो के बगल में बैठकर इस आदमी की रिकॉर्डिंग कितनी बार सुनी थी, दोनों ही एक ऐसे गिटारवादक की कल्पना करते थे जिसके हाथ बड़े और ताकतवर हों और जिसकी पहुंच अद्भुत हो। यह पहली बार था जब मेरे बच्चे को एहसास हुआ कि एक इंसान के शरीर और उसके द्वारा रचे गए संगीत के बीच कितना गहरा अंतर है।

“तुम बंजारे हो?” जैंगो ने फ्रैंकी से पूछा।

"नहीं।"

“मैं बंजारा हूँ। मेरे साथ आओ, मैं तुम्हें बंजारे की तरह खेलना सिखाता हूँ।”

फ्रेंकी ने अपने निचले होंठ को काट लिया। उसे बहुत भूख लगी थी। और ये थे जैंगो रेनहार्ट!

"कब?"

हम सुबह निकलेंगे।

"कल सुबह?"

"हाँ।"

"इतनी जल्दी क्यों?"

मैं बैंड के साथ बजाता हूँ। वे मेरा इंतजार कर रहे हैं।

“कौन सा बैंड?”

ड्यूक एलिंगटन।

“ड्यूक एलिंगटन?”

“ओई।”

"कहाँ?"

“अमेरिका।”

फ्रेंकी कांप उठा। अमेरिका? जहाँ उसकी चाची रहती थी?

जैंगो ने अपनी हथेली आगे बढ़ा दी।

“तुम जाओ, मैं जाऊं?”

“ठीक है,” फ्रेंकी ने कहा।

उन्होंने हाथ मिलाया। फ्रेंकी ने अपने गिटार की ओर देखा।

नीचे वाली डोरी नीली पड़ गई थी।

19

1969

“व्हिप, व्हॉप! व्हिप, व्हॉप! वूऊऊ!”

वुडस्टॉक में जैसे ही सूरज डूब रहा था, फ्रेंकी चीखते, नाचते और ढोल बजाते दर्शकों के एक बड़े समूह के पास से गुजरे।

“व्हिप, व्हॉप! व्हिप, व्हॉप! वूऊऊ!”

कुछ ने पोंचो पहन रखे थे, कुछ बिना कमीज़ के थे, और दो गोरे आदमी, जो शायद भाई थे, ने अपने गले में हरे तौलिए लपेट रखे थे जैसे कि कोई लबादा हो। वे मंत्रोच्चार करते हुए एक बोतल एक-दूसरे को दे रहे थे। एक भाई ने बोतल फ्रेंकी को दी और उसे पीने का इशारा किया।

“व्हिप, व्हॉप, मैन!”

फ्रेंकी ने एक घूंट लिया।

“कोड़े की तरह, धड़ाधड़,” उसने कहा।

“शामिल हो जाओ! खेलो!”

उस आदमी ने फ्रेंकी के गिटार की ओर इशारा किया।

“चलो यार, हमें झूमने पर मजबूर कर दो!”

“हमें झूमने पर मजबूर करो! हमें झूमने पर मजबूर करो!” भीड़ नारे लगाने लगी। ढोल बजना जारी रहा।

“अरे, मैं तुम्हें जानता हूँ! तुम फ्रेंकी प्रेस्टो हो!”

वाह!

"वास्तव में?"

"कौन?"

“फ्रैंकी प्रेस्टो, यार! हिलाओ, हिलाओ! याद है?”

फ्रेंकी, अपनी धुंधली चेतना में भी, भागने की सहज प्रवृत्ति महसूस करने लगा। तुम फ्रेंकी प्रेस्टो हो! किसी के ऐसा कहने पर उसे दूर हट जाना चाहिए था।

“हिलाओ, हिलाओ, फ्रेंकी! हिलाओ, हिलाओ, फ्रेंकी!” उन्होंने बोतल एक-दूसरे को दी और ढोल बजाए और अब वे सब मिलकर उसे बुला रहे थे। “हिलाओ, हिलाओ, फ्रेंकी!” वह मुड़ा और लड़खड़ाते हुए चला गया, उसे “बू!”, “नहीं!”, “आह!” और “वह घबरा रहा है” जैसी आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। उसका दिल तेज़ी से

धड़क रहा था और जैसे ही वह सुरक्षित दूरी पर पहुँचा, वह पीले रंग की बसों के एक इलाके में कीचड़ भरे मैदान पर गिर पड़ा, हर बस पर रंग-बिरंगे संदेश लिखे हुए थे। उसने गहरी साँसें लीं, अंदर-बाहर, और अपने कानों से आसमान में गूंजते संगीत को सुनने की कोशिश की, एक और बैंड जिसे वह सुन तो सकता था लेकिन देख नहीं सकता था, कैन्ड हीट, जो "गोइंग अप द कंट्री" नाम का कोई गाना गा रहा था। क्या वह बांसुरी थी? फ्रेंकी ने सोचा। हाँ। बांसुरी।

"अरे यार," एक महिला की आवाज आई, "आराम से रहो।"

उसने मुड़कर देखा तो एक आकर्षक, काले बालों वाली महिला बैंगनी रंग की वैन के अंदर बैठी थी। उसने बिना आस्तीन का नारंगी टॉप और डेनिम शॉर्ट्स पहने थे, उसकी त्वचा सांवली थी और उसके पैरों के नाखून अलग-अलग रंगों से रंगे हुए थे। उसे देखकर उसे अरोरा की याद आ गई। उसने अरोरा को आखिरी बार कहाँ देखा था? अंडों के पास। उसे अरोरा के लिए अंडे ले जाने ही थे। अगर तुम मुझसे प्यार करते हो, तो मेरे लिए नाश्ता लाओगे।

"आपका नाम क्या है?" महिला ने पूछा।

"फ्रेंकी।"

"इधर आओ, फ्रेंकी..." उसने कहा।

20

1946

"इधर आओ, फ्रांसिस्को," जैंगो चिल्लाया। "वे आ गए हैं!"

फ्रेंकी दौड़कर उस फ्रांसीसी व्यक्ति के पास पहुँचा, जिसने लाल रंग का एस्कॉट

और नीले रंग का स्पोर्ट्स कोट पहना हुआ था और जो न्यूयॉर्क शहर के ग्रैंड सेंट्रल रेलवे स्टेशन के गेट के पास खड़ा था। फ्रेंकी टर्मिनल की ऊपरी खिड़कियों से छनकर आती धूप की किरणों के बीच उछल-कूद कर रहा था। उसने इतनी ऊँची दीवारें पहले कभी नहीं देखी थीं। नौ साल की उम्र तक फ्रेंकी की दुनिया विलारियल की गलियों में ही शुरू और खत्म होती थी। साउथेम्प्टन के बंदरगाहों पर यह और भी फैल जाती थी। लेकिन अमेरिका में कदम रखते ही उसकी दुनिया पूरी तरह बदल गई। उसने जो कुछ भी देखा, वह पहले से कहीं अधिक बड़ा और भव्य था। गाड़ियाँ। इमारतें। लोगों के बैग। उनके पहने हुए टोपियाँ।

“देखो, फ्रांसिस्को। क्या वो वही है?”

यात्रियों की भीड़ में से फ्रेंकी ने दो अजनबियों को पास आते देखा, जिनमें से एक लंबा, आकर्षक व्यक्ति था जिसकी पतली मूंछें थीं और बाल पीछे की ओर कंघी किए हुए थे। फ्रेंकी ने उसका चेहरा एक रिकॉर्ड एल्बम पर देखा था। ऐसा लगा जैसे कागज़ जीवंत हो उठा हो।

"महाशय जैंगो, मेरा अनुमान है?" ड्यूक एलिंगटन ने हाथ बढ़ाते हुए कहा।

"महामहिम ड्यूक, आपको बहुत खुशी होगी।"

फ्रेंकी अवाक रह गया। उसे वह रात याद आ गई जब एल मेस्ट्रो ने उसे ड्यूक एलिंगटन का रिकॉर्ड बार-बार बजाने के लिए मजबूर किया, जब तक कि उसने यह नहीं कह दिया कि वे फोनोग्राफ अपने पास रख सकते हैं।

जैंगो ने फ्रैंकी के कंधे को छुआ और धीरे से "चावो" (जिप्सी भाषा में "लड़का" शब्द) कहा, फिर अपनी स्पेनिश-फ्रेंच मिश्रित भाषा में बड़बड़ाने लगा। फ्रैंकी ने उन शब्दों को अंग्रेजी में दोहराया।

“श्री जैंगो का कहना है कि आपसे मिलकर और आपके ऑर्केस्ट्रा के साथ प्रस्तुति देकर वे बहुत उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रहे हैं,” फ्रेंकी ने कहा। “साथ ही, वे डिज़ी गिलेस्पी को कहीं बजाते हुए सुनना चाहेंगे।”

"और आप, युवा सरदार?" ड्यूक एलिंगटन ने मुस्कुराते हुए पूछा।

“हं?”

“क्या तुम उसके बेटे हो?”

“नहीं। मैं...” फ्रैंकी को पता नहीं था कि वह क्या है। “मैं उसका बातूनी हूँ।”

“बहुत खूब, बातूनी। उसे बता दो कि हम एक घंटे में क्लीवलैंड के लिए रवाना हो

रहे हैं।”

फ्रेंकी ने वैसा ही किया जैसा कहा गया था, हालाँकि उसे क्लीवलैंड शब्द नहीं पता था इसलिए उसने बस "क्लीवलैंड" कह दिया। ड्यूक एलिंगटन के साथ मौजूद व्यक्ति ने कहा, "मैं श्री रेनहार्ड्ट का गिटार उठा सकता हूँ।"

“यह मेरा है,” फ्रेंकी ने कहा।

“मिस्टर रेनहार्ड्ट का घर कहाँ है?”

वह एक भी नहीं लाया।

“वह गिटार नहीं लाया?”

फ्रेंकी ने अनुवाद किया। जैंगो शर्मिंदा और लगभग गुस्से में दिख रहा था। उसने शब्दों की झड़ी लगा दी।

"उसका कहना है कि उसे लगा था कि यहां कोई उसे एक दे देगा।"

क्लीवलैंड जाने वाली ट्रेन में फ्रैंकी इतना उत्साहित था कि चैन से बैठ ही नहीं पा रहा था। उसने नया कोट पहना हुआ था जो जैंगो ने स्टेशन की एक दुकान से खरीदा था। और वह संगीतकारों के साथ सफर कर रहा था! उसने प्लेटफार्म पर उनके सामान को देखकर अचंभित हो गया—तुरही, ढोल, एक बास। कुछ ने अपने बक्से खोले और उसके लिए कुछ धुनें बजाईं।

“आप लोग क्या खेलते हैं?” फ्रेंकी ने पुरुषों के एक समूह से पूछा।

उन्होंने उत्तर दिया, "सैक्सोफोन।"

“क्या आप सभी एक ही वाद्य यंत्र बजाते हैं?”

“टेनर।”

“ऑल्टो।”

बैरिटोन।

फ्रेंकी दंग रह गया। संगीतकारों ने फ्रेंकी को अलग-अलग तरह के वाद्य यंत्र पकड़ने दिए, सुनहरे रंग के, चांदी के रंग के, एक लंबा ट्रॉम्बोन जिसमें आगे-पीछे खिसकने वाला वाल्व लगा था। उसे ऐसा लगा जैसे किसी ने खजाने की पेटी खोल दी हो। सबसे अच्छी बात यह थी कि उसे टूर का कार्यक्रम दिया गया था, और उस पर

फ्रेंकी ने डेट्रॉइट शब्द पढ़ा। यही वह शहर था! वही शहर जो उसके गिटार केस में रखे कपड़े के टुकड़े पर बना था! वह अपनी चाची को ढूंढ लेगा और वह उसे स्पेन, पापा और उस्ताद के पास वापस जाने में मदद करेंगी।

वह अपने रास्ते पर वापस लौट आया था।

फ्रेंकी को एक अजीब सी खुशी का एहसास हुआ, जो उसे विलारियल के बाद से कभी नहीं हुआ था। उसके पेट में एक गुदगुदी सी हो रही थी जिससे वह अगले दिन के लिए बेचैन हो गया था। उसे स्लीपिंग कार में नीचे की बर्थ दी गई थी, लेकिन एक भारी-भरकम तुरही वादक के बगल में खड़े होकर फ्रेंकी ने अचानक कहा, "क्या मुझे ऊपर वाली बर्थ मिल सकती है?"

“बिल्कुल,” उस आदमी ने कहा। “मुझे चढ़ाई करने की कोई ज़रूरत नहीं है।”

फ्रेंकी झट से उठ खड़ा हुआ और गद्दे पर उछलने लगा। उसने अपने हाथ सिर के पीछे रख लिए। ट्रेन अचानक आगे बढ़ी और गड़गड़ाहट करने लगी, तभी उसे संगीतकारों की हल्की हंसी और किसी के गुनगुनाने की आवाज़ सुनाई दी। उसे इन आदमियों का दोस्ताना व्यवहार अच्छा लगा, जो स्पेन के आदमियों से ज़्यादा बच्चों जैसे थे। उनके नाम भी बचकाने थे, जैसे "कैट", "टैफ्ट" और "शॉर्टी"। अपने बंक पर लेटे हुए फ्रेंकी मुस्कुराया।

वह एक और बैंड में शामिल हो गया था, और इस बैंड में वह बिना कोई वाद्य यंत्र बजाए ही शामिल हो गया था।

उस रात, जैंगो फ्रैंकी के कमरे को देखने वापस आया। संगीतकार सोने के लिए कपड़े पहन रहे थे, और जैंगो ने देखा कि उन सभी ने रंगीन फूलों के पैटर्न वाली ढीली-ढाली अंडरवियर पहनी हुई थी।

“तुम क्या इस्तेमाल कर रहे हो?” उसने हंसते हुए कहा।

“वह जानना चाहता है कि तुमने क्या पहना है,” फ्रेंकी ने कहा।

वे लोग आश्चर्यचकित प्रतीत हुए।

"क्या उसने पहले कभी अच्छे अंडरवियर नहीं देखे?"

“तुम पागल हो,” जैंगो ने अचानक कहा।

वह कहता है कि तुम पागल हो।

“हमने सुना।”

"हमारे पास कोई छोटा-सा अनुवादक नहीं है।"

"जाकर ड्यूक को बताओ।"

फ्रेंकी, डजैंगो के पीछे-पीछे उस डिब्बे में गया जिसे वह मिस्टर एलिंगटन के साथ साझा करता था। अंदर जाते ही उन्होंने देखा कि बैंडलीडर भी कपड़े उतार रहा था। डजैंगो यह देखकर दंग रह गया कि उसके अंतर्वस्त्र और भी भड़कीले थे, जिन पर दिल और फूलों के रंगीन पैटर्न बने हुए थे।

“क्या कुछ गड़बड़ है?” ड्यूक ने पूछा।

“नहीं, नहीं,” जैंगो ने कहा।

वह फ्रेंकी की ओर झुका और फुसफुसाते हुए स्पेनिश में बोला, "चावो, यह एक अजीब देश है।"

21

1969

[redacted]

“क्या तुम ये अंडे पकाओगी?” वैन में बैठी महिला ने कहा। उसने नीले रंग का आईशैडो लगाया हुआ था, होंठों पर लिपस्टिक लगी थी और गले में तीन हार लटके हुए थे।

“इन्हें पकाऊं?” फ्रेंकी ने डिब्बे की ओर देखा। “हाँ।”

"कहाँ?"

उसने संगीत की दिशा की ओर इशारा किया—या यूं कहें कि जिस दिशा में उसे संगीत की आवाज सुनाई दे रही थी, उस ओर इशारा किया।

"वहां पीछे की तरफ।"

"आप कहाँ से हैं?"

"मुझे?"

“हाँ, सुंदर।” वह मुस्कुराई। “तुम।”

आम तौर पर जब कोई यह सवाल पूछता था, तो फ्रेंकी कैलिफोर्निया कहता था। इस बार उसने कहा, "स्पेन।"

“वाह! क्या बात है! आप संगीत सुनने आए हैं?”

इसे खेलने के लिए।

"स्टेज पर?"

"हाँ।"

आप अभी मंच से बहुत दूर हैं।

मेरे पास ये अंडे हैं।

"आप ने कहा कि-"

"नाश्ते के लिए।"

क्या आप सचमुच स्पेन से हैं?

"हाँ।"

"आप मजाक कर रहे हैं।"

उसके घुटने लड़खड़ाने लगे। उसने वैन के दरवाजे का सहारा लेकर खुद को संभाला।

आप अंदर क्यों नहीं आते?

"कहाँ?"

"मेरे बगल में।"

फ्रेंकी अंदर चला गया। उसने खुद से कहा कि वह सिर्फ एक मिनट के लिए ही रुकेगा।

“तुम यहाँ कैसे आए?” उसने पूछा।

मैं दुकान से पैदल चलकर निकला।

“नहीं,” वह हंस पड़ी। “आपने कहा था कि आप स्पेन से हैं। आप यहां कैसे आए?” उसने अपनी बाहें फैलाईं। “अमेरिका।”

फ्रेंकी ने अपना सिर एक बड़े कढ़ाईदार तकिए पर टिका दिया। उसने उसे सिगरेट बनाते हुए देखा।

उन्होंने कहा, "एक बैंड के साथ।"

22

1946

एलिंगटन बैंड ने तीन महीने का दौरा किया। इस दौरान, फ्रैंकी ने अपनी पहली गाय (ट्रेन की खिड़की से) देखी, पहली बार हाथ से बनी आइसक्रीम खाई और पहली बार एक अमेरिकी सिनेमाघर देखा। उसने डजैंगो से जिप्सी गिटार की तकनीकें सीखनी जारी रखीं और स्पेनिश-फ्रेंच भाषा को भी निपुणता से सीखा, जिसे उन्होंने मिलकर विकसित किया था। उसे यह भी पता चला कि डजैंगो के बच्चे का नाम जिमी था और कुछ ही हफ्तों में उसकी मृत्यु हो गई थी। डजैंगो ने अंतिम संस्कार में बाख, हैंडल और मोजार्ट की रचनाएँ बजाने का विकल्प चुना था और उस छोटे बच्चे को एक फ्रांसीसी कब्रिस्तान में दफनाया गया था। यह दूसरी बार था जब उसने एक विधिवत अंतिम संस्कार के बारे में सुना था (पहली बार के बारे में उसे ऑरोरा यॉर्क ने बताया था), और उसने सोचा कि डेट्रॉइट पहुँचने पर वह अपनी माँ की कब्र देखेगा।

उन्हें यह भी पता चला कि फ्रैंकी के साथ जाने की सहमति मिलने तक जैंगो अपनी अमेरिका की एकमात्र यात्रा रद्द करने को तैयार थे। एक लड़के के साथ यात्रा करने के विचार ने उनके बेटे की मृत्यु के बाद की यात्रा को कुछ हद तक सहनीय बना दिया। मैं सभी भविष्य देख सकता हूँ, वे भविष्य जो मेरी प्रतिभाओं से बनेंगे और वे भविष्य जिनसे वे मुंह मोड़ लेंगे (जैसे मैं कीबोर्ड पर सभी धुनें सुन सकता हूँ, वे जो बजाई जा चुकी हैं और वे जो अभी तक नहीं बजाई गई हैं) और मैं आपको बता सकता हूँ कि अगर फ्रैंकी वहाँ नहीं होता, तो जैंगो ने कभी अमेरिका का अनुभव नहीं किया होता, न ही उस तरह से जिसने उनके जीवन और कला को प्रभावित किया।

इसी वजह से जब वे मिले तो फ्रेंकी के निचले हिस्से का धागा नीला पड़ गया।

लेकिन हम उस पर बाद में बात करेंगे। पहले, उद्घाटन की रात की बात करते हैं। जब वे क्लीवलैंड पहुँचे, तो जैंगो को कॉन्सर्ट के लिए एक नया गिटार खरीदना पड़ा, जिससे वह बहुत गुस्सा हो गया। नए गिटार को ट्यून करते हुए उसने फ्रैंकी से कहा, "यह तो अन्याय है। मेरे लिए गिटार क्यों नहीं है? एक सेल्मर, जैसा मुझे पसंद है? मैं जैंगो हूँ। मुझे सोने का गिटार देना चाहिए।"

“तुम मेरा वाला खेल सकते हो,” फ्रेंकी ने कहा।

"हाँ?"

उसने नया वाद्य यंत्र नीचे रख दिया और फ्रैंकी से वाद्य यंत्र ले लिया। कुछ सुर बजाने के बाद वह रुक गया।

“बिल्कुल सही है। क्या आपने इसे ट्यून कर लिया है?”

"जी श्रीमान।"

जैंगो ने फ्रैंकी को ध्यान से देखा। “आज रात मैं तुम्हारा गिटार बजाऊंगा और सबको दिखाऊंगा कि मैं कौन हूं। लेकिन मैं इसे तुम्हें वापस दे दूंगा और तुम इसे कभी जाने मत देना। इसे कभी मत बेचना। इसे कभी मत खोना। इसे किसी को देकर यह उम्मीद मत रखना कि यह वापस आ जाएगा। अपने संगीत को मत छोड़ना, दोस्त। वरना तुम खुद को खो दोगे।”

"जी हां, श्रीमान जैंगो।"

उस रात, क्लीवलैंड म्यूज़िक हॉल के मंच के किनारे से, फ्रैंकी ने एक ऐसा अनुभव किया जो उसके मन में हमेशा के लिए बस गया। ऑर्केस्ट्रा की पहली तेज़ आवाज़। हॉर्न सेक्शन की तालबद्ध धुनें। क्लैरिनेट और सैक्सोफोन का मनमोहक घुमाव। ट्रॉम्बोन और बेस की दमदार ध्वनि। यहाँ तक कि बैंड का पहनावा—सभी की एकरूपता, गहरे रंग के टक्सीडो में सजे-धजे कलाकार—भी एक अमिट छाप छोड़ गया। और भीड़! लगभग दो हज़ार लोग! उनकी ज़ोरदार तालियों की गड़गड़ाहट ऐसी थी जिसकी फ्रैंकी ने कभी कल्पना भी नहीं की थी। यह उसके अंदर तक समा गई, मानो उसके खून में दौड़ गई हो। वह तालियों की भौतिकी को नहीं समझता था, लेकिन उस पल से वह जान गया था कि एक दिन वह खुद इसे सुनना चाहता है।

जैंगो अंत तक मंच पर नहीं आए, और उनके साथ केवल ड्यूक एलिंगटन पियानो पर और एक बास वादक थे जो उनका अनुसरण करने की कोशिश कर रहे थे। लगभग

कोई पूर्वाभ्यास नहीं हुआ था। लेकिन किसी ने एक बार रेनहार्ड्ट के बारे में कहा था, "वह संगीत के साक्षात पुतला हैं," और मैं इस प्रशंसा को स्वीकार करता हूँ। वह मेरे लिए एक अनमोल प्रतिभा थे। उस रात फ्रैंकी के पुराने गिटार पर उनका वादन इतना अद्भुत और मौलिक था कि बैंड के सदस्य भी चिल्ला रहे थे, "मास्टर, शुरू हो जाइए! शुरू हो जाइए!" उन्होंने चार गाने गाए, और हर गाना पिछले गाने से कहीं अधिक प्रभावशाली था।

अगली सुबह, होटल में, जैंगो ने फ्रैंकी से एक अखबार ढूंढने और उसमें उसके बारे में जो कुछ भी लिखा हो, उसे पढ़कर सुनाने को कहा। फ्रैंकी ने पन्ने पलटते-पलटते एक शीर्षक देखा: फ्रांसीसी गिटार कलाकार ने ड्यूक का कॉन्सर्ट चुरा लिया।

“हम्म,” जैंगो ने अपनी कॉफी की चुस्की लेते हुए कहा। “जैसा होना चाहिए वैसा ही है।”

उनका साथ इतना घटनापूर्ण और इतनी तेज़ी से बीता कि वर्षों बाद, फ्रैंकी को वह एक स्मृति से ज़्यादा एक सपने जैसा लगता था। लेकिन शिकागो शहर में एक रात, फ्रैंकी ने बैंड को तैयारी करते देखा और पाया कि बास ड्रम पर आरसीए विक्टर रिकॉर्ड लेबल का एक चित्र बना हुआ था—एक कुत्ता ग्रामोफोन को घूर रहा था।

फ्रेंकी का दिल कांपने लगा। उसे एल मास्ट्रो के फ्लैट में मौजूद बिना बालों वाले कुत्ते और फोनोग्राफ की याद आ गई। उसे अपने जीवन के उन सभी हिस्सों की याद आ गई जिन्हें वह पीछे छोड़ आया था। वह अचानक बहुत उदास हो गया। यह यात्रा रोमांचक थी, लेकिन वह अभी भी बच्चा था, और सभी बच्चे अंततः घर जाना चाहते हैं।

जब यह दौरा डेट्रॉइट पहुंचा, तो उन्होंने इसे करने का निश्चय किया।

23

1969

[redacted]

वैन में बैठी महिला ने अपनी जीभ अपने दांतों पर फेर दी।

“यह तो वाकई एक अविश्वसनीय कहानी है,” उसने कहा। “क्या तुम बचपन में ड्यूक एलिंगटन के साथ पूरी दुनिया घूमती थीं?”

"हाँ।"

“वाह, कितना बढ़िया!” उसने अपनी सिगरेट का एक कश लिया और उसे उसके हाथ में दे दिया। वह उसके पैरों पर झुक गई।

मैं यह गिटार देखना चाहता हूँ।

उसने कुंडी खोली और डिब्बा खोला।

“सावधान रहना,” फ्रेंकी ने धीरे से कहा।

“सावधानी क्यों?”

यह अजीबोगरीब हरकतें करता है।

"कैसा?"

“जादू। ऐसी ही चीज़ें।”

वह मुस्कुराई।

"आप मजाक कर रहे हैं।"

"मैं नहीं हूँ।"

"मुझे लगता है कि तुम हो।"

फ्रेंकी ने अपने हाथ की ओर देखा। वह बहुत बड़ा लग रहा था। धुएं के कारण उसकी पलकें झपक रही थीं। महिला उसके और करीब सरक गई।

"इनमें से एक ले लो।"

"यह क्या है?"

“एक नींबू। क्या आपको नींबू पसंद नहीं हैं?”

उसने उसके मुंह में एक छोटी हरी गोली रखी, फिर खुद भी एक गोली निगल ली। वह उससे लिपट गई।

“ये अंडे किस काम के लिए हैं?”

“मेरी पत्नी। ये मेरी पत्नी के लिए हैं। मेरी एक पत्नी है। हम माता-पिता बनने वाले हैं।”

"वह कहाँ है?"
"मुझें नहीं पता । । ।"
“तुम्हें नहीं पता?”
“इस चरण में।”
वह मुस्कुराई।
"तो फिर वो यहाँ नहीं है, है ना?"
उसने अपना चेहरा उसके करीब कर लिया।
“आगे क्या हुआ?”
"अगला?"
“कहानी। आपके बैंड छोड़ने के बाद की?”
मुझे याद नहीं है।
"कोशिश करना।"
फ्रेंकी ने अपनी आंखें बंद कर लीं।
"ठंडा था।"

24

1946

ठंड थी। बर्फ गिर रही थी। फ्रेंकी ने डजैंगो द्वारा खरीदी गई ऊनी जैकेट को खींचा और कंक्रीट की सीढ़ी पर अपने पैरों को ठीक किया। इस समय तक वह अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर के कुछ हिस्से से अमेरिका में था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि लोग ऐसे मौसम में कैसे रहते हैं। एक बार फिर, हज़ारवीं बार, उसने अपना गिटार केस

खोला और उसमें से वह कपड़ा निकाला जिस पर बफा की लिखावट में उसकी बहन का पता लिखा था: 467 क्लैरेट स्ट्रीट, डेट्रॉइट, मिशिगन।

फ्रेंकी कई बार दरवाजा खटखटा चुका था। किसी ने जवाब नहीं दिया। वह दोपहर भर सीढ़ियों पर बैठा रहा। डजैंगो ने उसके साथ आने की पेशकश की, लेकिन फ्रेंकी, जो उस समय तक अपनी आज़ादी को लेकर काफी बेबाक हो चुका था, ने गिटारवादक से कहा कि उसकी चाची बाफा के बारे में सब कुछ सुनना चाहेंगी, इसलिए वह कुछ समय तक यहीं रहेगा। और शायद वह चाहेगी कि जब तक वह उसे वापस स्पेन न ले जाए, तब तक वह उसके साथ रहे।

“अगर ऐसा है, तो तुम्हें अलविदा कहने आना होगा, चावो,” जैंगो ने कहा। “हम कल निकलेंगे, ठीक है?”

“ठीक है,” फ्रेंकी ने कहा।

उसने अपना कोट खींचा। छोटा ईंटों का घर उस ब्लॉक के बाकी घरों जैसा ही था; हर घर के सामने एक छोटा, सीधा रास्ता था, जैसे गिटार की गर्दन पर तार लगे हों, और खड़ी गाड़ियों पर बर्फ जमी हुई थी। बड़ी गाड़ियाँ। लंबी गाड़ियाँ। फ्रैंकी को ऐसा लग रहा था कि अमेरिका में हर किसी के पास गाड़ी है, विलारियल के विपरीत, जहाँ लोग अभी भी बैलगाड़ी और घोड़ों का इस्तेमाल करते थे।

फ्रेंकी ने अपनी आँखें बंद कर लीं और कैल्वैरियो स्ट्रीट पर बाफा के घर की कल्पना करने लगा, जहाँ वह बगीचे में बैठकर रेडियो सुन रहा था और उसके बगल में बिना बालों वाला कुत्ता बैठा था। उसे वे दिन सुखद और सुखद याद थे।

“क्या तुम रास्ता भटक गए हो, बेटे?”

फ्रेंकी ने अपनी आँखें खोलीं। उसके सामने नीली वर्दी और एक बड़े चमड़े के थैले वाला एक डाकिया खड़ा था। उसकी टोपी के किनारे पर बर्फ के टुकड़े बिखरे हुए थे।

"जी नहीं, महोदय।"

"आप क्या कर रहे हो?"

मैं इंतजार कर रहा हूँ।

"बर्फ में?"

"हाँ।"

“किसके लिए?”

"मेरी चाची।"

फ्रेंकी ने कपड़े का टुकड़ा आगे बढ़ाया।

“अच्छा, आपको सही घर मिल गया। वो आपकी चाची हैं, है ना?”

"जी श्रीमान।"

आप यहां कैसे पहुंचे?

"श्री जैंगो ने एक कार खरीदी।"

"आपका मतलब टैक्सी से है?"

"मुझे भी ऐसा ही लगता है।"

क्या उसे पता है कि तुम आ रहे हो?

"मुझे देर हो गई।"

"क्या आपको आज सुबह यहां होना चाहिए था?"

फ्रेंकी कंक्रीट पर थोड़ा हिल गया। "उससे भी बाद में।"

उस व्यक्ति ने अपने होंठ कसकर बंद कर लिए और सामने खड़े लड़के को निहारने लगा। उसने कई लिफाफे लड़के को सौंप दिए।

"क्या आप उन्हें उनका मेल देना चाहते हैं?"

फ्रेंकी ने चिट्ठियाँ ले लीं।

“गर्म रहो,” उस आदमी ने कहा। “वे किसी भी पल काम से घर आ सकते हैं।”

फ्रेंकी सोचने लगा, “वे” कौन थे? उसने उस आदमी को हर घर पर रुकते हुए अपना काम पूरा करते देखा, जब तक कि वह उसकी नज़र से ओझल नहीं हो गया। अंधेरा छा गया। फ्रेंकी सोचने लगा कि क्या उसे यहीं सोना पड़ेगा।

तभी, हल्के हरे रंग की एक शेवरले कार हेडलाइट जलाते हुए सड़क पर मुड़ी। जैसे ही कार धीमी हुई, फ्रैंकी के दिल की धड़कन तेज हो गई।

यहीं रुक जाओ, उसने मन ही मन कहा। यहीं रुक जाओ। यहीं रुक जाओ।

यह रुक गया। फ्रेंकी उठ खड़ा हुआ। उसे "मौसी" होने का असली मतलब समझ नहीं आता था, क्योंकि उसकी पहले कभी कोई मौसी नहीं थी। लेकिन जिस पल उसने उस जहाज के निचले हिस्से में एल मास्ट्रो का नोट पढ़ा था, तब से वह उससे मिलने का इंतज़ार कर रहा था, इस उम्मीद में कि वह सब ठीक कर देगी, उसे घर वापस ले आएगी, और उसे उसके पुराने बैंड से फिर से मिला देगी।

उसने जो देखा उससे सब कुछ बदल गया।

उसने देखा कि कार के दरवाजे खुले और एक तरफ से एक आदमी और दूसरी

तरफ से हल्के बालों वाली एक गोल-मटोल औरत निकली। फ्रेंकी ने उसका चेहरा पहले भी अनगिनत बार देखा था, बफा के कंधे पर हाथ रखे एक तस्वीर में—वह तस्वीर जो उसने अपने तकिए के नीचे रखी थी। उसके युवा शरीर में एक सिहरन दौड़ गई और उसके दिमाग में जैसे कोई झनझनाहट सी मच गई। उसने चिट्ठियाँ गिरा दीं, सीढ़ियों से छलांग लगाई, और जैसे ही उस औरत का मुँह हैरानी से खुला रह गया, वह बर्फ से ढकी घास पर बाहें ऊपर उठाए दौड़ता हुआ चिल्लाया, "माँ!"

पश्चिमी संगीत में, चीज़ें सुलझ जाती हैं। एक निलंबित चौथा स्वर तीसरे स्वर में लौट आता है। एक अवमूल्यित स्वर अपने स्वर की ओर खिसक जाता है। असंगति संगति में बदल जाती है। मैं इसी तरह शांति पाता हूँ।

मनुष्य ऐसे किसी नियम का पालन नहीं करते। इसलिए उस रात क्लैरेट स्ट्रीट पर, हल्के हरे रंग की शेवरले से बाहर निकली महिला डान्ज़ा रुबियो, अपनी ओर दौड़ते हुए लड़के को देखकर चौंक गई। कई वर्षों से अपने भाई बाफा से कोई संपर्क न होने के कारण, वह अचानक एक बच्चे के प्रकट होने पर संदेह करने लगी। जब फ्रैंकी ने उसे गले लगाने की कोशिश की, तो वह वहीं खड़ी रह गई। और जब उसने कहा, "मैं आपका बेटा हूँ!" और उसे वह कहानी सुनाई जो बाफा ने उसे बताई थी (अपनी पत्नी, कार, अमेरिका में हुए हादसे के बारे में), तो वह क्रोधित हो गई और वहीं सड़क पर फ्रैंकी को सच्चाई बता दी, जैसे कोई ड्रम पर लगातार तेज़ आवाज़ में ड्रम बजा रहा हो।

धड़ाम!

वह उसकी मां नहीं थी।

धड़ाम!

वह बाफा की पत्नी नहीं थी।

धड़ाम!

बाफा की कभी कोई पत्नी नहीं थी।

धड़ाम!

उसे कभी पत्नी नहीं मिल सकी।

धड़ाम!

वह कभी अमेरिका नहीं गया था।

धड़ाम!

कोई दुर्घटना नहीं हुई थी।

धड़ाम!

वहां कोई कब्रिस्तान नहीं था।

धड़ाम!

बफ्फा झूठा था।

धड़ाम!

उसने सालों से उससे बात नहीं की थी।

धड़ाम!

उसने मान लिया था कि वह मर चुका है।

यह सब तीन मिनट से भी कम समय में हुआ। हर वार फ्रैंकी को और भी गहरी खामोशी में डुबो देता था। अंत में, जब डांज़ा के पति ने रूखेपन से कहा, "देखो, बेटा, अगर तुम यही उम्मीद कर रहे हो तो हम तुम्हें कोई पैसा नहीं देंगे," तो स्तब्ध बच्चे का जबड़ा कांपने लगा। उसने बड़ी मुश्किल से अपना गिटार केस उठाया और भाग निकला। डांज़ा ने उसके पीछे आवाज़ लगाई, लेकिन वह पीछे नहीं मुड़ा। वह लैंप की रोशनी में गिरते बर्फ के टुकड़ों में गायब हो गया, उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे।

मैंने कहा है कि संगीत से तुरंत रचना संभव है। लेकिन यह उस चीज़ के मुकाबले कुछ भी नहीं है जो आप इंसान एक ही बातचीत में नष्ट कर सकते हैं।

बर्ट बाचाराच

गीतकार, कलाकार, संगीतकार, निर्माता

फ्रेंकी प्रेस्टो को स्टूडियो बहुत पसंद था। अगर वहां बिस्तर होता तो वह वहीं रहता।

ओह... ज़रूर... मेरा नाम बर्ट बाचाराच है... अमेरिका... लॉस एंजिल्स। लेकिन मैं

फ्रैंकी से न्यूयॉर्क में मिला था। मैंने 1964 में उनका गाना "आवर सीक्रेट" प्रोड्यूस किया था। शानदार बैलेड। मैंने उनकी आवाज़ पर रिवर्ब का इस्तेमाल किया था जिससे वो रहस्यमयी सी लग रही थी। और स्ट्रिंग पार्ट हमने आधी रात के आसपास तैयार किया था। मैंने फोन करना शुरू किया और कुछ वायलिन वादकों को सुबह तीन-चार बजे आने के लिए राजी किया। फ्रैंकी और मैं दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से थे, लेकिन हम दोनों में एक बात कॉमन थी: हम स्टूडियो तब तक नहीं छोड़ते थे जब तक कि रिकॉर्डिंग परफेक्ट न हो जाए। कुछ संगीतकारों को यह पसंद नहीं आता। मैं उन्हें बीस-तीस टेक तक वहीं रखता हूँ। लेकिन अगर कला सही ही न हो तो उसे बनाने का क्या फायदा?

फ्रेंकी को वो सब मिला, जानते हो? वो एक नेक आत्मा थे—और अगर मुझे पता होता कि वो अब भी गिटार बजा रहे हैं तो मैं उसे सुनने के लिए दुनिया भर की यात्रा कर लेता। मुझे सच में पता नहीं था कि वो कहाँ चले गए—या वो ज़िंदा भी हैं या नहीं —जब तक कि कुछ दिन पहले मुझे उनके निधन की खबर नहीं मिली। क्या सच में मंच पर ही उनकी मृत्यु हुई? . . . हे भगवान . . . ये तो बहुत भयानक है . . .

मैंने उन्हें पहली बार कब बजाते सुना? . . . जी हाँ, मुझे याद है। हमारी मुलाकात भी ऐसे ही हुई थी। मैं न्यूयॉर्क के बेल साउंड स्टूडियो में था, डियोन वॉर्विक के साथ रिकॉर्डिंग सेशन से पहले। मैं वहाँ जल्दी पहुँच गया था और बड़ा कमरा खाली था, सिवाय एक आदमी के जो हमारी तरफ पीठ करके बैठा था। उसने हेडफ़ोन लगा रखे थे और इलेक्ट्रिक गिटार पर झुका हुआ था। मैंने इंजीनियर से आवाज़ बढ़ाने को कहा, लेकिन इससे पहले कि मैं उस आदमी को बाहर जाने के लिए कह पाता, मैं दंग रह गया। उनका बजाना कमाल का था। वे क्लासिकल रिफ़्स और जैज़ धुन, "बॉडी एंड सोल" के बीच अदल-बदल कर बजा रहे थे। मैंने कहा, "ये कौन है?" और इंजीनियर ने कहा, "तुम्हें यकीन नहीं होगा। ये फ्रैंकी प्रेस्टो हैं।" और मैंने कहा, "गायक?" और उन्होंने कहा, "गायक कमाल का गिटार बजाते हैं।"

मुझे लगता है कि वह हमसे ठीक पहले एक रिकॉर्डिंग कर रहा था, और सब लोग चले गए थे लेकिन वह दो घंटे और वहीं रुका रहा, सभी वाद्य यंत्रों पर कुछ न कुछ बजाता रहा, ड्रम से लेकर पियानो और गिटार तक। मेरे साथी अब अंदर आ रहे थे, इसलिए मैंने कमरे के माइक्रोफोन पर क्लिक किया और कहा, "हे, जीनियस, आपको परेशान करने के लिए माफ़ करना, लेकिन हमारा समय शुरू हो चुका है।"

उसने हेडफ़ोन उतारे और माफ़ी माँगने के अंदाज़ में हाथ हिलाया। मैंने स्पीकर पर कहा, "यह शानदार था, आपको इसे पूरे भवन में बजाना चाहिए था," और वह माइक के पास झुककर बोला, "मैं तो बस मज़ाक कर रहा था।"

वो बाहर आए और मैंने अपना परिचय दिया। उन्होंने मुझे तुरंत पहचान लिया, जिससे मुझे हैरानी हुई, क्योंकि उस समय मैं रिकॉर्डिंग नहीं कर रहा था, बस लिख रहा था। लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें मेरी कुछ रचनाएँ बहुत पसंद आई थीं, जैसे शायरेल्स का "बेबी, इट्स यू" और जीन पिटनी का "ओनली लव कैन ब्रेक अ हार्ट"। उन्होंने तुरही और फ्लुगेलहॉर्न के बारे में कुछ कहा—जो एक रॉक एंड रोल गायक के लिए असामान्य था—तो मैंने पूछा, "आपने हॉर्न सेक्शन के बारे में कहाँ से सीखा?" उन्होंने कहा, "ड्यूक एलिंगटन के साथ यात्रा करते हुए।" मैं हँस पड़ा और बोला, "क्या आप उनके पानी पिलाने वाले थे?" मतलब, वो ड्यूक के लिए बहुत छोटे थे।

वह मेरी सोच से ज़्यादा लंबा था और बेहद आकर्षक भी। जब बैंड के लोग अंदर आए, तो वे भी उसे ही घूर रहे थे। उसका व्यक्तित्व ही कुछ अलग था, आप जानते हैं ना? और उसने चमकीले लाल रंग का स्पोर्ट्स कोट पहना हुआ था, जो उस पर जंच रहा था। जब मैंने उसे बताया कि हम डियोन वारविक की रिकॉर्डिंग कर रहे हैं, तो उसने कहा कि उसे उनकी आवाज़ बहुत पसंद है और पूछा कि क्या वह रुक सकता है। आम तौर पर, काम करते समय मुझे बाहरी दखलअंदाज़ी पसंद नहीं होती, लेकिन फ्रैंकी का अंदाज़ ही अलग था, आप जानते हैं ना? वह संगीत प्रेमी था, यह साफ़ महसूस हो रहा था। तो मैंने कहा, "अगर आप चाहें तो यहीं बूथ में रुक सकते हैं।" और उसने हाँ कह दी।

हम जिस गाने पर काम कर रहे थे, वह 'अ हाउस इज़ नॉट अ होम' नाम की फिल्म के लिए था। हैल डेविड ने इसके बोल लिखे थे और मैंने संगीत तैयार किया था। सच कहूँ तो, हम इसे दोबारा रिकॉर्ड कर रहे थे क्योंकि मूल गाना ब्रुक बेंटन ने गाया था, लेकिन मैं चाहता था कि डियोन भी इसे गाए। हमने पूरे ऑर्केस्ट्रा, स्ट्रिंग सेक्शन और बैकग्राउंड सिंगर्स के साथ कई टेक लिए—जैसा कि मैंने कहा, मैं इसी तरह काम करता हूँ—और मैं फ्रैंकी के बारे में भूल ही गया जो पीछे बैठी थी। फिर, एक प्लेबैक के दौरान, जब डियोन वह हिस्सा गा रही थी, तो मैंने गलती से पीछे मुड़कर देखा:

लेकिन कमरा घर नहीं होता।
और घर, घर नहीं होता।

जब हम दोनों एक दूसरे से दूर होते हैं
और हममें से एक का दिल टूट गया है।

मैंने फ्रेंकी को रोते हुए देखा।
मैंने कहा, "तुम ठीक हो?"
“हां,” उसने कहा।

लेकिन यह बात उसे बुरी तरह से प्रभावित कर रही थी। उसने अपने आँसू तक नहीं पोंछे। मुझे बहुत बाद में पता चला कि वह अनाथ था। न माँ, न पिता। "सिर्फ़ घर, घर नहीं होता।" इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं, है ना? इससे ज़्यादा कठिन बात और क्या हो सकती है?

25

1950

“क्या तुमने मुझे सुना?” नन चिल्लाई। “मैंने कहा, कतार में लगो!”

बच्चे कतार में खड़े हो गए।

अब चलो!

वे कैफेटेरिया की ओर बढ़े। एक लंबे लड़के ने फ्रैंकी को पीछे से धक्का दिया।

“बस करो,” फ्रेंकी ने फुसफुसाते हुए कहा।

"मुझे मजबूर करो," लंबे लड़के ने कहा।

कहानी के इस मोड़ पर, फ्रैंकी की उम्र तेरह या चौदह साल थी। उसने अभी तक तय नहीं किया था। जब उसे पता चला कि बफा उसका असली पिता नहीं है, तो फ्रैंकी ने उसे बताई गई जन्मतिथि को भी नज़रअंदाज़ कर दिया, यह सोचकर कि वह भी

झूठ थी।

“शुरू करो!” नन ने गरजते हुए कहा।

कैफ़ेटेरिया की मेज़ों के पास खड़े बच्चे ज़ोर-ज़ोर से अपनी प्रार्थनाएँ पढ़ रहे थे। फिर वे बैठ गए, और ननों ने उनके गिलासों में संतरे का रस डाला, उसके बाद चम्मच भर कॉड लिवर ऑयल पिलाया।

“इसका स्वाद बहुत ही खराब है,” एक लड़के ने शिकायत की।

“आपके पास यह है, इसके लिए आभारी रहें। पीजिए!”

फ्रेंकी ने रस को होठों तक उठाया और उसकी मीठी खुशबू ने उसे विलारियल की याद दिला दी, गलियों में दौड़ती संतरे की गाड़ियाँ। लेकिन अब ऐसी यादें फ्रेंकी को सिर्फ गुस्सा दिलाती थीं। बफा कभी उसका पिता नहीं था। तस्वीर में दिख रही महिला कभी उसकी माँ नहीं थी। उसके पहचान पत्रों में उसका नाम सिर्फ "प्रेस्टो" लिखा था —एक ऐसा नाम जिसे वह जानता भी नहीं था। यह सब झूठ था। अब संतरों में मिठास नाम की कोई चीज नहीं बची थी।

इस समय, फ्रैंकी का जीवन एक कठोर संरचना में सिमटा हुआ था, एक 4/4 लय में, जिसकी गति को सबसे सटीक रूप से मोसो—यानी अशांत—कहना चाहिए। वह तीन साल से ग्रेटर डेट्रॉइट कैथोलिक अनाथालय में रह रहा था, जहाँ वह नौ अन्य लड़कों के साथ एक कमरा साझा करता था। उसे वहाँ तब लाया गया था जब पुलिस ने उसे एक रेस्तरां के पीछे एक गली में सोते हुए पाया था, क्योंकि उसकी ट्रेन छूट गई थी जो डजैंगो और एलिंगटन बैंड को उनके अगले पड़ाव तक ले जा रही थी। (जब तक फ्रैंकी स्टेशन पहुँचने का रास्ता ढूँढ़ा, तब तक वे जा चुके थे। वह गिटार केस पर कोहनी रखकर बैठा रोता रहा, जब तक कि वर्दीधारी एक आदमी ने उससे नहीं कहा कि वह अब और यहाँ नहीं बैठ सकता और उसे "अपनी माँ के पास घर जाना चाहिए।")

वह फिर से भीख मांगने और कूड़ेदानों से खाना खाने लगा। रेस्तरां के पीछे वाले कूड़ेदानों में सबसे बढ़िया बचा-खुचा खाना मिलता था। पुलिस के आने पर वह हैरान रह गया (वह अधिकारियों से छिपने में काफी माहिर हो गया था), लेकिन जब ननों ने कहा कि उसे अपना अलग बिस्तर मिलेगा तो वह खुश हो गया। उसने उनकी नीली पैंट, सफेद कमीज और काले चमड़े के जूते स्वीकार कर लिए और उसे तब भी कोई आपत्ति नहीं हुई जब उन्होंने उसके पुराने कपड़े यह कहकर फेंक दिए कि उसकी

आत्मा के विपरीत, उनका उद्धार संभव नहीं है।

जब फ्रेंकी आया था तब वह दुबला-पतला था, लेकिन तीन साल में वह एक लंबे-चौड़े किशोर में बदल गया था, जिसके सफेद दांत उभरे हुए थे, बड़े हाथ थे (जो उसके गिटार बजाने में बहुत मददगार थे) और उसकी नीली आंखों में एक गहरी चमक थी जो उसकी कक्षा की लड़कियों के चेहरे पर घबराहट भरी मुस्कान ला देती थी।

लड़कों का मामला अलग था। अनाथालयों में रहने वाले बच्चे छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देते हैं, और बाकी लड़कों को इस बात से चिढ़ थी कि फ्रैंकी गिटार इतना अच्छा बजाता था कि ननें उसे क्रिसमस और ईस्टर के समारोहों में अपने साथ बजाने देती थीं। या फिर उसे हर रात पुस्तकालय में संगीत पर काम करने के लिए निजी समय मिलता था। वह अलग था, इसलिए वे उसका मज़ाक उड़ाने के तरीके ढूंढते थे, जैसे कि उसकी अंग्रेज़ी में अभी भी हल्का सा लहजा झलकता था।

“अरे, स्पिक,” वे चिढ़ाते थे। “क्या तुम्हें स्पिक भाषा नहीं आती?”

"हे, कोकोनट। तुम भूरे हो या सफेद?"

"हे जिप्पो, हमें अपने जिप्सी दोस्त के बारे में फिर से बताओ।"

एक रात राफेल नाम के लंबे लड़के ने अपने जन्मदिन के जश्न के बाद कपकेक बांटे। उसने जानबूझकर फ्रैंकी को छोड़ दिया।

"जिस गली से तुम आए हो, वहां लोग खाना नहीं खाते," उसने फुसफुसाते हुए कहा।

फ्रेंकी ने कहा, "मुझे तुम्हारा कपकेक नहीं चाहिए, अगर इससे मैं तुम्हारी तरह बेवकूफ बन जाऊं।"

देखते ही देखते वे ज़मीन पर हाथापाई करने लगे। बाकी लड़के खुशी से चिल्लाने लगे। फ्रेंकी ने राफेल की आंख में घूंसा मारा, और राफेल चीख पड़ा। उसने फ्रेंकी को धक्का देकर गिरा दिया, फ्रेंकी के बिस्तर की ओर भागा, उसके नीचे हाथ डालकर फ्रेंकी का गिटार निकाल लिया। फ्रेंकी उस पर कूद पड़ा और दोनों में हाथापाई होने लगी, गिटार उनके बीच इधर-उधर पटक रहा था। जब उन्हें अलग किया गया, तब फ्रेंकी ने देखा कि गिटार का निचला तार टूट गया था—वही तार जो कभी ब्रिटिश बंदरगाह पर नीला पड़ गया था।

फ्रेंकी फूट-फूटकर रोने लगा और चिल्लाने लगा, “मैं तुम्हें मार डालूँगा! मैं तुम्हें मार डालूँगा!” उसने राफेल पर फिर से हमला कर दिया और कैंटीन की महिला को

उसे रोकना पड़ा। सजा के तौर पर, दोनों लड़कों को उस रात फर्श पर सोना पड़ा, राफेल पादरी के कमरे में और फ्रेंकी रसोई में। फ्रेंकी छत को घूरता रहा और उसे एक ऐसा खालीपन महसूस हुआ जो उसने पहले कभी महसूस नहीं किया था—लेकिन यह खालीपन लड़ाई की वजह से नहीं था।

उस क्षण तक, उसके तार कभी नहीं टूटे थे।

यह काफी असामान्य था, क्योंकि गिटार के तार अक्सर कुछ महीनों के इस्तेमाल के बाद टूट जाते हैं। फ्रैंकी को लगा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उसने अपने शिक्षक के सिखाए अनुसार सावधानी से, यहाँ तक कि धीरे से भी बजाया था।

"फ्रांसिस्को, तारों पर हमला मत करो।"

"नहीं, स्वामी।"

उन्हें मनाओ।

जी हां, उस्ताद।

"उन्हें अपने अगले गीत के लिए तरसाएं। ठीक वैसे ही जैसे जीवन में होता है।"

"जीवन में, उस्ताद?"

"जब आप चाहते हैं कि कोई आपकी बात सुने, तो क्या आप उस पर हमला करेंगे?"

"नहीं, स्वामी।"

"नहीं, आप ऐसा नहीं करेंगे। आप उन्हें अपनी पेशकश की सुंदरता का एहसास कराएंगे, और वे इसे स्वयं प्राप्त करना चाहेंगे।"

फ्रेंकी को उन पाठों की बहुत याद आती थी। उसे एल मास्ट्रो की सिगरेट जलाने और उनके द्वारा गिराई गई शराब को साफ करने की भी याद आती थी। वह गिटार को बहुत प्यार करता था; जैसा कि जैंगो ने कहा था, यह उसकी सबसे कीमती चीज़ थी। उसके गुरु की एकमात्र निशानी उसके पास गिटार के तार ही थे। और अब किसी ने उनमें से एक तार तोड़ दिया था।

उस रात फ्रेंकी को नींद नहीं आई। वह एल मास्ट्रो के बारे में सोचता रहा। वह पेड़ पर बैठी लड़की, ऑरोरा यॉर्क के बारे में सोचता रहा, और सोचता रहा कि क्या उसके शिक्षक सही थे, क्या वह सच में एक परी थी? ऐसा लग रहा था जैसे बहुत समय बीत गया हो। वह अक्सर अकेले प्रार्थना नहीं करता था (क्योंकि ननें हमेशा उन्हें कहीं न

कहीं प्रार्थना करवाती रहती थीं), लेकिन उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और भगवान से प्रार्थना की कि क्या वह कृपया स्पेन वापस जा सकता है। वह अमेरिका से थक चुका था। वह एक लंबी मेज के नीचे रेंगकर लेट गया और "हाउ ग्रेट दाऊ आर्ट" गुनगुनाने लगा।

कुछ मिनट बाद उसकी आँखें खुलीं। उसने इमारत के बाहर से खरोंचने की आवाज़ सुनी। उसने एक कुर्सी दीवार से सटाई और सिंक के ऊपर वाली खिड़की पर चढ़ गया। गली में कुछ देखते ही उसका चेहरा बदल गया और उसने जल्दी से खिड़की खोली और खुद को उसमें फंसा लिया, जिससे वह ज़मीन पर गिर गया।

आगे जो हुआ वह अविश्वसनीय लग सकता है। मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि यह सच है।

फ्रेंकी ने अपनी आंखें खोलीं तो उसे बिना बालों वाले कुत्ते की गीली जीभ अपने गालों को चाटती हुई महसूस हुई।

26

हमें उन धागों के बारे में बात करनी चाहिए।

आप जानते हैं कि वे कारमेनसीटा से आए थे, जो फ्रेंकी की खूबसूरत, काले बालों वाली मां थी।

आप जानते हैं कि उसने ये चीजें अपने पति एल मेस्ट्रो के लिए बनाई थीं, जो वास्तव में फ्रैंकी के पिता थे।

आप जानते हैं कि वे नौ साल तक अप्रयुक्त पड़े रहे - एल मास्ट्रो की अलमारी में एक पर्स के अंदर - जब तक कि उन्होंने उन्हें फ्रैंकी को उस दिन नहीं दे दिया जिस दिन लड़का स्पेन छोड़कर चला गया।

आपको यह नहीं पता कि कारमेनसीटा ने इन्हें कहाँ से प्राप्त किया था।

या किससे?

यह उसके जीवन की आखिरी सुबह घटी। नींद बेचैन थी, गर्भ में पल रहा बच्चा हलचल मचा रहा था। कारमेनसीटा भोर होते ही उठी और चुपचाप कपड़े पहने ताकि उसके पति की नींद न टूटे। उसने शॉल ओढ़ा और मिजारेस नदी की ओर चल पड़ी। धरती पर घना कोहरा छाया हुआ था, मानो सारे रंग धुंधली सफेदी में लिपटे हों। कोहरा इतना घना था कि नदी किनारे बैठे एक जिप्सी परिवार को वह लगभग देख ही नहीं पाई। उस आदमी के कान बड़े थे और बाल कम हो रहे थे। उसके बगल में बैठी औरत उम्रदराज लग रही थी। उनके पीछे एक छोटी बच्ची थी जिसकी लंबी भूरी चोटियाँ थीं। वह एक घोड़े को ब्रश कर रही थी।

“ईश्वर आपके साथ रहें, महोदया,” उस व्यक्ति ने कहा।

युद्ध के दौरान ये शब्द खतरनाक थे। लेकिन कारमेनसीटा ने जवाब दिया, "ईश्वर आपके साथ भी रहे।"

“आपका बच्चा जल्द ही आने वाला है,” महिला ने कहा।

कारमेनसीटा ने अपना हाथ अपने पेट पर रखा।

“क्या मैं आपको एक स्कार्फ भेंट करूँ?” महिला ने अपने सामान से भरे लकड़ी के बक्से में हाथ डाला।

“मैं पैसे नहीं लाई थी,” कारमेनसीटा ने कहा।

“हम ये चीजें बेच नहीं रहे हैं,” उस आदमी ने जवाब दिया। “हम इन्हें मुफ्त में दे रहे हैं।”

मेरे पति दूसरों के बारे में सोचते हैं—

हमें उनकी कोई आवश्यकता नहीं है—”

“वह ईश्वर का सेवक है—”

मैं तो बस घोड़ों का व्यापारी हूँ—

“वे उसे मारना चाहते हैं, महोदया!”

महिला रोने लगी। कारमेनसीटा ने अपना हाथ अपने पेट से नीचे कर लिया। उसके देश में बहुत से लोग इसी तरह एक तरफ या दूसरी तरफ भाग रहे थे। युद्ध जिंदगियां

तबाह कर रहा था। उसके पति की आंखें चली गई थीं। उसका भाई लापता हो गया था। पुजारियों का शिकार किया जा रहा था, और इस परिवार जैसे कई परिवार भाग रहे थे। वह उस दुनिया के बारे में सोचने लगी जिसमें उसका बच्चा कदम रखने वाला था।

"अगर आप चाहें तो हमारे साथ रह सकते हैं," कारमेनसीटा ने कहा।

जिप्सियों ने एक-दूसरे की ओर देखा।

"कहाँ?"

"हमारे घर में। हमारे पास ज्यादा जगह नहीं है, लेकिन आपका स्वागत है।"

लेकिन हम आपके लिए अजनबी हैं।

"मुझे अपने नाम बताओ और तुम अजनबी नहीं रहोगे।"

उस आदमी ने मुस्कुराते हुए कहा, "क्या नाम से इतना फर्क पड़ता है?"

“बिल्कुल नहीं,” कारमेनसीटा ने जवाब दिया। वह जानती थी कि युद्ध में कभी-कभी नाम न जानना ही बेहतर होता है।

“धन्यवाद, दयालु महिला,” उस व्यक्ति ने कहा। “लेकिन हम इस तरह आपको खतरे में नहीं डाल सकते थे।”

उन्होंने अपनी पत्नी का हाथ पकड़ा और अपनी बेटी को बुलाया, जिसने घोड़े को साफ करने वाला ब्रश नीचे रख दिया।

“आपकी उदारता के बदले में हमारे पास देने के लिए कुछ खास नहीं है। लेकिन शायद एक गाना?”

बच्चा मधुर जिप्सी धुन गाने लगा।

“कितनी प्यारी आवाज है,” कारमेनसीटा ने कहा।

“क्या आपको संगीत पसंद है?” उस आदमी ने पूछा।

मेरे पति गिटारवादक हैं।

“मैं भी ऐसा ही था। या था। मैं भगवान के लिए गीत गाता था। दुख की बात है कि मेरा गिटार अब मेरे पास नहीं है।”

“उसे ले जाया गया है,” उसकी पत्नी ने कहा।

“मुझे खेद है,” कारमेनसीटा ने कहा।

“क्या आपके पति आपके बच्चे को खेलना सिखाएंगे?”

वह बस इसी बारे में बात करता रहता है।

"तो फिर आपके पास ये चीजें होनी चाहिए।"

उसने डिब्बे में हाथ डाला और पीले रंग की पट्टी से लिपटी हुई डोरियों का एक गुच्छा निकाला। वे एकदम नई और चमकदार लग रही थीं।

“मैं ऐसा नहीं कर सकती,” उसने विरोध किया।

आपकी दयालुता के लिए धन्यवाद।

“यह आवश्यक नहीं है—”

“कृपया। बच्चे और पिता को आपस में जोड़ें। ये दो अनमोल रिश्ते हैं।” उन्होंने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा, “इनके भीतर जीवन की धड़कनें हैं।”

उसकी पत्नी ने उसके हाथ पर थप्पड़ मारा। "उसका मतलब है कि वे रेशम से बने थे, और रेशम कीड़ों से आया था, और कीड़े कभी जीवित थे।"

उसने उसे गुस्से भरी नजरों से देखा। "पहेलियों में बात मत करो।"

वह मुस्कुराया और आगे-पीछे झूलने लगा। जब उसकी पत्नी घोड़े की देखभाल करने के लिए मुड़ी, तो वह कारमेनसीटा की ओर झुक गया।

“मेरा मतलब कीड़ों से नहीं है,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

उसने अपनी जेब से एक माला निकाली, जिसमें साधारण काले मनके और एक छोटा काला क्रॉस था। कारमेनसीटा ने देखा कि माला गिटार के तार से बंधी हुई थी, ठीक वैसे ही जैसे उसने अभी उसे दिए थे। जैसे ही उसने दोनों सिरों को खींचा, तार नीले रंग में चमकने लगा, जैसे किसी लौ के अंदर का भाग।

उन्होंने कहा, "ले डुय वास ज़ालावेन पे," यह एक जिप्सी मुहावरा है जिसका अनुवाद "हाथ एक दूसरे को धोते हैं" होता है - जिसका अर्थ है कि हम सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

जब उसकी पत्नी पास आई, तो उस आदमी ने माला वापस अपनी जेब में रख ली। उसने सफेद आसमान की ओर देखा।

“आप अपने रास्ते पर चलें, महोदया।”

क्या आपको यकीन है कि आप नहीं आएंगे?

“ईश्वर हमारी रक्षा करेगा। मैं प्रार्थना करता हूँ कि वह आपकी भी रक्षा करे।”

मैं बेसिलिका में आपके परिवार के लिए एक मोमबत्ती जलाऊंगा।

“संत पास्कुअल?”

"क्या आप यह जानते हो?"

उस आदमी की निगाहें दूर कहीं टिक गईं।

“हम भी एक बार वहां गए थे। अपनी दूसरी बेटी के साथ। सावधान रहें। प्रार्थना करने के लिए ये खतरनाक समय हैं।”

कारमेनसीटा ने तारों की ओर देखा।

“क्या मैं आपका नाम पूछ सकती हूँ?” उसने कहा। “भले ही इससे कोई फर्क न पड़ता हो?”

पत्नी ने कहा, "उन्हें एल पेले के नाम से जाना जाता है।"

कारमेनसीटा धुंध में चली गई। एक मिनट बाद, उसने मुड़कर देखा, लेकिन वे जा चुके थे।

घर लौटते समय, कारमेनसीटा ने डोरियों को एक छोटे पर्स में रख लिया, और बच्चे के जन्म पर उन्हें एल मास्ट्रो को देने की योजना बनाई। उस रात, तूफान के दौरान, वह अपने साथ गिरजाघर में पर्स लेकर गई, जहाँ उसने न केवल बच्चे के लिए, बल्कि उस जिप्सी परिवार के लिए भी मोमबत्ती जलाई, जिनसे वह उस सुबह मिली थी। उसने प्रार्थना की, दर्द से गिर पड़ी, पर्स उसके हाथ से छूट गया, और फिर उसने उसे कभी नहीं देखा। उसने लुटेरों द्वारा उलटी की गई मोमबत्तियों की रैक को भी नहीं देखा। उसने अपनी जलाई हुई प्रार्थना की मोमबत्तियों की लौ को बड़ी आग में मिलते हुए और अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को भस्म करते हुए भी नहीं देखा।

अगले दिन, जब विलारियल पुलिस ने खंडहरों की तलाशी ली, तो उन्हें कारमेनसीटा के बुरी तरह जले हुए शव के अवशेष मिले। हमलावरों ने उसके शरीर पर लिपटे वस्त्र के कारण उसे नन समझ लिया था और उसके शव का अपमान किया था। शव इतना भयानक था कि उसकी पहचान करना संभव नहीं था, और उसकी हड्डियों को तुरंत एक अज्ञात कब्र में दफना दिया गया।

दो दिन बाद, एक किशोर लड़के ने मलबे में से सामान ढूंढा; उसे एक छोटा सा पर्स मिला, जो रहस्यमय तरीके से आग की लपटों से बच गया था। उसके अंदर एक पहचान पत्र था। लड़के ने पर्स को दिए गए पते पर लौटा दिया और दरवाजा खोलने वाले व्यक्ति को सौंप दिया।

कार्लोस एंड्रेस प्रेस्टो नाम का एक लंबा, अंधा आदमी।

उन्हें एल मेस्ट्रो के नाम से जाना जाता है।

उसने पर्स उठाया और लड़खड़ाते हुए कुर्सी पर जा बैठा। उसे समझ आ गया कि इसका क्या मतलब है—उसकी पत्नी तीन दिन से क्यों नहीं लौटी थी। उसने पर्स का सारा सामान लकड़ी की मेज पर बिखेर दिया। उसे अंदर कुछ कुंडलित सा महसूस हुआ।

“यह क्या है?” उसने लड़के से पूछा।

"यह धागों जैसा दिखता है।"

“गिटार के लिए?”

"हाँ।"

एल मास्ट्रो ने अपने होंठ काट लिए।

मुझे अकेला छोड़ दो। अभी!

लड़का जल्दी से चला गया।

अपनी पत्नी की आखिरी कृपा, जो उसे कभी नहीं मिली, उसे हाथ में लिए एल मास्ट्रो फूट-फूट कर बैठ गया। वह रात होने तक रोता रहा, कुर्सी से उठा तक नहीं। फिर उसने सब कुछ वापस पर्स में रखा और उसे अलमारी में छिपा दिया। वे धागे, जिनमें कई जिंदगियां बसी थीं, सालों तक अनसुने पड़े रहे, ठीक वैसे ही जैसे एक अजनबी की दयालुता की कहानी अनकही रह गई।

कुछ हफ़्तों बाद, "एल पेले" के नाम से जाना जाने वाला व्यक्ति गणतंत्र सैनिकों द्वारा पीटे जा रहे एक पादरी की मदद के लिए दौड़ा। उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उसकी माला सौंपने का आदेश दिया गया। जब उसने इनकार कर दिया, तो एक फायरिंग दस्ते ने उसे गोली मार दी। हत्यारों ने उसके शरीर को गिरते हुए देखा, लेकिन उन्होंने एक और चीज़ नहीं देखी: उसकी मृत्यु के क्षण में, माला का रंग जलते हुए नीले रंग में बदल गया।

दशकों बाद, एल पेले को कैथोलिक चर्च द्वारा पहले जिप्सी संत के रूप में मान्यता दी गई। लोग आज भी उनके साहस, उनकी विनम्रता और, निश्चित रूप से, उस माला के बारे में बात करते हैं।

किसी ने भी उन शर्तों का जिक्र नहीं किया जो उसने दे दीं।

वे अपनी खुद की कहानी सुनाएंगे।

27

1969

वैन में बैठी महिला फ्रेंकी की गर्दन पर चूमती हुई ऊपर की ओर बढ़ रही थी। फ्रेंकी इतना भारी महसूस कर रहा था कि हिल भी नहीं पा रहा था। उसने उसके शरीर के किनारे-किनारे देखा, नारंगी सूती टॉप; डेनिम शॉर्ट्स; सांवली टांगें; और लाल, काले, बैंगनी रंग से रंगे हुए नाखूनों को।

"नीला नहीं," उसने बुदबुदाते हुए कहा।

"हम्म?"

आपके पास नीला रंग नहीं है।

“नीले रंग के पैर के नाखून? आप तो बड़े मज़ाकिया हैं।”

“क्या मैं उदास हूँ...?” फ्रेंकी ने आधे-अधूरे स्वर में कहा।

"मुझे पता है आप कौन हैं।"

"हम्म?"

उसने उसे कुछ और बार चूमा।

“आप गायक हैं—”

मेरी पत्नी इंतजार कर रही है—

“फ्रेंकी प्रेस्टो।”

"नाश्ता-"

क्या तुम सचमुच स्टेज पर परफॉर्म करने वाले हो?

मुझे इन अंडों को पकाना होगा।

“तुमने कहानी पूरी नहीं की। तुम्हारे भाग जाने के बाद।”

मैंने अपना गिटार बजाया।

तुम तो बस एक बच्चे थे।

मैं अच्छा था।

“कितना अच्छा?”

मैंने उसकी जान बचाई।

"कौन?"

“ऑरोरा।”

“ऑरोरा कौन है?”

फ्रेंकी की आंखें नम हो गईं।

“मेरे लिए गाते रहो...” महिला ने कहा।

लेकिन फ्रैंकी के उलझे हुए विचार नीले धागों, ऑरोरा यॉर्क और उस जगह पर केंद्रित थे जहाँ उसने उसे गर्भवती अवस्था में कंबल पर सोते हुए छोड़ा था। वह जानता था कि उसे वापस जाना होगा, वह उसे निराश नहीं करना चाहता था, गैर-जिम्मेदार नहीं बनना चाहता था, जैसा कि वह पहले कई रातों को बन चुका था।

“मुझे जाना होगा—” उसने अचानक कहा।

वह इतनी तेज़ी से उठा कि महिला उससे फिसलकर ज़मीन पर गिर पड़ी। उसने अपना सामान उठाया और लड़खड़ाते हुए स्लाइडिंग दरवाज़ों से बाहर निकला, जो उसके खुलने पर शेरों की तरह दहाड़ रहे थे।

"अरे, ये क्या बकवास है?" उसने उसके पीछे चिल्लाकर कहा।

28

1951

“ये क्या हो रहा है?” एक आदमी चीखते हुए अपनी कार का ट्रंक खोलने लगा। उसका नाम हैम्पटन बेलग्रेव था और वह अपने कुत्ते के साथ लिपटे हुए किशोर फ्रेंकी को घूर रहा था।

“मैं समझा सकता हूँ,” फ्रेंकी ने पलकें झपकाते हुए कहा।

"तुम मुझे दिल का दौरा पड़ने ही वाले हो!"

"क्या यह टेनेसी है?"

क्या यह मेरी कार है?

"जी श्रीमान।"

फिर मैं सवाल पूछता हूँ!

"जी श्रीमान।"

"आखिर आप हैं कौन?"

“फ्रेंकी, महोदय।”

“फ्रैंकी कौन?”

“जल्द ही, महोदय।”

“यह किसका कुत्ता है?”

“मेरा है, महोदय।”

"तुम मेरी कार की डिग्गी में क्यों हो?"

“मार्कस बेलग्रेव, महोदय।”

“मेरा चचेरा भाई मार्कस?”

"जी श्रीमान।"

“संगीतकार मार्कस?”

"जी श्रीमान।"

“उसने तुम्हें इस ट्रंक में डाला?”

"जी नहीं, महोदय।"

तो फिर आप इसमें क्यों शामिल हैं?

"टेनेसी पहुंचने के लिए, महोदय।"

“आप ट्रेन से क्यों यात्रा कर रहे हैं?”

"मेरे पास पैसे नहीं हैं।"
"तो फिर बस ले लो।"
"मैं वह भी नहीं खरीद सकता।"
तो तुम मेरी कार की डिग्गी में छिपोगे?
"जी श्रीमान।"
“एक कुत्ते के साथ?”
"क्षमा करें श्रीमान।"
“तुम वहां कितने समय से हो?”
“डेट्रॉइट के बाद से, महोदय।”
मैं कल ही डेट्रॉइट से निकला!
"जी श्रीमान।"
"तब से तुमने कुछ खाया नहीं?"
"जी नहीं, महोदय।"
"तब से तुमने शराब नहीं पी है?"
"जी नहीं, महोदय।"
"तब से पेशाब नहीं किया?"
"जी नहीं, महोदय।"
"तुम्हें क्या लगता है कि मुझे इसकी कोई परवाह है?"
"जी नहीं, महोदय?"
“बिल्कुल, मैं नहीं जानता! तुम तो छिपकर यात्रा कर रहे हो—”
“नहीं, महोदय—”
मैं टेनेसी जाना चाहता हूँ।
"जी श्रीमान-"
"मेरी गाड़ी की डिग्गी में पेशाब मत करना, लड़के।"
"जी नहीं, महोदय।"
"वह कुत्ता भी पेशाब न करे तो अच्छा रहेगा!"
“नहीं, महोदय—”
आपको कैसे पता चला कि मैं कहाँ जा रहा हूँ?
“क्या हम पहुँच गए हैं, महोदय?”

“मैंने यह नहीं बताया कि हम कहाँ हैं। लेकिन मेरे पास अपनी कार के ग्लव कंपार्टमेंट में एक बंदूक है—”

“मार्कस ने मुझे बताया था, महोदय!”

“मार्कस को कैसे पता चला?”

“तुम उसके चचेरे भाई हो! तुम्हारा नाम हैम्पटन है! तुमने उसे बताया था कि तुम टेनेसी वापस जा रहे हो!”

"मार्कस ने तुम्हें यह बात क्यों बताई?"

मैं उनके लिए काम करता हूँ।

“गोरा लड़का मार्कस के लिए काम करता है? अरे यार, तुम क्या करते हो?”

मैं संगीत बजाता हूँ।

"सच बताओ।"

"उसके बैंड में।"

“क्या तुम मार्कस के साथ खेलते हो?”

"जी श्रीमान।"

तुम तो अभी बच्चे हो!

“मैं लगभग पंद्रह साल का हूँ, महोदय।”

"के बारे में?"

"मुझे पक्का पता नहीं है, महोदय।"

आप क्या खेलते हैं?

“गिटार। यह यहीं है, महोदय।”

"ज़रा ठहरिये । । ।"

"आप देखें?"

“अपनी टोपी उतारो!”

"क्यों-"

“तुम वही लड़के हो! जो इतनी तेज खेलता है!”

"जी श्रीमान।"

मैं वहीं था! मैंने वह देखा! तुमने चाकू वाले आदमी को सम्मोहित कर लिया!

"जी श्रीमान-"

“तुम शैतान हो!”

नहीं, महोदय!
“मेरी गाड़ी की डिग्गी में!”
"कृपया-"
“मेरी गाड़ी की डिग्गी में शैतान है!”
"नहीं-"
“अपने शैतानी कुत्ते के साथ!”
मैं बस खेलता हूँ—
“कोई भी इंसान इस तरह नहीं खेलता—”
“वह मुसीबत में थी, महोदय—”
"तुम मुझसे क्या चाहते हो, शैतान?"
मैं शैतान नहीं हूँ!
“कसम खाओ!”
"कसम से!"
“यीशु की कसम खाओ!”
मैं यीशु की कसम खाता हूँ!
"तो फिर तुम यहाँ क्यों हो, लड़के?"
"कहाँ?"
टेनेसी।
"यहां थे?"
"धिक्कार है, मुझे बेवकूफ मत बनाओ!"
“वह लड़की, महोदय।”
"कौन सी लड़की?"
“वो लड़की उस आदमी के साथ है।”
"वही जिसका गला लगभग काट दिया गया था?"
"जी श्रीमान।"
“उसके बारे में क्या?”
वह यहीं रहती है।
“कौन कहता है?”
"मनुष्य।"

“चाकू से?”

"जी श्रीमान।"

"तो क्या हुआ?"

मैं उसे जानता हूँ।

"वह लडकी?"

"जी श्रीमान।"

"क्या तुम उस लड़की को जानते हो?"

उसका नाम अरोरा है।

“ऑरोरा।”

"मुझे लगता है।"

"आपको लगता है?"

"इसे बीते एक अर्सा हो गया है।"

"कितनी देर?"

हम बच्चे थे।

"हे प्रभो-"

“दूसरे देश में—”

"चले जाओ।"

"सचमुच, महोदय?"

तुम कोई शैतान नहीं हो।

“नहीं, महोदय—”

"बस एक बेवकूफ।"

“नहीं, महोदय—”

“सबसे बुरा प्रकार—”

“नहीं, महोदय—”

"प्रेम में पागल।"

“नहीं, महोदय, मैं—”

“जंगल में जाओ और पेशाब करो। उस कुत्ते के साथ भी। फिर आगे जाकर बैठ जाओ। हम शहर जाएंगे, तुम्हारे लिए कुछ खाने का इंतजाम करेंगे।”

“धन्यवाद महोदय। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।”

“तुम मुझे किसलिए धन्यवाद दे रहे हो, लड़के? तुम तो दो दिन एक लड़की के लिए कार की डिक्की में बैठे रहे।”

वह हँस पड़ा। "अगर तुम शैतान होते तो तुम्हारे लिए बेहतर होता।"

29

1952

[redacted]

अब थोड़ा सा पिछला हिसाब बराबर करना होगा (या एक "एनाक्रूसिस," यानी वे स्वर जो किसी गाने के पहले डाउनबीट तक चलते हैं, जैसे "हैप्पी बर्थडे" में "हैप्पी")।

फ्रैंकी अपने बालविहीन कुत्ते से दोबारा मिलने के बाद अनाथालय से भाग गया। अगले कुछ महीनों में, उसे डेट्रॉइट के ब्लैक बॉटम इलाके में काम मिल गया, जहाँ अपनी कम उम्र के बावजूद, वह अपने और कुत्ते के लिए खाने की थालियों और क्लब के तहखाने में एक गद्दे के बदले में हर रात जैज़ समूहों के साथ शो करता था। वहीं उसकी दोस्ती ट्रम्पेट वादक मार्कस बेलग्रेव से हुई, वह उनके चौकड़ी समूह के साथ बजाता था, और एक रात उसने अपनी अद्भुत गिटार बजाने की गति से हमलावर का ध्यान भटकाकर एक युवा गोरी लड़की की जान बचाई।

हालांकि अब वह काफी बड़ी लग रही थी, फ्रेंकी को यकीन था कि यह गोरी लड़की ऑरोरा यॉर्क ही है, वही लड़की जो पेड़ पर बैठी थी। चाकू लिए उस आदमी ने कबूल किया था कि वह उससे अभी-अभी मिला था और बताया था कि वह टेनेसी से घूमने आई है। इसीलिए फ्रेंकी दक्षिण की ओर जा रही एक कार में छिपकर बैठ गया।

अगली बात जो उसे याद है, वह यह कि वह मार्कस के चचेरे भाई हैम्पटन बेलग्रेव के सोफे पर सो रहा था।

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड में शामिल हो जाता है।
कुछ संयोगवश होते हैं।

कार की डिक्की में उस सवारी के छह महीने बाद, फ्रैंकी ने ऑरोरा को अपनी ओर आकर्षित करने की उम्मीद में अपना पहला एकल प्रदर्शन हासिल कर लिया था: नैशविले के एक ऑटोमोबाइल डीलरशिप के सामने गाना।

कारें, कारें, कारें,
हमारे पास कारें ही कारें हैं...

वाइन्स फाइन कैडिलैक के मालिक, श्री रटलैंड वाइन्स, एक गंजे सिर और दोहरी ठुड्डी वाले व्यवसायी थे, जिन्हें अपनी सस्पेंडर्स में उंगलियां फंसाना पसंद था। उन्होंने अपने मैकेनिक, हैम्पटन बेलग्रेव (जो अनजाने में लड़के को टेनेसी ले गया था) के कहने पर फ्रैंकी को (खरीदारों को लुभाने की उम्मीद में) काम पर रखा था।

"मेरी कैडिलैक कारें शिमे मोटर्स की कैडिलैक कारों से बिल्कुल अलग नहीं हैं," रटलैंड ने कहा। "मेरे ख्याल से फर्क सिर्फ इतना है कि मैं ग्राहकों को बेहतरीन सेवा प्रदान करता हूँ, समझ रहे हो ना?"

फ्रेंकी को पूरी तरह समझ नहीं आया था। लेकिन हैम्पटन ने कहा कि वह आदमी उसे पैसे देगा और फ्रेंकी को यह बात समझ आ गई।

"बस अच्छा चर्च वाला संगीत बजाओ, कुछ गॉस्पेल, जैसे रेड फोली का, लेकिन टेनेसी एर्नी फोर्ड जैसा हिलबिली बूगी भी और शायद कुछ हॉन्की-टोंक भी," रटलैंड ने निर्देश दिया। "लोगों को खुश रखो। समझ गए?"

फ्रेंकी ने सिर हिलाया।

और तुम्हें ठीक से कपड़े पहनने चाहिए। एक अच्छी सी टाई पहन लो। और अपने बालों में पोमेड लगा लो। तुम्हारे बाल बहुत ज्यादा ऊपर की ओर निकले हुए हैं। समझे?

उस शाम, हैम्पटन के घर पर, फ्रैंकी रेडियो के पास बैठ गया जबकि हैम्पटन सूअर का मांस, मक्का और प्याज का स्टू बना रहा था। दोनों कई महीनों से साथ रह रहे थे,

क्योंकि हैम्पटन ने अपने चचेरे भाई मार्कस को फोन किया था और मार्कस ने पुष्टि की थी कि फ्रैंकी किसी भी तरह से शैतान नहीं है।

हैम्पटन कद में छोटा, गर्दन छोटी और कोहनी मोटी वाला एक मजबूत आदमी था, जिसे मीठा केक, बॉलर कैप और ब्लूज़ संगीत बहुत पसंद था। उसका सपना हमेशा संगीतकार बनने का था, हालाँकि वह गाड़ियाँ ठीक करके अपना जीवन यापन करता था। वह थोड़ा-बहुत हारमोनिका बजाता था (जन्म से ही उसमें मेरी थोड़ी सी प्रतिभा थी) और रात में फ्रैंकी के साथ-साथ वह रिकॉर्ड बजाता था।

“तुम्हारे कान बहुत अच्छे हैं, लड़के,” उसने फ्रैंकी से कहा। “तुम सुनते हो, तुम बजाते हो।”

उस शाम, फ्रैंकी ने रेडियो का डायल एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पर घुमाया और तेज़ी से बजने वाले कंट्री संगीत को सीखने लगा। उद्घोषक जिस संगीत को "हॉन्की-टोंक" या "हिलबिली" कहते थे, वह काफ़ी सरल था - तीन-चार कॉर्ड, बेस नोट बजाना और स्ट्रिंग बजाना। लेकिन गायकों की नकल करना आसान नहीं था; वे दक्षिणी लहजे में शब्दों को खींचकर गाते थे। फिर भी, फ्रैंकी को यह संगीत पसंद था, क्योंकि इसमें दिल टूटने, प्यार और नशे की कहानियाँ थीं। साथ ही, यह हेटोर विला-लोबोस के बारह अभ्यासों की तुलना में बजाना कहीं ज़्यादा आसान था, जिन्हें एल मास्ट्रो उसे सिखाया करते थे।

“योडल-ले-ई-ही-हो,” फ्रेंकी ने एल्टन ब्रिट के “चाइम बेल्स” नामक गीत में योडलिंग की नकल करने की कोशिश करते हुए गाया। “योडल-ले-ई-ही-ह—”

हैम्पटन एक बड़ा चम्मच लेकर अंदर घुसा और रेडियो बंद कर दिया।

“बस करो! तुम मुझे पागल कर दोगे!” उसने सिर हिलाया। “तैयार हो जाओ, बेटा। मैं तुम्हें कहीं ले जा रहा हूँ और तुम्हें असली संगीत सुनाऊँगा।”

बालविहीन कुत्ता अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

"कुत्तों को अंदर नहीं ले जा सकते," हैम्पटन ने कहा।

कुत्ता वापस बैठ गया।

"योडलिंग," हैम्पटन बड़बड़ाया। "भगवान इस दुनिया की रक्षा करे।"

उस रात, हैम्पटन फ्रैंकी को नैशविले की सड़कों पर घुमाने ले गया। वे राइमन ऑडिटोरियम नामक एक लाल ईंटों वाली इमारत के पास से गुज़रे। हैम्पटन ने कहा, "वहीं पर ग्रैंड ओले ओप्री शो होता है। यह पूरे देश में रेडियो पर प्रसारित होता है। वह

जगह आपको लगभग उतनी ही प्रसिद्धि दिला देती है जितनी कोई पा सकता है।"

“क्या मैं वहाँ खेल सकता हूँ?” फ्रेंकी ने पूछा।

"मुझे लगता है कि आप ऐसा कर सकते हैं, एक बार जब लोग देख लेंगे कि आप कितने तेज हैं।"

हैम्पटन ने अपनी ठुड्डी पर हाथ फेरा।

"क्या आप ऐसा करना चाहते हैं?"

"ज़रूर।"

“ठीक है फिर। शायद आप करेंगे।”

वह फ्रेंकी को प्रिंटर्स एले तक ले गया, जो कंट्री संगीत बजाने वाले नाइट क्लबों का इलाका था। जब दरवाजे खुले तो उन्हें गिटार और अपराइट बेस के साथ वायलिन की मधुर ध्वनि सुनाई दी।

"क्या तुम्हें वो आवाज़ सुनाई दे रही है?" हैम्पटन ने पूछा।

“क्या हम अंदर जा सकते हैं?”

“आप कर सकते हैं। अश्वेत लोगों के क्लब यहीं पास में हैं।”

फ्रेंकी को हैम्पटन द्वारा अक्सर बताए जाने वाले "रंगभेद" के नियम की पूरी समझ नहीं थी। लेकिन वह जानता था कि यह अन्यायपूर्ण था। वह तो अमेरिका का निवासी भी नहीं था, फिर भी वह उन जगहों पर जा सकता था जहाँ हैम्पटन नहीं जा सकता था।

“तो चलिए, अब उन दूसरे क्लबों में चलते हैं,” फ्रेंकी ने कहा।

हैम्पटन मुस्कुराया। "ठीक है, बेटा। लेकिन तुम ऊपर कार पार्किंग में वो संगीत नहीं बजा सकते। वरना रटलैंड तुम्हें बाहर निकाल देगा।"

उस रात, हैम्पटन फ्रैंकी को जेफरसन स्ट्रीट पर क्लब बैरन, डेल मोरक्को, मेसियोज़, शुगर हिल और पी वीज़ जैसे स्थानों पर ले गया। लड़के की आँखें संगीत सुनकर फटी रह गईं - गिटार और बेस की धुनें, कर्कश गायन, पियानो वादक जो मानो एक ही समय में अपनी उंगलियों को दौड़ा और चला रहे थे। वहाँ हँसी-मज़ाक और चीख-पुकार थी, लोग अपनी सीटों से उठकर कमर हिला रहे थे या "जाओ, जाओ, जाओ!"

चिल्ला रहे थे। फ्रैंकी को यह सब बहुत पसंद आया। ऐसा लग रहा था मानो संगीत और भीड़ सब एक ही मंच पर हों। यहाँ तक कि हैम्पटन भी, अपनी बॉलर कैप पहने हुए, बाहर गया और थोड़ी देर नाचा, पसीने से तरबतर होकर वापस आया और पंखे की तरह हाथ हिला रहा था।

“अच्छा, तो अब हैम्पटन, ये लड़का कौन है?” एक आदमी ने हाथ में पेय लिए इधर-उधर घूमते हुए पूछा। “क्या तुम्हें कोई गोरा बेटा मिल गया है?”

हैम्पटन हँसे। “पीटी, यह लड़का इस शहर के लगभग सभी संगीतकारों से कहीं बेहतर है। मैं इसे अपना मैनेजर बनाने जा रहा हूँ। इसे ओप्री में काम दिलवाऊँगा।”

"उसका प्रबंधन करें?"

"यह सही है।"

“तुम कार मैकेनिक हो।”

"फिलहाल के लिए।"

"क्या आप संगीत जानते हैं?"

"खूब जानता हूँ।"

"तुम उसका प्रबंधन कब से शुरू करोगे?"

"एक बार जब उसे वह मिल जाएगा जिसकी वह तलाश कर रहा है।"

वह क्या ढूंढ रहा है?

"उसकी उम्र के सभी लड़के क्या ढूंढ रहे हैं?"

वे जोर से हंस पड़े। फ्रेंकी को लगा जैसे उसका चेहरा लाल हो गया हो।

बेशक, फ्रैंकी नैशविले आने का अपना मकसद नहीं भूला था: ऑरोरा यॉर्क को ढूंढना। उसे पूरा यकीन था कि वही लड़की डेट्रॉइट के उस नाइटक्लब में थी। लेकिन उसे इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि यह शहर इतना बड़ा होगा। फ्रैंकी के लिए दुनिया बस बड़ी होती जा रही थी, और उसमें मौजूद हर किसी को ढूंढना और भी मुश्किल होता जा रहा था।

हर सप्ताह के दिन सुबह, वह नैशविले की व्यावसायिक सड़कों पर इधर-उधर घूमता और दुकानों में रुककर अरोरा नाम की एक लड़की के बारे में पूछताछ करता।

कई लोग पूछते कि क्या उसके पास उसकी कोई तस्वीर है।

“नहीं,” वह कहता, “लेकिन वह अजीब तरह से बात करती है। ब्रिटिश लहजे में।”

“बेटा, तुम भी अजीब तरह से बात करते हो,” वे जवाब देते। फिर भी, किसी को भी वह याद नहीं आ रही थी। जल्द ही, सारे काम खत्म होने के बाद, उसने घर-घर जाकर माताओं या बूढ़ी महिलाओं से पूछना शुरू कर दिया कि क्या उन्होंने उसकी उम्र की किसी गोरी लड़की को देखा है। उसने कैडिलैक डीलरशिप में नौकरी ले ली और सबको बताया कि वह स्पेन से है, इस उम्मीद में कि शायद कोई अरोरा को बता दे। यकीनन वह उस देश के गिटार वादक के बारे में जानने को उत्सुक होगी।

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती गई, फ्रेंकी ने देखा कि दूसरे किशोर कन्वर्टिबल कारों में बैठकर मनोरंजन पार्कों या झीलों की ओर जा रहे हैं। उसे अकेलापन सताने लगा। हैम्पटन अच्छा था, लेकिन वह बूढ़ा था, उसके बच्चे इधर-उधर भटक रहे थे और उसकी पत्नी का देहांत हो चुका था। और काम पर भी कोई फ्रेंकी से खुलकर बात नहीं करता था। केवल उस बिना बालों वाले कुत्ते ने ही उसे बेहतर दिनों की उम्मीद दी थी। फ्रेंकी उस प्यारे से जानवर के साथ लगातार खेलता रहता, ज़मीन पर लोटता और उसके कानों के पीछे खुजली करता रहता।

बेशक, जब फ्रेंकी सचमुच उदास होता था, तो वह अपने गिटार के पास आ जाता था। घंटों, दिन-रात। अभ्यास करता, बजाता, और अभ्यास करता, जेफरसन स्ट्रीट के क्लबों में सुनी हुई ब्लूज़ धुनों को निखारता। मेरे शिष्यों के लिए, रास्ता सीधा है। सभी अकेले रास्ते संगीत की ओर लौटते हैं। मैं तुम्हें गले लगाता हूँ। मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ।

मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा।

क्या मनुष्य भी ऐसा कह सकते हैं?

एक दिन, फ्रेंकी डीलरशिप के सामने खड़ी होकर एक गॉस्पेल गीत गा रही थी, जो रटलैंड को विशेष रूप से पसंद था, जिसका नाम था "बाय एंड बाय"।

प्रलोभन, छिपे हुए जाल
अक्सर ये हमें चौंका देते हैं,
और हमारे दिल खून बहाने के लिए बने हैं

बिना सोचे-समझे बोले या किए गए किसी कार्य के लिए;
और हमें आश्चर्य होता है कि परीक्षण क्यों किया गया।
जब हम अपना सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करते हैं,
लेकिन धीरे-धीरे हम इसे बेहतर ढंग से समझ जाएंगे।

एक कार आकर रुकी और काउबॉय हैट पहने एक लंबा, पतला आदमी यात्री सीट से बाहर निकला। उसने एक बोतल से कुछ पिया, फिर अपनी बांह के पिछले हिस्से से अपना मुंह पोंछा। फ्रैंकी ने उसके उभरे हुए कानों और उसके होंठों की अजीब तरह से पतली रेखा पर ध्यान दिया, जो मानो उसके गालों के एक छोर से दूसरे छोर तक खींची गई हो।

उस आदमी ने अपनी बांहें कार के बोनट पर टिका दीं और फ्रेंकी के गाने के साथ सिर हिलाने लगा।

“तुम आ रहे हो?” ड्राइवर ने पूछा।

“आप लोग अंदर जाइए, देखिए उनके पास क्या है,” उस आदमी ने कहा। “मैं तो संगीत सुनूंगा।”

दोस्त रटलैंड से बात करने के लिए अंदर चला गया। फ्रेंकी ने अपना गाना खत्म किया। लंबे आदमी ने ताली बजाई।

"कार पार्किंग में खेलना वाकई एक शानदार काम है।"

"जी श्रीमान।"

“क्या आप लोग अनुरोध स्वीकार करते हैं?”

फ्रेंकी ने चारों ओर देखा। वहाँ कोई और ग्राहक नहीं था।

"जी हां, अगर मुझे पता हो तो।"

"मुझे सबसे उदास गाना सुनाओ जो तुम्हारे पास हो।"

फ्रेंकी हिचकिचाया। गर्मी बहुत थी और उसे अपने कनपटी से पसीना बहता हुआ महसूस हो रहा था।

आप उदास गाना क्यों सुनना चाहते हैं?

उस आदमी ने बोतल से एक और घूंट लिया। "सचमुच की खुशियों से भी ज़्यादा सच्ची खुशियाँ होती हैं, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"

"खुशी के गीत भी सच हो सकते हैं, अगर आप खुश हों।"

उस आदमी ने ठहाका लगाते हुए हँसते हुए कहा, "बेटा, तुम कहाँ से आए हो?"

“स्पेन,” उसने अरोरा के बारे में सोचते हुए जवाब दिया। उसने देखा कि रटलैंड उसे देख रहा है या नहीं। “यह गाना मेरे यहाँ दुख भरा माना जाता है।”

और उन्होंने अपने हमनाम फ्रांसिस्को तारेगा की रचना "लाग्रिमा" बजाई, जिसे उनकी मां गुनगुनाती थीं, जिसे उन्होंने सेगोविया को बजाते हुए सुना था, और जिसे तारेगा ने खुद घर की याद में लिखा था।

जिसका अर्थ है "आंसू की बूंद"।

लंबे कद का अजनबी ध्यान से सुन रहा था, डामर को ऐसे घूर रहा था मानो वह किसी छेद से झांक रहा हो।

जब फ्रेंकी ने अपना काम खत्म कर लिया, तो उस आदमी ने अपनी आंख के ऊपर खुजली की।

“अच्छा बेटा, सब ठीक था, एकदम ठीक।” उसने ऊपर देखा। “तुम्हें पता है ना कि तुम यहाँ काम करने के लायक नहीं हो?”

"कृपया मिस्टर रटलैंड को मत बताना कि मैंने वह बजाया था," फ्रेंकी ने विनती की।

लंबे कद के उस आदमी ने व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ कहा, "तुम्हारा रहस्य सुरक्षित है।" वह फ्रैंकी के पास आया और बोला, "क्या मैं इस गिटार पर एक बार हाथ आजमा सकता हूँ?"

फ्रेंकी ने दुकान के अंदर झाँका।

“कोई बात नहीं, बेटा,” उस आदमी ने कहा। “तुम्हारे बॉस को कोई आपत्ति नहीं होगी।”

फ्रेंकी ने इसे सौंप दिया।

"मजबूत उपकरण है," उस व्यक्ति ने उसकी जांच करते हुए कहा।

"जी श्रीमान।"

“लकड़ी अच्छी है। गर्दन मजबूत है। लेकिन लेबल ढका हुआ है। ऐसा क्यों?”

मुझे नहीं पता, मुझे यह इसी तरह मिला।

उस आदमी ने कंधे उचकाते हुए कहा, "ठीक है, तो यही सबसे उदास धुन है जो मुझे पता है।"

उन्होंने “मैं इतना अकेला हूँ कि रो सकता हूँ” नाम का एक गीत गाया। इसमें ट्रेन की सीटी, लंबी रातें, पक्षियों का चहचहाना और बादल के पीछे छिपते चाँद का ज़िक्र

था। हर पंक्ति के अंत में गायक अपने अकेलेपन का बखान करता था, और अंत तक आते-आते फ्रैंकी खुद रोने को तैयार हो गया।

अंतिम सुर बजने के बाद उस आदमी ने पूछा, "क्या सोचते हो?"

"क्या तुमने इसे लिखा है?"

“मैंने बिल्कुल किया।”

यह दुखद है।

"फिर कहा।"

आपने इसे किसके लिए लिखा था?

“मेरी पत्नी। लेकिन अब वो मेरी पत्नी नहीं रही।” उसने खांसा। “क्या तुम्हारी कोई बेटी है?”

मैं उसका इंतजार कर रहा हूँ।

"यहाँ?"

"हाँ।"

आपको शायद कुछ देर इंतजार करना पड़ेगा।

आप वाकई बहुत अच्छे गायक हैं।

वह आदमी खिलखिलाकर हँसा। "बेटे, तुम नहीं जानते कि मैं कौन हूँ, है ना?"

"जी नहीं, महोदय। आप कौन हैं?"

उस आदमी ने दुकान के अंदर देखा, अपने साथी को हाथ हिलाकर अभिवादन किया, फिर फ्रैंकी की ओर मुड़कर मुस्कुराया।

“ल्यूक,” उसने हाथ बढ़ाते हुए कहा। “ल्यूक द ड्रिफ्टर मेरा रिकॉर्डिंग नाम है।”

“क्या आप रिकॉर्ड बनाते हैं?”

"कभी-कभी।"

फ्रेंकी ने उससे हाथ मिलाया। "मैं फ्रेंकी प्रेस्टो हूँ।"

"क्या तुम मुझे कार चुनने में मदद करोगे, फ्रेंकी प्रेस्टो?"

अचानक, रटलैंड दुकान से दौड़ता हुआ बाहर आया, उसकी मुस्कान इतनी बड़ी थी जितनी फ्रैंकी ने पहले कभी नहीं देखी थी। फ्रैंकी ने सोचा, वह एक बच्चे जैसा लग रहा था, उसके छोटे, मोटे पैर उछलते हुए उनकी ओर बढ़ रहे थे।

“अरे वाह!” उसने आदमी का हाथ पकड़ते हुए कहा। “मुझे विश्वास नहीं हो रहा! श्रीमान विलियम्स, यह मेरे लिए सम्मान की बात है! मैं आपका प्रशंसक हूँ—आपके

संगीत का एक समर्पित प्रशंसक। आप हमारे समय के सबसे महान रिकॉर्डिंग कलाकार हैं! जी हाँ! ओह, माय! ओह, माय! हैंक विलियम्स!"

लंबे कद के उस आदमी ने फ्रेंकी की ओर मुड़कर आँख मारी।

"मैं बेहद खुश हूँ—सम्मानित महसूस कर रहा हूँ—मैंने ये पहले भी कहा था, है ना?—लेकिन ये सच है," रटलैंड ने उत्साह से कहा। "मुझे आपको कार बेचकर बहुत गर्व हो रहा है, महोदय! बेशक, एक कैडिलैक! हमारे पास सबसे बेहतरीन कार!"

उस आदमी ने अपनी टोपी ठीक की। "तुम्हारे पास नीले रंग में क्या है?"

जल्द ही वे गाड़ियों की कतारों के बीच से चलने लगे। रटलैंड लगातार बातें करता रहा, कभी इस गाने के बारे में पूछता, कभी उस गाने के बारे में, कभी "हे, गुड लुकिन'", कभी "मूव इट ऑन ओवर", कभी "कोल्ड, कोल्ड हार्ट" और कभी "आई सॉ द लाइट" नाम के किसी गाने के बारे में, जिसके बारे में रटलैंड ने बताया कि उसके चर्च के गायक मंडल ने इसे गाने की कोशिश की थी।

"शानदार धुन है, हैंक, एकदम जोश से भरी हुई!"

टोपी पहने हुए व्यक्ति ने प्रत्येक कार के बोनट पर अपनी उंगलियां फिराईं, जब तक कि वह एक हल्के नीले रंग के मॉडल पर नहीं पहुंचा और रुक गया।

"वाह, वाह, वह तो बहुत प्यारी है," उसने कहा।

"वह हो सकती है," उसके साथी ने कहा।

"इससे बेहतर नहीं हो सकता, हैंक," रटलैंड ने तुरंत सहमति जताई।

"फ्रैंकी प्रेस्टो, तुम्हारा क्या ख्याल है?" उस आदमी ने पूछा।

फ्रेंकी को महसूस हुआ कि सब उसे घूर रहे हैं। उसने अपना गिटार पीठ पर घुमाया और अपना हाथ गिटार के बोनट पर रखा। उसे कुछ ठंडा और डरावना सा महसूस हुआ और उसका चेहरा उतर गया। वह सदमे में आकर पीछे हट गया।

"क्या बात है, बच्चे?" ल्यूक—या हैंक—ने उससे पूछा।

"यह कार मत लो," फ्रेंकी ने बुदबुदाते हुए कहा।

"अब वो क्या है?"

"यह कार मत खरीदो। इसमें कुछ गड़बड़ है।"

"हे भगवान, इसे क्या पता, यह तो बस एक नासमझ किशोर है," रटलैंड ने फ्रैंकी को घूरते हुए कहा। "वैसे भी आज इसका आखिरी दिन है। जाओ अपने काम पर, लड़के।" उसने मुस्कुराते हुए कहा, "बहुत अफ़सोस है, हैंक। मुझे यकीन है कि हम

तुम्हारे लिए एक बढ़िया सौदा कर सकते हैं। यह शानदार कार है। कैडिलैक। सबसे अच्छी।"

काउबॉय हैट पहने उस आदमी ने फ्रैंकी की ओर कंधे उचकाए, और फ्रैंकी धीरे-धीरे गिटार को अपनी पीठ पर रखकर वहां से चला गया।

एक घंटे बाद, कागजी कार्रवाई पूरी करके, दोनों आदमी दफ्तर से बाहर निकले और अपनी गाड़ी की ओर लौट गए। फ्रैंकी धूप में अकेला बैठा था, सुर गुनगुना रहा था और रोने से बचने की कोशिश कर रहा था। वह यह नौकरी खोना नहीं चाहता था। आवारा उसे कैसे ढूंढ पाएगी?

"अब हम चलते हैं, फ्रेंकी प्रेस्टो," उस आदमी ने कहा।

"क्या आपने वह कार खरीदी?"

"हाँ।"

फ्रेंकी ने नीचे देखा।

"ये तो बस एक कार है। आपके बॉस ने हमें अच्छा सौदा दिया है। और अच्छा सौदा मिलना मुश्किल है। मुझे शायद पैसों की ज़रूरत न हो, लेकिन जिन लोगों का मुझ पर कर्ज़ है, उन्हें इसकी बहुत ज़रूरत है।"

वह आदमी अपने ही मजाक पर हँस पड़ा। फ्रेंकी ने कुछ नहीं कहा। उस आदमी ने अपनी जेब से गोलियों की एक छोटी शीशी निकाली। उसने एक गोली निगली और अपनी बोतल में जो भी बचा था, उससे उसे निगल लिया। फिर वह यात्री की सीट पर बैठ गया, दरवाजा बंद किया और खिड़की से अपना हाथ बाहर लटका दिया।

"महोदय?" फ्रेंकी ने कहा।

"हाँ?"

"आप असल में कौन हैं?"

उस आदमी ने अपनी नाक खुजलाई। "बेटे, अगर तुम संगीत को अपना पेशा बनाना चाहते हो, तो तुम्हें कई तरह के लोग बनना पड़ेगा। कुछ लोग तुम्हें दूसरों से ज़्यादा पसंद आएंगे।"

उसने झटके से अपना सिर दुकान की ओर घुमाया। "अपने बॉस द्वारा दिए गए

लिफाफे को लिए बिना मत जाना।"

कार चली गई, उसके एग्जॉस्ट से हल्का सा धुआँ निकला। अचानक चारों ओर सन्नाटा छा गया। सूरज बिना किसी बादल के तेज़ चमक रहा था। फ्रेंकी थोड़ी देर और खेलता रहा। जब छह बज गए, तो वह दफ्तर में दाखिल हुआ, जहाँ रटलैंड, जो उससे स्पष्ट रूप से नाराज़ था, ने उसे एक लिफाफा थमा दिया और कहा कि उसे वापस आने की ज़रूरत नहीं है।

“मुझे तो तुम्हें यह देना ही नहीं चाहिए,” उसने कहा। “तुम लोगों की वजह से मेरा वह सौदा लगभग रद्द हो गया था। अगर तुम दोबारा कहीं काम पाना चाहते हो, तो तुम्हें थोड़ी इज्जत सीखनी होगी।”

हैम्पटन के घर लौटते समय, फ्रैंकी रुक गया और सड़क के किनारे बैठ गया। उसे बहुत बेचैनी हो रही थी। उसे डर था कि हैम्पटन उसकी बर्खास्तगी के बारे में क्या कहेगा। उसे शुरू से ही हैंक या ल्यूक से बात नहीं करनी चाहिए थी।

उसने लिफाफा खोला और उसका मुंह खुला रह गया। उसमें उसे 107 डॉलर मिले, जो कैडिलैक की बिक्री पर कमीशन था और जिसे हैंक विलियम्स ने फ्रैंकी को ही देने पर जोर दिया था, किसी और को नहीं। फ्रैंकी ने अपने जीवन में इतनी बड़ी रकम कभी नहीं देखी थी, कार डीलरशिप में आधे साल में कमाए गए पैसों से भी कहीं ज्यादा।

उन्हें कागज के एक टुकड़े पर लिखे हुए कुछ गाने के बोल भी मिले:

सूरजमुखी के फूल सूरज की रोशनी का इंतजार कर रहे हैं।
वायलेट ओस की प्रतीक्षा कर रहे हैं।
मधुमक्खियाँ शहद का इंतज़ार कर रही हैं
और जान, मैं बस तुम्हारा ही इंतजार कर रही हूँ!

उसके नीचे "अपनी प्रेमिका का इंतजार करने के लिए शुभकामनाएँ" लिखा था और उस पर "हैंक विलियम्स" के हस्ताक्षर थे।

छह महीने बाद, 1953 के नए साल के दिन तड़के, हैंक विलियम्स, जिनके रक्त में मॉर्फिन की मात्रा अधिक थी, उसी हल्के नीले रंग की कैडिलैक की पिछली सीट पर शांति से चल बसे। हैंक को एक परफॉर्मेंस में ले जाने की कोशिश कर रहे ड्राइवर ने एक पेट्रोल पंप पर गाड़ी रोकी और गायक को कंबल के नीचे ठंडा और बेसुध पाया;

उनकी उम्र उनतीस वर्ष थी।

कार के बोनट पर फ्रेंकी ने जो महसूस किया, वही मैंने पहले से देख लिया था, वही मैं उससे कहना चाहता था - कि मौत उसका इंतज़ार कर रही है, कि गायक को अपनी आदतें सुधारनी होंगी, धीमा होना होगा, शराब और दवाइयाँ छोड़नी होंगी। क्या आपको लगता है कि मैं दखलंदाज़ी कर रहा हूँ? क्यों? मैंने आपको बताया है कि मैं अपने शिष्यों से प्यार करता हूँ। मैंने आपको बताया है कि मेरी सबसे दुखद मुलाक़ातें वो होती हैं जो समय से पहले आ जाती हैं। मैंने आपको बताया है कि मैं सभी भविष्य देख सकता हूँ। क्या मेरे लिए कभी-कभी इस शक्ति को साझा करना असंभव है? क्या मुझे हमेशा कुछ नहीं करना चाहिए और संगीत को मरने देना चाहिए?

30

1969

अब अंधेरा हो चुका था और फ्रेंकी वुडस्टॉक की भीड़ में लड़खड़ाते हुए तब तक चलता रहा जब तक कि वह महिला की बैंगनी वैन दिखना बंद नहीं हो गई। बारिश हो रही थी और उसके पैर कीचड़ में धंस रहे थे। उसने अपनी पीठ पर गिटार को समेटा। मंच। उसे मंच तक पहुंचना ही था। वह कहाँ था? वह इतना भटक कैसे गया? उसने ज़ोरदार हंसी सुनी और मुड़कर देखा तो युवाओं का एक समूह कीचड़ के गड्ढों में फिसल रहा था और कीचड़ के छींटे उन पर पड़ते ही चीख रहे थे।

“मैं कीचड़ का राजा हूँ!” एक युवक चिल्लाया।

फ्रेंकी लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ा, एक आदमी बोलोग्ना सैंडविच बाँट रहा था और कुछ लोग पानी का जग बाँट रहे थे। मच्छरों ने उसका सिर घेर लिया। उसने अंडे के

डिब्बे से उन्हें भगाया, मानो किसी अजीब, ऊबड़-खाबड़ ग्रह पर रास्ता ढूंढ रहा हो, और रास्ते में अस्थायी तंबू, स्लीपिंग बैग की कतारें और एक नग्न माँ तालाब में अपने दो बच्चों को नहलाती हुई दिखाई दी।

उसने लोगों की एक लंबी कतार देखी और, उसका दिमाग अभी भी भ्रमित था, उसने उसके पीछे जगह ले ली, यह सोचकर कि आगे खड़ा कोई व्यक्ति उसे रास्ता दिखा देगा।

“भाई, तुम्हें किसे फोन करना होगा?”

“हं?”

चेहरे पर झाइयों वाला एक आदमी उस पर मुस्कुरा रहा था। वह बिना कमीज के था और उसकी छाती पर घने बाल थे। उसकी जींस की बेल्ट ने उसकी ढीली कमर को किनारों से बाहर धकेल दिया था।

“ये तो फोन की लाइन है यार। किसे फोन करना है?”

“फोन लाइन?”

“हाँ। वे हमें पे फोन मुफ्त में इस्तेमाल करने दे रहे हैं। मुझे अपनी पत्नी को फोन करना है। मुझे कल ही वापस आ जाना चाहिए था।”

फ्रेंकी को अपने चेहरे पर पसीना महसूस हुआ। उसने अपना जबड़ा हिलाया। उस औरत की हरी गोली का जो भी असर हो रहा था, वह दिख रहा था। उसकी हड्डियाँ मानो आपस में अलग हो गई थीं।

"क्या तुम भी घर जाने की कोशिश कर रहे हो, भाई?"

मंच।

“तुम खेल रहे हो?”

"अहां।"

“अद्भुत! अद्भुत!”

उस आदमी ने आंखें सिकोड़ीं। फ्रेंकी ने भी आंखें सिकोड़कर जवाब दिया।

"अरे भइया?"

"हाँ?"

उसने फ्रेंकी के कंधे के ऊपर इशारा किया।

मंच उस तरफ है।

31

1953

[redacted]

"स्टेज इस दरवाजे के ठीक पीछे है," हैम्पटन ने फुसफुसाते हुए कहा।

फ्रेंकी ने सिर हिलाया।

"आप वहां जाइए, बस अपना संगीत बनाइए। जिस तेज़ी से आप गिटार बजाते हैं, वे आपको मना नहीं कर सकते।"

गर्मी का मौसम था, संगीत की लय 2/4 थी और ताल जीवंत थी—जीवंत, लेकिन धीमी, यानी लंबी। हैम्पटन और फ्रैंकी ग्रैंड ओले ओप्री के बाहर ऑडिशन के लिए इंतज़ार कर रहे थे। सत्रह साल के फ्रैंकी ने नैशविले आने के बाद से कंट्री संगीत काफ़ी सीख लिया था। उनकी लंबाई भी दो इंच बढ़ गई थी और अब वे लड़के से ज़्यादा एक जवान आदमी लगते थे। हैम्पटन ने उनसे कहा, "मुझे लगता है कि तुम सबसे बड़े मंच के लिए तैयार हो।"

ऑडिशन के लिए उसने फ्रैंकी को ग्रे रंग की काउबॉय टोपी और लेस वाली सफेद स्पोर्ट्स कोट पहनाई थी। इस पर हैम्पटन की एक हफ्ते की तनख्वाह खर्च हो गई। मुझे यह भी बताना चाहिए कि मैकेनिक ने फ्रैंकी का मैनेजर बनने की इच्छा जताई थी, और हालांकि फ्रैंकी को इस पद की पूरी समझ नहीं थी, उसने तुरंत हां कह दी। उसे हैम्पटन पसंद था। और यह देखकर कि वह फ्रैंकी को खाना खिला रहा था और उसे रेडियो सुनने दे रहा था, फ्रैंकी मना नहीं कर सका।

“बस वैसे ही खेलते रहो जैसे तुम डेट्रॉइट में खेलते थे। मना करने का तो सवाल ही नहीं उठता।”

"ठीक है।"

"तुम अब तक देखी गई सबसे तेज़ चीज़ हो।"

"ठीक है।"

हैम्पटन घबराया हुआ लग रहा था। एक और घंटा बीत गया। फ्रेंकी दरवाजा खटखटाना चाहता था, लेकिन हैम्पटन ने मना कर दिया। "हम ज़बरदस्ती नहीं करना चाहते। वे हमें ले जाएंगे।"

अंततः, सूरज ढलने लगा तो सूट पहने एक आदमी सामने के दरवाजे से बाहर आया। फ्रेंकी दौड़कर उसके पास गई और बोली, "माफ़ कीजिए," और पूछा कि क्या कोई उनका स्वागत करने के लिए जल्द ही आएगा।

“दक्षिण द्वार पर ऑडिशन हो रहे हैं,” उस आदमी ने कहा। “बस कोने के पास। लेकिन अब वे जा चुके हैं। आप सबको अगले हफ्ते वापस आना होगा।”

फ्रेंकी ने हैम्पटन की ओर देखा, जिसका मुंह खुला रह गया। फ्रेंकी वापस सूट पहने हुए आदमी की ओर मुड़ गई।

“सर... क्या मुझे कुछ ऐसा मिल सकता है जिससे पता चले कि हम यहाँ आए थे? अगली बार के लिए? ताकि हम शायद लाइन में सबसे पहले हों?”

उस आदमी ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा और मुस्कुराया। उसने अपनी जेब में हाथ डाला और एक बिजनेस कार्ड निकाला।

“मेरे पास बस इतना ही है, नौजवान।”

वह आदमी चला गया। हैम्पटन ने गुस्से में सिर हिलाया। कहीं गलत दरवाजा तो नहीं खुल गया?

“कोई बात नहीं, हैम्पटन,” फ्रेंकी ने कहा। “हम अगले हफ्ते कोशिश कर सकते हैं।”

लेकिन बूढ़ा आदमी अपनी गलती से परेशान होकर बड़बड़ाता रहा। उसे बहुत पसीना आ रहा था। घर लौटते समय उसने कई बार स्टीयरिंग व्हील पर हाथ पटका। फिर, एक ट्रैफिक सिग्नल पर मुड़ने के बाद, उसने अपनी बांह पकड़ ली और गाड़ी के फुटपाथ की ओर मुड़ने पर दरवाजे से जा टकराया।

“हैम्पटन!” फ्रेंकी चीखा, स्टीयरिंग व्हील पकड़कर बेतहाशा गाड़ी चलाने लगा। “क्या बात है? हैम्पटन! अरे!” उसने गाड़ी को ज़ोर से ब्रेक लगाने के लिए अपना पैर उस आदमी के पैरों पर रख दिया।

“ओह नहीं, नहीं, नहीं, नहीं,” फ्रेंकी गिड़गिड़ाया। उसने हैम्पटन का कॉलर खोला। उसकी आँखें ऊपर चढ़ी हुई थीं। वह कराह रहा था। फ्रेंकी ने खिड़की से चिल्लाकर कहा, “मदद करो! अस्पताल कहाँ है?”

कुछ ही मिनटों बाद, वह हैम्पटन को दोहरे दरवाजों से खींचकर अंदर ले जा रहा था, उसकी बाहें बूढ़े आदमी की छाती से लिपटी हुई थीं। वह बार-बार कह रहा था, "तुम ठीक हो, तुम ठीक हो," लेकिन अंदर पहुँचते ही वह फिर चिल्लाया, "मदद करो!" एक नर्स उसकी मदद के लिए दौड़ी, लेकिन छोटे बालों और चौड़े सीने वाले एक डॉक्टर ने अपने हाथ ऊपर उठा दिए।

“रुको,” उसने कहा। “आप लोगों को इसे अश्वेतों के अस्पताल ले जाना होगा।”

“प्लीज़!” फ्रेंकी चिल्लाया।

डॉक्टर ने सिर हिलाया। "अश्वेत लोगों का अस्पताल उसका ख्याल रखेगा।"

लेकिन वह मुसीबत में है!

तो बेहतर होगा कि आप जल्दी चलें।

फ्रेंकी की सांसें तेज़ हो गईं। उसने अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं। और उसके अंदर कुछ टूट गया। शायद बाफा, या एल मास्ट्रो, या अपनी माँ को कभी न पा पाने, या जीवन में उससे छीनी गई कई अनमोल चीज़ों में से किसी एक के कारण, उसे एक ज़बरदस्त ऊर्जा का उभार महसूस हुआ, उसके कानों के बीच एक शोर, जैसे कीबोर्ड के एक छोर से दूसरे छोर तक गुस्से में बजने वाली कोई धुन।

वह हैम्पटन को भी नहीं खोना चाहता था।

“अब आप सुनिए,” उन्होंने डॉक्टर के बिल्कुल करीब आकर खड़े होते हुए कहा। “मैं अभी-अभी ग्रैंड ओले ओप्री से आया हूँ। वह भी वहीं से आए हैं। यह एक महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं।”

डॉक्टर हँस पड़ा। "आप लोग ओप्री से आए हैं?"

फ्रेंकी ने अपनी जेब से बिजनेस कार्ड निकाला और उसे डॉक्टर की हथेली पर पटक दिया।

“जी हां, सही है। मैं शनिवार रात को वहां परफॉर्म कर रहा हूं। अगर आप अभी इस आदमी का ख्याल रख दें, तो मैं आपको पहली पंक्ति में चार मुफ्त टिकट दे दूंगा।”

जब उसने ये शब्द कहे, तब भी फ्रेंकी को ऐसा लगा जैसे वो किसी और की बात सुन रहा हो। उसे ये शब्द कहाँ से मिले?

डॉक्टर ने बिजनेस कार्ड पढ़ते हुए नाक से एक हल्की सी गंध निकाली। यह एक उच्च पदस्थ इवेंट मैनेजर का कार्ड था।

"क्या तुम सचमुच ओप्री में परफॉर्म कर रहे हो?"

“मेरे कपड़े देखो,” फ्रेंकी ने कहा।

डॉक्टर ने अपने होंठ सिकोड़े। उन्होंने नर्स को सिर हिलाकर अभिवादन किया।

“पीछे की तरफ,” उसने कहा।

कुछ घंटों बाद, फ्रेंकी एक बिस्तर के पास बैठा था, धीरे-धीरे गिटार बजा रहा था, एक ब्लूज़ धुन जो मानो अपनी ही लय बना रही थी।

"खेलते रहो बेटा। इससे मुझे सुकून मिलता है।"

सत्तर वर्ष की आयु में हैम्पटन बेलग्रेव को दिल का दौरा पड़ा था, लेकिन उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता मिलने से उनकी हालत स्थिर हो गई थी। वे जीवित रहेंगे।

"क्या तुम सचमुच डॉक्टर के टिकट का वादा कर रहे हो?" हैम्पटन ने फुसफुसाते हुए कहा।

फ्रेंकी ने सिर हिलाया।

"क्या आप उस शो में जा रहे हैं जिसमें आप हिस्सा नहीं ले रहे हैं?"

"हाँ।"

हैम्पटन मुस्कुराया और उसने अपना सिर हिलाया।

"जब मैंने तुम्हें अपनी कार की डिग्गी में पाया था, तब की तुलना में अब तुम कहीं ज्यादा समझदार हो गए हो।"

फ्रेंकी ने एक सुर छेड़ा। हैम्पटन का गला भर आया।

"पता नहीं मेरे साथ क्या हो सकता था।"

"तुम ठीक हो जाओगे, हैम्पटन।"

"आपका धन्यवाद।"

नहीं।

अब मैं थोड़ी देर सोऊंगा। शायद प्रार्थना भी कर लूं।

बूढ़े मैकेनिक ने अपनी आँखें बंद कर लीं, इसलिए उसे आगे क्या हुआ यह दिखाई नहीं दिया: फ्रैंकी के गिटार का डी तार जलते हुए नीले रंग का हो गया। फ्रैंकी उसे देखता रह गया। उसे अपने हाथों और पैरों में सिहरन महसूस हुई। क्या आपने मेरे

बच्चे की कहानी के महत्वपूर्ण अंशों के बारे में सोचा है? यहाँ उनमें से एक है:

अस्पताल के शांत कमरे में, एक बूढ़े आदमी की सांसों की आवाज के बीच, फ्रैंकी प्रेस्टो को आखिरकार समझ आया कि किसी तरह, उन तारों के माध्यम से, वह जीवन को अपने हाथों में थामे हुए था।

दो हफ्ते बाद और आठ पाउंड वजन कम करके, हैम्पटन घर लौट आया। उसने फ्रैंकी को बिठाकर समझाया कि एक संगीतकार का प्रबंधन करना उसके लिए स्पष्ट रूप से बहुत कठिन काम है, और "शायद तुम्हें किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचना चाहिए जो इन मामलों में बेहतर दिमाग रखता हो।"

फ्रेंकी उदास था। उसे हैम्पटन पसंद था और वह ग्रैंड ओले ओप्री के अंदर का नजारा देखना चाहता था। लेकिन सच तो यह था कि उसे काउबॉय के कपड़े बिल्कुल पसंद नहीं थे। और उसे नैशविले में ऑरोरा यॉर्क नहीं मिली, जिसके लिए वह आया था। वह उसके सबसे करीब हार्वे डिपार्टमेंट स्टोर के मेकअप काउंटर पर पहुंचा, जहां एक अधेड़ उम्र की महिला को ब्रिटिश लहजे वाली एक गोरी लड़की याद आई, जिसने कहा था कि वह न्यू ऑरलियन्स जा रही है।

इससे ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई।

लेकिन कुछ तो था।

तो एक सुबह, ओप्री की घटना के कुछ महीनों बाद, फ्रैंकी ने हैंक विलियम्स के लिफाफे में बचे हुए पैसों में से बीस डॉलर निकाले और बाकी पैसे हैम्पटन के दराज में छिपा दिए, ताकि हैम्पटन का ख्याल रखने के लिए उन्हें धन्यवाद दे सके। फिर उसने धूप का चश्मा लगाया, बूढ़े आदमी को गले लगाया और अपने गिटार, सूटकेस और बिना बालों वाले कुत्ते के साथ ग्रेहाउंड बस स्टेशन की ओर चल पड़ा, जहाँ उसने न्यू ऑरलियन्स के लिए एक तरफा टिकट खरीदा।

जैसे ही वह बस में चढ़ने लगा, बस चालक ने कहा, "अगर आप अंधे नहीं हैं तो कुत्तों को अंदर आने की अनुमति नहीं है।" फ्रैंकी ने तुरंत सोचकर अपने हाथ आगे बढ़ा दिए और कहा, "आपको क्या लगता है कि मैंने ये चश्मा क्यों पहना है?" उसे और उसके कुत्ते को बस में चढ़ने दिया गया। बस चल पड़ी। उसके सामने बैठी एक बुजुर्ग

महिला ने उसकी बांह पर थपथपाया और उसके हाथों में दस डॉलर का नोट थमा दिया। उसने कहा, "भगवान आपकी इस परेशानी में आपकी मदद करें।"

फ्रेंकी ने उस महिला को धन्यवाद दिया। उसने कुत्ते के कराहने की आवाज़ सुनी। वह सोचने लगा कि उसके जीवन के सबसे असामान्य क्षणों में ही भगवान का ज़िक्र क्यों होता है।

32

1954

[redacted]

उस कुत्ते के बारे में।

फ्रेंकी अब अठारह साल का हो चुका था, जिसका मतलब था कि उसका चार पैरों वाला साथी उससे भी बड़ा था। एक कुत्ते के जीवन में यह दुर्लभ होता है। लेकिन यह एक असाधारण जानवर था, और इसकी जीवन अवधि स्पष्ट रूप से वर्षों से नहीं, बल्कि ज़रूरतों से तय होती थी। कुत्ता फ्रेंकी को नदी से बाहर निकालने के लिए मौजूद था। सार्डिन कारखाने में सैनिकों का ध्यान भटकाने के लिए वह मौजूद था। बफा की गिरफ्तारी के समय फ्रेंकी का साथ देने के लिए वह मौजूद था। और किसी तरह वह डेट्रॉइट में, अनाथालय के बाहर, उस समय मौजूद था जब फ्रेंकी को एक दोस्त की सख्त ज़रूरत थी।

न्यू ऑरलियन्स में, कुत्ता रातों को होटल के कमरों में इंतज़ार करता था, जबकि फ्रैंकी डू-वॉप समूहों और जैज़ चौकड़ियों के साथ गाकर पैसे कमाता था। दिन के समय, वह फ्रैंकी के पीछे-पीछे गलियों में घूमता रहता था, दुकानों के बाहर इंतज़ार करता था, जबकि फ्रैंकी ऑरोरा के बारे में पूछता रहता था। हर बार जब मेरा बच्चा

निराश होकर लौटता, बिना कोई नई जानकारी मिले, तो कुत्ता हांफते हुए उठता और उसके साथ अगले पड़ाव तक चला जाता।

लेकिन जैसे-जैसे 1954 का अंत करीब आया, फ्रैंकी ने देखा कि उसका साथी धीमा पड़ रहा है। उन गलियों में चलना या मिसिसिपी नदी पर बने ह्यूई पी. लॉन्ग पुल के नीचे की ऊंची घास में से रास्ता बनाना अब पहले से ज़्यादा मुश्किल हो गया था। फ्रैंकी हर दिन उस पुल के नीचे तीन घंटे अभ्यास करता था, जब ट्रेनें ऊपर से गुज़रती थीं। वह रिदम एंड ब्लूज़ में काफी माहिर हो गया था, और जब रेल की पटरियों के बीच पहिए टकराते थे, तो वह उनकी ताल पर गिटार बजाता था। बिना बालों वाला कुत्ता उस आवाज़ को सुनकर ऊपर देखता था।

“चकट्टी, चकट्टी,” फ्रेंकी गाता था।

लेकिन हाल के हफ्तों में, फ्रैंकी द्वारा बजाई गई कोई भी चीज़ उस प्राणी का ध्यान आकर्षित नहीं कर सकी, यहाँ तक कि जब उसने युवा एल्विस प्रेस्ली की ऊँची आवाज़ और उनके नए रिकॉर्ड "दैट्स ऑल राइट (मामा)" की लयबद्ध धुन की नकल की तब भी नहीं।

"आप लोग बहुत मुश्किल श्रोता हैं," फ्रेंकी ने कहा।

कुत्ते को छींक आ गई।

"आप क्या सुनना चाहते हैं?"

कुत्ते ने पलकें झपकाईं और सीधे उसकी ओर देखा।

"हम्म? कुछ धीमा और सुंदर?"

फ्रेंकी एक पेड़ से टिककर बैठ गया और 2/5 प्रोग्रेशन पर धुन बजाने लगा। हवा गर्म थी और सूरज एक सफेद बादल के पीछे छिप गया था। फ्रेंकी की यादें खो गईं। देखते ही देखते, वह "मालाला मो काया" धुन बजाने लगा, वही धुन जो उसने कभी स्पेन के एक खेत में दफन मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए बजाई थी। फ्रेंकी ने कई सालों से यह धुन नहीं बजाई थी, और उसे आश्चर्य हुआ कि यह उसे कितनी आसानी से याद आ गई। इसकी सरल धुन मन को सुकून दे रही थी। बिना बालों वाले कुत्ते ने चुपचाप एक बड़ी जम्हाई ली।

जब फ्रेंकी का काम खत्म हो गया, तो जानवर उसके पास आया और फ्रेंकी ने उसके कान खुजलाए। कुत्ते ने उसकी उंगलियां चाटीं।

“धन्यवाद,” फ्रेंकी ने मुस्कुराते हुए कहा। “अब मैं पूरी तरह से चिपचिपी हो गई

हूँ।”

कुत्ता मुड़ा और नदी के किनारे की ओर चल पड़ा। कीचड़ भरी धारा तेज़ी से बह रही थी।

"अरे, संभलकर!" फ्रेंकी चिल्लाया और आगे की ओर झुक गया, लेकिन पहली बार जानवर मुड़ा और गुर्राया, जिससे फ्रेंकी घबराकर पीछे हट गया।

कुछ गाने ऐसे होते हैं जिन्हें बजाते समय आपको दोबारा शुरू करना पड़ता है, और कुछ गाने ऐसे होते हैं जिन्हें आप कभी सही से बजा नहीं पाते। लेकिन जब कोई गाना पूरा हो जाता है, तो उसके बाद आप कुछ नहीं कर सकते।

बिना बालों वाला कुत्ता पानी में कूद गया और तैरता हुआ दूर चला गया।

फ्रेंकी बेजान भाव से देखता रहा, उसे किसी तरह यह पता था कि उसे उसका पीछा नहीं करना चाहिए, भले ही उसके मूल तीन सदस्यीय बैंड का आखिरी सदस्य मिसिसिपी नदी में गायब हो गया।

कुछ देर बाद उसे अपने पीछे लंबी घास में सरसराहट सुनाई दी। उसने अपना सिर घुमाया और सूरज की ओर आंखें सिकोड़कर देखा। उसने अपने ऊपर एक आकृति को मंडराते हुए मुस्कुराते हुए देखा।

"मैंने सुना है कि आप मुझे ढूंढ रहे थे," ऑरोरा यॉर्क ने कहा।

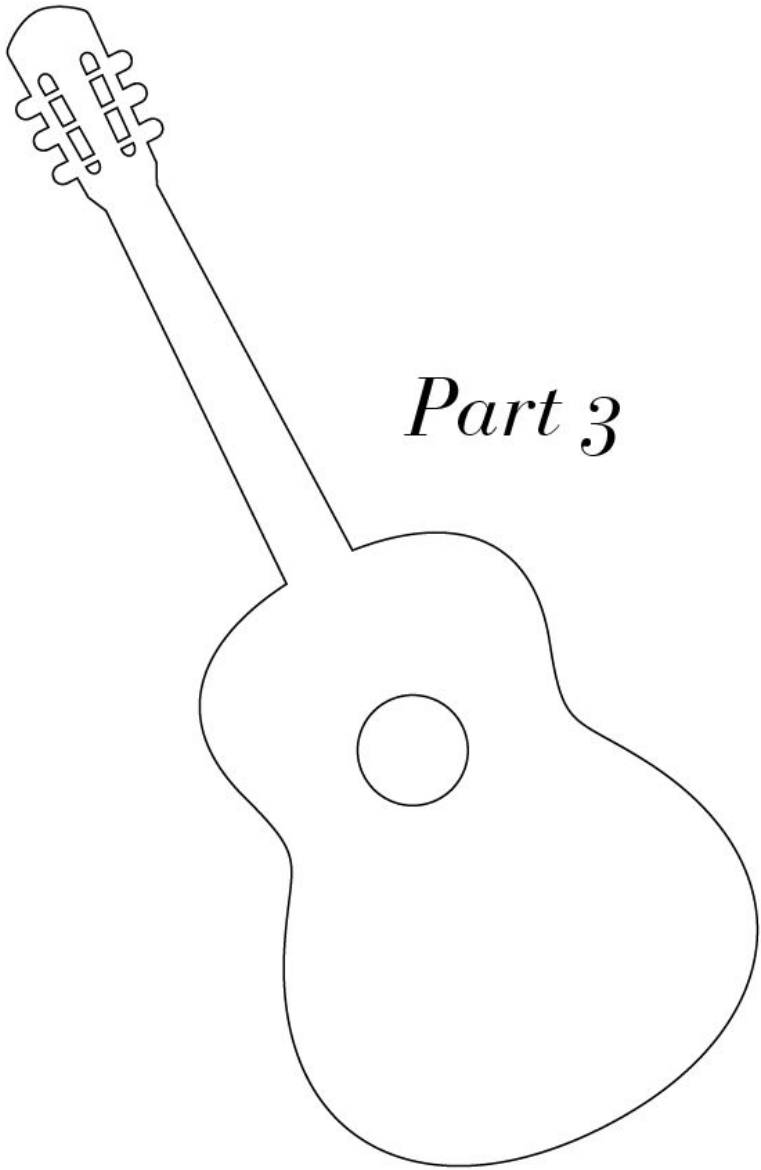

सेसिल (यॉर्क) पीटरसन

ऑरोरा यॉर्क की बहन; लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से सेवानिवृत्त गणितज्ञ।

हमारे पिता एक जासूस थे।

इसी तरह हम स्पेन पहुँचे, मेरी प्यारी। वह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जासूस थे, और उन्हें लगा कि हम इंग्लैंड की तुलना में यहाँ ज़्यादा सुरक्षित रहेंगे। और मुझे लगता है, ब्लिट्ज़ को देखते हुए, उनका अंदाज़ा सही था। पिताजी ने ऑपरेशन फोर्टिट्यूड में ब्रिटिश इंटेलिजेंस के लिए काम किया था। यह काफ़ी मशहूर है। उन्होंने जर्मनों का ध्यान नॉर्मंडी आक्रमण से भटकाने के लिए यह दिखावा किया कि मित्र राष्ट्र कहीं और बड़े हमले की योजना बना रहे हैं। . . . ओह, हाँ, मेरी प्यारी। इस पर किताबें लिखी गई हैं। खोज लो।

पिताजी एक स्पेनिश डबल एजेंट के साथ काम करते थे, जिस पर जर्मन भरोसा करते थे। यह सब काफी फलदायी रहा—लेकिन हमारे परिवार के लिए नहीं। पिताजी हमें, मेरी माँ, अरोरा और मुझे, वालेंसिया के पास एक छोटे से घर में छोड़कर चले गए। फिर वे हमेशा के लिए हमें छोड़कर चले गए। 1945 में, नॉर्मंडी की लड़ाई के आठ महीने बाद, उनकी हत्या कर दी गई। उनका शव बार्सिलोना के एक होटल के कमरे में मिला, तार से गला घोंटकर उनकी हत्या की गई थी। मुझे लगता है कि उनके साथ धोखा हुआ था। कौन जाने। पिताजी अक्सर कहते थे, "गोपनीयता हमारे चुने हुए जीवन का हिस्सा है।"

मेरी बहन और मैं बिल्कुल अलग थीं। अरोरा एक आज़ाद ख्याल की लड़की थी। वह अजीबोगरीब, बेमेल कपड़े पहनती थी; उसे सुबह उठते ही नाचना पसंद था; पेड़ों पर चढ़ना, बारिश में बाहर दौड़ना, चेहरे पर टमाटर का पेस्ट लगाना, ऐसी ही चीज़ें उसे पसंद थीं। मैं ज़्यादा पढ़ाई-लिखाई में लगी रहती थी। सलीके से रहना। बारिश से बचना। शायद अपनी माँ की बेटी होने के कारण। मुझे संख्याओं में दिलचस्पी थी। गणित। विज्ञान। मुझे चीज़ें व्यवस्थित पसंद थीं। अरोरा को चीज़ें अस्त-व्यस्त पसंद थीं।

आप अरोरा और फ्रेंकी का वर्णन इस तरह कर सकते हैं: अस्त-व्यस्त।

सच कहूँ तो, मैंने "फ्रांसिस्को" के बारे में उससे मिलने से कई साल पहले सुना था। मेरी बहन उससे तब मिली थी जब वह बहुत छोटी थी, स्पेन के जंगलों में। मुझे

नहीं पता कि उस दोपहर उन्होंने क्या कहा या किया, लेकिन जो भी हुआ, वह उसकी बातचीत का हिस्सा बन गया। "एक दिन, जब मैं फ्रांसिस्को से शादी करूँगी...", वह कहती थी। या "एक दिन मुझे फ्रांसिस्को के साथ घर मिलेगा..." सच कहूँ तो, मुझे लगा कि वह काल्पनिक है। वह केवल सात या आठ साल की थी, और आप जानते हैं कि छोटी लड़कियाँ कैसी होती हैं। खैर, एक जासूस की बेटियाँ होने के नाते, हमारे घर में सच और झूठ में अक्सर कोई फर्क नहीं होता था।

जब वह अमेरिका भाग गई, तब मुझे एहसास हुआ कि "फ्रांसिस्को" एक असली इंसान था। उस समय तक ऑरोरा किशोरी हो चुकी थी, और उस गर्मी में वह हमारी माँ और नए सौतेले पिता के साथ एक मेडिकल कॉन्फ्रेंस के लिए टेनेसी गई थी। वह एक चिकित्सक थे। स्कॉटिश मूल के। बहुत गुस्सैल स्वभाव के। वह और ऑरोरा लगातार लड़ते रहते थे—उसे यह बात बिल्कुल पसंद नहीं थी कि मेरी माँ मेरे पिता की जगह ले लेगी—और उस यात्रा के दौरान उनके बीच एक भयंकर झगड़ा हुआ। उसके पास एक नया पीला सूटकेस था, और जब मेरी माँ होटल के कमरे में वापस आईं, तो सूटकेस और ऑरोरा दोनों गायब थे। उन्होंने कुछ हफ़्ते तक खोजबीन की, लेकिन आखिरकार हार मानकर घर लौट आए।

मुझे याद है जब वे दो लोग, तीन नहीं, दरवाजे से अंदर आए और मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे साथ धोखा हुआ हो, मानो वे मेरा सारा सामान लेकर चले गए हों और खाली हाथ लौट आए हों। मेरी बहन के साथ जो बचपन बचा था, वो मेरे सौतेले पिता ने मुझसे छीन लिया। मैंने उन्हें इसके लिए कभी माफ नहीं किया। शायद मैंने अरोरा को भी कभी माफ नहीं किया, जिसने माँ और मुझे उस आदमी के साथ अकेला छोड़ दिया था।

कई महीनों तक हमें पोस्टकार्ड मिलते रहे जिनमें लिखा होता था कि वह ठीक है, लेकिन उनमें बहुत कम जानकारी होती थी, सिवाय इसके कि उसे लगता था कि "फ्रांसिस्को" भी कहीं अमेरिका में है, उसे ऐसा महसूस होता था। मैंने इसे अपनी सनकी बहन की बकवास समझकर नज़रअंदाज़ कर दिया। सच कहूँ तो मुझे नहीं पता कि वह कैसे बच पाई।

फिर एक दिन, 1955 में, उसने लंदन में हमारे फ्लैट पर फोन किया। मैं तब तेईस साल की रही होंगी, तो वह शायद अठारह या उन्नीस साल की होंगी। मैंने फोन उठाया और उन्हें कहते सुना, “सेसिल, तुम्हें आना ही होगा। मेरी शादी हो रही है!” उन्होंने

हैलो तक नहीं कहा। मैं उनकी आवाज़ सुनकर दंग रह गई। मैंने कहा, “ऑरोरा? क्या सच में तुम हो?” और उन्होंने कहा, “आखिरकार उन्हें मैं मिल ही गई, सेसिल।” और मैंने कहा, “तुम्हें किसने ढूंढा?” और उन्होंने कहा, “फ्रांसिस्को ने!”

उन दोनों के बीच का रिश्ता कुछ ऐसा ही था। लंबे समय तक एक-दूसरे से दूर रहना—फिर एक बेतहाशा, तीव्र प्रेम प्रसंग। मुझे यकीन है कि वो और फ्रेंकी एक-दूसरे के लिए ही बने थे, भले ही वे शायद ही कभी साथ रहते हों। ऐसा लगता था मानो उनके बीच कोई ऐसा राज़ हो जिसे वे हमेशा छिपाकर रखते थे, जिसकी वजह से वे ज़्यादातर समय खुश रहते थे और बाकी समय पागलों जैसी हरकतें करते थे।

लेकिन प्यार में? ओह, जी हाँ, प्रिय। फ्रैंकी और अरोरा का प्यार इतना गहरा था जितना मैंने आज तक किसी और में नहीं देखा, और इसमें मेरी अपनी शादी भी शामिल है, जो बयालीस साल तक चली। मुझे याद है फ्रैंकी अभ्यास या संगीत रचना कर रहे होते थे, और मेरी बहन उनके पीछे आकर उनके कान पर चुंबन करती थी—हमेशा उनके कान पर—और वे कहते थे, "अरोरा का मतलब भोर होता है," और वे दोनों हँसते थे, पता नहीं किस बात पर। वे साथ में छोटे-छोटे युगल गीत गाते थे। एक स्पेनिश गाना था रेलगाड़ी के डिब्बे के बारे में। लाआआ-पाआआं-दे-रो ला-ला-ला, ला-ला-ला-ला-ला। क्या आप इसे जानते हैं? ... मैंने सोचा, स्पेन में यहाँ होने के कारण... खैर। जो भी हो।

फ्रैंकी के मशहूर होने से ठीक पहले वे दोनों सबसे ज़्यादा खुश थे, और उसी दौरान उनकी शादी हुई थी। वे न्यू ऑरलियन्स में रहते थे। मैंने ऑरोरा की सहेली बनने के लिए टिकट बुक कराया था। मेरे सौतेले पिता ने मेरी माँ को जाने से मना कर दिया। यकीन मानिए! उन्होंने कहा, "इस छोटी सी मुसीबत ने हमें बहुत परेशान किया है।" सच कहूँ तो, वह आदमी ज़हर था।

इसलिए मैं अकेले ही संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर गया, लेकिन जब मैं न्यू ऑरलियन्स पहुंचा, तो मुझे पता चला कि चूंकि फ्रैंकी और अरोरा दोनों के पास उचित कागजात नहीं थे, इसलिए उनकी कानूनी रूप से शादी नहीं हो सकती थी।

लेकिन इससे वे रुके नहीं। उन्होंने अपनी शादी खुद ही कर ली—फ्रेंच क्वार्टर के एक नाइटक्लब में... नहीं, मुझे नाम याद नहीं आ रहा। लेकिन मुझे याद है कि यह रात के दो बजे शुरू हुई—जब क्लब बंद हो चुका था। वहाँ बहुत सारे संगीतकार थे। फैट्स डोमिनो ने पियानो बजाया। वह फ्रैंकी का दोस्त था। और कई जैज़ कलाकार भी

थे।

मैंने फ्रैंकी को पहली बार गाते हुए सुना था। वह वाकई कमाल का था। मुझे समझ आ गया कि मेरी बहन उस पर क्यों फिदा हो गई। वह कोयल की तरह गाता था और बेहद आकर्षक था। उस समय वह एक ग्रुप के साथ काम कर रहा था—क्या ये "डू-वॉप" संगीत था? हाँ... बिल्कुल... उन सभी की आवाज़ का लहजा अलग-अलग था, एक की आवाज़ बहुत धीमी, एक की बहुत तेज़, एक की बीच की, और उन्होंने मेरी बहन के लिए "अर्थ एंजेल" गाना गाया। जब गाने में पूछा गया, "क्या तुम मेरी बनोगी?" तो फ्रैंकी घुटनों पर बैठ गया और जब उसने ऑरोरा की उंगली में अंगूठी पहनाई तो वह रोने लगी। मुझे उसके लिए बहुत खुशी हुई। आखिर वह मेरी बहन थी। और जब ऑरोरा खुश होती थी, तो उससे ज़्यादा खुश कोई नहीं हो सकता था। वह आपका हाथ पकड़कर आपकी बांहें झुलाती और कहती, "ये कितना बढ़िया है!" मानो वह एक छोटी बच्ची हो।

शायद इसीलिए वो और फ्रैंकी एक-दूसरे की तरफ आकर्षित हुए। बचपन में उन्हें बच्चों की तरह खेलने की इजाज़त ही नहीं थी, इसलिए बड़े होकर वे अक्सर बच्चों जैसा ही बर्ताव करते थे। सीधे शब्दों में कहें तो, देर से सोना, अपॉइंटमेंट मिस करना, हमेशा हंसते रहना और हर बात पर माफी मांगते रहना। लेकिन वे बच्चे तो नहीं थे, थे ना? और यहीं से उनकी परेशानियां शुरू हुईं।

जब वह लंबे समय के लिए उससे दूर चली जाती, तो मैं उसे डांटती, लेकिन उसके पास हमेशा कोई न कोई बहाना होता, कि उसे अपने संगीत पर काम करना है, या उसे किसी बात से उबरना है। वह उसे पैसे भेजता। वह उन्हें वापस भेज देती। वह फोन करता। वह फोन काट देती। उसे पता था कि दूसरी औरतें भी हैं। उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मैं कहती, "ऑरोरा, अगर वह तुम्हारा पति है, तो तुम दोनों को साथ रहना चाहिए," और वह कहती, "ओह, सेसिल, हम साथ हैं। बस अलग-अलग हैं।"

उन्होंने कई राज़ छुपाए रखे। पिताजी को तो मंज़ूरी मिल जाती। लेकिन इसकी वजह से मुझे कई बातों की जानकारी नहीं थी—खासकर वो बड़ा अलगाव जिसकी वजह मुझे पता नहीं थी। आज तक मैं आपको बता नहीं सकती। मुझे लगता है उस अभिनेत्री से शादी ने हालात और बिगाड़ दिए। मैं उसका नाम तक नहीं लूंगी, क्योंकि मुझे उससे बहुत तकलीफ हुई थी। पता नहीं फ्रैंकी क्या सोच रहा था। क्या आपने मेरी बहन की बचपन की तस्वीरें देखी हैं? किसी भी अभिनेत्री से ज़्यादा खूबसूरत, मेरी

प्यारी। ऑरोरा को वो मिल सकती थी जिसे वो चाहती। उसने फ्रैंकी को चुना। बस यही बात है।

क्या आपको लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स का लैटिन आदर्श वाक्य पता है? Rerum cognoscere causas. इसका अर्थ है, "चीजों के कारणों को जानना।" लेकिन फ्रैंकी और अरोरा के बारे में मुझे बहुत कुछ नहीं पता था, इसलिए शायद मैं आपकी रिपोर्ट के लिए ज़्यादा मददगार नहीं हो पा रही हूँ। मैं बस इतना ही कह सकती हूँ कि वह अरोरा के लिए बहुत सारी खुशियों और बहुत सारे दुखों का कारण था। शायद इसी वजह से उसे लगता था कि मैं उसे पसंद नहीं करती। जब भी वे आते, वह मुझे गले लगाता और कहता, "सेसिल, चलो मैं तुम्हें एक गाना सुनाता हूँ।" और मैं कहती, "नहीं, कोई बात नहीं।" मैं उसके संगीत से मोहित नहीं होने वाली थी। कलाकार मानते हैं कि कला सभी व्यवहारों को स्वीकार्य बना देती है। मैं इससे सहमत नहीं हूँ। और मैंने उसे यह बात बता भी दी थी।

अब पीछे मुड़कर देखती हूँ तो शायद वो बात कुछ ज़्यादा ही कठोर थी। लेकिन मैं हमेशा से व्यावहारिक रही हूँ। अरोरा ये बात समझती थी। वो हँसते हुए कहती थी, “सेसिल, अगर वो तुम्हें अपना संगीत न सुनाए तो ही तुम्हारे लिए अच्छा है। उस लड़के और उसके गिटार को तुम्हारी ज़िंदगी बदलने में बस कुछ ही मिनट लगते हैं।”

33

फ्रेंकी और अरोरा। अपने आप में एक संपूर्ण संगीतमय रचना।

मैंने पहले भी प्रेम और संगीत, उनके जटिल युगल गीत के बारे में बात की है। संक्षेप में कहें तो, अपने तमाम प्रेम प्रसंगों के बावजूद, फ्रैंकी प्रेस्टो को लगभग हर महिला के साथ खालीपन का एहसास क्यों होता था, इसके पीछे एक कारण था।

मेरी गलती।

सच तो यह है कि मैं किसी के साथ कुछ बाँटना पसंद नहीं करता। मैं तुम्हें अपने तक ही सीमित रखना चाहता हूँ। और तुम, मेरे प्यारे शिष्यों, भी मुझे चाहते हो—भले ही इसके लिए दूसरों को त्यागना पड़े। तुम मेरे पीछे-पीछे सुनसान अभ्यास कक्षों में, दूर-दराज के मंचों पर, धुएँ से भरे रिकॉर्डिंग स्टूडियो में देर रात तक आते हो, तुम्हारी थकी हुई उंगलियाँ पियानो की चाबियाँ थपथपाती रहती हैं, तुम्हारे थके हुए होंठ माउथपीस पर जकड़े रहते हैं, तुम बजाते रहते हो, उन लोगों को छोड़कर जो तुमसे प्यार करते हैं और जिनसे तुम्हें प्यार करना चाहिए। वे तुम्हें लुभाएँगे। मैं तुम्हें और भी लुभाऊँगा। यही वो कीमत है जो मैं वसूलता हूँ। और यही वो कीमत है जो तुम्हें चुकानी पड़ती है।

फ्रेंकी ने इसे बहुत पहले ही देख लिया था। ड्यूक एलिंगटन के साथ अपने समय के दौरान एक रात, प्रसिद्ध बैंडलीडर की एक लंबी काली कार में दो आकर्षक महिलाएं इंतजार कर रही थीं।

"क्या तुम्हें वो खूबसूरत महिलाएं पसंद हैं, फ्रांसिस्को?"

फ्रेंकी मुस्कुराया।

मैं सहमत हूँ। वे ठीक हैं। लेकिन संगीत मेरी प्रेमिका है। क्या आप जानते हैं इसका क्या मतलब है?

फ्रेंकी ने अपना सिर हिलाया।

"इसका मतलब है कि वे महिलाएं सुबह तक चली जाएंगी, लेकिन मेरा पियानो यहीं रहेगा।"

बचपन में फ्रैंकी को समझ नहीं आती थी। बड़े होकर उसे सब कुछ समझ आ गया। दशकों तक, चाहे वो किसी के भी बिस्तर पर रहा हो, मैं ही फ्रैंकी की प्रेमिका थी। और मैं उसे किसी से भी वापस छीन सकती थी।

कोई भी।

ऑरोरा यॉर्क को छोड़कर।

फ्रेंकी को बचपन में ही अरोरा से प्यार हो गया था और वो फिर कभी किसी से उस तरह प्यार नहीं करेगा। बात इतनी ही सरल थी। वो उसके बारे में सोचता, उसे पाने

की कोशिश करता, और हर बार जब वो उसे खो देता, तो फिर से उसकी तलाश में जुट जाता। स्पेन के जंगलों में उस पहले दिन से लेकर वुडस्टॉक की उस यादगार रात तक, उनकी कहानी को आप इंसान एक सच्ची प्रेम कहानी कहते हैं।

लेकिन सभी प्रेम कहानियां संगीत की धुन होती हैं।

और सिम्फनी की तरह, इनमें भी चार भाग होते हैं:

- एलेग्रो, एक तेज़ और जोशीला आरंभ
- अडागियो, एक धीमी गति
- मिनुएट/स्केर्ज़ो (तीन-चौथाई समय में छोटे कदम)
- रोंडो, एक दोहराया जाने वाला संगीत, जो विभिन्न अंशों द्वारा बाधित होता है।

मुझे हमेशा से पता था कि फ्रेंकी और अरोरा किस दिशा में जा रहे हैं। उनकी संगीत प्रतिभा को देखते हुए, वे परंपरा का पालन क्यों नहीं करते?

34

1955

[redacted]

उनकी पहली यात्रा। तेज़। जोशीली। इसकी शुरुआत स्पेन में हुई और लुइसियाना में इसने रफ़्तार पकड़ी। उन्हें रहने के लिए एक जगह मिल गई, उन्होंने न्यू ऑरलियन्स

की एक दवा की दुकान के ऊपर एक कमरे का अपार्टमेंट किराए पर लिया। अरोरा एक सिंगल बेड पर सोती थी और फ्रैंकी दूसरे कमरे में सोफे पर सोता था, प्यार के तौर-तरीकों को लेकर अभी भी थोड़ा झिझक रहा था और अरोरा की इस चेतावनी को ध्यान में रख रहा था कि "अब तक जो कुछ भी हुआ है, उसका कोई महत्व नहीं है। हम नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं।"

हर रात, लाल सेम और चावल खाते हुए, फ्रैंकी ऑरोरा को अपने कारनामों के बारे में बताता था, स्पेन से नाव की यात्रा, बंदरगाह पर जैंगो से मुलाकात, अनाथालय, हैंक विलियम्स और ग्रैंड ओले ओप्री के बारे में। ऑरोरा गालों में हाथ रखकर उसके पास झुक जाती और उन सभी जगहों के बारे में सुनकर आश्चर्यचकित हो जाती जहाँ वह गया था। वह अपनी यात्राओं के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं कहती थी, और फ्रैंकी ने भी डेट्रॉइट के दाढ़ी वाले आदमी या उसके साथ रहे किसी और व्यक्ति के बारे में नहीं पूछा। लेकिन कभी-कभी, सुबह, जब वह गिटार बजाने का अभ्यास कर रहा होता, तो वह उसे देखकर थोड़ा रो पड़ती। एक बार उसने पूछा, "क्या हुआ?" और ऑरोरा ने कहा, "तुम मुझे पहले क्यों नहीं ढूंढ पाए?" उसने कहा, "मैं उस रात तुम्हारे पीछे भागा था," और ऑरोरा ने कहा, "मुझे शर्म आ रही थी," और फ्रैंकी ने कहा, "लेकिन शर्म ने मुझे रोका नहीं," और उसने उसे अलग-अलग शहरों में बिना बालों वाले कुत्ते के साथ घर-घर जाने के बारे में बताया।

“धन्यवाद,” उसने कहा।

"किस लिए?"

"हार न मानने के लिए।"

मैं हार क्यों मानूं?

कभी-कभी रात में वे मिसिसिपी नदी के किनारे टहलते और कागज़ की थैली में से तली हुई रोटी आपस में बाँटते थे। फ्रेंच क्वार्टर के क्लबों से संगीत की आवाज़ आती रहती थी और फ्रैंकी साथ-साथ गाता रहता था। या फिर वह विलारियल के उन बच्चों का गाना गाता था जो ट्रेन का पीछा करते हुए शहर से गुज़रते थे।

द पैन-डेर-ओ-ला-ला-ला
द पैन-डेर-ओ-ला-ला-ला

ऑरोरा हंसती और अपना सिर उसके कंधे पर रख देती, और फ्रैंकी को अपने

गिटार शिक्षक के साथ हुई एक बातचीत याद आ जाती:

"आपको कैसे पता चलता है कि आप प्यार में हैं, उस्ताद?"
"अगर आप पूछ रहे हैं, तो आप नहीं हैं।"
“क्या आपने कभी प्यार किया था, उस्ताद?”
"'रिकुएर्डोस डी ला अल्हाम्ब्रा' किसने लिखा?"
“फ्रांसिस्को तारेगा।”
उस गाने में किस तकनीक का इस्तेमाल करना होगा?
"ट्रेमोलो तकनीक।"
“आपको ये सवाल पूछने चाहिए। प्यार से जुड़े सवाल नहीं।”
"ट्रेमोलो की उत्पत्ति कहाँ से हुई, उस्ताद?"
“कांपने शब्द से।”
"कांपने का क्या अर्थ है?"
कांपना। थरथराना। डरना या घबरा जाना।
“ऐसा कब होता है?”
एल मास्ट्रो रुका। "जब आप प्यार में हों।"

फ्रेंकी ने न्यू ऑरलियन्स में खूब संगीत रचा, एक ऐसा शहर जिससे मेरा सबसे गहरा नाता है। वह ब्लूज़ बैंड के साथ बजाता था। वह ड्यू ड्रॉप इन में जैज़ बजाता था। ऑरोरा उसके साथ छोटे बार और खुले मंचों पर जाती थी, यहाँ तक कि फ्रेंच क्वार्टर में एक घरेलू उपकरण की दुकान के पीछे बने रिकॉर्डिंग स्टूडियो में भी। फ्रेंकी की गिटार बजाने की बहुमुखी प्रतिभा ने उसे वहाँ सबका चहेता बना दिया था, और दुकान का मालिक अपने ग्राहकों से कहता था, "आपको जो भी चाहिए—तुरंत!—यह लड़का उसे बजा सकता है! इसीलिए तो लोग उसे प्रेस्टो कहते हैं!"

एक गर्मी की रात, फ्रैंकी उस स्टूडियो में था जब ऊंचे बालों और पतली मूंछों वाला एक दुबला-पतला अश्वेत व्यक्ति कुछ गाने रिकॉर्ड करने आया। ज़्यादातर ब्लूज़ गाने थे, जिन्हें फ्रैंकी आसानी से समझ सकता था, लेकिन उसे पता चल गया था कि निर्माता नतीजों से खुश नहीं था। कई घंटों के बाद उन्होंने कुछ देर का विराम लिया।

गायक, जिनका नाम रिचर्ड पेनिमैन था, अपने जूते पॉलिश करवाने के लिए स्टूडियो के पीछे वाली गली में गए। वे थोड़े परेशान लग रहे थे। फ्रैंकी उनके पीछे-पीछे गया। जूते पॉलिश करने वाला लड़का छह साल का एलिस था, जो फ्रैंकी को बहुत पसंद करता था क्योंकि फ्रैंकी ने ही उसे गिटार पर सुर बजाना सिखाया था।

"मिस्टर प्रेस्टो, क्या आप इन्हें अच्छे से पॉलिश करवाना चाहते हैं?" एलिस ने पूछा, लेकिन फ्रैंकी ने उसे पहले नए आदमी के जूते पॉलिश करने को कहा।

“धन्यवाद,” रिचर्ड पेनिमैन ने कहा।

"ज़रूर।"

"क्या वो तुम्हारी ही लड़की है? वही गोरी लड़की?"

"हाँ।"

“हूऊ-ई।”

फ्रेंकी मुस्कुराई।

“तुम भी बहुत खूबसूरत हो,” उस आदमी ने कहा। “क्या तुम अभिनय करती हो?”

मैं ज्यादातर गिटार बजाता हूँ।

“हम्म-हम्म।”

"क्या?"

“गिटार बजाकर कोई मशहूर नहीं होता। अगर आपको बड़ा नाम कमाना है, तो गाना सीखिए। सबसे आगे आकर। अकेले।”

अरोरा बाहर आई और बोली कि वह आइसक्रीम खाने जा रही है। उसने पूछा कि क्या उन्हें भी आइसक्रीम चाहिए।

“टूटी फ्रूटी का एक कोन कैसा रहेगा?” उस आदमी ने कहा।

फ्रेंकी हंस पड़ा।

"बहुत ही हास्यास्पद है?"

"टूटी-फ्रूटी। वह इटालियन है।"

"किस लिए?"

सभी फल।

“हम्म। काश मुझे यह पहले पता होता।”

“किससे पहले?”

"अपना गाना लिखने से पहले।"

"क्या गाना?"

" 'टूटी फ्रूटी।' "

“फलों के बारे में?”

“यह फलों के बारे में नहीं है! यह तो, आप जानते हैं...”

उसने थोड़ा सा सिर हिलाया और अपनी कमर मटकाई।

"सुनना चाहते हो?"

और वहीं, जूते पॉलिश करने वाले स्टैंड पर, उसने एक छंद गाया - एक तेज़, जोशीली बूगी-वूगी धुन - और फ्रेंकी ने आँखें चौड़ी करके सिर हिलाया, और यहाँ तक कि छोटा एलिस, जो जूते पॉलिश करने वाला लड़का था, भी मुस्कुराया।

फ्रेंकी ने सुझाव दिया, "शायद आपको इसे रिकॉर्ड करना चाहिए।"

कुछ मिनट बाद, वो तैयार हो गया। इसे जल्दी से तैयार किया गया था और कमरे में ऊर्जा साफ महसूस हो रही थी। रिचर्ड पेनिमैन ने "आआआह" चिल्लाकर सैक्सोफोन वादक को बताया कि अब सोलो बजाने का समय आ गया है। बोल कुछ ज़्यादा ही अश्लील लगे, इसलिए स्टूडियो में मौजूद एक महिला ने झटपट नए बोल बना दिए और पंद्रह मिनट बाद, अंतिम गीत रिकॉर्ड हो गया। (जल्दी से बनाया गया, याद है ना? मेरी तरफ से आपके लिए तोहफा?)

"टुट्टी फ्रूटी" (जिसमें फ्रेंकी ने बिना श्रेय के गिटार की एक धुन बजाई थी) एक बेहद सफल रिकॉर्ड बन गया, और इसने मूंछों वाले उस व्यक्ति के करियर को आकार दिया, जो बाद में लिटिल रिचर्ड के नाम से ज्यादा मशहूर हुआ।

जब अरोरा आइसक्रीम लेकर लौटी तो किसी ने ध्यान नहीं दिया।

“मुझसे क्या छूट गया?” उसने पूछा।

संगीत का सिलसिला जारी रहा। फ्रैंकी ने संगीत के कामों से पैसे बचाए और क्रिसमस से ठीक पहले एक छोटी अंगूठी खरीदी, जिसमें हीरे के एक टुकड़े से जुड़े दो दिल बने थे। अगली रात, वह और अरोरा कैनाल स्ट्रीट पर टहलते हुए मेसन ब्लैंच डिपार्टमेंट स्टोर के पास से गुज़रे, जहाँ खिड़की में, एक वार्षिक परंपरा के तहत, मिस्टर बिंगल

नाम का एक बड़ा सा कागज़ का बना स्नोमैन रखा था, जिसे सांता के सहायक के रूप में दर्शाया गया था। अरोरा को टोपी और गोल काली आँखों वाला यह अनोखा स्नोमैन बहुत पसंद आया।

"सांता मिस्टर बिंगल के बिना कुछ नहीं कर सकते," उसने शीशे से अपना चेहरा सटाते हुए घोषणा की।

“ऑरोरा?”

फ्रेंकी ने अंगूठी का डिब्बा खोला।

“मैं भी तुम्हारे बिना कुछ नहीं कर सकता। मुझसे शादी कर लो। प्लीज़?”

अरोरा ने गहरी सांस ली। उसकी आँखों से आंसू बहने लगे। मुझे संगीत की कमी का एहसास था, लेकिन हमेशा की तरह भरोसेमंद फ्रेंकी ने मधुर स्वर में "अर्थ एंजेल" गीत गाया और वह क्षण परिपूर्ण हो गया।

धरती का देवदूत, धरती का देवदूत,

क्या आप मेरे बनोगे?

“सांता और मिस्टर बिंगल हमेशा साथ रहते हैं,” अरोरा ने फुसफुसाते हुए कहा।

“हमेशा,” फ्रेंकी ने कहा।

"कोई बात नहीं क्या।"

"कोई बात नहीं क्या।"

“ठीक है। मैं तुमसे शादी कर लूंगी।”

उन्होंने प्यार से एक-दूसरे को चूमा और उसने अंगूठी पहना दी और फ्रेंकी ने कागज की लुगदी से बने स्नोमैन को काल्पनिक रूप से सलाम किया, जिससे अरोरा हंस पड़ी।

उन्होंने पास के एक चर्च में अपनी शादी तय की, और शादी से ठीक एक हफ्ते पहले ही उन्हें अपने ज़रूरी कागज़ात की कमी का एहसास हुआ। फ्रैंकी और अरोरा दोनों ही समाज से कटे हुए थे; दोनों के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, उनकी कमाई ज़्यादातर नकद में होती थी, और जहाँ तक मुझे पता चला (ऐसी छोटी-छोटी बातें मुझे बोर करती हैं), ज़रूरी कागज़ात जमा करने में काफ़ी देरी हो जाती।

इसके बजाय, उन्होंने चर्च को रद्द कर दिया और एक दोस्त के नाइटक्लब में शादी कर ली। एक वायलिन वादक, जो कभी धर्मशास्त्र की शिक्षा प्राप्त कर चुका था, ने सुबह 3:07 बजे उनके विवाह को आशीर्वाद दिया। ऑरोरा की बहन, सेसिल, उसकी सहेली थी, और युवा एलिस, जो जूतों पर पॉलिश करने का काम करता था, फ्रैंकी का सबसे अच्छा दोस्त बना। वहाँ खाने-पीने का इंतजाम था, फैट्स डोमिनो ने पियानो बजाया, रिचर्ड पेनिमैन ने अपने जोशीले गीत गाए और हैम्पटन बेलग्रेव नैशविले से आकर हारमोनिका बजाया।

सुबह-सुबह, जब सब लोग घर चले गए थे, फ्रैंकी और अरोरा, अभी भी अपने शादी के कपड़े पहने हुए, नदी के किनारे टहलने निकले।

“क्या तुम्हें वह दिन याद है जब हम मिले थे?” अरोरा ने पूछा।

“जंगल में,” फ्रेंकी ने कहा।

तुम बहुत डरे हुए थे।

नहीं, मैं नहीं था।

"हां तुम थे।"

उसने अपने जूते उतार दिए। पक्षियों का एक झुंड पानी के ऊपर से उड़ गया।

"वह आखिरी दिन था जब आपने अपने पिता को देखा था।"

“वह मेरे पिता नहीं थे।”

मुझे खेद है कि वह यहाँ नहीं थे।

“तुम्हारी मां भी यहां नहीं थी।”

“आप सही कह रहे हैं। वह नहीं थी।”

उसने उसका हाथ थाम लिया। वे चुपचाप चलने लगे। दूर कहीं, एप्रन पहने एक आदमी ने फुटपाथ पर पानी की बाल्टी फेंकी और रात भर के जश्न के निशान मिटाने लगा।

“फ्रांसिस्को?”

"हाँ?"

अब हम दोनों का अपना-अपना परिवार है।

"एक मैं और एक तू?"

"हमेशा।"

फ्रेंकी ने "ऑलवेज" की पहली पंक्ति गाई, जो इंक स्पॉट्स और फ्रैंक सिनात्रा

द्वारा रिकॉर्ड किया गया एक लोकप्रिय गीत है। अरोरा ने शिफॉन से ढके अपने कंधे पर उसका हाथ रख दिया।

"हर चीज गाना नहीं होती।"

"हां यह है।"

“ठीक है। सब ठीक है।”

जैसे ही न्यू ऑरलियन्स के पूर्वी छोर पर सूरज उगा, वे दवा की दुकान के ऊपर बने अपने अपार्टमेंट में सीढ़ियों से ऊपर गए और एक ही तकिए पर लेट गए। बाद में, फ्रैंकी उसके सुनहरे बालों में नाक गड़ाए और उसकी कमर पर हाथ रखे सो गया। वह कई बैंड में शामिल हो चुका था। यह उसका पसंदीदा बैंड था।

35

1969

[redacted]

वुडस्टॉक के अंधेरे में संगीत तेज़ होता गया, और आसमान से फ्रेंकी को जेनिस जोप्लिन नाम की एक ब्लूज़ गायिका की कर्कश आवाज़ सुनाई दी। अपनी धुंधली सी हालत में भी, वह "पीस ऑफ माय हार्ट" नामक गीत के 1/4/5 कॉर्ड पैटर्न और उस जोशीले कोरस को समझ सका, जिसमें गायिका अपने प्रेमी से चीख-चीख कर कह रही थी, "इसे ले लो, इसे ले लो, एक और छोटा सा टुकड़ा ले लो।"

“मंच?” फ्रेंकी ने भीड़ की ओर चिल्लाकर पूछा।

“उस तरफ!” किसी ने इशारा करते हुए चिल्लाया।

एक मिनट बाद वह चिल्लाया, "मंच?"

"उस रास्ते!"

उसके पास एक दिशा थी। उसके पास अंडे थे। उसने अपने पैरों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जिसे हरी गोली की बदौलत, उसे मानसिक रूप से अपने घुटनों के जोड़ों के माध्यम से नियंत्रित करना पड़ा, मानो वह एक कठपुतली हो। उठाओ, खींचो, जमाओ। उठाओ, खींचो, जमाओ—

"क्या मैं आपका गिटार बजाकर देख सकता हूँ, महोदय?"

फ्रेंकी ने नीचे देखा। वहाँ एक सुनहरे बालों वाला लड़का था, जिसने धारीदार कमीज़ और सफेद अंडरवियर पहना हुआ था, उसके पैरों में जूते नहीं थे, शायद वह छह साल का था। उसके बगल में एक लड़की थी, जो उससे भी छोटी थी, उसने भी अंडरवियर पहना हुआ था। दोनों कीचड़ में खेल रहे थे।

“क्या मैं उसके बाद कोशिश कर सकती हूँ?” लड़की ने कहा।

फ्रेंकी ने गर्दन घुमाई और समझने की कोशिश की। बच्चे। रात का समय। कीचड़ में खेलना। उसे आगे बढ़ना ही था। लेकिन किसी कारणवश वह घुटनों के बल बैठ गया और अपनी पीठ के पीछे हाथ ले गया।

“यह?” उसने पूछा।

“हां,” लड़के ने कहा।

क्या आपको इसे खेलना आता है?

"ज़रूर।"

“मैं भी,” उसकी बहन ने भी यही बात दोहराई।

मेरी मम्मी का बॉयफ्रेंड ऐसा ही एक किरदार निभाता है।

“तुम्हारी मम्मी कहाँ है?”

"वहाँ पर।"

लड़के ने कंबल ओढ़े लोगों के एक घेरे की ओर इशारा किया, जो पाइप पी रहे थे। फ्रैंकी यह अंदाज़ा लगाने की कोशिश कर रहा था कि उनमें से माँ कौन है। उसने अपना सिर खुजाया। आगे बढ़ते रहो, उसने खुद से कहा।

“क्या तुम्हें थोड़ी मिट्टी चाहिए?” लड़के ने पूछा।

“हं?”

"तुम थोड़ा ले सकते हो।"

"ठीक है।"

लड़के ने फ्रैंकी के हाथ में मिट्टी का एक गोला रख दिया।

"धन्यवाद।"

"क्या अब मैं आपका गिटार बजा सकता हूँ?"

"तुम अभी छोटे हो।"

"नहीं, मैं नहीं हूँ।"

फ्रेंकी को याद आया कि वह विलारियल के एक संगीत विद्यालय में था, जहां बाफा रुबियो विद्यालय के मालिक से बहस कर रहा था।

“नहीं, तुम गलत नहीं हो,” फ्रेंकी ने धीमी आवाज़ में कहा। “तुम सही हो।”

वह कंबल पर लेटी हुई अरोरा के बारे में सोचने लगा। वह यहाँ क्या कर रहा था? वह उसके साथ क्यों नहीं था? ये बच्चे कौन थे? वह जो गाना सुन रहा था उसके बोल क्या थे? इसे ले लो? इसे ले लो? मंच। चलते रहो।

“जाओ अपनी माँ को ढूंढो,” उसने बुदबुदाते हुए कहा।

लेकिन हमें गिटार चाहिए।

फ्रेंकी ने लड़के के हाथ पर लगी मिट्टी को मलकर वापस खड़ा हो गया। वह लड़खड़ाते हुए संगीत की दिशा में चल पड़ा, मानो उसके दिल का एक और छोटा सा टुकड़ा उससे छीन लिया गया हो।

36

1956

[redacted]

फ्रेंकी और अरोरा का दूसरा भाग। अडाजियो।

धीमी गति से मुड़ना।

फ्रेंकी की प्रतिभा ने उन्हें बेहद लोकप्रिय बना दिया। लाइव परफॉर्मेंस, स्टूडियो

रिकॉर्डिंग। मेरे अनुमान के अनुसार, उन्होंने 1955 से 1958 के बीच छियालीस बैंड के साथ काम किया। शुरुआत में, यह कोई समस्या नहीं थी (शुरुआत में तो कभी कोई समस्या नहीं होती)। ऑरोरा जहाँ भी संभव होता, उनके साथ जाती थीं, और बीच-बीच में अपने छोटे से अपार्टमेंट में सुकून पाती थीं, जिसमें लोहे की रेलिंग वाली बालकनी और हल्के रंग की टाइलों वाली रसोई में पुराने लकड़ी के उपकरण लगे थे।

ऑरोरा वहाँ खुश थी। वह फ्रैंकी के बाल काटती और उसके कपड़े चुनने में मदद करती। कॉन्सर्ट में, उसने गौर करना शुरू किया कि जिमी क्लैंटन या सैम कुक के लिए चिल्लाने वाली लड़कियाँ उसके पति, उस आकर्षक गिटार वादक, जिसकी काली चोटी थी, पर भी नज़रें गड़ाती थीं। उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। वह शो के बाद फ्रैंकी का इंतज़ार करती और वह हमेशा उसका हाथ थाम लेता और वे शहर में घूमते हुए सुबह-सुबह घर पहुँचते और एक-दूसरे से लिपटकर सोते समय तक रिकॉर्ड सुनते। ऑरोरा सूरज की तेज धूप में जागती, चाय बनाती और उसे जगाते हुए कहती, "उठो, नींद में डूबे हुए। तुम्हें अभ्यास करना है।"

लगभग इसी समय फ्रैंकी ने ऑरोरा को गिटार के तारों के बारे में बताया। एक रात गद्दे से टेक लगाकर, उसने उसे अपना गिटार दिखाया और तीन घटनाओं का वर्णन किया: जैंगो के साथ बंदरगाह पर हुई घटना, हैम्पटन के साथ अस्पताल के कमरे में हुई घटना, और, ज़ाहिर है, वह रात जब ऑरोरा को चाकू से धमकाया गया था और फ्रैंकी ने हमलावर का ध्यान भटका दिया था।

"तुम्हें मुझे बचा लिया।"

"मेरे ख़याल से।"

मैं मर जाता।

ऐसा मत कहो।

और वह धागा नीला हो गया?

"हाँ।"

"कितनी देर के लिए?"

कुछ सेकंड।

"नीला क्यों?"

"मुझें नहीं पता।"

"क्या आप भविष्यवाणी कर सकते हैं कि यह कब होगा?"

फ्रेंकी ने अपना सिर हिलाया।

"इसका मतलब क्या है?"

मुझे लगता है कि मैं चीजों को प्रभावित कर सकता हूं।

"जब भी आप चाहते हैं?"

नहीं। बस...

"क्या?"

"अगर वाकई मायने रखता है, तो शायद।"

तो क्या मैं वाकई महत्वपूर्ण था?

फ्रेंकी मुस्कुराई। अरोरा उसके करीब आ गई।

"मुझे लगता है कि यह कुछ और है, फ्रांसिस्को।"

"क्या?"

“ये तार कहाँ से आए?”

"मेरे शिक्षक।"

"इससे पहले?"

"उसकी पत्नी।"

“उसे ये कहाँ से मिले?”

"कौन जानता है?"

"तुम्हारा जवाब यहीं छिपा है।"

"उनमें से तीन टूट गए हैं।"

"वे तीनों जो नीले पड़ गए थे?"

फ्रेंकी ने सिर हिलाया।

“शायद उनका इस्तेमाल हो चुका है। शायद तुम्हें छह मौके मिल रहे हैं।” उसने नज़रें घुमाईं। “छह आत्माएँ।”

"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"

“जंगल में, याद है? तुमने धागों से फूल बनाए थे? और हमने उन्हें कब्रों पर रखा था?”

"इसलिए?"

आपने अजनबियों के लिए कुछ किया। छह अजनबियों के प्रति दयालुता दिखाई। शायद इसका फल आपको वापस मिल रहा है।

“मुझे शक है।” उसने कंधे उचकाते हुए कहा। “मैं तो बस एक गिटार वादक हूँ।”

अरोरा ने उसकी आंखों में आंखें डालकर देखा।

"नहीं आप नहीं हैं।"

37

1957

जैसे-जैसे उनका अडागियो जारी रहा, फ्रैंकी और अरोरा एक ही बात को अलग-अलग नज़रिए से देखने लगे। एक दिन, उन्हें न्यू ऑरलियन्स के पास एक झील पर बने मनोरंजन पार्क, पोंटचार्ट्रेन बीच पर प्रदर्शन करने के लिए एक कॉल आया। एल्विस प्रेस्ली को वहाँ प्रदर्शन करना था, और बैंड को एक बैकअप गिटार वादक की ज़रूरत थी, क्योंकि एल्विस गिटार पहनते तो थे, लेकिन उसका इस्तेमाल बहुत कम करते थे। अरोरा उस शो में गई। चीखें इतनी तेज़ थीं कि कान बहरे हो रहे थे। आखिरी गाने के बाद, उसने बैकस्टेज जाने की कोशिश की, लेकिन वहाँ इतनी ज़्यादा उन्मादी लड़कियाँ थीं कि उसने हार मान ली और घर चली गई।

जब वह उस रात लौटा, तो फ्रेंकी उसे देखकर राहत महसूस करने लगा। “तुम कहाँ थी? मैंने हर जगह ढूंढा।”

“वहाँ बहुत भीड़ थी,” उसने कहा।

“क्या आपको संगीत पसंद आया?”

मुझे सुनाई नहीं दिया।

वे मुझे और भी कामों के लिए चाहते हैं।

"समुद्र तट पर?"

“श्रेवेपोर्ट।”

"यह थोड़ा दूर है।"

"यह बहुत बुरा नहीं है।"

"यह किस तरह का था?"

“यह तो बिल्कुल पागलपन था!”

क्या एल्विस अच्छा इंसान है?

“उन्होंने ज्यादा बात नहीं की। उन्होंने कहा कि उन्हें मेरा हेयरकट पसंद आया।”

अरोरा मुस्कुराई। "बेशक।"

सबसे सरल संगीत में, स्वर एक साथ ऊपर और नीचे जाते हैं, समान दूरी बनाए रखते हुए, जैसे रेल की पटरी के किनारे।

इसका एक अधिक जटिल रूप काउंटरपॉइंट है, जहां दो संगीतमय धुनें एक दूसरे से स्वतंत्र रूप से चलती हैं, फिर भी एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन बनाए रखती हैं, लेकिन अब वे किसी धुरी से जुड़ी हुई नहीं होती हैं।

शादी के बाद के तीन वर्षों में, फ्रैंकी और अरोरा ने सामंजस्य से प्रतिध्वनि की ओर कदम बढ़ाया, जैसे कि धीमी गति से बजने वाला संगीत अपने अंतिम चरण में पहुँच गया हो। फ्रैंकी न्यूयॉर्क शहर की यात्रा पर गए। अरोरा ने एक फूलों की दुकान में नौकरी कर ली। फ्रैंकी ने चुपके से वैंकूवर में एक शो के लिए एल्विस की जगह ले ली। अरोरा एक चर्च में शामिल हो गईं। फ्रैंकी लॉस एंजिल्स गए, एजेंट टैपी फिशमैन से मिले और एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। अरोरा ने झींगा पकाना सीखा।

जब वह घर लौटा तो फ्रेंकी ने कहा, "मेरे पास एक बड़ी खबर है। हम कैलिफोर्निया जा रहे हैं।"

इसके बाद दो सप्ताह तक बहस चलती रही, जो आम तौर पर इंसानी जोड़ों के बीच तब होती है जब एक कहीं जाना चाहता है और दूसरा नहीं। आखिरकार, महीने के अंत में, उन्होंने दवा की दुकान के ऊपर वाले अपने अपार्टमेंट से बक्से पैक किए और गंभीर चेहरों और कम बातचीत के साथ, एक पुरानी प्लाईमाउथ बेल्वेडेरे की पिछली सीट पर सामान भर दिया, जिसे फ्रैंकी ने टैपी फिशमैन द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस

बनवाने में मदद करने के बाद खरीदा था।

जब वे न्यू ऑरलियन्स से निकले, तो केवल अरोरा ने ही पीछे मुड़कर देखा।

पहले के दिनों में, वे हाथ पकड़कर सफ़र करते थे। लेकिन गाड़ी उपकरणों और कपड़ों से भरी हुई थी और भविष्य के बारे में दो बिल्कुल अलग-अलग विचार थे। उन्होंने तीन दिन तक अमेरिका के दक्षिण से अमेरिका के पश्चिम तक का सफर तय किया, और जब वे सूर्यास्त से ठीक पहले तट पर पहुँचे, तो फ्रैंकी ने देखा कि सूरज एक विशाल संतरे जैसा दिख रहा था।

38

1958

“तुम गिटार नहीं बजाओगे?” अरोरा ने पूछा।

फ्रेंकी ने कहा, "लियोनार्ड नहीं चाहता कि मैं ऐसा करूं।"

यह क्रिसमस से ठीक पहले की बात है, लॉस एंजिल्स की एक पेड़विहीन सड़क पर एक बिना सजावट वाले अपार्टमेंट में।

“वह तुम्हें खेलने क्यों नहीं देना चाहता?”

इससे मेरे नृत्य में बाधा आती है।

लेकिन आप तो गिटारवादक हैं।

“मैं भी गाती हूँ, अरोरा।”

आप बहुत अच्छा गाते हैं। लेकिन...

फ्रेंकी ने अपनी हथेलियाँ आगे बढ़ा दीं।

"क्या?"

मुझे अच्छा लगता है जब तुम गिटार बजाते हो।

मैं बैंड में रहते हुए ही संगीत बजाता हूँ।

"क्या तुम किसी बैंड में शामिल नहीं होगे?"

बैंड मेरे साथ रहेगा।

“आपके पीछे?”

"कनाडा की तरह। उस रात मैंने बिना गिटार के कुछ गाने गाए।"

"इसलिए?"

“यह अलग महसूस हुआ। मुझे यह अच्छा लगा।”

"कनाडा में तुम खुद नहीं थे। इसीलिए सब कुछ अलग लगा। तुम वो नहीं हो, तुम्हें पता है।"

"मुझे पता है।"

"तुम एल्विस प्रेस्ली नहीं हो।"

"मुझे पता है।"

"लेकिन आपको ऐसा महसूस हुआ जैसे आप थे।"

आप इस तरह की बातें क्यों कहते हैं?

"क्योंकि वे सच हैं, फ्रांसिस्को।"

उसने भौंहें चढ़ा लीं। "फ्रैंकी।"

“फ्रैंकी। लियोनार्ड का एक और विचार। या टैपी। उसका जो भी नाम हो।”

अरोरा ने अपना बैग उठाया और उसमें से कुछ ढूंढने लगी। "लोगों को एक से ज़्यादा नामों की ज़रूरत क्यों पड़ती है?"

वह मेरी मदद कर रहा है।

“तुम्हारे शिक्षक तुम्हें क्या कहकर बुलाते थे?”

“ज्यादातर ‘लड़का’।”

“तुम्हारे पिता तुम्हें क्या कहकर बुलाते थे?”

“वह मेरे पिता नहीं थे।”

अरोरा को सिगरेट का एक पैकेट मिला।

“जो चाहो करो,” उसने कहा।

“क्या आप यही नहीं चाहते?”

"क्या इससे कोई फर्क पड़ता है कि मैं क्या चाहता हूँ?"

"हाँ।"

"तो फिर यह वह नहीं है जो मैं चाहता हूँ।"

फ्रेंकी का पैर तेजी से थिरकने लगा।

मैं गिटार बजाना नहीं भूलूंगा।

वह धड़ाम से फर्श पर गिर पड़ी।

नहीं। मुझे नहीं लगता कि आप ऐसा कर सकते हैं।

“लियोनार्ड के पहले से ही दस शो बुक हैं। बहुत सारे लोगों के साथ। द ड्रिफ्टर्स। द एवरली ब्रदर्स। बड़े शो, बड़ी भीड़ के साथ। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं गिटार बजाता हूँ या नहीं। वे मुझे गाते हुए सुनना चाहते हैं। मेरा रिकॉर्डिंग सेशन आने वाला है, और—”

"ठीक है।"

“एक रिकॉर्ड से बहुत बड़ा फर्क पड़ सकता है—”

मैंने कहा, "ठीक है।"

अरोरा की आवाज नरम पड़ गई थी।

“सब ठीक है?” फ्रेंकी ने पूछा।

"तुम्हें जो करना है करो।"

"क्या आपको यकीन है?"

"क्या हम इसके बारे में बात करना बंद कर सकते हैं?"

फ्रेंकी ने जबरदस्ती मुस्कुराया।

“तुम देखोगे। यह अच्छा होने वाला है। शानदार।”

यह दौरा कितने समय का है?

मैं शायद मशहूर हो जाऊं—

"कितनी देर?"

एक या दो महीने।

अरोरा ने अपनी सिगरेट जलाई। "तुम्हारा मतलब तीन है?"

आप सिगरेट क्यों पीते हैं?

मुझे न्यू ऑरलियन्स की याद आती है।

“यह एक अच्छा अपार्टमेंट है।”

“यह बहुत नया है। मुझे पुरानी चीजें पसंद हैं।”

फ्रेंकी कमरे के उस पार गया और अपना सामान खोला।

“देखो। एक गिटार,” उसने मजाक करने की कोशिश करते हुए कहा।

“‘मुझे प्यार के बारे में बताओ,’” अरोरा ने कहा।

“यह पुराना है।”

"कृपया, मेरे लिए इसे बजाइए।"

"ठीक है।"

फ्रेंकी ने गिटार को अपने गले में टांगा और धीरे-धीरे तार बजाए। फिर वह घुटनों के बल बैठ गया और अरोरा द्वारा अनुरोधित गीत गाया, जिसे लगभग तीस साल पहले एक फ्रांसीसी संगीतकार ने लिखा था।

“Parlez-Moi d’Amour,” शीर्षक कहता है। “मुझसे प्यार के बारे में बात करो।” लेकिन प्यार के बारे में बात करना हवा में शब्द उछालने जैसा है। अरोरा अंतिम छंद का इंतज़ार कर रही थी। उसकी आँखों में एक छोटा सा आँसू आ गया।

दिल से घाव भरता है।

एक शपथ के द्वारा जो उसे आश्वस्त करती है

इसका अर्थ है, "हम उस शपथ से घायल हृदय को ठीक करते हैं जो उसे आश्वस्त करती है।"

फ्रेंकी ने वादा किया कि पहले पड़ाव पर पहुंचते ही वह फोन करेगा।

लेकिन अरोरा जानती थी कि वह चली जाएगी।

39

1969

अंततः, फ्रेंकी ने वुडस्टॉक का मंच देखा। यह अंधेरे में एक वर्ग की तरह जगमगा उठा, जिससे दर्शकों का विशाल मैदान रोशन हो गया।

“अरे यार, संभलकर—”

“क्या?—”

“आराम से, भाई—”

"क्षमा मांगना-"

हरी गोली के असर से अब वो इधर-उधर लड़खड़ा रहा था, लोगों से टकरा रहा था, चीज़ें धुंधली होकर फिर साफ़ हो रही थीं। उसे अपनी पीठ पर गिटार की थपथपाहट महसूस हो रही थी। जब फ्रेंकी छात्र था, तब एल मास्ट्रो ने उसे सिखाया था कि जिस धुन को वो बजाने की कोशिश कर रहा है, उसे गुनगुनाकर ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से खुद को बचाए रखे, ताकि उसका मन और उंगलियां एक हो जाएं।

अब, जैसे ही वह तंबूओं, शौचालयों और पालथी मारकर बैठे या एक-दूसरे से सटकर लेटे लोगों के बीच से लंबी, ढलान वाली पहाड़ी से नीचे उतर रहा था, वह तीन शब्द दोहराता रहा, "ऑरोरा... बेबी... नाश्ता।"

उसने अपनी गति बढ़ा दी, और सब कुछ ठीक करने के लिए दृढ़ संकल्पित हो गया।

“ऑरोरा... बेबी... नाश्ता...”

“आह—”

“ऑरोरा—”

"बाहर देखो।"

"बच्चा-"

"आसान-"

"नाश्ता-"

अचानक, वह दौड़ने लगा, या ऐसा लगा जैसे वह दौड़ रहा हो, रोशनी तेज होती जा रही थी, संगीत और भी तेज होता जा रहा था, और जैसे-जैसे वह आगे बढ़ रहा था, टिप्पणियाँ उसके पीछे से निकलती जा रही थीं।

"माफ़ करें!"

“ऑरोरा—”

"क्या तुमने उस आदमी को देखा?"

"बच्चा-"

"कौन सा आदमी?"

"नाश्ता-"

“गिटार के साथ। वो... उसका नाम क्या था! प्रेस्टो! फ्रेंकी प्रेस्टो! वो वही था!”

40

विलारियल में इस चर्च से कुछ ही दूरी पर फ्रांसिस्को तारेगा को समर्पित एक छोटा संग्रहालय है। अंदर कई तस्वीरें, उनके कुछ गिटार और उनकी एक विशाल प्रतिमा रखी हुई है। यह प्रतिमा कभी कैस्टेलॉन के सैन फेलिक्स नामक एक गरीब मोहल्ले की सबसे कीमती धरोहर थी, जिसे वहां के मेहनती और कर्मठ नागरिकों के कारण "गनपाउडर क्वार्टर" उपनाम दिया गया था। ये नागरिक तारेगा को इतना सम्मान देते थे कि 1924 में, उनकी मृत्यु के पंद्रह वर्ष बाद, उन्होंने उन्हें अपना संरक्षक संत घोषित कर दिया।

हर साल अक्टूबर में, जब अन्य शहरों में पारंपरिक कैथोलिक हस्तियों की मूर्तियाँ लगाई जाती थीं, तब सैन फेलिक्स के लोग युवा महिलाओं, घुड़सवारों और फूलों से भरी गाड़ी के साथ टार्रेगा की प्रतिमा को धार्मिक जुलूस में सड़कों पर ले जाते थे। उस प्रतिमा में जादुई शक्तियाँ मानी जाती थीं। यहाँ तक कि बीमार पड़ोसियों के घरों में भी उसे ले जाया जाता था ताकि वे ठीक हो सकें।

दूसरे शहरों ने इस बात को नामंजूर कर दिया। उन्होंने पूछा, एक गिटारवादक देवता कैसे बन सकता है? लेकिन क्या यह आज की प्रसिद्धि से बहुत अलग है? आपकी दुनिया ऐसे कलाकारों से भरी पड़ी है जिन्हें भगवान का दर्जा प्राप्त है, उनकी उपस्थिति मात्र से ही लोग भक्ति भाव से भर उठते हैं।

ऑरोरा यॉर्क के उनके जीवन से चले जाने के बाद, फ्रैंकी प्रेस्टो का अपना एक अलग ही दौर शुरू हुआ। अगस्त 1959 से अक्टूबर 1964 तक, उन्होंने तीन मिलियन से अधिक रिकॉर्ड बेचे, पाँच एल्बम रिकॉर्ड किए और उनके चार गाने संगीत चार्ट पर शीर्ष दस में शामिल हुए, जिनमें से दो गाने शीर्ष पर पहुँचे - "आई वांट टू लव यू" और "शेक, शेक", दोनों फ्रैंकी द्वारा रचित थे। उनके संगीत कार्यक्रमों में दर्शकों की संख्या सैकड़ों से बढ़कर हजारों और फिर दसियों हजारों तक पहुँच गई। उन्होंने अमेरिकन बैंडस्टैंड, द एड सुलिवन शो और द क्राफ्ट म्यूजिक हॉल में प्रस्तुतियाँ दीं। उनका चेहरा पत्रिकाओं के कवर और बिलबोर्ड विज्ञापनों पर दिखाई देता था। वे रंगीन सूट और मैचिंग जूते पहनते थे, उनके घने काले बाल पीछे की ओर कंघी किए हुए लहराते रहते थे। कभी-कभी गाते समय उनके बालों की लटें उनके माथे पर गिर जाती थीं और नाचते समय वे हिलती थीं, जिससे युवा लड़कियाँ "फ्रैंकी! फ्रैंकी!" चिल्लाने लगती थीं।

अमेरिका भर के रिकॉर्ड स्टोरों में, प्रशंसक उनके एल्बमों को उठाकर उनके आकर्षक चेहरे को निहारते थे। उन्हीं एल्बमों में से एक, फ्रैंकी प्रेस्टो वांट्स टू लव यू, में फ्रैंकी एक कन्वर्टिबल कार में, टैन स्पोर्ट्स कोट और गुलाबी कॉलर वाली शर्ट पहने हुए, खिड़की से बाहर झुककर एक उत्साहित युवती के हाथ पर ऑटोग्राफ देते हुए दिखाई दे रहे थे। यह दृश्य फ्रैंकी के किसी कॉन्सर्ट के बाहर के दृश्य जैसा लग रहा था, लेकिन वास्तव में यह एक पेशेवर फोटोग्राफर द्वारा रचा गया था। बादाम जैसी आंखों वाली सुडौल युवती टेक्सास राज्य की एक मॉडल थी, जिसे टैपी फिशमैन ने व्यक्तिगत रूप से चुना था।

उनका नाम डेलोरस रे था।

मेरे लिए, वह फ्रैंकी के साथ समय बिताने वाली कई अन्य महिलाओं से अलग नहीं थी। उसके दिल के लिए कोई खतरा नहीं। केवल ऑरोरा यॉर्क ही मेरे दिल पर अपना प्रभाव जमा सकती थी। लेकिन जैसा कि मैंने बताया, ऑरोरा इन वर्षों के दौरान गायब थी, जब फ्रैंकी कैलिफोर्निया स्थित अपने अपार्टमेंट में लौटा तो उसका पीला सूटकेस गायब था।

पहले तो वह गुस्से में था। दुखी था। उसे भुलाने के लिए उसने शराब पीने की कोशिश की। फिर टैपी ने उसे वापस टूर पर भेज दिया और दो साल तक उसे रुकने नहीं दिया। ऑरोरा की अनुपस्थिति फ्रैंकी की प्रसिद्धि में वृद्धि के समानांतर थी, और

भले ही यह संयोग लग सकता है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि ऐसा नहीं था। वह जानती थी कि अब वह फ्रैंकी के दिल को न केवल मेरे साथ (जिसे वह बर्दाश्त कर सकती थी) बल्कि महत्वाकांक्षा के साथ (जिसे वह बर्दाश्त नहीं कर सकती थी) बाँट रही है। मैं उसकी दूरदर्शिता की प्रशंसा करता हूँ जिसके साथ उसने विदा ली, यह जानते हुए कि सफलता फ्रैंकी को एक लहर की तरह भिगो देगी, और उसका बहाव उसे दूर खींच ले जाएगा।

इसलिए वह पहले चली गई।

इसी बीच, डेलोरस रे को, उस एल्बम कवर की बदौलत, 'द एडवेंचर्स ऑफ डी डी' नामक एक टेलीविजन श्रृंखला में काम करने का मौका मिला और टैपी फिशमैन के मार्गदर्शन में वह जल्द ही बेहद लोकप्रिय हो गईं। उन्होंने फिल्मों में अभिनय किया और कई अभिनेताओं के साथ उनके प्रेम संबंध रहे। लेकिन उनका प्यार फ्रैंकी के लिए सबसे प्रबल था, जिसे उन्होंने उस फोटोशूट की रात चूमा और उसे "अब तक देखी गई सबसे अनोखी चीज़" बताया। ऐसा लग रहा था जैसे वह मेरे प्यारे बच्चे के प्रति आसक्त थीं (आखिर क्यों नहीं, मेरे इतने सारे कपड़ों को देखते हुए?), और हालांकि फ्रैंकी उनसे प्यार नहीं करते थे, लेकिन वह काफी मोहक थीं। टैपी फिशमैन ने उनके रिश्ते को बढ़ावा दिया, क्योंकि वह जानते थे कि जनता हमेशा आकर्षक, प्रसिद्ध हस्तियों की जोड़ी में दिलचस्पी रखती है। उन्होंने रेस्तरां में उनके साथ भोजन का खर्च भी उठाया और फोटोग्राफरों को जोड़े के ठिकाने की सूचना देने के लिए फोन किया।

अंततः, उसने उन्हें शादी करने का सुझाव दिया।

यह सन् 1964 के अंत की बात है। तब तक फ्रैंकी की लोकप्रियता घटने लगी थी। उनके रिकॉर्ड कम बिकने लगे थे। लोगों की पसंद बच्चों की एकाग्रता की तरह चंचल होती है, और ग्रेट ब्रिटेन से आई लोकप्रिय संगीत की एक नई लहर बिक्री पर हावी हो रही थी। फ्रैंकी अब अपने सारे गाने खुद नहीं लिख रहे थे। इसके बजाय, उन्हें दूसरों द्वारा लिखे गए गाने रिकॉर्ड करने के लिए मजबूर होना पड़ा। जब उन्होंने आपत्ति जताई, तो टैपी ने उन्हें याद दिलाया कि यह रिकॉर्ड कंपनी के साथ उनके द्वारा हस्ताक्षरित एक बड़े अनुबंध का हिस्सा था, जो उन्हें "एक किशोर आदर्श" के रूप में देखती थी, एक ऐसा खिताब जो सुनने में जितना क्षणभंगुर लगता है, उतना ही क्षणभंगुर भी।

जहां तक उनके गिटार की बात है? वे उसे शायद ही कभी बजाते थे। उनके जादुई

तार अनदेखे पड़े रहे, गिटार खुद एक बड़े नए घर के एक अंधेरे कोने में बंद पड़ा रहा, जिसमें, मेरे सटीक अनुमान के अनुसार, पांच बेडरूम, दो पूल और सोलह दर्पण थे।

मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जैसे-जैसे उनकी प्रसिद्धि फीकी पड़ती गई, फ्रैंकी को कोई फर्क नहीं पड़ा। उनके लिए शीर्ष स्थान और दूसरा स्थान एक समान थे। दस लाख रिकॉर्ड बेचना और पाँच लाख रिकॉर्ड बेचना एक ही बात थी। उनके लिए सिर्फ एक ही चीज़ मायने रखती थी, मैं, संगीत, मेरी संगीतमय अभिव्यक्ति। लेकिन शोहरत लत की तरह होती है। और अपने जीवन के मार्गदर्शकों के बिना, एल मेस्ट्रो, बाफा, हैम्पटन या अरोरा यॉर्क के बिना, फ्रैंकी भटक रहे थे।

एक बार नदी में बहते हुए उसने एक बिना बालों वाले कुत्ते की रस्सी पकड़ ली थी। इस बार उसने कुछ और ही पकड़ने की कोशिश की।

"एक शादी?"

“हवाई में, समुद्र तट पर!” टैपी ने कहा। “मैं इसका खर्च उठाऊंगा। खुशहाल जोड़े के लिए मेरा उपहार।”

लेकिन, लियोनार्ड—”

"क्या?'

मैं अरोरा से शादीशुदा हूँ।

“कौन कहता है? तुम्हारे पास लाइसेंस है? तुमने खुद ही कहा था कि तुम्हें कागजात नहीं मिल पाए। और तुमने उसे आखिरी बार कब देखा था? चार साल पहले? पांच साल पहले? भगवान के लिए, फ्रेंकी। वो वापस नहीं आने वाली।”

ऐसा मत कहो।

"ऐसा तो नहीं है कि तुम साधु रहे हो, बच्चे।"

“लियोनार्ड—”

"अरे, मैं किसी पर कोई राय नहीं दे रहा। लेकिन डेलोरस तुम्हारे लिए दीवानी है। हम सब जानते हैं कि तुम दोनों के बीच कुछ चल रहा है।"

"कौन कहता है कि वह मुझसे शादी करना चाहती है?"

"मुझ पर भरोसा करो। उससे पूछो।"

मेरे पास तो अंगूठी भी नहीं है।

मैंने आपके लिए एक ज्वेलरी की दुकान में अपॉइंटमेंट बुक करवा दिया है। आप इस हफ्ते कभी भी जा सकते हैं। अगर आप चाहें तो आज ही जा सकते हैं।

टैपी ने जो बात नहीं कही, वह यह थी कि उनके विचार में यह विवाह डेलोरस के बजाय फ्रैंकी के फायदे के लिए अधिक था। उन्हें डर था कि उनका गायक अपनी प्रसिद्धि खो रहा है, और जो कस्बेवासी कभी उनकी पूजा करते थे, वे उनकी प्रतिमा को उतार देंगे और उनका नाम लेकर जयकारे लगाना बंद कर देंगे। फ्रैंकी प्रेस्टो का करियर ढलान पर था, जबकि डेलोरस रे का करियर ऊंचाइयों पर था। उनकी चमक फ्रैंकी की चमक को फिर से जीवंत कर सकती थी।

मुझे नहीं पता, लियोनार्ड—"

"इसमें जानने वाली क्या बात है? क्या आपको हर रात उस औरत के पास घर लौटने में कोई परेशानी है?"

"यह वह नहीं है-"

मैं इसके लिए क्या कुछ नहीं दूंगा।

वह ठीक है, लेकिन—"

"फ्रैंकी, मेरी बात सुनो।" उसने फ्रैंकी के कंधों पर हाथ रखते हुए कहा, "यह तुम्हारे करियर के लिए अच्छा है।"

मुझे नहीं पता कि इस मुहावरे का आविष्कार किसने किया। मुझे नहीं पता कि उस शब्द का आविष्कार किसने किया। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि मैं मानव जाति की उत्पत्ति से ही पृथ्वी पर हूँ, और जीवन के हर पहलू के लिए ध्वनियाँ उत्पन्न की हैं, ऐसी ध्वनियाँ जो जागृति, पीड़ा, प्रेम, चारों ऋतुओं को जगाती हैं। लेकिन मेरी अनगिनत रचनाओं में, "करियर" के लिए कभी कोई ध्वनि नहीं रही।

आप इसे मुझ पर इतना असर क्यों पड़ने देते हैं?

शादी हुई और टैपी की चाहत के मुताबिक सुर्खियां बटोरीं। हनीमून के लिए दंपति हवाई गए, जहां फोटोग्राफरों को रोज़ाना भेजा जाता था। स्वाभाविक रूप से, फ्रैंकी प्रेस्टो के रिकॉर्ड की बिक्री में उछाल आया, हालांकि यह उछाल थोड़े समय के लिए ही

था। डेलोरस को एक और बड़ी फिल्म में काम मिल गया। वह फ्रैंकी के बड़े घर में रहने लगी और उसका गिटार एक छोटी सी अलमारी में रख दिया। फ्रैंकी उसे ऐसा करते हुए देखता रहा। वह ऑरोरा के बारे में सोचता रहा। उसने फिर से शराब पीना शुरू कर दिया। वह अपने साथ बोतलें लेकर आंगन या स्विमिंग पूल में जाता था।

1965 की गर्मियों में एक दिन, टैपी ने फ्रैंकी को अपने कार्यालय में बुलाया। वहाँ एक ऐसा व्यक्ति था जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था।

“इधर आओ, बच्चे,” टैपी ने कहा। फ्रैंकी पास आया और टैपी ने झुककर उसके बालों को तब तक बिखेरा जब तक कि वे उसके माथे पर लटों की तरह न उग आए।

“आप क्या सोचते हैं?” टैपी ने उस आदमी से कहा।

उस आदमी ने सिर हिलाया। "उसे इसे इसी तरह पहनना चाहिए।"

“ये एलन एडगर्स हैं। ये एक निर्देशक हैं। हम तुम्हें एक फिल्म में लेने वाले हैं, फ्रेंकी। कैसा रहेगा ये?”

फ्रेंकी ने कंधे उचका दिए। उसे अपने बाल बिखरे हुए पसंद नहीं थे।

“डेलोरेस के साथ। तुम और वो साथ में। रोमांटिक जोड़ी। काम करने से तो बेहतर है, है ना?”

निर्देशक हंस पड़ा।

“सबसे अच्छी बात तो ये है। हम लंदन में शूटिंग कर रहे हैं। ये एलन का आइडिया है। इस ब्रिटिश आक्रमण की बकवास को छोड़ो। हम उन पर आक्रमण करेंगे! कैसा रहेगा? फ्रेंकी, क्या तुम कभी इंग्लैंड गए हो?”

फ्रेंकी ने नीचे देखा। उसे स्पेन से जहाज़ पर अपनी यात्रा याद आ गई। उसे याद आया कि उसे कंबल में लपेटकर माल के ऊपर रखा गया था और साउथेम्प्टन के बंदरगाह पर लुढ़काया गया था, जहाँ उसे "चुप रहने" का निर्देश दिया गया था। वह घंटों वहीं पड़ा रहा, अपनी साँसों की आवाज़ सुनता रहा, हिलने-डुलने से इतना डरा हुआ था। आखिरकार, उसे अपने पेट पर कुछ हिलता हुआ महसूस हुआ। उसने कंबल हटाया और एक सीगल उसके चेहरे के पास से फड़फड़ाता हुआ निकल गया। जैसे ही वह बादलों से भरे सफेद आसमान में उड़ गया, वह चीख पड़ा।

“नहीं,” फ्रेंकी ने कहा। “मैं कभी इंग्लैंड नहीं गया।”

हम तीन सप्ताह में रवाना होंगे।

मुझे अभी भी गाने रिकॉर्ड करने हैं।

फिल्म के बाद।

"अगले एल्बम के बारे में क्या?"

टैपी ने निर्देशक की ओर देखा। निर्देशक ने वापस फ्रैंकी की ओर देखा।

“हम पहले फिल्म बनाएंगे, बेटा। ये तुम्हारे लिए अच्छा रहेगा। मजा आएगा।”

फ्रेंकी ने कुछ नहीं कहा, लेकिन उसके पेट में जलन हो रही थी। उसने अपने बाल संवारने के लिए अपनी पिछली जेब से कंघी निकाली।

“इसे ऐसे ही रहने दो,” टैपी ने कहा। “यह ऐसे ही बेहतर दिखता है।”

फ्रेंकी ने कंघी वापस रख दी, जलन और तेज होती जा रही थी।

रोजर मैकगिन

गिटारवादक, गायक, बर्ड्स बैंड के संस्थापक सदस्य; रॉक एंड रोल हॉल ऑफ फेम में शामिल

मेरी सबसे अच्छी फ्रेंकी प्रेस्टो कहानी? खैर। मैंने ही उन्हें बीटल्स से मिलवाया था। यह एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है।

यह सन् 1965 की गर्मियों की बात है। द बर्ड्स अपने पहले लंदन दौरे पर थे और फ्रैंकी वहाँ एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने हमारा एक शो देखा। शो के बाद वे बैकस्टेज आए और मेरे बारह-स्ट्रिंग वाले रिकेनबैकर गिटार के बारे में पूछा। मैंने उन्हें हाई स्कूल में पढ़ते समय एक कॉन्सर्ट में देखा था। मुझे उनके बाल बहुत अच्छे लगे थे। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वे इतने शानदार गिटार वादक हैं। लेकिन अब मुझे पता चलने ही वाला था।

बर्ड्स 1965 में बहुत लोकप्रिय थे। हमारा गाना "मिस्टर टैम्बोरिन मैन" ब्रिटिश चार्ट्स पर नंबर वन था, इसीलिए हम लंदन गए थे। लेकिन यह दौरा उतना सफल नहीं रहा। हमें "अमेरिका का बीटल्स" बताया जा रहा था, और इस दावे पर खरा उतरना मुश्किल था। प्रेस हमें निशाना बना रही थी।

खैर, फ्रैंकी के स्टेज के पीछे आने के बाद वाली रात, असली बीटल्स हमें खेलते

देखने आए। हमारे प्रचारक, डेरेक टेलर, पहले उनके प्रचारक रह चुके थे, इसलिए उन्होंने ही सारी व्यवस्था की थी, और उसके बाद, हम सभी को क्लब के ऊपर वाले कमरे में मिलना था।

हम बहुत घबराए हुए थे। शो के दौरान हमारे बेस प्लेयर का एक तार टूट गया था —ऐसा लगभग कभी नहीं होता। लगता है वो इतनी ज़ोर से बजा रहा था कि उसे पता ही नहीं चला।

खैर, हम कमरे में गए और वहाँ जॉन लेनन और जॉर्ज हैरिसन मौजूद थे। जॉन ने कहा, "शानदार शो था।" मुझे लगा कि मुझे माफ़ी माँगनी चाहिए। मैंने कहा, नहीं, उतना अच्छा नहीं था, और उन्होंने मेरा थोड़ा मज़ाक उड़ाया। फिर उन्होंने कहा, "ये छोटे चश्मे कैसे हैं?" उनका मतलब मेरे गोल चश्मे से था। उन्होंने उन्हें पहनकर देखा। और जैसा कि सब जानते हैं, उन्होंने उसी तरह के चश्मे पहनना शुरू कर दिया और उन्हें काफ़ी मशहूर बना दिया।

एक बार मैंने जिक्र किया कि पिछली रात फ्रैंकी प्रेस्टो आए थे, और जॉन ने "आवर सीक्रेट" का थोड़ा सा हिस्सा गाकर सुनाया और कहा कि यह अब तक सुने गए सबसे बेहतरीन गीतों में से एक है। उन्होंने यह भी कहा कि फ्रैंकी प्रेस्टो ने उसके बाद कोई अच्छा रिकॉर्ड नहीं बनाया है।

अगली रात, मेरी मुलाकात पॉल मैककार्टनी से एक प्राइवेट क्लब में हुई और उन्होंने मुझे अपनी नई एस्टन मार्टिन डीबी5 में लंदन घुमाया। मैंने पॉल से फ्रैंकी के बारे में बात की तो वह बहुत उत्साहित हो गए और बोले कि किसी ने उन्हें बताया था कि फ्रैंकी एल्विस प्रेस्ली के बैंड में थे। उसी हफ्ते बाद में रोलिंग स्टोन्स के एक सदस्य के घर पर पार्टी थी—उस समय सभी बड़े ब्रिटिश बैंड एक साथ मिलते-जुलते थे—और पॉल ने कहा कि मुझे फ्रैंकी को भी साथ लाना चाहिए ताकि वह पूछ सकें कि क्या यह सच है। सभी लोग बीटल्स को अपना आदर्श मानते थे, लेकिन बीटल्स भी एल्विस को अपना आदर्श मानते थे।

अगले दिन मुझे पता चला कि फ्रैंकी की फिल्म की शूटिंग कहाँ हो रही है, और मैं वहाँ पहुँच गया। यह कार्नाबी स्ट्रीट के पास एक गोदाम था, जहाँ से हम उस समय अपने कपड़े लेते थे—पता है ना, वो स्ट्रेच जींस और काले ज़िपर वाले बूट? मैंने फ्रैंकी को निर्देशक की कुर्सी पर अकेले बैठे हुए पाया, लगभग आधी नींद में। मुझे देखते ही वो चौकन्ने हो गए। उन्होंने मुझे अपनी पत्नी डेलोरस रे से मिलवाया, जो अमेरिका में

एक बड़ी टीवी स्टार थीं।

मैंने फ्रैंकी को पॉल मैककार्टनी की कही बात बताई, और डेलोरस सचमुच हैरान रह गई। उसने पूछा, "तुमने एल्विस के साथ कब परफॉर्म किया था?" फ्रैंकी ने कहा कि यह तो बस एक अफवाह थी। जब मैंने उसे पार्टी में बुलाया, तो डेलोरस बहुत खुश हो गई। उसने कहा, "बीटल्स और रोलिंग स्टोन्स? हम आ रहे हैं!" लेकिन बाद में, जब वह एक सीन की शूटिंग कर रही थी, तो फ्रैंकी ने कहा कि उसे नहीं लगता कि यह अच्छा विचार था। मुझे लगा कि उसकी पत्नी ने उसे शर्मिंदा कर दिया था।

हमने गिटार के बारे में और बातें कीं और मैंने उनसे पूछा कि क्या वे उस रात होटल में आकर साथ में बजाना चाहेंगे। वे आधे घंटे पहले ही आ गए। उनके पास एक बहुत पुराना गिटार था और उन्होंने उसमें से एक खस्ताहाल एकॉस्टिक गिटार निकाला —मुझे तो पता भी नहीं कि वो किस कंपनी का था, लेबल ढका हुआ था—और हमने बजाना शुरू कर दिया। मैंने देखा कि उनके हाथ बहुत बड़े थे। बहुत से महान खिलाड़ियों के हाथ बड़े होते हैं, जैसे जिमी हेन्ड्रिक्स, वो जिस तरह से अपने अंगूठे को गिटार की गर्दन पर रखते थे? इससे उन्हें गिटार पर बेहतरीन नियंत्रण मिलता है।

खैर, उस पल तक तो मुझे लगता था कि मैं एक ठीक-ठाक गिटारिस्ट हूँ। लेकिन बीस मिनट बाद, मेरा बजाने का मन ही नहीं कर रहा था। फ्रैंकी ने सोलो बजाते हुए कुछ बेहद अनोखी धुनें बनाईं और जब मैं उससे पूछता, "ये क्या था?" तो वो किसी क्लासिकल संगीतकार का नाम लेता—जैसे गिउलियानी, हेडन—और फिर मैं पूछता, "ये क्या था?" और जवाब होता, एंटोनियो कार्लोस जोबिम या वेस मोंटगोमरी। और वो दिखावा नहीं कर रहा था। वो बस इतना अच्छा था कि वो इसे छिपा नहीं सकता था।

हमने बेसिक गाने बजाए, जैसे "मिडनाइट स्पेशल" और जिमी रीड का "यू गॉट मी डिज़ी"। हमने कुछ बीटल्स के गाने भी बजाए। उन्हें उनके गानों की धुनें बखूबी आती थीं। एक बार वो मुस्कुराने लगे और मैंने पूछा, "क्या बात है?" तो उन्होंने कहा, "कुछ नहीं, बस काफी समय से गिटार नहीं बजाया है।" फिर से, मुझे लगा जैसे मैं कहीं छिप जाऊं, क्योंकि अगर बिना बजाए उनकी आवाज़ ऐसी होती, तो क्या ही होता! लेकिन मुझे लगा कि उन्हें लग रहा था कि उन्होंने समझौता कर लिया है। मुझे यकीन है कि शुरुआती दौर के कई रॉक एंड रोलर्स ऐसा ही महसूस करते होंगे, क्योंकि उन दिनों हर कोई चाहता था कि आप एक ही चीज़ बार-बार करते रहें।

फ्रेंकी ने कहा कि उसे बैंड में रहने की बहुत याद आती है और मैंने मज़ाक में कहा कि अगर वह वादा करे कि बीटल्स के सामने गिटार का तार नहीं तोड़ेगा, तो वह बर्ड्स में शामिल हो सकता है। उसने अपने गिटार की तरफ देखा और बोला, "रोजर, क्या तुम्हें पता है कि ये ऊपर के तीन तार कितने पुराने हैं?" मैंने कहा, नहीं। "बीस साल," उसने कहा। मैंने कहा, "असंभव! ये टूटे नहीं? ये मुमकिन ही नहीं है।" उसने सिर हिलाया और बोला, "मुझे पता है। लेकिन ये सच है।"

तो, ठीक है... बीटल्स की कहानी। पार्टी स्टोन्स के किसी घर में थी, शायद कीथ रिचर्ड्स के घर में, एक आलीशान भूरे रंग का तीन मंज़िला मकान। मुझे याद है उन्होंने हमें दिखाया कि कैसे बटलर उनके लिए जॉइंट बनाते थे और सुबह सीढ़ियों पर रख देते थे। उस पार्टी में खूब ड्रग्स थे—उन सालों में हर पार्टी में होते थे।

लगभग एक घंटे बाद फ्रैंकी आ गया। मैंने कहा, "मुझे लगा था कि तुम नहीं आ पाओगे," और उसने कहा, "मैं ज़्यादा देर नहीं रुक सकता।" तो मैंने उसका सबसे परिचय कराया और सब लोग उससे बहुत अच्छे से पेश आए। मुझे याद है कि मैं, फ्रैंकी, जॉर्ज हैरिसन और एरिक क्लैप्टन पुराने ब्लूज़ संगीतकार लीडबेली के बारे में चर्चा करने लगे। फ्रैंकी को उसके बारे में सब पता था क्योंकि वह लुइसियाना में रह चुका था। उसने बताया कि लीडबेली इतना अच्छा गायक था कि जेल के वार्डन ने उसे गाते हुए सुना और उसे दो बार माफ़ी मिल गई - एक बार तो एक आदमी की हत्या के जुर्म में! हम सब हँसे और कहा कि अगर कभी पकड़े गए तो हमें भी ऐसा ही करना चाहिए।

मुझे याद है फ्रैंकी पॉल और रिंगो से मिला था, और उनकी आपस में अच्छी बनती थी, हालांकि पॉल को तब निराशा हुई जब फ्रैंकी ने एल्विस के साथ बजाने से इनकार कर दिया। लेकिन जब फ्रैंकी जॉन से मिला, तो जॉन ने उसके बालों के बारे में कुछ कहा, क्योंकि उसने उन्हें कुछ अजीब तरह से रखा हुआ था। जॉन हँसा और बोला, "महान फ्रैंकी प्रेस्टो। क्या अब तुम हमारी तरह दिखना चाहते हो?" मुझे नहीं लगता कि उसका कोई बुरा इरादा था, लेकिन फ्रैंकी को यह बात बुरी लगी, आप जानते हैं? इसके तुरंत बाद वह वहाँ से चला गया।

कुछ दिनों बाद मैंने उसे फिर देखा और वह अब भी परेशान लग रहा था। मैंने उससे कहा कि जॉन की बातों को भूल जाओ, उसका स्वभाव ही ऐसा है। मैंने उससे कहा कि उसे गिटार बजाना फिर से शुरू कर देना चाहिए, वह बहुत अच्छा गिटार

बजाता है, और अगर वह कभी हमारे रिकॉर्ड में साथ काम करना चाहे, तो हमें उसे पाकर बहुत खुशी होगी।

हम उसी हफ्ते अमेरिका वापस चले गए। मुझे नहीं पता फ्रैंकी जिस फिल्म में काम कर रहा था, उसका क्या हुआ। मैंने सुना कि उसने फिल्म छोड़ दी। मैंने यह भी सुना कि उसका अपने मैनेजर से भी नाता टूट गया। अगली बार जब मैंने उसे देखा, शायद चार साल बाद, ग्रीनविच विलेज के एक क्लब में, वह आखिरी बार था। वह एक रॉक बैंड के साथ था, पीछे खड़ा होकर रिदम बजा रहा था। उसने गाया नहीं। उसने काले रंग के चश्मे पहने हुए थे। शो खत्म होने तक मुझे यकीन भी नहीं हुआ कि वह फ्रैंकी ही है। मैं उसके पास गया और बोला, "फ्रैंकी?" पहले तो वह मुझे देखकर खुश हुआ, लेकिन कुछ मिनट बात करने और उस पार्टी को याद करने के बाद, वह एकदम चुप हो गया। मैंने पूछा कि क्या वह कभी मेरे साथ जैमिंग करना चाहेगा, लेकिन उसने कहा कि नहीं कर सकता, उसके पास बहुत काम है, उसकी पत्नी गर्भवती है। शायद उसे ऐसे घटिया क्लब में बजाने में शर्म आ रही थी। मुझे सच में नहीं पता। उसने पूछा कि क्या बर्ड्स वुडस्टॉक में परफॉर्म करने वाले हैं और मैंने कहा नहीं, हमने कुछ समय के लिए काफी फेस्टिवल कर लिए हैं। फिर वह बाथरूम जाने का बहाना बनाकर चला गया और वापस नहीं आया।

जब मुझे उनकी मृत्यु की खबर मिली तो मुझे बहुत दुख हुआ। मैं फ्रांस में टूर पर था और मुझे लगा कि उनके अंतिम संस्कार में आना मेरा फर्ज है, क्योंकि उन्होंने मुझे एक बेहतर गिटारवादक बनाया। सच में, उन्होंने ही बनाया था। जिस पहली रात हमने साथ में बजाया, उसी रात मुझे एहसास हुआ कि मुझे अभी कितना आगे जाना है। संगीत में प्रतिस्पर्धा ऐसी ही होती है। कहावत है ना, लोहा लोहे को काटता है।

किसी ने मुझे बताया था कि वह वुडस्टॉक गया था, लेकिन मुझे कभी पक्का पता नहीं चला... हमें अब तक पता चल ही गया होता, है ना?

41

मुझे श्री मैकगिन के प्रश्न का उत्तर देने दीजिए। फ्रैंकी वास्तव में वुडस्टॉक पहुंचे थे। उन्होंने वहां प्रस्तुति भी दी। लेकिन यह वैसा नहीं हुआ जैसा किसी ने सोचा था। उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। किसी ने उन्हें वहां आने के लिए नहीं कहा था। वे इस भ्रम में गए थे कि उन्हें वह सब फिर से मिल जाएगा जो उनके पास कभी था, बड़ी भीड़ उनके संगीत पर तालियां बजाएगी। लेकिन किसी भी बैंड को उनकी ज़रूरत नहीं थी, और जैसा कि आप आगे सुनने वाले हैं, चीजें बहुत गलत हो गईं। उनकी उपस्थिति उस व्यक्ति के लिए एक दुखद अध्याय बन गई जो अपना रास्ता भटक गया था—और ऑरोरा यॉर्क के साथ उनके सिम्फनी संगीत के एक महत्वपूर्ण चरण का अंत भी।

यह मिनुएट/स्केर्ज़ो था, जिसे 3/4 ताल में प्रस्तुत किया गया था। अगर आप इसे दर्शाने के लिए अपनी उंगलियों से थपथपाएं—1-2-3, 1-2-3, 1-2-3, 1-2-3—तो आपको एक लगभग मदहोश कर देने वाली लय का एहसास होगा। दरअसल, स्केर्ज़ो शब्द का अर्थ "मज़ाक" होता है।

यह एक ऐसा शब्द था जिसे फ्रैंकी ने 1960 के दशक के मध्य में खुद के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था, "एक दुखद मज़ाक।" (क्या इससे भी तीखा व्यंग्य हो सकता है?) उन्हें लगा कि उनके संगीत को अब गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। उन्हें लगा कि उनकी इच्छाओं को सुना नहीं जा रहा है। टैपी फिशमैन के कार्यालय में उन्होंने जो तीव्र भावना महसूस की थी, वह और भी तीव्र हो गई थी और जॉन लेनन द्वारा उन्हें नकलची कहे जाने की टिप्पणी ने इसे गुस्से के उबाल में बदल दिया था। इसी उथल-पुथल के बाद, फ्रैंकी प्रेस्टो ने 1965 के शेष महीनों में ये सब किया:

उन्होंने लंदन में फिल्म की शूटिंग बीच में ही छोड़ दी। इससे उनके फिल्मी करियर के सारे अवसर बर्बाद हो गए।

उन्होंने टैपी फिशमैन से नाता तोड़ लिया। इससे उनके व्यापारिक अवसर नष्ट हो गए।

उन्होंने डेलोरस रे से नाता तोड़ लिया। इससे उनका वैवाहिक जीवन बर्बाद हो गया और वे कानूनी और वित्तीय उलझनों में फंस गए, जिनमें से अधिकांश को उन्होंने जानबूझकर नजरअंदाज कर दिया, जो उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ।

उसने अपने बाल कटवा लिए।

सैमसन की तरह, जिसने अपने चारों ओर के खंभों को गिरा दिया था, फ्रेंकी ने उन सभी चीजों को चकनाचूर कर दिया जिनसे वह जुड़ा हुआ था, ताकि उनसे मुक्त हो सके। फिर, आने वाले वर्षों में, वह मलबे में खो गया। वह नशे में डूब गया, यह मानते हुए, जैसा कि मैंने भी अफसोस जताया है, कि शायद मेरी सच्ची शक्तियां उन्हीं के भीतर खोजी जा सकेंगी।

वह न्यूयॉर्क शहर में, ग्रीनविच विलेज के वेस्ट ट्वेल्थ स्ट्रीट पर एक कम रोशनी वाले, भूतल के अपार्टमेंट में रहने लगा। उसका समय अनियमित था। उसे नींद ठीक से नहीं आती थी। वह लगातार अभ्यास करता था, और जब अभ्यास नहीं कर रहा होता था, तो अक्सर नशे की हालत में रहता था। वह किसी भी समूह के लिए काम करता था जो उसे भुगतान करता था, किसी भी स्टूडियो सेशन में बजाता था जो उसे बुलाता था, रॉयल्टी रिपोर्टिंग से अपना नाम हटाने के बदले नकद लेता था, और अगर उनके पास पैसे नहीं होते थे, तो वह गोलियां, सिगरेट और शराब स्वीकार कर लेता था।

वह अपने बचपन के बारे में सोचने लगा।

"आप इतना ज्यादा क्यों पीते हैं, उस्ताद?"
"यह संगीत से संबंधित प्रश्न नहीं है।"
“क्या आप दुखी हैं, उस्ताद?”
"फिर से, यह संगीत से संबंधित प्रश्न नहीं है।"
“मैं कभी-कभी उदास हो जाता हूँ, उस्ताद।”
“अधिक अभ्यास करो। कम बोलो। तुम अधिक खुश रहोगे।”
जी हां, उस्ताद।

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड में शामिल हो जाता है।
कभी-कभी वे गलत होते हैं।

1968

[redacted]

लेकिन चलिए वापस प्रेम कहानी पर आते हैं। मिनुएट नृत्य। एक छोटा सा नृत्य। दिसंबर के एक दिन, फ्रैंकी ने ग्रीनविच विलेज में अपने दरवाजे का दरवाजा खोला, आधे-अधूरे कपड़े पहने, नींद से भरी आँखों से, और वहाँ ऑरोरा यॉर्क खड़ी थी, स्कार्फ और दस्ताने पहने, उसके सुनहरे बाल टोपी के नीचे दबे हुए थे।

“क्या आपका उस अभिनेत्री से काम खत्म हो गया?” उसने पूछा।

"हाँ।"

“कागजी कार्रवाई पूरी हो गई?”

"हाँ।"

“क्या हम अब शादी कर सकते हैं?”

"अगर आप चाहते हैं।"

“असली तरीका?”

“असली तरीका।”

मैं बस यह सुनिश्चित करने आया था।

"क्या आप रुकेंगे?"

"नहीं।"

कई हफ्तों तक उसकी नज़र उस पर नहीं पड़ी। एक गुरुवार की दोपहर को उसने फिर से दरवाज़ा खटखटाया।

“क्या आप अभ्यास कर रहे हैं?”

"हाँ।"

"क्या आप खेल रहे हैं?"

"जब मैं कर सकता हूँ।"

क्या आप ड्रग्स लेते हैं और शराब पीते हैं?

"कभी-कभी।"

आपको रुकना होगा।

"मुझे पता है।"

"तो इसे करें।"

"क्या आप रुकेंगे?"

"नहीं।"

अगले महीने वह फिर आई। इस बार उसने कुछ घंटे बिताए। उसके अगले महीने वह आई और पूरी रात वहीं रुकी।

उसने सर्दियों से लेकर वसंत ऋतु तक इसी क्रम को दोहराया, छोटे-छोटे नृत्य - एक तरह का मिनुएट नृत्य - और फिर एक सोमवार की सुबह, तेज बारिश के बीच, वह दोबारा प्रकट हुई। इस बार, उसके एक हाथ में छाता और दूसरे हाथ में उसका पीला सूटकेस था।

फ्रेंकी मुस्कुराई।

“क्या तुम रुकोगे?” उसने पूछा।

“मैं गर्भवती हूँ,” उसने कहा।

43

1969

अब वुडस्टॉक का सफर खत्म करने का समय आ गया है। फ्रैंकी आखिरकार मंच के पीछे वाले इलाके में पहुँच गया था। इस समय तक, उत्सव में भारी अफरा-तफरी मच चुकी थी। हेलीकॉप्टरों ने कलाकारों को एक लैंडिंग एरिया तक पहुँचाया था, जहाँ से वे एक लकड़ी के पुल को पार करके मंच तक पहुँचे, लेकिन उन्हें लंबे समय तक

इंतजार करना पड़ा, और कई लोगों को यह भी नहीं पता था कि उन्हें कब प्रस्तुति देनी है। बारिश ने बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया। एम्पलीफायर खराब हो गए। सामान खत्म हो गया। रविवार की सुबह के अंधेरे घंटों तक, कार्यक्रम एक अधूरी पार्टी जैसा लग रहा था, जिसका अब कोई वास्तविक अंत नहीं था, बस नींद से जूझते और खुद को भीगने से बचाने की कोशिश करते लोगों की भीड़ थी।

एक कहानी जो अक्सर सुनाई जाती है, वह यह है कि मंच के पीछे परोसे जाने वाले पेय पदार्थों में मतिभ्रम पैदा करने वाली दवाइयाँ मिलाई जाती थीं। मैं इसकी पुष्टि नहीं कर सकता। लेकिन मैं इतना ज़रूर जानता हूँ कि जब फ्रैंकी आखिरकार वहाँ पहुँचा, तो उसे बहुत प्यास लगी थी और उसने फोल्डिंग टेबल पर रखे कागज़ के कपों में जो कुछ भी सबसे पहले देखा, पी लिया। उसका चेहरा कीचड़ से सना हुआ था और उसकी सफेद कमीज़ गंदी थी। वह अपना सिर इधर-उधर हिला रहा था।

“ऑरोरा... बेबी... नाश्ता,” वह लगातार बुदबुदा रहा था।

उसने दूसरे संगीतकारों को घूरकर देखा, जो या तो उस पर मुस्कुरा रहे थे या नज़रें फेर रहे थे। कागज़ के तौलियों के पास पानी से भरी एक बड़ी बाल्टी रखी थी। फ्रेंकी ने अपने चेहरे पर पानी के छींटे मारे और कीचड़ पोंछ लिया।

अंत में, स्लाई एंड द फैमिली स्टोन नामक बैंड के तेज संगीत के बीच, जो "स्टैंड!" नामक गीत गा रहा था, फ्रैंकी ने बाएं और दाएं मुड़ना शुरू किया, और अपना अंतिम मिनुएट नृत्य शुरू किया।

“अरोरा!”

वह चिल्लाया, "यह घूम रहा है।" वह चिल्लाया, "यह लड़खड़ा रहा है।" उसने अंडे का डिब्बा ऊपर उठाया।

“ऑरोरा! मैं वापस आ गया हूँ! ऑरोरा!”

वह फिसल गया। फिर उठा। उसकी चीखें संगीत में खो गईं, और जब कोई स्वर गूंजा या गिटार की कर्कश ध्वनि निकली, तो उसकी आवाज बिल्कुल सुनाई नहीं दी।

"खड़ा होना! । । ।"

“अरोरा!”

"खड़ा होना! । । ।"

“अरोरा!”

"खड़ा होना!"

वह कहीं नहीं मिली।

और अंत में, जब बैंड ने जोरदार तालियों के बीच अपना प्रदर्शन समाप्त किया—सुबह के 4:05 बज रहे थे—तब स्टेज की बत्तियाँ बुझ गईं। चारों ओर अंधेरा छा गया।

और फ्रेंकी ने अपना गिटार बजाने का फैसला किया।

अरोरा को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए।

और उनकी किस्मत बदल दें।

आगे जो हुआ, उसे बयान करना सुखद नहीं है और अपने प्रिय शिष्य के बचाव में कहूँ तो, वह अपने होश में नहीं था। उसका शरीर, मन और हृदय तीनों अलग-अलग जगहों पर थे। वह लड़खड़ाते हुए रैंप पर चढ़ा और विशाल मंच की ओर बढ़ा। किसी ने उसे नहीं रोका क्योंकि उसके गले में गिटार था और वह एक ऐसे संगीतकार की तरह चल रहा था जिसे पता था कि उसे कहाँ जाना है। कुछ कर्मचारी अगले कार्यक्रम (प्रसिद्ध ब्रिटिश बैंड द हू) के लिए तैयारी शुरू कर चुके थे, लेकिन देर हो चुकी थी और वे थके हुए थे, इसलिए उन्होंने लंबे बालों वाले उस संगीतकार पर ध्यान नहीं दिया जो एम्पलीफायरों की दीवार की ओर तेज़ी से बढ़ रहा था।

खुद से कुछ बुदबुदाते हुए, फ्रेंकी ने एक भूरे रंग के तार का जैक वाला सिरा उठाया और उसे अपने गिटार के आउटपुट में ठोक दिया, जिसमें उसने एक इलेक्ट्रिक पिक-अप लगा रखा था। वह अंडों को पकड़कर बजा नहीं सकता था, इसलिए उसने कार्टन को नीचे रख दिया। ढक्कन खुल गया। हल्की चांदनी में उसने देखा कि सारे अंडे टूट चुके थे।

उसकी आंखों में आंसू भर आए।

जो आप नहीं जान सकते—जो कोई नहीं जानता था—वह कुछ हफ़्ते पहले की घटना थी, जब रॉजर मैकगिन ने न्यूयॉर्क में फ्रैंकी को देखा था। ऑरोरा, जो गर्भवती थी, उसके अपार्टमेंट में रहने लगी थी, इस सख्त समझौते के साथ कि फ्रैंकी सुधर जाएगा,

खेलने के बाद सीधे घर आएगा और अपने बच्चे के लिए एक अच्छा पिता बनने की तैयारी करेगा। कोई नशा नहीं, कोई शराब नहीं, कोई दूसरी औरत नहीं। वह पाँच महीने की गर्भवती थी और उनकी यह नई व्यवस्था कुछ समय तक ठीक चली। लेकिन मैकगिन को देखते ही फ्रैंकी को लंदन, 1965, बीटल्स, पार्टी और अपनी उस विश्वव्यापी प्रसिद्धि से नीचे गिरने की याद आ गई—इस गंदे और बदबूदार नाइटक्लब में बजाते हुए—उसका अहंकार आहत हुआ, वह उदास हो गया और सुबह तक क्लब के तहखाने में संगीतकारों के साथ शराब पीता और सिगरेट पीता रहा।

सूरज उगने के तुरंत बाद, वह लड़खड़ाते हुए अपने अपार्टमेंट में लौटा, अपनी पुरानी आदत पर पछता रहा था और टकराव के लिए तैयार था। लेकिन अंदर अंधेरा था और वह चुपचाप बेडरूम में दाखिल हुआ, और ऑरोरा के सोते समय कंबल के नीचे घुस गया। उसकी हरकत से ऑरोरा थोड़ी सी जाग गई, और उसने करवट बदलकर उसे गले लगा लिया।

“फ्रांसिस्को,” उसने धीरे से कहा।

“ऑरोरा,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

इसका मतलब है भोर।

"मुझे पता है।"

मुझे भूख लगी है। अगर तुम मुझसे प्यार करते हो, तो मेरे लिए नाश्ता बना दो।

उसने गहरी साँस ली। वह सुरक्षित था। उसे पता नहीं था। वह फिर कभी ऐसा नहीं करेगा। उसने खुद से यह वादा किया।

“मैं कुछ अंडे ले आऊंगा,” उसने वादा किया।

उसे बस जागते रहना था।

लेकिन उसकी आंखें बंद हो गईं।

रात ने उसे पूरी तरह से तोड़ दिया था।

एक घंटे बाद, जब ऑरोरा उठी तो उसने देखा कि फ्रैंकी तकिए पर खर्राटे ले रहा है। उसने सोचा कि वह अपना नाश्ता खुद बनाएगी और उसके लिए भी कुछ बनाएगी। उसके फ्रिज में कुछ नहीं था, इसलिए उसने जैकेट पहनी, अपना हैंडबैग लिया और

अपार्टमेंट से निकल गई। उसने किराने की दुकान से अंडों का एक डिब्बा और एक प्याज खरीदा। घर से एक ब्लॉक दूर लौटते समय, एक गली से तीन युवक निकले और उसे धक्का देकर उसका बैग छीनने की कोशिश की। बैग का पट्टा उसकी बांह में फंस गया और जैसे ही उसने उसे पीछे खींचा, वह हमलावरों में से एक की ओर घूम गई, जिसने अपना पैर उठाकर उसके पेट में ज़ोर से लात मारी। वह घुटनों के बल गिर पड़ी, बैग अभी भी उसके कंधे पर था। उसने फिर से लात मारी जिससे बैग छूट गया। बाकी दोनों ने उसे गालियां दीं और भाग गए, और वह भी मुड़कर भाग गया।

एक टैक्सी अचानक ब्रेक लगाकर रुकी। एक आदमी उससे बाहर कूद गया। अरोरा ने हल्की सी गड़गड़ाहट की आवाज निकाली, फिर फुटपाथ पर गिर पड़ी और कांपने लगी।

अस्पताल से आए पहले फोन पर फ्रेंकी सोता रहा। दूसरे फोन पर भी वह सोता रहा। जब तक वह अपनी पत्नी से मिलने पहुंचा, तब तक एक मृत शिशु का जन्म हो चुका था और उसे कंबल में लपेटकर मां को एक मिनट के लिए गोद में दिया गया और फिर ले जाया गया। फ्रेंकी के आने पर अरोरा खिड़की से बाहर देख रही थी। उसके चेहरे पर चोट के निशान थे और कई जगहों पर पट्टियां बंधी हुई थीं। उसने अपना सिर घुमाया और फ्रेंकी मूर्ति की तरह खड़ा रह गया। उसे हर रोम-रोम में अपराधबोध महसूस हो रहा था।

“यह किसने किया?” उसने बुदबुदाते हुए कहा।

उसने अपना सिर हिलाया।

उन्होंने यह कैसे किया...

उसने अपना सिर हिलाया।

"क्यों । । ।"

उसके पास कहने के लिए शब्द नहीं थे।

“तुम कहाँ थे?” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

उस पल से लेकर वुडस्टॉक में प्रदर्शन शुरू करने तक के कई सप्ताह धुंधले से बीत गए, और हालांकि फ्रैंकी को कुछ भी याद नहीं था, मैं इस बात की गवाही दे सकता हूँ

कि उन हफ्तों में से एक भी दिन वह होश में नहीं था। वह उसका सामना नहीं कर सकता था। वह किसी भी चीज़ का सामना नहीं कर सकता था। वह अस्पताल से लड़खड़ाते हुए घर आया, अपना गिटार उठाया और वापस नहीं लौटा। वह लिफ्ट लेकर न्यूयॉर्क के उत्तरी हिस्से में चला गया, और जो कुछ हुआ था उसके बारे में सोचने से बचने के लिए हर संभव नशा करता रहा। लेकिन उसका व्याकुल मन उसे भूल नहीं सका। इसके बजाय, वह हर दिन हर तरह से ऑरोरा की कल्पना करता रहा, यहाँ तक कि वास्तविकता और कल्पना के बीच का अंतर मिट गया। अंततः, वुडस्टॉक में, उसने उस पहाड़ी पर सोती हुई उसकी कल्पना की ("अगर तुम मुझसे प्यार करती हो, तो मेरे लिए नाश्ता बनाओगी।") और अंडों की व्यर्थ खोज में निकल पड़ा।

और अब, मंच के अंधेरे में, केवल उसे एक बार फिर देखने की चाहत में, उसने जो कुछ हुआ था उसे बदलने के लिए अपनी आखिरी कोशिश की।

टूटे हुए खोलों से दूर हटकर वह गुस्से में अपने गिटार पिकअप का वॉल्यूम नॉब घुमाने लगा। उसे एक विशाल एम्पलीफायर से हल्की सी भनभनाहट सुनाई दी। उसके ऊपर एक खाली बीयर की बोतल रखी थी। धुंधली यादों में कहीं फ्रैंकी को हैम्पटन बेलग्रेव द्वारा सिखाई गई एक तरकीब याद आई। उसने बीयर की बोतल को एम्पलीफायर के किनारे पर पटका, जिससे वह साफ-साफ दो टुकड़ों में टूट गई, फिर उसने बोतल के गर्दन वाले हिस्से को पकड़ा और अपनी अनामिका उंगली को उसके मुंह में डालकर एक कांच की "स्लाइड" बनाई - यह एक ऐसा उपकरण है जिसका इस्तेमाल ब्लूज़ संगीतकार तारों की पिच और वाइब्रेटो को बदलने के लिए करते हैं। फ्रैंकी को अपनी त्वचा पर नमी का एहसास हुआ और उसने दो बार पैर थपथपाया, स्लाइड को गिटार की गर्दन पर चलाया और चीखता हुआ बी-सेवंथ कॉर्ड बजाया, मानो संगीत को झनझनाहट से भर देना चाहता हो।

मंच के पीछे, संगीतकारों ने ऊपर देखा, क्योंकि कॉर्ड इतनी साफ आवाज में गूंज रहा था। लेकिन उन्हें सिर्फ अंधेरा ही दिखाई दिया। फ्रैंकी एक भूत की तरह बजाने लगा, अर्पेजियो का एक जाल जो तेज होता चला गया, फिर मानो रॉकेट के दुर्घटनाग्रस्त होने की तरह गिटार की गर्दन पर फिसलने लगा। उसने अपने पैरों के पास रखे पेडल्स का इस्तेमाल डिस्टॉर्शन, फज़ और वाह-वाह ध्वनि पैदा करने के लिए किया। उसने एक ऊंचे डी नोट को थामे रखा, अपने हाथ को ऐसे हिलाया जैसे फ्रेट बोर्ड से हर सांस को गला घोंट रहा हो, फिर एक तेज ब्लूज़ स्केल को ऊपर-नीचे और

फिर ऊपर बजाया। कोई और वाद्य यंत्र नहीं बज रहा था, न ड्रम, न बास। ज्यादातर सोलो किसी मेलोडी लाइन पर या रिदम सेक्शन के साथ बजाए जाते हैं। लेकिन यह एक अनोखा गिटार प्रदर्शन था, और फ्रैंकी के रिफिंग में छिपी धुनें इसे और भी उल्लेखनीय बना रही थीं। वह उग्र जलधाराओं के खिलाफ तैर रहा एक आदमी था, और उसके साथ बिताए अपने पूरे समय में, मुझे इससे बड़ा कोई संघर्ष याद नहीं आता। मैं उस सोलो में आंधी में चादर की तरह फड़फड़ा रहा था। लीडबेली, मोजार्ट, चेट एटकिंस, सेगोविया के अंश। फ्रेंकी ने अपने संगीत के सभी ज्ञात प्रभावों को आत्मसात किया और इतनी भावना के साथ सुरों को प्रस्तुत किया कि उसकी आंखों से आंसू बहने लगे और उसकी उंगलियों पर गिरने लगे।

और इस पूरे समय वह अपने तारों को घूरता रहा और चिल्लाता रहा, “बदलो! . . . “बदलो!”

वह चाहता था कि वे नीले पड़ जाएं।

अपने दुविधाग्रस्त मन में, उसे विश्वास था कि वह उस भयानक रात को मिटा सकता है, अपने बच्चे को बचा सकता है, औरोरा को वापस ला सकता है। क्या उसके पास यह शक्ति नहीं थी? अगर अभी नहीं तो इन धागों का क्या फायदा?

"परिवर्तन!"

उसकी उंगलियां तेजी से चलने लगीं। उसका सोलो एम्प्लीफायरों से बाहर निकल आया।

"परिवर्तन!"

आखिरी सुर उमड़ पड़े, विल्वाल्डी की धुन, चक बेरी की लय; उनका गिटार मानो घुट रहा था, भावनाएँ कच्ची और अंतहीन थीं। मंच के किनारे, एक स्टेज कर्मचारी ने बुदबुदाते हुए कहा, "मैं इस आदमी को बुला लाता हूँ," लेकिन जैसे ही वह द हू बैंड के सदस्यों के पास से गुजरा, उनके गिटारवादक, पीट टाउनशेंड ने उसे पकड़ लिया और फुसफुसाते हुए कहा, "हिम्मत मत करना।"

कुल मिलाकर, फ्रेंकी ने दो मिनट और सत्रह सेकंड तक बजाया। उन्होंने अपने दाहिने हाथ को फड़फड़ाती तितली की तरह झटकते हुए, कॉर्ड्स को गिटार के नेक पर सरकाते हुए समाप्त किया, जिसकी ध्वनि किसी विशाल इंजन के बंद होने जैसी लग रही थी, फिर उन्होंने ग्लास स्लाइड को ऊपर-नीचे घुमाया और एक कर्कश निम्न स्वर और तीन हार्मोनिक ओवरटोन बजाए, जिसके बाद उन्होंने समापन किया।

बूम बूम बूम।

दुम्मम्मम्मम्मम्म।

तार वैसे ही रहे। वह फर्श पर गिर पड़ा।

क्योंकि वहां रोशनी नहीं थी, इसलिए किसी ने उसे खेलते हुए नहीं देखा। और, चूंकि सुबह के लगभग पांच बज रहे थे, भीड़ में से कई लोग सो रहे थे। हल्की-फुल्की तालियों की गड़गड़ाहट, कुछ छिटपुट चीखों और अंधेरे में एक आदमी की चीख के बीच, "हू को मैदान में लाओ!" फ्रैंकी को लगा कि उसकी जिंदगी में कुछ भी बेहतर नहीं होने वाला है। चारों ओर अंधेरा छाया हुआ था और वह अकेला था।

तो, मेरे प्यारे बच्चे ने घुटनों के बल बैठकर, पहले से ही प्रार्थना की मुद्रा में, आगे की ओर झुककर अपना बायां हाथ वैसे ही फैलाया जैसे उसे हमेशा सिखाया गया था, सीधा और खुला हुआ, मानो वह भगवान से मदद मांग रहा हो।

और फिर, एल मास्ट्रो के शब्दों को याद करते हुए ("बेवकूफ लड़के! भगवान तुम्हें कुछ नहीं देता!"), उसने बोतल के नुकीले गले को बार-बार अपनी हथेली में घुसाया, उस हाथ को चीर डाला जिसने उसे पाला-पोसा था, जब तक कि खून के कारण उसकी उंगलियां दिखना बंद नहीं हो गईं।

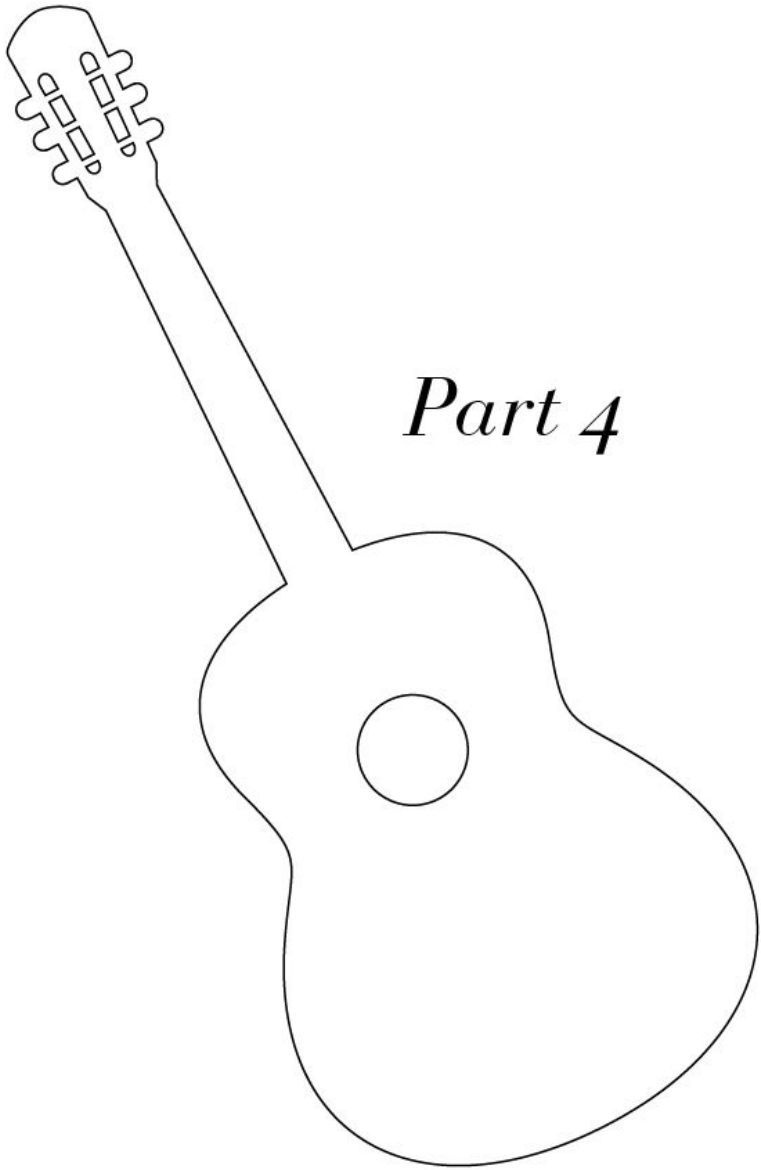

Part 4

पौ सैन्ज़

राष्ट्रीय पुलिस कोर के मुख्य पुलिस निरीक्षक

मैं अभी आपसे बात करूंगा।

बस संक्षेप में, ठीक है? . . . मेरी अंग्रेजी उतनी अच्छी नहीं है।

मैं पाउ सैन्ज़ हूँ। इंस्पेक्टर जेफ़े। मैं फ़्रांसिस्को प्रेस्टो की मौत की जांच का प्रमुख हूँ।

क्या? . . . अभी तक नहीं। हमें बस इतना पता है कि उसकी मौत तब हुई जब वह टिएट्रो म्युनिसिपल में बहुत ऊंचाई से गिर गया। यह तारेगा का त्योहार है। हम इसे हर साल मनाते हैं। कभी कोई समस्या नहीं हुई। पहले कभी नहीं।

क्या? . . . जी, यही हमारा भी सवाल है। वह उठता कैसे है? वह गिरता क्यों है? शायद किसी ने उसे धक्का दिया हो? शायद कोई उसे मारना चाहता हो?

हमें कोई ज़ख्म नहीं मिला। हाथ पर निशान हैं, लेकिन कोई ज़ख्म नहीं। कोई गोली नहीं? किसी ने उसे गोली नहीं मारी।

हमें सवाल पूछने होंगे। हम जानते हैं कि यह एक चर्च है। हम इसका सम्मान करते हैं। लेकिन क्या किसी की हत्या करना पुलिस का काम है? हमें सवाल पूछने ही होंगे।

क्या? . . . कोई संदिग्ध नहीं। अभी तक तो नहीं। लेकिन लोग कहते हैं कि उन्होंने उसे सुबह एक व्यक्ति के साथ देखा था, और उस व्यक्ति ने कई कपड़े पहने थे और चेहरा ढका हुआ था। हो सकता है उस व्यक्ति ने उसके साथ कुछ बुरा किया हो? मुमकिन है, है ना?

मेरे हिसाब से मामला सीधा-सादा है। हत्या है। जरूर हुई होगी।

मनुष्य उड़ नहीं सकते।

नौका खाड़ी में आकर रुकी और तीन युवक हरी चट्टानों की ओर देखने लगे। उनमें से एक ने कहा, "यह तो नेवर नेवर लैंड जैसा है।" "पीटर पैन से?" "शायद हम लॉस्ट बॉयज़ हैं।" "अच्छा बैंड का नाम है।" "मैं कैप्टन हुक हूँ।" "तुम टिंकर बेल हो।" "तुम

बहुत मज़ेदार हो।" "चुप रहो।" वर्ष 1981 था, जनवरी का महीना, न्यूज़ीलैंड के हौराकी खाड़ी में स्थित वाईहेके द्वीप नामक एक छोटे से भूभाग पर। तीनों युवक, जो हाल ही में कॉलेज से स्नातक हुए थे और एक कंट्री संगीत बैंड के सदस्य थे, लाइल, एडी और क्लक के नाम से जाने जाते थे। उन्होंने जींस और ढीली सूती कमीज़ें पहनी हुई थीं, उनके बाल घने और शरीर पतले थे। लाइल बाकी दोनों से लंबा था। लाइल और एडी गिटार के केस लिए नाव से उतरे और एक पहाड़ी पर चढ़ गए। “नमस्ते, लड़कों।” एक पुरानी जीप के अंदर एक हट्टा-कट्टा आदमी बैठा था, जिसका चेहरा लाल और मजबूत था, बाल छोटे-छोटे कटे हुए चांदी जैसे थे और बांह पर टैटू बना हुआ था। उसका हाथ स्टीयरिंग व्हील पर था। वह मुस्कुराया, जिससे उसके कई सोने के दांत दिखाई दिए। “क्या आप लोग कहीं जाना चाहते हैं?” “जी हाँ,” लाइल ने कहा। “अंदर बैठ जाइए।” वे पीछे की सीट पर बैठ गए। “मैं लाइल हूँ। वो एडी है। वो क्लक है।” “क्लक? वाह!” आदमी हँसा। “हर कोई आलोचक होता है,” क्लक बुदबुदाया। “तुम्हारा नाम क्या है?” एडी ने पूछा। “कीविन।” “की-विन?” “के-ई-वी-आई-एन।” “ओह। केविन। ठीक है।” “अमेरिका से हो क्या?” “टेक्सास।” “बहुत बढ़िया। चलो चलते हैं।” कुछ ही पलों में, वे द्वीप की एकमात्र मुख्य सड़क पर उछलते-कूदते आगे बढ़ रहे थे, लहरदार घास के बड़े-बड़े हिस्सों और चट्टानी खाड़ियों को पार करते हुए, जहाँ छोटी-छोटी लहरें किनारे पर टकरा रही थीं। उन्होंने देखा कि केविन हर गुजरती कार या पैदल यात्री को हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहा था। "वहाँ दो नन्हे-मुन्ने बच्चे हैं," उसने दो छोटे बच्चों की ओर इशारा करते हुए कहा। "अरे वाह, कड़ी मेहनत कर रहे हैं दोस्तों," उसने नंगे बदन काम कर रहे खेत मजदूरों की ओर इशारा करते हुए कहा। "ये आदमी क्या कह रहा है?" एडी ने फुसफुसाते हुए पूछा। "मुझे नहीं पता," लाइल ने कहा। "तो तुम ऑस्ट्रेलिया गए थे?" केविन ने पूछा। "माफ़ कीजिएगा?" "ऑस्ट्रेलिया।" "जी हाँ। हम वहाँ उतरे, फिर यहाँ आ गए।" "तुम्हें पता है लोग क्या कहते हैं। ऑस्ट्रेलिया भाग्यशाली देश है, लेकिन न्यूज़ीलैंड भगवान का अपना है।" "सच में?" "बिल्कुल सही, दोस्त। यह बहुत सुंदर है। उस पानी को देखो। कितना प्यारा है ना?" खुली खिड़कियों से गर्म हवा अंदर आ रही थी। सड़क एक के बाद एक खूबसूरत खाड़ियों से होकर टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजर रही थी। वहाँ कोई ट्रैफिक लाइट नहीं थी और केविन को ब्रेक लगाने की ज़रूरत भी नहीं पड़ी। "भगवान की कृपा है," उसने मन ही मन दोहराया। "क्या तुम्हें कोई सस्ता होटल पता

है?" "अरे यार, बहुत सारे हैं। छुट्टियाँ मनाने आए हो?" "अभी-अभी कॉलेज खत्म किया है।" "वाह! इस द्वीप पर क्यों आए हो?" "हम किसी को ढूंढ रहे हैं।" लाइल ने एडी के हाथ पर थप्पड़ मारा। "वो कौन है?" केविन ने पूछा। "एक गिटार वादक।" "और एक गायक भी।" "न्यूजीलैंड का?" दोनों लड़कों ने एक-दूसरे को देखा। "वो अमेरिकी है। खैर, पहले स्पेनिश। क्या तुम इस द्वीप पर बहुत से लोगों को जानते हो?" केविन मुस्कुराया, उसके चेहरे की झुर्रियाँ खिड़की के पर्दे की तरह ऊपर उठ गईं। "मुझे लगता है मैं जानता हूँ।" उसने खिड़की की ओर इशारा किया। “वो फलों का ठेला कर्टिस मोर्मोंट का है। बड़ा बदमाश है वो... वो ऊपर वाला नीला घर? वो एक आयरिश आदमी का है, जो गर्म मौसम में यहाँ आता है। मुलिगन। मिलिगन। हम उसे रेड कहते हैं... वो छोटा सा घर? वो मेरा दोस्त टिम है। हम उसे ‘खतरनाक’ टिम कहते हैं। लेकिन सिर्फ़ तब जब वो नशे में होता है...” जीप घुमावदार खेतों के बीच से गुज़री जो समुद्र की ओर ढलान पर थे। हर मोड़ पर एक नई, मनमोहक खाड़ी दिखाई देती थी। “इस गिटार बजाने वाले का नाम क्या है?” लाइल ने क्लक की तरफ देखा, जिसने एडी की तरफ देखा। “प्रेस्टो। फ्रेंकी प्रेस्टो।” उस आदमी ने अपनी आँख के ठीक ऊपर माथे पर खुजली की। “नहीं यार। ये नाम नहीं जानता।” उसने पीछे देखने वाले शीशे में देखा। “तो तुम लोग भी संगीतकार हो, है ना?” “हम एक बैंड में हैं।” “वाह, बहुत बढ़िया। तुम लोग क्या बजाते हो?” क्लुक ने सीट के पीछे हाथ मारा। "ड्रम।" "गिटार," लाइल ने कहा। "बास," एडी ने कहा। केविन ने जीप की गति धीमी कर दी। "देखो दोस्तों। मेरे पास एक विचार है। क्यों न हम घर पर रुकें? पत्नी से मिलें। वह बहुत प्यारी है। हम कुछ खाना खा लेंगे, फिर आपको आपके रास्ते पर छोड़ देंगे। कुछ खास नहीं। बस हल्का-फुल्का।" "यह क्या है?" क्लुक ने घबराकर पूछा। "बचा हुआ खाना," केविन ने कहा। "हमारे लिए ऐसा करने की कोई ज़रूरत नहीं है," लाइल ने कहा। "कोई बात नहीं, दोस्त। अगर द्वितीय विश्व युद्ध में तुम अमेरिकी न होते, तो हम सब जापानी बोल रहे होते।" "तुम्हारा घर कितनी दूर है?" "वाइहेके में कुछ भी दूर नहीं है।" "किराया कितना है?" केविन ने सिर हिलाया और मुस्कुराया। "अरे, मैं टैक्सी ड्राइवर नहीं हूँ, दोस्त। मैं तो यहीं रहता हूँ।" कुछ घंटों बाद, चाँद पानी के ऊपर लटका हुआ था और केविन के आँगन से अनगिनत तारे दिखाई दे रहे थे। लायल, एडी और क्लक चिकन, जैतून, पनीर और टमाटर से पेट भर चुके थे। और वाइन भी। ढेर सारी वाइन। कुछ ही मिनटों के लिए रुकने की योजना बनाकर, वे

कीवी आतिथ्य सत्कार में रम गए थे और सूर्यास्त के बाद तक वहीं रहे। नम हवा ने मानो उनकी गति धीमी कर दी थी और उनकी त्वचा पसीने से हल्की चमक रही थी। उन्होंने केविन और उनकी पत्नी रॉबी को फ्रैंकी प्रेस्टो को खोजने की अपनी खोज के बारे में बताया था। वे उनसे मिलने और शायद उन्हें बजाते हुए सुनने की उम्मीद कर रहे थे। एडी ने कहा, "वह एक तरह से किंवदंती हैं।" वास्तव में, वुडस्टॉक के बारह साल बाद, मेरे प्रिय शिष्य के बारे में एक छोटी सी किंवदंती बन चुकी थी। एक आलोचक ने एक बेस्टसेलर किताब लिखी थी जिसमें दावा किया गया था कि फ्रैंकी "प्रारंभिक रॉक एंड रोल में सबसे प्रतिभाशाली गिटारवादक" थे, और बर्ड्स के रोजर मैकगिन ने एक फिल्म वृत्तचित्र में फ्रैंकी के साथ बजाने और उनके कौशल से चकित होने का वर्णन किया था। वुडस्टॉक में अंधेरे में बजाए गए उनके दर्द भरे गिटार सोलो को आधिकारिक तौर पर रिकॉर्ड नहीं किया गया था, लेकिन स्टेज के पीछे एक टेप रिकॉर्डर चल रहा था, और दो मिनट सत्रह सेकंड के उस सोलो की अवैध प्रतियां संग्रहणीय वस्तु बन गई थीं। कलाकार को लेकर कई अटकलें लगाई गईं, जिनमें जिमी हेन्ड्रिक्स, जेरी गार्सिया, पीट टाउनशेंड और कार्लोस सैन्टाना शामिल थे, जो सभी उस उत्सव में मौजूद थे, लेकिन सभी ने खुद को वादक होने से इनकार किया। हाल ही में, फ्रैंकी का नाम भी सामने आया था, लेकिन चूंकि वह सार्वजनिक जीवन से गायब हो गए थे, इसलिए कोई भी इसकी पुष्टि नहीं कर सका। और आप इंसान जितना कम किसी रहस्य को सुलझा पाते हैं, वह उतना ही दिलचस्प हो जाता है। लायल, एडी और क्लक फ्रैंकी प्रेस्टो की पहेली से मोहित थे। उन्होंने तो उनके ठिकाने के बारे में एक सिद्धांत भी विकसित कर लिया था: एडी के चचेरे भाई, जो एक संगीत लाइसेंसिंग कंपनी में काम करते थे, ने "आई वांट टू लव यू" गाने के रॉयल्टी चेक का पता न्यूजीलैंड के वाइहेके द्वीप पर एक डाकघर बॉक्स के पते पर लगाया। एडी, लाइल और क्लक, जिनके बैंड का नाम क्लेवर येल्स था, ने स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद इस यात्रा की योजना बनाई थी, इस उम्मीद में कि वे उस रहस्यमय गिटारवादक को खोजने वाले पहले व्यक्ति बनेंगे। लाइल विशेष रूप से मोहित लग रहा था। उसने अपने जिज्ञासु कीवी मेजबानों को समझाने की कोशिश की। उसने कहा, "जब मैं बच्चा था, तब फ्रेंकी प्रेस्टो बहुत लोकप्रिय थे। मेरे माता-पिता के पास उनके रिकॉर्ड थे और मैंने एल्बम के कवर दीवार पर टांग रखे थे। वह मुझे बहुत ही शानदार लगते थे। उनके पास सब कुछ था - आवाज, रूप, कौशल। और फिर उन्होंने

छोड़ दिया। गायब हो गए। कुछ लोग कहते हैं कि वह गिटार पर अब तक के किसी भी कलाकार से बेहतर थे। और वह बस यूं ही चले गए।" रॉबी ने पूछा, "तो आप उन्हें क्यों ढूंढना चाहते हैं?" लाइल ने नज़रें फेर लीं। “खैर, महोदया, शायद यह बेवकूफी भरी बात लगे। पर मैं संगीत में अपना नाम कमाना चाहता हूँ, और मैं गाने लिख रहा हूँ, उन्हें बेचने की कोशिश कर रहा हूँ। हर बार जब कोई मना कर देता है, तो ऐसा लगता है जैसे किसी ने मेरे पेट में लात मार दी हो। मैं यह सोचकर पागल हो जाता हूँ कि उन्हें मेरा गाना पसंद क्यों नहीं आया। मुझे लगा कि अगर मैं फ्रैंकी प्रेस्टो से मिलूँ, तो वह मुझे कुछ सिखा सकते हैं।” “गाना कैसे बेचें?” रॉबी ने पूछा। “इतना परवाह न करना,” लाइल ने जवाब दिया। केविन ने अपनी पत्नी की तरफ देखा। “ये अमेरिकी बहुत गहरे विचारों वाले हैं।” वह हँसी और वह भी हँसा और उसने कहा, “मज़ा आया, है ना?” और लाइल मुस्कुराया लेकिन नज़रें हटा लीं। जब उनकी बातचीत खत्म हुई तो काफी देर हो चुकी थी और केविन ने कहा कि होटल बंद हो चुके होंगे। उसने ज़ोर देकर कहा कि मेहमान उसके सोफे पर सोएँ। वे बहस करने के लिए बहुत थके हुए थे। अगली सुबह, सूरज निकलते ही, लाइल को अपने कंधे पर एक धक्का महसूस हुआ। “उठो, दोस्त,” केविन ने धीरे से कहा। पंद्रह मिनट बाद, तीनों संगीतकार जीप की पिछली सीट पर बैठे अपनी आँखों से नींद पोंछ रहे थे, तभी केविन ने मुख्य सड़क से हटकर एक छिपी हुई खाड़ी की ओर गाड़ी मोड़ी। वह पेड़ों के बीच एक खुले स्थान पर पहुँचा। जीप रुकी और केविन ने एक छोटे रास्ते की ओर इशारा किया। "वहाँ से।" "वहाँ से क्या है?" लाइल ने पूछा। "वही जो तुम ढूंढ रहे हो।" कुछ मिनट बाद, तीनों लताओं को हटाते हुए, नम ज़मीन पर कदम रखते हुए, ऊपर की घनी शाखाओं के कारण लगभग अंधेरे में आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने एक पेड़ पर एक आइसबॉक्स देखा। उन्होंने सीढ़ियों के बीच एक साथ बंधे दो पुराने स्पीकर देखे। जैसे-जैसे वे आगे बढ़े और प्रकाश की किरणें तेज़ हुईं, उन्हें दूर से एक गड़गड़ाहट की आवाज़ सुनाई दी और उन्हें एहसास हुआ कि वे लहरों के पास पहुँच रहे हैं। "नीचे झुक जाओ," एडी ने फुसफुसाया। तीनों नीचे झुक गए। "क्या है?" लाइल ने कहा। "देखो।" "कहाँ?" एडी ने बाईं ओर इशारा किया। झाड़ियों के बीच से उन्होंने एक आदमी को झूले पर बैठे देखा, जो गिटार पर झुका हुआ पानी की ओर देख रहा था। “क्या यह वही है?” “हे भगवान!” “मुझे विश्वास नहीं हो रहा! हमने उस आदमी को ढूंढ लिया!” “रुको।” लाइल ने अपनी उंगली होठों पर रखी। “सुनो।” वे आगे झुके, चट्टानों से टकराती छोटी

लहरों के बीच संगीत की आवाज़ों को पहचानने की कोशिश कर रहे थे। “क्या तुम्हें वह सुनाई दे रहा है?” “क्या?” “जो वह बजा रहा है। वह तो नहीं हो सकता।” “वह क्या बजा रहा है?” लाइल ने सिर हिलाया। “स्केल। बच्चों की तरह।”

45

1944

[redacted]

“मास्ट्रो?”

"हाँ?"

क्या मेरे पापा घर आ रहे हैं?

“मुझे नहीं पता, फ्रांसिस्को। मुझे मेरा पेय दो।”

"क्या होगा अगर वह कभी घर ही न लौटे?"

“ऐसी बातें मत सोचो। अब डालो।”

लेकिन अगर वह ऐसा नहीं करता तो क्या होगा?

"तब आपको फिर से शुरुआत करनी होगी।"

"शुरू में?"

नहीं। आप दो बार बच्चे नहीं बन सकते।

"तो फिर आप नए सिरे से शुरुआत कैसे करेंगे?"

“जिस तरह एक संगीतकार एक नई रचना शुरू करता है। मेरा पेय कहाँ है?”

मैं अपने पापा के बिना शुरुआत नहीं करना चाहता।

“रो मत, बेटा।”

"लेकिन-"

इसे अभी रोकें।

"लेकिन-"

"मेरी बात सुनो, फ्रांसिस्को। क्या तुम्हें लगता है कि मैं अंधकारमय जीवन चाहता था? क्या तुम्हें लगता है कि मैं अपनी उंगलियों, गिटार के फ्रेट्स या ट्यूनिंग पेग्स को न देखना चाहता था, क्या मैं किसी खोए हुए जानवर की तरह इधर-उधर भटकना चाहता था?"

“नहीं, स्वामी।”

“नहीं, मैंने ऐसा नहीं किया। यही जीवन है। चीजें छिन जाती हैं। आपको कई बार नए सिरे से शुरुआत करना सीखना होगा—वरना आप बेकार हो जाएंगे।”

जी हां, उस्ताद।

"क्योंकि अभी तुम किसी काम के नहीं हो, क्योंकि मेरे पास पीने के लिए कुछ नहीं है।"

मुझे खेद है, उस्ताद।

“छोड़ो इसे। अपने अर्पेजियो पर वापस लौट जाओ। इस मामले पर मैं बस इतना ही कहूंगा। क्या तुम सुन रहे हो?”

जी हां, उस्ताद।

रोना बंद करो। खेलना शुरू करो।

46

मानव इतिहास में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति रहा हो जिसने जन्म के समय ही मुझे लुडविग वैन बीथोवेन से अधिक आकर्षित किया हो। मेरा रंग उन्हें तुरंत आकर्षित कर गया और उनकी मजबूत पकड़ ने एक संगीतमय जीवन की गारंटी दे दी। लेकिन जब उनके शराबी पिता उन्हें देर रात जगाकर अभ्यास करने के लिए कहते, तो डरा हुआ

लुडविग बड़ी मुश्किल से ही मुझे संगीत में उतार पाता था। बाद में, जब वे पूरी तरह बहरे हो गए, तब भी मैं उनकी आत्मा में बसा रहा, हमेशा की तरह अडिग, लेकिन बिना सुने संगीत बनाना एक ऐसा बोझ था जिसे मैं हल्का नहीं कर सका, यहाँ तक कि अपने प्रिय बच्चे के लिए भी नहीं।

फ्रैंकी प्रेस्टो के साथ भी ऐसा ही हुआ, जिनके बाएं हाथ पर वुडस्टॉक के मंच पर बुरी तरह से कट लग गया था। मैं बस देखता रह गया। खून से लथपथ और सदमे में, उन्हें एक महिला की मदद से सेना के हेलीकॉप्टर से महोत्सव से निकाला गया, जो उन्हें तुरंत चिकित्सा क्षेत्र में ले गई। सैन्य कर्मियों ने उनके घावों का इलाज किया। एक सैन्य सर्जन ने ऑपरेशन किया और जितना संभव हो सका, उनकी जान बचाई।

अगले दिन अस्पताल में, जब उसके खून से दवाइयों का असर पूरी तरह से निकल गया, तब फ्रैंकी को समझ आया कि क्या हुआ था। उसने अपने पट्टी बंधे हाथ को देखा और तब तक रोता रहा जब तक उसकी देखने की शक्ति खत्म नहीं हो गई। उसी रात एक नर्स उसका गिटार केस लेकर आई और बोली कि फेस्टिवल से कोई इसे लेकर आया है। उसने पूछा कि क्या उसका गिटार अंदर है। नर्स ने एक कुंडी खोली और अंदर झाँका।

“हाँ, यही है,” उसने कहा। उसका सीना फूल गया और फिर उसने कांपती हुई आवाज़ में उससे कहा, “इसे ले जाओ, ठीक है? बस इसे ले जाओ।”

अगले कुछ दिनों में, उन्हें वुडस्टॉक में हुई अन्य मौतों के बारे में पता चला, एक युवा सैनिक जो हेरोइन के सेवन से मर गया, एक किशोर जो अपने स्लीपिंग बैग में ट्रैक्टर से कुचल गया। उन्होंने एलएसडी के शिकार लोगों को लड़खड़ाते हुए आते देखा, जिनमें से अधिकांश अभी-अभी हाई स्कूल से निकले थे, और स्वयंसेवक उनके हाथों को सहलाते हुए उन्हें दिलासा दे रहे थे, क्योंकि वे चीख रहे थे या रो रहे थे। एक बार, क्लिपबोर्ड लिए एक नर्स ने फ्रैंकी से उनकी उम्र पूछी, और युवा मरीजों को देखते हुए उन्होंने जवाब दिया, "तैंतीस।" उन्हें खुद को बूढ़ा और हास्यास्पद महसूस हुआ।

कुछ समय बाद, उसे रिहा कर दिया गया और वह न्यूयॉर्क शहर लौट आया, लेकिन बारहवीं गली का अपार्टमेंट खाली था, जैसा कि उसे पता था। ऑरोरा जा चुकी थी। उसका पीला सूटकेस भी गायब था। और इस बार उसने उसे खोजने की कोशिश नहीं की। इसके बजाय, उसने अपना अधिकांश सामान बेच दिया—इलेक्ट्रिक गिटार, एम्पलीफायर, टेप मशीन—केवल अपना बचपन का एकॉस्टिक गिटार और उसके

रहस्यमय तार अपने पास रखे। वह महीनों तक भटकता रहा, होटलों में ठहरता रहा, देर से सोता रहा ताकि अपने हाथ को घूरते हुए खाली समय से बच सके। उसे शराब पीने की, नशे में डूबने की तीव्र इच्छा थी, लेकिन वह जानता था कि इसी वजह से वह इस दलदल में फंसा था। उस्ताद ने उसे चेतावनी दी थी, "तुम्हें कई बार नए सिरे से शुरुआत करनी होगी।" लेकिन इससे पहले, उसके पास हमेशा मैं होता था, जिसके पास वह अपने गिटार के जादू में खोकर अपनी परेशानियों को भुला सकता था। फ्रैंकी अपनी कार में कैसेट टेप सुनता था, रैंडी न्यूमैन और वॉरेन ज़ेवोन जैसे युवा संगीतकारों और ग्रांट ग्रीन और फ्रेडी रॉबिन्सन जैसे गिटारवादकों के गाने। लेकिन सुनना पहले जैसा नहीं था। उसे बजाने की याद आ रही थी। उसे अभ्यास करने की भी उतनी ही याद आ रही थी।

कुछ समय बाद, वह अपना समय टेलीविजन देखने में बिताने लगा। उसने विदेशों में युद्ध का विरोध कर रहे युवाओं को देखा। फ्रैंकी को युद्ध से नफरत थी, फिर भी वह जानता था कि सेना ने ही उसे हवाई मार्ग से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया था और उसके घावों को ठीक किया था। वह ऋणी महसूस करता था—विशेष रूप से उस सर्जन का, जिससे वह लगातार मिलता रहता था। वह लगभग चालीस वर्ष का एक हट्टा-कट्टा आदमी था, जो फ्रैंकी को विकलांग महान संगीतकारों की याद दिलाता रहता था।

“क्या आपने कभी जैंगो रेनहार्ड्ट नाम के एक जैज़ गिटार वादक के बारे में सुना है?” उन्होंने पूछा। “उनकी सिर्फ दो उंगलियां ही ठीक थीं। लेकिन उनका गिटार वादन अद्भुत था।”

फ्रेंकी ने नज़रें फेर लीं। "जैंगो अनोखा था।"

“वह गा नहीं सकता था। तुम गा सकते हो।”

“हम्म।”

क्या आप अपने गाने दोबारा गाने पर विचार करेंगे?

"कोई भी मेरी रचनाएँ सुनना नहीं चाहता।"

"कुछ खास श्रोताओं को यह पसंद आ सकता है।"

अब तो पूरा परिदृश्य ही बदल गया है।

“शायद यहाँ।” डॉक्टर मुस्कुराए। “लेकिन मैं यहाँ की बात नहीं कर रहा था।”

फोन कॉल किए गए। परिचय कराया गया।

नौ महीने बाद, फ्रेंकी प्रेस्टो वियतनाम गए।

यूनाइटेड सर्विस ऑर्गनाइजेशन (यूएसओ) द्वितीय विश्व युद्ध से शुरू होकर दशकों से अमेरिकी सैनिकों के लिए मनोरंजनकर्ताओं को लाता रहा है। बिंग क्रॉस्बी और एंड्रयूज सिस्टर्स जैसी गायिकाओं ने भी इसमें भाग लिया। यहां तक कि मेरे प्रतिभाशाली वायलिन वादक जाशा हाइफ़िट्ज़ ने भी इसमें हिस्सा लिया और एक बार बारिश में बैठे एक सैनिक के लिए वायलिन बजाया। जाशा ने इसे अपना अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन बताया।

संगीत और युद्ध का गहरा संबंध रहा है, प्राचीन तुरही से लेकर बांसुरी और ढोल तक। 1970 के अंत में, फ्रैंकी प्रेस्टो ने इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, हास्य कलाकार बॉब होप, गायिका लोला फलाना, 'गोल्डडिगर्स' नामक नर्तकों के समूह, एक बेसबॉल खिलाड़ी, एक सौंदर्य प्रतियोगिता की रानी और फ्रैंकी द्वारा आयोजित एक बड़े बैंड के साथ क्रिसमस के अवसर पर आयोजित यूएसओ दौरे में भाग लिया। उन्होंने अपने दो प्रसिद्ध गीत, "नो, नो, हनी" और "आई वांट टू लव यू" भी गाए। यह दौरा विभिन्न सैन्य ठिकानों पर आयोजित किया गया। ट्रक रवाना हुए, मंच बनाए गए, कार्यक्रम हुआ, फिर सब कुछ समेटकर वापस ले जाया गया और यही प्रक्रिया दोहराई गई।

यात्रा जहाँ भी जाती, फ्रैंकी सैनिकों से दोस्ती कर लेता और उनसे कहता कि वे उसे मोर्चे के जितना करीब हो सके, ले चलें। वहाँ उसने जो दुख-तकलीफें देखीं, उनसे उसकी अपनी पीड़ा कुछ कम हो गई। उसने सड़क किनारे वियतनामी बच्चों को देखा, जिनकी आँखें खाली थीं। उसने तंबू जैसे दिखने वाले बड़े-बड़े तोप के तिपाई देखे। उसने छत से धमाके देखे और एक स्नाइपर को खिड़की से गिरते हुए देखा, जो मारा गया था।

लेकिन जिस दिन का ज़िक्र मुझे अपनी कहानी के लिए करना ज़रूरी है, वह उनके दौरे के आखिरी हफ़्ते में, लॉन्ग बिन्ह में एक दोपहर के शो के बाद हुआ, जो संयुक्त राज्य अमेरिका का एक प्रमुख सैन्य अड्डा है। भीड़ काफ़ी ज़्यादा थी, लगभग दो हज़ार लोग, और सैनिक बेहतर नज़ारा देखने के लिए खंभों पर चढ़ गए। वे ज़ोर-ज़ोर से तालियाँ बजा रहे थे और शोर मचा रहे थे—खासकर जब औरतें नाच रही थीं। जब फ्रैंकी गा रहे थे, तब बैकग्राउंड में गोल्डडिगर्स बैंड परफॉर्म कर रहा था और कुछ

सैनिकों ने चिल्लाकर कहा, "तुम बहुत लकी हो, प्रेस्टो!"

शो खत्म होने के बाद, जब बैंड अपना सामान समेट रहा था, तो फ्रेंकी ने किसी को उसका नाम चिल्लाते हुए सुना।

“श्रीमान फ्रेंकी! मैं एलिस हूँ!”

मंच के किनारे एक हट्टा-कट्टा सिपाही खड़ा था, हरे रंग की वर्दी में मुस्कुराता और हाथ हिलाता हुआ। फ्रेंकी अविश्वास से पलकें झपका रहा था। एलिस डुबोइस वही लड़का था जो न्यू ऑरलियन्स की गली में जूते पॉलिश करता था (वही जिसने लिटिल रिचर्ड को "टुट्टी फ्रूटी" गाते सुना था) और बाद में फ्रेंकी और ऑरोरा यॉर्क की अचानक हुई शादी में दूल्हे का दोस्त बना था। उस समय एलिस छह साल का था।

अब वह इक्कीस साल का हो गया था।

“एलिस, मुझे विश्वास नहीं हो रहा,” फ्रेंकी ने कहा। “तुम तो बिल्कुल... बड़े हो गए हो।”

"जी श्रीमान।"

“अच्छा... इधर आओ!”

उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया और तेज़ी से बातें करने लगे, एक-दूसरे से जानकारी और सवाल साझा करने लगे। फ्रैंकी ने उस युवक के स्वास्थ्य के बारे में पूछा (अच्छा), सेना में भर्ती होने के बारे में (अनिवार्य भर्ती), और उपकरण की दुकान के पीछे स्थित पुराने न्यू ऑरलियन्स रिकॉर्डिंग स्टूडियो के बारे में (जिसे दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया है)। एलिस ने फ्रैंकी के हिट रिकॉर्ड्स के बारे में पूछा (एलिस के पास वे सभी थे), और एड सुलिवन शो के बारे में (उन्होंने इसे दोनों बार देखा था), और, ज़ाहिर है, मिस अरोरा के बारे में भी।

“अब हम साथ नहीं हैं,” फ्रेंकी ने कहा।

एलिस ने खेद व्यक्त किया, क्योंकि उसे वे सभी समय याद थे जब मिस अरोरा उसके लिए सैंडविच, बेग्नेट और मीठी चाय लाती थीं।

फिर एलिस ने बताया कि उसकी खुद की शादी होने वाली है। उसे एक वियतनामी महिला से प्यार हो गया था और वह अपना दौरा खत्म होने से पहले उससे शादी कर रहा था ताकि उसे अमेरिका लाकर बेहतर जीवन दे सके। शादी की प्रक्रिया लंबी और जटिल थी, लेकिन उसी शाम महिला के परिवार के साथ एक रिसेप्शन था। एलिस ने फ्रैंकी से आने की विनती की।

“कृपया। क्या आप हमारे लिए एक गाना बजा सकते हैं?”

फ्रेंकी ने उसे अपना चोटिल बायां हाथ दिखाया।

“मैं अब और नहीं खेल सकता, एलिस।”

"क्या हुआ?"

"लंबी कहानी है।"

एलिस को घाव देखने की आदत थी। लेकिन यह घाव उन्हें बेहद दुखद लगा। फ्रैंकी की उनकी यादें एक ऐसे व्यक्ति की थीं जो अपने गिटार से कभी अलग नहीं होता था।

मुझे बहुत खेद है, श्रीमान फ्रेंकी।

"धन्यवाद, एलिस।"

मुझे एक विचार आया... क्या होगा अगर तुम गाओ और मैं बजाऊं?

“एलिस, क्या तुम अब खेलोगे?”

“क्या आपको याद नहीं कि आपने मुझे गली में कॉर्ड सिखाए थे? आपने मुझे डी, जी और ए सिखाए थे। बाकी मैंने खुद सीख लिए। मैं चुपके से अंदर आता और आप सबको रिकॉर्डिंग करते सुनता था। आप लोग इतने अच्छे थे कि आपने मुझे बैंड में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।”

फ्रेंकी मुस्कुराई। "मुझे दोष मत दो।"

“कृपया? आइए और गाइए?”

ठीक है। मैं आपके और आपकी प्रेमिका के लिए गाऊंगा।

“वाह। उम... क्या आपके पास गिटार है?”

कुछ घंटों बाद, वे एक बौद्ध मंदिर के पिछले आँगन में थे, जहाँ तीन मेजें वियतनामी परिवार के सदस्यों से भरी हुई थीं। वहाँ खाना-पीना था, पारंपरिक पोशाक पहने महिलाएं थीं और कुछ अमेरिकी सैनिक भी थे जिन्हें अपनी बंदूकें बाहर छोड़नी पड़ी थीं। एलिस ने फ्रैंकी का गिटार बजाया (हाँ, फ्रैंकी अब भी इसे हर जगह अपने साथ ले जाता था, डजैंगो रेनहार्ड्ट की बातों को मानते हुए) और फ्रैंकी के हिट गीत "आवर सीक्रेट" के सुर छेड़े। और वर्षों में पहली बार, फ्रैंकी ने वह गीत गाया, एक सरल, ध्वनिक प्रस्तुति, ठीक उसी तरह जैसे उसने इसे उस दिन गाया था जब उसने इसे ऑरोरा को ध्यान में रखते हुए लिखा था।

एक दिन हमारा रहस्य
यह कोई रहस्य नहीं रहेगा

क्योंकि सब लोग देखेंगे
यह मेरा रहस्य है।
क्या आपका रहस्य
मैं आपको प्यार करूँगा
और तुम भी मुझसे प्यार करोगे।

मेहमानों ने शालीनता से ताली बजाई। फ्रैंकी को लगा कि परिवार इस रिश्ते से खुश नहीं है; यह उनके चेहरों पर साफ दिख रहा था। लेकिन उनका व्यवहार सौहार्दपूर्ण था और एलिस और उसकी होने वाली दुल्हन एक-दूसरे से बेहद प्यार करते हुए लग रहे थे।

कई घंटों और ढेर सारे पेय पदार्थों के बाद, एलिस ने फ्रैंकी के साथ उस होटल तक वापस जाने की ज़िद की जहाँ शो के कर्मचारी ठहरे हुए थे। उसने एक टैक्सी का इंतज़ाम किया और जब टैक्सी आ गई, तो दोनों आदमी पिछली सीट पर बैठ गए। होटल जाते समय, वे इस बात पर सहमत हुए कि किसी दूसरे देश में युद्ध के मैदान में किसी परिचित चेहरे को देखना कितना अच्छा लगा।

"यह शादी का सबसे बेहतरीन तोहफा था, मिस्टर फ्रेंकी।"

मुझे उम्मीद है कि आप दोनों खुश रहेंगे।

“हम ऐसा करेंगे। मैं उसे वापस न्यू ऑरलियन्स ले जाऊंगा और अपना खुद का जूता व्यवसाय शुरू करूंगा।”

ड्राइवर ने इशारा करते हुए कुछ कहना शुरू किया। फिर उसने गाड़ी रोककर एक पेट्रोल पंप की ओर रुख किया।

“पेट्रोल नहीं है। होटल में रुको,” एलिस ने निर्देश दिया।

वह आदमी लगातार अपने गेज की ओर इशारा करता रहा।

“पेट्रोल नहीं है!” एलिस चिल्लाया। “होटल! तुरंत!”

ड्राइवर वियतनामी भाषा में तेज़ी से बोल रहा था, बीच-बीच में "थोड़ा समय, थोड़ा समय" कहता हुआ, उसने गाड़ी रोकी और बाहर निकलकर हाथ हिलाकर उन्हें इंतज़ार करने का इशारा किया। वह पेट्रोल पंप की ओर चल पड़ा।

“यार, मुझे माफ़ करना, मिस्टर फ्रैंकी,” एलिस ने आह भरते हुए कहा। “यहाँ के लोग, आप जानते हैं ना?”

फ्रेंकी खिड़की से उस आदमी को देख रही थी।

“एलिस, वो क्यों भाग रहा है?”

शराब के नशे में धुत्त एलिस की आँखें आलस से झपकीं, फिर अचानक चौड़ी खुल गईं। "बाहर निकलो! बाहर निकलो! बाहर निकलो!" वह चिल्लाया और फ्रैंकी ने दरवाज़ा धक्का देकर खोला और दोनों भागने लगे, क्योंकि एलिस को वियतनाम में दी गई चेतावनियाँ याद आ गईं कि अगर ड्राइवर गाड़ी छोड़कर चला जाए तो उसमें कभी मत रुकना, क्योंकि वे कभी-कभी अमेरिकी सैनिकों को मारने के लिए गाड़ियों में विस्फोटक लगा देते थे। भागते हुए एलिस और फ्रैंकी ने वियतनामी भाषा में एक अकेली आवाज़ सुनी, फिर सन्नाटा छा गया और फिर एक ज़ोरदार धमाका हुआ जिसने दोनों को आगे की ओर धकेल दिया। ज़मीन पर गिरते ही फ्रैंकी ने अपना गिटार केस एलिस पर फेंक दिया और चारों ओर धूल और शोर था, उनके कान बज रहे थे, आँखें जल रही थीं और धुएँ के कारण उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।

फिर अचानक ही सब शांत हो गया। किसी ने चीख मारी। कुत्ते भौंकने लगे। कार में वाकई तार लगे हुए थे। शायद कोई एलिस को वियतनामी दुल्हन लाने के लिए मारना चाहता था। मेरे पास ऐसी जानकारी नहीं है। मुझे बस इतना पता है कि फ्रैंकी ने एलिस को एक इमारत पर चढ़ने में मदद की और जब सैनिकों की तलाश में एक सेना की जीप तेजी से आई, तो फ्रैंकी ने उसे रुकने का इशारा किया। एलिस के पैर से थोड़ा खून बह रहा था, लेकिन बाकी सब ठीक था, बस खरोंच और चोटें आई थीं, फ्रैंकी को भी। वे जीप में बैठ गए, और एलिस चिल्लाया कि फ्रैंकी एक वीआईपी है और उन्हें उसे तुरंत उसके होटल वापस ले जाना होगा। दोनों आदमी हांफ रहे थे। लेकिन फ्रैंकी अब अपने गिटार केस को देख रहा था, और जब गाड़ी एक स्ट्रीटलाइट के नीचे से गुजरी, तो एलिस को समझ आया कि क्यों:

उसमें छर्रे के छोटे-छोटे टुकड़े फंसे हुए थे।

यह महसूस करते हुए कि छर्रे उसे भी लग सकते थे, एलिस ने बक्से को छुआ। उसकी आवाज भर्रा गई।

“हे भगवान...”

“कोई बात नहीं,” फ्रेंकी ने कहा।

"इससे मेरी जान जा सकती थी।"

इसके बारे में मत सोचो।

एलिस रोने लगी।

मुझे खेद है, श्रीमान फ्रेंकी। हे भगवान, मुझे बहुत खेद है...

"दुखी मत हो। तुम जीवित हो।"

उसने ये शब्द उसी तरह सुने जैसे उसने कहे थे—अफसोस मत करो। तुम ज़िंदा हो—जैसे कि ये शब्द उसे खुद सुनने के लिए ही बने हों। उसने संदूक को अपने पैरों के बीच सरकाया और उसे खोला।

“वह रोशनी क्या है?” एलिस ने कहा।

फ्रेंकी घूरता रहा। गिटार का चौथा तार नीले रंग से चमक रहा था। उसके गले में एक गांठ सी आ गई, उसने केस बंद किया और फिर छर्रों के छेदों पर हाथ फेरा।

“कोई बात नहीं,” उसने कहा। “कुछ भी नहीं हुआ है।”

लेकिन ज़ाहिर है, यह सब कुछ भी नहीं था। एक भविष्य बदल गया था। विस्फोट से बच निकलने के बाद, एलिस ने अपनी वियतनामी दुल्हन से शादी की और वे न्यू ऑरलियन्स में बस गए, जहाँ उन्होंने जूतों का व्यवसाय शुरू किया और तीन बच्चों और नौ पोते-पोतियों का पालन-पोषण किया, जिनमें से एक आगे चलकर एक प्रसिद्ध संगीतकार बना।

अगर फ्रेंकी को एलिस दोबारा न मिलती तो इनमें से कुछ भी नहीं होता। चौथे तार ने यही कहानी सुनाई।

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड में शामिल हो जाता है।

कभी-कभी वे फिर से मिल जाते हैं।

47

1981

[redacted]

टेक्सास के लड़कों ने अपने जूते उतारे, झाड़ियों से उठे और धीरे-धीरे रेत पर चलते हुए गिटारवादक के पीछे से उसकी ओर बढ़ने लगे।

“मिस्टर प्रेस्टो?”

फ्रेंकी ने ऊपर देखा। उसकी दाढ़ी घनी थी और उसकी त्वचा तनी हुई थी।

हम अमेरिका से हैं।

फ्रेंकी ने आंखें सिकोड़ीं। उसकी चुप्पी ने उन्हें और तेज़ी से बोलने पर मजबूर कर दिया।

“दरअसल, हम टेक्सास से हैं—”

“हमारे पास एक बैंड है—”

"आपको परेशान करने के लिए माफी चाहता हूं-"

“केविन नाम के इस आदमी ने हमें बताया—”

“उसने हमें जंगल में छोड़ दिया—”

हमें तो पता भी नहीं था—

“कि तुम यहाँ थे—”

हमें आपका संगीत बहुत पसंद है—

फ्रेंकी ने हाथ उठाया, जिससे वे सब चुप हो गए, हालाँकि उसका ऐसा करने का इरादा नहीं था। दरअसल, वह एक छोटी बच्ची को इशारा कर रहा था, शायद चार या पाँच साल की, जो दौड़ती हुई समुद्र तट पर आई। उसके बालों में चोटी बनी हुई थी और उसने जूते या कमीज़ नहीं पहनी थी। फ्रेंकी मुस्कुराया जब वह बच्ची उसकी बाहों में आ गई। उसने उसे गोद में उठा लिया। वह हँसी, लेकिन कोई आवाज़ नहीं निकाली। जब वह नीचे उतरी, तो उसने तीनों अजनबियों को देखा और उसका चेहरा बदल गया। वह चुपचाप उसी रास्ते वापस भाग गई जहाँ से आई थी।

लायल, एडी और क्लक ने उसकी मंजिल की ओर देखा: समुद्र तट के पीछे पेड़ों से घिरा एक छोटा सा घर, जहाँ से एक सुनहरे बालों वाली महिला रंगीन लबादा पहने हुए बाहर निकल रही थी।

“क्या हो रहा है?” महिला ने कहा।

"उह, हमें खेद है, महोदया, हम बाद में वापस आएंगे," लाइल हकलाते हुए बोला,

और वह और बाकी लोग पेड़ों में वापस भाग गए।

टोनी बेनेट

गायिका, चित्रकार, ग्रैमी पुरस्कार विजेता, कैनेडी सेंटर की सम्मानित सदस्य

सबसे पहले तो, यह बेहद दुखद खबर है, उनका निधन। यह पूरे संगीत जगत के लिए एक त्रासदी है। वे एक बेहतरीन इंसान थे। क्या आप उन्हें जानते थे? अगर जानते थे, तो आप वाकई भाग्यशाली थे। मेरा मतलब यही है। फ्रैंकी प्रेस्टो एक सच्चे कलाकार थे। बेहद विनम्र, बेहद विचारशील और मेरी नज़र में अब तक मिले सबसे शुद्ध संगीतज्ञ गिटारवादक थे।

मैं आपको बताता हूँ कि मैं ऐसा क्यों कह रहा हूँ। मैं 1940 के दशक के उत्तरार्ध से गा रहा हूँ। फ्रैंक सिनात्रा, नैट किंग कोल, बिली हॉलिडे, ये लोग मेरे प्रेरणास्रोत थे। मुझे जैज़ गायक बहुत पसंद थे। मैं खुद को उन्हीं की तरह देखता था। लेकिन जब पैसे कमाने की बात आई, तो मुझे बताया गया कि मैं जैज़ गायक के रूप में सफल नहीं हो सकता। समझे? यही उस समय का चलन था। एक बार ड्यूक एलिंगटन को उनके रिकॉर्ड लेबल से निकाल दिया गया। उन्होंने पूछा, "क्यों?" और उन्होंने कहा, "आप पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं बेच रहे हैं।" और उन्होंने कहा, "आप लोग गलत समझ रहे हैं। रिकॉर्ड बनाना मेरा काम है, उन्हें बेचना आपका काम है।" ड्यूक एलिंगटन! क्या आप इस पर विश्वास कर सकते हैं?

खैर, 1970 के दशक की शुरुआत में एक ऐसा दौर आया जब मेरे रिकॉर्ड भी पर्याप्त नहीं बिक रहे थे। और मैं वो संगीत नहीं करना चाहता था जो वे मुझसे करवाना चाहते थे। दबाव में आकर मैंने रॉक गानों का एक एल्बम रिकॉर्ड किया। वो मेरे लिए बिलकुल भी उपयुक्त नहीं था। उसे बनाते समय भी मैं शारीरिक रूप से बीमार पड़ गया। वो बहुत मुश्किल समय था। मुझे ऐसा लगा जैसे मुझे उस चीज़ से दूर कर दिया गया हो जिसे मैं सबसे ज़्यादा प्यार करता था।

मैंने अपनी कंपनी छोड़ दी और लंदन चला गया और लगभग दो साल तक वहीं

रहा। यह मेरे जीवन का सबसे बेहतरीन दौर था, क्योंकि मैंने वही संगीत किया जो मैं करना चाहता था।

जब मैं वहाँ था, तो मैं एक होटल में रुका था, और हर सुबह जब मैं उठता था, तो पार्क की ओर खुलने वाले बाहरी कमरे के पर्दे खुले होते थे। और वहाँ हमेशा एक आदमी बेंच पर गिटार लिए बैठा रहता था। वह कभी गिटार बजाता नहीं था। वह बस उसे अपनी गोद में रखे रहता था।

कुछ हफ़्तों बाद, मुझे जिज्ञासा हुई। टहलते हुए लौटते समय, मैं उसके पास से गुज़री और मुझे लगा कि मैं उसका चेहरा पहचानती हूँ। मैंने कहा, "माफ़ कीजिए, मैं आपको यहाँ रोज़ देखती हूँ—" और इससे पहले कि मैं अपनी बात पूरी कर पाती, उसने मेरी तरफ देखा और "लव लेटर्स" गाने की एक पंक्ति गा दी, जो मैंने अपने पहले एल्बम में रिकॉर्ड किया था। और उसकी आवाज़ बहुत सुंदर थी। एकदम सही सुर।

उन्होंने कहा, "चक वेन आपके गिटारिस्ट थे।"

“बिल्कुल सही,” मैंने कहा।

"वह एक शानदार रिकॉर्ड था।"

"धन्यवाद।"

“एक और गाना है जिसका नाम है ‘लव लेटर्स’।”

"ओह?"

“जैंगो रेनहार्ड्ट। इसका नाम है ‘बिल्लेट्स डूक्स’।”

“‘बिललेट्स डूक्स’”

“ये फ्रेंच संगीत है। ये एक वाद्य संगीत है।”

"क्या आप इसे खेल सकते हैं?"

“नहीं।” उसने अपने गिटार की ओर देखा। “अब और नहीं।”

तभी मेरी नज़र उसके बाएँ हाथ पर पड़ी, जो पूरी तरह से ज़ख्मों से भरा था। मैंने उससे पूछा, “क्या इसीलिए तुम रोज़ यहाँ बैठे रहते हो, पर खेलते नहीं?” उसने मेरी तरफ़ देखकर कहा, “मैं किसी का इंतज़ार कर रहा हूँ।” मैंने पूछा, “किसका?” उसने कहा, “मेरी पत्नी का।” मैंने पूछा, “क्या वो जल्द आ रही है?” उसने सिर हिलाकर कहा कि उसे पक्का नहीं पता, उसे तो ये भी नहीं पता कि वो अब भी लंदन में रहती है या नहीं।

खैर, हमारी बातचीत शुरू हुई और मुझे एहसास हुआ कि ये फ्रैंकी प्रेस्टो हैं। वो कई सालों से लाइमलाइट से दूर थे। उन्होंने मुझे अपना असली नाम फ्रांसिस्को बताया, और मैंने कहा, "अरे, मेरा असली नाम बेनेडेटो है, शायद हम चचेरे भाई हों!" हम हँसे और हमारी अच्छी बातचीत हुई।

मुझे हमेशा लगता था कि वो रॉक एंड रोल के दीवाने हैं, लेकिन पता चला कि हम दोनों कई लोगों को जानते थे। फ्रैंक सिनात्रा। बॉब होप। क्या आपको पता है कि वो बचपन में ड्यूक एलिंगटन से भी मिले थे?

अगले दिन वह फिर वहीं बैठे थे। मुझे लेने के लिए एक गाड़ी आ रही थी, इसलिए मैंने उन्हें अपने साथ सेट पर आने के लिए आमंत्रित किया, जहाँ हम 'द टॉक ऑफ द टाउन' नाम का एक टीवी शो बना रहे थे। यह एक शानदार अनुभव था, रॉबर्ट फार्नन के साथ, जो दुनिया के सबसे महान संगीत संगीतकार थे (सब उन्हें "गवर्नर" कहते थे), और हम हर हफ्ते गाने गाते थे और संगीत के बारे में बातें करते थे।

फ्रांसिस्को—उसे अच्छा लगता था जब मैं उसे इस नाम से बुलाता था—उस दिन आया और स्टूडियो में बैठकर सुनता रहा। उसने अपना गिटार केस कभी नहीं खोला। मैंने उसे अगले दिन और कुछ और बार भी बुलाया, और हर बार जब हम जाने के लिए कार में बैठते, तो वह एक आखिरी बार चारों ओर देखता, मानो उसकी पत्नी आने वाली हो।

लेकिन उसने ऐसा कभी नहीं किया।

लगभग दो हफ्ते बाद, हम शो के लिए रिहर्सल कर रहे थे, और मैं कर्ट वेइल का एक गाना "लॉस्ट इन द स्टार्स" गा रहा था, जिसमें सिर्फ एक पियानो वादक मेरा साथ दे रहा था। यह एक खूबसूरत लेकिन उदास गाना है। आप इसे जानते हैं ना?

इससे पहले कि प्रभु परमेश्वर ने समुद्र और भूमि की रचना की।
उसने सारे तारों को अपनी हथेली में थाम रखा था
और वे उसकी उंगलियों से रेत के कणों की तरह फिसल गए।
और एक छोटा सा तारा अकेला ही गिर पड़ा।

अचानक, मुझे गिटार की बेहद खूबसूरत धुनें सुनाई दीं, एक-एक करके। मैंने देखा तो फ्रैंकी प्रेस्टो बजा रहे थे। हर धुन उनके लिए एक संघर्ष जैसी लग रही थी। उनके चेहरे पर साफ दिख रहा था। लेकिन लय बहुत धीमी थी और उन्हें उंगलियों को सही

जगह पर रखने का समय मिल रहा था। मैं गाती रही। मैं रुकना नहीं चाहती थी, क्योंकि मुझे महसूस हो रहा था कि यह उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण था। हमने कुछ छंद गाए और अंत तक पहुँच गए:

लेकिन मैं रात-दिन चलता रहा हूँ
जब तक मेरी आँखें थक न जाएँ और मेरे बाल सफ़ेद न हो जाएँ
और कभी-कभी ऐसा लगता है कि शायद भगवान ही चले गए हैं...
और हम यहां तारों के बीच खो गए हैं।

उन्होंने आखिरी सुर छेड़ा और मैंने उनकी आंखों से आंसू बहते देखे। स्टेज पर मौजूद लोग भी तालियां बजाने लगे। मैंने कहा, "बहुत अच्छा था।" मैं उन्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहती थी। लेकिन मैं झूठ बोल रही थी। यह सिर्फ अच्छा ही नहीं था, बल्कि शानदार था।

उस गर्मी के अंत में, मैंने अमेरिका लौटने का फैसला किया। मुझे लेने के लिए गाड़ी आई और हमेशा की तरह फ्रांसिस्को अपनी सीट पर बैठा था। मैंने ड्राइवर से रुकने को कहा और मैं जाकर उसके बगल में बैठ गया।

मैंने कहा, "मैं जा रहा हूँ।"

"कहाँ?"

"घर।"

"मुझे अपने शो में ले जाने के लिए धन्यवाद, श्री बेनेडेटो।"

आप यहां कब तक इंतजार करेंगे?

"मुझें नहीं पता।"

"अगर तुम्हारी पत्नी वापस न आए तो क्या होगा?"

"वह होगी।"

"खैर, अगर कभी आपका मन करे तो, मुझे आपके साथ रिकॉर्डिंग करने में बहुत खुशी होगी।"

वह लगभग हंस पड़ा। "मैं अब और नहीं खेल सकता।"

“आप कर सकते हैं। आपने किया।”

"बस कुछ कॉर्ड्स।"

“सिर्फ कॉर्ड्स नहीं, संगीत।”

मैंने उससे कहा कि जब तक उसके अंदर उस तरह का संगीत मौजूद है, उसे बाहर आने से कोई नहीं रोक सकता। मैंने ये बात दिल से कही थी।

और फिर मैंने पूछा, "आप आखिरी बार घर कब आए थे?"

और उन्होंने कहा, "मेरे पास वास्तव में कोई नहीं है।"

और मैंने कहा, "हर किसी के पास कोई न कोई जगह होती है जिसे वे अपना घर कहते हैं।"

उसने अपना गिटार ऊपर उठाया।

उन्होंने कहा, "मेरे पास बस यही था," और "वह।"

48

फ्रेंकी के पसंदीदा गानों में से एक था द ड्रिफ्टर्स का "सेव द लास्ट डांस फॉर मी"। इस गीत के बोल, जो एक महिला को यह संदेश देते हैं कि वह दूसरों के साथ नृत्य कर सकती है, बशर्ते उसे याद रहे कि उसे घर कौन ले जा रहा है, पोलियो पीड़ित डॉक पोमस ने लिखे थे। उन्होंने इसे अपनी शादी की रात को याद करते हुए लिखा था, जब दूसरे पुरुष उनकी दुल्हन के साथ नृत्य कर रहे थे और उन्हें व्हीलचेयर पर बैठकर यह सब देखना पड़ा था। उन्होंने ये शब्द शादी के निमंत्रण पत्र के पीछे लिख दिए थे।

मैंने आप सभी को बताया है कि प्रेम कहानियां सिम्फनी की तरह होती हैं, और अंतिम भाग रोंडो होता है, जिसमें दोहराए गए विषय बीच-बीच में आने वाले प्रसंगों के साथ होते हैं। फ्रैंकी और अरोरा ने अपने आगमन और प्रस्थान के रोंडो के साथ, अपने अंतिम नृत्यों को काफी लंबे समय तक बचाकर रखा था। अंततः, वर्ष 1974 में, वे हमेशा के लिए फिर से मिल गए - और यह सब एक रेडियो कार्यक्रम की बदौलत संभव हुआ।

जी हाँ। एक रेडियो कार्यक्रम। श्री टोनी बेनेट (या बेनेडेटो) ने घायल श्री प्रेस्टो के

लिए एक आखिरी मदद की। उस दिन लंदन से रवाना होते समय, उन्होंने अपनी लिमोसिन बीबीसी के एक प्रस्तोता के साथ साझा की थी। हवाई अड्डे जाते समय दोनों ने बातचीत की, और श्री बेनेट ने फ्रैंकी की कहानी का कुछ अंश सुनाया, उनका नाम लिए बिना, लेकिन यह उल्लेख किया कि हर सुबह, यह आदमी अपनी गोद में गिटार लिए अपनी पत्नी का इंतजार करता था।

“क्या यह कमाल की बात नहीं है?” बेनेट ने कहा।

प्रस्तोता ने सहमति जताते हुए कहा, "असाधारण।"

उस दुखद कहानी से प्रभावित होकर, बीबीसी के उस व्यक्ति ने उसी सप्ताह अपने रेडियो कार्यक्रम में खुद वह कहानी सुनाई। कार्यक्रम को सेसिल (यॉर्क) पीटरसन ने काम पर जाते समय सुना, जिन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अपने कार्यालय पहुँचकर अपनी बहन, अरोरा को फोन किया और कहा, "मुझे लगता है कि तुम्हारे पति शहर वापस आ गए हैं।"

अगली सुबह, तेज़ बारिश में, ऑरोरा यॉर्क बस से उतरी और पार्क की ओर चल पड़ी। उसने फ्रैंकी को देखा और एक खंभे के पीछे छिप गई, एक घंटे तक उसका इंतज़ार करती रही और उसे भीगते हुए देखती रही। उसने अपनी छतरी पर गिरती बारिश की बूंदों को गिना और हर बूंद के लिए एक कारण सोचा कि उसे फ्रैंकी के पास क्यों नहीं जाना चाहिए। जब उसके पास कोई कारण नहीं बचा, तो उसने छतरी बंद कर ली और खुद को पूरी तरह भीगने दिया।

फिर वह सड़क पार कर गई।

फ्रेंकी ने ऊपर देखा जैसे ही वह पास आई, बारिश की बूँदें उसके चेहरे पर गिर रही थीं। उसने उसका गिटार उठाया और उसकी गोद में बैठ गई।

“क्या तुम रुकोगे?” उसने पूछा।

“हां,” उसने कहा।

संगीत आत्मा को शांति दे सकता है। शरीर की बात अलग है। ऑरोरा यॉर्क ने फ्रैंकी के घायल हाथ के लिए बेहतरीन विशेषज्ञों की तलाश में कई महीने बिताए। इसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूँ। उन्होंने अपनी बहन के संपर्कों का इस्तेमाल किया।

उन्होंने एक और सर्जरी का खर्च उठाया। उन्होंने उसे हर दिन पुनर्वास अभ्यास करवाया। उन्होंने मेरे प्यारे शिष्य की इस कदर देखभाल की कि वह ठीक हो गया, जिसके बाद मेरे प्रति उसका आकर्षण फिर से जागृत हो गया।

इसी बीच, अपने प्रेम प्रसंग की ओर लौटते हुए (रोंडो, याद है ना?), फ्रैंकी और अरोरा ने सुखद रूप से पाया कि उनके बीच की सारी दूरियाँ मिट चुकी थीं। शोहरत अब कोई मुद्दा नहीं थी, न ही यात्रा, देर रात तक जागना, और न ही कोई और महिलाएँ। अरोरा ने फ्रैंकी के जीवन से नशीले पदार्थों और शराब का हर अंश मिटा दिया।

फिर वह घर की तलाश में निकल पड़ी।

“क्या तुम लंदन में ही रहना चाहते हो?” फ्रेंकी ने पूछा।

“बिल्कुल नहीं,” उसने कहा।

“तो फिर कहाँ?”

“कहीं दूर, शांत जगह,” उसने कहा। “और बिल्कुल सुनसान।”

वे इंग्लैंड की विभिन्न चौकियों पर गए। उनमें से कोई भी उसे पसंद नहीं आई।

“और दूर,” उसने कहा। “और शांत।”

वे न्यूयॉर्क के लिए रवाना हुए, जहां फ्रेंकी ने दो गिटार वापस ले लिए।

“और दूर,” उसने कहा। “और शांत।”

वे लॉस एंजिल्स के लिए रवाना हुए, जहां फ्रेंकी ने बैंक से पैसे निकाले और ऑरोरा ने हवाई अड्डे से बाहर निकलने से भी इनकार कर दिया।

“और दूर,” उसने कहा। “और शांत।”

वे ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गए।

“और दूर। और शांत।”

वे नाव से न्यूजीलैंड गए। ऑकलैंड बंदरगाह पर रात बिताते हुए, उन्होंने चांदनी रात में एक पुरानी नौका को जाते हुए देखा। जब उन्होंने पूछा कि वह कहाँ जा रही है, तो एक क्लर्क ने उन्हें "वाईहेके" नामक स्थान बताया, जिसका माओरी नाम "ते मोतु-अराई-रोआ" था, जिसका अर्थ था "लंबा और आश्रय देने वाला द्वीप"।

अगली सुबह, वह और फ्रैंकी अपने सारे सामान के साथ उस नौका पर सवार थे। एक घंटे बाद, जब वे बंदरगाह पर पहुँचे और ऊँची हरी चट्टानों को देखा और पानी की शांत लहरों की आवाज़ सुनी, तो अरोरा ने अपने जीवन के प्यार की ओर मुड़कर

उसकी आँखों में देखा।

“यहाँ,” उसने कहा।

49

1981

[redacted]

टेक्सास के लड़कों ने पर्ची निकाली थी। उनमें से एक को दोबारा कोशिश करनी थी। (उन्होंने तय किया कि तीनों का एक साथ होना बहुत डरावना होगा।) लाइल को सबसे छोटी पर्ची मिली, और अगली शाम, सूरज ढलते समय, वह झाड़ियों और पेड़ों के बीच से चलकर अकेला समुद्र तट पर पहुँच गया। फ्रैंकी बिना कमीज़ पहने बैठा था, गिटार का पट्टा उसकी नंगी, तनी हुई त्वचा पर लिपटा हुआ था, और वह एफ स्केल में सुर बजा रहा था: मेजर स्केल, माइनर स्केल, डोरियन, फ्राइजियन, लिडियन, आरोही, अवरोही।

"तुम वापस आ सकते हो," उसने पीछे मुड़े बिना कहा।

लायल अपने हाथों को जेब में डालकर आगे बढ़ा।

"नमस्ते महोदय।"

मेरी पत्नी ने कहा था कि तुम वापस आओगे।

पिछली बार के लिए क्षमा चाहता हूँ. . . .

फ्रेंकी धीरे-धीरे, सोच-समझकर सुर बजाता रहा।

“मैं बस... मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं आपसे मिलूंगा, मिस्टर प्रेस्टो। मेरा नाम लायल है।”

फ्रेंकी एफ शार्प स्केल पर चला गया।

मैं गिटार भी बजाता हूँ।

फ्रेंकी ने सिर हिलाया।

"बिल्कुल, तुम्हारी तरह नहीं।"

फ्रेंकी ने सिर हिलाया।

"क्या वुडस्टॉक में वो मशहूर सोलो आपने ही बजाया था?"

फ्रेंकी ने सिर हिलाया।

"सच में? क्योंकि कोई भी इस बात की पुष्टि नहीं कर सका कि आप वहां थे।"

फ्रेंकी तब तक सिर हिलाता रहा जब तक कि लाइल को यह एहसास नहीं हो गया कि वह उसके सवालों का जवाब नहीं दे रहा था, बल्कि लहरों की लय के साथ ऐसे हिल रहा था मानो किसी ढोल वादक का अनुसरण कर रहा हो।

“क्या आप अभ्यास कर रहे हैं? मेरा मतलब है... माफ़ कीजिए। बेवकूफी भरा सवाल है। स्केल क्यों? आप स्केल का अभ्यास क्यों कर रहे हैं?”

फ्रेंकी ने खेलना बंद कर दिया।

“हं?”

“तराजू क्यों?”

“पुनर्प्रशिक्षण।”

“पुनः प्रशिक्षण?”

मेरी उंगलियां। मेरे कान। यह एक लंबी प्रक्रिया है।

लायल सौ सवाल पूछना चाहता था, लेकिन जब फ्रेंकी ने फिर से शुरू किया, तो वह चुपचाप सुनता रहा। जब फ्रेंकी ने बी फ्लैट और बी नेचुरल रोटेशन पूरा किया, तो वह फिर से रुक गया।

“मेरे हाथ में चोट लग गई है। मैं उसे ढूंढने की कोशिश कर रहा हूँ।”

“क्या ढूँढ रहे हो?”

"खूबसूरती। बायां हाथ खूबसूरती को खोजता है।"

उसने अपनी हथेली आगे बढ़ाई और लाइल ने उस पर मौजूद निशानों को देखा।

"ओह आदमी।"

"ज्यादा खूबसूरत नहीं।"

"क्या हुआ?"

मुझे ठीक से याद नहीं है।

"एक दुर्घटना?"

ऐसा नहीं कह सकते।

"कब?"

“1969 में।”

“वो वुडस्टॉक है। तो आप वुडस्टॉक में थे?”

"की तरह।"

"क्या तुम ही बजा रहे थे?"

“क्या खेल रहे हो?”

“वो सोलो। जिसके बारे में मैंने अभी आपसे पूछा था।”

"माफ़ कीजिए। मैं सुन नहीं रहा था।"

“यह मशहूर है। मेरा मतलब है, नकली प्रतियों के मामले में, यह मशहूर है।”

फ्रेंकी उस युवक को घूरता रहा।

“नकली सामान?”

“रिकॉर्डिंग। अगर आप आस-पास पूछेंगे तो आपको मिल जाएंगी।”

"एकल प्रदर्शन के बारे में?"

“यह अब तक का सबसे अद्भुत सोलो है। मैं कोशिश करने पर भी इसे नहीं बजा सकता। कोई भी नहीं बजा सकता।”

फ्रेंकी की सांसें तेज होती हुई प्रतीत हुईं।

“यह मैंने नहीं किया।”

उसने अपने पैरों की ओर देखा।

“अब आपको जाना चाहिए। मुझे बहुत अभ्यास करना है।”

कई दिन बीत गए। लायल और उसके साथियों ने तीन बार और जाने की कोशिश की, लेकिन हर बार समुद्र तट खाली था।

"शायद हमने उसे डराकर भगा दिया," एडी ने कहा।

"उसने कहा कि यह वह नहीं था," लायल ने कहा।

"आपने उसमें विश्वास किया?"

मुझे नहीं पता। वह काफी धीरे खेलता है।

“उसे चोट कैसे लगी?”

उन्होंने कुछ नहीं बताया।

"अब क्या करें?"

उन्होंने एक दूसरे को देखा।

"पियो," क्लुक ने कहा।

दस मिनट बाद, वे मैकगिन्टीज़ नामक एक पब में दाखिल हुए और बीयर का ऑर्डर दिया। उन्हें एक मेज मिल गई।

"क्या ये अमेरिकी रॉक एंड रोलर्स हैं?"

उन्होंने ऊपर देखा तो पाया कि ड्राइवर केविन बार के पीछे से मुस्कुरा रहा था।

“तुम भी बारटेंडर हो?” एडी ने पूछा।

अरे नहीं, मैं तो बस अपनी ज़रूरतें पूरी कर रहा हूँ। तो, तुम्हारा सफ़र कैसा चल रहा है?

“ऐसा नहीं है,” लाइल ने उदास स्वर में कहा।

क्लुक ने आगे कहा, "वह गायब हो गया है।"

केविन ने कुर्सी खींच ली। “जानते हो दोस्तों, लोग आमतौर पर अकेले रहने के लिए ही किसी द्वीप पर बसते हैं। अगर वे चाहते कि उन्हें कोई ढूंढ ले, तो वे वाईहेके को कभी नहीं चुनते, यह तो पक्का है।”

"तो फिर आप हमें उसके पास क्यों ले गए?"

पता नहीं। वो यहाँ काफी समय से है। मुझे लगा कि उसे यह जानकर अच्छा लगेगा कि ऐसे लोग भी हैं जो उसे भूले नहीं हैं।

“क्या आप उन्हें जानते थे? कि वे साठ के दशक में मशहूर थे?”

“अरे हाँ, ज़रूर। ‘आई वांट टू लव यू’? हमने ये गाना सेना में सुना था। वाह! इसे सुनकर कमर थिरकने लगती है, है ना?”

"तो फिर आपने यह क्यों कहा कि आपने उनके बारे में कभी नहीं सुना?"

“दोस्ती का पहला नियम, दोस्तों। राज़ रखना सीखो।”

तीनों लड़के सुस्त होकर बैठ गए। उन्होंने अपनी बीयर की चुस्कियां लीं।

"इसीलिए मैं उस रात उसके घर गया था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब ठीक है।"

“रुको,” लाइल ने कहा। “क्या उसने तुम्हें हमें लाने की अनुमति दी थी?”

“वो नहीं, दोस्त। वो।”

"उसकी पत्नी?"

“ऑरोरा। वह बहुत प्यारी है। उसे यह अच्छा विचार लगा।”

इस खबर से उत्साहित होकर, टेक्सास के लड़कों ने सप्ताहांत तक द्वीप पर रुकने का फैसला किया, जहाँ रेस डे नामक एक वार्षिक परंपरा मनाई जाती थी। घोड़े, टट्टू और ट्रैक्टर सभी एक विशाल समुद्र तट पर प्रतिस्पर्धा करते थे, जबकि द्वीपवासी धूप में इकट्ठा होकर मैकगिन्टी के स्टेक खाते और बैरल से बीयर पीते थे। संगीत उत्सव का एक हिस्सा था, और क्लेवर येल्स को दोपहर बाद कुछ गाने बजाने का इंतजाम करने में ज्यादा समय नहीं लगा। (अन्य संगीतकार एक छोटा ब्रास बैंड और एक अकॉर्डियन बजाने वाला एक व्यक्ति थे।) मंच की व्यवस्था साधारण थी, बीच में एक पुराना ड्रम सेट था, और छोटे एम्पलीफायर और माइक्रोफोन थे जिनका उपयोग परिषद की बैठकों के लिए किया जाता था। लेकिन लायल, एडी और क्लक बजाने के लिए उत्सुक थे—लंबे समय बाद एक साथ आने वाले बैंड हवाई अड्डे पर प्रेमियों की तरह उत्साहित होते हैं—और जैसे ही उन्होंने अपने गिटार प्लग इन किए और एक संक्षिप्त अभिवादन किया, उन्होंने लायल द्वारा लिखित एक कंट्री गीत से शुरुआत की, जिसका जोरदार तालियों से स्वागत किया गया। उन्होंने हैंक विलियम्स का गीत "जंबलाया" और "ट्विस्ट एंड शाउट" का एक संस्करण गाया, जो धूप, बीयर और बच्चों की चीख-पुकार और नशे में धुत पुरुषों की हंसी के शोर के साथ अच्छी तरह से मेल खाता हुआ प्रतीत हुआ।

“हम एक और फिल्म बनाना चाहेंगे,” लायल ने कहा। “एक पुरानी फिल्म, लेकिन निश्चित रूप से एक अच्छी फिल्म।”

क्लुक ने ढोल बजाना शुरू किया, और गिटार पर एक पुरानी जानी-पहचानी धुन बजने के साथ ही, लायल ने फ्रैंकी प्रेस्टो के सबसे बड़े हिट गाने का शुरुआती छंद गाना शुरू कर दिया:

मैं तुम्हें प्यार करना चाहता हूँ,

मैं सच्चा रहूंगा,
कोई तुमसे प्यार नहीं करेगा
मैं जिस तरह से।

पहचाने हुए गानों पर लोग तुरंत तालियाँ बजाने लगे, जैसा कि लोग करते हैं। लाइल ने एडी की ओर देखा, जो बैकग्राउंड में गाते हुए मुस्कुरा रहा था। इस संगीत के प्रति उनका स्नेह स्पष्ट था। लेकिन भीड़ पर एक नज़र डालते ही लाइल के चेहरे से मुस्कान गायब हो गई।

सबसे पीछे फ्रेंकी खड़ा था, जिसने छोटी बच्ची को अपने कंधों पर बिठा रखा था।

गाने के बीच में ही वह मुड़ा और चला गया।

मुझे बच्चे के बारे में समझाना चाहिए।

फ्रेंकी और अरोरा को द्वीप पर वह शांति मिल गई जिसकी उन्हें तलाश थी। ज़मीन सस्ती थी और उन्होंने समुद्र तट पर एक छोटा सा भूखंड खरीदा और स्थानीय सामग्रियों से एक साफ-सुथरा घर बनाया, जिसमें पानी की ओर देखने वाला एक बरामदा भी था। सुबह वे समुद्र तट पर टहलते और शाम को अरोरा ताज़ी मछली भूनती, जबकि फ्रेंकी अपनी कुशलता वापस पाने के लिए सुरों और वाद्य यंत्रों का अभ्यास करते। वे शॉर्ट्स और पुरानी सूती कमीज़ पहनते थे और उन्होंने पाया कि द्वीप के निवासी कलाकार, घुमक्कड़ और रंगीन मिजाज के लोग थे, जिनमें से किसी को भी फ्रेंकी की पूर्व प्रसिद्धि से कोई लेना-देना नहीं था।

उनके आने के लगभग एक साल बाद, फ्रैंकी और अरोरा टहलते हुए लौट रहे थे जब उन्हें किसी जानवर के रोने की आवाज़ सुनाई दी। झाड़ियों में उन्हें एक आवारा कुत्ता दिखाई दिया। उसके बाल सफ़ेद थे और वह नीचे झुका हुआ उन्हें घूर रहा था। जब वे उसके पास पहुँचे, तो जानवर ने धीमी आवाज़ में कराहते हुए कुछ कदम पीछे हट गया। उसके पीछे, उन्होंने एक भूरे रंग के कंबल में लिपटी हुई एक नन्ही बच्ची को देखा, जिसकी उम्र तीन महीने से ज़्यादा नहीं थी।

“तुम कौन हो, मेरी प्यारी?” अरोरा ने फुसफुसाते हुए उसे धीरे से उठाया।

फ्रेंकी देखती रही। बच्ची ने कोई आवाज नहीं की। अरोरा ने उसे अपनी छाती से

लगा रखा था, लेकिन बच्ची की आंखें खुली रहीं और वह फ्रेंकी को देखती रही।

“किसी ने उसे मरने के लिए छोड़ दिया,” उसने कहा। शब्द बस मुंह से निकल गए। हर इंसान के भीतर उसकी यादों का पूरा खजाना होता है, वो यादें जिन तक उसकी पहुंच होती है और वो भी जिन तक उसकी पहुंच नहीं होती। फ्रैंकी के मन की गहराई में कहीं उसका अपना परित्याग, उसका अपना उदास सा कंबल, उसका अपना सिसकता हुआ कुत्ता था।

"हमें उसे किसी सुरक्षित स्थान पर ले जाना होगा," अरोरा ने कहा।

वे जल्दी से अपनी कार की ओर भागे, और उन्होंने जंगल में छिपे हुए भारी वस्त्रों से ढके हुए व्यक्ति को कभी नहीं देखा।

वे बच्चे को पास के एक छोटे, एक मंजिला गिरजाघर में ले गए। वहाँ मौजूद नन, जो मोटे गले वाली और गंभीर चेहरे वाली महिला थी, उनके आने से हैरान लग रही थी। उसने बच्चे को अपने पास लिया और उन्हें इंतजार करने को कहा। थोड़ी देर में एक पुलिस अधिकारी आ गया। उसने उनसे सारी जानकारी पूछी। कहाँ? कैसे? कब? वे कौन थे?

“आप हमसे इतने सारे सवाल क्यों पूछ रहे हैं?” फ्रेंकी ने कहा।

“क्योंकि उस बच्ची को दो दिन पहले यहाँ छोड़ दिया गया था, दोस्त,” अधिकारी ने जवाब दिया। “किसी ने उसे प्रवेश कक्ष में छोड़ दिया था, साथ में एक नोट भी था जिसमें चर्च से उसकी देखभाल करने का अनुरोध किया गया था। और फिर, आज सुबह…”

वह रुका। "वह गायब हो गई।"

फ्रेंकी ने अरोरा की ओर देखा।

"उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं था।"

हमने आपको बता दिया कि क्या हुआ था।

"हमें वह अभी मिली है।"

“यही सच है। जंगल में। एक कुत्ता उसकी रखवाली कर रहा था।”

चूंकि बच्चा बिल्कुल सुरक्षित था, इसलिए अधिकारी ने अंततः उनकी बात मान

ली। उन्होंने उन्हें घर जाने दिया। लेकिन उस रात अरोरा ने बच्चे के बारे में सपना देखा। और अगले दिन, उसने फ्रैंकी से चर्च जाने की ज़िद की।

"हेलो, प्यारे," ऑरोरा ने पालने पर झुकते हुए प्यार से कहा।

"उससे कोई जवाब न मिलने की उम्मीद मत रखना," नन ने कहा।

"क्यों नहीं?"

"उसके साथ कुछ गड़बड़ है।"

"क्या?"

“बिल्कुल आवाज नहीं कर पा रही। बस थोड़ी-बहुत गुर्राहट करती है। शायद बहरी है। आमतौर पर यही कारण होता है। बेचारी। हम उसे कल मुख्य भूमि पर ले जा रहे हैं।”

अरोरा ने फ्रेंकी की तरफ देखा।

“अपना गिटार ले आओ,” उसने कहा।

फ्रेंकी अपना एकॉस्टिक गिटार लेकर लौटा। उसने गिटार के खुले तारों को बजाया। बच्चे ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

"उसे एक गाना सुनाओ," अरोरा ने कहा।

फ्रेंकी ने "हश लिटिल बेबी" के शुरुआती सुर बजाए।

“गाओ,” अरोरा ने फुसफुसाते हुए कहा। तो उसने गा दिया।

चुप रहो नन्हे बच्चे, एक शब्द भी मत बोलो।
पापा तुम्हारे लिए एक चिड़िया खरीदेंगे।

बच्चे ने उधर देखा। अरोरा ने अगली पंक्ति गाई।

और अगर वो चिड़िया गाना न गाए,
माँ तुम्हें हीरे की अंगूठी खरीदकर देगी।

बच्चे ने अपना मुंह खोला।
वयस्कों ने एक साथ गीत गाया।

और अगर वह हीरा पीतल में बदल जाए,
माँ तुम्हें एक दर्पण खरीदकर देगी।

वे रुक गए। बच्ची ने अपना सिर घुमाया। वह रोने लगी, उसकी आँखें कसकर बंद थीं। लेकिन उसके मुँह से मुश्किल से ही कोई आवाज़ निकली। बस धीमी, दबी हुई सी गुर्राहट, इतनी छोटी सी बच्ची से सुनना लगभग दर्दनाक था।

फ्रेंकी ने दोबारा खेलना शुरू कर दिया।

और उसने रोना बंद कर दिया।

"देखा?" ऑरोरा ने नन से कहा। "वह बहरी नहीं है। वह सुन सकती है।" फिर वह फ्रैंकी की ओर मुड़ी और बोली, "और जब तुम खेलते हो तो उसे अच्छा लगता है।"

"खैर, मुझे नहीं पता...," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

लेकिन मुझे पता था। मुझे ठीक-ठीक पता था कि क्या हो रहा है। मैं अपने सभी बच्चों का भविष्य देखता हूँ, और इस भविष्य में मैंने एक चर्चा, एक निर्णय, एक गोद लेना और उनके साफ-सुथरे घर में एक छोटे से पालने के लिए जगह बनाना देखा। फ्रैंकी प्रेस्टो के नेतृत्व में एक नया बैंड बन रहा था।

यह एक पारिवारिक मामला था।

50

लेकिन अंत में टेक्सास के लड़कों के बारे में बात करते हैं।

फ्रेंकी और अरोरा ने अपनी बच्ची का नाम काई रखा था और उन्होंने उसे प्यार, रेत, समुद्री पानी और संगीत के बीच पाला-पोसा। डॉक्टरों के अनुसार, वह जन्मजात मूक थी, उसके स्वर रज्जु के विकास में जन्मजात विकार था। लेकिन उसकी सुनने की शक्ति और आँखें दोनों ही बहुत तेज़ थीं, और जब फ्रेंकी कमरे में इधर-उधर घूमता

था, तो उसकी आँखें उसका पीछा करती थीं। जब वह गिटार लेकर बैठता था, तो वह अपनी हथेलियों को आपस में टकराती थी।

काई ने फ्रैंकी के ठीक होने में प्रेरणा दी। जब उसने आखिरकार बिना किसी गलती के गिउलियानी की एक रचना बजाई, तब वह उसके साथ थी। जब उसने (अपने जीवन में दूसरी बार) हीटर विला-लोबोस के बारह एट्यूड्स में महारत हासिल की, तब वह उसके साथ थी। और जब क्लेवर येल्स ने बीच रेस में "आई वांट टू लव यू" का अपना संस्करण प्रस्तुत किया, तब काई फ्रैंकी के कंधों पर थी।

दो हफ्ते बाद, जब फ्रैंकी और अरोरा ऑकलैंड के बीचोंबीच स्थित 'द लास्ट लाफ' नामक एक तंग रिकॉर्डिंग स्टूडियो में दाखिल हुए, तो वह भी उनका हाथ पकड़े वहीं मौजूद थी। फ्रैंकी अपने पुराने गिटार को लिए हुए था। अरोरा के आग्रह पर, उसने टेक्सास के उन युवकों के साथ एक गाना रिकॉर्ड करने के लिए सहमति दे दी थी, इस शर्त पर कि वे द्वीप छोड़कर उसे अकेला छोड़ देंगे।

“उनके साथ खेलने से तुम्हें कोई नुकसान नहीं होगा,” अरोरा ने कहा था।

मैं किसी के साथ खेलने की इच्छा नहीं रखता।

लेकिन अब समय आ गया है।

“किस बात का समय?”

"अपनी पत्नी और बेटी के अलावा अपने दर्शकों का दायरा बढ़ाना।"

लायल इतना उत्साहित था कि पिछली रात उसे नींद ही नहीं आई। उसने उस गाने के लिए चार्ट तैयार किए जिसे वे रिकॉर्ड करने वाले थे, एक रॉक रचना जिसे वह अपनी सबसे व्यावसायिक रचना मानता था।

“माफ़ करना, मुझे पता है कि यह सबसे अच्छा स्टूडियो नहीं है,” उसने फ्रैंकी से कहा, “लेकिन उपकरण अच्छे हैं। और वे हमसे केवल पंद्रह डॉलर प्रति घंटा ले रहे हैं।”

“नाम नहीं बताओगे,” फ्रेंकी ने कहा।

"क्षमा मांगना?"

मैं अपना नाम कहीं भी नहीं चाहता। न गानों पर, न क्रेडिट लिस्ट में, न ही कहीं और।

लायल निराश थे, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि लोगों को यह बताने से कि उनके रिकॉर्ड में फ्रैंकी प्रेस्टो शामिल हैं, यह अधिक विपणन योग्य बन जाएगा।

“बिल्कुल। ज़रूर। जो आप चाहें।”

फ्रेंकी ने कड़े स्वर में सिर हिलाया। वह बैठ गया और अपना पुराना गिटार केस खोला। खुद एल मास्ट्रो ने उसे यह केस दिया था, जो अब लगभग चालीस साल पुराना था और उस पर टूट-फूट के निशान साफ दिख रहे थे, अनगिनत हवाई अड्डों के सुरक्षा स्टिकर लगे थे और उन छेदों पर टेप लगा था जिनमें कभी छर्रे रखे जाते थे।

गिटार अपने आप में सबसे मज़बूत साथी बना रहा। फ्रैंकी ने इसके फ्रेट बोर्ड को चमकाने और ट्यूनर्स में तेल लगाने का बड़ा ध्यान रखा। रोज़वुड बॉडी में कुछ खरोंचें थीं जिनकी मरम्मत तो की गई थी, लेकिन उनका रंग फीका पड़ गया था। आबनूस की गर्दन समय की कसौटी पर खरी उतरी थी। और हां, तारें भी। नीचे की चार तारें कई बार बदली जा चुकी थीं। लेकिन फ्रैंकी की नज़र ऊपर की दो तारों पर पड़ी, जो बची हुई असली तारें थीं, जिन पर अभी तक नीले रंग का कोई असर नहीं हुआ था।

उन्हें अपने शिक्षक के साथ हुई बातचीत याद आ गई।

"मास्ट्रो, तार अलग-अलग ध्वनियाँ क्यों उत्पन्न करते हैं?"

“यह सरल है। ये जीवन की तरह काम करते हैं।”

"मैं नहीं समझता।"

"पहला तार 'ई' है। यह बच्चे की तरह ऊँची और तेज़ आवाज़ वाला है।"

"दूसरी स्ट्रिंग बी है। इसकी पिच थोड़ी कम है, जैसे किसी किशोर की कर्कश आवाज।"

"तीसरा तार, जी, अधिक गहरा है, उसमें एक युवक की शक्ति है।"

"चौथा तार, डी, मजबूत है, पूरी ताकत में एक आदमी की तरह।"

"पांचवां तार, ए, ठोस और तेज आवाज वाला है लेकिन उच्च स्वरों तक पहुंचने में असमर्थ है, ठीक वैसे ही जैसे कोई व्यक्ति अब वह काम नहीं कर सकता जो वह पहले करता था।"

“और छठा तार, उस्ताद?”

"छठा स्वर निम्न 'ई' है, सबसे मोटा, सबसे धीमा और सबसे चिड़चिड़ा। क्या आप इसकी गहराई सुन रहे हैं? डम-डम-डम। ऐसा लगता है जैसे यह मरने के लिए तैयार है।"

"क्या इसका कारण यह है कि यह स्वर्ग के सबसे करीब है?"

“नहीं, फ्रांसिस्को। ऐसा इसलिए है क्योंकि जीवन हमेशा आपको पतन की ओर

खींच ले जाएगा।”

फ्रेंकी ने चार्ट मांगा। लाइल कागज को लेकर लड़खड़ाया और वह उससे गिर गया। फ्रेंकी ने उसे उठा लिया। फिर, उस पर लिखी बातें देखकर, उसने अपना गिटार दीवार के सहारे टिका दिया और एक फेंडर स्ट्रैटोकास्टर उठा लिया।

"क्या मैं इसका इस्तेमाल कर सकता हूँ?" उसने शीशे के पीछे खड़े घुंघराले बालों वाले इंजीनियर की ओर इशारा करते हुए पूछा। इंजीनियर ने अंगूठा ऊपर करके इशारा किया।

“ठीक है, चलो चलते हैं,” फ्रेंकी ने लायल से कहा।

“क्या आप इसका अभ्यास नहीं करना चाहते? हम इसे कुछ बार दोहरा सकते हैं ताकि आपको पता चल सके कि कहाँ—”

फ्रेंकी ने अपना सिर हिलाया।

"बस टेप चालू कर दो।"

गाना तेज़ गति का था, जिसका नाम था “व्हाट द व्हाट?” क्लक ने बेतहाशा ड्रम बजाए और एडी का बेस किसी बेचैन धड़कन की तरह बज रहा था। फ्रैंकी का हिस्सा बस चार कॉर्ड्स का था जिन्हें भारी डिस्टॉर्शन के साथ बार-बार दोहराया गया था, और उसे एक माप में केवल चार बीट्स ही बजानी थीं। मेरे विचार से, यह उसकी प्रतिभा के हिसाब से बहुत ही सरल था। लेकिन उसने अपना कर्तव्य निभाया, गाने को पाँच बार दोहराया जबकि लाइल ने गायन के अलग-अलग तरीके आजमाए। शीशे के पार से फ्रैंकी ने अपनी पत्नी और बेटी को देखा, और काई ताल पर आगे-पीछे हिल रहा था। अरोरा ने अपना सिर बढ़ा-चढ़ाकर हिलाया, मानो उसे किसी दीवार से टकरा रही हो, और फ्रैंकी ने हल्की सी मुस्कान दी।

"आप क्या सोचते हैं, मिस्टर प्रेस्टो?" काम खत्म होने के बाद लाइल ने पूछा।

फ्रेंकी ने सिर हिलाया, लेकिन उसने नज़रें नहीं मिलाईं।

“मेरा मतलब है, मैं आपकी राय जानना चाहता हूँ,” लाइल ने कहा। “सचमुच।”

"ईमानदारी से?"

"कृपया।"

“आप यह गाना क्यों गा रहे हैं?”

"आपका क्या मतलब है?"

"मेरा मतलब है, आपकी आवाज़ इसके लिए उपयुक्त नहीं लगती। और ऐसा नहीं लगता कि आप इसे सच में महसूस करते हैं।"

लायल के चेहरे पर खून का दौरा तेज हो गया, जिससे उसका चेहरा लाल हो गया।

“तुम ऐसा क्यों कहते हो?” उसने पूछा।

“अच्छा, तुमने पाँच बार रिकॉर्डिंग की,” फ्रेंकी ने कहा, “और हर बार आवाज़ अलग थी। इससे पता चलता है कि तुम अभी भी सही धुन की तलाश में हो। क्यों न तुम वैसा ही कुछ करो जैसा तुमने बीच पर किया था? कम से कम वहाँ तो ऐसा लग रहा था कि तुम्हें मज़ा आ रहा था।”

वहाँ एक अजीब सी खामोशी छा गई। लाइल ने एडी और क्लक की तरफ देखा और वे इशारा पाकर कमरे से बाहर निकल गए। फ्रेंकी ने गहरी साँस ली और शीशे के पार से अरोरा और काई को देखा। वह यहाँ अपनी इच्छा से ज़्यादा देर रुक चुका था।

“मुझे पता है आप जो कह रहे हैं वह सही है,” लाइल ने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा। “लेकिन मैं इस व्यवसाय में सफल होने की कोशिश कर रहा हूँ। और वे यही तो खरीद रहे हैं। उन्हें एक दमदार बीट चाहिए। उन्हें कुछ नयापन चाहिए।”

“किनारा?” फ्रेंकी ने कहा।

जी हाँ, महोदय। आपके सोलो की तरह—या, वो सोलो जिसे हर कोई आपका समझता है। जिसे मैंने भी आपका समझा था। बिल्कुल वैसा ही जोशीला अंदाज़।"

फ्रेंकी ने अपनी हथेली से अपनी आँखों को रगड़ा। उसने आह भरी।

“वह तीखापन नहीं था। वह दर्द था।”

लायल ने ऊपर देखा।

"यह आप थे?"

“मेरा एक अलग रूप। आप वो नहीं बनना चाहेंगे।”

फ्रेंकी ने स्ट्रैटोकास्टर गिटार नीचे रख दिया और कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया।

“मेरे एक शिक्षक अंधे थे। कभी-कभी, जब वे बाथरूम में होते थे, तो मैं गिटार बजाकर शोर मचाता था। और वे चिल्लाते थे, ‘बस करो, बेवकूफ लड़के! कोई भी

भद्दा शोर नहीं सुनना चाहता।' मैं अपना बचाव करते हुए कहता था, 'स्कूल में हमें सिखाया जाता है कि भगवान सब कुछ सुनते हैं।' और वे चिल्लाकर जवाब देते थे, 'भगवान शायद सुनें, लेकिन मैं नहीं सुनूंगा।'"

लायल हँस पड़ा और फ्रेंकी के चेहरे पर भी मुस्कान आ गई।

"बात यह है कि आपको यह तय करना होगा कि आप किसके लिए बजा रहे हैं। मैं चाहता था कि उन्हें मेरा बजाना खूबसूरत लगे, इसलिए मैंने शोर मचाना बंद कर दिया और संगीत बनाना शुरू कर दिया।" उन्होंने अपनी ठुड्डी सहलाई। "दिल से आपको असल में क्या पसंद है?"

"शायद अधिक देहाती या लोक संगीत।"

"तो फिर उसे बजाओ," फ्रेंकी ने कहा।

"भले ही यह बिके नहीं?"

"पैसा और संगीत दोस्त नहीं होते।" फ्रेंकी हँसते हुए बोला। "मुझे इस बारे में कुछ तो पता है।"

लायल ने एक मिनट सोचा। "यह मज़ेदार है, मेरे पास वास्तव में एक गाना है जो बिल्कुल वैसा ही है जैसा आपके शिक्षक ने कहा था। यह किसी ऐसे व्यक्ति को माफ करने के बारे में है जिसने धोखा दिया है, और कैसे भगवान माफ कर देंगे, लेकिन मैं नहीं, और कैसे भगवान माफ कर देते हैं, लेकिन मैं नहीं।"

"अच्छा लग रहा है," फ्रेंकी ने कहा।

"क्या आप मेरे साथ इसे बजा सकते हैं? कृपया? मैं अभी एक चार्ट बना देता हूँ। इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। क्या आप बस यहीं रुककर इसे बजा सकते हैं?"

तो फिर आप और आपके दोस्त वापस अमेरिका चले जाएंगे?

"मैं कसम खाता हूँ।"

और मुझे अकेला छोड़ दो?

"बिल्कुल। अगर आप चाहें तो हम एयरपोर्ट पर ही सो जाएंगे।"

फ्रेंकी ने अपना सिर झटका। "आगे बोलो।"

लायल उछलकर खड़ा हुआ और दरवाजा खोल दिया। दूसरी तरफ अरोरा और काई थे।

"ओह, माफ कीजिए। क्षमा कीजिए," लाइल ने कहा।

फ्रेंकी ने अपने परिवार को अंदर आने का इशारा किया।

इसके बाद जो कुछ हुआ वह महत्वपूर्ण साबित हुआ और—जैसा कि कभी-कभी महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ होता है—पूरी तरह से अप्रत्याशित भी था।

ऑरोरा को खुशी थी कि फ्रेंकी युवा बैंड को सलाह दे रहा था। "तुम उनकी मदद कर रहे हो। वे अच्छे लड़के हैं।"

मैं यह सिर्फ इसलिए कर रहा हूं क्योंकि आपने ऐसा करने को कहा है।

अरोरा मुस्कुराई। "यह काफी अच्छा कारण है।"

“इधर आओ, काई,” फ्रेंकी ने अपनी बेटी को गोद में उठाते हुए कहा। ऑरोरा ने जूस की एक छोटी बोतल खोली। छोटी बच्ची ने एक घूंट पिया और फिर उछलकर दूर हट गई।

“और वो चली गई!” अरोरा ने कहा।

उन्होंने काई को कमरे में चक्कर लगाते हुए देखा, वह थोड़ी चंचल थी लेकिन चुप थी। वह वापस आई और इलेक्ट्रिक गिटार फ्रैंकी की ओर उठाया। उसके चेहरे पर जिज्ञासा का भाव था।

"फ्रांसिस्को, उसे दिखाओ कि तुम क्या कर सकते हो," अरोरा ने कहा।

"हाँ?"

"हाथ कैसा है?"

उसने अपनी भौहें ऊपर उठाईं। "देखते हैं।"

उसने पास के एम्पलीफायर में एक तार लगाया और इफेक्ट्स पेडल को टेस्ट किया। फिर उसने अपनी बेटी की ओर अपना सिर उठाया।

“काई?” उसने कहा। “क्या तुम सुन रहे हो?”

सब कुछ याद रखने के लिए आप क्या कुछ नहीं दे सकते? मेरे पास यह शक्ति है। मैं आपकी यादों को अपने अंदर समा लेती हूँ; जब आप मुझे सुनते हैं, तो आप उन्हें फिर से जी उठते हैं। पहला नृत्य। शादी। वो गाना जो तब बजा जब आपको बड़ी खुशखबरी मिली। कोई और प्रतिभा आपके जीवन को संगीतमय नहीं बना सकती। मैं संगीत हूँ।

मैं समय को चिह्नित करती हूँ।

उस दिन ऑकलैंड में, फ्रैंकी ने अपनी पुरानी यादों को जीवंत कर दिया। उन्होंने बच्चों के गीत "बिली बॉय" की एक पंक्ति से शुरुआत की, फिर तेज़ी से जैज़ धुन बजानी शुरू कर दी (जैसा कि पियानोवादक रेड गारलैंड ने एक बार माइल्स डेविस के साथ किया था)। उन्होंने इसे सहजता से और, अपने आश्चर्य के लिए, बिना किसी दर्द के बजाया। उन्होंने दो मिनट तक बिना तैयारी के धुनें बजाईं, खुद को चुनौती दी, और फिर अपनी कलाई को तेज़ी से घुमाकर धुन समाप्त कर दी।

छोटी काई ने ताली बजाई, उसके चेहरे पर मौन आनंद के भाव स्पष्ट थे।

"अधिक चाहते हैं?"

जब उसने सिर हिलाया, तो उसने "टी फॉर टू" और "ए-टिस्केट ए-टास्केट" बजाना शुरू किया, वो गाने जो वो अपने उस्ताद के साथ फोनोग्राफ पर सुना करता था। हर बार वो सादगी से शुरू करता, फिर धुन को अलग-अलग दिशाओं और खूबसूरत रंगों तक ले जाता। अरोरा ने अपनी मुस्कान दबाने की कोशिश की। अगर मेरा मुंह होता, तो मैं भी ऐसा ही करती। सालों में पहली बार, फ्रैंकी फिर से खुलकर बजा रहा था, लगभग पहले जितनी ही तेज़, लेकिन बेहतर, और भी समृद्ध, क्योंकि अब उसका संगीत भावुक, और भी विचारशील था, सुर और भी सावधानी से चुने गए थे, ठीक वैसे ही जैसे एक महान चित्रकार सिर्फ एक रंग नहीं, बल्कि उसका सही रंग चुनता है।

उन्होंने बॉब डायलन के "ऑल अलोंग द वॉचटावर" और द किंक्स के "यू रियली गॉट मी" सहित कई रॉक गानों के कुछ हिस्से बजाए, उन्हें धीमा करते हुए फिर तेज़ करते हुए, मानो ड्रम, बास और गिटार सब एक ही वाद्य यंत्र में बजा रहे हों। इलेक्ट्रिक गिटार पर बजाना समाप्त करने के बाद, काई ने वह पुराना एकॉस्टिक गिटार उठाया जो अब उसके बचपन को उनके बचपन से जोड़ता था।

“वो वाला?” फ्रेंकी ने कहा।

उसने सिर हिलाया।

“‘मुझे प्यार के बारे में बताओ,’” अरोरा ने कहा।

फ्रेंकी ने उनकी बात मान ली और पूरे दिल से उसे बजाया और साथ-साथ गुनगुनाते रहे। उन्होंने डजैंगो रेनहार्ड्ट का "नुएजेस" (जो जिप्सी गिटारवादक ने उन्हें क्लीवलैंड के एक होटल के कमरे में सिखाया था) और लुइसियाना में सीखे दो ब्लूज़ गाने भी बजाए; साथ ही शुमान का "ट्रॉमेरेई", जिसे उन्होंने एक बार समुद्र तट पर

बजाया था; और टारेगा का ट्रेमोलो से भरपूर "रेकुएर्डोस डे ला अल्हाम्ब्रा" भी बजाया। उन्होंने ब्राज़ीलियाई गिटारवादक गारोटो की एक चुनौतीपूर्ण रचना भी बजाई, जिन्हें कभी "सुनहरी उंगलियों का आदमी" कहा जाता था।

एक गीत दूसरे में समा गया, और फ्रैंकी का वादन फैलती हुई धूप की तरह खिल उठा। अपनी बेटी के चेहरे के भाव ने उन्हें ऐसी प्रेरणा दी जैसी पहले कभी किसी श्रोता ने नहीं दी थी, और अरोरा के साथ हंसी-मजाक करते हुए, उन्होंने उनके लिए अपने जीवन का संगीत बजाया, जिसमें नए रंग और व्याख्याएं थीं, फ्लैट नाइंथ, सस्पेंडेड फोर्थ और कॉर्ड इनवर्जन का प्रयोग किया था, जिन्हें उन्होंने पहले कभी आजमाया नहीं था। मैं महसूस कर सकता था कि मैं उनकी रगों में दौड़ रहा हूँ और उनकी उंगलियों से जुनून, निपुणता और सृजनशीलता के साथ मुक्त हो रहा हूँ।

यह शानदार था।

उन्होंने अपने पसंदीदा गीत, अत्यंत सुंदर "नेचर बॉय" के साथ अपना समापन किया, जो एक ऐसे संगीतकार की रहस्यमय रचना थी जिसे फिर कभी इतनी लोकप्रियता नहीं मिली। यह एक ऐसे मंत्रमुग्ध लड़के की कहानी है जो युवा फ्रैंकी की तरह दुनिया की यात्रा करता है और एक रहस्य छिपाए रखता है। उस दोपहर फ्रैंकी ने गीत की आखिरी दो पंक्तियाँ ही गाईं, उन दो लोगों की आँखों में कृतज्ञता से देखते हुए जिन्होंने उसे निराशा से बाहर निकाला था।

“सबसे बड़ी बात जो आप कभी सीखेंगे”
बस इतना ही है कि प्यार करो और बदले में प्यार पाओ।"

उन्होंने धीरे-धीरे बजाए गए अंतिम कॉर्ड, डी माइनर के साथ अपना प्रदर्शन समाप्त किया, गिटार की गर्दन के सबसे ऊपरी हिस्से में एक सिक्स्थ, एक नाइंथ और एक शार्प इलेवेंथ स्वर जोड़े, और फिर शरारती अंदाज़ में अपनी बेटी की ओर आँखें मटका दीं। छोटी काई इतनी खुश हुई कि वह दौड़कर उसके पास गई और गिटार के फ्रेट्स पर थपथपाने लगी।

“सावधान रहना,” फ्रेंकी ने मुस्कुराते हुए फुसफुसाया, “ये जादुई तार हैं।”

नियंत्रण कक्ष के शीशे के पार, किसी की नज़र में आए बिना, घुंघराले बालों वाले इंजीनियर ने कागज़ के एक टुकड़े पर वे शब्द लिख लिए। जादुई तार। खुद एक उभरता हुआ गिटारवादक होने के नाते, वह पूरे समय कंसोल के पीछे अकेले बैठकर

संगीत सुन रहा था, मानो अपने स्पीकरों से आ रहे संगीत से स्तब्ध रह गया हो। उसने मुख्य रिकॉर्डर पर लगी दो इंच की टेप की रीलों पर नज़र डाली और राहत की सांस ली।

वे अब भी घूम रहे थे।

पूरी घटना रिकॉर्ड हो चुकी थी।

"हम जाने के लिए तैयार हैं," लाइल ने कहा और नियंत्रण कक्ष में घुस गया, उसके पीछे एडी और क्लक भी थे।

“नया टेप?” इंजीनियर ने कहा।

“हाँ, सब कुछ नया है,” एडी ने कहा। “हम नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं।”

“पुराने टेप का क्या हुआ?”

"भूल जाओ। मुझे इसकी ज़रूरत नहीं है।"

इंजीनियर ने सिर हिलाया। "ठीक है दोस्त। जैसा तुम कहो।"

उसने रीलों को फिर से लपेटा, रील को एक डिब्बे में रखा और एक मार्कर उठा लिया।

“अरे,” उसने क्लक से कहा, जो अपने स्नीकर्स के फीते बांध रहा था। “गिटार पर उस आदमी का क्या नाम है?”

क्लुक ने शरारती मुस्कान के साथ बाएं और दाएं देखा।

“ये फ्रैंकी प्रेस्टो है, यार। किसी को मत बताना।”

“मैं ऐसा क्यों करूँ?” इंजीनियर ने कहा। “मैंने तो उसके बारे में कभी सुना ही नहीं।”

क्लुक ने भौंहें चढ़ाईं और स्टूडियो में चली गई। इंजीनियर ने डिब्बे के किनारे पर "फ्रैंकी प्रेस्टो के जादुई तार" लिखा और उसे एक शेल्फ पर रख दिया।

51

ध्वनि की पहली रिकॉर्डिंग उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में हुई, जब एक आविष्कारक ने एक सिलेंडर और डायाफ्राम में ध्वनि उत्पन्न की, जिससे एक स्टाइलस हिलने लगा जो कालिख से ढके कागज पर रेखाएं उकेरता था।

बीस साल बाद, थॉमस एडिसन ने फोनोग्राफ का आविष्कार किया। और तब से, आप मुझे हर तरह के माध्यमों में कैद करते आ रहे हैं, चाहे वो शेलैक प्लेट हो, विनाइल रिकॉर्ड हो, चुंबकीय टेप हो या डेटा-एनकोडेड डिस्क। मैं किसी का न्याय नहीं करता। मैं एक प्रतिभा हूं। मुझे रिकॉर्डिंग फॉर्मेट से उतना ही कोई लेना-देना नहीं है जितना किसी चित्रकार को खाली कैनवास से होता है।

लेकिन उन रिकॉर्डिंग का मेरे शिष्यों पर क्या प्रभाव पड़ता है—यह दिलचस्प है। क्लेवर येल्स ने उस दिन ऑकलैंड में जो गाना रिकॉर्ड किया था, वह अपने रॉक शैली के पिछले गाने से कहीं अधिक संतोषजनक था। यह लायल की अनोखी गायन शैली के अनुकूल था, एक शांत, मार्मिक आवाज़ जो उनके संगीत में एक तड़प भर देती थी। "गॉड विल" नामक उस गाने को कुछ वर्षों बाद फिर से रिकॉर्ड किया गया और उस युवा कलाकार के पहले एल्बम, जिसका नाम लायल लवेट था, में शामिल किया गया।

और, उस कीवी के संदेश को कभी न भूलते हुए, जो उन्हें फ्रैंकी के पास ले गया था ("दोस्ती का पहला नियम, दोस्तों: राज़ रखना सीखो"), श्री लवेट, जो अब आपकी दुनिया में एक सफल कलाकार हैं, ने कभी भी फ्रैंकी के ठिकाने का खुलासा नहीं किया और न ही वुडस्टॉक में एकल प्रदर्शन के बारे में बात की।

जहां तक दो इंच की रिकॉर्डिंग टेप के बॉक्स की बात है, वह घुंघराले बालों वाले इंजीनियर के पास ही रहा, जब तक कि उससे मिलने वाले किसी व्यक्ति ने उसे अच्छी खासी रकम की पेशकश नहीं की, जिसे उसने तुरंत स्वीकार कर लिया और एक नया मिक्सिंग बोर्ड खरीदने में खर्च कर दिया।

जल्द ही, सादे सफेद कवर वाले विनाइल एल्बम की प्रतियां दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में दिखाई देने लगीं, जिन्हें निजी तौर पर खरीदा गया और संगीतकारों और गैर-संगीतकारों दोनों ने समान रूप से सराहा। इसके पिछले कवर पर सरल शब्दों में लिखा था: फ्रैंकी प्रेस्टो के जादुई तार।

लेकिन तब तक फ्रेंकी और अरोरा वाईहेके द्वीप छोड़ चुके थे। वे काई के आठवें जन्मदिन के कुछ ही समय बाद रवाना हुए, जब वह अचानक, बिना किसी स्पष्ट कारण के, जाग उठी और अरोरा से कर्कश आवाज में पूछा, "पापा कहाँ हैं?"

डॉक्टर उसकी अचानक बोलने की क्षमता से हैरान थे और उन्होंने "चयनात्मक मूकता," छिपी हुई फेफड़ों की समस्याओं, तंत्रिका संबंधी समस्याओं, या बच्चे की चमत्कारिक रूप से ठीक होने से पहले लक्षणों को प्रकट करने में असमर्थता का जिक्र किया।

फ्रेंकी और अरोरा को बस इतना पता था कि अब उनकी एक बेटी है जो सवाल पूछती है। जैसे किसी संगीत में तार और हॉर्न जुड़ते जाते हैं, वैसे ही बच्ची की छोटी सी दुनिया के विस्तार के साथ-साथ उनका जीवन भी समृद्ध और जटिल होता चला गया।

एक रात अरोरा ने कहा, "कुछ कपड़े पैक कर लो।"

“हम कहाँ जा रहे हैं?” फ्रेंकी ने कहा।

"हमें उसे कुछ समय के लिए इस द्वीप से बाहर ले जाना होगा।"

"क्यों?"

क्योंकि आज उसने मुझसे पूछा कि हम दोनों कहाँ से आए हैं। और मुझे लगता है कि अब उसे यह जानने का समय आ गया है।

और बस इसी तरह, अगली सुबह, वे सूटकेस लिए फेरी पर सवार हो रहे थे, पुनर्खोज की यात्रा पर, फ्रैंकी प्रेस्टो के पारिवारिक बैंड के तीन सदस्य - और एक चौथा, अदृश्य दल, भारी कपड़ों में लिपटा हुआ एक व्यक्ति, उनके पीछे पचास फीट की दूरी पर चल रहा था और सब कुछ देख रहा था।

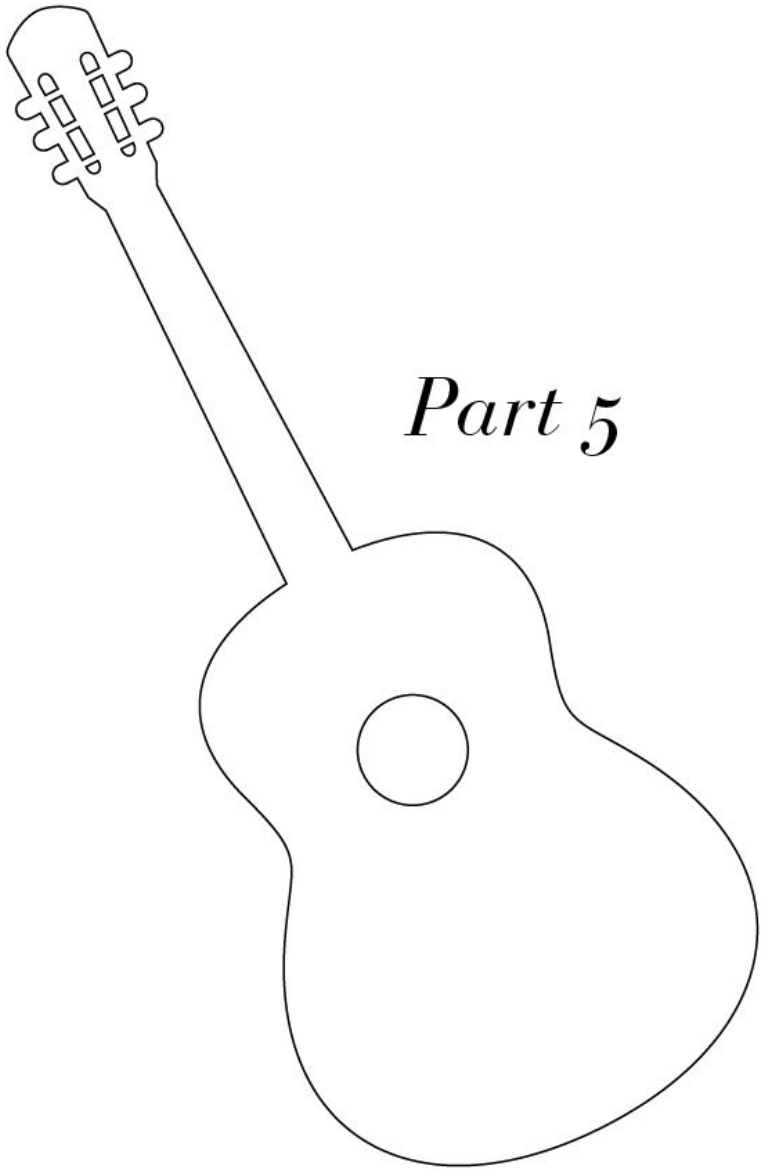

Part 5

पॉल स्टेनली

गिटारवादक, गायक, *KISS* के संस्थापक सदस्य

ज़रूर। मैं तुमसे फ्रैंकी के बारे में बात करूँगा... तुम्हें पता है, उसने एक बार KISS बैंड के लिए ऑडिशन दिया था।

मैं सच कह रहा हूँ। यह... क्या... 1984 की बात है? लॉस एंजिल्स में। हम विनी विंसेंट की जगह लेने के लिए एक लीड गिटारिस्ट की तलाश कर रहे थे।

KISS हमेशा से नए सदस्यों का ऑडिशन लेते थे। हम उन्हें स्टूडियो में बुलाते, उन्हें अपने कुछ गानों पर बजाने देते। हमें तुरंत पता चल जाता था कि कोई लड़का संगीत के लिहाज़ से हमारे साथ टिक पाएगा या नहीं। लेकिन उसका रूप-रंग भी सही होना ज़रूरी था। हमारा बैंड दिखने में बहुत आकर्षक है। और अगर उसमें रूप-रंग और संगीत की प्रतिभा दोनों होतीं, तो हम उसे जानने की कोशिश करते, क्योंकि किसी नए लड़के को बैंड में शामिल करना डेटिंग से शादी तक का सफर होता है।

खासकर हमारे जैसे बैंड के लिए।

खैर, हमें यह काम जल्दी करना था, इसलिए हमने एक ही दिन तीन गिटारवादकों को बुलाया। पहले दो को हम देख चुके थे—दोनों ही काफी अच्छे थे—और फिर तीसरा आदमी आया। वह बूढ़ा लग रहा था। मुझे याद नहीं कि उसे किसने या किस एजेंसी ने भेजा था, लेकिन उसने स्की कैप पहनी हुई थी और एक केस लिए हुए था। उसने उसे खोला भी नहीं। वह बैठ गया, स्टूडियो में रखे कुछ गिटार देखे, एक जापानी इलेक्ट्रिक मॉडल, रिवरहेड, हीरे के आकार की छोटी सी बॉडी वाला गिटार उठाया और बोला, "क्या मैं इसे इस्तेमाल कर सकता हूँ?"

और हमने कहा, "तुम्हारे साथ क्या समस्या है?"

और उसने कहा, "अरे, यह तो बस एक पुराना एकॉस्टिक गिटार है।"

मैं मन ही मन सोच रही थी, “मज़ाक कर रहे हो क्या? KISS के ऑडिशन में यही सब लेकर आए हो? चलो अब घर चलते हैं।” लेकिन तभी उसने अपनी स्की कैप उतारी और बाल पीछे किए, और मैं आगे झुककर बोली, “अरे बाप रे!” जीन सिमंस ने पूछा, “क्या?” और मैंने कहा, “ये तो फ्रेंकी प्रेस्टो हैं!”

अब मैं आपको बता दूं कि न्यूयॉर्क में एक बच्चे के रूप में, मेरे लिए फ्रैंकी प्रेस्टो ही सब कुछ थे। मुझे डियोन एंड द बेलमोंट्स, बॉबी राइडेल, जिमी क्लैंटन जैसी आवाज़ें पसंद थीं। वे सभी गा सकते थे। लेकिन फ्रैंकी गाते भी थे, बजाते भी थे, शानदार कपड़े पहनते थे और सच में कमाल का डांस करते थे। मैंने उन्हें अमेरिकन बैंडस्टैंड पर देखा था। वो माइक स्टैंड के साथ एक खास तरह का मूव करते थे, जिसमें वो उसे आगे धकेलते थे, फिर अपने पैर से उसे पीछे घुमाते थे—जो टेक्स भी इसी मूव के लिए मशहूर थे। कमाल का था!

जब "आई वांट टू लव यू" गाना आया, तब मैं लगभग आठ साल का था और यह मेरा पहला रिकॉर्ड था। मैंने इसे इतना बजाया होगा कि यह फट गया होगा। एक-दो साल बाद, जब "शेक शेक" बहुत लोकप्रिय हुआ, तो मैंने अपने माता-पिता को मना लिया कि वे मुझे फ्रैंकी का रॉक एंड रोल शो देखने ले जाएं। ब्रुकलिन के फॉक्स थिएटर में। उन्होंने कुछ ही गाने गाए, लेकिन गिटार पर उनका प्रदर्शन लाजवाब था। उन्होंने एक सोलो बजाया जो मुझे आज भी याद है। उनकी उंगलियां तो मानो हवा में उड़ रही थीं ही, साथ ही अंत में उन्होंने चार बड़े कॉर्ड बजाए जो एक के बाद एक गूंजते रहे, बैंग, बैंग, बैंग, बैंग! और पूरा हॉल गूंज उठा। मेरे लिए यह किसी पवित्र उपदेश जैसा था। आज भी, जब मैं गिटार बजाता हूं, तो एक बड़ा कॉर्ड बजाकर पूरे हॉल पर अपना जादू चलाने जैसा कुछ नहीं है।

खैर, KISS के बाकी सदस्य फ्रैंकी का ऑडिशन भी नहीं लेना चाहते थे। उन्होंने कहा, "वो बहुत बूढ़ा है।" लेकिन मैंने कहा, "चलो उसे एक मौका देते हैं। जब सब शुरू हुआ था तब वो वहीं था।" उसका चेहरा अभी भी अच्छा था, गाल की हड्डियां उभरी हुई थीं, बाल भी पूरे थे। मुझे लगा कि बात बन सकती है।

हमने उसे अपना एक पुराना गाना "क्रिएचर्स ऑफ द नाइट" सुनाया और उससे कहा कि वह उस गाने के सोलो जैसा कुछ बजाने की कोशिश करे। और कसम से, उसने वो सोलो हूबहू दोहराया। पता नहीं कैसे। उसने उसे सिर्फ एक बार सुना था। लेकिन उसने हर सुर को ठीक उसी जगह बजाया जहाँ वो पहले बजा था, व्हैमी बार को भी एकदम सही तरीके से दबाया, मानो वो संगीत को हूबहू दोहरा रहा हो।

तो मैंने कहा, "ठीक है, इस बार जो चाहो करो।" और उसने उससे भी बेहतर सोलो बजाया। मुझे सबसे ज़्यादा प्रभावित करने वाली बात यह थी कि उसने अपनी गति का प्रदर्शन नहीं किया। एक-दो धुनें ही उसकी गति का सबूत थीं। लेकिन उसने

उसे संगीतमय बना दिया। उसके सोलो बजाने के बाद ऐसा लग रहा था मानो उसे गाया जा सकता हो।

हमें और कुछ सुनने की ज़रूरत नहीं थी—खासकर उनके वादन के बारे में। लेकिन उम्र अभी भी एक मुद्दा थी। और वे कैसे थे? जीन उस रात व्यस्त थे, इसलिए मैंने फ्रैंकी के साथ रात का खाना खाने का प्रस्ताव रखा। मन ही मन मैं उनसे पुराने दिनों के बारे में पूछना चाहता था।

हम सांता मोनिका में एक छोटे से बर्गर रेस्टोरेंट में गए, और मैंने कबूल किया कि मैंने उन्हें साठ के दशक में देखा था। वह इस बात पर काफी शर्मा गए, मानो यह किसी और जन्म की बात हो। उन्होंने कहा कि वह कुछ समय से स्टेज से दूर थे, और उन्हें लंबे समय से कोई रिकॉर्डिंग कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिला था। मैंने कहा, "क्या इसीलिए आप KISS में शामिल होना चाहते हैं?" और उन्होंने नीचे देखा, लगभग शर्मिंदा होकर, और कहा, "नहीं। सच कहूँ तो, मेरी बेटी आप लोगों को बहुत पसंद करती है।"

मैंने पूछा, "आपकी बेटी की उम्र कितनी है?"

उन्होंने कहा, “वह आठ साल की है। उसे आप लोगों के कपड़े और मेकअप बहुत पसंद हैं। और उसने मुझे कभी स्टेज पर परफॉर्म करते नहीं देखा है। इसलिए मैंने सोचा कि अगर मैं किसी ऐसे बैंड में होता जिसे वह पसंद करती, तो यह उसके लिए एक अच्छी याद बन जाती।”

और मैंने कहा, "क्या तुम मजाक कर रहे हो?"

और उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, आप अपने बच्चों को अपने बारे में और अधिक बताना चाहते हैं।

मैंने कई लोगों को KISS में शामिल होने की वजह बताते सुना था, लेकिन यह पहली बार था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या जवाब दूं। लेकिन मैंने उनसे कहा, "फ्रैंकी, अब हम मेकअप नहीं लगाते।" और वह एकदम हैरान रह गए, जैसे उनकी बेटी का दिल टूट जाता।

“क्यों नहीं?” उसने पूछा।

कुछ लोगों को लगता है कि मेकअप का मतलब है कि हम गंभीर नहीं हैं।

उन्होंने कहा, "लिटिल रिचर्ड मेकअप करते थे। जिमी हेन्ड्रिक्स भी मेकअप करते थे। डेविड बॉवी भी।"

मैंने कहा, "क्या तुम उन लोगों के साथ खेले थे?" और उसने कहा, "हां, वह उन

सभी के साथ खेला था।"

मुझे यकीन नहीं हो रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे मैं रॉक एंड रोल के इतिहास से बात कर रहा हूँ। आखिर में मैंने पूछा, "कहाँ थे तुम?" उसने कहा, "एक द्वीप पर।" मुझे लगा वो मज़ाक कर रहा है, पर वो सच कह रहा था। मैंने पूछा, "इतनी दूर से इसके लिए आए हो?" उसने बताया कि उसका परिवार यूरोप की लंबी यात्रा पर निकला है, और लॉस एंजिल्स में उसके एक जान-पहचान वाले ने उसे ऑडिशन के बारे में बताया। फिर उसने मेरी तरफ देखा और कहा, "क्या सच में अब तुम मेकअप नहीं लगाते?"

सच कहूँ तो, मैं उसे बैंड में लेना चाहता था—मुझे लगा कि KISS में उसका पुराना इतिहास होना अच्छा रहेगा—लेकिन आखिर में, ज़ाहिर है, बात नहीं बनी। वह जहाँ जाना चाहता था, चला गया और हमने एक ऐसे लड़के को ले लिया जो फ्रैंकी से लगभग बीस साल छोटा था, और बस बात खत्म। लेकिन कुछ हफ़्ते बाद, मुझे उसका एक पत्र मिला जिसमें उसने ऑडिशन का मौका देने के लिए धन्यवाद दिया और हमें शुभकामनाएँ दीं। आप जानते हैं रॉक एंड रोल में ऐसा कितनी बार होता है? कभी नहीं।

और सबसे नीचे, क्रेयॉन से कुछ टेढ़ी-मेढ़ी रेखाओं में, उनकी बेटी की एक पंक्ति लिखी थी, जिसमें लिखा था, "मुझे KISS बहुत पसंद है!"

ये मज़ेदार बात है। 1999 में मुझे टोरंटो में फैंटम ऑफ द ओपेरा में मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला। मैंने इससे पहले ऐसा कुछ भी नहीं किया था। लेकिन मैंने वो मौका लपक लिया, कुछ हद तक इसलिए क्योंकि उस समय मेरा बेटा करीब पाँच साल का था। और मुझे याद है कि मैं सोच रहा था, "मैं चाहता हूँ कि वो मुझे इसमें अभिनय करते हुए देखे।"

फिर मुझे फ्रैंकी की अपनी छोटी बेटी के बारे में कही बातें याद आईं। और वो सही था। एक समय ऐसा आता है जब आपकी ज़िंदगी में सबसे ज़्यादा मायने अपने बच्चों के लिए आपकी विरासत का होता है।

52

मेरे पीछे आओ।

इन सीढ़ियों से ऊपर चढ़ें।

नीचे की सीटें भर रही हैं, और पादरी शोक मनाने वालों का अभिवादन कर रहे हैं। अंतिम संस्कार की प्रार्थना जल्द ही शुरू होगी। हमारी कहानी जल्द ही समाप्त होने वाली है। लेकिन इस बेसिलिका में एक इतिहास छिपा है जिसे हमें पूरा करना है।

इस खाली कमरे के अंदर देखिए। कंक्रीट का फर्श और नंगी दीवारें दिख रही हैं? यहीं फ्रैंकी का जन्म हुआ था। और यहीं, लगभग चार सौ साल पहले, पास्कुअल बायलॉन नाम के एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी। कम पढ़े-लिखे एक गरीब स्पेनिश भिक्षु, बायलॉन को बाद में ईश्वर के प्रति उनकी विनम्र भक्ति और उनके आसपास घटित होने वाले छोटे-छोटे चमत्कारों के लिए संत घोषित किया गया। कहा जाता है कि उनके अंतिम संस्कार के दौरान, उनकी आंखें खुल गईं और उन्होंने यूखारिस्ट समारोह देखा।

सदियों तक उनका शरीर इसी गिरजाघर में दफन रहा - जब तक कि एक रात यह जलकर राख नहीं हो गया, उसी रात फ्रैंकी की मां, कारमेनसीटा ने इसी कक्ष में बच्चे को जन्म देते हुए अपनी जान गंवाई, और अपने बेटे को पास्कुअल का नाम दिया - फ्रांसिस्को डी असिस पास्कुअल प्रेस्टो - इस उम्मीद में कि यह उसकी रक्षा करेगा।

लेकिन ऐसा पहले ही हो चुका था।

उस रात और अधिक लोगों के न मारे जाने का एक कारण था, हमलावरों के आने पर चर्च लगभग खाली होने का एक कारण था। कुछ घंटे पहले, सैन पास्कुअल ने एक आखिरी चमत्कार किया, इस बार मृतकों की दुनिया से।

उसने चर्च के सदस्यों को भाग जाने का इशारा किया।

उनकी समाधि के अंदर ताली बजाकर।

उन्होंने आवाज को स्पष्ट रूप से सुना।

ताली बजाओ। ताली बजाओ। ताली बजाओ।
और वे भाग गए।
चेतावनी वाला संगीत।
जब फ्रेंकी स्पेन लौटा, तब तक वहां फिर से आवाजें आने लगी होनी चाहिए थीं।

“मास्ट्रो, क्या हम आज नदी देखने जा सकते हैं?”
"हम ऐसा क्यों करेंगे?"
“मेरे पापा मुझे एक बार पास्टोरेट की मूर्ति दिखाने ले गए थे। वह छोटा चरवाहा लड़का।”
“तो आपने इसे देख लिया। दोबारा जाने की जरूरत नहीं है।”
"क्या आपको इस मूर्ति की कहानी पता है, उस्ताद?"
"विलारियल में हर कोई वह कहानी जानता है।"
"क्या यह सच है?"
गिटार ले आओ।
क्या यह सच है कि एक छोटे चरवाहे ने गुफा से संगीत सुना था?
“गिटार—”
“और अंदर उसे धन्य मरियम की एक मूर्ति मिली?”
“फ्रांसिस्को—”
“क्या यह सच है कि वह मूर्ति को शहर में लाया था—”
“कितनी मूर्खता है—”
और अगले दिन वह गायब हो गया?
"पर्याप्त-"
“और जब लोग गुफाओं में वापस गए, तो उन्होंने संगीत सुना और उन्हें फिर से मैरी की मूर्ति मिली?”
बस करो! क्या संगीत गुफाओं से आता है?
“नहीं, स्वामी।”
“नहीं, ऐसा नहीं है। यह अभ्यास से आता है। जो आप नहीं कर रहे हैं।”

तो क्या यह कहानी सच नहीं है?

“मैं तुम्हें सच बताता हूँ। अगर मरियम अपनी संगीत की धुन में गुफा में रहना चाहती थी, तो चरवाहे को उसे परेशान करने की क्या ज़रूरत थी?”

जी हां, उस्ताद।

लोग दूसरों को परेशान क्यों करते हैं?

जी हां, उस्ताद।

“चीजों की तलाश में पीछे मत जाओ। इस जीवन में जो जैसा है, वैसा ही रहने दो। समझे?”

जी हां, उस्ताद।

अब खेलना शुरू करो। मैं अब जवान नहीं हो रहा हूँ।

परिवार हवाई अड्डे से बाहर निकला और चकाचौंध भरी धूप में आ गया। फ्रैंकी की आँखों में दर्द होने लगा। उसने अपने धूप के चश्मे निकाले और जैसे ही वे समुद्र तट के किनारे गाड़ी चला रहे थे, उसने खिड़की से बाहर देखा और महसूस किया कि वह अपने देश के कई रंगों को भूल चुका था; हल्के रंग के घर, संतरे के बाग, नीले भूमध्य सागर में लहरों का छींटा। जो कुछ वह नहीं भूल पाया था, उसे उसने अपने मन में दफना दिया था, जिसमें बफा रुबियो की सभी यादें भी शामिल थीं, क्योंकि उसने उस आदमी के धोखे को कभी माफ नहीं किया था।

वापस लौटने का विचार अरोरा का था। वे पहले ही कैलिफोर्निया, न्यू ऑरलियन्स और लंदन जा चुके थे, जहाँ अरोरा ने वर्षों बाद अपनी माँ को देखा था। एक आयताकार लकड़ी की मेज के चारों ओर बैठकर उन्होंने भुना हुआ गोमांस और पत्तागोभी का भोजन किया, और अरोरा ने उस विदेशी बच्ची पर अपनी माँ की घूरती निगाहों को सहन किया जिसे वे अपना कह रहे थे।

उस रात ऑरोरा ने फ्रेंकी से कहा, "अगर मैं यह सब संभाल सकती हूं, तो तुम स्पेन को संभाल सकते हो।"

"यह समान नहीं है।"

“क्या आपको लगता है कि आपके पिता जीवित हैं?”

“वह मेरे पिता नहीं हैं।”

तो आप उससे नहीं मिलेंगे?

वह जीवित नहीं है।

“अगर वो ऐसा होता तो क्या होता? क्या तुम उससे बात नहीं करते?”

और क्या कहें?

और कहो कि तुम जीवित हो। कहो कि तुम्हारी एक पत्नी और एक बच्चा है। धन्यवाद कहो।

"झूठ बोलने वाले लोगों को धन्यवाद नहीं दिया जाता।"

“फ्रांसिस्को—”

मैं नहीं जाना चाहता।

"जा रहे थे।"

"यह काई के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है?"

“सिर्फ काई ही नहीं।”

मैं नहीं जाना चाहता।

उसने अपनी उंगलियां उसकी उंगलियों में फंसा लीं।

"तुम यह बात पहले ही कह चुके हो।"

वह अकेले यह यात्रा कभी नहीं कर पाता। लेकिन पत्नी और बेटी का हाथ थामे वह इस गर्म देश में वापस आ गया।

और इसमें छिपे सभी रहस्य।

1940 के दशक के बाद से स्पेन का जीवन नाटकीय रूप से बदल गया था। तानाशाह फ्रेंको की मृत्यु हो चुकी थी, और जिस देश पर उसने इतने लंबे समय तक शासन किया था, वह धीरे-धीरे उत्थान की ओर अग्रसर था। फ्रेंकी विल्लारियल को मुश्किल से पहचान पाया। सड़कें पक्की हो चुकी थीं, और जिन सड़कों पर कभी घोड़े और साइकिलें चलती थीं, अब वहां कारों का बोलबाला था। अब वहां एक खेल स्टेडियम, एक बड़ा अस्पताल और कैले मेयर के किनारे कई नई दुकानें थीं।

फ्रेंकी अपने परिवार को एक व्यस्त चौक से होते हुए, विलाप करते विलो वृक्षों के

बगीचे के पास से और एक सिंचाई नहर के किनारे ले गया, जिसमें एक बार फ्रांसिस्को टार्रेगा को उसके देखभालकर्ता ने फेंक दिया था, ठीक वैसे ही जैसे फ्रेंकी को एक बार नदी में फेंक दिया गया था। उसने बाफा रुबियो के बारे में कोई भी कहानी सुनाने से परहेज किया, हालाँकि वह अपने बगल में चल रही अरोरा की मौन प्रेरणा को महसूस कर सकता था।

अंत में, युवा काई ने ही फ्रैंकी का मन बदल दिया। वे ला पंडेरोला देखने के लिए एक पार्क में गए थे, जो दशकों पहले बंद हो चुकी एक पुरानी भाप वाली ट्रेन थी। केवल उसका इंजन और एक यात्री डिब्बा ही एक शामियाने के नीचे बचा था।

“हम इस ट्रेन का पीछा किया करते थे,” फ्रेंकी ने काई को बताया।

"कौन?"

“बच्चे।”

"क्यों?"

"मजा आ गया।"

"अगर आप पटरियों पर गिर गए और ट्रेन आ रही हो तो क्या होगा?"

ऐसा नहीं होगा।

“अगर तुम इस तरह दौड़ो तो क्या होगा”—वह पुरानी कार के सामने दौड़ पड़ी —“और तुम गिर जाओ, ओह।”

वह हंसते-हंसते गिर पड़ी, और फ्रेंकी झट से आकर उसे ऊपर उठा लिया।

“तब मेरे पापा आखिरी क्षण में मुझे बचा लेंगे!” वह चिल्लाया।

जब उसने उसे नीचे उतारा, तो उसने देखा कि अरोरा उसे देख रही है, उसकी भौंहें उठी हुई हैं। फ्रेंकी ने आह भरी।

“मेरे साथ आओ, काई,” उसने कहा। “मैं तुम्हें वो जगह दिखाने जा रहा हूँ जहाँ मैं पला-बढ़ा हूँ।”

कैल्वैरियो स्ट्रीट पर स्थित घर को नींबू जैसे रंग से रंगा गया था और खिड़कियाँ नई थीं। निचले दरवाजे के फ्रेम में अभी भी गाड़ी के पहियों के लिए दो खांचे मौजूद थे। इसके अलावा, यह जगह आसपास के घरों की तरह ही आधुनिक प्रतीत होती थी।

“ये रहा,” फ्रेंकी ने कहा।

“आप वहाँ रहते थे, पापा?”

"एक बालक की तरह।"

“वहाँ और कौन रहता था?”

"वह आदमी जिसने मेरी और हमारे कुत्ते की देखभाल की।"

“तुम्हारे माता-पिता कहाँ थे?”

"स्वर्ग में।"

उसने अरोरा की ओर हथेलियाँ इस तरह खोलीं मानो कह रहा हो, "बस? क्या हम जा सकते हैं?" लेकिन बच्ची झट से छूटकर दरवाजे पर जोर-जोर से दस्तक देने लगी।

“काई, तुमने ऐसा क्यों किया?” फ्रेंकी ने चिल्लाते हुए उसका हाथ पकड़ लिया।

“बस करो,” ऑरोरा ने कहा। “वह बस उत्सुक है।”

दरवाजा धीरे से खुला। कंधों पर शॉल ओढ़े एक छोटी कद की महिला ने बाहर झाँका।

"हाँ?"

फ्रेंकी सीधा खड़ा हुआ और फिर स्पेनिश में बोलने लगा।

“मुझे बहुत खेद है, महोदया। हमारा इरादा आपको परेशान करने का नहीं था। मेरी बेटी—”

“क्या आप अंग्रेजी बोलते हैं?” अरोरा ने बीच में ही टोकते हुए पूछा।

“थोड़ा सा,” महिला ने कहा।

“यह जरूरी नहीं है—” फ्रेंकी ने कहा।

“मेरे पति बचपन में यहीं रहते थे। इसी घर में। आपके घर में।”

“जी?” महिला ने फ्रेंकी की ओर देखा। “आह,” उसने कहा, उसका चेहरा और भी चौड़ा हो गया, “मैंने तुम्हें पहले देखा है।”

“कहाँ?” अरोरा ने पूछा।

महिला ने एक उंगली उठाई। वह एक मिनट के लिए दरवाजा खुला छोड़कर गायब हो गई, फिर एक बड़ा बक्सा घसीटते हुए वापस लौटी।

“आओ, आओ,” उसने कहा।

तीनों अंदर दाखिल हुए, फ्रेंकी सबसे आखिर में। उसका दिल तेजी से धड़क रहा था। उसने चारों ओर नज़र घुमाई, मानो उसे भावनाओं का सैलाब उमड़ने की उम्मीद

हो। लेकिन सब कुछ अलग था। रंग-रोगन। तस्वीरें। फर्नीचर। आखिर कमरे तो कमरे ही होते हैं, जैसे संगीत स्टाफ तो संगीत स्टाफ होता है। आप उन्हें कैसे सजाते हैं, यही उन्हें आपका अपना बनाता है।

“मीरा,” महिला ने कहा। उसने बक्से के ऊपर से एक पतला कंबल हटाया और उसमें से एक पुराना रिकॉर्ड एल्बम निकाला। “हाँ, क्या तुम हो?”

यह फ्रैंकी की पहली रिलीज़ का कवर था, जो स्पेन से आयातित थी।

“पापा, देखो!” काई ने रिकॉर्ड पकड़ते हुए कहा। लेकिन फ्रैंकी की नज़र पहले ही डिब्बे की दूसरी चीज़ों पर जा चुकी थी। एक पुराना रेडियो। कुत्ते का पट्टा। और उसकी ब्रागिन्हा।

“क्या वह तुम्हारा गिटार था?” अरोरा ने फुसफुसाते हुए पूछा।

“यह तुम्हें कहाँ से मिला?” फ्रेंकी ने उस महिला से पूछा।

“एक आदमी बहुत समय पहले आया था। उसने कहा था कि अगर परिवार वाले लेने आएं तो इसे घर में ही छोड़ देना। लेकिन कोई परिवार नहीं आया।”

"कौन सा आदमी?"

उसने अंग्रेजी में उस शब्द को खोजने के लिए अपनी उंगलियां हिलाईं, फिर हार मान ली।

“कब्रिस्तान से आया हुआ आदमी।”

“उसने क्या कहा?” अरोरा ने पूछा।

“कब्रिस्तान वाला आदमी,” फ्रेंकी ने कहा।

संगीत लंबे समय से आपकी मृत्यु की रस्मों का हिस्सा रहा है। शोकगीत। भजन। बिगुल बजाने वाला “टैप्स” बजाता है। एक प्रतिभा के रूप में, मैं शोक नहीं कर सकता। लेकिन आप निश्चित रूप से मेरे माध्यम से शोक करते हैं। आपकी सबसे भावपूर्ण रचनाएँ अक्सर हानि से प्रेरित होती हैं।

बफा रुबियो के अंतिम संस्कार में देर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई, उनके दत्तक पुत्र फ्रांसिस्को के रूप में, जो कब्रिस्तान में घूमते हुए, कब्रों में अपना नाम खोज रहा था। यह वह जगह नहीं थी जहाँ युवा फ्रैंकी कभी गया था। उसके बचपन में, फ्रेंको की

सेना नागरिकों को उनके घरों से खींचकर कब्रिस्तान की बाहरी दीवारों के सामने खड़ा कर देती थी और फिर उन्हें गोली मार देती थी। उनमें से कई लोगों में मेरी प्रतिभा के अंश थे, और उनके गीत अनसुने ही दफन हो गए। उनकी हड्डियाँ एक गुमनाम कब्र में भरी पड़ी हैं, और दीवारों में गोलियों के निशान ही उनके एकमात्र निशान हैं।

बफा ने अपने बेटे को ऐसी जगह से दूर रखा था। लेकिन अब, उसी जगह के अंदर, फ्रैंकी बफा का नाम खोज रहा था, चार-चार कब्रों के ढेर के पास से गुज़रते हुए, कुछ पर यीशु या वर्जिन मैरी की तस्वीरें बनी थीं, तो कुछ पर ताज़े फूल रखे थे। उसे कुछ नहीं मिला। रूबियो का कोई रिकॉर्ड नहीं। और किसी को याद नहीं आ रहा था कि किसने कैल्वैरियो स्ट्रीट स्थित घर में उसके सामान का बक्सा पहुँचाया होगा। कई साल बीत चुके थे। सारे सुराग गायब हो गए थे। बेटा एक बार फिर सोचने लगा कि उसके पापा कहाँ हो सकते हैं।

ऑरोरा और काई बाहर इंतज़ार कर रहे थे, ताकि फ्रैंकी को अपनी निजी खोज करने का मौका मिल सके। जब वह बाहर आया, तो उतना ही खाली मन से जितना वह अंदर आया था, उसने देखा कि वे धूप में एक बेंच पर बैठे हैं, छोटा काई अपने पुराने रिकॉर्ड एल्बम से चिपका हुआ है। उसने कल्पना करने की कोशिश की कि बफा ने उस डिस्क को पहली बार देखकर क्या सोचा होगा। क्या उसने उसे किसी दुकान में पाया था? क्या किसी ने उसे दिया था? क्या उसने सोचा होगा कि फ्रैंकी का नाम क्यों बदल दिया गया था? उसने कभी संपर्क क्यों नहीं किया? क्या बफा ने संगीत सुना था? क्या वह उस शानदार प्रोडक्शन के भीतर उस लड़के की आवाज़ सुन सकता था जिसने कभी उसके बगीचे में गाया था?

फ्रेंकी को उस दृश्य की विशालता से चक्कर आने लगा और वह कब्रिस्तान की दीवार से टिक गया। जब उसने दीवार को छुआ, तो उसे अचानक भयानक यादों का सैलाब उमड़ आया, मानो गोलियों के वे निशान उसकी आत्मा में हज़ारों खामोश कहानियाँ चीख-चीख कर सुना रहे हों। उसे आभास हुआ कि उनमें से एक कहानी बफा की थी।

वह झटके से पीछे हट गया।

“फ्रांसिस्को?” उसे देखकर अरोरा ने कहा। “क्या तुम ठीक हो?”

वह लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ा, उसे गले लगाया और पूरे एक मिनट तक उसे थामे रहा। उसने देखा कि काई उसे प्यार से देख रही थी, एल्बम उसके मुँह से लगी हुई थी।

उस पल उसे एहसास हुआ कि यह छोटी बच्ची उसकी अपनी नहीं है, फिर भी जिस तरह से वह उसे देख रही थी, ठीक वैसे ही जैसे वह कभी बाफा रुबियो को देखता था - भोली आँखों से, विश्वास से, प्यार से, निश्चिंत होकर। उसे यह भी एहसास हुआ कि अगर वह मोटा सार्डिन बनाने वाला न होता, तो फ्रेंकी ने शायद कभी संगीत न सुना होता, कभी गिटार न सीखा होता, कभी उस गंजे कुत्ते को न जाना होता, या ऑरोरा से मिलने के लिए जंगल में न गई होती - और अगर ऐसा न हुआ होता, तो आज यह छोटी बच्ची न होती, जो उसका एल्बम पकड़े धूप में आँखें सिकोड़ रही होती।

उसने अपनी आँखें पोंछीं और अपने परिवार को पास के एक फव्वारे के पास ले गया। वे बैठ गए।

और उसने उन्हें अपने पिता के बारे में सब कुछ बता दिया।

53

अगर वे सब उस दिन चले गए होते, तो हमारी कहानी कुछ और होती। लेकिन अगर आपमें से कई लोग एक दिन पहले भी चले गए होते, तो आपके जीवन का परिदृश्य बदल जाता। आप अपने बीते हुए पलों को मिटा नहीं सकते। समय, संगीत की तरह, अमिट होता है।

फ्रैंकी, अरोरा और काई अरोरा की बहन से मिलने और फिर न्यूज़ीलैंड लौटने के लिए इंग्लैंड वापस जा रहे थे। होटल में अपनी आखिरी रात को फ्रैंकी ने एक जीवंत सपना देखा। उसने सपने में खुद को बाफा के पीछे-पीछे एक कपड़े धोने की जगह के ऊपर सीढ़ियों पर चलते हुए देखा। उसने बाफा को अपना माथा पोंछते और छोटे फ्रैंकी को गाने के लिए कहते हुए देखा। उसने एक दरवाजा खुलते देखा और पहली बार एक लंबे, दाढ़ी वाले व्यक्ति को काले चश्मे पहने हुए देखा।

और फिर सब लोग चले गए।

अगली सुबह, अरोरा की नींद खुली तो उसने देखा कि फ्रेंकी खिड़की के पास बैठा है।

“क्या हुआ?” उसने कहा।

मुझे यहां कुछ करना होगा।

तो हम यहीं रुकेंगे।

मुझे यह काम खुद ही करना चाहिए।

उसने अपनी निगाहें सिकोड़ लीं।

“सब ठीक है,” फ्रेंकी ने उसे आश्वस्त किया। “अपनी बहन के घर जाओ। तुम्हारे पास टिकट पहले से ही हैं। मैं कुछ दिनों में वहाँ पहुँच जाऊँगी।”

"वादा करना?"

"वादा करना।"

वह उन्हें हवाई अड्डे तक ले गया, उन्हें अलविदा कहते हुए चूमा, और फिर विलारियल वापस चला गया।

एल मेस्ट्रो को खोजने के लिए।

शायद आप सोच रहे होंगे कि ऐसा पहले क्यों नहीं हुआ? यह एक वाजिब सवाल है, क्योंकि फ्रेंकी अपने शिक्षक के बारे में सोचना कभी नहीं छोड़ता था। उसे हर हिदायत, हर डांट याद थी। हर बार जब वह गिटार उठाता, तो उसे एल मास्ट्रो का चेहरा, उनके बिखरे हुए काले बाल, उनकी बेतरतीब दाढ़ी, उनके काले चश्मे याद आ जाते। क्या वह अभी भी जीवित थे? वह कैसे दिखते होंगे? वह कैसे चलते होंगे? सत्तर साल का एक अंधा आदमी? क्या उन्हें वह बच्चा भी याद होगा जिसे उन्होंने अपने पास रखा था?

और फ्रैंकी के करियर के बारे में उनकी क्या राय होगी?

दरअसल, यही आखिरी सवाल था जिसने पूर्व छात्र को इतने लंबे समय तक दूर रखा था। अपनी तमाम सफलताओं, स्वर्ण रिकॉर्डों, संगीत कार्यक्रमों के बावजूद, फ्रैंकी को कभी-कभी इस बात पर शर्म आती थी कि उसने ये सब कैसे हासिल किया था। उस्ताद ने उसे संगीत की शुद्धता, गिटार बजाने के प्रति समर्पण और व्यर्थ की

बातों में उलझने के खतरों के बारे में उपदेश दिया था। फिर भी फ्रैंकी अपेक्षाकृत सरल गीतों से ही बेहद लोकप्रिय (और धनी) बन गया था। गिटार का तो कोई महत्व ही नहीं था। उसकी आवाज़ और आकर्षक रूप ही थे जिन्होंने उसे जनता के बीच लोकप्रिय बनाया। उसके नृत्य ने उसकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। फ्रैंकी को डर था कि उसने जो कुछ किया है, वह शायद उसके गुरु को भी घृणा उत्पन्न कर दे।

"तुमने मूर्खों जैसा व्यवहार क्यों किया?" वह उसे कहते हुए सुन सकता था। शोहरत या दौलत की कोई भी मात्रा उस भावना को कम नहीं कर सकती थी। एल मास्ट्रो के कपड़े धोने की जगह के ऊपर बने छोटे से फ्लैट में बिताया गया समय ही फ्रैंकी को मेरी सादगी भरी सुंदरता और मेरे मधुर मोहक आकर्षण के सबसे करीब लाया था। उससे दूर होकर, उसे डर था कि वह एल मास्ट्रो की कृपा से भी दूर हो गया है।

यह बात मैं अवश्य ही बताना चाहूंगा कि गुरु और शिष्य के बीच अक्सर ऐसा ही रिश्ता होता है। मेरे फ्रांसीसी संगीतकार हेनरी डुपार्क को ही लीजिए, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में अपने जन्म के समय से ही मुझ पर गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने कुछ प्रेरणादायक रचनाएँ कीं, जिनमें ऑर्केस्ट्रा और गायन का सुंदर मिश्रण था। फिर भी वे अपने गुरु, जर्मन संगीतकार रिचर्ड वैगनर का इतना आदर करते थे कि 1885 में, जब डुपार्क मात्र सैंतीस वर्ष के थे, उन्होंने रचना करना पूरी तरह से बंद कर दिया और अंततः अपनी सभी रचनाओं को नष्ट कर दिया, अपनी प्रतिलेखों को जला दिया, क्योंकि उन्हें विश्वास था कि वे उस व्यक्ति के योग्य नहीं थीं, जिन्हें वे अपना आदर्श मानते थे।

एक शिक्षक की छाप जीवन भर बनी रह सकती है। बेशक, फ्रैंकी को यह पता नहीं था कि यही शिक्षक उसका पिता भी था। और न ही उसे यह पता था कि अब जब वह उसे खोजेगा, तो उसे जो मिलेगा वह उसे पसंद नहीं आएगा।

इसके बजाय, वह जल्दी उठा, होटल में एक एस्प्रेसो पी और गलियों से होते हुए अपने परिचित रास्ते पर चल पड़ा, एक ऐसा सफर जो वह अक्सर एक हरी गाड़ी और एक बड़े गिटार के साथ किया करता था। कितनी बार वह इस रास्ते पर टोपी और शॉर्ट्स पहने, बड़बड़ाते हुए, वह जानकारी देता रहा होगा जो उसे यकीन था कि उस्ताद ज़रूर मांगेंगे? "वह रचना किस संगीतकार ने लिखी है? ... फ्लेमेंको में रासगुएडो तकनीक क्या है?" फ्रैंकी के हर कदम के साथ वे यादें उमड़ रही थीं। वह अपनी

धड़कन को उस घबराए हुए छात्र की तरह तेज़ होते हुए महसूस कर सकता था जो वह कभी हुआ करता था।

लेकिन जब वह क्रिस्टा सेनेगल स्ट्रीट पर मुड़ा, तो उसका शरीर ढीला पड़ गया। लॉन्ड्री गायब हो चुकी थी, उसकी जगह पार्किंग के लिए P चिह्न वाली एक चौकोर ऑफिस बिल्डिंग खड़ी थी। नीले शटर नहीं थे। चढ़ने के लिए सीढ़ियाँ भी नहीं थीं। बस एक कांच का प्रवेश द्वार और पीले गेट वाला गैरेज था।

ऐसा लग रहा था मानो किसी ने उसकी याददाश्त को बुलडोजर से कुचल दिया हो।

फ्रेंकी फुटपाथ पर बैठ गया। उसे अपनी गर्दन पर सुबह की धूप महसूस हो रही थी। वह इतनी जल्दी हार नहीं मान सकता था। और कहाँ? उसने सोचा। बस पिछले दिन ही तो वे इस कोने से दूर गए थे। उसने अपने मन में अपने आखिरी पड़ावों को याद किया, लेकिन उसे दुकानों, रेस्तरां या यहाँ तक कि उस गिटार बनाने वाले का भी पता नहीं चल रहा था जिसने एल मास्ट्रो को वह वाद्य यंत्र दिया था जिसे फ्रेंकी आज भी बजाता है।

लेकिन उसे तंबू याद था।

उसे आश्चर्य हुआ कि क्या वह अभी भी वहीं है।

“आपका मतलब है, एक अंधा आदमी?”

“हाँ। लंबा। काले बाल।”

“नहीं, महोदय। मुझे याद नहीं है।”

"बहुत समय पहले की बात है।"

"उस समय मेरे पिता मालिक थे।"

"क्या वह अभी भी जिंदा है?"

“नहीं, महोदय—”

“मेरे लिए इस आदमी को ढूंढना बहुत जरूरी है—”

लेकिन आप जाने-पहचाने लग रहे हैं।

"कि कोई फर्क नहीं पड़ता है।"

“रुको… तुम अमेरिकी हो। अभिनेता!”

"नहीं-"

“गायक?”

फ्रेंकी ने अपने होंठ सिकोड़ लिए।

“अरे! मैं सही हूँ? हाँ?”

"हाँ।"

आपका नाम प्रेस्टो है।

"हाँ।"

“क्या आप यहीं के रहने वाले हैं, महोदय?”

"एक बालक की तरह।"

“विलारियल?”

"हाँ।"

मुझे यह बात पता नहीं थी।

मेरा नाम अलग था।

“इसीलिए तो स्पैनिश बोलनी चाहिए! कमाल है!”

मालिक ने कुर्सियाँ लगा रहे अपने बारटेंडर पर चिल्लाया। बर्तन धोने वाले ने भी ऊपर देखा। खबर सुनकर दोनों ने सहमति में सिर हिलाया।

“ ‘मैं तुमसे प्यार करना चाहता हूँ,’ ” बारटेंडर गरजते हुए बोला। “ ‘मैं सच्चा रहूँगा…’ ”

उसका लहजा किसी की खराब नकल जैसा लग रहा था। फ्रेंकी ने जबरदस्ती मुस्कुराने की कोशिश की।

“महोदय, क्या आप हमारे मंच पर प्रस्तुति देकर हमें सम्मानित करेंगे?”

“खेल रहे हो?” फ्रेंकी ने कहा।

“कल रात। शुक्रवार को हमारे यहाँ बड़ा बैंड आता है। वे आपको शामिल करके बहुत खुश होंगे।”

मैं यहाँ खेलने नहीं आया हूँ—

“आप हमारे मेहमान होंगे—”

मैं तो बस यही चाहता था कि—

“तुम यहाँ बचपन में आए थे—”

“हाँ, लेकिन—”

“तुम एक पुरुष बनकर लौटते हो! एकदम सही है, है ना?”

फ्रेंकी ने गहरी साँस ली। उसने अभी-अभी खुले हुए बार में चारों ओर नज़र डाली, जहाँ कुर्सियाँ मेजों से हटाई जा रही थीं। जगह में हल्की रोशनी थी और शराब व ब्लीच की गंध आ रही थी। फ्रेंकी ने यह ज़िक्र नहीं किया कि वह यहाँ पहले भी एक बार परफॉर्म कर चुका था। या यह कि उसे वह सब अच्छी तरह याद था। हर बार जब वह स्टेज पर कदम रखता, तो उसे वह सब महसूस होता। तालियों की गड़गड़ाहट जो हूटिंग में बदल जाती थी। गिलास पटकने की आवाज़। और जिस तरह से एल मास्ट्रो ने उसे झुककर अभिवादन करने के लिए मजबूर किया था।

शायद उसे खेलना चाहिए, उसने सोचा। इस जगह पर कुछ ऐसी बुरी शक्तियां छिपी थीं जिन्हें वह लंबे समय से शांत करने की कोशिश कर रहा था। उसने अपने पिता की यादों के साथ एक तरह से शांति स्थापित कर ली थी। क्या अब उस आखिरी रात के साथ भी ऐसा ही करने का समय आ गया था?

उन्होंने कहा, "मैं इस बारे में सोचूंगा।"

“ज़रूर आइएगा,” मालिक ने जवाब दिया। “हम आपके लिए एक विशेष भोजन तैयार करेंगे। स्वादिष्ट खाना, पेय पदार्थ और संगीत।”

"क्या कोई और है जो उस व्यक्ति को जानता हो जिसकी मुझे तलाश है?"

मालिक ने अपनी ठुड्डी खुजाई। "शायद संगीतकार। उनमें से कुछ काफी उम्रदराज हैं। इस तरह उन्हें कम पैसे मिलते हैं, है ना?"

वह मुस्कुराया और संतरे के रस का गिलास उठाते हुए बोला, "आपकी वापसी पर बधाई, महोदय!"

फ्रेंकी ने सिर हिलाया और दरवाजे से बाहर निकल गया।

उसी दिन बाद में, फ्रैंकी अपने शिक्षक के बारे में जानकारी लेने के लिए विलारियल नगर पालिका गए। उन्हें एक फॉर्म भरना पड़ा और बताया गया कि जवाब आने में कई दिन लगेंगे। जब फ्रैंकी ने बताया कि एल मास्ट्रो एक गिटारवादक थे, तो उन्हें जैसिंटो नाम के एक गोल चेहरे वाले व्यक्ति के पास भेजा गया, जो सांस्कृतिक प्रतिनिधि के

रूप में कार्यरत थे। जैसिंटो ने कहा कि उन्हें किसी नेत्रहीन गिटार शिक्षक की याद नहीं है, लेकिन उन्होंने फ्रैंकी को प्रिय गिटारवादक फ्रांसिस्को टार्रेगा को समर्पित एक कमरा दिखाने की पेशकश की। वहाँ तस्वीरें, पत्र, संगीत की शीट और प्लास्टर की वह विशाल प्रतिमा थी जिसे कभी सैन फेलिक्स की सड़कों पर घुमाया जाता था। वहाँ कांच के बक्सों में टार्रेगा के कई प्रिय गिटार भी रखे थे, जिनमें वह पहला गिटार भी शामिल था जिसे उन्होंने आदरणीय एंटोनियो डी टोरेस जुराडो से बनवाया था, जो उन्नीसवीं सदी के प्रसिद्ध वाद्य यंत्र निर्माता थे, जिनसे आज के अधिकांश ध्वनिक गिटारों की उत्पत्ति मानी जा सकती है।

फ्रेंकी ने देखा कि यह क्षतिग्रस्त था, इसमें दरारें और दाग थे जिनकी मरम्मत नहीं की गई थी।

“क्या आपको इस गिटार की कहानी पता है?” फ्रेंकी ने जैसिंटो से पूछा।

“जी हां, महोदय,” उस व्यक्ति ने प्रस्तुति देने के अंदाज़ में सीधे खड़े होते हुए कहा। “यह तारेगा के पसंदीदा वाद्ययंत्रों में से एक था। उन्होंने इसे बीस साल तक बजाया। जब अत्यधिक उपयोग के कारण उन्हें इसे बदलना पड़ा, तो उन्होंने इसे ठीक करने के लिए एक कारीगर की तलाश की। कई प्रयासों के बाद, वह कारीगर सफल हुआ।”

"और?"

“टारेगा और उनका गिटार फिर से मिल गए।”

"तो क्या वह मरने से पहले इसे वहीं छोड़ गया था?"

“जी हां और ना, महोदय। तारेगा ने गिटार अपने परिवार को दे दिया था, लेकिन समय के साथ उनके भाई विन्सेंटे ने इसे बेच दिया। उन्हें लगा कि वे इसे प्रसिद्ध संगीतकार डोमिंगो प्रैट को बेच रहे हैं, जो तारेगा के शिष्य थे और ब्यूनस आयर्स में रहते थे। इसलिए उन्होंने इसे एक जहाज पर लादकर दक्षिण अमेरिका भेज दिया।”

लेकिन जब यह वहां पहुंचा, तो यह महान डोमिंगो प्रैट के पास नहीं गया। बल्कि, यह एक दस साल की लड़की के पास गया। वर्षों बीतने के साथ, यह जर्जर अवस्था में चला गया।

“दक्षिण अमेरिका में?” फ्रेंकी ने कहा।

"हाँ।"

यह यहाँ वापस कैसे आया?

“टारेगा के एक पूर्व छात्र ने इसे वर्षों बाद ब्यूनस आयर्स में एक घर में सोफे पर पड़ा हुआ पाया। उसने इसे स्पेन वापस लाने की व्यवस्था करने में मदद की।”

फ्रेंकी ने गिटार को गौर से देखा, जिसके गर्दन के पास बॉडी में एक दरार थी, और साउंड होल को फ्रेम करने वाले रोसेट के कुछ हिस्से गायब थे।

“उसने ऐसा करने की जहमत क्यों उठाई? यह तो टूटा हुआ है।”

“बिल्कुल वैसे ही, महोदय,” उस व्यक्ति ने कहा। “इसे वहीं वापस जाना चाहिए जहाँ इसने अपना सर्वश्रेष्ठ संगीत दिया था, है ना?”

फ्रेंकी उस वाद्ययंत्र को टकटकी लगाकर देखता रहा। काश, उस्ताद उसे देख पाते या उससे भी बेहतर, जब वह सही-सलामत था, तब उसे बजा पाते। महान फ्रांसिस्को तारेगा से जुड़ा हुआ? उन्हें कितना अच्छा लगता! फ्रेंकी ने जैसिंटो को धन्यवाद दिया और इमारत से बाहर निकल गया। लेकिन बाकी दिन वह उस गिटार की यात्रा के बारे में सोचता रहा: यहीं बना, नाव से भेजा गया, गलत जगह पहुँच गया, इधर-उधर पटका गया, और अब अपनी जन्मभूमि पर लौट आया।

इसे वापस वहीं जाना चाहिए जहां इसने अपना सर्वश्रेष्ठ संगीत दिया था।

उसने फैसला किया कि वह तबर्ना में संगीत बजाएगा। अपने शिक्षक का सम्मान करने के लिए।

और, यदि संभव हो तो, उसे बुलाना।

संगीत जगत में घर वापसी कभी भी अप्रत्याशित नहीं होती। कुछ बेहद सफल होती हैं (जैसे रॉक संगीतकार ब्रूस स्प्रिंगस्टीन का न्यू जर्सी में प्रदर्शन), कुछ सुखद और दुखद दोनों होती हैं (जैसे रूसी पियानोवादक व्लादिमीर होरोविट्ज़ का साठ वर्षों के निर्वासन के बाद मॉस्को लौटना), और कुछ, सच कहें तो, उम्मीदों पर खरी नहीं उतरतीं।

फ्रेंकी की घर वापसी का इंतज़ाम जल्दबाज़ी में किया गया था, इसलिए भीड़ में ज़्यादातर नियमित लोग ही थे। फिर भी, फ्रेंकी को उम्मीद थी कि यह बात फैल जाएगी; अगर एल मास्ट्रो ज़िंदा होते, तो शायद उन्हें पता चल जाता कि उनका शिष्य लौट आया है। विलारियल अभी इतना बड़ा शहर नहीं था, है ना?

वह गिटार लेकर समय से पहले ही पहुँच गया। बाहर मोटरसाइकिलों की कतार के

पास कुछ लोग सिगरेट पी रहे थे। अंदर जाकर उसने देखा कि मंच पहले से ज़्यादा चौड़ा हो गया था, और धीरे-धीरे आ रहा बैंड नौ सदस्यों का था, जिनमें अधेड़ से लेकर काफी उम्रदराज संगीतकार शामिल थे। फ्रैंकी ने बैंड लीडर, एक पतले हाथों वाले पियानो वादक के साथ गानों पर चर्चा की। चालीस साल पहले के विपरीत, अब स्पेन में विदेशी गाने आम तौर पर गाए जाते थे, और फ्रैंकी द्वारा चुने गए हर गाने पर वह व्यक्ति सिर हिलाता रहा।

फ्रेंकी ने कई तरह की सामग्री चुनी। इस जगह की बुरी यादों को मिटाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, उसने अपनी कुछ रचनाएँ, जैसे "आई वांट टू लव यू" और "आवर सीक्रेट", साथ ही "सेंट लुइस ब्लूज़", "टाइगर रैग" और जैंगो रेनहार्ड्ट का "परफ्यूम" जैसे वाद्य संगीत, और एल मेस्ट्रो के इस मंच पर अंतिम प्रदर्शन से उसे याद आने वाले सभी गाने चुने।

लोग धीरे-धीरे अंदर आए। सीटें भर गईं। पेय पदार्थों का ऑर्डर दिया गया। बत्तियाँ बुझ गईं।

बहुत कम लोगों ने ध्यान दिया कि भारी वस्त्र पहने एक व्यक्ति पीछे की कुर्सी पर बैठ गया।

मालिक ने फ्रैंकी का जोशपूर्ण परिचय कराया, जिस पर दर्शकों ने शालीनता से तालियाँ बजाईं, लेकिन जैसे-जैसे फ्रैंकी पिछली रात की यादों में खोते गए, तालियाँ और भी तेज़ होती गईं। उन्होंने एलिंगटन, शुमान और तारेगा की रचनाएँ उसी तरह बजाईं जैसे उस्ताद ने उन्हें सिखाई थीं, मानो अपने पुराने गुरु को पाने के बाद उनकी आत्मा को फिर से जीवंत करना ही सबसे अच्छा विकल्प हो। उन्होंने कई फ्लेमेंको धुनें प्रस्तुत कीं, जिससे स्पेनिश दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। जब उन्होंने अपने प्रसिद्ध गीत गाए, तो दर्शकों ने खुशी से तालियाँ बजाईं, यह देखकर कि इन रिकॉर्ड्स को बनाने वाला व्यक्ति वास्तव में विलारियल में मौजूद है।

फ्रेंकी ने एक पल भी आराम नहीं किया। वह मंच से नीचे नहीं उतरा। पेय पदार्थ परोसे जाते रहे, सिगरेटें पी जाती रहीं। लगभग दो घंटे तक, गिटारवादक का संगीत और भी तीखा होता चला गया। एक पुरानी जोटा धुन। मडी वाटर्स का ब्लूज़।

अपने आखिरी प्रदर्शन के लिए, उन्होंने एक बहुत ही खास गीत चुना: "एवलॉन।" यह पहली बार था जब उन्होंने 1945 में इसी मंच पर दर्शकों के सामने इसे प्रस्तुत किया था, और यह एकमात्र रचना थी जिसे उन्होंने अपने प्रिय शिक्षक के साथ प्रस्तुत

किया था।

जैसे ही उसने पहले सुर बजाने शुरू किए, उसके माथे से पसीने की बूँदें टपकने लगीं। उसने कल्पना की कि एल मास्ट्रो उसके बगल में बैठे हैं, पुराने शब्द फुसफुसा रहे हैं, उसे प्रोत्साहित कर रहे हैं।

"गीत गाओ।"

लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता।

"क्यों नहीं?"

"मुझे डर लग रहा है।"

"हाँ। और तुम फिर से डर जाओगे। पूरी जिंदगी। तुम्हें इस डर पर काबू पाना होगा। उनका सामना करो और ऐसा दिखावा करो कि वे हैं ही नहीं।"

"मास्ट्रो—"

"तुम कर सकते हो। हमेशा याद रखना कि मैंने कहा है कि तुम कर सकते हो।"

जैसे ही बैंड उसके पीछे-पीछे चलने लगा, फ्रेंकी ने देखा कि भीड़ के सिर हिल रहे थे और उंगलियां थिरक रही थीं। धुन तेज़ होती गई और कुछ लोग तालियां बजाने लगे। फ्रेंकी ने गाया:

मुझे एवलॉन में अपना प्यार मिल गया
खाड़ी के किनारे,
मैंने अपने प्यार को एवलॉन में छोड़ दिया
और वे रवाना हो गए।

उसने मालिक की ओर देखा, जो बाकी लोगों के साथ ताली बजा रहा था।

मैं एवलॉन में उसके सपने देखता हूँ
शाम से सुबह तक
तो मुझे लगता है कि मैं यात्रा जारी रखूंगा।
एवलॉन के लिए।

हालांकि उसके मन का एक हिस्सा इतिहास के दोहराव के लिए तैयार था, लेकिन

इस बार कोई विरोध नहीं था, केवल उत्साह था, और फ्रेंकी खुद को इधर-उधर देखते हुए पा रहा था, इस भ्रमपूर्ण उम्मीद में कि वह एल मास्ट्रो को किसी मेज पर बैठा देखेगा, अपने काले चश्मे के पीछे से मुस्कुराते हुए, मुंह में सिगरेट लटकाए हुए। गहराई में, यह वर्षों से उसकी इच्छा थी, वह वही चाह रहा था जो हर छात्र अपने प्रिय शिक्षक से बेसब्री से चाहता है: अंतिम स्वीकृति।

ऐसा नहीं हुआ। फ्रेंकी ने अपना जोशीला एकल प्रदर्शन पूरा किया और फिनिश लाइन पार करते हुए धावक की तरह अंतिम बोल तक पहुँच गया। उसने तीन सुर लगाकर इसे समाप्त किया, आखिरी सुर भीड़ में गूंज उठा, और उसने अपना सिर झुका लिया। मालिक उछल पड़ा और बाकी लोग भी उसके पीछे खड़े हो गए, और ज़ोरदार तालियों के साथ उसकी सराहना करने लगे।

फ्रेंकी धीरे से उठा और अपना गिटार ऊपर उठाया। उसे टारेगा का खोया हुआ वाद्य यंत्र याद आया और अचानक उसके मन में अपने जीवन की सबसे गहरी इच्छा जाग उठी: अपने पुराने गुरु को एक बार फिर देखने की।

इसके बजाय उन्हें तालियों की गड़गड़ाहट मिली। उन्होंने जबरदस्ती मुस्कुराया। घर वापसी कभी भी अप्रत्याशित नहीं होती। और जब आपको लगे कि आप तालियों के लायक नहीं हैं, तो तालियों की गड़गड़ाहट से ज्यादा खोखली कोई चीज नहीं होती।

संगीत संयोजक का काम बेहद कठिन होता है, उन्हें वाद्ययंत्रों को एक मधुर संयोजन में ढालना होता है। फ्रेंकी की कहानी में आगे क्या हुआ, इसे सबसे अच्छे तरीके से व्यवस्थित ध्वनियों की एक श्रृंखला के रूप में बताया जा सकता है, जो एक चरम बिंदु तक पहुँचने के लिए एक साथ जुड़ती हैं।

फ्रेंकी का शो खत्म होते ही जोरदार तालियां बज उठीं, मानो वायलिन की मधुर ध्वनि गूंज रही हो। फिर दर्शकों के बीच शो को लेकर चल रही बातचीत की गूंज सुनाई दी। बैंड के सदस्यों के अपने हॉर्न और सिम्बल समेटने की आहट सुनाई दी, और फ्रेंकी ने अपने पुराने प्रशंसकों के लिए धीरे-धीरे ऑटोग्राफ दिए, जिन्हें उनके रिकॉर्ड याद थे।

मालिक की उत्साहपूर्ण भारी आवाज़ सुनाई दी, जिसमें फ्रेंकी को कभी भी वापस आने के लिए कहा गया था। फ्रेंकी और कई संगीतकारों के बीच पियानो की थालियों

की गुदगुदी जैसी मधुर आवाज़ें गूंज रही थीं, और एक अंधे व्यक्ति के बारे में सवाल उम्मीद से उठते और निराशा में डूबते जा रहे थे, जैसे बांसुरी की धीमी धुन।

बाद में, जब वह जगह लगभग खाली हो गई, तो पीछे का दरवाजा चरमराते हुए खुलने की आवाज आई जब फ्रेंकी उस गली में दाखिल हुआ जहां वह एक बार कार में भाग निकला था।

और अंत में, माचिस जलाने की आवाज़।

“मैं तुम्हें जानता हूँ,” स्पेनिश में एक आवाज आई।

फ्रेंकी ने सिगरेट के सिरे की नारंगी चमक देखी।

आप मुझे कैसे जानते हैं?

“वो गाना। मैंने उसे कई सालों से नहीं सुना। लेकिन मैं उसे कभी नहीं भूल सकता। तुम फ्रांसिस्को हो।”

"और आप कर रहे हैं?"

"पिया हुआ।"

“आपका नाम क्या है, महोदय?”

“तुम मुझे नहीं जानते? मैं तो पूरी रात तुम्हारे साथ स्टेज पर परफॉर्म कर रहा था। पीछे की तरफ।”

एक बूढ़ा आदमी लड़खड़ाते हुए अंधेरे से बाहर निकला, स्पष्ट रूप से नशे में था। उसके बाल कम घने और घुंघराले सफेद थे। उसके कंधे एक ढीली जैकेट के नीचे झुके हुए थे।

उन्होंने कहा, "कोंगा।"

फ्रेंकी ने उत्सुकता से अपना सिर झुकाया। बूढ़े आदमी ने अपनी उंगलियों को अपने होठों पर रखा।

“सालों पहले, मैं मूंछें रखता था। देखा?”

उसने अपना हाथ नीचे कर लिया।

मैं अल्बर्टो हूँ।

फ्रेंकी की आंखें चौड़ी हो गईं। "अल्बर्टो," उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"हाँ।"

“कल रात तुम हमारे साथ गाड़ी चला रहे थे...”

“मैंने किया।”

फ्रेंकी को लगा कि उसका दिल तेजी से धड़क रहा है।

“अल्बर्टो, कृपया, मैं एल मास्ट्रो को ढूंढ रहा हूँ। मेरे शिक्षक—आपके मित्र। वे —”

मैं जानता हूँ कि वह कौन है।

"क्या आपको पता है वह कहां है?"

अल्बर्टो ने फ्रेंकी के चेहरे को गौर से देखा।

"हाँ।"

“क्या वह जीवित है?”

"नहीं।"

फ्रेंकी को लगा जैसे उसका पेट अंदर धंस गया हो।

“उनकी मृत्यु कब हुई?”

“यह खेल बंद करो। तुम सच जानते हो।”

"क्या सच्चाई?"

अल्बर्टो ने अपनी सिगरेट नीचे गिरा दी। उसने एक गहरी सांस ली और सीधा खड़े होने की कोशिश की।

“तुम चाहते हो कि मैं ये कहूँ? ठीक है। मैंने उसे मार डाला।”

फ्रेंकी ने निगल लिया।

"आपका क्या मतलब है?"

“मेरा मतलब क्या है?” अल्बर्टो ने नज़रें फेरते हुए कहा। “मेरा मतलब क्या है? तुम चाहते हो कि मैं इसे ढोल की खाल पर बजाऊँ? मैंने उसे मार डाला। इसीलिए तो तुम यहाँ हो। मेरे साथ खेलना बंद करो। बात खत्म करो।”

फ्रेंकी को अपने भीतर कंपन महसूस हो रहा था, मानो उसकी आत्मा उसके शरीर से अलग होने लगी हो। जब वह बोलता था, तो उसके फेफड़ों तक हवा नहीं पहुँच पाती थी, और उसकी आवाज़ अब उसकी अपनी आवाज़ जैसी नहीं लगती थी।

"अपने आप को समझाओ, सीनियर अल्बर्टो।"

अल्बर्टो ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।

“तुम्हें किसी ने नहीं भेजा?”

"मुझे भेजा?"

"उसकी मौत का बदला लेने के लिए।"

"मैं नहीं समझता।"

“मैंने उसे समुद्र में धकेल दिया। तुम्हारे जहाज के रवाना होने के ठीक बाद।”

"लेकिन क्यों-"

“पैसे। पैसों से भरा एक थैला। एक हफ्ते बाद वो मुझसे चोरी हो गया।” उसका सिर झुक गया। “तो अब तुम्हें पता चल गया।”

लेकिन तुम उसे पसंद करती थी।

“मैंने किया।”

“उन्होंने आप पर भरोसा किया था...”

“एक गलती।”

“पैसों के लिए?” फ्रेंकी ने फुसफुसाते हुए कहा।

“हाँ। हाँ! मैं चोर हूँ! ठीक है?” जब उसने ये कहा, तो वो हारा हुआ सा लग रहा था, उसकी आवाज़ काँपती हुई भारी सी थी। लेकिन फिर वो गुस्से से भर उठी, शराब और सालों के अपराधबोध से भरी हुई। वो लड़खड़ाने लगा। “पैसे के लिए! पैसे के लिए!”

उसने अपने कोट के नीचे हाथ डाला और एक बंदूक निकाली। उसने बंदूक सीधे फ्रैंकी की छाती पर तान दी।

"मुझे अपना दो!"

"कृपया नहीं-"

“मुझे दे दो! अगर तुम बदला नहीं लोगे, तो मैं तुम्हारा सब कुछ छीन लूंगा। मुझे अपना पैसा दे दो। वरना शायद मैं तुम्हें भी मार डालूंगा।”

फ्रेंकी ने अपने हाथ ऊपर उठाए। उसने अपनी उंगलियां खोलीं। लैंप की रोशनी में, अल्बर्टो ने फ्रेंकी की बाईं हथेली पर पड़े निशानों को देखा। वह झुककर देखने लगा और पलकें झपकाईं।

“फ्रांसिस्को, तुमने अपने साथ क्या किया?” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “तुम इस तरह कैसे खेल सकते हो?...”

फ्रेंकी ने उसकी बांह पकड़ी और झट से ऊपर की ओर खींच ली। बूढ़ा आदमी

लड़खड़ा रहा था और फ्रेंकी की ताकत का मुकाबला नहीं कर पा रहा था। उसने बंदूक गिरा दी। बंदूक फुटपाथ पर जा गिरी। उसने फ्रेंकी की कमीज का कॉलर मुट्ठी में कसकर पकड़ लिया।

"मुझे मार डालो, फ्रांसिस्को।" उसकी आवाज़ गहरी विनती थी, और उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे। "चालीस साल, मैं इस पाप के साथ जी रहा हूँ। चालीस साल, मैं सोचता हूँ कि क्या उस्ताद मेरे पास आएगा। अपना बदला लो! अभी!"

फ्रेंकी अल्बर्टो के चेहरे को घूर रहा था, उसकी रोती हुई आँखें, उसके सड़े हुए दाँत। उसे लगा जैसे उसका दिमाग तेज़ी से दौड़ रहा हो। क्या यही उसका जवाब था? क्या एल मास्ट्रो अब नहीं रहे? क्या एक रोते हुए कोंगा वादक ने उस सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मार डाला जिसे वह जानता था?

मेरे शिष्य के मन में एक खामोश गुस्सा उमड़ आया। उसने बूढ़े आदमी को धक्का देकर खुद को दूर कर लिया।

"कुछ नहीं?" अल्बर्टो ने कहा। वह नशे में लड़खड़ाते हुए चला गया। "तो अलविदा, बेवकूफ लड़के।"

फ्रेंकी घूरता रहा।

श्रीमान अल्बर्टो।

"बेवकूफ...बेवकूफ..." आदमी बुदबुदाया।

श्रीमान अल्बर्टो...

फ्रेंकी ने बंदूक उठा ली। अल्बर्टो मुड़ा। फ्रेंकी ने बंदूक की नली ऊपर उठा रखी थी।

अल्बर्टो उसकी ओर दौड़ा।

नहीं, फ्रांसिस—!

फ्रेंकी ने तीन बार गोली चलाई।

अल्बर्टो बुरी तरह गिर पड़ा।

फ्रेंकी ने स्तब्ध होकर बंदूक नीचे गिरा दी। उसके मुंह से धुएं का एक हल्का सा गुबार निकला, जो संगीत के स्टैंड के आकार का था।

तंबू के अंदर, एक पुराना गिटार दीवार से टिका हुआ था, जिसका पांचवां तार अब नीले रंग का धधक रहा था।

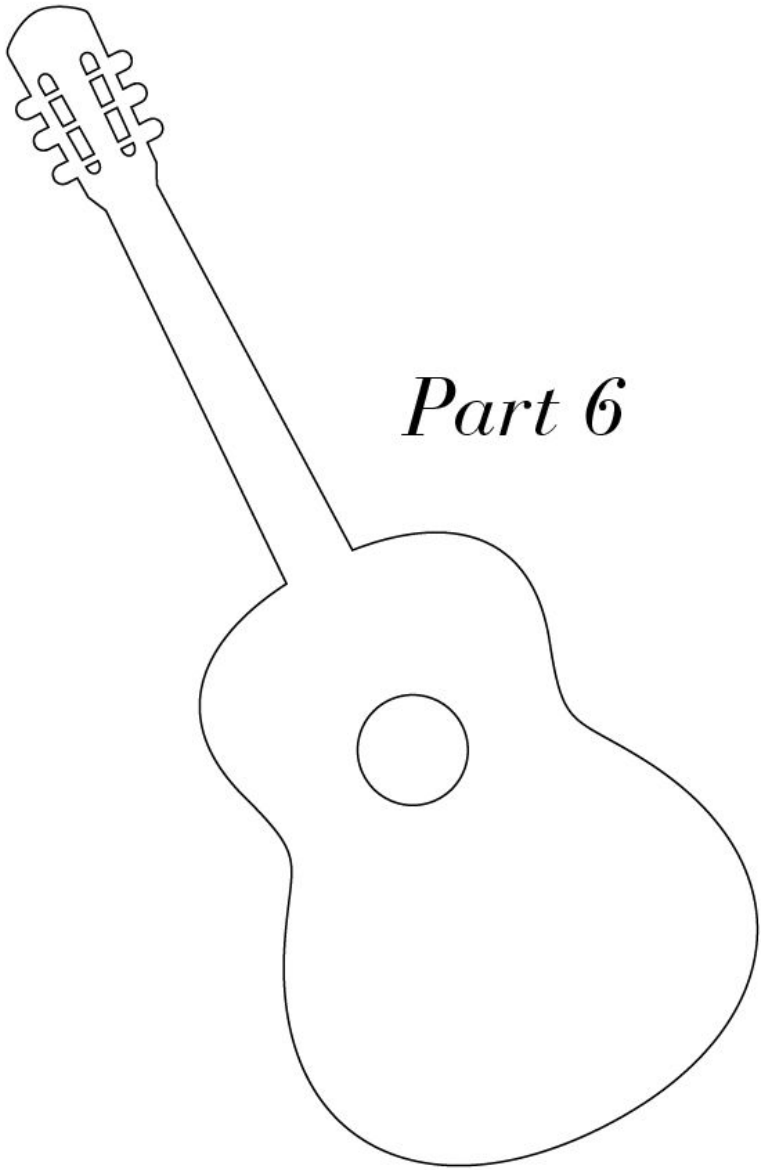

Part 6

54

1943

[redacted]

“मास्ट्रो?”

"यह क्या है?"

मैंने कुछ गलत किया है।

"क्या?"

"मेरी एक डोरी टूट गई है।"

क्या तुम अपना गिटार फेंक रहे थे?

“नहीं, स्वामी।”

"क्या आप इसे खिलौने की तरह इस्तेमाल कर रहे थे?"

“नहीं, स्वामी।”

“तुमने इसे कैसे तोड़ा?”

मैं अभ्यास कर रहा था।

“क्या तुम अपने सुर और अभ्यास करोगे? या फिर उन बेवकूफी भरे गानों से दूर रहने की चेतावनी दी थी?”

“बेवकूफी भरे गाने नहीं।”

तो आप सही काम कर रहे थे?

जी हां, उस्ताद।

और एक बुरी घटना घटित हुई।

जी हां, उस्ताद।

मुझे गिटार दो।

"यहाँ, उस्ताद।"

हम आपके नुकसान की भरपाई करेंगे।

जी हां, उस्ताद।

“ट्यूनिंग पेग में नया तार लगाने में मेरी मदद करो...”

“अब यह पूरा हो गया है, उस्ताद।”

"और तुमने इसे बांध दिया?"

जी हां, उस्ताद।

“अब ध्यान से सुनो कि तार को कैसे ट्यून किया जाता है। तार पहले नीचे होता है। लेकिन जब आप खूंटी को घुमाते हैं, तो तनाव के कारण वह ऊपर उठता है।”

“मैं समझ गया, उस्ताद।”

“आप तब तक घुमाते रहिए जब तक कि ऐसी आवाज़ न आए... सुना आपने?... इसी तरह एक नया तार अपनी जगह पाता है।”

"अगर आप लगातार घूमते ही रहें तो क्या होगा?"

“रस्सी टूट जाएगी। फ्रांसिस्को, तुम चीजों से वह काम करने की उम्मीद नहीं कर सकते जो उनके लिए नहीं बना है। आखिरकार, वे टूट ही जाएंगी।”

“मास्ट्रो?”

"हाँ?"

मैंने एक बुरा काम किया।

"तुमने मुझे यह बताया है।"

“मैं अपने व्यायाम नहीं कर रहा था। मैं तब तक खूंटी घुमाता रहा जब तक कि रस्सी टूट नहीं गई।”

तो तुमने मुझसे झूठ बोला?

जी हाँ, उस्ताद...

और तुमने रस्सी भी तोड़ दी।

जी हां, उस्ताद।

और अब आपको अपराधबोध हो रहा है।

मुझे खेद है, उस्ताद... मुझे खेद है...

रोओ। तुम्हें रोना चाहिए। उस झूठे लड़के की तरह रोओ जो तुम हो।

विंटन मार्सलिस

ट्रम्पेट वादक, संगीतकार, ग्रैमी पुरस्कार विजेता; जैज़ एट लिंकन सेंटर के कलात्मक निर्देशक

फ्रैंकी प्रेस्टो तीन साल तक चुप रहे। कितने संगीतकार ऐसा कह सकते हैं? तीन साल, यार। एक शब्द भी नहीं। बस एक मठ में गिटार बजाते रहे। वहीं मेरी उनसे मुलाकात हुई। उन्होंने मुझे पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। संगीत सीखने की कुंजी विनम्रता है, समझे? अगर आप चाहते हैं कि मैं फ्रैंकी प्रेस्टो के बारे में बात करूं, तो मुझे इसी से शुरुआत करनी होगी। मेरा मतलब है, तीन साल तक चुप रहना एक बहुत ही दुर्लभ विनम्रता है।

स्पेन? जी हाँ। मैं यहाँ अक्सर आता हूँ। मैंने विटोरिया में एक फेस्टिवल के लिए बारह साल लगाकर एक रचना लिखी थी—स्पेनिश संगीत और अमेरिकी ब्लूज़ का मिश्रण—और जब वह पूरी हुई, तो उन्होंने मेरी एक मूर्ति बना दी। सच कह रहा हूँ। एक मूर्ति। यहाँ के लोग जैज़ संगीत के दीवाने हैं।

लेकिन मेरी पहली यात्रा 1987 में हुई थी, और मैं उसे कभी नहीं भूलूंगा। उसी समय मेरी मुलाकात फ्रैंकी से हुई। हमने कुछ शो किए थे और बार्सिलोना वापस जा रहे थे, तभी मेरी नज़र पहाड़ियों पर बने इस महल पर पड़ी। अनुवादक ने बताया कि यह एक मठ है। उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं इसे देखना चाहता हूँ। मैंने कहा, बिल्कुल। मैं न्यू ऑरलियन्स से हूँ। वहाँ हर दिन भिक्षुओं को घूमते हुए देखना आम बात नहीं है।

वाह, यह जगह तो बेहद खूबसूरत थी। नौ सौ साल पुरानी। वास्तुकला, पत्थर, हल्का गुलाबी, फीका सुनहरा रंग, आज के ज़माने में ऐसी चीज़ें कहीं देखने को नहीं मिलतीं। और सच में, यहाँ एकदम सन्नाटा था। एकदम खामोशी। मैं इधर-उधर भटक गया, थोड़ा रास्ता भी भटक गया। जब ऐसी खामोशी होती है, तो मुझे टहलना और नए विचार आना अच्छा लगता है।

अचानक मुझे संगीत सुनाई दिया। मैंने मन ही मन सोचा, "मैं पागल हो गया हूँ, क्योंकि ये तो ब्लूज़ संगीत जैसा लग रहा है।" जैसे लीडबेली या अल्बर्ट किंग का

संगीत। मुझे लगा शायद कोई जैज़ फ़रिश्ता प्रकट होकर मुझसे बातचीत शुरू कर देगा, है ना?

मैं इस फव्वारे के पास से, एक छोटे से पुल के नीचे से गुज़रा, और तभी मेरी नज़र एक अकेले आदमी पर पड़ी, जिसके पास गिटार था। उसकी पीठ मेरी तरफ थी, इसलिए मैं वहीं रुक गया और सुनने लगा। सच में, मैंने आज तक जितने भी वादन सुने हैं, उनमें से यह सबसे सुंदर था। न सिर्फ़ उसकी गति और कुशलता, बल्कि वह जो कहानी कह रहा था, वह भी कमाल की थी। संगीत संवाद का माध्यम है, समझे? यह सुरों में अपनी आत्मा को प्रकट करने, अपनी कहानी सुनाने का माध्यम है। यही तो संगीत है। मैं उस आदमी को जानता भी नहीं था, लेकिन उसके संगीत से, जिस तरह से वह तारों को मोड़ रहा था, मैं समझ गया कि वह अंदर से दुखी है और किसी चीज़ की तलाश में है।

जब वह रुका, तो मैंने कहा, "माफ़ कीजिए," और वह घूम गया। मैं नहीं चाहती थी कि वह चौंककर भाग जाए, इसलिए मैंने प्रार्थना की मुद्रा में अपने हाथ आगे कर लिए। वह मुझे पास आते हुए देख रहा था, और मैंने धीरे से कहा, "आपको परेशान करने के लिए मुझे बहुत खेद है।" उसने कोई जवाब नहीं दिया। "आपका वादन बहुत सुंदर है।" अब मैं उससे कुछ ही कदम दूर थी। उसका सिर मुंडा हुआ था, उसकी नीली आँखें थीं, वह देखने में अच्छा, उम्रदराज़ स्पैनिश आदमी था, आप जानते हैं ना? उसने चोगा पहना हुआ था, लेकिन दूसरे भिक्षुओं की तरह सफेद चोगा नहीं।

मैंने कहा, “मेरा नाम विंटन मार्सलिस है। मैं अमेरिका का संगीतकार हूँ। मैं ट्रम्पेट बजाता हूँ।” और वह मुझे बहुत ध्यान से देखता है—लगभग दस सेकंड तक वह मुझे घूरता रहता है—और फिर मैंने देखा कि वह रोने लगा है। और मैंने कहा, “मुझे माफ़ करना। क्या मैंने कुछ गलत कहा?” और वह अपना सिर हिला रहा था, अभी भी रो रहा था, और मैं बार-बार माफ़ी माँगता रहा और उसके पास एक छोटा सा पैड और कागज़ था, और अंत में, उसने चार शब्द लिखे।

मैं तुम्हारे पिता को जानता था।

अरे, हद हो गई! मैं स्पेन में, पहाड़ों में, एक मठ में हूँ, और ये भिक्षु ब्लूज़ संगीत बजा रहा है और कह रहा है कि वो मेरे पिता को जानता था? ये तो कुछ अजीब बात है। तो मैंने पूछा, "आपका नाम क्या है, महोदय?" और उसने लिखा, "फ्रैंकी" और फिर "प्रेस्टो।"

और यह सब मुझ पर ही आकर रुकता है।

मेरे पिताजी भी संगीतकार हैं, और वो फ्रैंकी प्रेस्टो को जानते थे। ये बात न्यू ऑरलियन्स की है, पचास के दशक की, जब वे दोनों बच्चे थे और शहर में छोटे-मोटे शो करते थे। वे ड्यू ड्रॉप इन नाम के एक बार में मिलकर संगीत बजाते थे। जब मैं बड़ा हो रहा था, तो मैंने फ्रैंकी प्रेस्टो का नाम ज़रूरत से ज़्यादा सुना—जैसे कि जब भी मेरा हॉर्न बजाने का मन नहीं होता था। मेरे पिताजी मुझे उस युवा गोरे गिटार वादक के बारे में बताते थे और कैसे वो मेरी उम्र में ही शो करने लगा था—और उसे आगे बढ़ाने के लिए उसके माता-पिता भी नहीं थे। कैसे उसने एक अलग तरह की आवाज़ पैदा की, एक तरह का क्लासिकल/ब्लूज़ का मिश्रण, और दूसरे लोग उसे सुनने के लिए आते थे। न्यू ऑरलियन्स में, अगर आप बजा सकते हैं, तो संगीतकार जान जाते हैं। उम्र कोई मायने नहीं रखती। संगीत सच कहता है। और लोग कहते थे कि फ्रैंकी प्रेस्टो गिटार से सच उगलवा सकता था, भले ही बाद में वो रॉक एंड रोल कलाकार बन गया।

तो हम दोनों कई साल बाद, इस मठ में थे, जो फ्रेंच क्वार्टर से जितना दूर हो सकता था, उतना दूर था, आप जानते हैं ना? और मैंने कहा, "क्या आपको बात करने की अनुमति है?" और उन्होंने सिर हिलाया। और मैंने कहा, "क्या यह नियमों के विरुद्ध नहीं है?" उन्होंने सिर हिलाया। "लेकिन आप बात नहीं कर रहे हैं?" और उन्होंने फिर से सिर हिलाया। "कितने समय से?" मैंने कहा। उन्होंने तीन उंगलियां उठाईं। और मैंने कहा, "तीन महीने?" और उन्होंने ना में सिर हिलाया। "तीन साल?" और उन्होंने हां में सिर हिलाया।

सुनो, तीन साल की चुप्पी? मेरा मन तो उसे अकेला छोड़ देने का कर रहा था। लेकिन साथ ही साथ मुझे लग रहा था कि मैं यहाँ किसी वजह से आया हूँ, क्योंकि ये सब कुछ बहुत ही संयोग था, समझ रहे हो ना? तो मैंने उससे पूछा, "आप यहाँ क्यों हैं, मिस्टर प्रेस्टो?"

और उन्होंने लिखा, "प्रायश्चित।"

अब, मैं बहुत से ऐसे लोगों को जानता हूँ जो मुसीबत में पड़ चुके हैं, मेरे बचपन के कई दोस्त जेल जा चुके हैं, इसलिए मुझे इस बारे में बोलने में कोई झिझक नहीं है। मैंने उससे सीधे-सीधे पूछ लिया, "क्या तुमने किसी का खून किया है?" क्योंकि मुझे यही लग रहा था। उसने सिर हिलाकर मना कर दिया, फिर उसने लिखा, "लेकिन मैं

ऐसा करने के लिए तैयार था।"

मैंने कहा, "यह एक ही बात नहीं है।"

और उसने अपने दिल पर हाथ फेरा, मानो कह रहा हो, "यह यहीं अंदर है।"

बाद में मुझे समझ आया। वो इरादों की बात कर रहे थे। संगीत में भी ये बहुत ज़रूरी है। बेहद ज़रूरी। आप जो सोचते हैं, वही आप बन जाते हैं। अच्छा भी और बुरा भी। लेकिन उनके साथ बैठे-बैठे ऐसा लगा जैसे उन्होंने अपनी सज़ा काट ली हो। तीन साल, यार? कुछ बुरा करने के बारे में सोचने के लिए? मैंने उनसे पूछा कि क्या उनका परिवार है, उन्होंने सिर हिलाया, फिर मैंने पूछा, “क्या उन्हें पता है कि आप यहाँ हैं? क्या आप उन्हें चिट्ठी लिखते हैं?” उन्होंने फिर सिर हिलाया और मैंने कहा, “क्या उन्हें आपकी ज़रूरत नहीं है?” उन्होंने कुछ नहीं कहा, लेकिन मैं समझ गया कि मैंने उनकी दुखती रग पर हाथ रख दिया है। वो अब बिना आवाज़ किए रो रहे थे, आँसू ऐसे गिर रहे थे जैसे आईड्रॉपर से पानी टपक रहा हो, आप जानते हैं ना? मुझे उस आदमी के लिए बहुत बुरा लगा। मैंने कहा, “मिस्टर प्रेस्टो, संगीत की दुनिया को आपकी ज़रूरत है। मैं आपके साथ रिकॉर्डिंग करना चाहूँगा।” और उन्होंने लिख दिया, “मैं अब और परफॉर्म नहीं करना चाहता।”

तो मैंने कहा, "शायद आप पढ़ा सकते हैं।"

पता नहीं क्यों, बात वहीं खत्म हो गई। उसने अपना गिटार उठाया और चला गया। मुझे बैठकर जो कुछ हुआ था उसे समझना पड़ा। सच कहूँ तो, ये मेरे साथ हुए सबसे अजीब अनुभवों में से एक था—और वहाँ कोई और नहीं था। मैं सोच रहा था कि क्या कोई मेरी बात पर यकीन करेगा।

जब मैं अनुवादक के पास वापस आया, तो मैंने पूछा कि क्या हम किसी ज़िम्मेदार व्यक्ति से बात कर सकते हैं। वह मुझे एक बुजुर्ग भिक्षु के पास ले गई और हम भोजन कक्ष में एक छोटी सी बेंच पर बैठ गए, जहाँ वे भोजन करते थे। मैंने कहा कि मैं फ्रैंकी प्रेस्टो को बहुत पहले से जानता हूँ। उस व्यक्ति ने कहा कि वह वहाँ मौजूद किसी भी भिक्षु के बारे में बात नहीं कर सकता। मैंने पूछा कि क्या उसे पता है कि क्या हुआ था, फ्रैंकी ने लगभग किसे मार डाला था? उसने फिर कहा कि वह कुछ भी नहीं बता सकता। तो मैंने कहा, "उसे यहाँ से निकालने के लिए क्या करना होगा?" और वह हैरान सा लग रहा था। उसने कहा, "एक नौसिखिया जब चाहे तब जा सकता है। उसे बस दरवाजे से बाहर निकलना होता है।"

उसके बाद मैं उसे ढूंढने निकल पड़ा। मैं वापस फव्वारे और पुल पर गया, लेकिन वह मुझे नहीं मिला। काफी रात हो चुकी थी, इसलिए हम वापस छोटे से पार्किंग एरिया में गए, और वहाँ वह कार के सहारे बैठा था, सामान्य कपड़ों में, गिटार का केस पकड़े हुए। वह उठा और हमारी तरफ देखा, और पहली बार उसने बहुत ही कमजोर आवाज में बात की, मानो हर शब्द उसके गले से अटक रहा हो।

उसने बस इतना ही कहा। एक वाक्य।

"क्या आप मुझे घर पहुंचने में मदद कर सकते हैं?"

55

देखो। शव ले जाने वाले लोग इकट्ठा हो रहे हैं। वे फ्रैंकी के ताबूत को उसके अंतिम विश्राम स्थल तक ले जाएंगे। क्या तुम उन्हें वहाँ देख रहे हो?

मैं आपको बता दूंगा कि वे कौन हैं।

फ्रैंकी के लिए उनका क्या महत्व था।

और उनकी मृत्यु कैसे हुई।

लेकिन फिर मुझे जाना होगा। नई आत्माओं की देखभाल करनी है। नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाना है। तो आइए इस अंतिम भाग को धीमी गति से, लेकिन और भी भव्य होते हुए बजाएं। यह कहानी के योग्य है, क्योंकि वर्षों ने अंततः फ्रैंकी प्रेस्टो को ऊँचा उठाया।

मैंने देखा कि गायक मंडली द्वारा चुने गए गीतों में से एक "पानी के पास आओ" है। नदी में फेंके गए एक बच्चे के लिए यह कितना उपयुक्त गीत है! पानी ही फ्रैंकी की घर वापसी का द्वार भी था। हालांकि श्री मार्सेलिस ने अपने नव-मिले मित्र फ्रैंकी के लिए हवाई जहाज का टिकट देने की पेशकश की, लेकिन मठवासी एकांतवास से बाहर आने के कारण फ्रैंकी अभी दुनिया में तुरंत लौटने के लिए तैयार नहीं था।

इसके बजाय, वह बार्सिलोना बंदरगाह चला गया। वहाँ, यात्रा के लिए काम की तलाश में, वह एक मालवाहक जहाज में रसोई का काम करने लगा और उसके साथ इटली के लिए रवाना हो गया। फिर वह एक और जहाज में सवार हुआ और श्रीलंका चला गया। एक और जहाज उसे सिंगापुर ले गया। फिर एक और जहाज उसे ऑस्ट्रेलिया ले गया और अंत में न्यूजीलैंड। उसे समुद्र की विशालता में सुकून मिला और उसके सामने उसकी समस्याएँ कितनी छोटी लगने लगीं। हर सुबह, वह पानी को निहारता, एल मास्ट्रो की आत्मा की शांति की कल्पना करता; हर रात वह डेक पर भक्ति गीत गाता, उसकी प्रार्थनाएँ जहाज के किनारे से टकराती लहरों की आवाज़ में घुलमिल जातीं। साथी नाविक उसकी आवाज़ पर मुग्ध हो जाते। कुछ उसके साथ गाने के लिए ऊपर चढ़ जाते, फ्रैंकी के कई बैंडों में से एक और बैंड था, जिसमें केवल गायन होता था।

कुल मिलाकर, उसने पाँच महीने और 19,000 मील की समुद्री यात्रा की। उन हफ्तों के दौरान, उसने अपने अशांत अतीत के साथ एक तरह से समझौता कर लिया। लंबे समय बाद, फ्रैंकी रात भर चैन से सोया। उसे सपने में बफा रूबियो, कागज़ की थैली से बांटे जाने वाले संतरे, और बूढ़े हैम्पटन के बारे में ख्याल आने लगे, जो अपनी छोटी सी रसोई में फ्रैंकी के लिए सूअर का मांस बनाते थे, और यहाँ तक कि अनाथालय की ननों और प्रार्थना के बाद परोसे जाने वाले भोजन के बारे में भी। उसे एहसास हुआ कि इस दुनिया में एक बच्चे को ज़िंदा रखने के लिए कितने लोगों की ज़रूरत होती है।

उनकी अंतिम जल यात्रा सबसे छोटी थी, सूर्यास्त के समय ऑकलैंड से वापस वाइहेके द्वीप तक एक घंटे की नौका यात्रा।

जहां फ्रेंकी ने अपना निर्वासन समाप्त किया।

वह नाव से उतरा, उसके हाथ में सिर्फ गिटार का डिब्बा और एक तह की हुई कमीज़ थी। धूप से उसकी त्वचा सांवली हो गई थी, बाल फिर से लंबे हो गए थे और उसकी घनी दाढ़ी में सफ़ेद बाल आ गए थे। वह धीरे-धीरे खरीदारी के थैले या ब्रीफ़केस लिए यात्रियों के एक समूह के पीछे चलने लगा। मन ही मन वह पहाड़ी पर चढ़कर और

सड़क के चारों ओर घूमकर उस छोटे से समुद्र तट तक जाने की कल्पना कर रहा था जिसे वह आखिरी बार अपना घर कहता था। उसने अपने आने के बारे में कहीं लिखा नहीं था। उस सुबह तक उसे यकीन नहीं था कि वह अपने पुराने जीवन में लौटने के लिए तैयार है या इसके लायक है।

लेकिन जब लोग उसके सामने से हट गए, तो वह रुक गया और उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा।

वहाँ, टिकट बूथ के सहारे बैठी, अपने घुटनों के चारों ओर हाथ रखे, अरोरा थी।

उसने एक लंबी हरी पोशाक, चमड़े के सैंडल और गहरे रंग के धूप के चश्मे पहने हुए थे, जिन्हें उसने उसे देखते ही उतार दिया। लेकिन वह उठी नहीं।

फ्रेंकी धीरे-धीरे पास आया।

उन्होंने कहा, "ऑरोरा का अर्थ है भोर।"

"अब और नहीं।"

क्या आप हर रात यहाँ आते हैं?

मैं आखिरी फेरी का इंतजार कर रहा हूँ।

आप कब तक इंतजार करेंगे?

जब तक आखिरी व्यक्ति उतर न जाए।

"और तब?"

"मैं घर गया।"

“तीन साल के लिए?”

उसने नज़रें फेर लीं।

"क्या तुम्हें वो मिल गया जिसकी तुम तलाश कर रहे थे, फ्रांसिस्को?"

"नहीं।"

"क्या आप तलाश जारी रखेंगे?"

"नहीं।"

"क्या आपका काम पूरा हो गया?"

"हाँ।"

“और आप हमारे साथ ही रहेंगे?”

"हाँ।"

हम अब बच्चे नहीं रहे।

"नहीं।"

हम पेड़ पर नहीं हैं।

"मुझे पता है।"

अब आपका परिवार है।

"आप ठीक कह रहे हैं।"

आपने लिखा था कि आप निर्दोष हैं।

"मैं हत्या करने वाला था।"

फिर भी तुमने खुद को ही सजा दी।

“यह सजा नहीं थी।”

"यह हमारे लिए था।"

"मुझे पता है।"

“उस आदमी को किसने मारा?”

उन्होंने मुझे नहीं बताया।

"क्या आप परवाह करते हैं?"

मुझे हमेशा परवाह करनी चाहिए।

उसने देखा कि एक सीगल गोदी पर उतरी। उसने किसी चीज को चोंच मारी और फिर उड़ गई।

“अब ऑरोरा का क्या मतलब है?” फ्रेंकी ने पूछा।

"चमकती रोशनी।"

"क्यों?"

“एक शिक्षक ने काई को दक्षिणी आकाश में चमकती रोशनी के बारे में बताया। उन्हें ‘अरोरा’ कहते हैं।”

"और?"

“काई ने कहा था कि वो मैं ही थी। मैं एक चमकती रोशनी थी। और जब तक मैं एक ही जगह पर रहती, तुम हमें ढूंढ लेते और हमेशा के लिए घर लौट आते।” उसने अपनी आँखें ऊपर उठाईं। “क्या तुमने यही किया है?”

फ्रेंकी को गले में घुटन महसूस हुई। जब वह नाव से उतरा था, तब उसे पता नहीं था कि वहाँ उसका जीवन कैसा होगा। या कोई जीवन होगा भी या नहीं। लेकिन अरोरा का प्यार उसका इंतज़ार कर रहा था, जैसे उसने कभी उसके प्यार का इंतज़ार किया था। बस आखिरी नृत्य को छोड़कर। उसने उस गीत के बारे में सोचा। उसने चट्टानों को देखा। उसने छोटी नावों को देखा। उसने अरोरा को देखा, जो हमेशा की तरह खूबसूरत थी।

“मुझे बहुत खेद है,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

क्या आप अपनी बेटी को देखना चाहते हैं?

उन्होंने कहा, "बेहद बेताबी से।"

उसने अपने होंठ काट लिए। फिर उसने उसे पकड़कर चूमा, और उसने भी उसे पकड़कर चूमा। अगर तुम एक घंटे बाद लौटते, तो तुम्हें वे दोनों वहीं मिलते, एक-दूसरे को गले लगाए, एक-दूसरे को छोड़ने से इनकार करते हुए।

कोंगा वादक अल्बर्टो के रहस्य को मैं पूरी तरह से समझा नहीं सकता। फ्रेंकी ने उसे नहीं मारा था। यह सच है। उसने बंदूक उठाई थी, और जब अल्बर्टो उस पर झपटा, तो फ्रेंकी ने अपने जीवन के सबसे बुरे काम के बारे में सोचा। लेकिन अंत में, उसने हवा में तीन बार गोली चलाई, बस यही चाहता था कि अल्बर्टो रुक जाए। जब बूढ़ा आदमी गिर गया, तो फ्रेंकी को लगा कि वह गिर गया है।

जैसा कि बाद में पता चला, अल्बर्टो को गोली लगी थी - लेकिन किसी और ने ट्रिगर दबाया था, गोली की आवाज फ्रेंकी की गोलीबारी की आवाज के साथ मिल गई थी।

चालीस वर्षों की आंतरिक पीड़ा के बाद, अल्बर्टो को अंततः शांति प्राप्त हुई।

किसी और के हाथों।

पुलिस ने फ्रेंकी को दो दिन तक हिरासत में रखा। फिर उसे छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि असली हत्यारा सामने आ गया है, गोलियां आपस में मेल खाती हैं, और चेतावनी के तौर पर चलाई गई गोलियों के बारे में फ्रेंकी की कहानी सच साबित हुई है। उसने हत्यारे का नाम जानना चाहा, लेकिन पुलिस ने उसे नहीं बताया। बस इतना

कहा कि हत्यारे ने स्वेच्छा से आत्मसमर्पण कर दिया है और उसे जेल में बंद कर दिया गया है। और शायद फ्रैंकी के लिए कुछ समय के लिए विलारियल से बाहर चले जाना ही समझदारी भरा कदम होगा।

उस दोपहर वह अविश्वास के भंवर में खोया हुआ पैदल ही निकल पड़ा: एक आदमी उसकी आँखों के सामने मर गया, उसके हाथ में बंदूक थी, उसके बचपन का आखिरी गवाह चला गया था, एल मास्ट्रो तो इतने समय से मर चुका था। अल्बर्टो को किसने मारा? क्या फ्रैंकी सचमुच किसी की जान लेने को तैयार था? वह शहर से बाहर मुख्य सड़क पर लड़खड़ाता हुआ मिजारेस नदी के पास पहुँचा, जहाँ एक बार एक सार्डिन बनाने वाले और एक बिना बालों वाले कुत्ते ने उसकी जान बचाई थी। कई दिनों तक पैदल चलने और सोच-विचार में खुद को थका देने के बाद, वह मठ के पास पहुँचा। वह सीढ़ियाँ चढ़कर अंदर गया और पूछा कि क्या वह वहाँ ठहर सकता है। भिक्षुओं ने उसका गिटार देखा और उसके चर्च के बारे में पूछा।

"सैंटुआरियो डी सैन पास्कुअल बायलोन," उन्होंने उत्तर दिया।

उन्होंने सहमति में सिर हिलाया। उन्होंने बताया कि पास्कुअल बायलॉन ने चार सौ साल से भी पहले एक चरवाहे के रूप में खुद गिटार बजाने का अभ्यास किया था। उन्हें यह नहीं पता था कि उनकी मृत्यु उसी कमरे में हुई थी जहाँ फ्रैंकी का जन्म हुआ था।

56

द्वीप पर बिताए उन वर्षों से जुड़ा एक और क्षण है जिसका मुझे विस्तार से वर्णन करना चाहिए।

फ्रेंकी के लौटने के कुछ ही समय बाद, वह अपनी बेटी के बारहवें जन्मदिन के समारोह में शामिल हो सका। समुद्र तट पर केक के साथ एक मेज लगाई गई थी, और

बच्चों का एक समूह काई के साथ पार्टी में शामिल हुआ। अपने पिता से दोबारा मिलकर वह खुशी से झूम उठी।

जैसे ही सूरज ढलने लगा, फ्रेंकी ने काई को मेज पर बुलाया और उससे कहा कि उसके पास उसके लिए एक उपहार है। वह अपना पुराना गिटार केस ले आया।

“पापा, मुझे आपका गिटार नहीं चाहिए,” उसने कहा।

“मुझे पता है,” उसने जवाब दिया। “लेकिन शायद आप अपना खुद का चाहते हों।”

उसने केस खोला तो उसमें से एक बेहद ही असामान्य दिखने वाला वाद्य यंत्र निकला, एक लाल गिटार जिसमें सफेद ट्यूनिंग पेग लगे थे, और उसके बाहरी हिस्से पर एक स्पेनिश घुड़सवार और एक खूबसूरत युवती की रंगीन चित्रकारी की गई थी।

"ओह पापा, क्या यह मेरे लिए है?"

"सब तुम्हारा।"

"आपको यह कहां से मिला?"

"किसी दूसरे देश।"

“घोड़े को देखो!”

और वह युवती।

"बेहद खूबसूरत।"

"आप की तरह।"

"क्या आप मुझे इसे बजाना सिखाएंगे?"

"अगर आप चाहते हैं।"

"हाँ!"

उसने गिटार उठाया और अपने दोस्तों के साथ भाग गई। ऑरोरा तब तक उन्हें देखती रही जब तक वे दूर नहीं चले गए, फिर उसने झुककर फ्रैंकी के कंधे को छुआ। "तुम्हारा गिटार कहाँ है?"

अब मेरे पास वह नहीं है।

आपने उसका क्या किया?

मैंने इसे वहीं छोड़ दिया।

लेकिन तार। उनकी शक्ति—”

"इसीलिए मैंने इसे पीछे छोड़ दिया।"

“यह अच्छा रहा, फ्रांसिस्को।”

“और बुरा हुआ। अल्बर्टो की मृत्यु के बाद एक तार नीला पड़ गया।”

"तुमने उसे नहीं मारा।"

"अगर मैं वहां नहीं गया होता तो वह जीवित होता।"

"इसका मतलब बस इतना है कि आप लोगों को प्रभावित करते हैं।"

मैं लोगों को प्रभावित नहीं करना चाहता।

आप इसमें कुछ नहीं कर सकते।

"मैं कोशिश कर सकता हूँ।"

“यह एक उपहार था—”

"मुझे पता है-"

“आपके शिक्षक की ओर से—”

“मेरा वादन भी ऐसा ही है—”

और आपके खेलने का दूसरों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

"बस, मेरा काम हो गया, ठीक है?"

वे चुपचाप बैठे रहे। लहरें चट्टानों से टकरा रही थीं।

“फ्रांसिस्को?”

"हाँ?"

“अगर कुछ हो जाए तो क्या होगा...?”

"ह ोती है?"

"अगर आपको किसी और को प्रभावित करने की ज़रूरत हो तो क्या होगा? अगर आपको किसी की जान बचाने की ज़रूरत हो तो क्या होगा?"

“तुम्हारा?”

“उसकी।”

उसने समुद्र तट पर खड़ी अपनी बेटी की ओर इशारा किया, जो हंसते हुए अपने दोस्तों के लिए गिटार बजा रही थी।

“मुझे यह खुद ही करना होगा,” फ्रेंकी ने कहा।

और फिर उन्होंने इस बारे में कोई बात नहीं की। जीवन में, संगीत की तरह, बजाने के भी चरण होते हैं और विश्राम के भी। नौ साल की उम्र के बाद पहली बार, फ्रैंकी प्रेस्टो अपने अनमोल गिटार के बिना थे, जो दुनिया के दूसरी तरफ, एक स्पेनिश मठ

में बिस्तर के नीचे पड़ा रह गया था।

अभी एक नीली डोरी बाकी है।

“पापा?”

“जी हां, काई?”

मेरी उंगलियों में दर्द हो रहा है।

संगीत दर्द है।

"वास्तव में?"

"यह बात मुझे मेरे शिक्षक ने बताई थी।"

“ये चीजें क्या हैं?”

“ये कठोर त्वचा के निशान हैं।”

मुझे ये क्यों मिल रहे हैं?

क्योंकि आप सीख रहे हैं। जितना ज्यादा आप खेलेंगे, वे उतने ही कठिन होते जाएंगे।

“कल उन्हें खून बह रहा था।”

"कल तुमने कई गाने गाने की कोशिश की।"

मैं बहुत बुरा था।

“नहीं, आप नहीं थे।”

मैं आज बेहतर महसूस करूंगा।

"आप करेंगे।"

"क्या मैं भी आपकी तरह अच्छा बन सकता हूँ?"

"शायद बेहतर। क्या आपके नाखून छोटे कटे हुए हैं?"

“हाँ... ये कौन सा कॉर्ड है?”

“यह एक जी है।”

मुझे यह पसंद है। यह आसान है।

"अपने स्केल बजाओ।"

“द डो-रे-मिस?”

"यह सही है।"

“पापा?”

“जी हां, काई?”

क्या आप हमेशा से गिटार बजाना चाहते थे?

"शायद नहीं। शायद, शुरू में मैं सिर्फ अपने पिता को खुश करना चाहता था।"

काई मुस्कुराई। उसके दांत सीधे निकल आए थे।

"मैं भी।"

"वापस अपने तराजू पर जाओ।"

"ये कठोर त्वचा बहुत भद्दी दिखती है।"

वे चले जाएंगे।

“और फिर उन्हें दर्द होना बंद हो जाएगा?”

"जल्द ही।"

तो क्या संगीत पीड़ा नहीं है?

फ्रेंकी ने अपनी बेटी को देखा, जिसके हाथ में उसका पहला गिटार था। उसके दिल में एक अजीब सी भावना उमड़ आई।

“हमेशा नहीं,” उन्होंने कहा।

इंग्रिड माइकलसन

रिकॉर्डिंग कलाकार, गायक, गीतकार

ठीक है, लेकिन जल्दी करना होगा... मुझे बहुत देर हो गई है। उन्होंने अभी तक शुरू नहीं किया है, है ना? मैं आज सुबह ही यहाँ पहुँचा हूँ और गाड़ी मिलने में बहुत समय लग गया...

जी हाँ... उह-हुह... मेरा नाम इंग्रीड माइकलसन है, मैं अमेरिका से हूँ। मैं फ्रैंकी को जानती थी... खैर, जब मैं उसे जानती थी, तब मैं उसे फ्रैंकी नहीं बुलाती थी। वह

मिस्टर रूबियो थे। सब लोग उन्हें इसी नाम से बुलाते थे। हमें तो यह भी नहीं पता था कि वह वही व्यक्ति हैं।

एक शिक्षक... वो गिटार सिखाते थे। स्टेटन आइलैंड में, जहाँ मैं पला-बढ़ा, वहाँ एक संगीत की दुकान थी... यह न्यूयॉर्क शहर का एक इलाका है... हाँ, तकनीकी रूप से, यह एक द्वीप है, लेकिन मैनहट्टन भी तो एक द्वीप ही है... खैर, मुझे लगता है कि यह संगीत की दुकान हर संगीत की दुकान जैसी ही थी। बड़ी, तंग, दीवारों पर एम्पलीफायर लगे हुए, ड्रम सेट के लिए एक कमरा, कीबोर्ड के लिए एक कमरा, और कोने में हमेशा कुछ किशोर लड़के इलेक्ट्रिक गिटार बजाते रहते थे।

यह अपने आप में एक छोटा सा रंगमंच जैसा था, और मुझे बचपन से ही रंगमंच में रुचि थी—और संगीत में भी, क्योंकि मेरे माता-पिता ने मुझे पियानो सिखाने के लिए मजबूर किया था—इसलिए मैं दुकान में इधर-उधर घूमता रहता था, लोगों को देखता रहता था और सुनता रहता था कि हर कोई क्या बजा रहा है। पीछे की तरफ़ उनके पास कुछ सबक कक्ष थे, एक गलियारे में चार-पाँच कमरे थे, और आप बच्चों को अपने से बड़े वाद्य यंत्र लाते हुए देखते थे, जैसे ओबो, वायोला—अगर वे भाग्यशाली होते, तो वे बांसुरी बजाते, क्योंकि उसका वज़न ज़्यादा नहीं होता था।

एक दिन मैं दुकान में था, और मोहाक हेयरस्टाइल वाला एक लंबा लड़का एक बड़े मार्शल एम्पलीफायर को आज़मा रहा था, और उसने गिटार का एक ऐसा कॉर्ड बजाया कि मेरा सिर लगभग फट गया। मैं शोर से बचने के लिए पीछे की ओर चला गया, और गलियारे में, उन पाठ कक्षों में से एक में, एक दरवाजा खुला था और मुझे किसी के गिटार बजाने की आवाज़ सुनाई दी। शास्त्रीय संगीत। और फिर मोहाक हेयरस्टाइल वाले लड़के ने फिर से ई सेवेंथ या कुछ ऐसा ही बजाया—धड़ाम!—और मैं एक पल के लिए बहरा हो गया, फिर मुझे शास्त्रीय संगीत सुनाई देने लगा, और कुछ सेकंड बाद, रॉकर लड़के से एक और धमाका, और फिर से शास्त्रीय संगीत। उन दो आवाज़ों का एक साथ आना बहुत अजीब था। लेकिन साथ ही कुछ हद तक बढ़िया भी।

मुझे यह जानने की उत्सुकता थी कि शास्त्रीय संगीत कौन बजा रहा है—खासकर उस दुकान में। इसलिए मैं गलियारे में ऐसे चला जैसे किसी पाठ के लिए जा रहा हूँ, और मैंने दरवाजे से अंदर झाँका। वहाँ लंबे बालों वाला एक अधेड़ उम्र का आदमी शोर की परवाह किए बिना, बस बजा रहा था। मैं दूसरी तरफ से वापस आया, फिर से

झाँका, वह अभी भी बजा रहा था, मैं मुड़ा, फिर वापस आया। इस बार, वह स्पेनिश लहजे में कुछ धुनें बजा रहा था जो इतनी तेज़ थीं लेकिन इतनी मधुर थीं, मानो दो हाथ एक साथ बजा रहे हों, कि मैं दरवाजे के बीच में ही रुक गया, जैसे सम्मोहित हो गया हो। और उसने ऊपर देखा—मैं पकड़ा गया—और उसने कहा, "बारियोस।"

और मैं कहता हूँ, "हूँ?"

“संगीतकार बैरियोस हैं,” वे कहते हैं। “इसका नाम ‘ला कैथेड्रल’ है। आपको हमेशा यह पता होना चाहिए कि आप किसकी रचना प्रस्तुत कर रहे हैं।”

मैंने बस सिर हिलाया। मतलब, मैं चौदह साल का था। वह मुस्कुराया, क्लासिकल गिटार नीचे रखा और एक इलेक्ट्रिक गिटार उठाया जो एक छोटे से फेंडर एम्पलीफायर से जुड़ा था—उसके पास इस कमरे में लगभग दस गिटार थे—और कुछ जोशीला रॉक संगीत बजाना शुरू कर दिया। और उसने कहा, "हेन्ड्रिक्स।"

और मैंने बस कंधे उचका दिए, क्योंकि उस समय मुझे जिमी हेन्ड्रिक्स के संगीत के बारे में पता नहीं था। फिर उन्होंने कुछ और बजाना शुरू किया। "स्टीवी रे वॉन?" उन्होंने कहा। फिर से, मुझे नहीं पता था। फिर उन्होंने "वॉक दिस वे" का एक छोटा सा हिस्सा बजाया और पूछा "एरोस्मिथ?" और मैंने कहा, हाँ, मैंने इसके बारे में सुना है!

और फिर मैंने अचानक ही पूछ लिया, "क्या आपको कोई शो ट्यून्स पता हैं?"

अब पीछे मुड़कर देखता हूँ तो वो बात सच में बेतुकी लगती है, भले ही मुझे थिएटर पसंद था। मतलब, “क्या तुम्हें कोई शो ट्यून आती है?” ये तो दादी माँ के कहने जैसा सवाल है। पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं हुई। उन्होंने दूसरा गिटार उठाया और “समवेयर ओवर द रेनबो” इतनी खूबसूरती से बजाया कि मेरे रोंगटे खड़े हो गए। मुझे जूडी गारलैंड वैसे भी बहुत पसंद थीं, और मुझे वो गाना हमेशा से अच्छा लगता था, लेकिन मैंने उसे इतना मधुर कभी नहीं सुना था। जब वो बजाना खत्म कर चुके, तो मैंने कहा, “क्या आप मुझे ये बजाना सिखा सकते हैं?” जिस तरह से वो बजाते थे, बस मन करता था कि उसे महसूस करूँ, ये जानूँ कि उंगलियों से ऐसा संगीत निकलने पर कैसा लगता है।

उन्होंने कहा कि मुझे क्लास में दाखिला लेना होगा, यही दुकान का नियम था। जब मैं घर जाकर अपने माता-पिता से पूछा, तो उन्होंने कहा कि मैं पहले से ही गायन और पियानो सीख रहा हूँ और थिएटर में काम कर रहा हूँ। इतना काफी है। साथ ही, एक संगीत की दुकान के पीछे काम करने वाला लड़का उन्हें पसंद नहीं था। मेरे पिता

शास्त्रीय संगीतकार हैं।

“लेकिन पिताजी,” मैंने कहा, “वह बैरियोस का किरदार निभाते थे।” और मेरे पिताजी चौंक गए। उन्होंने कहा, “अगस्टिन बैरियोस?” और ज़ाहिर है, मुझे उस आदमी का पहला नाम याद नहीं था, इसलिए मेरी वह छोटी-सी शेखी यहीं खत्म हो गई।

खैर, मैं लगभग एक हफ्ते बाद फिर दुकान पर गई, और वह फिर से अपने कमरे में था। मुझे देखते ही उसने कहा, "हे-हे, मिस शो ट्यून्स!" और उसने फिनियन रेनबो का एक गाना बजाया और थोड़ा सा गाया। मैंने उससे पूछा कि उसे ये सब कैसे पता है, तो उसने बताया कि जब वह स्पेन में बच्चा था, तो वह एक ही रिकॉर्ड को बार-बार सुनता था, जब तक कि उसे याद न हो जाए। मैंने उससे पूछा कि अगर वह स्पेन से है तो न्यूयॉर्क में क्यों रह रहा है, तो उसने बताया कि उसकी बेटी भी गिटार बजाती है और उसका जूलियार्ड में दाखिला हो गया है, इसलिए वह और उसकी पत्नी उसके साथ रहने के लिए यहाँ आ गए हैं।

मुझे यह बहुत अच्छा लगा कि एक पूरा परिवार अपनी बेटी को संगीत सिखाने के लिए घर बदल ले। मैं उनसे मिलने जाती रही, और आखिरकार उन्होंने कहा कि मैं गुरुवार को अपना गिटार ला सकती हूँ क्योंकि एक बच्चे ने पूरे साल की क्लास के लिए पैसे दिए थे और फिर गायब हो गया था, इसलिए उस एक घंटे के लिए वह खाली थे—बशर्ते बच्चा अपना इरादा न बदल दे। उन्होंने मुझे कुछ अद्भुत चीजें सिखाईं। वह तार वाले वाद्य यंत्रों को बजा सकते थे। बास। बैंजो। उन्होंने ही मुझे सबसे पहले यूकेलेल दिखाया और बाद में मैंने अपनी रिकॉर्डिंग में इसका खूब इस्तेमाल किया।

लेकिन जैसा कि मैंने कहा, मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि वह फ्रैंकी प्रेस्टो हैं। उन्होंने अपना नाम मिस्टर रूबियो बताया और सब लोग उन्हें इसी नाम से बुलाते थे। मुझे उनका पहला नाम सिर्फ इसलिए पता था क्योंकि एक दिन सर्दियों में उनकी पत्नी उनके लिए एक स्वेटर लाई थीं। उनका लहजा अंग्रेज़ी जैसा था और उन्होंने कहा, "कई परतें पहनो, फ्रांसिस्को, कई परतें। इसी तरह तुम गर्म रहोगे।" परतें, फ्रांसिस्को, परतें। मुझे यह बहुत पसंद आया।

खैर, वे मेरे लिए सबसे शानदार बुजुर्ग दंपत्ति थे। वह बेहद खूबसूरत और ब्रिटिश थीं, वह स्पेन में पले-बढ़े थे, वे एक द्वीप पर रहते थे—न्यूजीलैंड के एक द्वीप पर,

स्टेटन द्वीप पर नहीं—और वे अपनी बेटी का पालन-पोषण कर रहे थे, उन्हें सारे गाने याद थे और वे अब भी काफी प्यारे लगते थे, चाहे उनकी उम्र पचपन या साठ साल ही क्यों न हो।

मैं कुछ सालों तक हर गुरुवार को कभी-कभार वहाँ जाती थी। कभी-कभी हम स्कूल, लड़कों या संगीत या थिएटर में करियर बनाने के बारे में बातें करते थे। वह ज़्यादातर सुनता ही रहता था। उसने मुझे कभी नहीं बताया कि वह एक रॉक स्टार रह चुका है। एक बार भी नहीं। उसने मुझे बार-बार बस एक ही सलाह दी, "अपने संगीत को अपने हाथ से निकलने मत देना।"

तब तो इसका कोई खास महत्व नहीं था, लेकिन सालों बाद जब मैंने रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, तब इसका महत्व समझ में आया। यही एक कारण था कि मैंने अपनी सामग्री के अधिकार अपने पास रखे, भले ही उद्योग जगत के लोग मुझे अलग सलाह दे रहे थे।

मैं मिस्टर रूबियो के बारे में बस इतना ही कहूंगा कि वो एक राज़ छिपाकर रखते थे। अब याद आता है, उनके आने के कुछ समय बाद दुकान में कुछ अजीब से "छात्र" आने लगे थे। उम्रदराज लोग। जैज़ संगीतकार। एक रात मैं वहां गया और कसम से मैंने जॉन बॉन जोवी को उसी गलियारे से जाते और मिस्टर रूबियो के कमरे में घुसते देखा। और लायल लवेट—मेरा मतलब है, वही तो होंगे, उनका रूप-रंग काफी अनोखा है। लेकिन मैं तब किशोर था और इस सब के बारे में कुछ खास नहीं जानता था।

मैं SUNY बिंघमटन में कॉलेज की पढ़ाई करने चला गया, और एक गर्मी की छुट्टियों में जब मैं वापस आया तो वह जा चुका था। कमरा खाली था। जब मैंने मिस्टर रूबियो के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि वह और उनकी पत्नी दक्षिण में कहीं चले गए हैं।

मुझे कभी धन्यवाद कहने या अलविदा कहने का मौका ही नहीं मिला। मुझे उनके बारे में तब पता चला जब कुछ साल पहले रोलिंग स्टोन ने उस नकली एल्बम, 'द मैजिक स्ट्रिंग्स' के बारे में एक कहानी छापी थी। अजीब बात है ना? मेरे गानों में कुछ पंक्तियाँ श्री रूबियो से प्रेरित हैं, जैसे "द वे आई एम" में स्वेटर साझा करने वाली पंक्ति या "फार अवे" गाने में किसी द्वीप पर जाने वाली पंक्ति। समय के साथ, लगता है आपके सभी शिक्षक आपके संगीत में अपना प्रभाव छोड़ ही देते हैं, है ना?

जब मुझे उनकी मृत्यु के बारे में पता चला, तो मैंने सोचा कि मुझे उनके अंतिम

संस्कार में अवश्य जाना चाहिए। वर्षों से मैं उनसे मिलने की इच्छा रखती थी, उन्हें यह बताने की कि मैं कितनी प्रभावित थी कि उन्होंने कभी अपने अतीत का इस्तेमाल शेखी बघारने या किसी भोली-भाली किशोरी को "समवेयर ओवर द रेनबो" गाना सिखाने में खुद को श्रेष्ठ समझने के लिए नहीं किया। मेरा मतलब है, ऐसे कितने लोग होते हैं? बहुत कम।

ओह... क्या आपको वो गाना सुनाई दे रहा है? मुझे अंदर जाना होगा...

57

अब और तेज़। सेवा शुरू हो रही है। आइए, संगीत में उन स्वरों का उपयोग करें जो सुरों के भाग नहीं होते, बल्कि उन्हें आपस में जोड़ते हैं, ठीक वैसे ही जैसे स्क्वायर डांस के दौरान अपने साथी के पास लौटने से पहले लोग एक-दूसरे को घुमाते हैं। मैं फ्रैंकी प्रेस्टो के शेष वर्षों के इन स्वरों का सारांश प्रस्तुत करूँगा—और केवल मुख्य स्तंभों का ही वर्णन करूँगा—फिर हम उनके अंतिम दिनों की ओर बढ़ेंगे। दुगनी गति। 2/2 सिग्नेचर।

कुछ पल बीत गए। 1994 में, फ्रैंकी का परिवार वाइहेके द्वीप छोड़कर चला गया (जैसा कि आपने अभी जाना)। उनकी बेटी काई को न्यूयॉर्क शहर के प्रतिष्ठित जूलियार्ड स्कूल में दाखिला मिल गया (अपने पिता से रोज़ाना गिटार सीखने की बदौलत)। ऑरोरा और फ्रैंकी ने स्टेटन द्वीप पर एक पंक्तिबद्ध मकान किराए पर लिया। अब वह फ्रांसिस्को रुबियो नाम से जाने जाते थे। फ्रैंकी प्रेस्टो के 'द मैजिक स्ट्रिंग्स ऑफ फ्रैंकी प्रेस्टो' की अवैध रिकॉर्डिंग गिटार वादकों के बीच मशहूर हो चुकी थी और कई लोग उस रहस्यमय, लापता गिटारवादक की तलाश में थे—युवा संगीतकार, अवसरवादी पत्रकार, यहाँ तक कि एक वृत्तचित्र फिल्म निर्माता भी। फ्रैंकी को कोई दिलचस्पी नहीं थी। अतीत, अतीत था। उन्होंने सोचा, यह कितना अजीब है

कि जितना वह प्रसिद्धि से दूर भागते हैं, उतना ही वह उनका पीछा करती है।

लेकिन एक सुखद दौर में, यह उसे नहीं मिला, और स्टेटन द्वीप पर अपने सात वर्षों में, उसने एक सुखी साधारण जीवन व्यतीत किया: उसका वजन बारह पाउंड बढ़ गया, उसने चश्मा खरीदा, उसके बाल चांदी जैसे भूरे हो गए, दौड़ते समय उसके पैर में चोट लग गई, उसने मेन के तट का दौरा किया, बैंगन के साथ पेन्ने पास्ता बनाना सीखा (ऑरोरा का पसंदीदा), गिटारवादक चार्ली क्रिश्चियन के हर सोलो को खुद से सीखा, योग का अभ्यास किया, पुराने एम्पलीफायरों की मरम्मत की, और लोअर मैनहट्टन के एक स्टोर से इस्तेमाल की हुई सीडी के ढेर खरीदे, जिन्हें वह ऑरोरा के लिए तब बजाता था जब वह देर से नाश्ता बना रही होती थी।

वह स्थानीय संगीत की दुकान से हर हफ्ते एक अलग गिटार घर लाता था, जहां उसने अंशकालिक शिक्षण का काम ले रखा था, और कुछ दिनों के उपयोग के बाद हमेशा उस वाद्य यंत्र को वापस कर देता था।

"तुम किसी और गिटार से कभी खुश नहीं हो पाओगे," अरोरा कहती थी।

“मैं अभी खुश हूँ,” वह जवाब देता और उसका हाथ पकड़कर उसे निहत्था कर देता।

तूफ़ानी समुद्र में भी पानी शांत हो जाता है, और फ्रैंकी और अरोरा ने पर्वतारोहियों की तरह शिखर पर पहुँचकर राहत की साँस लेते हुए, शांत कृतज्ञता के साथ इन सुकून भरे वर्षों का आनंद लिया। वे हर दिन स्थानीय बाज़ार से खरीदारी करते थे। उन्होंने अपने पड़ोसियों और एक ग्रीक बेकरी की मालकिन से दोस्ती कर ली। उन्हें बच्चों के लिए हिंडोले वाला एक पार्क मिला, जिसे अरोरा कभी-कभी मंत्रमुग्ध होकर निहारती रहती थी। फ्रैंकी को चिंता होती थी कि जिस शहर में यह घटना घटी थी, वहाँ वापस आकर वह अपने खोए हुए बच्चे के बारे में सोच रही होगी, इसलिए वह उसका हाथ पकड़कर कहता, "चलो रूट बीयर पीते हैं," जो उसका पसंदीदा पेय बन गया था।

ऑरोरा हफ्ते में चार दिन एक चैरिटी थ्रिफ्ट शॉप में काम करती थी, ऑयल पेंटिंग का शौक पालती थी, नदी किनारे साइकिल चलाती थी और हर शाम काई से फोन पर बात करती थी, भले ही सिर्फ गुड नाइट कहने के लिए। वीकेंड पर, फ्रैंकी कभी-कभी उसे अपने लिखे नए गाने सुनाता था और उन्हें किसी और के लिखे पुराने गानों के साथ मिलाकर सुनाता था। वह हमेशा अंदाज़ा लगा लेती थी कि कौन से गाने उसके हैं।

“तुम्हें हमेशा कैसे पता चल जाता है?” वह पूछता था।

“मैं तुम्हें किसी भी आवाज में सुन सकती हूँ,” उसने कहा।

उनकी पत्नी ने अपने पति को पढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया था, क्योंकि उनका मानना था कि रूबियो नाम के साथ, वे अपनी पहचान गुप्त रखते हुए भी अपने जुनून को पूरा कर सकते हैं। लेकिन समय के साथ, फ्रैंकी की असाधारण प्रतिभा संगीत की दुकान (यू कैन नॉट होल्ड मी डाउन) में सर्वविदित हो गई और जब दुकान के मालिक ने उन्हें एक युवा रॉक स्टार से मिलवाया, जो वहाँ घूमने आया था, और दोनों ने मिलकर कई ब्लूज़ गाने बजाए, तो यह बात फैल गई कि स्टेटन आइलैंड की एक दुकान में एक उस्ताद गिटारवादक काम कर रहा है। इसके बाद, कई जाने-माने और कुशल वादक न्यूयॉर्क आने पर वहाँ आने लगे, कुछ सलाह लेने के लिए, कुछ सहयोग के लिए, और कुछ बस यह देखने के लिए कि अफवाहें सच हैं या नहीं। दुकान के मालिक को कोई आपत्ति नहीं थी, क्योंकि इससे उनकी दुकान की प्रतिष्ठा बढ़ी और उनकी गिटार की बिक्री भी बढ़ गई।

उन्हें “रुबियो” के नाम से जाना जाता था (“क्या तुम रुबियो को देखने जा रहे हो?” “मैंने सुना है रुबियो धमाल मचा रहा है!”), और एक समय फ्रैंकी को लगा कि कहीं यह कुछ ज़्यादा तो नहीं हो रहा है। उन्हें मंच से दूर प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ संगीत बजाने का मौका अच्छा लगता था। लेकिन जिस तरह से वे उनका पीछा करते थे, उससे वे हैरान रह गए। उन्हें आश्चर्य हुआ कि वे एक अच्छे शिक्षक बन गए थे, जो एल मेस्ट्रो के साथ बिताए दिनों के छोटे-छोटे टिप्स साझा करते थे। मेरे अनुमान के अनुसार, दो वर्षों के दौरान, फ्रैंकी से 83 पेशेवर संगीतकारों ने मुलाकात की और उनसे सलाह ली, जिनमें बॉन जोवी, पर्ल जैम और ई स्ट्रीट बैंड के सदस्य, बेसिस्ट क्रिश्चियन मैकब्राइड, गिटारिस्ट अर्ल क्लुघ, रिदम एंड ब्लूज़ गायक केईएम और गायक/गीतकार वॉरेन ज़ेवोन शामिल थे।

लायल लवेट और डार्लीन लव समेत कुछ ही आगंतुक जानते थे कि वह वास्तव में कौन था। उन्होंने इस रहस्य को गुप्त रखने की कसम खाई और अपना वादा निभाया।

लेकिन एक दिन, उनके किराए के घर में फोन की घंटी बजी, अरोरा ने फोन उठाया, और एक आदमी ने, जिसने कहा कि वह रोलिंग स्टोन पत्रिका के लिए काम करता है, पूछा, "क्या फ्रेंकी प्रेस्टो वहां रह रहा है?"

अरोरा ने झट से फोन काट दिया।

कुछ देर के लिए बातचीत हुई। काई ने सर्वोच्च सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उसने बोस्टन के एक संगीत विद्यालय में दाखिला लिया। बेटी के चले जाने के बाद, फ्रैंकी और अरोरा न्यू ऑरलियन्स लौट आए। उस फोन कॉल ने उन्हें चिंतित कर दिया था। और अरोरा हमेशा से ही क्रिसेंट सिटी में सबसे खुश रहती थी, जहाँ फ्रैंकी ने मिस्टर बिंगल के स्टोर के सामने शादी का प्रस्ताव रखा था।

उन्होंने गार्डन डिस्ट्रिक्ट में एक छोटा सा अपार्टमेंट खरीदा। ऑरोरा सुबह फ्रैंकी के लिए कॉफी बनाती थी और वह रात को उसके लिए चाय बनाता था। एक दोपहर, वह उसे एक सामुदायिक केंद्र ले गई जहाँ वह स्वयंसेवा कर रही थी और कला सिखा रही थी, और उसने बच्चों को बताया कि श्री रूबियो एक संगीतकार हैं। देखते ही देखते, वह एक युवा संगीत समूह का मार्गदर्शन करने लगे जिसमें एक पियानो, एक इलेक्ट्रिक बास, दो ड्रमर, एक तुरही और एक हट्टा-कट्टा किशोर लड़का था जो ट्रॉम्बोन बजाता था। वे फंक और जैज़ बजाते थे और ड्रमर को रैप करना पसंद था। उन्होंने खुद को "बिग मेस बैंड" कहा। फ्रैंकी को उनके युवा जोश को देखकर अच्छा लगने लगा, भले ही उनकी तकनीक उतनी निपुण न हो।

मेरे अनुमान के अनुसार, जो हमेशा सटीक होता है, यह 372वां बैंड था जिसके साथ फ्रैंकी प्रेस्टो ने बजाया था।

केवल दो और होंगे।

गिटारवादक लेस पॉल मेरे शिष्यों में से एक थे, जिनमें मेरी खूबियाँ समाई हुई थीं और उनकी जिज्ञासु बुद्धि ने उन्हें इलेक्ट्रिक गिटार, टेप रिकॉर्डिंग और ओवरडबिंग में नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। किशोरावस्था में ही उन्होंने एक तार को रेल की पटरी पर फैलाकर टेलीफोन रिसीवर के अंदरूनी हिस्से से उसे एम्प्लीफाई करने की कोशिश की। कुछ वर्षों बाद, उन्होंने चीड़ की लकड़ी का एक टुकड़ा लिया, उसमें पिकअप लगाया और एक गिटार का आविष्कार किया जिसे लोग प्यार से "द लॉग" कहते थे, जो आज दुनिया भर में बजाए जाने वाले सॉलिड-बॉडी इलेक्ट्रिक गिटारों का

पूर्ववर्ती था।

फिर भी, उनकी सबसे बड़ी खूबी उनका दृढ़ संकल्प था। 1948 में एक कार दुर्घटना में पॉल और उनकी पत्नी मैरी फोर्ड एक गहरी खाई में तीन घंटे तक लापता रहे। उनकी पसलियां, नाक, तिल्ली, श्रोणि और कॉलरबोन क्षतिग्रस्त हो गए थे। लेकिन सबसे बुरी बात यह थी कि उनका दाहिना हाथ कई जगहों से टूट गया था, और डॉक्टरों ने उसे काटने पर विचार किया, लेकिन अंत में उसे स्थायी रूप से समकोण पर सेट कर दिया। उन्होंने संगीत बजाना कभी नहीं छोड़ा। न तब, न दशकों बाद, जब गठिया ने उनके शरीर को इस कदर जकड़ लिया कि उनके हाथ पंजों जैसे हो गए। वे नब्बे वर्ष की आयु तक संगीत बनाते रहे, एक छोटे से क्लब में बजाते रहे, और मुझे कभी नहीं छोड़ा।

न्यू ऑरलियन्स में, फ्रैंकी प्रेस्टो ने देखा कि उनका शरीर कमजोर होने लगा है, जिससे उनका वादन भी चुनौतीपूर्ण हो गया। उनके बाएं हाथ में अकड़न एक स्थायी समस्या बन गई थी, और उमस भरे मौसम में कोई गीत पूरा करना उनके लिए कष्टदायक हो जाता था। संगीत की प्रतिलेखों को समझने के लिए उन्हें चश्मे की आवश्यकता होती थी, और वर्षों तक झुककर बैठने के कारण उनकी कमर में लगातार दर्द रहता था; उठते समय उन्हें दोनों हाथों से पीछे की ओर सहारा लेना पड़ता था और कराहते हुए पीछे की ओर झुकना पड़ता था।

“मैं चरमरा रहा हूँ,” वह ऑरोरा से आह भरते हुए कहता था।

“कोई बूढ़ा हो रहा है,” वह कहती थी।

"लेकिन आप नहीं।"

नहीं। मैं अब भी पेड़ पर चढ़ सकता हूँ।

“हम्म,” फ्रेंकी बड़बड़ाता।

58

वर्ष 2005 में, फ्रैंकी के सत्तर वर्ष के होने से ठीक एक वर्ष पहले, लुइसियाना राज्य में एक भयंकर तूफान आया। मकान मालिकों को घर खाली करने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन कई लोग वहीं रहे। अरोरा पास के एक चर्च में शामिल हो गई थीं, जो एक पुरानी ईंट की इमारत में स्थित एक छोटा सा चर्च था। जब तूफान के पूर्वानुमान भयावह हो गए, तो अधिकांश सदस्य चले गए, लेकिन बुजुर्ग पादरी ने कसम खाई कि पानी कितना भी बढ़ जाए, वह नहीं जाएंगे।

“आपको जाना ही होगा,” अरोरा ने उससे विनती की।

उन्होंने कहा, “मैंने बावन साल पहले इस चर्च की शुरुआत की थी। अगर ईश्वर चाहता है कि मैं यहीं मर जाऊं, तो ऐसा ही हो।”

जब अरोरा ने यह बात फ्रैंकी को बताई, तो उसने अपना सिर हिलाया। उसने अपने पूरे जीवन में भक्ति और पीड़ा को साथ-साथ चलते देखा था।

“हम यहाँ नहीं रुकेंगे,” उसने कहा। ऑरोरा मान गई। लेकिन जब फ्रैंकी अपनी भरी हुई कार लेकर पहुँचा, तो वह जा चुकी थी। बारिश शुरू हो चुकी थी। वह तेज़ी से चर्च पहुँचा और वहाँ उसे कुछ युवा सदस्यों के साथ खिड़कियों को बंद करते हुए पाया।

“तुम क्या कर रहे हो?” फ्रेंकी ने कहा।

"अगर वह यहीं रहने वाला है, तो हमें उसकी मदद करनी होगी।"

“अब इसे तूफान कहा जा रहा है। हमें यहां से निकलना होगा।”

बस कुछ ही मिनट।

बाहर हवा तेज़ चलने लगी, फ्रेंकी जहाँ तक हो सका मदद कर रहा था, दूसरों के बेतहाशा ड्रिल और हथौड़ा चलाने के दौरान वह तख्तों को पकड़े खड़ा था। दो किशोर लड़के एक बड़े लकड़ी के बीम को पास की सीढ़ियों पर चढ़ाने में लगे थे, ताकि उसे बड़ी खिड़की के पास रख सकें। उन्होंने उसे इतनी तेज़ी से घुमाया कि वह शीशा तोड़कर अंदर आ गया। बारिश अंदर आने लगी, और पहले किशोर का संतुलन बिगड़ गया और उसने सीढ़ी पकड़ने के लिए बीम को हवा में उछाल दिया, जिससे दूसरा लड़का भी ऐसा ही करने को मजबूर हो गया। पहला लड़का फिर भी सीढ़ी से गिर गया, ज़मीन पर धड़ाम से गिरा, और बाकी लोग चिल्लाए, "क्या तुम ठीक हो?"

“हां, हां,” उसने कहा। “बस जोर से गिरा।”

तभी फ्रेंकी को एक कराहने की आवाज़ सुनाई दी और उसने मुड़कर देखा तो

अरोरा ज़मीन पर सिर पकड़े पड़ी थी। फेंकी गई बिजली की किरण उसे पीछे से लगी थी।

“हे भगवान!” पुजारी चिल्लाया और उसकी ओर दौड़ पड़ा।

फ्रेंकी ने सबको रास्ते से हटाया और अपनी पत्नी की ओर झुक गया। उसके सिर से हल्का खून बह रहा था और वह अपनी आँखें झपका रही थी।

“मुझे उसे कार तक ले जाने में मदद करो,” फ्रेंकी चिल्लाई।

“सब ठीक है, मैं ठीक हूँ,” उसने कहा।

"चलो भी!"

आधे घंटे बाद, पूरी तरह भीगी हुई हालत में, वे अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में थीं, जहाँ एक डॉक्टर ने उनके घाव पर टांके लगाए। फ्रैंकी देख रही थी कि अस्पताल के गलियारे मरीजों से भर रहे थे, जिनमें से कई बुजुर्ग थे और आने वाले तूफान के डर से सहमे हुए आ रहे थे। अरोरा को आश्वासन दिया गया कि घाव गहरा नहीं है, लेकिन उसे हल्की चोट आई है, और उसे एक बिस्तर दिया गया और निगरानी के लिए जागते रहने का निर्देश दिया गया।

“मैं ठीक महसूस कर रही हूँ,” उसने कहा। “बस थोड़ा सिरदर्द है।”

“क्या हम यहाँ सुरक्षित रहेंगे?” फ्रेंकी ने डॉक्टर से पूछा। “आने वाले तूफान में?”

"जी हां, बिल्कुल," डॉक्टर ने कहा और जल्दी से दूसरे मरीजों के पास चले गए।

कुछ ही घंटों में, तूफान न्यू ऑरलियन्स में ज़ोरों से तबाही मचाने लगा। उसी रात, शहर की रक्षा करने वाले कुछ तटबंध टूट गए। पोंटचार्ट्रेन झील (जहाँ फ्रैंकी ने पहली बार एल्विस प्रेस्ली के साथ प्रस्तुति दी थी) और मिसिसिपी नदी (जहाँ फ्रैंकी और अरोरा नवविवाहित जोड़े के रूप में टहले थे) से उफान पर आया पानी सड़कों पर भर गया और जलस्तर लगातार बढ़ता गया, मानो दीवारों पर चढ़ रहा हो, मानो उनका अतीत उनके सामने वापस ला रहा हो। अस्पताल न केवल बीमारों और घायलों के लिए, बल्कि आश्रय, भोजन या सुरक्षा चाहने वालों के लिए भी एक आश्रय स्थल बन गया। बिजली गुल हो गई। डॉक्टर टॉर्च की रोशनी में ऑपरेशन कर रहे थे। भोजन कम होता जा रहा था। आपूर्ति की भरपाई नहीं हो रही थी। निचली मंजिलों के सभी लोगों को ऊपरी मंजिलों पर ले जाया गया, और भीड़भाड़ ने स्थिति को और भी असहज बना दिया। यह गर्मियों का आखिरी समय था और गर्मी असहनीय हो गई थी। वेंटिलेशन के लिए कुछ खिड़कियों को तोड़ दिया गया।

इस पूरे हंगामे के दौरान, फ्रेंकी कभी भी ऑरोरा का साथ नहीं छोड़ा। भीड़ भरे कमरे के कोने वाले बिस्तर पर, वह कहानियों, बातचीत और यहां तक कि गाने गाकर उसे जगाए रखता था।

“मैं ठीक हूँ,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"मुझे पता है।"

मैं अभी तुम्हें छोड़कर नहीं जा रहा हूँ।

"बिलकुल नहीं।"

लेकिन मैं पहले जा रहा हूँ।

"क्या वह सही है?"

"अभी से बहुत समय बाद।"

"एक लंबे समय।"

लेकिन फिर भी पहले नंबर पर।

“यह ठीक नहीं है,” फ्रेंकी ने कहा।

“हां, ठीक है,” उसने जवाब दिया।

आप ऐसा कैसे सोचते हैं?

"अगर तुम पहले मर जाओ, तो मेरे पास क्या बचेगा?" अरोरा ने पूछा।

"तुम्हारे पास काई है।"

“सच है।” उसने नज़रें फेर लीं। “लेकिन बेटियों की अपनी ज़िंदगी होती है। आप उन्हें दबा नहीं सकते। उसकी शादी होगी। बच्चे होंगे।”

“अच्छा, मैं भी यही सवाल पूछ सकता हूँ,” फ्रेंकी ने कहा। “अगर तुम पहले जाओगे, तो मैं क्या खाऊँगा? काई के अलावा?”

उसने उसकी ओर ऐसे देखा मानो वह मजाक कर रहा हो।

"तुम्हें तुम्हारा संगीत मिल जाएगा।"

फ्रेंकी ने हल्की सी नाक सिकोड़ी, लेकिन कुछ नहीं कहा। (मैं, दूसरी ओर, उसकी बात का मतलब अच्छी तरह समझ गया था।)

“‘मुझसे प्यार की बातें करो,’ अरोरा ने कहा। ‘मुझे गाकर सुनाओ। मुझे जगाए रखो।’”

“मेरी फ्रेंच थोड़ी कमजोर है,” फ्रेंकी ने कहा।

“आपको इसे गाना होगा।” वह मुस्कुराई। “मैं मरीज़ हूँ। यह एक नुस्खा है।”

उसने आह भरी और उसे वही गाना धीरे-धीरे सुनाने लगा, जैसा उसे याद था, तभी बगल वाले बिस्तर पर लेटी एक बुजुर्ग महिला उनकी तरफ मुड़ी और बोली, "ज़ोर से गाओ, प्यारे। तुम्हारी आवाज़ बहुत मीठी है।"

फ्रेंकी ने और ज़ोर से गाना शुरू किया और छह बिस्तरों वाला पूरा कमरा अंधेरे में शांत हो गया। मरीज़ों और उनके परिवार वालों ने अपने बीच लगे पतले पर्दों को खोल दिया, फ्रेंकी के गाने से मिले सुकून से वे काफी खुश थे।

मुझे प्यार के बारे में बताओ,
मुझे फिर से कोमल बातें बताओ।
(मुझसे प्रेम की बातें करो,)
मुझे फिर से बताओ, कोमल बातें।

जब उसने गाना खत्म किया, तो सबने शालीनता से ताली बजाई और किसी ने कहा, "एक और गाओ!" फ्रैंकी ने ऑरोरा की तरफ आंखें घुमाईं, मानो कह रहा हो, "देखो तुमने क्या शुरू किया है," लेकिन ऑरोरा मुस्कुराई और नकली अमेरिकी लहजे में चिल्लाई, "अरे यार, क्या तुम्हें फ्रैंकी प्रेस्टो का गाना 'आई वांट टू लव यू' पता है?" एक बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा, "यह पुराना गाना है, लेकिन बहुत अच्छा है," और जल्द ही फ्रैंकी अपने करियर का सबसे बड़ा हिट गाना गाने लगा, बस खिड़कियों पर बारिश की तेज आवाज के साथ।

मैं तुम्हें प्यार करना चाहता हूँ
मैं सच्चा रहूंगा
कोई तुमसे प्यार नहीं करेगा
मैं जिस तरह से । । ।

जैसे-जैसे वह गाता गया, बाकी लोग भी धीरे-धीरे उसमें शामिल होते गए, मानो अलाव के पास बैठकर साथ गा रहे हों, जब तक कि अंधेरे कमरे में मौजूद हर कोई उस परिचित धुन में अपना योगदान नहीं देने लगा - एक ऊंची आवाज, एक नीची आवाज, एक बेसुरी चीख, सभी बाहर के तूफान की बहादुरी से अवहेलना करते हुए एक साथ गा रहे थे।

ओह, अगर आप मुझे अनुमति दें तो
मैं तुम्हें अपना प्यार दिखाऊंगा
फिर कल तक
तुम भी मुझे बहुत पसंद करोगे!

वे आखिरी शब्द पर अटके रहे, किसी ने ड्रमरॉल की तरह चम्मच खड़खड़ाया, और बाकी लोग हंसते और चिल्लाते हुए बोले, "वू-हू!" फ्रैंकी के लिए, यह अब तक का सबसे बेहतरीन संस्करण था जो उसने सुना था।

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड में शामिल हो जाता है।

कभी-कभी सिर्फ बहादुर बनने के लिए।

फ्रेंकी मुस्कुराया और अपनी पत्नी की ओर देखने लगा।

“ऑरोरा?”

उसकी आंखें बंद थीं।

59

डॉक्टरों ने बताया कि जानलेवा स्ट्रोक संभवतः पहले लगी चोट के कारण हुआ था। वे निश्चित नहीं थे; अरोरा अड़सठ वर्ष की थीं। नर्सें टॉर्च लेकर दौड़ी थीं, लेकिन उन्हें होश में लाने के प्रयास व्यर्थ रहे। उनकी मृत्यु इतनी जल्दी हो गई। एक युवा चिकित्सक ने संवेदना व्यक्त की और फिर तूफान के अन्य पीड़ितों की मदद के लिए दौड़ पड़े। जब वार्ड बॉय स्ट्रेचर लेकर अंदर आए तो फ्रैंकी अविश्वास में चुपचाप बैठा रहा। जब वे उनका शव ले गए, तो वह फर्श पर गिर पड़ा और दीवार से सटकर बैठ गया, आगे-पीछे हिलता रहा, अपने हाथों को ऐसे पकड़े रहा जैसे जम गया हो। बाहर सड़कें जलमग्न थीं। अस्पताल किसी युद्ध क्षेत्र जैसा लग रहा था। कहीं जाने की जगह नहीं

थी। चीखने की भी कोई जगह नहीं थी। एक बार फिर, तेज बहते पानी ने उसका जीवन बदल दिया था।

उन्हें दफनाने में चार सप्ताह का समय लग गया।

अंतिम संस्कार के दौरान, काई ने अपने पिता का हाथ थामकर रोया। अरोरा के साथ चर्च में आए अन्य लोग भी एक-दूसरे का हाथ थामकर रोए। लंदन से आई सेसिल (यॉर्क) पीटरसन ने भी काई का हाथ थामकर रोया। उन्होंने अपनी बहन अरोरा के बारे में एक भावपूर्ण और संक्षिप्त श्रद्धांजलि दी, जिसमें उन्होंने उन्हें बहादुर, बुद्धिमान और कभी-कभी सबसे खुशमिजाज महिला बताया, एक ऐसी इंसान जो हमेशा दूसरों के बारे में पहले सोचती थी। सामुदायिक केंद्र के बिग मेस बैंड ने न्यू ऑरलियन्स की परंपरा के अनुसार शोकगीत "जस्ट अ क्लोज़र वॉक विद थी" बजाया।

फ्रेंकी ने इसमें ज़रा भी हिस्सा नहीं लिया। उसने एक शब्द भी नहीं गाया। वह प्रार्थना सभा के एक कोने में खड़ा रहा, मानो कहीं दूर कहीं देख रहा हो।

मैंने कहा था कि फ्रैंकी के दिल के लिए ऑरोरा यॉर्क ही मेरी एकमात्र प्रतिद्वंदी थी। उस दिन, उसने मुझे हरा दिया। उसके अंदर संगीत का एक भी सुर बाकी नहीं रहा। उसके लिए उसका बेताब प्यार, जिसका कोई हल नहीं निकला, उस बाढ़ के पानी की तरह उसके भीतर की दीवारों से टकराया, मुझे डुबो दिया, उसे चुप करा दिया। वह बार-बार उसका चेहरा देखता रहा, मानो अस्पताल में उसे गाने के लिए कह रहा हो। वह बार-बार उसे एक छोटी बच्ची के रूप में देखता रहा, मानो पेड़ पर खेलने के लिए कह रहा हो। वह बार-बार उस पुराने गिटार के बारे में सोचता रहा जिसे वह पीछे छोड़ आया था, और उसके उस एक नीले तार के बारे में, जो अभी तक इस्तेमाल नहीं हुआ था।

“अगर आपको किसी की जान बचानी पड़े तो क्या होगा?” उसने पूछा था।

इस बारे में सोचना भी असहनीय था। उसका दिमाग सुन्न पड़ गया। उसकी आँखें बेजान हो गईं। वह अंदर से बिल्कुल खाली हो गया था।

समारोह समाप्त होने पर, वह कब्र के पास तब तक रुका रहा जब तक सब लोग उसे अकेला छोड़कर चले नहीं गए। फिर वह उकड़ू बैठ गया, अपनी जेब से कुछ निकाला और उसे ज़मीन में गाड़ दिया: गिटार के तार से बना एक छोटा, गोल फूल। उसकी आँखों में आँसू भर आए और उसका संतुलन बिगड़ गया और वह आगे की ओर गिर पड़ा, गीली घास से उसके हाथ और घुटने भीग गए। वह बार-बार उसका

नाम फुसफुसाता रहा।

“काफी समय बाद,” वह हांफते हुए बोला। “आपने कहा ‘काफी समय बाद’।”

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड में शामिल हो जाता है।

उनमें से कुछ आपका दिल तोड़ देते हैं।

60

फ्रैंकी ने अपने जीवन के शेष वर्ष अपनी यादों से जितना दूर हो सके, फिलीपींस के मनीला शहर में, सैंटो टॉमस विश्वविद्यालय में शास्त्रीय गिटार सिखाते हुए बिताए। उनकी बेटी काई ने अपने पिता के अनुरोध पर, सिम्फनी संगीत जगत से अपने संपर्कों का उपयोग करके एक साक्षात्कार की व्यवस्था की थी।

“यह बहुत दूर है,” उसने विरोध जताया।

“मुझे पता है,” उसने कहा।

फ्रेंकी की कैथोलिक परवरिश ने उसे नौकरी दिलाने में मदद की। उसने अपने नए नियोक्ताओं को कभी नहीं बताया कि उसने प्रार्थना, चर्च और ईश्वर में विश्वास छोड़ दिया था। इसके बजाय, उसने मामूली वेतन वाली शिक्षण की नौकरी स्वीकार कर ली और एस्पाना बुलेवार्ड पर एक छोटे से अपार्टमेंट में रहने लगा, जिससे वह कैंपस तक पैदल आ-जा सकता था और विशाल, बारोक शैली के आर्क ऑफ द सेंचुरीज़ के नीचे से प्लाज़ा इंट्रामुरोस तक जा सकता था।

उन्होंने पाया कि फिलीपीनी छात्र विनम्र और आदरणीय थे, और उन्होंने उन्हें धैर्यपूर्वक और दृढ़ता से व्यक्तिगत रूप से पढ़ाया। छात्र उनके ज्ञान की प्रशंसा करते थे। लेकिन वे उनके लिए शायद ही कभी वादन करते थे। न ही वे किसी संगीत समूह या संकाय ऑर्केस्ट्रा में शामिल हुए। उनका वहाँ होने का एक ही कारण था, एक ऐसी जगह पर रहना जहाँ उन्हें कोई न ढूँढ सके।

केवल रात में, बस टर्मिनल की ओर खुलने वाली खिड़की के पास अकेले में बैठकर ही वह गिटार बजाता था। वह गैस्पर सैन्ज़ की धीमी बारोक धुनें और रॉबर्ट जॉनसन के पुराने ब्लूज़ संगीत बजाता था। लेकिन अब उसकी उंगलियों में हर समय दर्द रहता था, गठिया ने उसके तंत्रिका-क्षतिग्रस्त बाएं हाथ को बुरी तरह प्रभावित कर दिया था, और उसके कंधे और गर्दन में स्थायी अकड़न आ गई थी। वह अब दौड़ता नहीं था। वह अब पेन्ने पास्ता नहीं बनाता था। वह अब एम्पलीफायर ठीक नहीं करता था, चाय नहीं बनाता था, और न ही अपनी पत्नी के साथ साझा की जाने वाली किसी भी दिनचर्या में हिस्सा लेता था। अकेलापन एक राक्षस की तरह उन सभी गतिविधियों पर मंडरा रहा था।

ऑरोरा ने एक बार कहा था कि काई के अलावा, उसके जाने के बाद उसके पास उसका संगीत तो रहेगा ही, और वह सही थी। लेकिन मैंने उसे कोई खास सांत्वना नहीं दी। उसकी मृत्यु के बाद के महीनों में उसने एक गाना लिखा और फिर कभी कुछ नहीं लिखा।

2009 में, काई अपने सिम्फनी दौरे के समापन पर मिलने आई और उसने फ्रैंकी को बताया कि उसका चयन स्पेन में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फ्रांसिस्को टार्रेगा गिटार प्रतियोगिता के लिए हो गया है। यह चालीस वर्षों से अधिक पुराना एक प्रसिद्ध उत्सव था, और इस वर्ष टार्रेगा की पुण्यतिथि की सौवीं वर्षगांठ होने के कारण यह विशेष सम्मान की बात थी। इसी कारण, यह उत्सव और प्रतियोगिता पहली बार टार्रेगा के जन्मस्थान विलारियल में आयोजित की जा रही थी।

“पापा, मैं चाहती हूँ कि आप आएँ।”

"नहीं, काई।"

यह मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

"मैं नहीं कर सकता।"

“आपने ही मुझे टार्रेगा के बारे में सिखाया था। यह पहली चीज थी जो आपने मुझे सिखाई थी। उनके संगीत के बारे में मुझे जो कुछ भी पता है, वह सब आपसे ही पता है।”

"वहाँ बहुत सारे हैं । । ।"

“क्या? यादें?”

"हाँ।"

“यादें किसी जगह पर नहीं टिकतीं, पापा। यादें आपके दिमाग में होती हैं। वे यहाँ भी हैं। इस”—उसने चारों ओर देखा—“बेहद छोटे से अपार्टमेंट में भी।”

फ्रेंकी ने अपना चेहरा रगड़ा और अपने बालों को पीछे धकेला, जो पतले और भूरे होने के बावजूद भी उसके माथे पर बिखरे हुए थे।

"क्या तुम कभी ब्रश का इस्तेमाल करते हो?" काई ने उसे हंसाने की कोशिश करते हुए पूछा।

“किसके लिए?” उसने कहा।

उसने नज़रें फेर लीं।

मुझे भी उसकी बहुत याद आती है, पापा।

"मुझे पता है।"

वह अपनी बेटी को घूर रहा था और सोच रहा था कि वह कितनी खूबसूरत हो गई है, अब वह तीस साल की उम्र के आसपास थी और उसकी खूबसूरती चरम पर थी जबकि वह खुद बूढ़ा होता जा रहा था।

“क्या आप कुछ दिन रुकेंगे?” उसने पूछा।

मैं शुक्रवार तक यहीं रहूंगा।

“उसके कुछ दिनों बाद?”

मुझे फोन करना पड़ेगा।

“आप मेरा फोन इस्तेमाल कर सकते हैं।” उन्होंने एक मेज की ओर इशारा किया।

“मेरे पास फोन है, पापा। आजकल सबके पास फोन होता है।”

"अरे हां।"

वह आगे झुकी और उसके घुटने को सहलाने लगी।

"तुम ठीक हो?"

प्रेम और पीड़ा की लहरें एक साथ उस पर हावी हो गईं, मानो आपस में टकराती हुई जलधाराएँ हों।

“त्योहार कब है?” उसने पूछा।

जॉन पिज़ारेली

जैज़ गिटारवादक, गायक, संगीतकार, प्रसिद्ध गिटारवादक बकी पिज़ारेली के पुत्र

जी हाँ, बिल्कुल। . . . मेरा नाम जॉन पिज़ारेली है, मैं एक संगीतकार हूँ, मैं न्यूयॉर्क शहर में रहता हूँ। मैं यहाँ इसलिए आया हूँ क्योंकि फ्रैंकी प्रेस्टो मेरे पुराने दोस्त थे, और उन्होंने मरने से पहले मुझसे कुछ करने को कहा था। . . . उन्होंने मुझसे फ्रैंकी प्रेस्टो के 'द मैजिक स्ट्रिंग्स' के मूल टेप ढूंढकर अपनी बेटी को देने को कहा था। . . . वे इस सूटकेस में हैं। . . .

फ्रेंकी और मैं? बहुत पुराना रिश्ता। वो सबसे पहले मेरे पिता बकी पिज़ारेली को जानते थे। उनकी मुलाकात 1960 के दशक के मध्य में हुई, जब फ्रेंकी 'द टुनाइट शो' में आए थे, जहाँ मेरे पिताजी बैंड में थे। गिटार बजाने वाले होने के नाते, दोनों की बातचीत शुरू हुई और फ्रेंकी ने मेरे पिताजी का सात-स्ट्रिंग वाला गिटार बजाकर देखा और वो दंग रह गए। पिताजी को वो बहुत पसंद आया। वो कहते थे, "और ये तो इटैलियन भी नहीं है!" हम तो उसे अपने ही जैसा समझते थे। "प्रेस्टो," जानते हो ना? सुनने में इटैलियन लगता है।

खैर, अगले कुछ सालों में, अगर फ्रैंकी न्यूयॉर्क आता, तो वह हमारे घर ज़रूर आता और बकी और उन जैज़ संगीतकारों के साथ मिलकर संगीत बजाता जो अपने शो के बाद आते थे, ज़्यादातर मेरी माँ की रिगाटोनी खाने के लिए। जब मैं उससे पहली बार मिला, तब शायद मैं छह या सात साल का था। वह बड़े लोगों से अलग दिखता था। वह सुंदर था, उसके काले बाल थे और वह धूप का चश्मा पहनता था। वह मुझे कुछ-कुछ एल्विस जैसा लगता था। या यूँ कहूँ कि जितना करीब मैं पहुँच सकता था। मैं टेनर बैंजो सीख रहा था और फ्रैंकी के गिटार पर एक गाना बजाने के बाद, मैंने अपना बैंजो उठाया और कहा, "हाँ, लेकिन क्या आप इसे बजा सकते हैं?" ज़ाहिर है, मैं थोड़ा शरारती बच्चा था। लेकिन उसने मेरा बैंजो लिया, मुझे आँख मारी और वह मशहूर स्पेनिश धुन "ला मालागुएना" बजाने लगा। वह तेज़ से तेज़ बजाता गया, यहाँ तक कि मेरी आँखें फटी रह गईं। और यह बैंजो था, जो उसे बजाना नहीं आता था। बजाना खत्म करके उसने पूछा, "कैसा लगा?" और मैंने कहा, "काफी अच्छा," और उसने कहा, "काफी अच्छा तो काफी अच्छा होता है।"

वो मुझे "एलपीजे" कहकर बुलाते थे, यानी लिटिल पिज़ारेली जॉन, क्योंकि उस

समय राष्ट्रपति लिंडन बेन्स जॉनसन, एलबीजे थे। इसलिए मैं एलपीजे कहलाता था। उन्हें मुझे अपने पिताजी के साथ खेलते देखना बहुत अच्छा लगता था। शायद उन्होंने अपने पिता को ठीक से नहीं जाना था, इसलिए पिता-पुत्र को साथ खेलते देखना उनके लिए बहुत खास था।

फिर काफी समय तक हमारी फ्रैंकी से मुलाकात नहीं हुई। सत्तर के दशक में एक बार वो आए थे, जब उनकी शादी अरोरा से हुई थी और वे न्यूयॉर्क से गुजर रहे थे। मेरी माँ ने पास्ता बनाया था। मैं हाई स्कूल में थी और मेरे बाल लहराते हुए थे—मैं पीटर फ्रैम्पटन की बहुत बड़ी फैन थी—और उन्होंने पूछा, "क्या उस फ्लॉप के नीचे एलपीजे है?" और मैंने कहा, "हाँ," और उन्होंने पूछा, "कैसी हो?" और मैंने कहा, "ठीक हूँ," और उन्होंने कहा, "ठीक हूँ तो ठीक हूँ।" और फिर उन्होंने पूछा, "क्या तुमने 'ला मालागुएना' गाना सीख लिया है?"

बहुत समय बाद मेरी उनसे दोबारा मुलाकात हुई—जब मैं तीस साल का हो चुका था, तब तक मैं रिकॉर्डिंग कर रहा था और दुनिया भर में घूम रहा था। मुझे पता चला कि वह स्टैटन आइलैंड में एक संगीत की दुकान में किसी दूसरे नाम से पढ़ा रहे थे। मैं वहां गया, और वाकई, वह वही थे। उन्होंने मुझे दरवाजा बंद करने को कहा, फिर मुझे गले लगाया और मेरे पिताजी का हालचाल पूछा। उन्होंने मुझे अपनी बेटी और जूलियार्ड के बारे में बताया और यह भी बताया कि वह क्यों चुपचाप रह रहे थे, क्योंकि बहुत से लोग उनके बारे में जानने को उत्सुक थे। मैं उस समय शहर में संगीत कार्यक्रम कर रहा था, और मैंने उनसे हमारे साथ आकर संगीत बजाने का अनुरोध किया—मैंने वादा किया कि मैं उनका परिचय नहीं कराऊंगा—लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा कि शायद वह और अरोरा एक रात घर आएंगे, लेकिन वे कभी नहीं आए।

फिर वे न्यू ऑरलियन्स चले गए, और हमारा संपर्क टूट गया।

मैंने उसे आखिरी बार एक साल पहले देखा था। हमारा बैंड एशिया में कुछ शो कर रहा था, और हमारा एक शो मनीला में था। शो के बाद, विश्वविद्यालय का एक छात्र स्टेज के दरवाजे के बाहर खड़ा था, और उसने कहा कि उसे मुझसे कुछ ज़रूरी बात कहनी है। एक ऐसे आदमी का संदेश जो मेरे घर पर मीटबॉल खाया करता था। उसने "ला मालागुएना" कहा और मुझे एक पता दिया। बिल्कुल जेम्स बॉन्ड की फिल्म की तरह, है ना? लेकिन वह जगह हमारे शो वाली जगह से ज़्यादा दूर नहीं थी, इसलिए

मैंने एक टैक्सी ड्राइवर से मुझे वहाँ ले जाने के लिए कहा। मैं अपार्टमेंट तक गया। वहाँ कोई चौकीदार वगैरह नहीं था। मैंने बस दरवाजा खटखटाया।

और फ्रेंकी ने दरवाजा खोला और कहा, "हे, एलपीजे।"

मैंने उन्हें हैरानी से देखा। वे स्वस्थ नहीं लग रहे थे। वे झुके हुए थे, बेहद दुबले-पतले थे, चश्मा लगाए हुए थे और उनके बाल बिखरे हुए थे, किसी परेशान प्रोफेसर की तरह। मुझे नहीं पता था कि अरोरा की मृत्यु हो गई है। यह सुनकर मुझे समझ आया। वे दोनों एक-दूसरे के लिए दीवाने थे।

हमने थोड़ी देर बात की और हमेशा की तरह उन्होंने मेरे पिता के बारे में पूछा और जानना चाहा कि क्या हम अब भी साथ खेलते हैं। जब मैंने हाँ कहा, तो वे खुश हो गए। मैंने पूछा कि क्या वे रिकॉर्डिंग या लेखन का काम कर रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि पत्नी के निधन के बाद से उन्होंने सिर्फ एक गाना लिखा है। मैंने पूछा कि क्या मैं उसे सुन सकता हूँ। उन्होंने मुझे वह गाना गाकर सुनाया और वह इतना छोटा था कि मुझे पूरा याद है।

कल
मैंने एक पक्षी देखा
जिसका पेड़ गायब हो गया था,
बादलों ने अपना दावा पेश किया
चाँद रहित आकाश की ओर
तुम चले गए हो
मैं यहाँ हूँ।

यह दिल को छू लेने वाला था, इतना दुखद और इतना खूबसूरत। मैंने उनसे पूछा कि क्या वह इसे रिकॉर्ड करेंगे, तो उन्होंने मेरी तरफ ऐसे देखा जैसे यह कभी होने वाला ही नहीं था और कहा, "अगर तुम चाहो तो इसे ले सकती हो।"

तभी उसने मुझसे मदद मांगी। उसने कहा कि उसकी गिटार बजाने की एक अवैध रिकॉर्डिंग, जिसका नाम 'द मैजिक स्ट्रिंग्स ऑफ फ्रैंकी प्रेस्टो' है, कई सालों से इंटरनेट पर मौजूद है (मैंने उसे यह नहीं बताया कि मेरे सभी परिचित गिटारवादकों के पास या तो वह रिकॉर्डिंग थी या उन्होंने उसे सुना था) और उसे वास्तव में असली टेप चाहिए थे। मुझे लगा कि वह अपने बकाया पैसे चाहता है।

लेकिन मैं गलत था। उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। उन्हें टेप चाहिए थे क्योंकि उन्हें याद था कि उस दिन उनकी पत्नी और बेटी स्टूडियो में उनके साथ थीं, और वे उनके बजाने के बीच में बातें और हंसी-मजाक कर रही थीं, और मूल रिकॉर्डिंग में वह सब कुछ रिकॉर्ड हो गया होगा। उन्होंने कहा कि जब उनकी मृत्यु हो जाए, तो वह चाहते हैं कि काई के पास अपने माता-पिता की वह सुखद याद रहे।

खैर, मुझे उन टेपों को ढूंढने में एक साल लग गया। लेकिन मैंने उन्हें ढूंढ ही लिया। न्यूज़ीलैंड में किसी ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया, फिर इंग्लैंड और फिर जापान में किसी को बेच दिया था। मैं पिछले महीने टोक्यो में था, और मुझे वो इंजीनियर मिल गया जिसके पास वो टेप थे। जब मैंने उसे बताया कि मैं असली फ्रैंकी प्रेस्टो का प्रतिनिधित्व कर रहा हूँ, तो वो थोड़ा घबरा गया—उसने कहा, "मुझे लगा था कि वो मर चुका है"—और उसने मुझे टेप सौंप दिए, बस मुझसे जापानी भाषा में एक दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करवाए जिसमें मैंने उससे वादा किया था कि उस पर मुकदमा नहीं किया जाएगा।

मुझे वो सब मिल जाने के बाद, मैंने फिलीपींस में फ्रैंकी के नंबर पर कॉल किया। लेकिन मुझे लगता है कि वो तब तक यहाँ आने के लिए निकल चुका था। मैं उससे कुछ ही दिनों से चूक गया।

यह तो फ्रैंकी प्रेस्टो की खासियत है, है ना?

61

फ्रैंकी और काई एक साथ स्पेन गए। वे सामान लेने की जगह पर काई के गिटार के उतरने का इंतज़ार कर रहे थे। फ्रैंकी अपने साथ कोई वाद्य यंत्र नहीं लाया था, बस एक छोटा सा सूटकेस लाया था। उसने खुद को याद दिलाया कि वह एक पिता के रूप में वहाँ गया है। संगीत से उसका जितना कम वास्ता हो, उतना ही अच्छा।

पहले दिन, वह ज़्यादातर होटल में ही सोता रहा, जबकि काई ने पंजीकरण कराया

और महोत्सव के कार्यक्रमों में भाग लिया। फ्रैंकी को गठिया की गंभीर समस्या थी और वह दर्द निवारक दवाइयाँ लेता था। उस शाम, काई ने उससे अभ्यास सुनने का अनुरोध किया, इसलिए वह एक कुर्सी पर बैठ गया, उसके कंधे झुके हुए थे, उसकी कमीज़ के बटन खुले थे, और वह काई की तेज़ी से चलती उंगलियों को निहारता रहा, यह देखकर चकित था कि वह कितनी निपुण हो गई थी, विशेष रूप से उसके बचपन के संगीत में। जब वह स्पेनिश संगीतकारों द्वारा रचित सबसे जटिल अंशों - ट्रेमोलोस, रास्गुएओ फिंगरिंग - को बजा रही थी, तो वह धीरे-धीरे सिर हिलाता रहा।

"तो?" उसने बात खत्म करते हुए पूछा। "कोई सुझाव?"

"क्या मैंने तुम्हें बताया कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूँ?"

“यह टिप नहीं है, पापा।”

उसने कंधे उचका दिए।

“अच्छा, ठीक है,” उसने कहा।

काई ने प्रतियोगिता के पहले दो दिनों में शानदार प्रदर्शन किया और आसानी से फाइनल राउंड में पहुंच गया। उस सुबह, फ्रैंकी सूर्योदय से पहले ही जाग गया। उसकी गर्दन में दर्द हो रहा था। उसके घुटनों में भी दर्द था। बेचैनी महसूस करते हुए, उसने एक लैंप की रोशनी में कपड़े पहने और होटल से बाहर निकल गया, इस उम्मीद में कि ताजी हवा से उसका मन हल्का हो जाएगा।

विलारियल धुंध से घिरा हुआ था, ठीक उस सुबह की तरह जब कारमेनसीटा उन जिप्सियों से मिली थी जिन्होंने उसे डोरियाँ दी थीं। फ्रेंकी एक चौड़ी सड़क पर चली और फिर एक संकरी गली में मुड़ गई, जहाँ उसे मुश्किल से दो कदम आगे दिखाई दे रहे थे। शहर गुफा की तरह शांत था।

फ्रेंकी का मन कहीं खो गया था। उसे अगले दिन रवाना होना था और उसे पूरा यकीन था कि स्पेन की यह उसकी आखिरी यात्रा होगी। जैसे ही धुंध छंटकर सूरज की पहली किरणें निकलीं, उसने खुद को एक छोटे से पार्क में पाया जिसके बीचोंबीच एक मूर्ति खड़ी थी।

वह आगे बढ़ा और आंखें सिकोड़कर देखने लगा। एक पत्थर के चबूतरे के ऊपर

से, महान फ्रांसिस्को टार्रेगा की एक विशाल कांस्य प्रतिमा उसे नीचे देख रही थी।

यह ऐसा था मानो मैं अपने एक बच्चे को दूसरे से मिलते हुए देख रही हूँ।

टार्रेगा को प्रस्तुति के बीच में ही खड़ा कर दिया गया था, उनका बायां पैर एक छोटे से स्टूल पर था, उनके हाथ गिटार पर बिल्कुल सही ढंग से रखे हुए थे, जो शास्त्रीय शैली में ऊपर की ओर झुका हुआ था। फ्रैंकी ने उस्ताद के चेहरे को गौर से देखा, जिनकी मृत्यु को सौ साल हो चुके थे, उनकी लंबी दाढ़ी और लहराते बाल थोड़े बिखरे हुए थे, जो फ्रैंकी को एल मास्ट्रो की याद दिला रहे थे।

उसने शिलालेख पढ़ने के लिए अपनी नज़रें नीचे झुकाईं। फिर उसने बगल में देखा और पलकें झपकाईं।

वहां, पत्थर के आधार से टिका हुआ, उसका गिटार था।

कम से कम देखने में तो वह उसका गिटार लग रहा था। लेकिन यह तो नामुमकिन था, है ना? उसने चारों ओर ऐसे देखा जैसे कोई आ रहा हो। फिर उसने मूर्ति के चारों ओर लगी नीची रेलिंग को अजीब तरह से पार किया, जिससे उसकी पैंट एक तीली में फंस गई और उसकी त्वचा पर एक छोटा सा कट लग गया।

“आह,” वह कराह उठा।

उसने गिटार की गर्दन पर हाथ रखा और अचानक उसके सामने डजैंगो, युवा अरोरा, हैम्पटन, एलिस और अल्बर्टो के चेहरे कौंध गए। वह जैसे किसी चोट से झुलस गया हो, वैसे ही उसने अपना हाथ पीछे खींच लिया।

और उसे एहसास हुआ कि वह अकेला नहीं है।

मूर्ति के पिछले हिस्से के पीछे, हाथ में छड़ी लिए, एक नकाबपोश, भारी वस्त्र पहने हुए आकृति छिपी हुई थी।

“यह तुम्हारा गिटार है, फ्रांसिस्को,” एक धीमी आवाज़ में कहा गया। “इसे ले लो।”

62

फ्रेंकी को लगा कि वह किसी पुरुष को देख रहा है, लेकिन जैसे ही हुड नीचे हुआ, उसे एहसास हुआ कि वह एक बहुत बूढ़ी औरत है। उसके बाल पतले, छोटे और लगभग सफेद थे, जिनमें कहीं-कहीं जंग लगे धब्बे थे, मानो कभी लाल रहे हों। उसकी आँखों के चारों ओर झुर्रियाँ थीं और उनका रंग हल्का भूरा था। जब उसने अपना मुँह खोला, तो फ्रेंकी ने उसके सामने के दाँतों के बीच एक खाली जगह देखी।

“तुम इसे मठ में ही छोड़ आए थे,” उसने कहा।

मुझे यह नहीं चाहिए।

"सिर्फ एक ही।"

आप इसे क्यों लाए हैं?

आपका खेल अभी खत्म नहीं हुआ है।

"आप कौन हैं?"

एक समय था जब मैं तुम्हारी मां के नाम से जानी जाती थी।

"मेरी माँ?"

“यह अनुचित था।”

उसने अपना सिर झुकाया।

मैंने तुम्हें मरने के लिए छोड़ दिया। बाकी की जिंदगी में, मुझे त्याग दिया गया है।

वृद्धा मूर्ति के नीचे ज़मीन को घूर रही थी। उसका चेहरा झुर्रियों से भरा हुआ था और ठुड्डी के नीचे की त्वचा ढीली पड़ गई थी। जब वह बोली, तो उसकी आवाज़ धीमी और सधी हुई थी, मानो उसने इस कहानी का कई बार अभ्यास किया हो और अब आखिरकार इसे सुनाने जा रही हो।

“मेरा नाम जोसेफा है। 1935 में, जब मैं सोलह साल की थी, मेरे माता-पिता मुझे एक मठ में छिपाने के लिए विलारियल आए थे। वे गरीब थे लेकिन धर्मनिष्ठ थे, और क्रांतिकारी उनका पीछा कर रहे थे, खासकर मेरे पिता का, जिन्हें वे 'एल पेले' कहते थे।”

"'बेटी, तुम यहाँ सुरक्षित रहोगी,' उसने जाते समय मुझसे कहा। 'ईश्वर हमें जल्द ही फिर से मिला देगा।'"

"मैंने उसे फिर कभी नहीं देखा।

"मुझे सैन पास्कुअल बेसिलिका की सिस्टर्स के साथ रहकर सुकून मिला। मैंने प्रार्थना सभा में भाग लिया, कपड़े तह किए और हमारे संरक्षक संत की समाधि की देखभाल में मदद की।"

"जिस रात हमारे चर्च को मिलिशिया ने नष्ट किया, उस रात मैं एक जरूरतमंद परिवार को भोजन देने के लिए बाहर गई थी, ऐसा करने की अनुमति केवल नौसिखिए को ही थी। जब मैं लौटी, तो लगभग सभी लोग भाग चुके थे। मैं खुद भागने की तैयारी कर रही थी कि मैंने किसी को सामने के दरवाजे से अंदर आते और मोमबत्तियों के पास घुटने टेकते देखा। एक महिला। जवान और गर्भवती। जैसे ही मैं उसे खतरे से आगाह करने के लिए उसके पास पहुंची, वह गिर पड़ी और उसे प्रसव पीड़ा शुरू हो गई।"

"वह स्त्री तुम्हारी असली माँ थी। उसका नाम कारमेनसीटा था। वह तुम्हारे सुरक्षित जन्म के लिए प्रार्थना करने आई थी। लेकिन एक बार जब तुम्हारा जन्म शुरू हो गया, तो वह कुछ नहीं कर सकी। लुटेरे आ चुके थे। मैं उसे जल्दी से ऊपर सैन पास्कुअल के कक्ष में ले गई और प्रार्थना की कि उनकी आत्मा हमारी रक्षा करे।"

कुछ ही मिनटों बाद, तुम्हारा जन्म हुआ, नीचे बुराई और ऊपर ईश्वर की कृपा थी। तुम्हारी माता ने हमारे संरक्षक संत के सम्मान में तुम्हारा नाम रखा और तुम्हें बस कुछ ही क्षणों के लिए गोद में लिया। तुम्हें रोने से रोकने के लिए, उसने एक गीत गुनगुनाया। इसने तुम्हारी जान बचाई।

और मेरा भी।

फ्रेंकी कांप रहा था।

"उसके साथ क्या हुआ?" उसने फुसफुसाते हुए कहा।

"वह हिल नहीं पा रही थी। वह कमजोर थी और खून बह रहा था। मैंने आदमियों के चीखने की आवाज सुनी। मैंने मोमबत्तियां बुझा दीं। अंधेरे में, मैंने महसूस किया कि वह मेरी ओर हाथ बढ़ा रही है, और जब उसका हाथ मेरे सिर तक पहुंचा, तो उसने मुझे कसकर गले लगा लिया। उसने मेरे कान में फुसफुसाया, बस तीन शब्द।"

" 'मेरे बच्चे को बचाओ।'

“मैंने अपनी पूरी कोशिश की। मैंने अपना वस्त्र उतार दिया, क्योंकि अगर उन्हें पता चल जाता कि मैं क्या हूँ, तो मेरी जान चली जाती। उन दिनों, एक नन की सड़क पर हत्या की जा सकती थी। मैंने तुम्हारी माँ के कपड़े लिए और उन्हें अपने कपड़ों में लपेट लिया। मैंने मन ही मन प्रार्थना की। और मैं तुम्हें अपनी बाहों में उठाकर पीछे की सीढ़ियों से बाहर भाग गई।”

“तुमने मेरी माँ को छोड़ दिया?” फ्रेंकी ने कहा।

बुजुर्ग महिला ने अपने पैरों की ओर देखा।

मैंने इससे भी बुरे काम किए हैं।

वह बेंत को कसकर पकड़े हुए जोर से खांसी। जैसे-जैसे दिन का उजाला बढ़ता गया, वह और भी बूढ़ी लगने लगी, और फ्रेंकी को एहसास हुआ कि इस महिला को यहाँ तक आने में कितनी मेहनत लगी होगी। लेकिन वह अपनी कहानी पूरी करने के लिए दृढ़ संकल्पित लग रही थी।

कई महीनों तक मैंने तुम्हें अपने बच्चे की तरह पाला। मैंने अपने अतीत के बारे में झूठ बोला। मैंने तुम्हें वह सब कुछ दिया जो मैं दे सकती थी। लेकिन न तो काम था, न पैसा और न ही खाना। मैं खुद भी अभी बच्ची ही थी। मैं एक शिशु के रोने को नहीं समझती थी। तुम्हारी माँ को छोड़ने के लिए मैं खुद को शापित और झूठ में जीने के लिए खुद को गंदा महसूस करती थी। मुझे नींद नहीं आती थी। मुझे शैतानी आवाजें सुनाई देती थीं। चर्च मेरा सहारा था, लेकिन अब मैं वहाँ नहीं जा सकती थी। बिना परिवार के और एक रोते हुए बच्चे के साथ, मैं समाज से बहिष्कृत हो गई थी। अकेली। और इसलिए, एक सुबह...

“क्या?” फ्रेंकी ने कहा।

उसने गहरी सांस ली।

“मैंने तुम्हें फेंक दिया, फ्रांसिस्को। मेरे कहने के तरीके के लिए मुझे क्षमा करें, लेकिन मैं इससे अधिक नरमी से कहने के योग्य नहीं हूँ। मैंने तुम्हें मिजारेस नदी में डाल दिया। और मैं भागी। मैं तब तक भागी जब तक मेरी छाती में हवा नहीं भर सकी। मैं कीचड़ से लथपथ झाड़ियों के घने जंगल में गिर पड़ी। दुनिया अंधेरी हो गई

और एक पल के लिए मुझे लगा कि मैं मर जाऊँगी। यही तो मैं चाहती थी।"

"तभी मुझे किसी के सांस लेने की आवाज सुनाई दी और मैंने आंखें खोलीं तो देखा कि एक कुत्ता मेरे ऊपर खड़ा है, काला, बिना बालों वाला। उसने एक भी आवाज नहीं की। वह बस मुझे घूर रहा था। एक आवाज आई और कुत्ता भाग गया। मैंने दूर से एक गंजे आदमी को तुम्हें ले जाते हुए देखा, जानवर उसके बगल में था।"

"पापा...," फ्रेंकी ने फुसफुसाते हुए कहा।

"बफा रुबियो। तब मुझे पता चला कि ईश्वर ने मुझे त्याग दिया है, लेकिन तुम्हें नहीं। मैं एक पापी था। संतान के लायक नहीं था। मेरी सज़ा मेरे किए का पछतावा करना था। लेकिन मेरा प्रायश्चित स्पष्ट था।"

"क्या प्रायश्चित?" फ्रेंकी ने कहा।

"दूर से तुम्हारी रक्षा करने के लिए। तुम्हारी माँ की अंतिम इच्छा का सम्मान करने के लिए। मेरे बच्चे को बचाओ। यही मेरी मुक्ति का एकमात्र मार्ग था। इसी ने मुझे उस कीचड़ भरे जंगल से उठने का कारण दिया। मैं बफा रुबियो के पीछे-पीछे चलता रहा, जब तक कि मैंने उसे तुम्हें अपनी बाहों में लिए अपने घर में प्रवेश करते हुए नहीं देखा। उस क्षण से, मैं तुम्हारा रक्षक बन गया। मैंने कसम खाई थी कि चाहे तुम्हारा जीवन मुझे कहीं भी ले जाए, मैं तुम्हारी रक्षा करता रहूँगा। और मैंने वही किया है।"

फ्रेंकी अविश्वास से घूर रहा था। "कब तक?"

उसने अपने दोनों हाथ छड़ी पर रख दिए।

"इस पल तक।"

रॉबर्ट शुमान की भावपूर्ण रचना "ट्रॉमेरेई" ("दिव्य स्वप्न") उन्होंने अपने बचपन की यादों को संजोने के लिए लिखी थी। फ्रैंकी ने इसे उस्ताद से सीखा था। इसमें एक ही स्वर वाला खंड बार-बार दोहराया जाता है, और हर बार एक अलग कॉर्ड बजता है जो संगीत के मिजाज को बदल देता है। यह सरल होते हुए भी मनमोहक है, जो एक बच्चे के सपनों को जीवंत कर देता है। लेकिन पूरी रचना एक चरमोत्कर्ष पर टिकी है, एक अद्भुत ध्वनि जो अंतिम चार स्वरों के बाद आती है, एक ऐसा कॉर्ड जो इतना मर्मस्पर्शी और सुंदर है कि इसे सुनने के बाद ही पहले की सारी बातें समझ में आती हैं।

फ्रेंकी प्रेस्टो के लिए, नन की कहानी वही तार थी। इसने उन्हें उस धुंधले सपने से बाहर निकाला जिसने इतने लंबे समय से उनकी कहानी को ढक रखा था, और ताले की पिनों की तरह सारी जानकारियाँ एक-एक करके अपनी जगह पर बैठती चली गईं।

उसे पता चला कि यह महिला उसके जीवन के अधिकांश समय में उससे एक मील से भी कम दूरी पर रही थी, और उसके द्वारा शामिल किए गए लगभग हर बैंड में एक मूक साथी थी। जब फ्रैंकी ने बचपन में फोनोग्राफ चुराया था, तब जोसेफा ने ही पुलिस का ध्यान भटकाया था। जब फ्रैंकी सैनिकों से भाग रहा था, तब जोसेफा ने ही एक जिप्सी को उसकी गाड़ी रोकने के लिए पैसे दिए थे। जोसेफा ही फ्रैंकी का पीछा करते हुए इंग्लैंड तक गई, जिसने उसे साउथेम्प्टन के बंदरगाह पर पाया और जो कभी-कभी उसे भूख से बचाने के लिए उसके गिटार के डिब्बे में सिक्के डाल देती थी।

जोसेफ़ा ही थी जो फ्रैंकी के पीछे-पीछे अमेरिका गई थी, और अपने साथ स्पेन से बचाए गए उस बिना बालों वाले कुत्ते को भी ले गई थी। जोसेफ़ा ही थी जिसने बाफ़ा की बहन द्वारा ठुकराए जाने के बाद उस लड़के का पीछा किया और पुलिस को बताया कि वह एक गली में सो रहा है, ताकि वे उसे अनाथालय ले जाएं। जोसेफ़ा ही थी जिसने अनाथालय की रसोई में काम किया, ताकि वह उस बच्चे को बड़ा होते हुए देख सके, और जिसने रसोई की खिड़की खुली छोड़ दी ताकि वह उदास बच्चा और बिना बालों वाला कुत्ता फिर से मिल सकें।

जोसेफ़ा ही वह व्यक्ति थीं जिन्होंने डेट्रॉइट के नाइटक्लब में फ्रैंकी के साथ हुई घटना को देखा था, और जोसेफ़ा ही उनके पीछे-पीछे नैशविले और न्यू ऑरलियन्स गईं और युवा अरोरा यॉर्क को बताया कि एक स्पेनिश गिटारवादक एक पुल के नीचे गिटार बजा रहा था और उनके बारे में पूछ रहा था। जोसेफ़ा ही वह व्यक्ति थीं जिन्होंने वुडस्टॉक में मंच पर चिकित्सा कर्मियों को बुलाया ताकि खून बह रहे फ्रैंकी प्रेस्टो को हेलीकॉप्टर तक पहुंचाया जा सके, और जोसेफ़ा ही वह व्यक्ति थीं जो लंदन के एक होटल में हाउसकीपर के रूप में काम करते हुए, टोनी बेनेट नामक गायक के कमरे में हर दिन पर्दे खुले छोड़ देती थीं ताकि वह फ्रैंकी को पार्क की बेंच पर बैठे हुए देख सकें और शायद उन्हें संगीत में वापस लौटने में मदद कर सकें।

दशकों बाद, न्यूजीलैंड के एक द्वीप पर, जोसेफा ने चर्च से एक परित्यक्त बच्चे को उठाया और उसे जंगल में छोड़ दिया, यह जानते हुए कि फ्रैंकी और अरोरा एक परिवार बनाएंगे।

और उस परिवार की विल्लारियल में दुर्भाग्यपूर्ण वापसी पर, यह जोसेफा ही थी, जो खुद को भेस बदलने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले भारी कपड़ों में सजी हुई थी, जो तबर्ना में फ्रैंकी के शो में आई थी, और जो शो खत्म होने के बाद एक गली में छिप गई थी, यह जानते हुए कि एक बूढ़ा कोंगा वादक भी वहां घात लगाए बैठा था।

“तो... तुमने अल्बर्टो को मार डाला?” फ्रेंकी ने कहा।

भगवान मुझे क्षमा करें।

आपने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया।

मैं इससे कम कुछ नहीं कर सकता था।

तुम जेल गए थे।

“उन्नीस वर्षों तक।”

“तुमने उसे गोली क्यों मारी?”

“क्योंकि मुझे लगा कि वह तुम्हें नुकसान पहुंचाएगा। मुझे पता था कि वह हिंसक हो सकता है। मैंने पहले भी ऐसा होते देखा था। इसलिए मैंने हथियार उठा लिया। मेरा जीवन, मेरा पूरा अस्तित्व, तुम्हारी रक्षा के लिए था, फ्रांसिस्को। वह तुम्हारी तरफ दौड़ रहा था। मैंने गोली चला दी।”

उसने अपना मुंह ढँक लिया, मानो वह याद अब भी उसे स्तब्ध कर रही हो। उसकी चित्तीदार त्वचा पर आंसू तेजी से बहने लगे।

अंततः, यही न्याय था। मैं खुद से यही कहता हूँ। जो उसने तुमसे छीना, वह किसी और को नहीं छीनना चाहिए।

“उसने मेरे शिक्षक की हत्या कर दी,” फ्रेंकी ने कहा।

“सिर्फ तुम्हारे शिक्षक ही नहीं,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “तुम्हारे पिता भी।”

अचानक, फ्रेंकी को सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

"आप क्या कह रहे हैं?"

“जिस आदमी को आप मास्ट्रो कहते थे? उसका असली नाम कार्लोस एंड्रेस प्रेस्टो था, जो कारमेनसीटा का पति था। वह कभी पूरे वालेंसिया का सबसे होनहार गिटारवादक था। लेकिन युद्ध में लड़ते हुए उसकी आँखों की रोशनी चली गई। और

जब उसने आपकी माँ को खो दिया—और जैसा कि उसे लगा, उसके गर्भ में पल रहे बच्चे को भी—तो उसने खुद को भी खो दिया।"

"यह सच नहीं हो सकता," फ्रेंकी ने फुसफुसाते हुए कहा।

"हाँ, ऐसा ही है। लेकिन जब तुम्हारा जन्म हुआ था, फ्रांसिस्को, तब चर्च की घंटियाँ बजी थीं। ईश्वर ने तुम्हें बफा रूबियो के रूप में एक नया पिता दिया, और समय के साथ, अनजाने में, उसने तुम्हें तुम्हारे असली पिता के पास लौटा दिया। मास्ट्रो ही बफा से जेल में मिलने गया था। बाफा के ही पैसों से मास्ट्रो ने तुम्हें अमेरिका भेजा था। वही पैसा अल्बर्टो ने चुराया था जब उसने मास्ट्रो को समुद्र में धकेल दिया था। और वही पैसा मैंने एक हफ्ते बाद अल्बर्टो से चुराया था, बहुत सारा पैसा, जिससे मैं इतने सालों तक तुम्हारी देखभाल कर पाया। सब कुछ जुड़ा हुआ है, फ्रांसिस्को। मेरे पिता मुझे एक जिप्सी कहावत कहा करते थे, 'Le duy vas xalaven pe.' यानी हाथ एक दूसरे को धोते हैं।"

"तुमने पैसे वापस चुरा लिए?" फ्रेंकी ने कहा।

"तुम्हारी रक्षा करने की शपथ लेते हुए मैंने शायद ही कोई पाप न किया हो। लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है? सबसे बड़ा पाप तो मैंने सबसे पहले किया। मैंने तुम्हें जाने दिया।"

"जेल में बिताए अपने वर्षों के दौरान, मैं केवल तुम्हारी सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर सकता था। मुझे लगा था कि मैं तुम्हारा चेहरा फिर कभी नहीं देख पाऊंगा। लेकिन अब, उनकी कृपा से, प्रभु ने तुम्हें इस स्थान पर वापस लाया है, ताकि मैं अपनी अंतिम प्रार्थना कर सकूं।"

"तुम क्या चाहते हो?" फ्रेंकी ने कहा।

उसने अपनी आँखें नीचे कर लीं।

"आपसे क्षमा मांगने के लिए।"

फ्रेंकी का सिर भारी होकर पीछे की ओर लुढ़क गया। उसने अपनी कनपटी रगड़ी। यह सब समझना उसके लिए असहनीय था। वह उन दृश्यों की कल्पना करता रहा जिनमें वह शामिल नहीं था; जलते हुए चर्च में उसकी माँ की मृत्यु; उसके शिक्षक को समुद्र में धकेल दिया जाना; अल्बर्टो के साथ हुई लूट; और यह औरत, यह बूढ़ी, टूटी हुई, दाँतों में दरार वाली औरत, किसी तरह इन सब के समय वहाँ मौजूद थी, मानो अदृश्य उंगलियों से उसके जीवन की डोरियाँ बजा रही हो। उसे लगा जैसे उसके साथ

हेरफेर किया जा रहा है। वह धीरे-धीरे उठा और उस मुरझाई हुई महिला को घूरकर देखा जो खुद को उसकी अभिभावक बता रही थी। उसने उसे नहीं बुलाया था। उसने उसके अस्तित्व के साथ खिलवाड़ किया था, और जो कुछ भी वह जानता था उसे किसी न किसी रूप में झूठ बना दिया था।

"नहीं," उसने कहा। "मैं तुम्हें माफ नहीं करता। जाओ। अभी जाओ।"

"फ्रांसिस्को—"

मुझे अकेला छोड़ दो। हमेशा के लिए। क्या तुम मुझे सुन रहे हो? मुझे तुम्हारी ज़रूरत नहीं है। मुझे तुम्हारी कभी ज़रूरत नहीं थी।

"यह सच नहीं है," उसने फुसफुसाते हुए कहा।

लेकिन वह पहले ही लंगड़ाते हुए वहां से जा रहा था, उस महिला, गिटार और फ्रांसिस्को टार्रेगा को पीछे छोड़ते हुए।

63

फ्रेंकी कभी होटल नहीं लौटा। उसने न कुछ खाया, न कुछ पिया। वह एक तरह से स्तब्ध होकर शहर के किनारे की ओर भटकता रहा और मिजारेस नदी के तट पर स्थित आश्रम के पास बैठ गया। उसकी निराशा उसके सीने में धधक रही थी। उसने कल्पना की कि उसे इसी पानी में फेंक दिया गया है। उसने कल्पना की कि बफा रुबियो उसे ढूंढ रही है। उसने कल्पना की कि वह बदनाम नन कीचड़ से भरी झाड़ियों में लेटी हुई उसे ले जाते हुए देख रही है। यह किसकी जिंदगी थी? ऐसा लग रहा था मानो यह एक ओपेरा हो जिस पर उसका नाम लिखा हो, लेकिन जिसे उसने नहीं लिखा हो।

वह दिन भर नदी के किनारे, पुरानी पानी की चक्की और चरवाहे लड़के की मूर्ति के पास ही रहा। अंत में, दोपहर की धूप ढलने लगी तो फ्रैंकी एक छोटे से गिरजाघर में

दाखिल हुआ, जहाँ कभी गुफाओं में छिपे शरणार्थी आते-जाते थे।

अंदर कोई नहीं था। उसके कदमों की आहट गूंज रही थी। वह वेदी की ओर बढ़ा और घुटनों के बल बैठ गया। बचपन के बाद पहली बार उसने गिटार के अलावा किसी और चीज़ के लिए अपने हाथ खोले। और एल मास्ट्रो की इस चेतावनी के बावजूद कि "भगवान तुम्हें कुछ नहीं देते," उसने प्रभु से किसी न किसी तरह का जवाब मांगा। कुछ स्पष्टता। कुछ शांति।

वह इंतजार करता रहा। सुनता रहा। मेरा बच्चा किसी आवाज की उम्मीद करता है।

उसे केवल सन्नाटा सुनाई दिया।

जैसा कि उनके शिक्षक ने भविष्यवाणी की थी।

वह धीरे-धीरे उठा और शहर की ओर वापस चल पड़ा।

फेस्टिवल की आखिरी रात पूरी तरह से भरे हुए ऑडिटोरियो म्युनिसिपल में आयोजित की गई। जब तक फ्रेंकी वहाँ पहुँचा, वह थक चुका था। उसने कुछ खाया नहीं था। उसके पास टिकट भी नहीं था। वह इमारत के पिछले हिस्से में गया, जहाँ संगीतकारों की तरह उसे स्टेज के आने-जाने के रास्ते अच्छी तरह से पता थे, और एक दरवाज़ा ढूँढ़कर अंदर घुस गया। गलियारे में चलते हुए उसने कलाकारों को तैयार होते देखा, और उसे काई की एक झलक मिली, जिसने लाल रंग की पोशाक पहनी हुई थी जो कभी अरोरा की हुआ करती थी।

“पापा?” वह जल्दी से उनके पास गई। “आप कहाँ थे?”

"तुम बहुत ही खूबसूरत लग रही हो।"

मुझे बहुत चिंता हो रही थी।

मैं टहलने गया था।

“क्या तुम ठीक हो? तुम तो पसीने से भीगे हुए हो।”

मैं ठीक हूँ। बस अपने खेल पर ध्यान दो।

"क्या आप अपनी सीट पर बैठ गए हैं?"

"शायद मैं यहीं रुक जाऊं। क्या यह ठीक रहेगा?"

उसने उसके लिए एक कुर्सी ढूंढ ली।

"रुको, पिताजी।"

उन्होंने कहा, "जाओ तैयारी करो। मैं ठीक हूँ। तुम्हें शुभकामनाएँ।"

काई गलियारे में गायब हो गया।

कुछ ही मिनटों बाद प्रतियोगिता शुरू हो गई। फ्रैंकी को दीवार के दूसरी तरफ ऑर्केस्ट्रा की आवाज़ सुनाई दी, तार वाले वाद्ययंत्रों और हवा वाले वाद्ययंत्रों की लय और गिटार वादकों की शांत धुनें। उसे याद आया कि उसने पहली बार ये आवाज़ें कब सुनी थीं, जब वह क्लीवलैंड के एक थिएटर के पर्दे के पीछे एक लड़का था और ड्यूक एलिंगटन का संगीत सुन रहा था। लेकिन अब उसके अंदर वो बचपन का आश्चर्य नहीं जागा था। उसकी नज़रें अपने कीचड़ से सने जूतों पर टिकी हुई थीं। वह इतना थका हुआ पहले कभी नहीं था।

जब काई की बारी आई, तो वह धीरे-धीरे मंच के किनारे की ओर बढ़ी। प्रतियोगियों में सबसे आखिरी में होने के नाते, उसने टैरेगा की दो रचनाएँ चुनीं, जो अधिकांश गिटारवादकों के लिए कठिन थीं, लेकिन उसके बचपन का अभिन्न अंग थीं। और, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि उसने उन्हें त्रुटिहीन रूप से प्रस्तुत किया। ऑर्केस्ट्रा उसके पीछे ऐसे चल पड़ा मानो वे वर्षों से एक साथ बजाते आ रहे हों। जब उसने प्रस्तुति समाप्त की, तो दर्शकों ने ज़ोर-ज़ोर से सिर हिलाया और तालियाँ बजाते हुए खड़े हो गए। अगर जजों ने किसी और को चुना होता, तो शायद भीड़ विद्रोह कर देती।

जब विजेता के रूप में उसका नाम घोषित हुआ, तो काई आगे बढ़ी और झुककर अभिवादन किया, और फ्रैंकी को इतना गर्व महसूस हुआ जितना उसने पहले कभी खुद के लिए महसूस नहीं किया था। उसे मंच के सामने ले जाया गया और पुरस्कार के साथ दो फूलों के गुलदस्ते दिए गए।

“बहुत-बहुत धन्यवाद,” उन्होंने माइक में एकदम साफ स्पेनिश में कहा। “विल्लारियल के मूल निवासी, महान फ्रांसिस्को टार्रेगा की रचनाओं को प्रस्तुत करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है।”

और तालियाँ बजने लगीं।

"लेकिन अगर आपके ही देश के एक और व्यक्ति न होते तो मुझे गिटार का एक भी सुर बजाना नहीं आता। वह मेरे पिता हैं।"

भीड़ में हल्की फुसफुसाहट हुई। वह मुड़ी और फ्रेंकी को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। फ्रेंकी को इसकी उम्मीद नहीं थी। उसे चक्कर आने लगा।

“पापा, कृपया बाहर आ जाइए।”

उसने सिर हिलाकर मना कर दिया।

“पापा... प्लीज़...”

उसने अपनी मुट्ठियाँ भींचीं, फिर उन्हें अपनी पीठ के पीछे बंद कर लिया। वह सिर झुकाए मंच पर चला गया। भीड़ ने तालियाँ बजाईं।

“ये मेरे पिता हैं, जिन्हें आप शायद फ्रैंकी प्रेस्टो के नाम से बेहतर जानते होंगे। वे इसी शहर में पले-बढ़े और उन्होंने यहीं संगीत सीखा।”

तालियों की गड़गड़ाहट तेज हो गई। यह एक आश्चर्य था। फ्रेंकी ने भीड़ की ओर विनम्रता से सिर हिलाया। उसे एहसास हुआ कि वह कई वर्षों से मंच पर नहीं आया था।

“पापा, आज कोई हमारे लिए यह लाया है,” काई ने पास आ रहे एक स्टेज कर्मचारी की ओर इशारा करते हुए कहा। “यह वही गिटार है जो आपके बचपन में यहाँ था। यह तो चमत्कार है।”

फ्रेंकी ने गहरी सांस ली। वह अपनी बेटी को सुधारना नहीं चाहता था। न ही उसे सच बताना चाहता था।

"क्या आप मेरे साथ एक गाना गाएंगे?"

इससे पहले कि वह कुछ प्रतिक्रिया दे पाता, दर्शकों ने ज़ोरदार तालियाँ बजाकर उसका उत्साह बढ़ाया। काई ने उसे गिटार थमा दिया। किसी ने एक कुर्सी खिसका दी। किसी और ने एक फुटस्टूल लाकर रख दिया। वे जल्दी से बाहर चले गए, पिता और बेटी को अकेला छोड़कर। काई बैठ गई और अपना गिटार अपनी गोद में रख लिया। उसने मुस्कुराते हुए फ्रैंकी को भी ऐसा ही करने का इशारा किया। उसने सिर हिलाकर मना कर दिया।

“पापा,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “फिर से संगीत बनाने का समय आ गया है।”

फ्रेंकी सन्न रह गया, अवाक। आखिरकार, वह उसके बगल में बैठ गया। सभागार में सन्नाटा छा गया। यहाँ तक कि खाँसी की आवाज़ें भी बंद हो गईं। फ्रेंकी ने पुराने गिटार को उसी तरह रखा जैसे उसने पहले लाखों बार किया था। लेकिन अचानक, वह

काँपने लगा। उसका गला सूख गया। उसकी नज़र धुंधली हो गई। उसकी उंगलियाँ जकड़ गईं। काई ने चिंता से उसकी ओर देखा। उसने अपनी आँखें बंद कीं और गहरी साँस ली। जैसे ही उसका सीना धँसा, उसे अपने शिक्षक—अपने पिता—की आवाज़ एक आखिरी याद के रूप में सुनाई दी।

"मैं संगीत सीखना कब पूरा कर पाऊंगा, उस्ताद?"

"कभी नहीं।"

"कभी नहीं?"

“आप कभी भी सब कुछ नहीं जान पाएंगे। आप अपने अंतिम दिनों तक सीखते रहेंगे। फिर आप किसी और को प्रेरित करेंगे। यही एक कलाकार का काम है।”

प्रेरणा का क्या अर्थ है?

इसका मतलब है कि आप किसी को संगीत से उसी तरह प्यार करना सिखाएंगे जिस तरह आप खुद से प्यार करते हैं।

और वे मेरी तरह खेलना चाहेंगे?

"शायद।"

"क्या मैं सचमुच ऐसा कर सकता हूँ?"

"इतनी सारी बातों से तो नहीं।"

मुझे खेद है, स्वामी जी।

"अंग्रेज़ी।"

"मुझे खेद है।"

“ठीक है, तो चलिए शुरू करते हैं...”

फ्रेंकी ने अपनी उंगलियां तारों पर रखीं। उसने अपनी बेटी की ओर देखा।

उन्होंने शुरू किया।

यह एक मधुर और जीवंत टार्रेगा युगल गीत था, जिसे उन्होंने वर्षों में कई बार प्रस्तुत किया था। इसका नाम "एडेलीटा" था, और फ्रैंकी के तार काई के तारों के साथ घुलमिल गए, एक दूसरे का साथ देते हुए, लयबद्ध करते हुए और मुख्य भूमिका निभाते हुए। वह थोड़ा हिलीं, और काई भी, उन्हें द्वीप पर अपने घर के पीछे इस गीत को बजाने के कई पल याद आ गए।

जब उनका प्रदर्शन पूरा हुआ, तो उन्होंने आखिरी सुर गूंजने दिए, फिर मानो पहले से तय योजना के अनुसार, एक साथ अपने हाथ नीचे कर लिए। भीड़ ने जयकारे लगाए और फ्रैंकी का दिल खुशी से भर गया। यहां तक कि ऑर्केस्ट्रा के सदस्य भी सराहना में खड़े हो गए। यह फ्रैंकी प्रेस्टो का आखिरी बैंड था।

लेकिन यह उनका आखिरी गाना नहीं था।

काई ने उसकी ओर हाथ बढ़ाया और दर्शक ज़ोर से तालियाँ बजाने लगे, मानो और देखना चाहते हों। उसने उसके गाल पर चुंबन किया और फिर पीछे हटते हुए फुसफुसाकर कहा, "अब तुम्हारी बारी। माँ के लिए कुछ।"

फ्रेंकी ने उसे मंच से उतरते हुए देखा। वह वापस बैठ गया। उसकी साँसें शांत हो गईं। उसे पता था कि अब केवल एक ही गाना बचा है।

"आंसू की बूंद।"

मृत्यु के कान नहीं होते। किसी ने टार्रेगा की मृत्यु पर यह लिखा था। अगर सच में कान होते भी, तो भी वह दुनिया को उनके संगीत से वंचित नहीं कर सकती थी।

उस रात जब फ्रैंकी प्रेस्टो ने संगीत बजाया, तो दुनिया ने एक बार फिर कुछ ऐसा सुना जिसे केवल मृत्यु ही अनदेखा कर सकती थी। फ्रैंकी मुझसे एक अत्यंत अनूठे तरीके से जुड़ा हुआ था, भीतर से बाहर तक, इस तरह कि वह अब उस गीत के सुर नहीं बजा रहा था, बल्कि उसके आँसू बजा रहा था, वे आँसू जो तारेगा की आँखों से तब गिरे जब उसने उसे रचा, वे आँसू जो कारमेनसीटा के गालों से तब टपके जब उसने उसे गुनगुनाया, वे आँसू जो एल मास्ट्रो के काले चश्मों के पीछे उमड़ आए जब उन्हें एहसास हुआ कि उन्होंने मेरी सुंदरता एक सार्डिन बनाने वाले के बेटे को सौंप दी है।

संगीत और स्मृति के बीच इतना गहरा संबंध दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा था। जब फ्रेंकी "लाग्रिमा" के अंतिम छंद पर पहुँचा, तो उसने दर्शकों की ओर देखा और अपनी बेटी को मुस्कुराते हुए देखा। फिर उसने उसके पीछे सिर झुकाए बैठी बूढ़ी औरत जोसेफ़ा को देखा।

वह तब तक देखता रहा जब तक उसने ऊपर नहीं देखा, मानो उसके चेहरे पर

जीवन की निंदा का दुख झलक रहा हो। फ्रैंकी ने जो कुछ भी जाना था, वह सब इस महिला ने किसी न किसी रूप में उसे दिया था: उसके पिता, उसकी पत्नी, उसकी बेटी, उसका कुत्ता, उसकी सुरक्षा, उसका स्वास्थ्य, उसका संगीत। हाँ, उसने एक बार उससे मुंह मोड़ लिया था। लेकिन उसने भी उसके साथ ऐसा ही किया था, उसे क्षमा करने की गरिमा तक नहीं दिखाई थी।

वह अचानक गिटार बजाना बंद कर दिया। भीड़ उत्सुकता से चुपचाप देखती रही, फिर वह धीरे से उठा और गिटार को बूढ़ी औरत की ओर उठाया, मानो कोई बलिदान अर्पित कर रहा हो। फ्रैंकी के भीतर, उसे वह आवाज़ सुनाई दी जिसका वह उस दोपहर चर्च में सुनने का इंतज़ार कर रहा था।

और उसे पता था कि क्या करना है।

“मैं आपको क्षमा करता हूँ, दयालु महिला,” उसने कहा। “और मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।”

“तुम मुझे धन्यवाद देते हो?” उसने फुसफुसाते हुए कहा।

“अपनी जान की खातिर।”

उन्होंने अपनी बेटी की ओर देखा और मुस्कुराए।

"मेरा पूरा, अद्भुत जीवन।"

जोसेफ़ा के होंठ हल्के से खुले। उस पल, वह अपने पिता की तरह लग रही थी, उस बंजारे की तरह जिसने कभी उसे जादुई धागों का उपहार दिया था। शांति से आँखें बंद करते हुए, उसने अपने सिर पर हुड खींच लिया। अचानक सभागार की बत्तियाँ बुझ गईं, मानो कोई मोमबत्ती बुझ गई हो। फ्रैंकी ने भीड़ से एक सिसकी सुनी। उसने नीचे देखा और एक पतली चमकती रेखा देखी।

उसकी सबसे ऊपरी डोरी नीली पड़ गई थी।

दर्शक, इसे समापन का हिस्सा समझकर, ज़ोरदार तालियाँ बजाने लगे। अँधेरे में, फ्रैंकी ने एक आनंदमय समर्पण का अनुभव किया, मानो उसकी शक्ति और चिंताएँ दोनों ही मिट गई हों, जैसे किसी ने उसे इस दुनिया के बोझ से मुक्त कर दिया हो। अब उसे समझ आया कि उन तारों में सचमुच जीवन था, लेकिन यह उसका वादन नहीं था जिसने उन्हें नीला कर दिया था; बल्कि उसका हृदय था।

तालियों की गड़गड़ाहट तेज़ होती जा रही थी, तभी फ्रेंकी ने अपना सिर उठाया। उसने देखा कि छत पर ऊँचाई पर एल मेस्ट्रो, बाफा और अरोरा की आत्माएँ उसे बुला

रही हैं। उसने उनकी ओर हाथ बढ़ाया और उसके सीने में तेज़ दर्द हुआ। उसका गिटार ज़मीन पर गिर पड़ा।

और फिर, जैसा कि कुछ लोगों ने अधिकारियों को बताया है, वह छत तक उठते हुए दिखाई दिए।

मैं अब इस बात को स्पष्ट कर देता हूँ। फ्रैंकी का शरीर कभी उठा ही नहीं। वह तो उसकी आत्मा थी। लेकिन दुनिया की उसके शानदार संगीत को सुनने की, उसे कुछ और पलों के लिए भी थामने की इतनी तीव्र इच्छा थी कि उसकी आत्मा क्षण भर के लिए स्वर्ग और पृथ्वी के बीच खिंची चली गई।

ऐसे संघर्ष में केवल एक ही विजेता हो सकता है।

कुछ ही सेकंड बाद, वह गायब हो गया, और केवल उसका शरीर ही पीछे रह गया, जो मंच पर ऐसे गिरा जैसे किसी कठपुतली का धागा काट दिया गया हो।

समय देखिए। चर्च देखिए। शववाहक देखिए, उनमें से हर एक फ्रैंकी का वर्षों पुराना शिष्य है, युवा पुरुष और महिलाएं, काले वस्त्रों में उदास चेहरे। मैंने शुरुआत में कहा था कि मैं फ्रैंकी की प्रतिभा को अन्य आत्माओं में बिखेर दूँगा। लेकिन उन्होंने यह पहले ही कर दिया है। यह उन युवाओं में है जो उनका ताबूत उठा रहे हैं, और उन बुजुर्ग संगीतकारों में है जो उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए इतनी दूर से आए हैं, और उन लाखों लोगों में है जिन्होंने उनके गीत सुने हैं या उनके वादन की नकल करने की कोशिश की है, और उनकी प्रिय बेटी और उसके होने वाले बच्चों के दिलों में है, और उनके बच्चों के बच्चों में है, और उनके बच्चों के बच्चों में है, जो बहुत पहले रिकॉर्ड किए गए टेपों से फ्रैंकी के सर्वश्रेष्ठ वादन—और उनके परिवार के साथ उनकी हंसी—सुनेंगे।

अब मैं आपसे विदा लेता हूँ और अपने शाश्वत कार्य पर लौटता हूँ, नवजात शिशुओं और उनके नन्हे खुले हाथों की प्रतीक्षा करता हूँ।

क्या आप जानते हैं कि एक बार, फ्रांसिस्को तारेगा की मृत्यु के वर्षों बाद, उनके पार्थिव शरीर को कब्र से निकालकर उनके घर के पास लाया गया था? प्रसिद्ध गिटारवादक एंड्रेस सेगोविया इस दृश्य के साक्षी बने और खुले ताबूत के पास खड़े

हुए। तारेगा के अवशेषों को देखकर सेगोविया रो पड़े, उस प्रतिभा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जिसने उन्हें इतना प्रभावित किया था।

मैं बहुत प्रसन्न हूँ। लेकिन जाते समय मुझे यह स्वीकार करना होगा कि यह मेरे खून में नहीं है। न ही मेरे होंठों में, न फेफड़ों में, और न ही मेरे हाथों में। मैं संगीत हूँ। और संगीत मानव आत्माओं के जुड़ाव में निहित है, एक ऐसी भाषा में जो शब्दों की आवश्यकता नहीं रखती।

इस जीवन में हर कोई किसी न किसी बैंड से जुड़ता है। और आप जो कुछ भी बजाते हैं, उससे हमेशा किसी न किसी पर असर पड़ता है।

कभी-कभी इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है।

फ्रेंकी की सिम्फनी समाप्त होती है।

और इस तरह, अंत में, हमें विश्राम मिलता है।

स्वीकृतियाँ

कई लेखक अपनी पुस्तक के अंतिम पृष्ठों में लिखते हैं, "यह पुस्तक इसके बिना संभव नहीं होती..." यह एक अच्छी प्रथा है और मैं इसे यहां दोहराऊंगा।

लेकिन इस उपन्यास के संदर्भ में, "यह पुस्तक इनके बिना संभव नहीं होती" ये शब्द सचमुच उन असंख्य कलाकारों पर लागू होते हैं जिन्होंने मुझे फ्रैंकी प्रेस्टो को उनके वास्तविक जीवन में पिरोने की अनुमति दी। उन्होंने मुझ पर भरोसा किया कि मैं उनकी आवाज़ में लिखूँ और उनके व्यक्तिगत इतिहास को एक वैकल्पिक ब्रह्मांड दूँ। और इसके लिए मैं न केवल आभारी हूँ, बल्कि कुछ विशेष बातें जोड़ना भी ज़रूरी समझता हूँ:

मार्कस बेलग्रेव। वे एक अनमोल शख्सियत थे। उनसे मेरी आखिरी बातचीत इस किताब और इसमें उनके शामिल होने के बारे में बताने के लिए हुई थी। वे डॉक्टर के क्लिनिक में थे—फिर भी हमेशा की तरह खुशमिजाज और हौसला बढ़ाने वाले थे। कुछ महीनों बाद उनका देहांत हो गया, और उनके हॉर्न की कमी हमेशा खलेगी। वे डेट्रॉइट की जैज़ विरासत का एक अहम हिस्सा थे।

डार्लीन लव। "टुडे आई मेट द बॉय आई एम गोना मैरी" वो गाना था जो मेरी पत्नी

ने हमारी शादी में गाया था। मैं सालों से डार्लीन के संगीत का दीवाना रहा हूँ। उनकी जीवन कहानी अविश्वसनीय है, और फ्रैंकी को शायद मौका मिलते ही उन्हें चूम लेना चाहिए था।

बर्ट बाचाराच। मैं उन्हें कुछ समय से जानता हूँ, और वे अपने संगीत की तरह ही सुरुचिपूर्ण हैं। बीसवीं सदी के महानतम गीतकारों में से एक, वे फ़ोन बुक को भी मधुर बना सकते थे। एक ही व्यक्ति "बेबी इट्स यू" और "आई जस्ट डोंट नो व्हाट टू डू विद माईसेल्फ" जैसे गीत कैसे रच सकता है, यह मेरी समझ से परे है। उनके योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद।

रॉजर मैकगिन। गिटार बजाने की उनकी विनम्रता फ्रैंकी के लिए प्रेरणा थी। रॉजर रॉक एंड रोल का जीता-जागता इतिहास हैं। बीटल्स से उनकी मुलाकात और उस पार्टी की कहानी बिल्कुल सच है। और मैंने उस रात का ज़िक्र भी नहीं किया जब उन्होंने, एरिक क्लैप्टन और जिमी हेन्ड्रिक्स ने एक अपार्टमेंट में साथ में संगीत बजाया था। रॉजर हमारे बैंड, द रॉक बॉटम रिमेनडर्स के साथ भी जुड़े हुए हैं, जो कहावत को सच साबित करता है कि "सूअरों को मोती देना कितना मुश्किल होता है"।

लायल लवेट। हमारी मुलाकात कुछ साल पहले हुई थी और हम दोस्त बन गए। मुझे हमेशा से उनका संगीत और गीत पसंद रहे हैं। "हर फर्स्ट मिस्टेक" या "गॉड विल" जैसे गाने सुनकर मेरे मन में "चतुर" शब्द आता है, इसलिए मैंने उनके काल्पनिक बैंड का नाम "क्लेवर येल्स" रखा। लायल जितने प्रतिभाशाली हैं उतने ही विनम्र भी हैं, और उन्होंने इस कहानी के लिए तुरंत हां कर दी। उनका भरोसा मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

पॉल स्टेनली। इस किताब से पहले मेरी उनसे मुलाकात नहीं हुई थी। उन्होंने मुझे अपने घर पर आमंत्रित किया और रॉक एंड रोल से जुड़े अनगिनत किस्से सुनाए, जिनमें KISS बैंड के लिए ऑडिशन देने का तरीका भी शामिल था। (उनका कहना है, "डेटिंग से शादी तक का सफर") पॉल काव्यात्मक, विचारशील और दयालु हैं। उन्होंने इस उपन्यास को बहुत गंभीरता से लिया और फ्रैंकी के साथ अपनी मुलाकात का बड़े ध्यान से वर्णन किया। गिटार की उन दमदार धुनों के पीछे एक उदार और संवेदनशील कलाकार छिपा है, जिसके लिए मैं उनका आभारी हूं।

टोनी बेनेट। एक राष्ट्रीय धरोहर। एक दोपहर मैं उनके साथ मंच के पीछे बैठा था, जब वे कल्पना कर रहे थे कि वे किसी ऐसे संगीतकार को क्या कहेंगे जिसने संगीत

छोड़ दिया हो। मैंने उस कल्पना को लंदन में टूटे हुए दिल वाले फ्रैंकी के साथ उनकी मुलाकात की कहानी में पिरो दिया। अगर कोई संगीत में वापसी के लिए प्रेरित कर सकता है, तो वह टोनी बेनेट ही हैं। बस उन्हें "लॉस्ट इन द स्टार्स" गाते हुए सुनिए, आपको मेरी बात समझ आ जाएगी। मैं उनसे बहुत प्यार करता हूँ और उन्हें अपना दोस्त कहने पर गर्व महसूस करता हूँ।

विंटन मार्सलिस। विंटन और मैं तब से दोस्त हैं जब उनके बैंड ने मेरे रेडियो क्रू को बास्केटबॉल मैच के लिए चुनौती दी थी। उन्होंने हमें बुरी तरह हरा दिया। (कौन जानता था कि जैज़ संगीतकार भी इतना अच्छा खेल सकते हैं?) विंटन ने मैजिक स्ट्रिंग्स में शामिल होने के लिए तुरंत हां कर दी, और फ्रैंकी एपिसोड पढ़ने के बाद उन्होंने मुझे मैसेज करके अपनी खुशी ज़ाहिर की। जैज़ संगीत में इस शख्स से ज़्यादा शक्तिशाली कोई संगीतकार नहीं है, और मुझे यकीन है कि उन्होंने इस दुनिया में आते ही अपनी पूरी ताकत लगा दी होगी।

इंग्रिड माइकलसन। हमारी मुलाकात न्यूयॉर्क शहर में एक ही सुबह हुई, जब उसे कॉफी का असर होने से पहले ही परफॉर्म करना था। उसकी प्रतिभा, हाजिरजवाबी और बुद्धिमत्ता को देखते हुए मुझे लगा कि वह एक उम्रदराज फ्रैंकी के लिए एकदम सही छात्रा साबित होगी। उसकी प्रतिभा की व्यापकता देखने के लिए "फार अवे" और फिर "हाउ वी लव" सुनें। वह मिस्टर रूबियो को गीत लेखन के बारे में कई बातें सिखा सकती थी।

जॉन पिज़ारेली। इस किताब के लिए मैंने सबसे पहले जॉन से ही बात की थी, इसलिए उनका आखिरी अतिथि होना स्वाभाविक ही था। जॉन उन संगीतकारों में से एक हैं जो अपने वाद्य यंत्र में इस कदर रम जाते हैं कि उनका वादन सहजता से ही मंत्रमुग्ध कर देता है। हम लंबे समय से दोस्त हैं और वे इतने उदार और विनम्र हैं कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्होंने फ्रैंकी के लिए मैजिक स्ट्रिंग्स के टेप हासिल करने के लिए पूरी दुनिया का चक्कर लगाया। वे मेरे लिए एक हीरो हैं, इसलिए उन्हें किताब में हीरो बनाना मेरे लिए आनंददायक अनुभव रहा।

इस पुस्तक के निर्माण की शुरुआत स्पेन में बिताए अपने समय से करनी होगी। मार्टा आर्मेनगोल रोयो एक आदर्श शोधकर्ता और अनुवादक थीं, जितनी सटीक थीं उतनी ही उत्साही भी; और विल्लारियल में रहने वाले हमारे इतिहासकार जैसिंटो हेरेडिया ज्ञान और किस्सों का एक अमूल्य स्रोत थे। (और हाँ, पुस्तक में फ्रैंकी को

टार्रेगा से संबंधित सामग्री दिखाते हुए वही हैं। उनकी सारी मदद के लिए मैं इतना तो कर ही सकता था।) विल्लारियल के अद्भुत लोग, शहर के संग्रहालय में टार्रेगा की प्रदर्शनी और सैन पास्कुअल बेसिलिका ने फ्रैंकी की जड़ों के माहौल और भावना को जीवंत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह एक अद्भुत शहर है और मैं वहाँ जाने की पुरजोर सलाह देता हूँ। (मेरी स्पेनिश प्रकाशक, माएवा को इस पूरी यात्रा को शुरू करने में मदद करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।)

अपने घर के करीब, मैं करेन रिनाल्डी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगी, जो हार्परकॉलिन्स में मेरी प्रेरणास्रोत प्रकाशक-संपादक हैं, जिन्होंने एक ऐसी किताब पर भरोसा किया जिसे शुरुआत में समझाना मुश्किल है, और ब्रायन मरे, माइकल मॉरिसन और जोनाथन बर्नहैम को भी उनके आशीर्वाद के लिए। हार्पर परिवार ने मेरे करियर के इस पड़ाव पर मुझे घर जैसा महसूस कराया है, और मैं उन सभी को धन्यवाद देती हूं, विशेष रूप से मिलान बोज़िक (एक और खूबसूरत कवर), जॉन जुसिनो, लीह कार्लसन-स्टैनिसिक, जोश मारवेल, डग जोन्स, ब्रायन पेरिन, लीह वासिलेव्स्की, स्टेफ़नी कूपर, कैथी श्नाइडर, हन्ना रॉबिन्सन (अब कोई संपादन नहीं, वाह!), और लेस्ली कोहेन (फ्रैंकी की कहानी को दुनिया के सामने लाने में उनके पिछले और भविष्य के प्रयासों के लिए)।

डेविड ब्लैक अब तीस साल से मेरे साहित्यिक एजेंट और मित्र हैं, तो मुझे लगता है कि सब ठीक चल रहा है। एंटोनेला इयानारिनो कई मायनों में एक अनमोल संसाधन हैं। सुसान रायहोफर फ्रेंकी को वैश्विक स्तर पर ले जा रही हैं। सारा स्मिथ और जेनी हेरेरा को भी विशेष धन्यवाद।

जो-एन बार्नास ने इस पुस्तक के लिए अविश्वसनीय शोध किया, गिटार वादकों के साथ बैठने से लेकर 1946 में डजैंगो की सेट लिस्ट की गहराई से छानबीन करने तक। उनके प्रयासों के लिए, मैं इंडियाना सोसाइटी ऑफ द क्लासिकल गिटार के जॉन अल्वाराडो; मोंटगोमरी, अलबामा में हैंक विलियम्स संग्रहालय के लोगों; माएर्स्क लाइन की एमी हाउसर (उन सभी जहाजों के लिए जिन पर फ्रैंकी ने यात्रा की); मिशिगन हैंड एंड स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन सेंटर की के मैककोनाची; ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय के इयान एफ. हैनकॉक और मिनेसोटा के विलियम ए. डूना (जिप्सी संस्कृति और इतिहास के उनके ज्ञान के लिए); वियतनाम वेटरन्स ऑफ अमेरिका; फेरंडेल, मिशिगन में गोर्डीज़ म्यूजिक के गोर्डी लुपो; राइमन ऑडिटोरियम संग्रहालय के

प्रबंधक जोशुआ ब्रोननबर्ग और राइमन ऑडिटोरियम की क्यूरेटर ब्रेंडा कोलाडे; वाटरफोर्ड, मिशिगन में अवर लेडी ऑफ द लेक्स कैथोलिक चर्च के पादरी फादर लॉरेंस जे. डेलॉन्ने का भी आभारी हूं। सिस्टर डायने शॉर्ट, ऑर्डर ऑफ सेंट क्लेयर, सिनसिनाटी से; रसेल बार्बर, वेस्टलैंड, मिशिगन से; मैरी के स्लशर, लुइसियाना स्वास्थ्य और अस्पताल विभाग, मीडिया और संचार ब्यूरो से।

विटो लाफाटा, एक प्रतिभाशाली गिटार वादक, जिन्होंने इस पुस्तक को कम से कम तीन बार पढ़ा और अपना अनुभव साझा किया, उन्हें विशेष धन्यवाद। रिपब्लिक रिकॉर्ड्स के लोगों, विशेष रूप से एवरी लिपमैन और टॉम मैके का भी हार्दिक आभार, जिन्होंने फ्रैंकी प्रेस्टो के मैजिक स्ट्रिंग्स के लिए एक सफल रिकॉर्ड डील सुनिश्चित की। केविन और रॉबी मार्टिन ऐसे सच्चे लोग हैं जो वाइहेके द्वीप पर आने वाले सभी आगंतुकों को घर जैसा महसूस कराते हैं। फ्रैंकी की कहानी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले सभी सार्वजनिक हस्तियों के प्रति गहरी सराहना, चाहे वह अपेक्षित हो या नहीं। डजैंगो से लेकर एल्विस, लिटिल रिचर्ड और हैंक विलियम्स तक, सभी कलाकारों का चित्रण उनकी प्रतिभा के प्रति गहरी प्रशंसा से प्रेरित है।

और फिर मेरी टीम: केरी अलेक्जेंडर हमेशा सब कुछ संभालती हैं। मार्क "रोजी" रोसेन्थल दुनिया भर की जिम्मेदारियों को इस तरह निभाते हैं कि मुझे लिखने का समय मिल सके। मेंडेल हिसाब-किताब रखते हैं, लेकिन फिर भी, पूरे सम्मान के साथ कहूँ तो, वो थोड़े लापरवाह हैं। चैड ऑडी यह साबित करते रहते हैं कि आप चाहे कितने भी रचनात्मक क्यों न हो जाएँ, दूसरों के लिए कुछ करना ही सबसे अद्भुत विरासत है। ट्रिशा, रिक, अली और जेसी ने फ्रैंकी को उसकी पहली समीक्षाएँ दीं। और सबसे बड़ा धन्यवाद, हमेशा, मेरे परिवार को जाता है, जिन्होंने मेरे लेखन से पहले मेरे संगीत को सुना: पिताजी; कारा; पीटर; सभी चाचा, चाची और चचेरे भाई-बहन; और मेरी माँ, जो इस पुस्तक के लेखन के दौरान स्वर्ग सिधार गईं, और मुझे फ्रैंकी और कारमेनसीटा के साथ सहानुभूति रखने के लिए छोड़ गईं।

मैं अपने सभी बैंडों का भी शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ, जिन्होंने मुझे सिखाया कि बैंड के साथी अच्छे और बुरे, दोनों ही तरह से परिवार की तरह व्यवहार करते हैं। (उन बैंडों में क्रिस्टल रिफ्लेक्शन, लकी टाइगर ग्रीस स्टिक बैंड, कॉलेज के बैंड, स्ट्रीटवाइज, रॉक बॉटम रिमेनडर्स और लगभग एक दर्जन ऐसे बैंड शामिल हैं जिनके नाम मुझे याद भी नहीं हैं।)

और अंत में, हमेशा की तरह, जेनीन को हार्दिक धन्यवाद, मेरी वो दोस्त जो पेड़ पर बैठी रहती है, जिसने इस उपन्यास के हर सुर को लेखक की थोड़ी कर्कश आवाज में सुना, और जब वो कुर्सी पर बैठी थी तो हम दोनों कहानी सुनाने की अनूठी लय में झूम रहे थे।

***** समाप्त *****

SJEET

FrankiePresto.com पर और अधिक जानकारी प्राप्त करें।

लेखक के बारे में

मिच एल्बोम एक बेस्टसेलिंग लेखक, पटकथा लेखक, नाटककार और राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध स्तंभकार हैं। उन्होंने लगातार छह बार न्यूयॉर्क टाइम्स की नंबर एक बेस्टसेलर किताबें लिखी हैं—जिनमें सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ संस्मरण 'ट्यूजडेज विद मोरी' भी शामिल है—और उनकी किताबों की बयालीस भाषाओं में कुल मिलाकर पैंतीस मिलियन से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। उन्होंने डेट्रॉइट में आठ चैरिटी संस्थाओं की स्थापना की है और हैती के पोर्ट-औ-प्रिंस में एक अनाथालय चलाते हैं। वे अपनी पत्नी जेनीन के साथ मिशिगन में रहते हैं।

hc.com पर बेहतरीन लेखकों, विशेष ऑफ़र और बहुत कुछ खोजें।

मिच एल्बोम द्वारा अन्य रचनाएँ

मॉरी के साथ मंगलवार
स्वर्ग में आपसे मिलने वाले पाँच लोग
एक और दिन के लिए
थोड़ा विश्वास होना
समय रक्षक
स्वर्ग से पहली फ़ोन कॉल

क्रेडिट

कवर डिजाइन मिलान बोज़िक द्वारा किया गया है।

कवर फोटो © एरिक काहन, बेनरूबी गैलरी, न्यूयॉर्क शहर के सौजन्य से।

कॉपीराइट

यह पुस्तक एक काल्पनिक रचना है। इसमें वास्तविक व्यक्तियों, घटनाओं, संस्थानों, संगठनों या स्थानों के संदर्भ केवल प्रामाणिकता का आभास देने के उद्देश्य से दिए गए हैं और काल्पनिक रूप से प्रयुक्त किए गए हैं। अन्य सभी पात्र, घटनाएँ और संवाद लेखक की कल्पना से लिए गए हैं और इन्हें वास्तविक नहीं माना जाना चाहिए।

फ्रैंकी प्रेस्टो के जादुई तार। कॉपीराइट © 2015 एएसओपी, इंक. द्वारा। अंतर्राष्ट्रीय और पैन-अमेरिकन कॉपीराइट समझौतों के तहत सर्वाधिकार सुरक्षित। आवश्यक शुल्क के भुगतान पर, आपको इस ई-पुस्तक के पाठ को स्क्रीन पर देखने और पढ़ने का गैर-अनन्य, गैर-हस्तांतरणीय अधिकार प्रदान किया गया है। हार्परकॉलिन्स ई-बुक्स की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना, इस पाठ का कोई भी भाग पुनरुत्पादित, प्रसारित, डाउनलोड, डीकंपाइल, रिवर्स-इंजीनियर या किसी भी सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली में, किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, चाहे इलेक्ट्रॉनिक हो या यांत्रिक, वर्तमान में ज्ञात हो या भविष्य में आविष्कार किया गया हो, संग्रहीत या उसमें शामिल नहीं किया जा सकता है।

प्रथम संस्करण

निम्नलिखित उद्धरणों को उद्धृत करने की अनुमति देने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया जाता है:

“ए हाउस इज़ नॉट ए होम” (फिल्म ए हाउस इज़ नॉट ए होम से), बर्ट बाचाराच और हैल डेविड द्वारा लिखित। © 1964 सोनी/एटीवी म्यूजिक पब्लिशिंग एलएलसी। सभी अधिकार सोनी/एटीवी म्यूजिक पब्लिशिंग एलएलसी,

424 चर्च स्ट्रीट, नैशविले, टीएन 37219 द्वारा प्रशासित हैं। सर्वाधिकार सुरक्षित। अनुमति से उपयोग किया गया।

“जोनाह”, बोल और संगीत पॉल साइमन द्वारा रचित। कॉपीराइट © 1978, 1980 पॉल साइमन (बीएमआई)। सर्वाधिकार सुरक्षित। अनुमति से उपयोग किया गया।

“जस्ट वेटिन’”, हैंक विलियम्स सीनियर और बॉब गज़ावे द्वारा लिखित। © 1951 सोनी/एटीवी म्यूजिक पब्लिशिंग एलएलसी। सर्वाधिकार सुरक्षित। 424 चर्च स्ट्रीट, सुइट 1200, नैशविले, टीएन 37219। सर्वाधिकार सुरक्षित। अनुमति से उपयोग किया गया।

“लॉस्ट इन द स्टार्स”, मैक्सवेल एंडरसन के बोल; कर्ट वेइल का संगीत। © 1946 (नवीनीकृत) चैपल एंड कंपनी, इंक. और ट्रो-हैम्पशायर हाउस पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन। सर्वाधिकार सुरक्षित। अल्फ्रेड म्यूजिक की अनुमति से उपयोग किया गया।

संगीत प्रस्तुति "लॉस्ट इन द स्टार्स" से "लॉस्ट इन द स्टार्स", बोल: मैक्सवेल एंडरसन; संगीत: कर्ट वेइल। TRO- © कॉपीराइट 1944 (नवीनीकृत) 1946 (नवीनीकृत) हैम्पशायर हाउस पब्लिशिंग कॉर्प, न्यूयॉर्क, एनवाई, और वार्नर/चैपल म्यूजिक, इंक., लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया। अंतर्राष्ट्रीय कॉपीराइट सुरक्षित। संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्मित। लाभ के लिए सार्वजनिक प्रदर्शन सहित सभी अधिकार सुरक्षित। अनुमति से उपयोग किया गया।

“नेचर बॉय”, एडेन अहबेज़ द्वारा रचित। © 1948, 1976, 1995 डेविड जे. जानोवियाक डीबीए गोल्डन वर्ल्ड म्यूजिक द्वारा। अनुमति से उपयोग किया गया।

जीन लेनॉयर द्वारा "पारलेज़-मोई डी'अमोर"। कॉपीराइट © 1930 सोसाइटी डी एडिशन म्यूजिक इंटरनेशनल द्वारा, कॉपीराइट नवीनीकृत। सर्वाधिकार सुरक्षित। अनुमति द्वारा उपयोग किया जाता है.

लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा

एल्बोम, मिच।
फ्रेंकी प्रेस्टो/मिच एल्बोम के जादुई तार। — पहला संस्करण।
पृष्ठ ; सेमी
ISBN: 978-0-06-229441-8
I. शीर्षक।
पीएस3601.एल335एम34 2015
813’.6—dc23
2015016184

ईपीयूबी संस्करण नवंबर 2015 आईएसबीएन: 9780062294425

15 16 17 18 19 ओवी/आरआरडी 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1

प्रकाशक के बारे में

ऑस्ट्रेलिया
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड
लेवल 13, 201 एलिजाबेथ स्ट्रीट

सिडनी, न्यू साउथ वेल्स 2000, ऑस्ट्रेलिया
www.harpercollins.com.au

कनाडा
हार्परकॉलिन्स कनाडा
2 ब्लूर स्ट्रीट ईस्ट - 20वीं मंजिल
टोरंटो, ओंटारियो, एम4डब्ल्यू, 1ए8, कनाडा
www.harpercollins.ca

न्यूज़ीलैंड
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स न्यूजीलैंड
यूनिट डी1, 63 अपोलो ड्राइव
रोजडेल 0632
ऑकलैंड, न्यूजीलैंड
www.harpercollins.co.nz

यूनाइटेड किंगडम
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड।
1 लंदन ब्रिज स्ट्रीट
लंदन SE1 9GF, यूके
www.harpercollins.co.uk

संयुक्त राज्य अमेरिका
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स इंक.
195 ब्रॉडवे
न्यूयॉर्क, एनवाई 10007
www.harpercollins.com